



ڈاکٹر ذاکر حسین لائبریری

DR. ZAKIR HUSAIN LIBRARY

JAMIA MILLIA ISLAMIA

JAMIA NAGAR

NEW DELHI

Please examine the books before
taking it out You will be responsible
for damages to the book disco-
vared while returning it

DUE DATE

Ca H/Rare
964.79
SAW

~~~~~  
Acc. No. 95443

La y for first 15 days.  
Rs. 2 00 per day - days of the due date,

Dr ZAKIR HUSAIN LIBRARY



95443

**SELECTIONS FROM THE SATARA RAJAS'  
AND  
THE PESHWAS' DIARIES.**

**VIII**

**SAWAI MADHAYRAV PESHWA**

**VOLUME III.**

**PREPARED BY**

***The late Rao Bahadur Ganesh Chimnaji Vād, B. A.***

**NATIVE ASSISTANT TO THE COMMISSIONER C. D.**

---

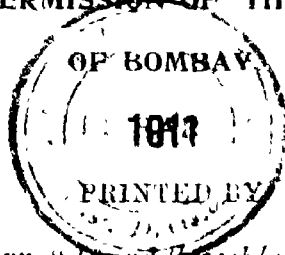
**EDITED BY**

**KASHINATH BALKRISHNA MARATHE, B. A., L. L. B.**

**PUBLISHED BY**

**THE POONA DECCAN VERNACULAR TRANSLATION SOCIETY**

**WITH THE PERMISSION OF THE GOVERNMENT**



***K. R. Gondhalekar "Jagadguruchhu Press," Poona City,***

---

***All rights reserved under Act 25 of 1867  
by the Society***

**Price 2½ Rupees**

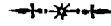
सातारकर महाराज व पेशवे ह्यांची रोजनिशी

भाग ८ वा.

# सवाई माधवराव पेशवे

( निवडक उतारे )

अंक ३ रा.



रावबहादूर गणेश चिमणाजी वाड बी. ए.

माजी नेटिव्ह असिस्टंट निसबत कमिशनर मध्यभाग

ह्यांनी निवड करून काढली

ते

काशीनाथ बाळकृष्ण मराठे बी. ए. एल्. एल्. बी.

ह्यांनी छापण्याकरिता तयार केली.

---

डेकन व्हन्युअर ट्रान्सलेशन सोसायटी-पुणे.

हिने

मुंबई सरकारच्या परवानगीने छापून प्रसिध्द केली.

---

सन १९११

---

जे. रा. गोंधळेकर यांच्या जगादेतेच्छु छापखान्यात छापिली.

किंमत २॥ रुपये.



ह्या पुस्तकामेंचंभी मर्य हक्क डी. व्ही. टी. सोमायटीने आपणाकडे ठेविले आहेत. )

## अनुक्रमणिका.

| विषय                                       | पृष्ठ                                                                        |
|--------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------|
| ६ इतर मुलकी नोकर व त्यांचा मुशाहिरा        | VI Other revenue officers and their remuneration. १                          |
| ७ न्यायखातें                               | VII Administration of justice. ५७                                            |
| ( अ ) दिवाणी                               | ( A ) Civil. ५७                                                              |
| ( ब ) फौजदारी                              | ( B ) Criminal. ७१                                                           |
| १ फंदफितुरी व राजद्रोह                     | ( 1 ) Conspiracy and treason. ७१                                             |
| २ खून व आत्महत्या                          | ( 2 ) Murder and suicide. ८१                                                 |
| ३ डाके                                     | ( 3 ) Dacoity. ८९                                                            |
| ४ चोन्या व दरोडे                           | ( 4 ) Thefts and robberies. ९३                                               |
| ५ फसवणूक                                   | ( 5 ) Cheating. १००                                                          |
| ६ चोरीचा माल घेणें                         | ( 6 ) Receiving stolen property. १०१                                         |
| ७ बनावट दस्तऐवज                            | ( 7 ) Forgery. १०२                                                           |
| ८ जबरीची लग्ने                             | ( 8 ) Forced marriage १०३                                                    |
| ९ बदकामें                                  | ( 9 ) Adultery. १०८                                                          |
| १० भूमिगत द्रव्ये                          | ( 10 ) Treasure-trove. १०९                                                   |
| ११ जादूगिरी                                | ( 11 ) Practice of witchcraft and sorcery. १११                               |
| १२ गोवध                                    | ( 12 ) Cow-killing. ११६                                                      |
| १३ किरकोळ                                  | ( 13 ) Miscellaneous offences, such as negligence in guarding prisoners. ११७ |
| १४ ज्या गुन्ह्यांची नांव नाहींत असे गुन्हे | 14) Other offences not specified. १२१                                        |

|                                                                  |                                                               |     |
|------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------|-----|
| ( क ) वेड                                                        | ( C ) Insanity.                                               | १२२ |
| ( ड ) न्यायखात्यातील कामगार                                      | ( D ) Judicial officers.                                      | १२३ |
| ( इ ) पोलीस                                                      | ( E ) Police.                                                 | १३० |
| ( एफ ) तुरुंग                                                    | ( F ) Prisons.                                                | १३६ |
| ८ सरकारी कामगार व जहागिरदार यांचे गैरवर्तन                       | VIII Misconduct of Government officers and Jahāgirdārs.       | १५४ |
| ९ इनाम, नक्त वेमणुकी, वतने वगैरे                                 | IX Grants and continuance of Ināms, allowances, watans &c.    | १७४ |
| ( अ ) देणग्या                                                    | ( a ) Grants.                                                 | १७४ |
| १ नोकरी केल्याबद्दल, अगर नुकसानी झाल्याबद्दल, अगर मेहेरबानी दाखल | 1 For service done or injury received or as a mark of favour. | १७४ |
| २ धर्मकृत्ये व नवस                                               | 2 To charitable purposes and in fulfilment of vows.           | १८३ |
| ( ब ) देणग्या पुढे चालविणे                                       | ( b ) Continuance.                                            | २०४ |
| १० किताबती व बहुभान                                              | X Grants of titles and honors                                 | २०७ |
| ११ सार्वजनिक इमारती, व लोकोपयोगी कामे                            | XI Public buildings and works of public convenience.          | २०८ |
| ( अ ) विहिरी व तलाव                                              | ( a ) Wells and tanks.                                        | २०८ |
| ( ब ) दुसरी कामे                                                 | ( b ) Other works.                                            | २१५ |
| १२ टपाल खाते                                                     | XII Postal service.                                           | २१९ |
| १३ वैद्यकी व शस्त्रक्रिया                                        | XIII Medicine and surgery.                                    | २२१ |
| १४ व्यापार व कारखाने                                             | XIV Trade and Manufacture.                                    | २२३ |
| ( अ ) पेट व बाजार बसवणे                                          | ( a ) Establishment of Peth and Markets.                      | २२३ |
| ( ब ) देशांत येउन राहणाऱ्या व्यापाऱ्यांस उत्तेजन                 | ( b ) Encouragement to traders settling in the country.       | २२४ |
| ( क ) जलमार्गाचा व्यापार                                         | ( c ) Maritime trade.                                         | २२६ |
| ( ड ) वजन व मापे                                                 | ( d ) Weights and Measures.                                   | २२७ |
| ( ई ) किरकोळ                                                     | ( e ) Miscellaneous.                                          | २३६ |

|                         |                                      |     |
|-------------------------|--------------------------------------|-----|
| १५ टांकसाळी व नाणी      | XV Mint and coins.                   | २३७ |
| १६ सरकारने घेतलेले कर्ज | XVI Government Loans.                | २४२ |
| १७ निरख व मजुरी         | XVII Prices.                         | २४२ |
| १८ वेठ                  | XVIII Forced service.                | २४४ |
| १९ गुलाम                | XIX Slaves.                          | २४८ |
| २० धर्मसंबंधी व सामाजिक | XX Religious and social mat<br>ters. | २५५ |
| २१ सार्वजनिक उत्सव      | XXI Public festivals.                | २९३ |
| २२ शहर पुणे, व पेठा     | XXII Poona and its suburbs.          | ३४७ |
| २३ पेशव्यांचे मुकाम     | XXIII Peshwa's camps.                | ३५९ |

---

# सवाई माधवराव पेशवे

## यांची रोजनिशी.

### ६ इतर मुलकी नोकर व त्यांचा मुशाहिरा.

८१९--( १ ) परगणे इंदापूर येथील फडणिसी बाळाजी कृष्ण यांजकडून दूर करून  
अर्बा सबैन भास्कर हरी यांस सांगोन, वेतन सालीना रुपये २०० दोनशें रुपये  
मया व अल्फ करार केले असेत, तरी मशारनिल्लेचे हातून फडणिसीचे कामकाज  
रजब २ घेऊन, सदरहूपमाणें वेतन पावीत जाणें झणून, गोपाळ भगवंत कमा-  
विसदार परगणे मजकूर यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

८२०--( ९ ) सर्वोत्तम शंकर यांजकडे सरसुभा होता, तो दूर करून, सालमजकुरा-  
अर्बा सबैन पासून बाबूराव बल्लाळ यांजकडे सांगितला असे, तरी महालानिहायचे  
मया व अल्फ जमाबंदीचा वगैरे बंदोबस्त मशारनिल्ले करून देतील, त्याप्रमाणें  
रमजान ३० वर्तणूक करणें झणोन, कमाविसदारांचे नांवें छ. ९ रजब. सनदा.

११ किता.

- १ नारो बल्लाळ कमाविसदार, सरकार हांडे व परगणे हर्दे.
- १ राघो नारायण कमाविसदार, परगणे नांशीक.
- १ श्रीपत जिवाजी कमाविसदार परगणे वणदिंडोरी.
- १ विठ्ठल गणेश कमाविसदार कजवे खेड व कडूस.

### VI OTHER REVENUE OFFICERS AND THEIR REMUNERATION

( 819 ) Balaji Krishna was deprived of the office of Fardnis of Parganā  
A. D. 1773-74 Indapur, worth Rupees 200 a year, and the office was  
conferred on Bhaskar Hari.

( 820 ) Baburao Ballal was appointed to the post of Sirsubhā in  
A. D. 1773-74 succession to Sirvotam Shankar, and orders were issued  
to the Kamavisdars of Parganās Nāsik, Dindori, Pimpal-  
ner etc. to give effect to the settlement of the jamā-

- १ खंडो गणेश कमाविसदार मौजे कोकमठाण व कसबे संवत्सर व मौजे मरकळ.
- १ येशवंतराव कृष्ण कमाविसदार मौजे पांडुरली व मोकासा सिन्नर.
- १ बाजी गोविंद कमाविसदार, मौजे आपटी.
- १ अमृतराव वासुदेव कमाविसदार जकात सरकार संगमनेर.
- १ परगणे सिन्नर निजवत अंताजी महादेव व गंगाधर राम.
- १ नारो गोविंद कमाविसदार परगणे कुंभारी.
- १ रघुनाथ रामचंद्र कमाविसदार बाबती सरदेशमुखी तर्फे देपूर.

११

५ किता कमाविसदार महालानिहाय यांचे नांवें कीं, घासदाणा व पेशकसी, व दिवाणदस्तुरी, वगैरे सरसुभाचीं कलमें असतील तीं सुदामतप्रमाणें सरसुभा देत जाणें ह्मणून.

- १ गोविंद हरी कमाविसदार प्रांत बागलाण.
- १ हरी बल्लाळ कमाविसदार परगणे पिंपळनेर.
- १ कृष्णाजी विश्वनाथ कमाविसदार परगणे भामेर.
- १ बाजीराऊ आपाजी कमाविसदार परगणे लोहनेर, वाखारी वोटुरपालें.
- १ भिकाजी कृष्ण कमाविसदार परगणे दहिबल यांस.

५

१ अमृतराव बांडे यांचे नांवें सनद कीं, परगणे वरसें, व उमरपाटें.  
तुम्हांकडे सरजामास आहे तेथील दिवाण दस्तुरी वगैरे सरसुभ्याचीं कलमें असतील तीं सुदामतप्रमाणें सरसुभा देत जाणें ह्मणोन.

सनद १.

रसानगी यादी.

८२१-( ११ ) गोविंद बल्लाळ यांस प्रांत राजपुरी येथील कुल कारभार सांगोन

अर्बा सवैन  
मया व अलफ  
रमजान १०

पाठविले आहेत, त्यांस तैनाती सन सबा सितैनांत करार केल्या त्या-  
प्रमाणें.

bandi of the maháls that might be made by him, and to pay him the dues of the office such as Ghás Dàná, Peshkasi, Dasturi etc.

( 821 ) Govind Ballál was sent to Prànt Ràjpuri to do duty as Kulkàrbhàri on annual Tainát of Rupees 250 and 30 seers of oil for lighting purposes; and the following instructions were issued to Govindrao Chimàji Mánkar:—

नक्त सालीना मोईन

निवळ २५० रुपये.

तेल दिवटीस दरमहा

वजन ४४२॥ पक्के.

एकूण अडीचशें रुपये नक्त सालीना, व दिवटीस तेल दरमहा वजन पक्के अडीच शेर करार केलें असे, तरी प्रांत मजकूर पैकीं पावीत जाणें याखेरीज. कलम.

१ कुलकारभार मशारनिल्लेनीं करावा. तुष्नीं यांचे हातून घ्यावा. वखेडा करूं नये. इतर कारकुनांनीं यांचे रजातलबेंत रहावें. किल्याचे चवकी पाहत्याचे बंदोबस्त तुष्नीं करून शिका मोर्तब करीत जावें. कलम.

१ मखलासी करणें ती याणीं करावी. त्याप्रमाणें फडणीस, मजमदार व चिटणीस याणीं लिहावें. कदाचित एक वेळ मखलासी चुकली, तरी फडनीस, मजमदार व चिटणीस बहुत दिवसांचे माहितगार आहेत, त्यांणीं मशारनिल्लेस समजाऊन सांगोन, यांचे हातून नीट करावें. मखलासीत चुकले तरी तसेंच लाटून मग यांचे पदरीं बेडेपण आणावें असें करूं नये. निष्कपटपणें वर्तणूक करून सरकारकामावर लक्ष घरावें. कलम.

१ निकामी माणूस असेल त्यापैकीं पन्नास माणूस दूर करून त्याचे ऐवजीं मशारनिल्ले यांनीं आपले निसबतीचे चांगले कसबी ठेऊन पेशजींचे नेमणुकीप्रमाणें सरकारचाकरी करावी. कलम.

१ रयतेकडे ज्याचें कर्ज असेल, तें सर्व यांनीं निवडोन सरसुभा समजवावें, तेथून बिल्ले होईल त्याप्रमाणें करावें. कलम.

१ दरकदारांकडे, व कारकुनांकडे, व मक्तेदारांकडे, प्रांत मजकूरचे गांव खोतीस आहेत. त्या गांवीं मक्तेयांची बेरीज भरून जाजती कूस असेल ती खातांनीं भरून द्यावी. तो ऐवज हुजूर समजवावा. कलम.

( 1 ) the whole management should be entrusted to him ( Govind Ballál ), and the clerks should serve under his orders; but orders about the guarding of forts should be issued by the Mankar;

( 2 ) all orders, when approved by Govind should be written by the Mujamdár, the Chitnis and the Fadnis; if any such order be wrong, it should be the duty of the Mujamdár, the Chitnis and the Fadnis, who are experienced officers of Government to point out the error and to get it corrected; they should not allow a wrong order to pass merely because it had been approved by the Kulkárbhári, and thereby hold him up to ridicule; they should serve him loyally keeping the interests of the public service in view;

१ सालाबादची कमावीस जमेस आहे, त्याशिवाय मशारनिल्लेनीं साधून देतो ह्मणोन कबूल केलें त्याचीं. कलमें.

१ खंड गुन्हेगारी.

१ राबते महार, इस्तकबील.

१ पेंढेयाचा खर्च होऊन बाकी राहतील त्याचे फरोक्ताचा ऐवज.

३

एकूण तीन कलमें वगैरे कमावीस मिळोन दहा हजार रुपये साधतील, तो ऐवज मशारनिल्लेपामून पेशजीं रसद सरकारांत घेतली आहे, त्याचे रकदजीं लिहावें, ह्मणोन सन सबा सितैनांत करार होऊन सुभ्यास गेले; आणि चवकशी करून पंधरा हजार सहाशें रुपयांचीं यादी मशारनिल्लेनीं आणून समजाविली, त्याचे रुजवातीस हल्लीं हुजूरून विष्णु अनंत व भिकाजी केशव पाठविले आहेत, त्यांचे गुजारतीनें रुजुवातमुळें कलमें, खरी होतील, त्यांपैकीं यांजपासून सरकारांत रसद सन सीत व सबा सितैनांत दुसालांत दहा हजार तीनशें मदुसष्ट रुपये घेतले. त्यांपैकीं हुजूरून वगैरे पांच हजार चारशें सबा व्याणव रुपये दोन आणे रदकजीं ऐवज पावला आहे, तो सरकारांत घेऊन बाकी ऐवज अठ्ठेचाळीसशें साडे चवऱ्याहात्तर रुपये दोन आणे यांचा देणें राहिला आहे, तो रदकजीं घावा. दहा हजारांहून जास्ती ऐवज राहिला तो सरकारांत जमा करावा. दहा हजारांस कमी ऐवज जहाला तर यांचे देण्यांत वजा करावा. सरकारांतून देऊं नये. त्याप्रमाणें बोलून चालून करार केला असे, येणेंप्रमाणें. कलम.

६

एकूण सहा कलमें करार केलीं असेत, तरी सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें ह्मणोन, गोविंदराव चिमाजी माणकर यांचे नांवें. सनद १.

रसदगि यादी.

- ( 3 ) he should be allowed to replace 50 useless men by good working hands of his selection;
- ( 4 ) he should ascertain the debts due from the ryots and report the same to the Sirsubhá, and should abide by his order;
- ( 5 ) the difference between the amounts fixed to be levied from Darakdárs, Karkuns and farmers, holding Khoti villages in farm, and the amounts actually recovered by them from the villages should be credited to Government, etc. etc.



## नारो आपाजीच्या रोजकीर्दीपैकीं.

८२२-( ६४ ) हरि भिकाजी यांची असामी दस्तरदारीची तालुके कावनई येथें आहे, खमस सवैन त्यास मशारनिल्हे लिहिणार चांगले नाही. याजकरितां गोपाळ धोंड- मया व अलफ देव माजी कमाविसदार याणीं आपले कारकिर्दीत सालगुदस्तांचे बेहे- जमादिलाकर २९ ज्यास मुबदला कारकून ठेऊन बेहेड्याचे नेमणुकीप्रमाणें वेतन घावें; ह्मणोन, कलम लिहून घेतलें आहे. त्यास पेशजीप्रमाणें हरी भिकाजी यांजपासून लिहि- प्यांचें कामकाज घेऊन, बेहेड्यास नेमणूक रुपये २०० दोनशें आहे. त्याप्रमाणें वेतन पक्वीत जाणें. हे लिहिणार चांगले नसल्यास यांजपामून लिहिणार गुमास्ता घेऊन, यांची असामी यांजकडे चालवणें ह्मणोन, परशराम त्रिंबक, तालुके मजकूर, यांचे नांवें छ. ६ रबिलाखर. सनद १.

रसानगी यादी.

८२३-( ७५ ) आपाजी गणेश यांचे नांवें सनद कीं, परगणा बिरमगांव, तालुके खमस सवैन अमदाबाद, येथील दफ्तरदारीची असामी तीर्थी[स्व]रूप कैलासवासी मया व अलफ नानासाहेब याणीं वेदमूर्ति राजश्री कृष्णभट्ट पाटणकर यांस दिल्ली, जमादिलाखर २९ त्याणीं आपले तर्फेनें त्रिंबक हरी कारकून यांचे नांवें सरकारची सनद घेऊन असामीवर पाठविलें, त्यास असामीचें वेतन कराराप्रमाणें भटजीस त्रिंबक हरी देत गेले. आलीकडे मशारनिल्हे वेतन वावयाम घालवसर करूं लागले, सबब भटजींनीं असामी राजश्री विठ्ठलराव मोरेश्वर गोळे यांचे स्वाधीन करून वेतन घेत आले. त्रिंबक हरी मृत्य पावले. त्यांचे पुत्र भिवगव त्रिंबक याणीं सालगुदस्तां गैरवाका आपली असामी असें सम- जाऊन ताकीद पत्र घेतलें आहे, त्यास हल्लीं चौकशीकरतां भटजींची असामी, सबब त्यांचे पुत्र अंताजी कृष्ण पाटणकर यांचे नांवें परगणा मजकूरची दफ्तरदारीची असामी पेशजी- प्रमाणें करार करून दिल्ली असे, तरी यांचे तर्फेनें कारकून येईल त्याचे हातून दफ्तर-

## FROM NARO APPAJI'S DIARY.

( 822 ) The office of the Daftardār of Tālukā Kāwanai belonged to Hari Bhikājī, and it was represented that he was not a good writer. It was ordered that if that was the case, a substitute should be taken from him for duty, but that he should not be deprived of his office.

( 823 ) The office of Daftardār in Parganā Biramgaon in Tālukā Ahmadābād was conferred on Krishnabhat Pātankar by Nānāsahēb Peshwa. Krishnabhat appointed a substitute to do duty for him. The substitute after some years refused to pay to Krishnabhat the salary of the office, viz. Rs. 300, as agreed

दारीचे कामकाज घेऊन वेतनाची नेमणूक बेहेब्यास रुपये ३०० तीनशें आहे, त्याप्रमाणें देत जाणें. गुदस्तां भिवराव त्रिंबक यांणी सरकारचें ताकीदपत्र नेल्यावरी वेतनापैकीं ऐवज घेत [ला अस] ल्यास माघारे घेऊन भटजीस पावता करणें झणून. सनद १.

रसानगी, सनद पुरंघर छ. २५

८२४—( १२३ ) तालुके करनाळा, प्रांत कल्याण, येथील मजमू जगन्नाथ नारायण खमस सवैन यांजकडे आहे, त्यास गांवगन्ना चिठ्ठी महालीहून होत्ये; त्याजवर मया व अलफ मजमूचें निशाण होत नाही, झणोन मशारनिव्हेनीं विदित केलें; जिल्ह्याद २० त्याजवरून हे सनद सादर केली असे, तरी महालीहून चिठ्ठी होईल त्याजवर मजमदाराचें निशाण करवीत जाणें; व जमाबंदीचें वगैरे कामकाज यांचे इतल्यानें करीत जाणें. दुसरे महाली कारकुनी दोहों चोहों महाली मजमदारास पावत असेल, त्या-प्रमाणें तुष्नीं यांस देत जाणें झणोन. सनदा.

१ श्रीधर नारायण सरखोत तालुके मजकूर यांस.

१ रामराव त्रिंबक यांस कीं, श्रीधर नारायण सरखोत तालुके मजकूर यांस तुष्नीं ताकीद करून सदहूप्रमाणें चालवणें झणोन.

रसानगी यादी.

२

८२५—( १२५ ) तालुके राजमाची येथील फडणिसी अंताजी केशव यांजकडे होती, त्यास खमस सवैन त्यास सालमजकुरीं दरकदारांकडे कर्जाचा ऐवज करार केला, त्यास मया व अलफ फडणिसी त्यांजकडून दूर करून सालमजकुरापासून जनार्दन बल्लाळ मोहरम ६ निसबत नारो रघुनाथ सिदोरे यांस अवल सालापासून सांगितली असे, तरी यांचे हातें तालुके मजकूर येथील फडणिसीचें कामकाज पेशजीप्रमाणें घेऊन बेहेब्याचे नेमणुकेप्रमाणें पाववीत जाणें झणोन, रामराव नारायण यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

upon. Krishnabhat therefore appointed another substitute. Orders were issued to accept service from the second substitute and to disburse the salary as usual.

( 824 ) On the complaint of Jagannáth Nárāyan, the Mujamdār of Taluká Karnálá, it was directed that all orders issued A. D. 1774-75 to the village from the mahál should bear Jagannáth Nárāyan's mark of attestation, and that all jamábandi work should be done in consultation with him.

( 825 ) The Fadnis of Rájmachhi, Antáji Keshav, having refused to advance money, as other Darakdars did, was deprived A. D. 1774-75 of his office, and it was conferred on another person.

८२६--( १९१ ) सदाशिव कृष्ण फडणीस परगणे नाशिक, यांचे नांवें स्वतः लिहून  
 स्वमत सवैन दिलें कीं, तुझांकडे फडणिशीचे दरकसंमधें कर्जाचा ऐवज करार  
 मया व अलफ केला, त्याचा भरणा सरकारांत येणेंप्रमाणें. रुपये.  
 रबिलाखर ५

१४०८ शके १६९६ जयनाम संवत्सरे, भरणा फाल्गुनमासी.

२३८ वद्य नवमी ९

२०० वद्य १० दशमी.

९७० वद्य ११ एकादशी.

१४०८

२५९२ शके १६९७, मन्मथनाम संवत्सरे, चैत्रमासी भरणा.

५९२। शुद्ध १ प्रतिपदा.

३६९॥ शुद्ध १३ त्रयोदशी.

१६३०। वद्य १ प्रतिपदा.

२५९२

४०००

एकूण चार हजार रुपये सदरद्वप्रमाणें सरकारांत कर्ज घेतलें आहे. त्यासी, व्याज दर  
 माहे दरसदे रुपया एकोत्रा शिरस्तेप्रमाणें करार केलें असे. व्याजमुद्धां हिशेब करून  
 ऐवज पेस्तर दिल्ला जाईल म्हणून छ. २७ सफर. स्वतः १.

रसानगी यादी.

### जनार्दन आपाजीच्या रोजकीर्दीपैकीं.

८२७--( २४५ ) परगणे रायपूर येथील जमाबंदी वगैरे चवकशी तुझांकडे सांगितली  
 सीत सवैन असे, तरी जमाबंदीची वगैरे चवकशी करून बंदोबस्त करून देणें  
 मया व अलफ झणोन, नारो कृष्ण सरसुभेदार प्रांत खानदेश यांस. सनद १.  
 रमजान ३०

( 826 ) A receipt was given for Rupees 4,000 received from Sadāshiva  
 A D. 1774-75 Krishna Phadnis on account of a loan advanced by  
 him to Government in connection with his office of  
 Fadnis; the amount, it is stated, would be returned in future. The rate of  
 interest on the loan was one rupee per month per cent.

( 827 ) Nāro Krishna Sirsubhedār of Parganā Khāndesh was directed

आपाजी गोविंद कमाविसदार, परगणे मजकूर यांस सनद कीं, नारो कृष्ण बंदोबस्त करून देतील त्याप्रमाणें वर्तणूक करणें झणोन.

१

२

दोन सनदा दिल्या असेत. छ. १७ सावान.

परवानगी रूबरू.

८२८--( २८९ ) तालुके रेवदंडा येथील कारकून असामी ६ लिहिण्याचे उपयोगी

सीत सवैन नाहीत, याम्तव त्यांस दूर करून त्यांचे ऐवजीं चार असामी सन

मया व अलफ सल्लाम सबैनांत जदीद करार करून दिल्या, त्यांपैकीं केसो नारायण

रविलाखर १५ लिहिण्याचे उपयोगी नाहीत, याजकरितां मशारनिल्हेस सालमजकुरीं

सरमुभाहून दूर करून पेशजीं सदरहू असामी सहा दूर जाहल्या, त्यांत लिहिणार चांगले आहेत सबब त्या असामी.

१ गणेश यादव.

१ बाळाजी केशव.

एकूण दोन असामी पेशजींप्रमाणें सरमुभाहून करून देऊन पत्र दिल्लें आहे, त्याप्रमाणें करार करून हे सनद तुहांस सादर केली असे, तरी सरमुभ्याचे पत्राप्रमाणें केसो नारायण यांस दूर करून सदरहू दोन असामीजवळून चाकरी घेऊन नेमणुकेप्रमाणें वेतन पावीत जाणें झणोन, आनंदराव शिंदे यांचे नांवें छ. ९ रविलावल.

सनद १.

रसानगी यादी.

८२९--( २९३ ) पुण्यात जप्तीचीं घें सरकारांत आलीं आहेत, तीं भाड्यांनं लाऊन

सीत सवैन ऐवज जमा करावयास तुहांस आज्ञा केली असे, तरी जीं घें जप्तीचीं

मया व अलफ असतील, ती भाड्यांनं लाऊन ऐवज येईल तो सरकारांत जमा करणें

रविलाखर १५ झणोन, महादजी बल्लाळ कारकून शिलेदार यांचे नांवें छ. १५

रविलाखर.

सनद १.

रसानगी यादी.

A. D. 1775-76 to settle the jamābandi and manage the Parganā of Rājapur.

( 828 ) Six Kārkuns of Tālukā Rewadandā being unfit for clerical

A. D. 1775-76 duties were removed, and four new men were entertained in their place: one of these four men being found to be useless was dismissed by the Subhā, and two men were entertained in his place. The appointments were approved.

( 829 ) Many houses in Poona having been attached and having

A. D. 1775-76 thus come into the possession of Government, a Kārkun was appointed to arrange about letting them on hire and recovering the rent.

८३०-( २९६ ) वासुदेव बल्लाळ यांस तर्फ सौंदल प्रांत राजापूर निसबत मुभा  
सीत खैन आरमार बिजेदुर्ग येथील हवाला सालमजकुरापासोन सरमुभाहून  
मया व अलफ सांगितला, त्याप्रमाणें हुजूरून करार केला असे, तरी मशारनिस्हे-  
रबिलाखर १५ पासून तर्फ मजकूर येथील हवालयाचें कामकाज घेत जाणें. हवालया-  
समर्थे कलमें पेशजीं सरमुभाहून करार करून दिली आहेत त्याप्रमाणें. कलमें.

हवालयासमर्थे रसद पांच हजार रुपये  
करार केली आहे त्याचा भरणा आ-  
रमाराकडे मशारनिस्हेनीं एक महि-  
न्यानीं करावा. सदरहू ऐवजास व्याज  
एकोत्रा शिरस्तेप्रमाणें करार केलें असे.  
व्याज व मुद्दल मिळोन ऐवज मशार-  
निस्हेस पावला पाहिजे, त्यास-दरसाल  
एक हजार रुपये महालाचे देवजीं द्याव-  
याची नेमणूक करून दिल्ली असे,  
तरी देत जाणें. कलम १.

महालाचें कामकाज करणें तें हवाल-  
दारांनीं कुल अखत्यारीनें करावें. मुभाहून  
महालीं गांवगन्ना परभारा रोखा करूं नये.  
जें करणें व लिहिणें तें हवालदारास लि-  
हित जाणें. न्यायमनसुबी चिट्ठी मसाला  
करणें तो हवालदारांनीं करित जावा. यांत  
हर वतनाची मनसुबी पडली, तरी हवाल-  
दारानें वाजबी निवडून मुभा समजाऊन  
फडसा करून घेत जावा. कलम १.

फडफर्मास, व वेठ बेगार सालाबाद-

हवालदाराची नेमणूक सालीना रुपये.  
२०० हवालदार यास मोईन सालीना  
खेरीज शिरस्ता अवलसाला-  
पासून. रुपये.

२५ खेरीज मुशाहिरा खर्चाची नेम-  
णूक आरमाराकडे आहे, त्या-  
पैकीं महालाकडे नेमणूक करून  
दिल्ली. रुपये.

२० कागदबहा व शार्दशिरें.  
५ रोषनाई तेल बद्दल रुपये.

२५

२२५

एकूण क्वा दोनशें रुपये सालीना ने-  
मणूक करून दिल्ली असे, पाववीत जाणें.  
कलम १.

महालाचे लिहिण्यास कारकून व कसु-  
लास प्यादे नेहमीं पाहिजेत, त्यास आर-  
माराचे बेहळ्यास नेमणूक आहे त्याप्रमाणें  
असामी.

( 830 ) The office of Havāla of Talukā Saundal in Prānt Rājāpur  
A. D. 1775-76 in charge of the naval department of Vijayādurga  
was conferred on Wāsudev Ballā by the Sirsubhā.  
The appointment was approved. The following were some of the in-  
structions issued for the guidance of the officer:—

( 1 ) he should as agreed upon advance a loan of Rs. 5,000 to  
Government;

प्रमाणें आरमाराकडे पावत आहे, त्याचा रोखा हवालदारांकडे करावा. हवालदारानें गांवगळां सालाबादप्रमाणें रोखे करून फड-फर्मास वगैरे सुभाकडे पाववीत जावी; व शाकार सालाबादप्रमाणें दास्तानी जमा करित जावा. कलम १.

महालाचे बंदोबस्तास मोर्तब महालाचें चालीचें करून देणें. कलम १.

१ कारकून नेहमीं लिहिण्यास.  
१५ प्यादे.

१० बारमाही.  
५ आठमाही.

१५

१६

एकूण सोळा असामी सदरहूप्रमाणें नेमून देणें. कलम १.

महालाचा हिशेब हवालदार यांणीं म-  
हालीं करून एकंदर ताळेबंद नरुती व  
ऐनजिनसी आकारून सुभाची मखलसी  
करून घेऊन तपसीलवार हिशेब सुभास  
द्यावा. कलम १.

एकूण सात कलमों करार करून दिलीं असत, तरी सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें झ-  
णोन, आनंदराव धुळप यांचे नांवें. सनद १.

छ. १२ मोहरम, रसानगी याद.

८३१—( ३४४ ) बोरघाट, व कातळदरा, व हिंदुळा, व मांजर सुभा, व राजमाची  
सबा सचैन या घाटांस चौकशीबद्दल हुजूरून पिलाजी विठ्ठल कारकून निसबत  
मया व अलफ हुजूर हशम व प्यादे पाठविले आहेत. हे खालून कागद येतील व  
रमजान २९ वरून खालीं कागद लोकांस जातील, त्याची चौकशी करतील. त्यांस

( 2 ) his annual salary should be Rupees 200;

( 3 ) the duties of the mahál should be carried on under his sole authority: the Subhà should not make any requisition whatever on the villages except through him;

( 4 ) any adjudication regarding an important judicial dispute in connection with a Watan should after inquiry be referred by the Haváldár to the Subhà: other disputes should be disposed of by him;

( 831 ) A Kárkun and some peons were sent to the following  
passes, Borghát-Kátaldarà, Hindulà, Manjarsubha and  
Rájmáchi to examine private letters passing between

करूं देणें झणोन, रामराव नारायण तालुके राजमाची यांचे नांवें छ. १७ रक्कम परवानगी राजश्री बाळाजी जनार्दन. सनद १.

८३२-( ३८६ ) महालानिहाय प्रांत खानदेश येथील सालमजकुरी जमाबंदी कराव-  
खावा सैन याची, त्यास कमाल सालाचे अन्वये चौकशी करून आकार कराव-  
मया व अलफ याची आज्ञा राजश्री नारो कृष्ण सरसुभेदार, प्रांत मजकूर यांस केली  
जिल्हेज २९ असे, ते तुम्हांस लिहितील त्याप्रमाणें वर्तणूक करून त्यांचे इतल्याखे-  
राज तुम्हीं जमाबंदीचा ठराव न करणें झणोन कमाविसदारांचे नांवें. सनद.

- १ परगणे जलोद निसबत काशीनाथ नारायण.
- १ परगणे राजवेहर निसबत व्यंकटराव बळाळ.
- १ परगणे रायपूर निसबत संकराजी मोरराव.
- १ परगणे चाळीमगांव निसबत संकराजी विरेश्वर.
- १ परगणे बेटावद निसबत कृष्णाजी बळाळ.
- १ परगणे रावेर निसबत रामाजी बापूजी.
- १ परगणे नां(द)गांव निसबत विश्वासराव रामचंद्र, व दामोदर गोविंद.
- १ परगणे बोदबाड निसबत विश्वासराव रामचंद्र.
- १ परगणे पिंपळोद निसबत पांडुरंग कमलाकर व केशवराव जगन्नाथ.
- १ परगणे मुधिभामगड निसबत माधवराव कृष्ण.
- १ परगणे बोरनार निसबत गोपाळ बळाळ.
- १ परगणे आशेर निसबत केशवराव जगन्नाथ.
- १ परगणे चोपडें निसबत गोपाळराव हरी.
- १ परगणे पाचोरे निसबत विनायक रघुनाथ.
- १ परगणे वरणगांव निसबत विनायक रघुनाथ.
- १ परगणे डांगरी दिमत ठोके.
- १ परगणे बहाळ व परगणे बोरनार निसबत रामचंद्र पवार.
- १ कसबे साकोरे, परगणे माणिकपुंज, निसबत बाबूराव रामचंद्र दिमत चितो विठ्ठल.

people above and below the Gháts. The officer of Rájmaáchi was directed to permit them to carry on the examination. This order was issued under instructions from Báláji Janardan.

( 832 ) The officers of the various Maháls were informed that Náro

२ देशमुख व देशपांडे परगणे बरफगांव, व परगणे पाचोरे यांसी.

२०

रसानगी यादी, छ. २१ सवाल.

८३३—( ३९८ ) प्रांत बेलापूर येथील हशमनिसी शामजी राम यांजकडे होती, त्यास सबा सबैन ते मृत्यु पावले, त्यांचे पोटी पुत्र नाही, सबब त्यांचे बंधु अंताजी राम मया व अलफ यांचे नांवें करार करून हे सनद तुक्षांस सादर केली असे, तरी म- जिल्हेज २९ शारनिल्लेचे हातून हशमनिसीचे कामकाज घेऊन बेहेब्याचे नेमणूक- प्रमाणें वेतन पावीत जाणें झणोन, बाजी गंगाधर यांचे नांवें छ. १८ जिल्हेज. सनद. १ रसानगी याद.

८३४—( ४६६ ) महादजी शिंदे यांचे नांवें पत्र की, प्रांत माळवा येथील बाबती समान सबैन सरदेशमुखीची मजमू पेशजीपासून बापूजी लक्ष्मण यांचेकडे आहे, मया व अलफ त्याप्रमाणें चालत असतां आलीकडे वेतनाचा ऐवज मशारनिल्लेस जमादिलावल २६ पावत नाही, झणोन विदित जालें. त्यावरून हें पत्र तुक्षांस लिहिलें असे, तरी मजमूची असामी सुदामतप्रमाणें मशारनिल्लेकडे चालऊन वेतनाचा ऐवज रा- हिला असेल, तो झाडीयानसी देणें झणोन, मशारनिल्लेचे नांवें. सनद १.

चिटणिसी.

८३५—( ५१४ ) गंगाधर नासयण कानिटकर यांणीं हुजूर विदित केलें. परगणे समान सबैन रायपूर प्रांत बुंदेलखंड येथील खंडणी पेशजीपासून सरकारांतून आप- मया व अलफ णांकडे आहे, त्यास फडणिसीचे कामावर आपले तर्फेनें पूर्वीं विठ्ठल सवाल ३० गोपाळ यांसी पाठविलें होतें. त्यास सालगुदस्त सन सबा सबैनांत

A. D. 1776-77 Krishna Sir Subhā was instructed to make inquiries and settle the Jamābandi and that they should act according to his instructions.

( 833 ) Shāmji Rām, Hasabnis of Parganā Belāpur, having died without male issue, the office was given to his brother Antāji Rām.

( 834 ) The office of Majmu of Prānt Mālvā belonged to Bāpuji Laxaman. He complained that he had not received his remuneration for some time. Orders were issued to Mahādji Scindia to continue the office to Bāpuji as before, and to pay him his salary with arrears.

( 835 ) The office of the Fādnis of Parganā Rāypur in Prānt Bun- delkhand belonged to Gangādhār Nārāyan Kanitkar. He sent Bāpuji Appāji to officate on his behalf. The



त्याला दूर करून बापूजी आपाजी यांस महाली पाठविले. ते तेथे जाऊन सहा महिने बसले; परंतु फडणिसीचे कामाकाजाचा दाखला मामलेदार देत नाही, येविशी आज्ञा झाली पाहिजे झणून, त्याजवरून हे पत्र तुझांस लिहिले असे, तरी मशारनिल्लेनी आपले तर्फेचे गुमस्ते बापूजी आपाजी पाठविले आहेत. यांचे हातें परगणे मजकूर येथील फडणिसीचे कामकाज, कैदकानू, सुदामतप्रमाणें घेऊन पेशजीचे सनदप्रमाणें वेतन पाठवित जाणें. येविशीचा बोभाट येऊं न देणें झणोन, बाळाजी गोविंद, प्रांत बुंदेलखंड, यांचे नांवें चिटणीसी छ. २७ साबान. पत्र १.

८३६-( ) सदाशिव गोविंद यांचे नांवें मजमूची असामी होती. त्यास मशार-समान सबैत निल्ले त्रिवर्ग बंधू एक जागां होते तेव्हां, सुरळीतच होतें. आलीकडे मया व अलफ विभक्त जाहले. असामी सदाशिव गोविंद आपणांकडेसच घेऊं लागले जिल्ह्याद ३० बंधूस यथाविभागें असामीचा ऐवज द्यावा तो न देत, सबब असामी दूर करून चिंतामण हरी फडके यांजकडे सांगितली असे; मशारनिल्ले यांणीं तिराहित कारकून असामी ठेवावा; आणि त्यास थोडें बहुत वेतन करून, बोलीप्रमाणें त्यास ऐवज द्यावा. बाकी वेतनापैकीं ऐवज राहील तो त्रिवर्ग बंधूस यथाविभागें बरोबर वांटून द्यावा. असामी त्रिवर्गाची. येणेंप्रमाणें यादीवर करार असे.

८३७-( ५६१ ) जगन्नाथ महादेव फडणीस, तर्फ अशेर, यांणी हुजूर विदित केलें समान सबैत कीं. आम्हीं निराळें भोजन करतो, त्यास भोजनखर्चाचा ऐवज देत मया व अलफ नाही. त्याची नेमणूक करून दिल्ली पाहिजे झणोन, त्याजवरून हे जमादिलावल २ सनद तुझांस सादर केली असे, तरी तुझांकडे भोजनखर्चाची नेम-

Māmlatadār, however, refused to entrust the duties of Fādnis to him. Gangādhār Nārāyaṇ having complained to the Hujur, orders were issued to the Māmlatadār to allow Bāpuji to carry on his duties and to give no cause for further complaint.

( 836 ) The office of Mājnu belonged to Sadāshiv Govind. He had two brothers who were separated from him. Sadāshiv, who was the officiator, appropriated all the proceeds of the office instead of sharing them with his brothers. The office was therefore made over to Chintāman Hari with instructions to appoint a person to do the duty on a moderate salary, and to divide the remaining proceeds among the three brothers.

( 837 ) Jagannāth Mahādev, Fādnis of Turf Asher, complained that he received no food expenses though he dined separately (from the Māmlatdār). The Māmlatdār was ordered

णूक आहे त्यास सशरानिष्ठे निराळे भोजन करितात, त्यांस सर्चाचा आज्ञास पाहून भोजनसर्चाचे नेमणुकेपैकी प्रेवज त्यांस देत जाणें क्षणोन, केशवराव जमनाथ यांचे सन्ने.

सनद १.

रसानगी यादी.

८३८—( ६२८ ) तालुकेहाय येथील चौकशीस सर्वोत्तम शंकर यांस पाठविले आहेत, समानीन तर तालुक्यांचे लोकांची पाहणी करून, वाईट माणूस दूर करतील, मया व अलफ त्यांस रुकाएत करून त्यांचे ऐवजीं नेमणुकेत जदीद लोक व गोलं- राजव १४ दाज व जे जालंदाज ठेवतील, त्यांस ठेवणें; व जकीन्यापैकी तोफांचे फर्म्याचे गोळे असतील, ते ठेऊन, गैर फर्म्याचे राहतील ते दिगर तालुकीयास देवतील, त्यांस देणें क्षणोन.

सनद.

- १ गंगाधर गोविंद तालुके विजयदुर्ग यांस.
- १ आनंदराव धुलप मुभा आरमार विजयदुर्ग यांस.
- १ कृष्णाजी विश्वनाथ तालुके अंजणवेल यांस.
- १ बाळाजी गणेश, तालुके देवगड यांस.
- १ महिपतराव कृष्ण तालुके रत्नागिरी यांस.
- १ रघुनाथ सदाशिव, तालुके रायगड यांस.
- १ मोरो बापूजी तालुके सुवर्णदुर्ग यांस.
- १ आनंदराव शिंदे तालुके रेवदंडा यांस.

८

आठ सनदा, रसानगी यादी.

८३९—( ६२९ ) कोंकण प्रांतें तालुकेहायचे बंदोबस्तास हुजूरून सर्वोत्तम शंकर

to pay him a reasonable amount out of the grant allotted to him for food expenses.

( 838 ) Sarwotam Shankar was deputed to inspect certain Talukás in the Konkan, including the Taluká in charge of the naval department. The Mámalatdárs were directed to remove all Government servants whom he might deem unfit, to entertain new persons of his selection in their places, and to send to other Talukas under his direction any cannon balls which might be found to fall short of the standard size.

( 839 ) The Mámalatdárs were further directed to allow Sarwotam.

समानांन  
महा व अलक  
रजव १५

यांस पाठविले आहेत, त्यांस तालुकेयांचा बंदोबस्त कोणे रीतीचा आहे तो समजोन यथास्थित बंदोबस्त करावयाची. कलम.

जंगी सामान शिल्लकेस असेल तें पाहून कांहीं मरामत करावयाचें व कांहीं नवें घ्यावयाचें नेमितील त्याप्रमाणें घेऊन व तयार करावयाचें तें करून, शिल्लकेस ठेवणें; व तालुकेयांचे गलबताची तयारी व दायबोजी सांगतील त्याप्रमाणें करणें.

कलम १.

लोकांचे रोजमरे तटले असतील ते समजोन त्यांपैकीं हल्लीं घावयाचे नेमतील, त्याप्रमाणें लोकांचे वाटणीस ऐवज तूर्त देणें; व कांहीं सरदार दुसऱ्या सुभ्यास पाठवितील, व त्या सुभ्याकडून या सुभ्यास ठेवितील.

कलम १

एकूण सदरील पांच कलमों वगैरे जे चौकशी मशारनिष्ठे करितील ते समजावणें; व जो कागदपत्र मागतील तो देणें; व तर्तूद करावयास तुम्हांस सांगतील, त्याप्रमाणें वर्तणूक करणें. झणोन तालुकेहाये येथील मामलेदारांस वगैरे चिटणिसी सदरहू अनवयाची पत्रें.

१ बाळाजी गणेश, तालुके देवगड, यांस पत्र.

१ गंगाधर गोविंद, तालुके विजयदुर्ग यांस.

१ आनंदराव धुलप, सुभा आरमार, विजयदुर्ग, यांस पत्र,

१ महिपतराव कृष्ण, तालुके रत्नागिरी, यांस पत्र.

१ कृष्णाजी विश्वनाथ, तालुके अंजणवेल, यांस.

१ मोरो बापूजी, तालुके सुवर्णदुर्ग, यांस पत्र.

१ रघुनाथ सदाशिव, तालुके रायगड, यांस पत्र.

१ अनंदराव शिंदे, तालुके रेवदंडा, यांस पत्र.

शिल्लकेस जिनस आहे तो पाहून जाजती कांहीं घ्यावयाचा, व मरामत करावयाचा, नेमतील त्याप्रमाणें करणें; कलम १.

तोफांचे गाळ्यांची व दारूची मरामत, व तोफांचे काचे भरावयाचे, व जेजाला, व बंदुखांचा साज करावयास सांगतील त्याप्रमाणें करणें.

कलम १.

प्रांतांतील वस्तीचे लोक हत्यारबंद असतील, त्यांचा झाडा काढून जामीन घेणें.

कलम १

<

A. D. 1779-80

rao to examine the stores and to repair such of them as might be useful. Boats, guns, and cannons were to be repaired under his instructions. Security was ordered to be taken from all residents in the province possessing arms.

८४०—( ६६२ ) गणेश बल्लाळ कारकून निसबत चिंतामण हरी मुंबईस बातमीचे समानीन कामास आहेत; सबब त्यांजकडे दोन महागिऱ्या भरून गवत व एक मया व अलफ महागिरीभर लांकडे देविलीं असे, तरी तालुके बेलापूरपैकी सदरील जिल्हेज २६ लिहिल्याप्रमाणें त्यांजकडे पाठऊन देणें झणोन, कृष्णाजी नारायण यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी, गणेश हरी दिमत चिंतामण हरी.

८४१—( ८१४ ) प्रांत कोंकण येथील सरसुभा जिवाजी गोपाळ यांजकडे सालमज-अर्बा समानीन कुरापासोन सांगितला असे, तरी तुर्ही माहालीं मुलकीं, व किल्ले जातचा मया व अलफ बंदोबस्त मशारनिल्लेचे विचारें करीत जाणें. यांचे इतल्याशिवाय रविलाखर ३ कांहीं न करणें. हे सरकारचे आज्ञेप्रमाणें बंदोबस्त यथास्थित करितील झणोन चिटणिसी. पत्रें.

किल्ले जात, मुद्दां तालुके.

- १ प्रांत कल्याणभिवंडी, निसबत गोविंद राम.
- १ प्रांत बेलापूर, निसबत अंताजी महादेव.
- १ प्रांत राजपुरी, निसबत गोविंदराम, व चिमाजी माणकर.
- १ तालुके अवचितगड, निसबत गणेश बल्लाळ व हरी गणेश.
- १ मामले कोहज, निसबत गोविंदराव आबाजी.
- १ तालुके उंदेरी, निसबत महादाजी कृष्ण.
- १ तालुके रेवदंडा, निसबत अनंदराव शिंदे.
- १ किल्ले माहूली, निसबत दुर्गाजी शिंदे.
- १ किल्ले विकटगड व किल्ले कर्नाळा, निसबत सदाशिव राम दिमत अनंदराव राम.
- १ तालुके बीरवाडी, निसबत गणेश बल्लाळ, व हरी गणेश.
- १ तालुके सुवर्णदुर्ग, निसबत मोरो बापूजी.
- १ तालुके अंजणवेल, निसबत त्रिंबक कृष्ण.
- १ तालुके नेरल, निसबत हरी लक्ष्मण.

( 840 ) Krishnaji Narayen was directed to send two boats laden with grass & one with firewood to Ganesh Ballal karkun of Chintaman Hari at Bombay.  
A. D. 1779-80

( 841 ) Jiwaji Gopal was appointed Sirsubhá of the Konkan, and the officers of the various Tálukás were directed to abide by his orders in revenue matters, as well as in matters connected with the administration of forts; in fact, to do nothing without his advice.  
A. D. 1783-84

- १ तालुके रत्नागिरी निसबत महिपतराव कृष्ण.  
 १ तालुके विजयदुर्ग निसबत गंगाधर गोविंद.  
 १ तालुके देवगड निसबत चिमणाजी रामचंद्र.  
 ९. मा(हा)ली मुलकी तालुके.  
 १ परगणे साकसें निसबत भास्कर लक्ष्मण.  
 १ तर्फ आठगांव निसबत मोरो गोविंद.  
 २ जकात प्रांत कल्याणभिंवडी निसबत बापूजी गणेश, व उद्धो दादाजी. पत्र १.  
 जकात तालुके रेवदंडा व बंदर रोहें व अष्टमी १.

२

- १ आरमार विजयदुर्ग निसबत अनंदराव धुलप.  
 १ देशमुखी प्रांत वसई निसबत अनंदराव भिकाजी.  
 १ देशमुखी तालुके रेवदंडा, व तालुके उंदेरी निसबत महादाजी लक्ष्मण.  
 १ देशमुखी प्रांत राजपुरी, निसबत येसाजी रामचंद्र.  
 १ देशमुखी प्रांत बाळापूर, व आठगांव निसबत कृष्णाजी वल्लाळ.

९.

२५

पंचवीस चिटणिसी पत्रें दिल्लीं असेत.

८४२--( ८३८ ) तालुके अंजणवेर येथील सरहवाला लक्ष्मण बल्लाळ याजकडे आहे  
 अर्वा समानीत येविशी. कलमें.  
 मया व अलफ  
 जनादिलाबल ४

( 842 ) The duties of the office of SirHavaldár of Taluká Anjan-  
 vel were prescribed as follows:—  
 L. D. 1784-85

- ( 1 ) the SirHavaldár should be one of the officers sent to settle the jamaabandi of the Taluká, or to make any inquiry connected with it;  
 ( 2 ) no revenue or account matter should be disposed of without the advice of the Havaldár;  
 ( 3 ) recommendations for letting out lands at reduced rents should be received through him;  
 ( 4 ) he should assist the judge in deciding cases.

३

जमाबंदी तालुके मजकूरची जिराइती व बागाइती व नक्ती करावयाची, त्यास कारकून नेमावयाचे वेळेस सरहवालदार देखील नेमावे. कमजाजती जाहल्यास चौकशी करणें तेव्हां कारकून पाठवाल त्यांत सरहवालदार यासही पाठऊन चौकशी करावी. सर हवालदाराच्या इतल्या-खेरीज जमाबंदीचें व हिशेबाचें काम करूं नये.

कलम १.

शिस्ती नक्ती गल्याची, व कारसाईची होणें, ते हंगामशीर सरहवालदार यांणी सुभा सांगोन, शिस्ती करवाव्या, आणि जिकडील तिकडे सुभाहून रवाना कराव्या.

कलम १.

सदरहूप्रमाणें पांच कलमें करार करून दिव्हीं आहेत, त्याप्रमाणें सरहवालदाराचे हातून कामकाज घेत जाणें ह्मणोन, त्रिंबक कृष्ण यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

८४३--( ८६६ ) क्षेत्र पंचवटी, परगणे नाशिक, येथें गावांतील रस्ते झाडावयास खमस समानीन हलालखोर असामी १ एक ठेवावयाचा करून, त्यास नेमणूक सा-  
मया व अलफ लीना रुपये ३० द्यावयाचे करार केले असेत, तर परगणे मजकूर  
सफर ५ पैकीं सदरील तीस रुपये गंगाधरराव भिकाजी रास्ते, यांजकडे देत जाणें ह्मणोन, पांडुरंग धोंडाजी कमाविसदार, परगणे मजकूर, यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी याद.

८४४--( ९१८ ) क्षेत्र पंढरपूर येथें सन्यासी करपात्री भिक्षेकरितां फिरतात, व समान नमानान ब्राह्मण सोंवळे श्री देवदर्शनास येतात, व भीमा रानें करून घरांस  
मया व अलफ जातात; व माधोकरी ब्राह्मण मागतात, त्यांस गल्लींत उष्ट्या पत्रावळी  
जिल्हाद २९ व केरकुशीत जागा होऊन विटाळ होतात, याजकरितां गल्या झाडून

( 843 ) A sweeper was entertained for cleansing the streets of  
▲ D. 1784-85 Nāsik on a salary of Rs. 30 a year.

( 844 ) The streets of Pandharpur being dirty and strewn with  
A. D. 1787-88 leaves used as plates for food, Sannyāshis who went out to beg for food, and Brahmins who came to worship

निर्मळ राखण्याची आज्ञा तुम्हांस केली असे, तरी क्षेत्र मजकूरच्या गल्या हलालखोराक-  
डून झाडऊन निर्मळ राखणें. घर पाहून दरमहा एक दोन पैसेप्रमाणें हलालखोरास  
देवीत जाणें; आणि गल्या चांगल्या राखणें ह्मणोन, चितो रामचंद्र कामाविसदार क्षेत्र  
मजकूर दिमत परशराम रामचंद्र यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

८४५—( ९७१ ) तुम्हांजवळ पारसनीसीचे कामास पारसी लिहिणार पाहिजे, याज-  
समान समानीन करितां काजी महमद कारकून शिलेदार निसवत भगवंतराव नारायण  
मया व अलफ पारसनीस, यांस पाठविले आहेत. तरी यांजपासून पारसनीसीचें काम-  
खावान १० काज घेत जाऊन, हे तुम्हांजवळ पोहचतील तेव्हांपासून यास रोजमरा  
एकमाही रुपये ३५ पसतीस रुपये देविले असेत. पावते करीत जाणें ह्मणोन, अलीबाहादूर  
यांचे नांवें. सनद १.

परवानगी खबरू.

८४६—( ९७८ ) कारकून निसवत दफतर यांचे तांदूळ वगैरे जिवस, खेरीज फिर-  
तिवा समानीन गाण कोकणांतून हरएक घाटें व गळ्या देशांतून खरेदी करून एक  
मया व अलफ खेप पुण्यास आणितील, त्यांस आणूं देणें. जकातीचा तगादा न  
सफर १ करणें ह्मणोन सालगुदस्ताप्रमाणें सालमजकुरीं. दस्तकें.

| चालतें दफतर.  | दस्तकें. | तांदूळ वगैरे. | बेलसर. |
|---------------|----------|---------------|--------|
| महादाजी बलाळ  | २        | ५             | ६०     |
| हरी बलाळ फडके | ३        | ३०            | ३००    |

the deity and returned from bathing were polluted by contact with the  
unclean things. The Kamāvisdār was directed to entertain sweepers  
and to see that the roads were kept clean. He was authorized to cause  
every house-owner to pay, according to his circumstances, one or two  
pice to the sweeper every month.

( 845 ) A person knowing Persian being required for carrying on  
A. D. 1787-88 the duties of the office of Pārasāis under Ali Bānādūr,  
Kāji Mahamad Karkun Silledār, was appointed to the  
place

( 846 ) A list is given of the Karkuns employed in the Daftar De-  
A. D. 1788-89 partment at Poona to whom passes were granted  
exempting from octroi grain imported by them into  
Poona.

|                                                                   |   |    |     |
|-------------------------------------------------------------------|---|----|-----|
| गोविंदराव बाजी                                                    | १ | ५  | ५०  |
| त्रिंबक लक्ष्मण शिधये                                             | ३ | ३८ | ५५  |
| पांडुरंग कृष्ण गोडबोले                                            | २ | ३० | ३०० |
| त्रिंबकराव नारायण                                                 | २ | ५  | ५०  |
| परचुरे नारो अनंत मृत्यु पावले,<br>सबब पुत्राचे नांवें सालमजकुरीं. |   |    |     |
| भास्कर विश्वनाथ सोहनी                                             | १ | १  | १०  |
| बाबूराव केशव ठाकूर                                                | ५ | १३ | १७० |
| मोरो बापूजी फडके                                                  | ३ | १८ | १८० |
| गणेश राम बापट                                                     | १ | १  | १०  |
| महादाजी रघुनाथ कारकून शिलेदार                                     | १ | १  | १०  |
| कोन्हेर राम कारकून शिलेदार                                        | १ | १  | १०  |
| बालाजी राम लेले                                                   | २ | ८॥ | ८५  |
| गंगाधर बाबाजी जोशी                                                | १ | २  | २०  |
| बगाजी रघुनाथ फलटणास न्यावयाचे                                     | १ | २  | २०  |
| रामचंद्र गोविंद पेंडसे                                            | १ | १  | १०  |
| गोपाळ कृष्ण विवलकर                                                | १ | २  | २०  |
| आपाजी राम सदावर्ती                                                | १ | १  | १०  |
| आपाजी विठ्ठल लागू, मशारनिलहे                                      | १ | २  | २०  |
| मृत्यु पावले, सबब त्रिंबक आपाजी पुत्र.                            |   |    |     |
| त्रिंबक विठ्ठल जोशी                                               | १ | १  | १०  |
| नारो शिवराम चक्रदेव                                               | २ | ३  | ३०  |
| महादाजी आबाजी विध्वंस                                             | १ | १  | १०  |
| लक्ष्मण बाबाजी करंदीकर                                            | १ | १  | १०  |
| बाळाजी महोदव मोघे                                                 | १ | १  | १०  |
| शिवराम शंकर जोशी                                                  | १ | १  | १०  |
| बाजी नागयण आगाशे                                                  | १ | १  | १०  |
| कृष्णाजी चिंतामण सोहनी                                            | १ | १  | १०  |
| भिकाजी नारायण पाळंदे                                              | २ | १० | १०० |
| भोरो लक्ष्मण, लक्ष्मण केशव वाडीकर                                 | २ | ३  | ३०  |
| यांचे पुत्र                                                       |   |    |     |



|                                      |    |    |
|--------------------------------------|----|----|
| गोविंद मल्हार, मल्हार बल्लाळ भडभडे १ | २  | २० |
| मृत्यु पावले सबब पुत्राचे नांवें.    |    |    |
| कैसो विश्वनाथ टिळक १                 | २  | २० |
| महादाजी बल्लाळ साठे १                | ५  | ५० |
| मोरो रामचंद्र देवधर १                | ४  | ४० |
| दामोदर गोविंद १                      | ५  | ५० |
| रामचंद्र गोपाळ करकरे १               | ३  | ३० |
| गोविंद हरी देवधर १                   | २  | २० |
| दिनकर नारायण करंदीकर १               | १  | १० |
| मोरो जनार्दन भट १                    | २  | २० |
| नारो कृष्ण ओक १                      | १  | १० |
| गोविंद महादेव जोशी १                 | १  | १० |
| राघो अनंत गोखले १                    | १  | १० |
| गोपाळ अनंत अभ्यंकर १                 | २॥ | २५ |
| कृष्णाजी हरी भोगले १                 | १  | १० |
| बाजी रघुनाथ भावे १                   | १  | १० |
| महादाजी नारायण अभ्यंकर १             | १  | १० |
| जगन्नाथ बल्लाळ गानू १                | १  | १० |
| बाबूराव जनार्दन गोडबोले १            | १  | १० |
| आबाजी त्रिंबक जोगळेकर १              | १॥ | १५ |
| आबाजी भोंडदेव साठे १                 | १  | १० |
| आनंदराव गोपाळ १                      | ५  | ५० |
| बामुदेव त्रिंबक आचवल १               | १  | १० |
| नारो कृष्ण गद्रे १                   | २  | २० |
| विसाजी बहिरव ढवळे १                  | २  | २० |
| विसाजी नारायण वाडदेकर १              | २  | २० |
| बाळाजी सदाशिव फरमरकर १               | १  | १० |
| बाळाजी हरी ढवळे १                    | १  | १० |
| विनायक मोरेश्वर मेहेंदळे १           | २॥ | २५ |
| महादाजी नारायण वापट १                | १  | १० |
| नारो कृष्ण भातखंडे १                 | १  | १० |
| रुद्राजी नारायण फरमरकर १             | २  | २० |

|                            |   |    |    |
|----------------------------|---|----|----|
| धोंडो बल्लाळ लेले          | १ | १  | १० |
| बाबूराव अनंत करमरकर        | १ | २  | २० |
| कृष्णाजी गणेश पेंडसे       | २ | ५  | ५० |
| नारो महादेव जोशी           | १ | १  | १० |
| महादाजी विश्वनाथ दातार     | १ | १  | १० |
| भास्कर बल्लाळ जोशी         | १ | १  | १० |
| गोविंद राम आपटे            | १ | २  | २० |
| सदाशिव बल्लाळ भिडे         | १ | २  | २० |
| कृष्णाजी तुकदेव गोडबोले    | १ | २  | २० |
| महादाजी बाबूराव लिमये      | १ | २  | २० |
| मल्हार राम बापट            | १ | ३  | ३० |
| सदाशिव महादेव शेवडे        | १ | २  | २० |
| रामचंद्र हरी ढवळे          | १ | ३  | ३० |
| बाजी अनंत पंडित            | १ | १  | १० |
| धोंडो केशव काळे            | १ | १  | १० |
| लक्ष्मण बल्लाळ सहस्रबुद्धे | १ | १॥ | १५ |
| कृष्णाजी राम चोळकर         | १ | १  | १० |
| बाळाजी बापूजी केळकर        | १ | २  | २० |
| सदाशिव अनंत अभ्यंकर        | १ | १  | १० |
| गंगाधर महादेव परचुरे       | १ | १॥ | १५ |
| मल्हार लक्ष्मण वैद्य       | १ | २  | २० |
| आबाजी बल्लाळ आगाशे         | १ | २  | २० |
| मोरो महादेव गपचूप          | १ | १॥ | १५ |
| दिनकर अनंत                 | १ | ५  | ५० |
| चिमणाजी बाबाजी             | १ | १॥ | १५ |
| नारो रामचंद्र काळे         | १ | १  | १० |
| शिवराम बल्लाळ              | १ | १  | १० |
| मोरो विष्णू गुणे           | १ | १  | १० |
| रामचंद्र बल्लाळ शेवडे      | १ | १  | १० |
| भगवंत आनंदराव              | १ | १  | १० |
| बाळाजी रघुनाथ वेलणकर       | १ | १  | १० |
| नाले राम फारकून शिलेदार    | १ | १  | १० |

|                                     |   |    |    |
|-------------------------------------|---|----|----|
| महादाजी विश्वनाथ लिमये              | १ | २  | २० |
| त्रिंबक शंकर सोहनी                  | १ | १॥ | १५ |
| बाळाजी नारायण शेवडे                 | १ | २॥ | २५ |
| आबाजी भिकाजी फडके                   | १ | १  | १० |
| सदाशिव नारायण अभ्यंकर               | १ | १  | १० |
| गणेश बल्लाळ हडप                     | १ | १॥ | १५ |
| अंताजी विश्वनाथ खांडेकर             | १ | १  | १० |
| त्रिंबक महादेव जोशी                 | १ | १  | १० |
| रामाजी बल्लाळ जोशी                  | १ | १  | १० |
| हरी नारायण कोलटकर                   | १ | १  | १० |
| मोरो हरी करंदीकर                    | १ | २॥ | २५ |
| मोरो कृष्ण दाभोळकर                  | १ | १॥ | १५ |
| बाळाजी रघुनाथ जोशी                  | १ | १  | १० |
| बाळाजी सदाशिव वैशंपायन              | १ | २  | २० |
| दादो बल्लाळ आचवल                    | १ | १  | १० |
| खंडेराव सुंदर                       | २ | ७  | ७० |
| रंगो नारायण यांचे पुत्र निळो रंगनाथ |   |    |    |
| करमरकर निसबत दफतर पोतनिसी           | १ | १  | १० |
| बाळाजी नारायण वैद्य                 | १ | १॥ | १५ |
| महादाजी गोविंद                      | १ | १  | १० |
| केसो जगन्नाथ                        | १ | ॥  | ५  |
| त्रिंबक नारायण भावे                 | १ | १  | १० |
| हरी बाबाजी वैद्य                    | १ | १॥ | १५ |
| सदाशिव शामराज निसबत जिराईतखा-       |   |    |    |
| ना हल्लीं बाळाजी सदाशिव पुत्र       |   |    |    |
| यांचे नांवें                        | १ | १  | १० |
| राधो कृष्ण गोकटे                    | १ | १  | १० |
| रामचंद्र नारायण                     | १ | १  | १० |
| आबाजी हरी                           | १ | १  | १० |
| बाम्पूजी महादेव                     | १ | ॥  | ५  |
| आबाजी विश्वनाथ                      | १ | ॥  | ५  |
| मोरो नारायण                         | १ | १  | १० |

|                                 |     |       |      |
|---------------------------------|-----|-------|------|
| शिदो सदाशिव                     | १   | १     | १०   |
| शिवराम बल्लाळ                   | १   | ११    | ५    |
| भालचंद्र विनायक                 | १   | ११    | ५    |
| अंताजी महादेव                   | १   | ११    | ५    |
| लक्ष्मण गणेश गोगटे              | १   | १     | १०   |
| शिवराम विश्वनाथ सोवनी           | १   | २     | २०   |
| महिपतराव हरी                    | १   | २     | २०   |
| नारो लक्ष्मण                    | १   | ३     | ३०   |
| भगवंत गंगाधर मौजे माळशिरस येथें |     |       |      |
| आणितील                          | १   | ११    | १५   |
| सदाशिव नारायण पांगारकर          | १   | १     | १०   |
| बाळकृष्ण बाबाजी वैद्य           | १   | ११    | १५   |
| गोपाळ महादेव                    | १   | १     | ११   |
| विठ्ठल मोरेश्वर                 | १   | २     | २०   |
| विसाजी राम भाटवडेकर             | १   | २     | २०   |
|                                 | १५४ | ३६५११ | ३३८० |

एकूण तीनशें साडे पासष्ट खंडी गळा एकूण बैल सर तीन हजार तीनशें ऐशी यांची दस्तकें एकशें चोपन्न दिल्ली असत.

८४७—( १०७९. ) निळो लक्ष्मण कारकून यांचे तीर्थरूप लक्ष्मण कृष्ण, परगणे मज-  
 अबां तिसैन कुरीं असामीवर जात होते, ते वाटेस मारले गेले. चिरंजीव लहान  
 मया व अलफ याजकरितां असामीवर गुमास्ता ठेविला आहे, त्यास परगणे मजकूरचे  
 मोहोरम ७ आजमासास गुमास्ते याचे हातून कामकाज घेऊं नये. जातीनिशी  
 चाकरीवर असतील त्यास वेतन द्यावें, म्हणून शेरा लिहिला आहे, त्यावरून वेतन देत  
 नाही म्हणून हुजूर विदित जालें, त्यास याचे तीर्थरूप मारले गेले. भगारनिल्ले लहान,

( ८४७ ) In the budget of Pargana Arun &c it was a standing order  
 A. D. 1793-94 that substitutes should not be allowed to work for per-  
 manent officers, and that the salaries should be paid to  
 the officers themselves if actually serving. An exemption to this rule  
 was allowed on the ground that the officer appointed was killed while  
 proceeding to join his appointment and that his son was too young to  
 carry on the duties of his father's office.

याजकरितां गुमास्त्यानें चाकरी केली आहे; सबब मागील सालचें वेतन राहिलें तें नेमणुके-प्रमाणें देणें; व पुढें निलो लक्ष्मण यांचे हातून चाकरी घेऊन आजमासास वेतनाची नेमणूक केली आहे, त्याप्रमाणें देत जाणें म्हणून, नारो चिमणाजी कमाबिसदार परगणे अरूण वगैरे महाल यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

८४८-( १०९४ ) गंगाधर बापूजी शिधये यांस प्रांत बुंदेलखंड पैकीं नवा मुलुक अर्बा तिसैन सरकारांत आला आहे, त्यापैकीं पन्नास हजार रुपयाचे महालची मया व अलफ दरकी असामी मोईन सालीना रुपये अडीचशें करार करून नेमून जमादिलावल २० खावयाची आज्ञा केली असे, तरी प्रांत मजकूर येथें सदरहू आका-राच्या महालीं असामी नेमून देणें ह्मणोन, अली बहादूर यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

८४९-( ११०९ ) प्रांत कर्नाटक येथील सरसुभा मोरो बापूजी यांजकटे सालमजकुरी अर्बा तिसैन सांगितला असे. तरी माली, व मुलकी, व किल्ले जातमुद्धां बंदोबस्त मया व अलफ मशारनिल्लेचे विचारें करित जाणें. यांचे इतल्याशिवाय न करणें हे मावान २६ सरकारआज्ञेप्रमाणें बंदोबस्त करितील ह्मणोन. मामलेदार, व कमा-बीसदार यांचे नांवें चिटणिसी. पत्रें.

५ तालुकेहाय येथील मामलेदार यांग कीं, माली व मुलकी व किल्ले जातमुद्धां बंदो-बस्ताविशीं. पत्रें.

- १ तालुके मुदकवी, निसबत माधवराव कृष्ण.
- १ तालुके नवलगुंद, देखील सरदेसगत निसबत गोविंद भिकाजी.
- १ तालुके गदग, निसबत आनदराव रामचंद्र.
- १ तालुके धारवाड, निसबत बाळाराव येशवंत.
- १ तालुके कितूर, निसबत महादजी खंडेराव.

५.

( 848 ) An Bahadur was directed to give Gangadhar Bapuji Sidhaye an office worth Rs. 50,000 in some mahal of the territory of Prant Bundelkhand, lately acquired by Government.

( 849 ) Moró Bapuji was appointed Sirsubha of Karnatak, and the Mamalatdars were directed to act under his instructions in all revenue and fort matters and to do nothing without consulting him.

१० महालानिहाय येथील मामलेदार, व कमाविसदार यांस कीं, माली, व मुलकी, व ठाणीमुद्धां बंदोबस्ताविशीं.

- १ परगणे जुनी हुबळी, निसबत मोरो बापूजी.
- १ परगणे खानापूर, निसबत परशराम रामचंद्र.
- १ फुटगांव बारीपलीकडील परगणे मनोळी, निसबत सदाशिव कृष्ण.
- १ परगणे सोंडुरपालें, निसबत वेंकटराव घोरपडे.
- १ तपें तेगूर, निसबत नरसो मेलगीर.
- १ देसगत परगणे गदग वगैरे बाबत, डंबलकर निसबत रघुनाथराव नीळकंठ.
- १ परगणे बंकापुर, निसबत गोविंद सखदेव.
- १ परगणे होनगुंद, निसबत माधवराव कृष्ण दिमत तोफखाना.
- १ परगणे जालीहाळ वगैरे, निसबत आनंदराव भिकाजी.
- १ मौजे सूळ मामले तोरगल, निसबत बापूजी रामचंद्र.

१०

- १ किल्ले धारवाड निसबत बापूजी शिंदे यांस कीं, माली, व मुलकी, व किल्ले मजकूर मुद्धां बंदोबस्ताविशीं.
- १ तालुके सावनूर, निसबत भास्कर सखदेव यांस कीं, तालुके मजकूर येथील माली, व मुलकी, व किल्ले जातमुद्धां बंदोबस्ताविशीं महाल.

- १ परगणे गुत्तल.
- १ परगणे अडूर.
- १ परगणे केरूर बुदरूख.
- १ परगणे तीनवली.
- १ परगणे कोड.
- १ परगणे केरूरखुर्द.
- १ परगणे रटेहळी.
- १ परगणे हवसहट्टी.
- १ परगणे कुपेलूर.
- १ परगणे शींगांव.
- १ परगणे ऐरणी.
- १ परगणे कागनेळा
- १ परगणे निडसंगी
- १ परगणे हानगल.

- 
- १ परगणे मासूर.
  - १ परगणे राणेबेन्नूर.
  - १ पेठ हावेरी.
  - १ परगणे कारडगी.
  - १ कसबे मोरब.
  - १ कसबे अण्णिगिरी.
  - १ तालुके उगरगोल वगैरे गांव, व किल्ले परसगड.
  - १ कसबे हलगेरी.
  - १ देसगत संवस्थान हावनूर.

---

२३

५०—Give the salaries and allowances of the various officers in the different Daftars at Poona. The चालते दप्तर.

एक बेरजी दप्तर, निसबत पोतनिसी दप्तर, निसबत करसखाना, निसबत मजमदारखाना, निसबत वांकनीस.

गेजकीर्द छ. ५ गविलाखर सुगमन खमस सवैन मया व अल्लक, रवा मुद्गीचे पोदांत देणं कारकून निसबत दप्तर

यांस मन अर्वा सवैनची मोईन रसानगी पट.

| इसमांचे नांव.        | नक्त |         |       |      | कापड. |        |       | एकूण | जास्ती स्वारी हिंदुस्थान. |         |      |      | एकंदर |
|----------------------|------|---------|-------|------|-------|--------|-------|------|---------------------------|---------|------|------|-------|
|                      | पेन. | दिवड्या | पालखी | एकूण | आंख.  | रुपये. | एकूण. |      | नक्त,                     | दिवड्या | कापड | एकूण |       |
| अंताजी बलाळ गुरुजी.  | ४५०  | १२१     | ०     | ५७१  | १००   | ४०     | ६११   | ०    | ०                         | ०       | ०    | ०    | ०     |
| महादाजी बलाळ गुरुजी. | ४००  | १२१     | ११८८  | १७०९ | १००   | ४०     | १७४९  | ०    | ०                         | ०       | ०    | ०    | ०     |
| हरी बलाळ फडके.       | ३००  | १२१     | ११८८  | १६०९ | ७५    | ३०     | १६३९  | ०    | ०                         | ०       | ०    | ०    | ०     |
| बाबुराव केशव ठाकर    | ५००  | १२१     | ०     | ६२१  | १५०   | ६०     | ६८१   | ०    | ०                         | ०       | ०    | ०    | ०     |







[illegible]



| सदाशिव महादेव शेवडे.    | ४७२ | ० | ० | ४७२ | ७५  | ३० | ५०२                                | ० | ० | १२१<br>५५<br>पागा<br>१७६ | ० | १७६<br>पैकी<br>लष्क-<br>रात<br>बहल | ११८६२ | ५०<br>१३ |
|-------------------------|-----|---|---|-----|-----|----|------------------------------------|---|---|--------------------------|---|------------------------------------|-------|----------|
| बाळाजी नारायण शेवडे.    | २५० | ० | ० | २५० | ७५  | ३० | २८०                                | ० | ० | ०                        | ० | ०                                  | ०     | ०        |
| जनादेन कृष्ण गोडबोले.   | ३०० | ० | ० | ३०० | १०० | ४० | ३४०                                | ० | ० | ०                        | ० | ०                                  | ०     | ०        |
| केसो विश्वनाथ टिळक.     | ३०० | ० | ० | ३०० | ५०  | २० | ३२०                                | ० | ० | ०                        | ० | ०                                  | ०     | ०        |
| धोंडो केशव काळे.        | २७५ | ० | ० | २७५ | ५०  | २० | २९५                                | ० | ० | ०                        | ० | ०                                  | ०     | ०        |
| महादाजी नारायण बापट.    | २५० | ० | ० | २५० | ४०  | १६ | २६६                                | ० | ० | ०                        | ० | ०                                  | ०     | ०        |
| पांडुरंग कृष्ण गोडबोले. | ३०० | ० | ० | ३०० | ६०  | २४ | ३२४                                | ० | ० | ०                        | ० | ०                                  | ०     | ०        |
| जगन्नाथ महादेव चाकरीकर  | २५० | ० | ० | २५० | ५०  | २० | २७०                                | ० | ० | ०                        | ० | ०                                  | ०     | ०        |
| बाबाजी व्यंकटेश.        |     |   |   |     |     |    | पैकी<br>गैरहजेरी<br>मुळे वजा<br>७० |   |   |                          |   |                                    |       |          |
| मारी बामन.              | २५० | ० | ० | २५० | ५०  | २० | २७०                                | ० | ० | ०                        | ० | ०                                  | ०     | ०        |

|                         |     |   |   |     |     |    |                                     |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|-------------------------|-----|---|---|-----|-----|----|-------------------------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लक्ष्मण केशव ठाकर.      | ३०० | ० | ० | ३०० | ७५  | ३० | गैरहजेरी<br>मुलें वजा<br>२०         | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| रुद्राजी नारायण करमरकर. | ३०० | ० | ० | ३०० | ५०  | २० | ३२०                                 | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| बाबूराव अनंत करमरकर.    | ३०० | ० | ० | ३०० | ४०  | १६ | ३१६                                 | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| धोंडो बल्लाळ लेले.      | २५० | ० | ० | २५० | ५०  | २० | २७०                                 | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| बाळाजी महादेव काळे.     | ३५० | ० | ० | ३५० | १०० | ४० | ३९०                                 | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| धोंडो विश्वनाथ खांडेकर. | ३५० | ० | ० | ३५० | १०० | ४० | ३९०                                 | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| भास्कर बल्लाळ जोशी.     | ३५० | ० | ० | ३५० | १०० | ४० | ३९०                                 | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| रामचंद्र हरी सावळे.     | ३०० | ० | ० | ३०० | ५०  | २० | ३२०                                 | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| राघो रुद्र मोडक.        | २७५ | ० | ० | २७५ | ५०  | २० | २९५                                 | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
|                         |     |   |   |     |     |    | पैकी<br>गैरहजेरी<br>मुलें वजा<br>४५ |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

विसाजी बहिरव दवळे.

सदाशिव हरी वैद्य.

कृष्णाजी हरी भोगले.

गोपाळ कृष्ण विवलकर.

जनार्दन नारायण भट.

गंगा नारायण करमकर.

बाजी गुरुनाथ भावे.

रामाजी वल्लाळ जोशी.

महादाजी नारायण अभ्यंकर.

राधा अनंत गोखले.

गोविंद हरी देवधर.

गोविंद सदाशिव पेंडसे.

अंताजी विश्वनाथ सांडेकर.

३२

|     |   |   |   |   |   |     |    |    |     |   |   |     |
|-----|---|---|---|---|---|-----|----|----|-----|---|---|-----|
| ३०० | ० | ० | ० | ० | ० | ३३० | ३० | ७५ | ३०० | ० | ० | ३०० |
| २५० | ० | ० | ० | ० | ० | २७० | २० | ५० | २५० | ० | ० | २५० |
| ३०० | ० | ० | ० | ० | ० | ३३० | ३० | ७५ | ३०० | ० | ० | ३०० |
| ३५० | ० | ० | ० | ० | ० | ३८० | ३० | ७५ | ३५० | ० | ० | ३५० |
| ३०० | ० | ० | ० | ० | ० | ३३० | ३० | ७५ | ३०० | ० | ० | ३०० |
| २२५ | ० | ० | ० | ० | ० | २४१ | १६ | ४० | २२५ | ० | ० | २२५ |
| २७५ | ० | ० | ० | ० | ० | २९१ | १६ | ४० | २७५ | ० | ० | २७५ |
| ३०० | ० | ० | ० | ० | ० | ३३० | ३० | ७५ | ३०० | ० | ० | ३०० |
| २५० | ० | ० | ० | ० | ० | २७० | २० | ५० | २५० | ० | ० | २५० |
| २२५ | ० | ० | ० | ० | ० | २४१ | १६ | ४० | २२५ | ० | ० | २२५ |
| ३०० | ० | ० | ० | ० | ० | ३३० | २० | ५० | ३०० | ० | ० | ३०० |
| २५० | ० | ० | ० | ० | ० | २७० | २० | ५० | २५० | ० | ० | २५० |
| ३०० | ० | ० | ० | ० | ० | ३३० | २० | ५० | ३०० | ० | ० | ३०० |
| ३०० | ० | ० | ० | ० | ० | ३३० | २० | ५० | ३०० | ० | ० | ३०० |

[illegible]

हरी महादेव चिपळोणकर.

जगन्नाथ बल्लाल गान्.

रामचंद्र दादाजी ग्वाडीलकर.

रामाजी बानूराव गोंडवाल.

नारा महादेव गोडबोले.

कृष्णार्जो विश्वनाथ त्रोग्गो.

राभाजी नारायण आगाश.

त्रिवक् महादेव जोशी.

बच्चयाजी नारायण फडके.

नारो रघुनाथ साठे.

गणेश गोविंद टोळ.

आबाजी शंकर जोशी.

**रुख**

95443  
1/12/88

1/12/88

[illegible]



[illegible]



[illegible]

|                       |                      |   |   |   |   |                      |     |    |                      |   |   |   |   |   |   |   |   |
|-----------------------|----------------------|---|---|---|---|----------------------|-----|----|----------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सदाशिव आणाजी पेंढरकर. | ३००                  | ० | ० | ० | ० | ३००                  | ५०  | २० | ३२०                  | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| गोपाळ महादेव करंदीकर. | २७५                  | ० | ० | ० | ० | २७५                  | ५०  | २० | २९५                  | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| लक्ष्मण महादेव.       | ३००                  | ० | ० | ० | ० | ३००                  | ४०  | १६ | ३१६                  | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| बापूजी अनंत.          | २५०                  | ० | ० | ० | ० | २५०                  | ४०  | १६ | २६६                  | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| रामाजी मुकुंद.        | २२५                  | ० | ० | ० | ० | २२५                  | ४०  | १६ | २४१                  | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| गोविंद बाबाजी जोशी.   | २५०                  | ० | ० | ० | ० | २५०                  | ४०  | १६ | २६६                  | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| दिनकर नारायण करंदीकर. | ४००                  | ० | ० | ० | ० | ४००                  | १०० | ४० | ४४०                  | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| आपाजी महादेव लिमये.   | २६६ पैकी<br>वेतन १०० | ० | ० | ० | ० | २६६ पैकी<br>वेतन १०० | ०   | ०  | २६६ पैकी<br>वेतन १०० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| सदाशिव घोंडदेव नातु.  | २९५ पैकी<br>११६      | ० | ० | ० | ० | २९५ पैकी<br>११६      | ०   | ०  | २९५ पैकी<br>११६      | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| बनार्दन नीळकंठ बर्वे. | ४००                  | ० | ० | ० | ० | ४००                  | १०० | ४० | ४४०                  | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

[illegible]



[illegible]

[illegible]

गोपाळ राम.

२५०

०

२५०

४०

२०

२७०

०

०

०

०

०

०

०

०

सदाशिव महादेव तिले.

२५०

०

२५०

५०

२०

२७०

०

०

०

०

०

०

०

सदाशिव महादेव सोनी.

३००

०

३००

१००

४०

३४०

०

०

०

०

०

०

०

महादाजी हरी.

४००

०

४००

७५

३०

४३०

०

०

०

०

०

०

०

धाळाजी गोविंद चाकरीबर  
बापूजी महादेव.

२००

०

२००

४०

१६

२१६

०

०

०

०

०

०

०

उमाजी रत्नमांगड चाकरीबर  
विठ्ठल बाजी.

२५०

०

२५०

५०

२०

२७०

०

०

०

०

०

०

०

विठ्ठल लक्ष्मण चाकरीबर  
गोपाळ गणेश.

२५०

०

२५०

५०

२०

२७०

०

०

०

०

०

०

०

जोती जगन्नाथ, जगन्नाथ  
सत्ताजी मृत्यु पावले त्यांचे

२५०

०

२५०

५०

२०

२७०

०

०

०

०

०

०

०

५१





|                                                  |     |   |   |     |    |    |     |   |     |   |    |     |     |     |     |     |     |
|--------------------------------------------------|-----|---|---|-----|----|----|-----|---|-----|---|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| रमण चाकरीवर गोविंद<br>विश्वनाथ गुमास्ता.         | ३०० | ० | ० | ३०० | ७५ | ३० | ३३० | ० | ०   | ० | ०  | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   |
| आबाजी विश्वनाथ चाकरीवर<br>लक्ष्मण राम.           | २५० | ० | ० | २५० | ५० | २० | २७० | ० | ०   | ० | ०  | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   |
| वासुदेव गोविंद.                                  | ०   | ० | ० | ०   | ०  | ०  | ०   | ० | २५० | ० | २० | २७० | २२० | २२० | २२० | २२० | २२० |
| हैवतराव नारायण.                                  | ०   | ० | ० | ०   | ०  | ०  | ०   | ० | ३०० | ० | ४० | ३४० | २७० | २७० | २७० | २७० | २७० |
| रामचंद्र नारायण.                                 | ०   | ० | ० | ०   | ०  | ०  | ०   | ० | ४०० | ० | ४० | ४४० | ३८० | ३८० | ३८० | ३८० | ३८० |
| महादाजी रामभट्ट याचे क्लिस.                      | १०० | ० | ० | १०० | ०  | ०  | १०० | ० | ०   | ० | ०  | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   |
| मुरार मल्हार मृत्यु पावले सबब<br>चिमणाजी मल्हार. | २५० | ० | ० | २५० | ५० | २० | २७० | ० | ०   | ० | ०  | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   |

नेल-  
बत  
रास-  
ना.

येसवंतराव भास्कर.

त्रिबक विश्वनाथ.

बाळाजी शंकर.

राघो शंकर.

गंगाधर नरसी.

|     |   |   |     |   |   |       |        |     |   |
|-----|---|---|-----|---|---|-------|--------|-----|---|
| ८०० | ० | ० | ८०० | ० | ० | १२०   | १५०    | ९२० | ० |
| ७०० | ० | ० | ७०० | ० | ० | ५०    | ७५०    | ०   | ० |
| ३०० | ० | ० | ३०० | ० | ० | १८०   | ४८०    | ०   | ० |
| ५०० | ० | ० | ५०० | ० | ० | ६०    | ५६०    | ०   | ० |
| ३५० | ० | ० | ३५० | ० | ० | ४२॥३- | ३९२॥३- | ०   | ० |
|     |   |   |     |   |   | पैकी  | वजा    |     |   |
|     |   |   |     |   |   | पोता  | आदा    |     |   |
|     |   |   |     |   |   | रुपये | ३००    |     |   |
|     |   |   |     |   |   | बाकी  | ९२॥३-  |     |   |

नारायण हरी.

३५०

०

०

३५०

०

२०

३७०

पैकी वजा ३२० बाकी राहिले ते आदा ५०

निसव. गणेश शंकर.

५२१

०

०

५२१

०

४०

५६१

मज

मदार. नारो निलकंठ मजमदार.

०

०

०

०

०

८००

८००

महादाजी रामचंद्र.

७००

१२१

०

८२१

१५०

६०

८८१

बाजी विठ्ठल मृत्यु पावले.

५००

०

०

५००

१००

४०

५४०

पैकी आदा ३००

५५५

[illegible]

## ७ न्यायखातें.

### ( अ ) दिवाणी.

८५३-( ४६ ) सोन्या थरवल दाणेकरी दिमत पागा हुजूर, याजकडे सरकारची  
अर्बा सबैन शिलक साडे पांचशें रुपये येणें व हा लबाड आहे, याजकरितां बेडी  
मया व अलफ घालून जुन्या कोटांत बंदीखान्यांत ठेऊन पोटास अडशेरी शिरस्ते-  
रविलावल २२ प्रमाणें देणें झणून, शिवराम रघुनाथ यांचे नांवें. सनद १.

छ. ९ जिल्हेज परवानगी रूबरू.

### नारो आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

८५४-( ७८ ) गौड स्वामी सन्यासी, श्री भवानी सप्तशृंग, येथें होते. ते मृत्यु पावले.  
खमस सबैन त्यांचे मठांतील वस्तभाव सदाशिवदास गुजराथी नासिककर यांचा  
मया व अलफ कारकून अंबादास, व अमृतराव टोके आमोडेकर यांचा कारकून,  
जमादिलाखर २९ असे दोघे जण येऊन मोजदाद करून ठेविली आहे; झणून हुजूर  
विदित जाहलें. त्यास स्वामीची वस्तभाव या हरदू जणांस मोजदाद करावयासी प्रयोजन  
काय ? हल्लीं हुजूरून बाळाजी चिंतामण कारकून शिलेदार पाठविले आहेत; तरी तुम्हीं  
तेथून तालुके धोडपैकीं कारकून व प्यादे या समागमें देऊन मठांतील वस्तभाव हरदू  
जणांचे कारकुनांनीं मोजदाद केली आहे ते वगैरे आणखी सावकाराकडे ठेवरेव जे असेल,  
ते चौकशी करून कुलमोजदाद यांचे गुजरातीनें करून बंदोबस्तांनें ठेऊन जावता कारकून  
मशारनिलहे समागमें हुजूर पाठऊन देणें झणून, बाजीराव आपाजी यांचे नांवें बरहुकूम  
सनद पुरंधर छ. १७ जमादिलाखर. सनद १.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

८५५-( २२४ ) त्रिंबक बल्लाळ देशपांडे तर्फ वाडें, यांची स्त्री सरकारांत येऊन

( 853 ) Sónyá Tharwál Dāṇekari employed at the Pága Huzur owed Government Rupees 550 and was a rascal. He was therefore ordered to be sent to prison in fetters.

( 854 ) Gaud Swami Sanyashi, residing in the temple of Shri Bhawani of Saptashringa, having died, a list was ordered to be made of the property in his Math and sent to Poona.

FROM JANÁRDAN APÁJÍ'S DIARY.

( 855 ) The wife of Trimbak Ballál Deshpande of Wáde having

सीत सबेन गैरबाका समजाऊन घरांतून ( तिला ) बाहेर घातलें, स्वावयास देत मया व अलफ नाही असें समजाऊन देशपांडेपणाची जसी करविली आहे, त्यास हल्लीं जमादिलाखर २९ देशपांडे यांकडे अन्याय नाही झणून वेदशास्त्रसंपन्न राजश्री गोपी-नाथ दीक्षित काशीकर यांनीं सांगितलें त्याजवरून जसी मोकळी करावयाची आज्ञा करून हें पत्र तुझांस सादर केलें असे. तरी देशपांडे याचे वतनाची जसी मोकळी करणें म्हणोन, मिळकठराव रामचंद्र तालुके चास यांचे नांवें चिटणिसी छ. १५ जमादिलावल. पत्र १

८५६-( २४४ ) कुशा वलद मलापा तांबोळी, मौजे खरंसी, तर्फ कुडाळ याणें हुजूर सीत सबेन विदित केलें कीं, मी आपली बहिण रांडाव घरीं होती, ते संभापा मया व अलफ तांबोळी वस्ती मौजे येकंबे, तर्फ चिमणगांव, याणें आपले लेकास रमजान ३० करार केली त्याबद्दल रुपये २०० आपणांस द्यावें, याप्रमाणें केलें असतां त्यांनीं रुपये न देतां कसबे फलटण येथें माझा बाप मलापा यास सरकारचे बाड्यांत बसऊन जबरदस्तीनें तिशीं पाट लावून घेऊन गेला, त्याजवरी ५० पन्नास रुपये आझांस दिले. बाकी दीडशें रुपये राहिले, ते धटाईस येऊन देत नाहीं. येविशीं ताकीद जाहली पाहिजे; झणोन, त्याजवरून हें पत्र सादर केलें असे, तरी दोनशें रुपये द्यावयाचा पहिला करार जाहला होता, त्याचे साक्ष मौजे, अगर दस्तऐवज असेल तो मनास आणून करारा-प्रमाणें बाकी ऐवज राहिला असेल, त्यापैकीं सरकारची चवथार्ह घेऊन, बाकी ऐवज कुशा यास देणें झणोन, बाबूराव कृष्ण किले सत्तारा यांचे नांवें चिटणिसी. छ. १६ साबान पत्र १.

८५७-( ३५८ ) मौजे कळवण, परगणा वोतूरपाले, हा गांव खोजे दायम यांनीं हत-

A. D. 1775-76. represented that her husband had turned her out of his house and refused to maintain her, his Deshpande watan was attached. Gopinath Dixit having subsequently informed Government that Trimbak Ballal was not at fault, the attachment was removed.

( 856 ) Kusápa walad Mamápa Tamboli of Kharsi in Tarf kundol agreed to give his widowed sister in marriage to the son of Subhápá Tamboli of Ekambe in Tarf Chiman-  
A. D. 1775-76. gaum for Rs. 200. Subhápá however managed to get Kusápa's father de-  
tained the authorities at Phaltan and then forcibly married the widow himself. He subsequently paid Rs. 50 only to Kusápa. On Kusápa's application, it was ordered that the remaining sum should be recovered from Subhápá and paid to the Kusápa after deducting one fourth of it for Government.

( 857 ) Káji Dayam having surrendered the fort of Hatgad to the

सवा सवैन गड किल्ला सरकारांत दिल्ला, ते समई कैलासबासी नानासाहेब यांणी  
मसा व अलफ जागीर दिला. त्याप्रमाणें गांव चालत असतां खोजे दायस याच कळ  
जिल्ह्याद २६ जाहला. तेव्हां त्याची बायको, करीमननिसा बेगम, इणें घरच व्हासी-  
पुत्र खोजे अहमद सरकारांत पत्राकरितां पाठविला, त्याणें आपले नांवें पत्रें करून देऊन  
गांव अनभऊं लागला. तेव्हां निसाबेगम इणें शहर अवरंगाबाद येथें गुदस्तां कुण्यासक  
बळाळ यास वर्तमान सांगितल्यानंतर खोजे अहमद यास कळल्यावरी निसाबेगम इजकडे  
जाऊन रुजू जाहला; आणि यजीतपत्र लेहून दिल्लें कीं, तुझीं आपला गांव खाणें. मजला  
द्याल तें स्वाऊन असेन. त्या यजीतपत्राची नकल काजीचे मोहोरेबाशीं निसाबेगम इणें  
हुजूर पाठविली ती पाहून सुदामतप्रमाणें मौजे मजकूर येथील जाहगिरीचा अंमल निसा-  
बेगम इजकडे चालवणें, झणोन.

१ सर्वोत्तम शंकर यांस.

१ मोकदम मौजे मजकूर.

१ जमीदार परगणे वोटुरपाले यांस.

१ बाजीराऊ आपाजी यास कीं, खोजे अहमद याजपाशीं पहिले कागदपत्र आहेत,  
त्यास तुझीं ताकीद करून कागदपत्र व सरकारचीं पत्रें बेगमेचे स्वाधीन करणें झणोन.

१ करीमनिसा बेगम इचे नांवें पत्र कीं, पेशजी सरकारचीं पत्रें दिल्ली आहेत, त्या-  
प्रमाणें मौजे मजकूर जाहगिरीचा अंमल अनभऊन सुस्वरूप राहणें झणोन.

५

चिटणिसी.

८५८-( ५०२ ) समस्त डिंगरे ब्राह्मण, क्षेत्र पंढरपूर यांणी हुजूर विदित केलें कीं,  
समान सवैन काशीनाथ डिंगरे, क्षेत्र मजकूर, हे मृत्यु पावले. त्यास त्यांचे पोटीं  
मसा व अलफ पुत्रसंतान नाहीं, सबब त्यांची व्यवस्था करणे ती आर्क्षीं सर्व भावा-  
रमजान २९ वंदांनीं करावी. असें असतां, आह्मां भावावंदां न कळतां, त्याची

A. D. 1776-77. late Nánásáheb Peshvá, received the village Kalvan in Parganá Woturpale as a jahágir. On his death his illegitimate son by misrepresentation obtained letters from Government for the continuance of the Jahágir to him. On a petition made by Kariman nissa Begum, widow of Káji Dayam, the village was made over to her.

( 858 ) Káshináth Dingre of Pandharpur died without issue. His widow adopted a person of another gotra without consulting the Bháubands. On their complaining to

A. D 1777-78.

बायको घेणूबाई हणें अन्यगोत्री तिसावर्षाचा पुत्र घेतला हणोन; त्याजवरून, हे सनद सादर केली असे. तरी काशीनाथ डिंगरे मृत्यु पावले त्याचे बायकोने अन्यगोत्री तिसावर्षाचा पुत्र घेतला हें ठीक नाही, सबब त्यांचे घरदार जप्त करविलें असे, तरी जप्त करून जप्तीचा मौजदाद जाबता हुजूर पाठवणें; आणि घरास कुलूप घालून ठेवणें हणोन, चितो रामचंद्र कमाबीसदार, क्षेत्र पंढरपूर, दिमत परशराम रामचंद्र यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

८५९—( ५५२ ) खेमा रंगारी बऱ्हाणपूरकर मयत जाहला त्याचे पोटी संतान नाही.

समान सवैन बायको व आई मात्र आहे. असें असतां त्याचे घराची जप्ती करून मया व अलफ वस्तभाव व ऐवज घेऊन सरकार हिशेबी जमा केलाच असेल, त्यास रबिनावल २४ हा ऐवज तुमचे बेहेड्यांतील नव्हे. मातबर कमाबीसाचे कलम हें सर-

कारांत दाखल करावें असें असतां तुम्हीं कांहींच लिहिलें नाही. यावरून काय हणवें? हल्ली रंगारी याचे ऐवजाचे चौकशीस हुजरून रावो सखदेव कारकून, व खिजमतगार व खास बरदार पाठविले आहेत. हे व हरी सदाशिव कोतवाल, शहर मजकूर, यांचे गुजारतीने चौकशी करितील. त्यास कोणी घटाईस येईल त्यास ताकीद करून वस्तवानीचें ठिकाण लाऊन देऊन त्यापैकीं तुम्हीं जो ऐवज घेतला असेल तो, व कारकून ऐवज ठिकाण लाऊन वसूल करितील तो झाडून या कारकुनासमागमें, वाटेचे रखवालीस प्यादे लागतील ते देऊन, हुजर पाठऊन देणें अगर हुंडी करून पाठविणें हणोन, नारो कृष्ण यांस. सनद १.

परवानगी रूबरू,

८६०—( ५७४ ) मुलतानजी जाधव याणें आपली लेक येसाजी मिलारा यास बावयाचा

तिसा सवैन करार करून गुळपानें वाटलीं, मध्यस्थास पागोटें दिलें; व मिलान्या- मया व अलफ पासून दोन वेळां चाळीस चाळीस रुपये घेतले. असें असतां दुसरि- जमादिलाखर २ यास दिल्ली हणोन हुजर विदित जालें. त्यास येविशींची चौकशी

Government, the property and house of the deceased were ordered to be attached.

( 859 ) Khema Rangári of Baránpur died without issue, leaving behind him his widow and mother. His house and property were ordered to be attached. The Kamávisdar was censured for not communicating the fact of his death to Government. He was informed that as the property was a large one it did not, under the terms of his farm, vest in him but in Government. A karkun was sent from the Huzur to make inquiry regarding the property.

( 860 ) Sultánji Jádhav agreed to give his daughter in marriage to





इहिदे बमाझीन  
बाया व अलफ  
रमजान १३.

व देशपांडे परगणें त्रिबक यांचे नांवें निवाडपत्र दिल्लें ऐसेंजे. तुझी हुजूर कसवे पुणें येथील मुक्कामी येऊन विदित केलें कीं, आमचे दायाद धोंडो रघुनाथ देशमुख व देशपांडे परगणे मजकूर यांचे पोटी पुत्र-संतान नाहीं. त्यांची स्त्री बयाबाई होती, ती मृत्यु पावल्यावर तिचे जामात विद्याधरभट विन गडीभट देवकुटे, वस्ती क्षेत्र त्रिबक, हे क्षणू लागले कीं बयाबाईनें आपली यजमान कृत्याची वृत्ति, व घर, व भांडी वगैरे होतें, तें आमचे पुत्र रघुपती व दामोदर हे उभयतां आपले दौहित्र क्षणोन त्यांचें पादप्रक्षालन करून, दान देऊन, दानपत्र करून दिल्लें. त्याप्रमाणें तिचें सर्व आपण घेऊं. तेव्हां आझी क्षणू लागलों कीं, बयाबाई जीवंत असतां तिणें दानपत्र करून दिल्लें नाहीं. तिचे सर्वस्वाचे मालीक आम्हीं. येविशीं त्यांचा व आम-चा कजिया लागोन, धोंडो महादेव मामलेदार परगणें मजकूर याजपाशीं मनसुबी पडली. त्याणीं आपले कारकून गोपाळ धोंडदेव यांस पाठवून बयाबाईचे घराची जसी आमचे व व देवकुटे यांचे विद्यामानें केली; परंतु मनसुबी होऊन फडशा न जाला. देवकुटे याणीं आम-चे दायाद बाळाजी गोविंद यास दोनशें रुपये देऊन, त्यांजपासून बयाबाईचे पत्राप्रमाणें तिचें सर्व तुझीं घेणें. आझांस व आमचे भावाबंदांस संबंध नाहीं क्षणून यजीतपत्र, व बयाबाईचे दानपत्रावर, व आणखी एक दोन पत्रावर सद्दा करून घेतल्या, त्यास देवकुटे व बाळाजी गोविंद यांस हुजूर आणून येविशींचें वर्तमान मनास आणिलें पाहिजे, क्षणोन; त्याजवरून देवकुटे व बाळाजी गोविंद यास हुजूर आणून करीने लिहून घेऊन चौकशी हुजूर पंचाहतमते मनास आणितां, देवकुटे यांस पुरशीस केली कीं, बयाबाईनें दानपत्र करून दिल्लें तें तुझीं कोण कोणास दाखविलें, त्यांची नांवनीशी लिहून पुरऊन देणें. कोणांस दाखविलें नसल्यास बयाबाई जीवंत असतां दानपत्र करून दिल्लें असें तुझांस दिव्य करावें लागेल. तेव्हां देवकुटे याणीं विनंति केली कीं आपण पत्र कोणास दाखविलें नाहीं. व बयाबाई जीवंत असतां तिणें पत्र करून दिल्लें, असें दिव्य करवत नाहीं. खरें वर्तमान सांगवें, तरी इतके दिवस वाद सांगितला आहे, येविशीं अभय जाहलीयास खरें असेल ते लिहून देऊं. त्यावर आज्ञा जाहली कीं खरें असेल तें लेहून देणें. तेव्हां देवकुटे

A. D. 1780-81. male issue, being survived by his widow Bayábái. She also subsequently died and a dispute arose regarding her house and pots and her right to officiate as priest in certain families. Her Bháwbands claimed the property as her nearest heirs, while her son-in-law Vydadharbharat Dewkule claimed it on behalf of his sons, to whom, he allaged, it was gifted away by the lady before her death. The latter produced a gift in support of his contention. The matter was taken by the parties before the Mámlatdar but no decision was passed. Eventually the Bhawbands applied to the Peshwa, Dewkule

याणीं लिहून दिल्लें जे बयाबाई जिवंत असतां तिणें दानपत्र आझांस दिले नाहीं. ती मृत्यु पावल्यावर आठारोजीं आझीं एकटेच नाशिकास तिचे मातुळ त्रिबकभट व भिकंभट चंद्रात्रे यांचे घरास जाऊन, ते उभयतां बंधू, व आझीं एकूण त्रिवर्ग बसून भिकंभट याचे हातचें बयाबाईचें नावचें दानपत्र लिहून त्याजवर त्रिबकभट याणीं आपली साक्ष घातली. तें पत्र आपणजवळ ठेऊन वादास प्रवर्तलों हें वर्तमान खरें. याप्रमाणें दिव्य अगर सत्य करूं. यावरून पाहतां, हे तुझांशीं वादास प्रवर्तोन खोटा वाद सांगितला असें त्यांचेच मुखेंकरून ते खोटे जाहले. त्यांस बयाबाईचे यजमानकृत्याच्या वृत्तीच्या वझा, व घर वगैरे जें असेल त्यांसी देवकुटे यांस कांहीं एक संबंध नाहीं असें ठरलें. परंतु देवकुटे यांचे पुत्र ते बयाबाईचे दौहित्र. याजकरितां त्यांस तिचीं भांडीं, व चिरगुट पांघरणें असतील तीं व एक गाई आहे ती घावी. वरकड यजमानकृत्याची वृत्ति व देव, व यजमानकृत्याच्या वझा, व वतनी वगैरे कागद, व पुस्तकें वगैरे जें असेल, तें तुझी व तुमचे दायद बाळाजी गोविंद सुद्धां सर्व भावाबंदांनीं घ्यावें; व लोकांचें देणें असेल तें व येणें असेल तें सर्वांनीं विभागप्रमाणें घ्यावें, व घावें. यांत देवकुटे यांस संबंध नाहीं. याखेरीज सिंहस्थाचे सालीं बयाबाईचे यजमानकृत्याबद्दल पावणेंतीनशें रुपये आपल्याकडे आले आहेत, झणोन देवकुटे याणीं सत्योत्तरें सांगितलें. त्यांपैकीं बयाबाईचे क्रियेबद्दल तुझी घेतले ते रुपये, शायसी व बाळाजी गोविंद याणीं यजीतपत्राबद्दल घेतले दोनशें व तिचें घर मोडिलें होतें, तें नीट केलें, त्यास व उचापतीचें देणें मिळोन एकूणचाळीस, एकूण सवातीनशें रुपये तुझांस पावले. त्यांपैकीं सीव्हस्थाचे सालचे प्राप्तीचे पावणेंतीनशें रुपये वजा होऊन, पन्नास रुपये देवकुटे यांचे फाजील तुझांकडे जाहले, ते तुझीं त्यास देऊन पावती घेतली. व देवकुटे याजजवळ चार पत्रें होतीं, त्यांपैकीं खोटें दानपत्र केलें तें, व बाळाजी गोविंद यांचें यजीतपत्र लिहून घेतलें तें, एकूण दोन पत्रें त्यांनीं आणून दिल्लीं. तीं रद्द करून सरकारांत ठेविलीं. बाकी चंद्रात्रे यांजबद्दल धोंडो रघुनाथ देशमुख व देशपांडे यांचें पत्र, व त्यासंबंधीं चंद्रात्रे यांची फारखती, ऐकून दोन पत्रें राहिलीं, त्यास देवकुटे याणीं बिनंति केली कीं, धोंडो महादेव याणीं आपले बंधूपासून पाहण्यास झणोन नेलीं. तीं त्यांनीं ठेविलीं आहेत. देत नाहीं. तीं आणवावीं. त्यास तीं दोन पत्रें सरकारांत आणवून रद्द करून ठेविलीं जातील.

was called and examined. He was asked to state whether the deed of gift had been shown to any one. He replied in the negative. He was then told to prove the grievances of the deed by ordeal but declined to do so. He asked for mercy and offered to reveal the truth if pardon was granted to him. Pardon being granted, he admitted that the deed was forged and stated in detail when where and by whom it was prepared. A decision was then passed by the Peshwa, in favor of the Bhāwband's

आप्रमाणें फडशा होऊन विद्याधरभट याणीं शके १७०२ शार्वरीनाम संबत्सरे, वैशाख वद्य प्रतिपदा, सदरहू फडशा जाहल्याप्रमाणें कलमवार तुझांस यजीतपत्र लिहून दिलें; त्याज-  
वरून हें निवाड पत्र तुझांस सरकारांतून करून दिल्लें असें, तरी सदरहू ठरावाप्रमाणें  
तुझीं व बाळाजी गोविंद मुद्धां सर्व भावाबंदांनीं बयाबाईची यजमानकृत्याची वृत्ति, व  
घर व वस्ती, वतनी वगैरे कागदपत्र जें असेल, तें विभागाप्रमाणें घेऊन पुत्रपौत्रादि वंश-  
परंपरेनें वृत्ति अनभवून सुखरूप राहणें. येविशीं देवकुटे यांशीं अर्थाअर्थीं संबंध नाही.  
तुझीं खरे जाहला; सबब तुझाकडे हारकी रुपये २०१ दोनशें एक रुपया करार केले, ते सर-  
कारांत पोता जमा जाहले असेत, ह्मणोन निवाड. पत्र १.

येविशीं धोंडो महादेव मामलेदार परगणें त्रिंबक यांस कीं, बयाबाईची वस्तवानी वगैरे,  
त्यापैकीं चिरगुट पांघरूण असेल तें, व गाय आहे ती विद्याधरभट देवकुटे यांचे पुलास  
देऊन, बरकड सर्व नानाजी गबाजी देशमुख यांचे स्वाधीन करणें. व यजमानकृत्याच्या  
लिख्याच्या, व नामावळीच्या वस्ती त्रिवर्ग सरकारत्यांनीं नेल्या आहेत. त्या देवकुटे रुजू  
करून देतील. त्यापैकीं बयाबाईचे हिश्याच्या लिख्याच्या, व नामावळीच्या वस्ती असतील,  
त्या तुझीं ताकीद करून देशमुख यांचे स्वाधीन करवणें; व तुझीं पहावयास पत्र, व फार-  
खती, ऐकून दोन पत्रें नेलीं आहेत, तीं सरकारचा जामूद पाठविला आहे, याजबरोबर  
हुजूर पाठवून देणें. रद्द करून सरकारांत ठेविलीं जातील ह्मणोन. चिटणिसी. पत्र

दोन पत्रें चिटणिसी. २

निवाड पत्राची नकल तपसीलवार करून दसरीं विल्हेस लाविली असे.

८६३-( ६८७ ) वेदमूर्ती नागेशभट बिन सखंभट, व रामाजी बापूजी, व कृष्णा-  
इहिदे ममानी जी गंगाधर, व काशीनाथ भिकाजी, व कोंडो बाबू, व शेषाद्रि शंकर,  
मया व अलफ व जिवाजी विठ्ठल, व रंगो उद्धव बडवे प्रभृति समस्त बडवे क्षेत्र  
रजमान १४. पंढरपूर यांचा व भगवंत नारायण, व कृष्णाजी नारायण, व राजो-  
बावाजी डांग्ये यांचा श्रीचे देवद्वाराचा किल्लाविशीं कजिया लागोन, सन अर्बा सितैनांत मन-  
सुबी हुजूर पडली. तेन्हां हरदू वादी यांच्या तकरीरा व जामीन घेऊन, दोघांचे रजा-  
वदीचे साक्षिदार क्षेत्र मजकूरचे पुण्याचे मुक्कामी आणून, श्री नागेश्वराचे देवालई कलम  
आख्याप्रमाणें पुरशिसा करून, प्रथकोंकारें सज्जा लिहून घेतल्या. त्या त्याणीं सत्योत्तरे  
श्रीच्या पिंडीवरून उचलून दिल्या. त्यांतील सारांश कीं बडवे आहेत हेच पुरातन. यांचीच

and a Nazar of Rs. 201 was levied from them. The moveable property of the deceased lady, consisting of her pots, clothes &c. was however given to her grandson.

( 863 ) A dispute between the Badwes and Dangyees of the temple

बडवेपणाची वृत्ति. पूर्वी दुसरे होते असे ऐकिले नाही. श्रीचे शेवाधारी कदीम. यांची इसमें पुजारी, व बेणारी, व डिंगरे, व परिचारक, व हरदास, व दिवटे, एकूण सहा. यांस देवाचे शेवेचे कामकाज सांगणे, तें बडवे यांनीं सांगवें. बेणारी यांनीं मंत्र ह्मणावे, व कलश-पूजा घ्यावी. पुजारी यांनीं पूजा करावी. परिचारक यांणें स्नानास पाणी आणावें. डिंगरे यांनीं पाऊलघडी घालावी. आणि रंगभूमीजवळ पैसा अधेला येईल, तो घ्यावा. हरदासा-नें कीर्तन करावें. दिवट्यानें दिवटी धरावी. डांग्यानें दरवाज्याजवळ उभें राहून चोपदारी करावी, व सर्वांस बोलवावें. वरकड सर्व अधिकार बडव्याकडे. भक्त देवापुढें ठेवतील, व देवावर वाहतील, तें दरोबस्त बडवे यांचें. शेवेचे दागीने आले तर ज्याची जे सेवा, त्याचे हातीं तो दागिना भक्त देतो. देवावरील व देवापुढील दागीने वरकडास घ्यावयास अधिकार नाही. यजमान येऊन श्रीची पंचामृत पूजा करून वस्त्रें समर्पिल, त्या उपरी शेवाधारी यांनीं त्यांजपाशीं मागावें. यजमान आपल्या संतोषें देईल त्याचे सहा हिस्से करून पांचांनीं पांच घ्यावे. सहावा हिस्सा दिवट्याचा. त्यांत निभे वाटणी जैतावा डांग्या दिवट्यास जडल्यापासून घेत आहे, परंतु जडल्यास कीती वर्षे जाहली हें ठाऊक नाही. दिवट्याचें व डांग्याचे आमंत्रण एक. देवद्वाराची किल्ली प्रार्थान बडवे यांची. यांनींच कुलूप घालावें, उघडावें. त्याप्रमाणें हल्लीं चालत आहे. देवास भांडारगृह नाही. देवाचे अलंकार वस्त्रें बडवे यांचे घरीं असतात. देवाचे शेवेचे दागीने शेवाधारी यांचे घरीं अधिकारपरतें असतात. पांदरे याचा दिवाण रामराव याजकडे क्षेत्रींचा हकीमी होती, त्याणें सहा सहा सेवाधारी, व ताटे, व थिटे, व आराधे यांस सांगितलें जे देवद्वाराची किल्ली डांग्याची ऐसें ह्मणा, म्हणजे बडवे आम्हांस पैका देतील. असें सांगितल्यावरून नवाजणांनीं जुलमाचें समापत्र डांग्याची किल्ली ह्मणोन केलें. तें पत्र हल्लीं लिंगापा पुजारी याजवळ आहे. समापत्र केल्यावर बडव्याशीं डांगे किल्लीचा कजिया करूं लागले. त्यापूर्वीं कधीं कज्या कला नाही. रामराव यांनीं समापत्र जाहल्यावर बडव्यापासून पैका घेतला; व सेवाधारी यांजपासून लटकें बोलल्याचा शब्द ठेऊन पैका घेतला. आणि किल्ली बडवे यांची बडवे यांचे स्वाधीन केली. तेव्हा डांग्याचे कजियावा फडशा करावा, त्यास डांगे सातारियास कैलासवासी शाहूमहाराज यांजकडे फिर्याद गेले. तेंथे बडव्यांसही नेलें; परंतु चौकसी होऊन फडशा जाहला नाही; त्याजवरीं कैलासवासी नानासाहेब यांजवळ डांगे कजियास उभे राहिले. तेव्हां भीमपलीकडे डेव्यापुढें सज्या घेतल्या. त्यांत किली व वहने, व गाय इवास कोणी समर्पिल, ते पुरातन बडवे यांची; असें लिहिलें आहे. सज्या घेतल्या त्यासमई फडशा व्हावा, त्यास डांगे टाळा देऊन सातारियास गेले, याजमुळें जाहला नाही.

A. D. 1780-81. of the Deity Vitnoba at Pandharpur regarding the keeping of the keys of the temple was inquired into and decided in favour of the former.

देवाचे अलंकार व वस्त्रे सर्व बडव्यांनी ठेवावी. भांडारगृह निराळें नाही. ह्मणून याप्रमाणें सव्यांतील अर्थ. तेव्हां किल्ली डांग्याजवळ असावी हें संभवत नाही. बडवे यांसीं डांगे किल्लीचें भांडण भांडत होते; त्यास त्यांचें साधन कांहींच पुरलें नाही. तें खोटें जाहलें. त्यास किल्लीविशीं अर्थाअर्थी संबंध नाही. यात्रेकरू यजमान यांणीं श्रीची पूजा करून, बाहेर येऊन, इतर देवांची पूजा करून, पूजा निवेदन केल्याचे मंत्र ह्मणोन, उदक सोडल्यानंतर सहा मेवाधारी यांणीं पुरातन मागावयाची रीत असेल, त्याप्रमाणें मागावें, जें भक्त देईल तें संतोषें वांटून घ्यावें. देवाजवळ गलबल वरून नये. देवद्वाराची किल्ली बडवे यांची. याप्रमाणें पंचार्हतमते मनास आणितां सडीसाक्षीवरून पुरले. बडवे खरे जाहले, हें जाणोन त्यांजवरी कृपाळू होऊन भोगवटियास अलाहिदा निवाडपत्र करून दिल्लें असें, तरी निवाडापत्राप्रमाणें पूर्ववत् देवद्वाराची किल्ली, व वहन, व श्रीची वस्तभाव सांभाळावयाचा अधिकार बडवे यांचा. व देवापुढें भक्त ठेवतील, व देवाचे अंगावर वस्त्रे वगैरें वाहतील, ते बडवे यांणीं घेऊन श्रीस समयोचित पोषाख करून श्रीची सेवा एकनिष्ठें करावी. याप्रमाणें यांजकडे पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें चालवणें. या पत्राची प्रति लिहून घेऊन, हें असल पत्र यांजवळ भोगवटियास परतोन देणें ह्मणोन, चिटणीसी पत्रें.

१ वेदमूर्ती नागेशभट विन सखंभट, व रामाजी बापूजी, व कृष्णाजी गंगाधर, व काशीनाथ भिकाजी, व कोंडो बाबूराव, व शेषाद्रि शंकर, व जिवाजी विठ्ठल, व रंगो उद्धव बडवे, व प्रभृति समस्त बडवे, क्षेत्र पंढरपूर, यांचें नांवें निवाडपत्र दिलें ऐसें जे; पूर्ववत् देवद्वाराची किल्ली, व वहन, व श्रीची वस्तभाव, सांभाळावयाचा अधिकार तुम्हां बडव्यांचा. व देवापुढें भक्त ठेवतील, व देवाच्या अंगावरील वस्त्रे वगैरें वाहतील, तीं घेऊन श्रीची सेवा एकनिष्ठें करून, श्रीस समयोचित पोषाक करून पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें सुखरूप रहाणें. तुम्हीं खरे जाहला, सबब तुम्हांकडे हरकीचा एवज करार केला तो रुपये एक हजार एक १,००१ रुपया सरकारांत पोता जमा जाहले असे म्हणोन, निवाडपत्र.

निवाडपत्राची नकल तपसीलवार करून दप्तरां विल्हेस लाविली असे.

१ कमावीसदार वर्तमान व भावी क्षेत्र पंढरपूर परगणें कासेगांव यांस. पत्र.

१ देशमुख देशपांडे परगणे कासेगांव यांस. पत्र.

३

तीन पत्रें चिटणीसी दिल्लीं असेत.

८६४ ( ६८९ )—विठ्ठल पाटील मोकदम मौजे बोरी बुदरुक, तर्फ आळें, प्रांत जुन्नर

( ८६४ ) Khand Patil of Bori died leaving two sons. the elder Sam-

इहिदे समानान याणीं हुजुर विदित केलें कीं, मौजे मजकूरची मोकदमी आमची. मया व अलफ त्यास माझा बाप खंड पाटील यास स्त्रिया दोधी. त्यास पहिली लग्ना- सवाल ७. ची, तिचे पोटी मी जाहलों. व धाकटी पाटाची, तिचे पोटी संभाजी जाहला. ऐसे दोघेजण दोघीचे पोटी जाहलों; परंतु अगोदर संभाजी जाहला, मग मी जाहलों; सबब त्याचा व आमचा पाटिलकीत वडील धाकुटपणाचा कजिया लागला होता. त्याची पंचाईत मौजे मजकूरचे पांढरीनें करून, फडशा करून, कागदपत्र करून दिल्ले. त्याप्रमाणें आपण मोकदमी चालवीत असतां दरम्यानें संभाजीचा लेक रघोजी याणें सर-कारांत गैरवाका समजाऊन मोकदमी जप्त करविली. येविशींचें वर्तमान मनास आणून, आपले जवळील कागदपत्र आहेत ते पाहून, जप्तीची मोकळीक केली पाहिजे म्हणोन; त्याजवरून, हरदूजणाचें वर्तमान मनास आणितं, व पेशजीं पांढरीनें उभयतांचा फडशा करून, कागद करून दिल्ले. त्याप्रमाणें हरदूजणांनीं वतनाचा उपभोग केला आहे. तेव्हां वतन जप्त करावयाचें कारण नाहीं. ऐसें समजोन विठ्ठल पाटील याचें मौजेमजकूरचें मोकदमीचें वतन मोकळें केलें असें, तरी पूर्ववत्प्रमाणें मौजे मजकूरचें मोकदमीचें वतन विठ्ठल पाटील याजकडे चालत आल्याप्रमाणें चालवणें; व रघोजी पाटील याजकडे चालत आलें, त्याप्रमाणें त्याचें त्याजकडे चालवणें म्हणोन, चिटणिसी पत्रें.

- १ रामराव त्रिवक यास सदरहूप्रमाणें. पत्र.
- २ मौजे मजकूरचे रयान व कुळकर्णी यांस पत्र कीं. वतन विठ्ठल पाटील अनभवीत आल्याप्रमाणें अनभवील. त्याचे रजेतलवेंत तुम्ही वर्तणूक करणें; व रघोजी पाटील याजकडे चालत आल्याप्रमाणें त्याचें त्याजकडे चालवणें म्हणोन. पत्र.
- ३ श्रीनिवास नरती कागकून शिलेदार यांस पत्र कीं, तुम्हांकडे पाटिलकीची जप्ती सांगितली होती, ते हल्लीं मोकळी केली असे. तरी मौजे मजकूरची मोकदमी विठ्ठल पाटील करील. तुम्हीं दखलगिरी न करणें म्हणोन. पत्र १.
- ४ देशमुख व देशपांडे, तर्फ आळें, प्रांत जुन्नर, यांस सदरहूप्रमाणें. पत्र १.

४

एकूण चार पत्रें दिल्ली असत.

A. D. 1780-81. bháji ( by a Pát marriage ) and the younger Vithal ( by the first ordinary marriage ). A dispute arose between them regarding the Pátilla Watan. The matter was referred by the parties to the village community who decided in favour of Vithal. Subsequently Sambháji's son misrepresented the facts to Government and the watan was attached. Vithal applied to the Peshwa with the result that the decision of the village community was confirmed and the attachment removed.

८६५ ( १०७४ )-अबदुल सलाम वलद अहमदुल्ला व शेख हिंमत वलद शेर सलास तिसैन महंमद देशमुख व देशपांडे, परगणे उंडणगांव, व देशमुख, तर्फ हवेली, मया व अलफ परगणे शेंदुरणी, व तर्फ तोंडापूर, परगणे जामनेर, शके १७१४ सवाल २३ परिधार्वानाम संवत्छरे यांचे नांवें निवाडपत्र करून दिल्लें कीं, तुमचा व शेख अबदुल रहीम वलद अबदुल जबर याचा सदरील वतनाचे विभागाविशीं कजिया लागोन, मनमुबी सरकारांत पडली; त्याजवरून तुम्हीं व त्याणीं तकरीत लेहून दिल्यावर दोघांपासून जामीन घेऊन पुरशिसांचीं उत्तरे लेहून घेतलीं, त्यास तुमचे तकरीरेंतील अनवय जे आमचा वडील मूळ पुरुष ठाकूर कामाजी यांणी मवासी करून वतन मेळविल्लें. त्यांचे पोटी चौघे बेटे जाहले. त्यास ठाकूर कामाजी मयन जाहल्यावर पादशाहा यांणी चौघा बेठ्यांस धरून नेऊन अशीरच्या किल्यावर कैदेंत ठेविल्लें; आणि वतन जप्त केलें. त्यास, बंदांत तिघे मयत जाहले. पाहूजी एक राहिला. त्यास पादशाहांनीं नेऊन, मुसलमान करून, सदरील देशमुख व देशपांडेपण, व मोकदम्या देऊन, वतनाचा फर्मान करून दिल्ला; आणि मौजे शेलवड वगैरे येथील जाहगीर दिल्ली. तेन्हां हे गांवास येऊन वतनें चालऊं लागले. त्याचे लमाची बायको गोदरी, पिंपरीकर गायकवाड याची लेक होती. तिचे पोटी ' अमाजुल्ला ' जाला. त्याची अवलाद आझी, व कंचनी रखेली होती, तिचे पोटी ' करिमुल्ला ' जाहला; व महाले रजपूत यांची लेक घरांत घातली. तिचा निका जाहाला नाहीं. तिचे पोटी रहिमुल्ला जाहला. त्यास पाहूजी ऊर्फ अबदुल सलाम यांणी आपले हीन हयातीन दरोबस्त वतनाचा आपले व काजीचे मोहरेनिशी देहायनामा करून, आमचे निपणजे, व पणजे अमाजुल्ला यांजवळ दिल्ला. नंतर ते फौत जाहले. त्याजवर बिगर निकावाली लेक रहिमुल्ला व कंचनीचा करिमुल्ला होता. त्यांचे अन्नाबन्नाचे बेगमीस पाटिलकीचा एक एक गांव नेमून देऊन दरोबस्त वतन आमचे हवाली केलें. त्याजवर रहिमुल्लाचें कुटुंब वाढलें. एक्या गावावर अन्नवस्त्र न चाले, याजकरितां त्यांणी आमचे आज्याजवळ बजीदी केली. त्याजवरून ऊंडणगांव परगणियांपैकीं आठ गांवचे देशमुखीचा रुसूम नेमून दिल्ला. त्याप्रमाणें त्याजकडे भोगवटा चालत असतां अबदुल रहीम याचा बाप अबदुल जबर आझांशीं वतनाचे वांटणीविशीं कजिया करून, मोगलाईत इनसाफास गेले. तेथें खोटे होऊन फारखती, व बेदाया आपले सहीमोहरेनिशी लेहून, अमाजुल्लास दिल्ला. त्याप्रमाणें वतनाचा भोगवटा पहिल्यापासून चालत आल्याप्रमाणें चालत असतां. हल्लीं अबदुल जबर याचा लेक अबदुल रहीम वतनाचे वांटणीविशीं कजिया करून सरकारांत फिर्याद आला आहे ह्मणोन; व अबदुल रहीम याचे लिहिण्यांतील मजकूर कीं पाहूजीच्या बायका लमाच्या दोन. थोरलीची अवलाद अबदुल सलाम. व शेख हिंमत; व धाकटीची अवलाद आझी आहों. आझास वतनाचा वांटा असावा; ह्मणोन आमचा बाप

( 865 ) This is a decision in a dispute relating to a Deshmukhi



अबदुल जबर मोगलाईत नवाब निजाम अलीखान बाहादूर यांजकडे फिर्याद होऊन पंचाईत शहर औरंगाबाद येथील सुभ्यावर नेमून घेतली. तेथे आझी कागदपत्र दाखऊन खरे जाहलें असतां, वाद्यांनीं पैका खर्च करून जबरदस्तीनें आमचे बापापामून बेदावा फारखती घेतली. त्याजवर आपण सरकारांत फिर्याद आलों. त्यास पाहुजीचे वेळेचा देहायनामा ते दाखवितात, तो खोटा आहे, म्हणोन, याप्रमाणें हरदुजणांनीं लेहून देऊन वर्तणुकेस जामीन दिल्यावर आपलाले साधनांचे कागदपत्र दाखविले. त्याजवरून पंचाईतमते मनास आणितां पाहुजीची लम्माची बायको एक याप्रमाणें देहायनाम्यांत लिहिलें आहे. वतनाचा भोगावटाही लम्माचे बायकोचे अवलादीकडे चालत आहे. वरकड वतनदार पडोशी यांणीं मुरत महजर अबदुल सलाम व शेख हिंमत यास लेहून दिल्या आहे. त्यांत देहायनाम्याप्रमाणेंच अर्थ आहे; व औरंगाबादेस आम्हीं कागदपत्र दाखऊन खरे जाहलों, असें अबदुल रहीम याच्या लिहिण्यांत आहे. त्यास कागदपत्र मागतां आपणाजवळ नाहीं. होते ते मनसुबी पुरवीच गेले म्हणोन लेहून देतो. तेव्हां कागदपत्र दाखविले असें लिहिलें तें खोटें. उगाच खिसा लिहिला तो प्रमाण काय ? देहायनामा खोटा म्हणोन लिहितो त्याची चौकशी करितां देहायनामा काजी जलाल उंडणगावकर व पाहुजी याचे मोहरेनिशी आहे. त्यास आजपावेतों एकशें एकूण वन्नास वर्षे जाहलीं. मोहरांतील अक्षरें स्पष्ट वाचत नाहींत. सबब मोकाबल्यास दुसरे कागद त्या कालचे त्या मोहरेचे आणविले. ते अबदुल सलाम व शेख हिंमत यांणीं आणून दाखविले. त्यावरून देहायनामा खरा ठरला. पैठणास निमेचा ठराव होऊन कराराची याद मान्यतेची करून दिल्ली त्या यादीची नकल व अबदुल सलाम यांणीं रहीमुल्लास निमेचें वतनाविशीं लेहून दिलें, त्या कागदाची नकल एकूण दोन नकला त्याणें दाखविल्या. त्याच्या असला दाखविणें म्हणोन, पुरासीस करितां असला नाहीं. ऐसे पुराशिशीचें उत्तर लेहून देतो; व दुसरे कागद दाखविले तेही मनसुबीचे उपयोगीं साधनें बलोत्तर ( बलवत्तर ? ) पडलीं नाहीं. याजवरून सारांश पाहतां पाहुजीनें देहायनामा करून ठेविला त्यास आज तागाईत एकशें एकूण वन्नास वर्षे जाहलीं; व त्याप्रमाणें भोगावटाही तुम्हांकडेसच चालिला. याचे दाखल्याचे कागद उंडणगांवकर परगणियाचे पाटला वा राजीनामा, व दिवाण सुखानंद याचे मोहरेचा महजर, व अमीरबेगखा याचा कौल, व पिलाजी जाधवराव याचें पत्र, व अजीमुद्दौला, सुभा औरंगाबाद, यांजपाशीं पाटील कुळकर्णी यांणीं महजर करून दिल्ली तो, व अबदुल जबर याचे यजीतखत, व जिवाजी रघुनाथ वकील सरकार याचा कौल, व पंचायतीचा मुरत महजर, व औरंगाबादेचे सुभ्याची सनद, व हल्लीं सरकारांत शाहिदीनामा तुमचे पडोशीचे जमींदार पंचांनीं पाठविला तो, व देहायनाम्याचे दाखल्यास तुम्हीं

पत्रें आणून दाखविलीं तीं, याप्रमाणें सर्व कागदपत्र पाहतां लिहून दिल्याप्रमाणें लेख भोग्य साक्षीनिशीं पुरवणींत येऊन तुम्हीं खरे जाहलेत. अबदुल रहीम वतनाचे हिशा-विशीं तुम्हांपाशीं भांडत होता तो खोटा पडिला. याउपरी त्यास हिशाविशीं भांडावयास संबंध नाही. तुमचे वडील अबदुल सलाम याणीं अबदुल जबर यास परगणें उंडणगांव पैकीं आठ गांवचा देशमुखीचा रुसूम नेमून दिल्या आहे. त्याप्रमाणें म्हणोन पुरशीस करितां असला नाही. असें पुरशीसींचें उत्तर लेहून देतो; व दुसरे कागद दाखविले तेही मनसुबीचे उपयोगीं साधनें बलोत्तर पडलीं नाहीत यांजवरून पाहतां अबदुल रहीम वाद सांगतो तो खोटा; वतनाच्या हिश्याविशीं त्याजला तुम्हांशीं कजिया करावयास संबंध नाही. अबदुल सलाम याणीं अबदुल जबर यास परगणे उंडणगांव पैकीं आठ गांवचा देशमुखीचा रुसूम नेमून दिल्या आहे. त्याप्रमाणें अबदुल रहीम याणीं घेऊन असावे. जाजती कजिया तुम्हांशीं करूं नये. याप्रमाणें ठराव होऊन तुम्हीं देहायनाम्याचे दाखल्यास पत्रें आणून दाखविलीं तीं, व सर्व कागदपत्र पाहतां तुम्हीं लेहून दिल्याप्रमाणें लेख भोग्य साक्षी-निशीं पुरवणींत येऊन खरे जाहलेत, सबब तुम्हास हें निवाडपत्र सादर केलें असें, तरी सदरील महाल एक व तर्फा दोन येथील देशमुखी व परगणे उंडणगांव येथील देशपांडे-पणाचें वतन सुदामत चालत आल्याप्रमाणें तुम्हीं व तुमची अवलाद पुस्त दर पुस्त अनुभऊन सुखरूप राहणें. तुम्हीं वादांस खर जाहलेत. सबब वतन संमधें तुम्हां-कडे सरकारची हरफी रुपये ३००१ तीन हजार एक रुपया करार केली. त्याचा भरणा सरकारांत करून जाव घेणें म्हणोन नावाचें निवाडपत्र. १.

सदरील अन्वर्थें पत्रें कीं सदरील वतन सुदामत चालत आल्याप्रमाणें देशमुख व देशपांडे मजकूर यांजकडे व याचे अवलाद अफलाद पुस्त दर पुस्त चालवित जाणें. या पत्राची नकल लेहून घेऊन, हें असल पत्र याजवळ भांगवटियास परतोन देणें म्हणोन पत्रें.

- १ देशाधिकारी व लेखक वर्तमान व भाची परगणे उंडणगांव, व परगणे शेंदुरणी, व परगणे जामनेर यांस.
- १ देशमुख व देशपांडिये परगणे शेंदुरणी, व परगणे जामनेर यांस.
- १ मोकदम देहाय परगणे उंडणगांव, व तर्फा हवेली, परगणे शेंदुरणी, व तर्फा तोंडापूर, परगणे जामनेर यांस.

३

एकूण च्यार चिटणिशीं पत्रें दिल्लीं असेत. पैकीं नांवाचे निवाडपत्रांतील सारांश येथें बार करून निवाडपत्राची नकल तपसीलवार करून दप्तरां ठेविली असे.

a Thákur, and that he was forcibly converted to Islam by the Mogal Emperor.

## ७ न्यायशास्त्रे.

### ( ब ) फौजदारी.

#### ( अ ) गुन्हे.

#### १ फंदफितुर्गी व राजद्रोह.

८६६ ( ९१ )—किल्ले दौलताबाद येथील हवालदार वगैरे यांणीं किल्ल्याचा फितूर केला होता, त्याच्या तकरीच्या तुस्ली नागे बाबाजी याजकडे लिहून पाठविल्या होत्या, त्या मशारनिल्ले यांणीं हुजूर पाठविल्या; त्याजवरून सविस्तर विदित जाहलें. त्यास फितुरांत मुख्य असाम्या होत्या त्यांचें शासन येणेंप्रमाणें.

१ बाळोजी कराले हवालदार यास तोफेच्या तोंडीं देऊन उडवावें.

२ एकेक हात व एक पाय तोडून टाकणें.

१ संभाजी कराले, हवालदार याचा लेक.

१ जावजी नाईक दिमत हवालदार.

२

३

एकूण तीन असामींचें शासन सदरहूप्रमाणें करणें. याखेरीज फितुरांतील असामी.

१ माधवराव कालेले.

१ माधवराव हरी.

### ( B ) Criminal

#### ( 1 ) Conspiracy & Treason.

( 866 ) The Havalदार and other men of fort Daulatábád having become traitors, Dhondo Mahádev made inquiries, recorded evidence and forwarded the papers to Náro Bábaji who submitted them to Government. The following orders were issued:—

( 1 ) Báloji Karále, Havalदार, should be blown from the mouth of a cannon;

( 2 ) His son Sambháji and Jávaji serving under him should each have one hand and one foot cut off:

१ अंताजी कृष्ण.

१ महिमाजी अश्वठराव.

४

येणेंप्रमाणें चार असाऱ्यांचा अन्याय पाहून शासन करणें. ब्राह्मण शेणवी यांत असतील त्यांस बिडी घालून पोटास नागली देत जाणें. ब्राह्मण शेणवी यांस नाचण्या देऊन बेडी घालून ठेवावें झणोन, धोंडो महादेव यांचे नांवें. सनद १.

परवानगी रूबरू.

८६७ ( १३ )—मौजे वागज, तर्फ करेपठार, प्रांत पुणें येथील अंमल महिपतराव खमस सबैन पुणेंकर शिलेदार यांजकडे सरंजाम होता, त्यास मशारनिव्हे हैदर मया व अलफ नाईक याजकडे गेले, सबब गांवची जप्ती सरकारांत करून जप्तीची रजब १६ कमावीस गंगाधर त्रिंबक यास सांगितली असे, तरी मशारनिव्हेसी रुजू होऊन, मौजे मजकूरचा अंमल सुरळीत देणें झणोन, मोकदम मौजे मजकूर याचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

### नारो आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

८६८ ( १९३ )—माधवराव बांडे यांजकडे चाकरीस राहून लबाडी करितात, याज- खमस सबैन करितां बांडे याजकडे चाकरीस लोक गेले असतील, त्यांचा शोध मया व अलफ करून, घराची जप्ती करून, वस्तुभावेचा जाबता हुजूर पाठऊन देणें; रबिलाखर ५ आणि मुलामाणसांस तसदी चांगली देऊन तिकडून उठोन तोरखे- ब्यास यादवराव रघुनाथ याजवळ रुजू होऊन आपले घरीं येत तें करणें, सदरहू असाऱ्यांची जप्ती यादवराव रघुनाथ यांजकडील कारकुनाचे गुजारतीनें करणें झणोन. सनदा.

( 3 ) Four other persons should be punished according to their deserts, any Brahmins and Shenwis being put in chains and given only *naqli* to eat.

( 867 ) Mahipatrao of Poona, a Silledár, having gone over to A. D. 1774-75. Haidar Naik, his saranjam was attached.

FROM NÁRO APPÁJI'S DIARY.

( 868 ) The houses and property of persons who had gone to serve A. D. 1774-75. under Mádhavrao Bándé were ordered to be attached.

१ नारायणराव बारगल, तालुके तळोदें, निसवत तुकोजी होळकर.

१ गोविंदराव बुळे ठाणें जावर, दिमत तुकोजी होळकर.

१

१

१

सनदा छ. १८ रबिलावल हस्तकपत्र पुरंधर.

८६९ ( १९४ )—नारायणराव कृष्ण यांचें नांवें सनद की, हेवती थिता, व सटवाजी खमस सबैन साकोरा व झाप माळी, व महारजी साकोरा, व लक्ष्मण बिन सट-  
मया व अलफ वाजी साकोरा, व रयते कसबे केंद्र, यांणी गावांत बखेडा करून  
रबिलाखर ५ रयेतीस फिसात करून गावांतून बाहेर घेऊन गेले आहेत. ते चिंचो-  
मीस जाऊन गांवची वसूली सरकारची कलमें आहेत ती माफ करावी म्हणोन, मुद्दे घालून  
गांवची लावणी होऊं देत नाहीं, व वसूलही देत नाहीं म्हणोन, मोकदम व कामाविसदार  
यांणी हुजूर विदित केलें, त्याजवरून हे सनद सादर केली अमे; तरी सदरहू पांच  
असामीं किले चाकण एथें अटकेस ठेऊन पोटास शिरमते प्रमाणें देत जाणें; आणि बंदो-  
बंस्तानें ठेवणें म्हणोन. छ. १३ रबिलावल.

सनद १.

रसानगी यादी.

८७० ( २६२ )—किले सूरगड, तालुके अवचितगड, येथील फितव्याचा मजकूर  
धीत सबैन लिहिला तो साध्यत कळला. हवालदार यास वंगरे फितूरी लोक यांस  
मया व अलफ अटकेस ठेविले आहेत. त्यांचें पारिपत्य करावयाची आज्ञा करावी  
जिल्हाद २८ म्हणोन लिहिलें, त्यास हवालदार याचे डोकें मारणें, व येसजी पवार  
व बहिरजी भोपतराव यांचे हातपाय तोडणें, व दुसरे फितूरी लोक आहेत त्यांची चौकशी  
करून ज्याचा जसा अन्याय असेल त्याप्रमाणें पारिपत्य करणें. माहदाजी गणेश फडके

( 869 ) Haibati Thitá, Satwáji Sákori, and others of Kendur insti-  
A. D. 1774-75. gated the ryots of the village to leave their homes and  
took them to Chinchosi; they asked that certain demands  
of Government on the village should be remitted, and refused to allow  
the lands to be cultivated or to pay the revenue till their request was  
granted. The Mokadam and Kamávisdar having represented the matter  
to the Huzur, the 5 instigators were ordered to be confined in  
fort Chákup.

( 870 ) A conspiracy was detected among the officers of fort Surgad  
A. D. 1775-76. in Táluká Awachitgad. It was ordered that the Hawal-  
dar should be beheaded, that two others should have

यास बेडी घालून माफजतीने बरोबर लोक देऊन हुजूर खाना करणें. किल्ले बंदनगडकरी लोक, आठरा असामी, तालुके मजकुरी आहेत त्यास चार महिने नामजाद ठेवावयाची आज्ञा करावी म्हणोन लिहिलें, त्यास तूर्त तालुके मजकुरी ठेवणें म्हणोन, आबाजी बलाळ व भास्कर महादेव यांचें नांवें.

सनद १.

परवानगी खबरू.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

८७१ ( २९१ )—अबी सुपी व राधी सांगली, कोळ्याच्या बायका यांचे भाऊबंद सीत सबैन कोळ्यांत गेले म्हणून हुजूर पाठविल्या, त्यांची चौकशी करून तुम्हां- मया व अलफ कडे पाठविल्या असे, तरी कोळणीमजकूर यास हजीर जामीन घेऊन रविलाखर १५ सोडून देणें म्हणून, रामचंद्र महादेव कमाविसदार, कसबे खेड, यांचे नांवें. छ. २५ रविलावल.

सनद १.

रसानगी यादी.

८७२ ( ३३० )—सखाराम हरी फितुर करीत होते, सबब बिडी घालून तुम्हांकडे सबा सबैन किल्ले नगर येथे अटकेंत ठेवावयास पाठविले आहेत, त्यास पोहोंच- मया व अलफ वावयास कृष्णाजी मैराळ कारकून, व स्वार व गाडदी दिल्ले आहेत. साबान २० त्यांस पकड्या बंदोबस्तानें किल्ले मजकुरी अटकेंत ठेऊन भोजन घालीत जाणें. परभू कारकून त्यांजयल जाऊं न देणें. चौकरीस माणसें ठेवाल तीं वरचेवर बदलीत जाणें. मराठा एक माणूस खिजमतगारीस ठेऊन देणें. तो पंधरा दिवसां बदलीत जाणें. धोत्रे अगर शेलापागोटें लागल्यास देणें. जेवणाची व वस्त्रपानाची आबाळ न करणें. बेडी नेहमीं असों देणें. सखाराम हरी खेळ्या राजकारणी आहे. कोणे गोष्टीस जुकणार नाही. याजकरितां एक कोठडी करून त्यांत घालून बाहेरहून कुलुप घालीत जाणें. एकास त्याज- their hands and feet cut off, and that the rest should be punished according to their deserts.

### FROM JANARDAN APAJIS DIARY.

( 871 ) Two Kolī women were arrested, as their kinsmen were implicated in an insurrection, and were sent to Huzur. A. D. 1775-76. Orders were issued for their release, after taking security for their appearance whenever required.

( 872 ) Sakbārām Hari being implicated in a conspiracy was sent to prison in fort Nagar. The Officer in charge of the fort was directed to give him proper food and clothing, to allow no Parbhū karkun to approach him, to change the guard over him frequently and his attendant every fortnight, and to lock him up in a room. The Officer was warned that the prisoner was a

वळ जाऊं न देणें. याचे गुण तुम्हांस ठाऊकच आहेत. या करितां फार चांगला बंदोबस्त करणें ह्मणोन, महादाजी नारायण यांचे नांवें.

सनद १.

परवानगी खबरू.

८७३ ( ३३१ )—बाबूराव हरी फितुर करीत होते, सबब बिडी घालून तुम्हांकडे किल्ले

सबा सवैन सिंहीगड येथें अटकेंत ठेवावयास पाठविले आहेत, त्यास पोहोंच-  
मया व अलफ वावयासी विठ्ठल यशवंत कारकून व स्वार व गाडदी दिल्ले आहेत.  
सावान २० त्यांस पक्क्या बंदोबस्तानें किल्ले मजकुरी अटकेंत ठेऊन भोजन घालीत

जाणें. परभू कारकून त्याजवळ जाऊं न देणें. चौकीस माणसें ठेवाल तीं वरचेवर बदलीत जाणें. जेवावयास ब्राह्मणाकडून घालवीत जाणें. जेवणाची आवाळ न करणें. धोत्रें शेला-पागोटें लागेल तें लिहून पाठवणें. ज्या कोठडींत ठेवाल तेथें प्रवेश होऊं न देणें. बेडी नेहमीं असों देत जाणें. सारांश गोष्ट, फितुरी आहेत. यांचा विश्वास न धरितां पक्क्या बंदोबस्तानें ठेवणें ह्मणोन, सखो मन्हार यांचे नांवें.

सनद १.

परवानगी खबरू.

दौलत बाबूराव, बाबूराव हरी यांचे पुत्र, फितुरांत होते. त्यांस बिडी घालून किल्ले चा-  
कण येथें अटकेंत ठेवावयास तुम्हांकडे पाठविले आहेत. त्यांस पोहोंचवावयास राधो नारा-  
यण कारकून, व स्वार, व गाडदी दिल्ले आहेत, तरी पक्क्या बंदोबस्तानें अटकेंत ठेऊन  
भोजन घालीत जाणें. परभू कारकून त्याजवळ जाऊं न देणें. चौकीस माणसें ठेवाल तीं  
वरचेवर बदलीत जाणें. एक मराठा माणूस खिजमतगारीस बतनदार पाहून ठेऊन देणें.  
पंधरा दिवशीं बदलीत जाणें. जेवणाची आवाळ न करणें. धोत्रवस्त्रपात्र लागल्यास लिहून  
पाठवणें. येथून पाठविलें जाईल. ज्या खोलींत ठेवाल तेथें दुसऱ्या माणसाचा प्रवेश होऊं  
न देणें. पक्क्या बंदोबस्तानें ठेवणें ह्मणोन, नारायणगव कृष्ण यांचे नांवें. सनद १.

परवानगी खबरू.

महिपत बाबूराव, बाबूराव हरी यांचे पुत्र, फितुरांत होते. सबब बिडी घालून किल्ले  
त्रिबक येथें अटकेंत ठेवावयास तुम्हांकडे पाठविले आहेत. त्यांस पोहोंचवावयास सदाशिव  
शंकर कारकून, व स्वार, व गाडदी दिल्ले आहेत, तरी किल्ले मजकुरी पक्क्या बंदोबस्तानें  
अटकेंत ठेऊन भोजन घालीत जाणें. चौकीस माणसें ठेवाल तीं वरचेवर बदलीत जाणें.  
परभू कारकून त्याजवळ जाऊं न देणें. एक मराठा माणूस खिजमतगारीस ठेऊन देणें. पं-

scheming politician, who would stop at nothing, and that every  
precaution should therefore be taken for his safe custody. He should  
always be kept in fetters and no one allowed to go near him.

( 873 ) Similar orders were issued in regard to Bāburao Hari,

भरा दिवशीं बदलीत जाणें. वस्त्रपात्र कार्याकारण लागेल तें देत जाणें. जेवणाची व वस्त्र-  
पात्राची आवाळ न करणें. ज्या कोठडींत ठेवाल तेथें दुसऱ्याचा प्रवेश न होय असें करणें.  
पक्षा बंदोबस्त करणें ह्मणोन, धोंडो महादेव यांस. सनद १.

परवानगी रूबरू.

भास्कर नारायण फितुरांत होते, सबब बिडी घालून किल्ले धोडप येथें अटकेंत ठेवाव-  
यास तुम्हांकडे पाठविले आहेत, त्यांस पोहोंचवावयास हैबतराव माणकेश्वर कारकून, व  
स्वार, व गाडदी दिल्ले आहेत; तरी किल्ले मजकुरीं पक्षे बंदोबस्तानें अटकेंत ठेऊन जेवा-  
वयासी घालीत जाणें. चौकीस माणसें ठेवाल तीं वरचेवर बदलीत जाणें. वस्त्रपात्र लागेल  
तें कार्याकारण देत जाणें, वरचेवर सावधगिरी करीत जाणें ह्मणोन, वाजीराव आपाजी  
यांचे नांवें. सनद १.

परवानगी रूबरू.

मीर्जा फाजलबेग फितूर करीत आहे, सबब बिडी घालून तुम्हांकडे किल्ले नाराय-  
णगड येथें अटकेस ठेवावयास पाठविले आहेत, त्यांस पोहोंचवावयास मुळचंद कारकून,  
व स्वार, व गाडदी दिल्ले आहेत; तरी पक्ष्या बंदोबस्तानें ठेऊन पोटास शेर देत जाणें  
ह्मणोन, रामचंद्र शिवाजी यांचे नांवें. सनद १.

परवानगी रूबरू.

८७४ ( ३४३ )—रावजी परभू यांचें घर मौजे सिद्धेश्वर, तालुके पाल, येथें आहे,  
सबा सवैन त्यास रावजी मजकूर हा दोन वर्षे कोळ्यांत मलई करून. कागदपत्र पा-  
मया व अलफ ठऊन, लवाड्या करीत होता; ह्मणोन हुजूर विदित जाहलें, त्यावरून  
रमजान २९ हें पत्र तुम्हांस सादर केलें असे; तरी तुम्ही सुभाहूनच त्याचे घरीं  
वातमी न कळतां, तो घरीं असेल ते वेळेस जसी दहा शिपाई, व एक कारकून चांगला  
इतबारी पाहून, त्याचे घराची जसी करून कागदपत्र त्याचे घरांत जे सांपडतील ते जप्त करून  
पाठवणें; व रावजी मजकुरास निराळा काढून, कोणाचे मार्फतीनें कोळ्याचे कामांत पडला

A. D. 1776-77. Daulat Bāburao and Mahipat Bāburao, Bhāskarrao  
Nārāyan and Mirza Fazalbeg, to the Officers of the  
forts of Sinhgad, Chakan, Trimbak, Dhodap and Nārāyāngad respectively.

( 874 ) Government having learnt that Rāwaji Parbhu was in  
A. D. 1776-77. communication with the Kolis and was inciting them  
to rebellion, Rāmrao Nārāyan in Tāluka Rājmachī  
was directed to search his house at Sidheswar in Tāluka Pāl without  
previous intimation, and attach and send to the Huzur all the papers  
that might be found therein. Rāmrao was further directed to ascertain



होता, कसकसी वर्तणूक करावयास कोणी सांगितली होती, त्याप्रमाणें कोठ्यांत कसा मिळाला होता, तें सविस्तर त्याची जमानी लिहून घेऊन, सत्वर हुजूर पाठवणें. हुजुरून जसी आली आहे असें त्यास तूर्त कळों न देणें. युक्तीनें त्याचे घरांत कागदपत्र व त्याची जमानी लिहून घेऊन पाठवणें; आणि हुजुरून आज्ञा होईल तेव्हां रावजीस सोडावयाचा जाहल्यास जामीन घेऊन सोडणें, तूर्त किल्लास नेऊन ठेवणें ह्मणोन, रामराव नारायण तालुके राजमाची यांचे नांवें छ. १७ रजव परवानगी राजश्री बाळाजी जनार्दन फडणीस.

सनद १.

### मुतालीक ह्यांचे रोजकीर्दीपैकीं.

८७१ ( ८ )—नारो रामाजी कागकून हा बाजी गोविंद बर्वे यांजकडून हैदरखानाचे समान सवैन लष्करांतून बातमीस लष्करांत आला होता, तो सांपडला, सबब तुझां- मया व अलफ कडे किल्ले धारवाड येथें अटकेस ठेवावयास मराठे गाडदी दिमत सवाल ३ रामजी वणजारे वगैरे असामी २० वीस असामी बराबर पाठविलें आहे, तरी याचे पायांत बिडी घालून किल्ले मजकुरी पकचा बंदोबस्तानें ठेऊन पोटास शेर शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें ह्मणोन, त्रिवकगाव गेशवंत यांचे नांवें. सनद १.

परवानगी खबरू.

८७६ ( ६२२ )—मौजे धनगड येथील लोक रामचंद्र गोविंद, माजी कारखानीस, यांणीं समानीन इंग्रजांचे गडबडेंत सालगुदस्तां फिताऊन सखागम हरी अटकेस होता, मया व अलफ त्यास मोकळा करून, किल्ला बदलावा असा मनसबा करून, बाहेरील जमादिलखर ४ लोक बीरदीचे रानांत आणून लवाडी करित होता. तो इंग्रजांचा मोड जाहला तेव्हां रानांतील लोक पळून गेले. पुढें फितुराचें वर्तमान तुझांस कळल्यावर तुझी चौकशी केली. तो आठ आसामी फितुरी, त्यापैकीं कारखानीस मजकूर व जावजी मापारी

from him in private full particulars as to how he joined the Kolis, who induced him to do so, and what part he took in their affairs, and to submit his statement to the Huzur.

### FROM THE MUTÁLIK'S DIARY.

( 875 ) Naro Ránji Kárkun who was found to be a spy sent by A. D. 1777-78. Báji Govind from Haiderkhán's camp was sent to prison.

( 876 ) During the disturbances caused by the English in the preceeding year, Rámchandra Góvind, who formerly held the office of Kárkhanis, collected a force in the forest of Birandi, and entered into a plot with the men of the fort of

बरदेकर हे दोघे लष्करांत जाऊन येऊन बातमी नेत होते, त्यामुळे पळून गेले. बाकी सहा असामी फितुरी तुझांस सांपडले, ते हुजूर पाठविले त्याचे अपराध मनास आणून शासनाविशीं.

किता.

असामी.

१ तानाजी नाईक बंबर तट सर नौबत याचा अपराध पाहता भारी शासनास योग्य; परंतु सरकारांत फितुराचें वर्तमान जाहीर केलें, सबब उजवा हात तोडणें.

१ खंडोजी सेजवलकर, सयाजी सुर्वे याचा भाऊ, सयाजी मजकुराचे ऐवजी चाकरीस होता, त्यास सखाराम हरी यास मोकळा करावयाच्या मनसब्यांत तूं आहेस कीं नाहीं असें जैतोजी जांबुळकर, व देवजी महाडीक यांणी पुशिलें असता तुझांस कळविलें नाहीं, सबब शासनास योग्य, परंतु भावाचे मुबदला नव चाकरीस आला, सबब न सांगितलें, परंतु कारखानिसाचे निरोप लोकांस सांगत होता, असा फितुराचा मिलाफी, सबब उजवा हात तोडणें.

२

दोन असामीचे उजवे हात तोडणें.

कलम १.

किता.

असामी.

१ देवजी धोंडजी महाडीक.  
१ भिवाजी धोंडजी नाईकेणें.  
१ मोराजी बहिरजी नाईकगुंड.  
१ जैताजी जांबुळकर.

४

चार असामी बहुत अपराधी, सबब त्यांस तोफेच्या तोंडी बांधून उडवून देणें.  
कलम. १

Ghangad for the surrender of the fort and the release of Sakharām Hari. On hearing of the defeat of the English, the force which had assembled dispersed. The plot was then discovered and eight persons were found to have been implicated in it. Two of them, the Karkhannis, and Jāwaji Mapaci absconded. The rest were arrested and punished as follows:—

( 1 ) Tānājī Nāik Sarnobat deserved condign punishment ; but as he gave information to Govt. he was allowed to escape with the loss of only his right hand.

एकूण दोन कलमें लिहून सहा अपराधी तुझांकडे किल्ले मजकुरी येसाजी दरवडा खिज-मतगार याजबराबर पाठविले आहेत, तरी खिजमतगाराचे विद्यमानें सदरहू दोन कलमां-प्रमाणें पारिपत्य करून हुजूर लेहून पाठवणें ह्मणोन, अर्जोजीराव ढमाले हवालदार व कारकून किल्ले मजकूर यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

### हरिहरराव पांडुरंगराव यांच्या कीर्दीपैकीं.

८७७ ( ७६३ )--परगणे मजकूरपैकीं लोक कितुरकर देसाई याजकडे चाकरीस गेले इगळे समानीन असतील त्यांचीं घरे व चीजवस्त जी असेल, ती चौकशी करून जप्त मया व अल्फ करावयाकरितां कारकून पाठविले आहेत; तरी हे देसाई मजकूर यांज-जमादिलावर २१ कडे परगणे मजकूरचे लोक गेले असतील त्यांची चौकशी करून घरे व चीजवस्त जप्त करितील, त्यांस जप्त करूं देणें, अडथळा न करणें ह्मणोन.

१ अंताजी शंकर कमाविसदार दिमत परशराम रामचंद्र, परगणे तेरदाळ, यांजकडे कामगिरीस गिरमाजी जिवाजी कारकून दिमत परशराम रामचंद्र याम पाठविले आहेत, सबब सदरहु अन्वयें.

१ अंताजी विठ्ठल कमाविसदार, परगणे यादवाड, दिमत परशराम रामचंद्र यांजकडे रामाजी दादाजी कारकून दिमत परशराम रामचंद्र पाठविले सबब सदरहु अन्वयें.

१ भास्कर सखदेव कमाविसदार परगणे जमखिंडी दिमत परशराम रामचंद्र यांस पत्र की सदरहुप्रमाणें जप्त करून हुजूर लेहून पाठवणें ह्मणोन.

३

एकूण तीन पत्रें छ. १९ जमादिलावल समानीन, परगणे रुबरू दिल्ली असेत.

८७८ ( ९८९ )--बळवंतराव काशी यांचे नांवें सनद की. तुम्हीं विनंतिपत्र पाठविलें

( 2 ) One man who was serving as a substitute for his brother received the same punishment.

( 3 ) The rest were ordered to be blown from guns.

### FROM HARIHARRAO PÁNDURANG'S DIARY.

( 877 ) The officers of Parganá Terdál and Yádwad &c. were directed to attach the property of persons who had gone over to the Desai of Kitur.

( 878 ) Kasbe Siur in Parganá Gándápur belonged to Ahilyábai Holkar. A feud existed between the village officers and the kamávisdar and the parties had been quarrelling for 4 months. Balwantrao Káshi happened to encamp at the village,

तिसा समानीन  
मया व अलफ  
रमजान २

तें प्रविष्ट जाहलें. कसबे सिउर, परगणे गांडापूर, येथें मुक्कामास आलां तो गांव अहिल्याबाई होळकर यांजकडील त्या गांवचे कमाविसदार व पाटील कुळकर्णी याचा कजिया लागोन चार महिने जुंजत होता त्यास लेणारा किल्ला ज्या भिलांनीं घेतला ते भिल आंत होते. त्याजला आह्मीं मागीं लागलों. त्याणीं उत्तर केलें कीं तुझीं हजारपांचशें रुपये घेऊन जावें. आह्मीं भिल देत नाही. त्याजवरून होळकराकडील कमाविसदार, व पागे यांच्या विचारें गांवावर हल्ला केला तेस-मई आमचे सोळा माणूस जखमी, व तीन ठार जाहले; व भिलांचे शंभर माणूस जखमी व काहीं ठार जाहले. त्यांच्यानें दम न धरवे तेव्हां रघुनाथ धोंडाजी व गोविंद चिमणाजी मातबर गृहस्थ गावांत राहतात, त्यांच्या हवेल्या थोर आहेत, त्यांत भिल व कुळकर्णी शिरोन गोळी वाजविली, इतक्यांत अस्तमान होऊन रात्र पडली. याजवर हरदूजणांनीं मागील दरवाजा उघडोन भिल काढोन दिल्ले. ते भिल सांपडले अमते ह्मणजे इतकी मस-लत न लांबती त्यांचीं घरे जप्त केल्यास बीस पंचवीस हजारांची सरकारची किफायत होईल ह्मणोन, व रोजमरे याचे ऐवजाकरितां लिहिलें तें विदित जाहलें. ऐशास गांव चार महिने लढत होता, तो तुझीं हल्ला करून घेतला, उत्तम केलें. रघुनाथ धोंडाजी व गोविंद चिम-णाजी याणीं सरकारचे हरामखोर सोडून दिले याजकरितां त्यांचे घराची जप्ती करून जे सांपडेल त्याची याद लिहून हुनूर पाठविणें. आणि त्यांस कैद करणें, व कुळकर्णी यांचे वतनाची जप्ती करणें, येविशीं अहिल्याबाई होळकर यांस पत्र सादर केलें आहे, तरी तुझीं सदरहू लिहिल्याप्रमाणें करणें ह्मणोन.

सनद १.

रसानगी, त्रिवक नारायण परचुरे.

कारकून निसबत दप्तर.

and learning that the Bhils who had taken the fort of Lonará were in the village he demanded their surrender. The villagers sent word that they would pay Rs. 500 or 1000 to Balwantrao rather than surrender the Bhils. Balwantrao with the consent of the Kamávisdár attacked the village. Some of the Bhils were killed and wounded, and the rest were taken by the villagers to the houses of Raghunáthrao Dhondoji and Govind Chinnáji two influential men in the village. The Kulkarñi also joined them, and they fired on Balwantrao's men. At night-fall, they allowed the Bhils to escape. Balvantrao having reported the facts to Government, Raghunáth and Govind were ordered to be arrested, and their houses were attached. The Kulkarñi's watan was also attached. The facts of the case were also communicated to Ahilyábai.

## ७ न्यायशास्त्रे.

( ब ) फौजदारी.

( अ ) गुन्हे.

### २ खून व आत्महत्या.

८७९. ( ९७ )—पदमसिंग पिसाळ देशमुख, प्रांत वार्ड, यांचे नावे अभयपत्र की कुसा-  
खमस सवैन जी भोसला कुणबी रयत मौजे ओझरडे, संमत हवेली, प्रांत मजकूर,  
मया व अलफ यास पाटाचे पाण्याचे कजियामुळे तुझी मार दिल्या. त्या माराने कु-  
साबान १९ णबी मजकूर त्याच दिवशी मृत्यु पावला: खून तुझांकडे लागला; म-  
वव तुझांस सरकारांत आणून अटकेस ठेविलें होतें. त्यास खुनाबाधत सरकारची गुन्हेगारी  
रुपये १७५० साडेसत्राशें करार करून विठ्ठलराव मोरेश्वर गोळे यांची निशा सरकारात  
घेतली असे. या उपरी खुनाचा लांजा सरकारचा तुझांकडे नाही, मुखरूप राहणें अभय असें  
झणान.

पत्र १

रसानगी यादी.

### मुतालीक याचे रोजनिशीपैकी.

८८० ( २ )—संभू पाटील, कसबे धामणगांव, परगणे मलकापूर यास पत्र की, तुझा  
खमस सवैन व कसबे मजकूर येथील गांवकरी यांचा वतनसंमधें कजिया होता,  
मया व अलफ यामुळे तू परागंदा होऊन गांवकरी यासी दावा करावयाकरितां  
साबान २६ रात्रीस जमाव करून गांवावर आलास तेव्हां मडनाई पाटलीण, मौजे  
पळसखेडें, तर्फ पिंपरी, परगणे जामनेर, इचा लेक नाटोस कसबे मजकूरचे सिवारांत सांप-  
डला तो नूं ठार मारिलास; मवव मडनाई पाटलीण हुजूर कीर्तद आली. त्याजवरून तु-

( 2 ) Murder & suicide

( 879 ) Padamsing Pisál, Deshmukh of Prant Wár, beat Kusáji  
A. D. 1774-75 Bhosle, a ryot of Ózarde, to death in a dispute  
relating to canal water. He was arrested & kept in  
confinement but was afterwards released on his giving security for  
the payment of a fine of Rs. 1,750.

### FROM THE MUTÁLIK'S DIARY.

( 880 ) Samblu Pátíl of Dhámangach in Pargana Malakápur, having  
A. D. 1774-75 a quarrel with the village officer regarding the watan,  
left the village. He collected some men and came to  
the village one night to attack his enemies. He found a son of Mainai

जला मसाला करून हुजूर आणून मनास आणितां खुनाचा आरोप तुजवर आला, सबब तूं आपला घरवेद व शेत याचा निमे वांटा मइनाईस देऊन दत्तु पाटील मइनाईचा दीर याचे नावें भवरगांवचे पाटील वगैरे यांचे साक्षीनें कागद लिहून दिल्या; सबब खुनाचा अन्याय माफ करून सरकारांत गुन्हेगारी रुपये १५० दीडशें रुपये घेऊन हें अमयपत्र दिल्लें असे, तरी कसबे मजकुरीं सुखरूप राहणें ह्मणोन.

पत्र १.

रसानगी याद.

८८१ ( २०९ )—बाजीराव आपाजी, तालुके धोडप, यांचे नावें सनद कीं, हटकरी

सीत सबैन धणगर याचा चाकर मुदबख्या गुदस्तां गुजराथेंतुन दौलत बाबूराव  
मया व अलफ याचे पथकांतून कंठाळ सुद्धां घेऊन पळोन आपल्या घरास जात  
रविलाखर १५ होता, तो रात्रीं मौजे महारपाटणें परगणे वांबोरी, येथें येऊन वस्तीस

राहिला, दुसरे दिवशीं तेथून निघोन आपल्या घरास जात होता, तो भुता पाटील व बाबाजी पाटील व नेन्या भिल व महार मौजे मजकूर यांणीं मुदबख्यास वाटेंत गाढून जिवें मारिल्लें, सबब भुता पाटील व बाबाजी पाटील पळाला. त्याचा भाऊ भिवजी पाटील व नेन्या भिल व महार यांस किले धोडप येथें अटकेस ठेविल्लें आहे. त्याचे पारपत्याची वगैरे कलमें.

Pátíl of Palaskhede in the field and killed him. Maináí complained to the Huzur, and the charge of murder was proved. Sambhu therefore granted to Maináí half a share in his houses and fields and executed a document to that effect in favour of Datto Pátíl, Maináí's brother-in-law. A pardon was consequently given to him for his offence, Rs. 150 being levied from him as fine.

( ४८१ ) Mudbakhya, a servant of a Hatkari Dhangar, ran away with his master's property from the camp of Daulatráo Bábúráo on his way home halted one night at Mahárapatne in Parganá Wákhári. The next morning while proceeding to his destination, he was way-laid and murdered by Bhutá Pátíl, Báwáji Pátíl, Neryá Bhil and a Mahár. These persons were therefore imprisoned at fort Dhodap. Orders were now issued for the disposal of the prisoners as follows.—

( १ ) The murderers Bhutá and Neryá should be taken to the village where the murder took place and beheaded;

( २ ) One of the murderers, Báwáji Pátíl, having absconded, his brother

भुता पाटील, भिवजी पाटील याचा भाऊ बाबाजी पाटील, व नेन्या भिल यांणी खून केला, त्याणें भिवजीचा भाऊ बाबाजी पळाला सबब खुनी असामीचे पारिपत्य.

१ भुता पाटील.

१ नेन्या भिल.

२

दोन असामी यांणी ज्या गांवीं खून केला त्या गांवीं हरदू जणांस नेऊन छा-  
दन टाकणें. कलम १.

किता.

असामी.

१ भिवजी पाटील बाबाजी यांन खून करोन पळोन गेला, सबब त्याचा भाऊ.

१ महारानें मुदबल्याची पितळी घेतली सबब.

२

दोन असामी जामीन घेऊन सोडून देणें. कलम १.

मौजे मजकूरची पाटिलकी जप्त करा-  
वयाविशीं सरसुभाहन सनद तुझांस सादर जाहली आहे. त्याप्रमाणें पाटिलकी जप्त करणें. कलम १.

तीन कलमें लिहिलीं आहेत. तरी सदरहू लिहिल्याप्रमाणें करणें ब्रणोन. सनद १.

गसानगी यादी.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

८८२ ( २९५ )—बाळसेट विन गोंदसेट सोनार देवरुखकर याचे नांवें चिटणिसी सांत सबैन पत्र कीं, गोंदसेट सोनार मुराडकर याच्या लेकास रामा दसपुत्र्या व मया व अलफ राघोबा विश्या या दोघांनीं जिधें मारिला, त्याचे सोबतीस गोपाळा गविलाखर १५ गुहागरकर सोनार व तुझा लेक सदाशिव होता असें ब्रणून गोंदसेट मजकूर पेशजीं हुजुर फिर्याद जाहला होता, त्याजवरून येविशींचा शोध करतां सदाशिवाकडे सदरहूविशींचा लांझ्या नाहीं, असें जाहलें; परंतु चौकशीबद्दल कांहीं दिवस अटकेस होता. आरोप आला, सबब पंचगव्य देववून हें आज्ञापत्र सादर केलें असे, तरी सदरहू खुनाचा लांझ्या तुझा लेक सदाशिव याजकडे नाहीं. पूर्ववत्प्रमाणें आपले सोनाराचे जातींत

was arrested. He and the Mahār who had taken a pot belonging to Mudbakhyā were ordered to be released on furnishing security.

( 3 ) The Pátilki watan of the village was confiscated.

FROM JANÂRDAN ÂPÂJIS DIARY.

( 882 ) Two persons murdered a son of Gondshet Sonār. Balshet A. D. 1775-76. Sonār's son, Sadashiv, was their accomplice, but at the inquiry he proved his innocence. Orders were therefore

वर्तत जाणें. तुझे लेकाकडे हरकी रुपये १५० दीडशें करार करून हुजूरान्त पागा विंमत बाजी मोरेश्वर यासीं छ. २९ सवालीं देविले ते सरकारान्त सदरहूपमाणें जमा जाले असत झणोन. छ. २३ मोहरम. पत्र १.

८८३ ( ४७५ )—यादो पांडुरंग आवटी कसबे बारागांव नांदुर, परगणे मजकूर, व समान सबैल कळकर्णी मौजे चिंचोलें, परगणे मजकूर याच्या दोन स्त्रिया होत्या, मया व अल्फ त्यांस कण्हेरीच्या मुळ्या चारल्या, एक स्त्री मृत्यु पावली, एक आजारी रजव ३० आहे. यादो पांडुरंग कसबे मजकूरहून पळोन गेला, झणोन तुझांकडील कारकुनांनीं हुजूर विदित केलें, त्याजरून हे सनद तुझांस सादर केली असे, तरी कसबे मजकूरचे आवटीपण, व मौजे मजकूरचें कुळकर्ण, येणेंप्रमाणें जप्त करून उत्पन्न होईल तें परगणे मजकूरचे हिशेबीं जमा करणें; व यादो पांडुरंग याचा शोध करून त्यास धरून हुजूर पाठऊन देणें झणोन, निळकंठराव रामचंद्र पागा, यांचे नांवें. छ. २ जमादिलावर. सनद १.

रसानगी यादी.

### मुतालिक ह्याचे रोजनिशीपैकीं.

८८४ ( ७ )—सटवाजी लाड खिजमतगार याणें आपला चाकर पोर्गी ठार मारिला; समान सबैल सबब मशारानिल्हेस किले गदग येथें अटकेंत ठेवावयास पाठविला मया व अल्फ. असे, तरी यास बेडी घालून किलेमजकुरी पकचा बंदोबस्तानें ठेऊन सावान १४ शिरस्तेप्रमाणें पोटास शेर सनद—पैवस्तगिरीपासून किले मजकूर पैकीं देत जाणें झणोन, रामचंद्र नारायण यांचे नांवें. सनद १.

परवानगी रूबरू. गजश्री बाळाजी महादेव

कारकून शिलेदार.

issued that cow's urine should be given to purify him as he had been for some time in jail, and Rs. 150 were levied from him as a present.

( 883 ) Yádo Pápurang, kulkarni of Chincholi in Parganá Náundur, A. D. 1774-78 gave roots of the *kanher* plant to his two wives to eat. One of them died, and the other suffered from the effects of the poison. Yádav absconded. His watan was attached, and orders were issued for his apprehension.

### FROM THE MUTÁLIK'S DIARY.

( 884 ) Satwáji Lád khismatgár having murdered his servant-boy A. D. 1777-78. was sent to prison in fort Gadag.



८८५ ( ६१५ )—नरहर लक्ष्मणराव कमाविसदार, परगणे शेवगांव, यांचे नांवें सनद तिसा सबैन कीं, रामाजी येल्लो ब्राह्मण यास कसवे तीसगांव, परगणे मजकूर एथें मया व अलफ जिवें मारिलें. ते मारेकरी ब्राह्मण वगैरे तेरा असामी कैद करून हुजूर जमादिलावल आणिले होते, त्याचा करार येणेंप्रमाणें. कलमें.

मारेकरी असामी १३ पैकीं शूद्र चार व मुसलमान एक, एकूण असामी ५ पांच किल्यावर अटकेस ठेविले. बाकी. असामी.

- १ जनार्दन बापूजी.
- १ हरी रामगिरिधर.
- १ भवानी यशवंत.
- २ मल्हार त्रिंबक, व मुक्ताजी त्रिंबक.
- १ विठ्ठल गोपाळ.
- १ मल्हारी ब्राह्मण.
- १ गोविंदा ब्राह्मणभाई निसवत हरी रामगिरिधर.

आठ असामी बेड्यासुद्धां सरकारचे प्यादे हुजूर हशमाकडील बरोबर देऊन तुझांकडे पाठविले आहेत तेथें पोंहचलिया-वर जामीन चांगले पक्के घेऊन जामीन-कतवे हुजूर पाठवणें; आणि सदरहू अ-सामींच्या बेड्या तोडून जातीबाहेर ठे-वणें. पुढें यांणीं राहावें, पुढें वर्तणूक कशी करावी याची आज्ञा हुजूरून होईल त्याप्रमाणें करवणें. कुटुंबसुद्धां जातीबाहेर ठेवणें.

कलम १.

रामाजी येल्लो यांचे कर्ज या असामी पैकीं ज्याजकडे येणें असेल तें त्याजपासून व्याजसुद्धां सरकारचे ऐवजाबरोबर एका महिन्यांत वभूल करून रामाजीचे पुत्रास पावतें करून. पावती घेऊन हुजूर पाठवणें.

कलम १.

सदरहू असामी तुझीं आपलेजवळ पुढें चाकरीस कधीही ठेऊ नये. ऐसं केलें असे, तरी न ठेवणें. कलम १.

परगणं मजकूर येथील फडणिसी नारो रघुनाथ याजकडे आहे, त्याचे तर्फेनं रा-

एकूण आठ असामी किल्यावर अटकेस ठेवावयाचे केले होते, ते मना करून त्या-जकडे ऐवज कगार १०००१ रुपये.

यासि तपशील.

१५०० रामाजी येल्लो यांचे पुत्रास खुनाबद्दल द्यावे.

८५०१ सरकारचे खंडाबद्दल सरका-रात द्यावे.

१०००१

( 885 ) Thirteen men murdered, Ramaji Yello who held the appointment of Fardis at Tisgam in Pargana Sheygaum. Five of them, one a musalman and four Shudrás were sent to prison. The rest who were Brahmins were first ordered to be imprisoned but that order was revoked and they were fined Rs. 10,001, out of which Rs. 1500 were ordered to be given to the son of the deceased. It

एकूण दहा हजार एक रुपया सात असामी ब्राह्मण व एक ब्राह्मणभाई मिळोन आठ असामींकडे सदरहूप्रमाणें करार केला असे, तरी याची निशा एक महिन्याचे मुदतीची घेऊन ऐवज वसूल करणें; आणि यापैकी दीड हजार रुपये रामाजीचे पुत्रास देऊन बाकी सरकारचे खंडाचे पंच्यायेसीशें एक रुपयाची हुंडी करून एक महिन्याचे आंत ऐवज हुजूर पुण्यास पावता करणें. कलम १.

माजी येल्लो कामकाज करित होते. हल्ली त्यांचे पुत्र गोविंद राम यांस मशारनिल्लेनी आपले तर्फेनें फडणिसीचें कामकाज सांगितलें आहे, तरी त्यांचे होंतें घेत जाणें. कलम १.

येणेंप्रमाणें पांच कलमें करार केलीं असत, तरी सदरहूप्रमाणें वर्तेणूक करणें ह्मणोन छ. २४ रविलावल. सनद १.

रसानगी यादी.

८८६ ( ६४५ )—गंगी परदेशीण इणें आपला दादला सोमल घालून जिवें मारिला.

समानीन सबब अटकेंत ठेवावयास किल्ले सिंहगड येथें पाठविली आहे, तरी मया व अलफ. किल्ले मजकुरी अटकेंत ठेऊन पोटास शेर शिरस्तेप्रमाणें देऊन काम जिल्काद ५ करवीत जाणें ह्मणोन, नारो महादेव यांचें नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

८८७ ( ७०७ )—त्रिबक मनाजी दिंमत तुकोजी होळकर याणीं हुजूर विदित केलें

इसजे समानीन कीं, आपलें घर कसवे आकोलें एथें आहे, त्यास गांवांत दादो जयराम मया व अलफ. यांची स्त्री शामावाई इची अप्रतिष्ठा शिमग्यांत गांवकरी याणीं केली, सबाब ११ सबब तिणें जीव दिल्ला, त्याचे चौकशीस सरकारांतून विसाजी हरी

was directed that security should be taken from these Brahmmins and that they should be excommunicated. Further orders were to be issued regarding their future residence. The officer of Shewagauni was told never to employ them under him. The son of the deceased was given the appointment of his father.

( 886 ) Gangi, a Pardéshi woman murdered her husband by administering arsenic to him. She was therefore sent to prison.

( 887 ) The villagers of Akola outraged the modesty of Shàma, wife of Dàdo Jayram, during the Shimgà holidays. She therefore committed suicide. Visaji Hari was sent

कारकून पाठविले, त्यांनीं चौकशी करून अन्यायी यांजपासून गुन्हेगारी घेतली. हल्लीं विसाजी हरी सर्व गांवास पंचगव्य देऊन असामी पाहून पट्टी घेतात. येविशीं आज्ञा जाहली पाहिजे ह्मणोन; त्याजवरून हें आज्ञापत्र सादर केलें असे, तरी त्रिंबक मनाजी यास सर्वा-बरोबर पंचगव्य देणें, पट्टी मना केली असे, तरी यास पट्टीचा तगादा न करणें ह्मणोन, विसाजी हरी यांस चिटणिमी.

पत्र १.

८८८ ( ७६६ )—कृष्णाजी उतेकर याणें कृष्णाजी महाडीक शिंपी, वस्ती कसवे मलास समानीन पाली, याच्या कुणविणी दोन, मौजे रतवगांव, तर्फ पाल हवेली, मया व अलफ येथील नदीवर जिवें मारून आपण महाडास घरी गेला, त्याचा पत्ता जमादिलाखर ३० तुळीं लाऊन धरून आणून, किल्ले सरसगड येथें अटकेंत ठेविला आहे, त्यास हल्लीं तोफेचे तांडीं बावयाची आज्ञा केली असे, तरी तोफेच्या नोंदीं देऊन उडवून टाकणें ह्मणोन, बाजी गोविंद यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

८८९ ( ८४० )—सदाशिव गणेश केळकर वस्ती वाडा फणमें, मौजे वाडें तर्फ खार-अर्ची समानीन पाटण, तालुके विजेदुर्ग, याणें गोविंदभट पैठण, वस्ती वाडा मजकूर मया व अलफ यांची कन्या गुणाजी गणेश केळकर, वस्ती मौजे वानिवडें, तर्फ जमादिलाखल २० मजकूर यास दिल्ली होती, ती जिवें मारली ह्मणून हुजूर विदित जा-हलें; त्याजवरून येविशींची चौकशी करितां गुणाजी गणेश याची बायको मारल्याचा मुद्दा सदाशिव गणेश याजकडे लागू होतो; सबब यास कैद करून बराबर गाडदी निसबत राघो त्रिश्वनाथ गोडबाले असामी ४ चार देऊन विडीमुद्दा किल्ले बंदन एथें अटकेस ठेवावया-करितां पाठविला असे, तरी किल्ले मजकुरी पक्के बंदोबस्तानें अटकेस ठेऊन पोटास शेर शि-स्तप्रमाणें देत जाणें ह्मणोन, नारो शिवदेव याचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

from the Huzar to inquire into the matter. He fined the offenders and ordered that all the villagers should drink cow's urine to purify themselves and pay a cess imposed by him. Trimbak Manaji complained to the Huzur. The cess was remitted but he was ordered to drink cow's urine to purify himself.

( 888 ) Krishnaji Utekar killed two female servants of a tailor of A. D. 1782-83 Pali. He was ordered to be blown from a gun.

( 889 ) Sadashiva Ganesh Kelkar of Wada Fanase in Mouze Wade of Turf Khare Patan in Taluka Vijadurg A. D. 1783-84 having murdered his brother's wife was sent to prison.

८९० ( ९०८ )-बळवंतराव नरसी यांचे घर कसबे खटाव, प्रांत मजकूर येथे आहे, सीत समानीन त्यास त्याचे भाऊबंद वगैरे शें दीडशें लोक जमा होऊन मशारानिष्ठे- मया व अल्फ चा वाडा घेऊन त्यास बाहेर काढिले; व त्याची माणसें तोडिली, मोहरम १९ त्या जमावांत किल्ले वर्धनगड येथील लोक होते, झणून कळोन आले; त्याजवरून हें पत्र लिहिलें असे, तरी मशारानिष्ठेचे वाडियावर लोक चालोन गेले. त्याची चौकशी मनास आणावी लागती. यास्तव त्या जमावांत किल्ले मजकूरचे लोक असतील त्यांस पाठवून द्यावे झणून, परशुराम श्रीनिवास पंडित प्रतिनिधी यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

८९१ ( ९६१ )-रखमी साळोखी इचा दादला लक्ष्मण साळोखा, वस्ती कसबे पुणे, समान समानीन हा गुणी कुणबीण दिमत बच्याजी रामाजी कारकून निसबत चिटणीस मया व अल्फ इचा मून हडपसरचे रानांत करून खुन्ये पळोन गेले; त्यांत साळोखा मोहरम १८ मजकूर होता तोही पळोन गेला, त्याचें ठिकाण न लागे, याजकरितां रखमी मजकूर इजला सरकारांत धरून आणून हजीर जामीन घेणे, झणोन तगादा केला असतां जामीन न मिळे, सबब किल्ले सिंहीगड येथें रखमीमजकूर इजला अटकेंत ठेवाव- याकरितां गाडदी असामी सहा निसबत राघो विश्वनाथ याजवरावर पाठविली आहे, तरी किल्लेमजकुरी बंदोबस्तानें अटकेंत ठेऊन पोटास शेर शिरस्तेप्रमाणें देत जाणे झणोन, केश- वराव जगन्नाथ यांचे नांवें. सनद १.

परवानगी रुबरू.

८९२ ( १०५८ )-सदाशिव गणेश केळकर, वाडा फणसें मौजे वाडें, तर्फे खारा- सलास तिचैन पाटण, तालुके विजयदुर्ग यांणीं हुजूर विनंती केली कीं गुणाजी गणेश मया व अल्फ तिवरेकर मौजे वानिवडे, तालुके मजकूर यांची स्त्री मारल्याचा आरोप सफर १९ मजकडे आला, सबब किल्ले वंदन येथें सरकारांतून मजला अटकेस

( 890 ) The Bhaubands of Balwantrao Narsi of Khatav number- ing about a hundred and fifty, surrounded the house A. D. 1795-86. of Balwantrao, took him out and killed his men. Some men from the Wardhangad fort were alleged to be implicated in the matter. The Pratinidhi was asked to send them to Poona for inquiry.

( 891 ) Laxman Salokha of Poona being concerned in the murder of a female servant absconded, and could not be found. His wife Rakhmi was therefore ordered to furnish security for her appearance when required but she was unable to do so. She was therefore sent to prison in Sinhgad.

( 892 ) Gunaji Ganesh Tiwrekar of Waniwade in Taluka Khara-

दहा वर्षे ठेविले होते, त्यास हल्लीं मोकळे केलें; परंतु प्रायश्चित्त देऊन शुद्ध केलें नाहीं. याजकरितां स्वामींनीं कृपाळू होऊन जीवनभाफक राजदंड घेऊन, प्रायश्चित्त घावयाची आज्ञा करून, मजला दोषापासून मुक्त केलें पाहिजे ह्मणोन; ऐश्यास गुणाजी गणेश तिवरेकर याची स्त्री मारल्याचा आरोप केल्लकर मजकूर याजकडे आला होता, सबब याज-पासून राजदंड व ब्रह्मदंड घेऊन सर्व शिष्ट सभेंत विध्युक्त प्रायश्चित्त देववून शुद्ध करून, ह पत्र सादर केलें असे, तरी तुझीं तालुके मजकूरचे ब्राह्मणांस ताकीद करून सदाशिव गणेश यांशीं अन्न व्यवहार करीत ते करणें, ह्मणोन चिटणिसी. पत्रें.

१ गंगाधर गोविंद तालुके विजयदुर्ग यांस.

१ समस्त ब्राह्मण तालुके मजकूर यांस.

### ७ न्यायखातें.

( व ) फौजदारी.

( अ ) गुन्हे.

३ डाके.

८९३ ( २३० )—आनंदराव त्रिवक सुभेदार परगणे मुपें यांस सनद की. काळ्या मीन सवैन बल्लद गंगाजी गोळा, वस्ती कसबे मुपें, हा बेरडांकडे चाकरीस राहून मया व अलफ दूरवळ्यांत जात होता ह्मणोन तुझी लिहिलें, ऐशास काळ्या मजकूर रत्न २४ हा बेरडांमध्ये चाकर होता, सबब याचा शिरच्छेद करावयाची तुझांस आज्ञा केली असे, तरी काळ्या गोळ्याचा शिरच्छेद करणें ह्मणोन. सनद १.

रसानगी, मल्हारजी कामथा खिजमतगार दिमत सखाराम भगवंत.

८९४ ( २३१ )—महादाजी नीलकंठ यान गोटांतील बेलदार व पेंढारी यांणीं साल-

A. D. 1792-93. pátan had his wife murdered by Sakishiv Ganesh Kelkar & Wade in Taluka Vijayadurga who was imprisoned for the same for ten years. The latter was then released without being purified. He prayed Government to purify him, offering to pay a reasonable sum as fine. His prayer was granted, two fines ( one to be paid to Government and the other to Bráhmans ) being levied.

( ३ ) Dacoity.

( 893 ) Kalyá walad Gangáji Gola of Supé was found to have served under Berads, joined Berads and to have accompanied them on their expedition for committing dacoity. He was therefore ordered to be beheaded.

( 894 ) The Beládrs and Pendhárís in the camp of Mahadáji Nílkant

सीत सबैन  
मया व अलफ  
रजब ७  
कृष्ण यांचे नावे.

गुदस्तां नवाबाचे लष्करांत लूट केली, सबब शहर बन्हाणपूर येथें मुल्लेमाणसें सुद्धां अटकेस ठेविले आहेत. त्यांपैकीं दहा असामी जमा- तदार वगैरे मुख्य असतील ते ठेऊन बाकी सोडून देणें ह्मणोन, नारो मनद १.

रसानगी यादी.

८९५ ( २३५ )—महिपत्या मांग, मौजे उंदीरगांव, परगणे संगमनेर, येथें राहून मुल- सीत सबैन कांत दरवडे घालीत होता. त्याणें विठ्ठल शिवाजी यांचें कापड जालना- मया व अलफ पुराहून जात होतें, तें लुटून नेलें. त्याचा मुद्दा मांग मजकुराकडे ला- साबाब १० गला, सबब त्यास धरून आणावयास लोक पाठविले, तो महिपत्या पळोन गेला. त्याचीं माणसें व जमाबाचे लोक सांपडले ते आणून नेवाशाचे गदींत अटकेस तुझीं ठेविले आहेत त्यांचीं. कलमें.

१ डोचकीं मारणें. असामी.

१ संत्या महिपत्याचा भाऊ.

८ चाकर दरवड्याचे.

२ मौजे उंदीरगांव येथील.

१ महिम्या.

१ नवशा.

२

१ अर्जुन्या, मौजे आलेगांव, परगणे टेंबुरणी.

१ सोन्या, मौजे रोडेगांव तर्फे कडवलीत.

२ मौजे आंधूर, परगणे वैजापूर.

१ गोप्या.

१ येशा.

२

A. D. 1775-76. having plundered the camp of the Nawab in the preceeding year had been sent to prison. They were now ordered to be released with the exception of 10 principal persons, Jamaddars &c.

( 895 ) Mahipatya Māng used to reside at Undirgaum in Parganā

A. D. 1775-76. Sangamner and to commit dacoities in the country. On one occasion he committed robbery of some cloth be.

१ विठ्ठा, मौजे बिलवणी, परगणे वैजापूर.

१ उद्या, कसबे वैजापूर.

८

१ खंड्या, मिलाफी वाटेकरी, मौजे बहिरवाडी, परगणे नेवासें.

१०

कलम.

१ सोडून देणें, महिपत्याचीं माणसें.

असामी.

१ हरकी, त्याची बायको.

१ येशा पोर, उमर वर्षे १॥

२

कलम.

२

एकूण कलमें दोन लिहिलीं असेत. सदरहू प्रमाणें वर्तणूक करणें ह्मणोन, रामचंद्र नारायण, परगणे नेवासें वगैरे महाल. यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

८९६ ( २५३ )—बाजीराव आपाजी. तालुके घोडप यांचे नांवें.

सनद.

सीत सवैन  
मथा व अलफ  
सवाल ११

१ तुझीं हुजूर विनंति केली कीं. गावज्या भिल वस्ती मौजे कसाबखेड. परगणा माणिकपुंज, याणें डोंगरहटीचे भिलासी मिळोन परगणे मजकुरी गांवगन्ना दंगा करून लुटलें, सबब

longing to Vithal Sivaji, which was being brought from Jalnapur. The robbery was traced to him and he was arrested. He however absconded. His men and confederates were then seized and the following orders were passed:—

( 1 ) Mahipatyá's brother and Mahipatya's eight servants who assisted him in his dacoities, and one person who was Mahipatyá's confederate and a sharer in his spoil were ordered to be beheaded.

( 2 ) Mahipatyá's wife and child were ordered to be set at liberty.

( 896 ) Gāvajyā Bhil of Kasābhkhed in Parganā Mānikpunja, hav-

भिल मजकुरास धरून किल्ले धोडप येथे अटकेस ठेविला आहे ह्मणोन, त्याजवरून हे सनद सादर केली असे, तरी गांव लुटले त्यांत हा होता ऐसा पत्ता पुर्ता मनास आणून भिल मजकुर त्यांत होता ऐसे असल्यास मारून टाकणें ह्मणोन सनद.

८९७ ( ५०७ )—येशवंतराव बिन संताजी संकपाळ पाटील, व बहिरो गणेश वगैरे समान सवैन कुळकर्णी मौजे चांदक, प्रांत वाई, याणें लक्ष्मण कान्हेर याच्या वाडि- मया व अलफ यावर चाळीस पन्नास माणूस घेऊन येऊन, दंगा करून, बेकैदी केली; सवाल १७ सबब पाटील मजकूर याचा हक्क व मळे व मिराशीचीं शेते वगैरे असतील व कुळकर्णी यांचें कुळकर्ण व ज्योतिषपण सरकारांत जफत करून जफतीची कमा- वीस तुह्मांस सांगितली असे, तरी पाटीलकीचा हक्क व शेते व मळे, वगैरे व कुळकर्णी यांचें कुळकर्ण व ज्योतिषपणाची जफती करून, जफतीचा आकार इमानें इतबारें करून, आकारा पैकीं तुह्मांस सालीना रुपये ७५ पाउणसे करार केले असेत, ते घेऊन बाकी ऐवज राहील तो सरकारांत पावता करून पावलीयाचा जाब घेत जाणें ह्मणोन, गोपाळ आपाजी कारकून, मार्फत मोरो हरी, यांचे नांवें. सनद १.

सदरीलप्रमाणें लक्ष्मण कान्हेर याचे नांवें सनद कीं, मशारानिष्ठे अंमल करितील, तुह्मां अडथळा न करणें ह्मणोन. सनद १.

२

परवानगी राजश्री सखाराम भगवंत.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

८९८ ( ५१२ )—बापूजी रघुनाथ कुळकर्णी, मौजे ब्राह्मणी. तर्फ राहूरी, परगणे

A. D. 1775-76. ing attacked and plundered some villages in the Pargana, was arrested by the Kamāvisdār and kept in the fort of Dhódap. It was ordered that if Gāwajyá's complicity in the crime was proved beyond doubt he should be beheaded.

( 897 ) Yeshwantrao bin Santáji Sankpál Pátíl and Bahiró Ganesh Kulkarni and others of Chádak in Pránt Wái led an attack on the house of Laxman Kánher with the assistance of 40 or 50 persons. Their watans were therefore ordered to be attached.

FROM JANÁRDAN APÁJÍ'S DIARY.

( 898 ) Bāpuji Raghunáth Kulkarni of Brāhmaṇi, Tārf Rāhūrī in



समान सबैत संगमनेर, हा मांगास मिळोन दरवडे घालीत होता. त्याचे मुद्दे कुळ-  
मया व अलफ कर्णी मजकूर याचे घरी निघाले, सबब त्याचें कुळकर्ण हिशाचें सर-  
सवाल ३० कारांत जप्त करून हे सनद तुझांस सादर केली असे, तरी मौजे  
मजकूर येथील मशारनिह्हेचे हिशाचें कुळकर्ण जप्त करून सदरहूचे उन्पन्नाचा आकार  
होईल तो प्रांत गंगथडी येथील हिशेबी जमा करणें क्षणोन, नरसिंगराव बळाळ यांचे नांवें.  
छ. २० सावान. सनद १.

सदरील अन्वयें मोकदम मौजे मजकूर यांस.

सनद १.

२.

रसानगी यादी.

८९९ ( ७१४ )—कसबे बावधन, प्रांत वाई, येथें रामाजी गोविंद वाळंबेकर यांचे  
इसबे समानीन घरी दरवडा पडला, सबब कसबे मजकूरचे रखवालीचे वगैरे बेरड  
मया व अलफ असामी ७ सात असामी धरून किल्ले परळी येथें अटकेंत ठेवावयास  
रमजान १२ पाठविले आहेत. यांचे पायांत बेड्या घालून किल्ले मजकुरी पळे बंदो-  
बस्तानें अटकेंत ठेवणें; आणि पोटास शेर शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें क्षणोन, बाळाजी नारायण  
यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

## ७ न्यायखातें.

( ब ) फौजदारी.

( अ ) गुन्हे.

४ चोऱ्या व दरवडे.

जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकां.

९०० ( २४७ )—येझ्या व जावज्या बेरट नुर्बी चोरीवर भरिले होते. त्यास वाजपूस

A. D. 1777-78. Pargana Sangamner used to commit dacoities with the assistance of Mángs, and stolen property was found in his house. His vatan was therefore attached.

( 899 ) A dacoity having taken place at Bāvdhan in Pránt Wái, seven Rakhwáldárs of the village, of the Berad caste, were arrested and sent to prison.

A. D 1781-82

( 4 ) Theft and robberies.

FROM JANÁRDAN APÁJIS DIARY.

( 900 ) Two Berads arrested for theft died of the beating they

सीत सबैन करितां न सांगत, ह्मणोन मार दिला याजमुळें मयत झाले, त्यास  
मया व अलफ बेरडाची वस्तवानी त्याचे रुपये तुझांकडे येणें आहेत, ते याद तुझां-  
रमजान ३० पाशीं आहे, त्याप्रमाणें वसूल करून हुजूर पाठविणें ह्मणोन, भिकाजी  
आपाजी कारकून दिमत पागा हुजूर यांचे नांवें छ. ३ सावान. सनद १.  
रसानगी यादी.

९०१ ( २८५ )-विश्वनाथभट पाटणकर वस्ती मौजे खेड, कसबे नेवरे, तालुके  
सीत सबैन रत्नागिरी हा चोऱ्या करीत होता, ह्मणोन अटकेंत ठेविला. त्यास  
मया व अलफ जामीन घेऊन सोडून द्यावा, तरी जामीन मिळेना, सबब तालुके मज-  
रविलाखर १५ कुराहून तुझीं हुजूर पाठविला, तो येऊन पोहोंचला, त्यास हल्लीं येथें  
वेदमूर्ती जनार्दनभट भिडे वस्ती मौजे महाबळ, तर्फ संगमेश्वर, तालुके मजकूर यांस  
विश्वनाथ भटांनीं फिरोन चोरी करूं नये, व काहीं बदफैली करूं नये, काशीस जावें, या-  
प्रमाणें जामीन घेऊन सोडून दिला असे ह्मणोन, महिपतराव कृष्ण तालुके मजकूर यांस,  
जाब १. सदरहूचा जामीन कतबा दसरीं असे छ. ४ सफर.

परवानगी रूबरू.

९०२ ( ३४६ )-विसो दातार हा पुण्यांत लोकांचे घरीं चोऱ्या करीत होता त्यास  
मया सबैन धरून कैद करून तुझांकडे अटकेंत ठेवावयासी पाठविला आहे, यास  
मया व अलफ किंले सोलापूर येथें पळे बंदोबस्तानें ठेऊन पोटास शेर मध्यम प्रतीचा  
रमजान २९ देत जाणें ह्मणोन, रामचंद्र शिवाजी. तालुके मजकूर यांचे नांवें पर-  
वानगी राजश्री बाळाजी जनार्दन फडणीस. रसानगी, पांडुरंग कृष्ण कारकून दिमत अनंद-  
राव काशी कोतवाल शहर पुणे छ. २८ रजव. सनद १.

A. D. 1775-76 received at the hands of a karkun in the Huzur Págu for not confessing their guilt. The karkun was ordered to send their property to Government.

( 901 ) Vishvanath Bhat Patankar of Kheel in Taluká Ratnágiri being given to committing thefts was arrested and being unable to furnish security was sent by the District officer to the Huzur. Janárdan Bhat Bhide stood surety for him, promising that he would not again commit theft or any other offence and that he would repair to Benáres.

( 902 ) Viso Dátár being given to committing thefts in Poona was sent to prison in fort Sholápur. The order was given by Baláji Janárdan and communicated to the writer of the order by a clerk of the Kotwál of Poona.

९०३ ( ४२५ )—गोपाळजी आंगरे यांजकडील चोरऱ्यांनीं लांजे महालांत उपद्रव  
सवा सबैन केला आहे, यास्तव लोकांस बक्षीस द्यावयास करून स्वारी पाठविली  
मया व अलफ आहे, ह्मणोन लिहिलें, त्यास चोरांचा पत्ता पाहून पारिपत्य करणें.  
सफर २ जो चोर धरून आणील त्यास कार्याकारण पाहून बक्षीस देणें ह्मणोन.  
कलम १.

९०४ ( ६३६ ) कमावीस जप्ती बरहुकुम मुकुंदा भाट याणें श्रावण मासचे दक्षणेसमई  
समानीन रमण्यांत ब्राह्मणांचे वस्तभाव चोरली, सबब कैद करून त्याजवळ  
मया व अलफ सनगें सांपडलीं ते गुदस्तां त्रिचक मोरेश्वर कारकून दिंमत हशम, सनगें  
सावान २३ एकूण. आंख.

५. हुपट्टे धुवट फाटके २

१०. टोपी डोईची छिटी १

५। ३

९०५ ( ६८५ )—गळी गुजर वगैरे वस्ती कसबे बागमती याचे घरचे चाकरांनीं भाई-  
रहिदे समानीन चंद गुजर वस्ती कसबे मजकूर याचे घरी चोरी केली ते. असामी.  
मया व अलफ १ खेचू पवार.  
रमजान ६ १ राणु गावडा.  
१ जोगु प्रचाला.

३

एकूण तीन असामी वस्तवानीमुद्धां सांपडले. ते तुझीं धरून गुजराची वस्तवानी माधारी  
कडून कैद करून ठेविले आहेत: त्यांचीं शासनें कगावयाची आज्ञा जाली पाहिजे. ह्मणोन

( 903 ) Mahāl Lānje being infested by robbers, order was issued  
A. D. 1776-77. to trace and punish them, and permission was given  
to grant suitable rewards to those who might assist  
in arresting the offenders.

( 904 ) Mukundā Bhat stole articles, belonging to Brahmins who  
A. D. 1779-80. were assembled at Ramnā for the purpose of receiving  
the Daxinā disbursed during the month of Shrāvan.  
He was imprisoned, and clothes worth Rs. 5-4 found on him,  
were confiscated.

( 905 ) Three persons committed theft at the house of Bhāichand  
A. D. 1780-81. Gujar of Bāramati and were arrested with the property  
stolen. Pāndurang Bāburao returned the property to

तुळांकडील आपाजी बाबाजी यांणीं हुजूर विनंती केली; त्याजवरून हे सनद तुळांस सादर केली असे, तरी सदरहू तीन असामींचीं शासनं एकेक हात तोडून सोडून देणें; आणि हुजूर लिहून पाठवणें ह्मणोन, पांडुरंग बाबूराव यांस. सनद १.

रसानगी, आपाजी बाबाजी दिमत पांडुरंग बाबूराव.

९०६ ( ८४४ )—तालुके रत्नागिरी येथें शामिल जंजीरकर याजकडील चोरांचा उपद्रव अर्बा समानीन जाहला होता, याजकरितां लोक स्वारीस पाठविले, त्यास लोकांनीं मया व अलफ चोर धरून आणिल्यास पन्नास रुपये बक्षीस द्यावयाचा करार केला, जमादिलाखर १६ त्याप्रमाणें लोकांनीं चोर धरून आणिले, सबब सरकारांतून पन्नास रुपये बक्षीस द्यावयाची आज्ञा जाली पाहिजे ह्मणून तुळांनीं हुजूर विनंती केली; ऐशास शामिलकडील चोरटे धरावयाची मेहेनत लोकांनीं चांगली करून चोरटे धरिले, सबब बक्षीस एक साला रुपये पन्नास ५० रुपये द्यावयाचा करार करून हे सनद सादर केली असे, तरी सदरील पन्नास रुपयांची नांवनिशीवार लोकांस वांटणी करून. तालुके मजकूर येथील हिशेबीं स्वर्च लिहिणें ह्मणोन, महिपतराव कृष्ण यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

९०७ ( ९०४ )—कोंकणप्रांतीं चोरटे चोंन्या करीत होते, त्यांस तुळांनीं धरून आणून सीत समानोन चौकशी करून त्यांचे अपराध हुजूर लेहून पाठविले; त्याजवरून चो- मया व अलफ रांची पारिपत्ये करावयाचीं. वीतपशील. मोहरम ८

२० डोकीं मारावयाचे.

असामी.

१ माना म्हार वारूळकर वस्ती हाय तर्फ मरल माहाल.

१ सोना बिन गणोजी शेलार, वस्ती ढोकवलें, तर्फ हेळवाक.

१ कृष्णशेट बिन पांडशेट सोनार चिपळुणकर, हल्ली वस्ती कसबे बामणोळी, तर्फ मजकूर.

the owner and solicited orders for the disposal of the thieves. He was directed to cut off one hand of each of the offenders and to set them at liberty.

( 906 ) A reward of Rs. 50 was offered for the capture of robbers residing in the territory of the Janjirkar who used to commit robberies in the Taluká of Ratnágiri. The robbers having been captured, the rewards were ordered to be paid.

( 907 ) The following sentences were passed on 58 persons ( Mahárs, Sonárs &c. ) who were concerned in thefts committed in the Konkan and whose cases were reported for orders—

- १ लक्ष्मण बिन धोंडशेट सोनार, वस्ती येले, प्रांत सातारा. संभशेट, व जान-शेट सोनार तांबीकर, यांचे घरचा पोर्गा.
- १ बाळू बिन माहादजी पाकडा, वस्ती मौजे भेंडसगांव. प्रांत पनाळा.
- १ देवा बिन बहिरू महार, वस्ती मौजे पांचगणी, तर्फ मरळी महाल.
- १ गणा म्हार बिन हिरा काजुरलीकर हल्लीं वस्ती पाटण.
- १ नाना म्हार बिन खंडा म्हार तळेकर हल्लीं वस्ती मौजे उमरडें तर्फ मरळी.
- १ रघा बिन दुलबा म्हार वस्ती मौजे पाली तर्फ तांब तालुके व्याघ्रगड.
- १ राया बिन धारा म्हार वस्ती मौजे उमरडें तर्फ परळी.
- १ जान्या बिन धारोजी हेमण वस्ती मौजे कुलकवाडी.
- १ लख्या बिन देवजी राणीक, वस्ती मौजे कुलकवाडी.
- १ भिका बिन कृष्णाजी बुटर्चा, वस्ती कुलकवाडी.
- १ सोना बिन ताना भोवड, वस्ती कुलकवाडी.
- १ लक्ष्मण बिन बाळकोजी बुटर्चा, वस्ती चिपळूण.
- १ लक्ष्मण बिन बाळकोजी मोन्या, वस्ती मौजे कुलकवाडी.
- १ गोपाळ सावंत देसाई, वस्ती मौजे मेढें. तर्फ फुणगुम.
- १ कृष्णाजीराव खानवीलकर वस्ती मौजे बुडीयें. तर्फ फुणगुम.
- १ लख्या काबल्या, वस्ती मौजे नारसिंगें तर्फ फुणगुम.
- १ मादु रायकर वस्ती मौजे मेढें तर्फ फुणगुम.

२०

१३ उजवा हात व डावा पाय तोडावयाचे.

असामी.

- १ तान शेट सोनार वस्ती मौजे कुसवडें तर्फ पाटण.
- १ होना लव्हार वस्ती मौजे दोकवले, तर्फ हेळवांकला.
- १ माहादजी बिन रुपाजी पाकडा, वस्ती मौजे भेंडसगांव.
- १ येसू बिन रुपाजी पाकडा वस्ती मौजे भेंडसगांव.
- १ गोदा बिन येसू पाकडा वस्ती मौजे भेंडसगांव.
- १ ताना म्हार बिन रामा म्हार पालकर. हल्लीं वस्ती मौजे मरळी.
- १ धाका बिन भिका म्हार वस्ती मौजे बिचोडी तर्फ हेलवाक.
- १ जिवाजी विचारा वस्ती मौजे हसोल हल्लीं वस्ती कुलकवाडी.
- १ रघोजी पोर्गा निसबत वाजोजी शिंदे वस्ती कुलकवाडी.

20 Persons to be behead d,

13 , to have the right hand and left leg cut off,

१३

- १ अंतशेट विन बाळशेट सोनार वस्ती मौजे खडपवली तालुके चिपळण.
- १ रत्नोजी विन रामजी कदम वस्ती मौजे कुलकवाडी.
- १ नारशेट विन दादशेट सोनार मुरुडकर, हल्ली वस्ती कसवे पुणे.
- १ लक्ष्मण विन आपाजीराव सुर्वे, कुंभारखाणकर.

१३

१८ उजवा हात तोडावयाचे.

असामी.

- १ गोरखोजीराव इंदुलकर वस्ती मौजे कुसवडे तर्फ पाटण.
- १ हणमंता इंदुलकर, वस्ती मौजे कुसवडे, तर्फ पाटण.
- १ हिरोजी इंदुलकर, वस्ती मौजे कुसवडे, तर्फ पाटण.
- १ बाळोजीराव इंदुलकर वस्ती मौजे कुसवडे, तर्फ पाटण.
- १ गणसालवी वस्ती मौजे कुसवडे तर्फ पाटण.
- १ लक्ष्मण विन विठोजी शेलार ढोकवलकर वस्ती मौजे रासाटी. तर्फ पाटण.
- १ सेका विन भानजी भांगड्या वस्ती मौजे कुसवडे तर्फ पाटण.
- १ सेका विन आपाजी सेड्या, वस्ती मौजे धावडे, तर्फ मरळी.
- १ रता विन सोना म्हार, वस्ती मौजे सावरट, तालुके व्याघ्रगड.
- १ माला विन विठा म्हार, वस्ती मौजे उंबरणे, तर्फ मरळी.
- १ संता विन हरनाक म्हार, वस्ती मौजे उंबरणे, तर्फ मरळी.
- १ भाना विन मामल, हल्ली वस्ती मौजे हाय, तर्फ मरळी.
- १ वाळू विन नागोजी धावडा, वस्ती मौजे कुलकवाडी.
- १ चिमा विन उदाजी पाटील, वस्ती मौजे खडपवली, तर्फ चिपळण.
- १ कृष्णशेट विन बाळशेट वस्ती, मौजे खडपवली, तर्फ चिपळण.
- १ लक्ष्मण विन माणकोजी सालवी, वस्ती लवळे, तर्फ खेड.
- १ हरी गुरव, वस्ती मौजे तिबरे, घेरा प्रचितगड.
- १ रघा गुरव, वस्ती मौजे राई, तर्फ फुणगुस.

१८

४ उजवा हात व कान एक कापावयाचे असामी.

- १ वहिरू शेलार, वस्ती मौजे कुसवडे, तर्फ पाटण.
- १ भागा विन भिका म्हार, दरेकर, हल्ली वस्ती मौजे सावरट, तर्फ तांब
- १ सनू विन धारोजी धामशा, वस्ती मौजे कुलकवाडी.

18 Persons to have the right hand cut off,

१ राजू बिन हिरोजी राणीक, वस्ती कुलकवाडी.

४

१ सोना बिन संता म्हार, वस्ती मौजे पापरडे, तर्फ मरळी, याचा उजवा हात व पाय तोडावा.

१ साना बिन ताना म्हार, वस्ती व्याघ्रवली, तर्फ (देव)रुख, याचा एक कान कापावा.

१ संभाजी बिन हरजी दुगणकर, वस्ती मौजे कुलकवाडी, तर्फ चिपळूण, विशोभित करून फिरऊन मेक देऊन मागवा.

५८

एकूण अड्डावन असामीची सदरहू लिहिल्याप्रमाणे पारिपत्ये करणे ह्मणून. महिपतगाव कृष्ण मामलेदार तालुके रत्नागिरी यांस. मनद १.

रमानगी यादी.

९०८ ( ९३१ )- तालुके अंजणवेल येथे वर्दावान आहेत. त्यांचे पारपत्याची आज्ञा, मद्रा समानान जाहली पाहिजे ह्मणोन तुम्ही विनंतीपत्र पाठविले ते प्रविष्ट जाहले मया व अलफ त्यास. कलमें. सवाल २३

मल्हार आपाजी व त्याचा पोरगा दु-  
सुलून किल्ले बहिरवगड येथे अटकेस ठेवा-  
वयासी पेशजी पाठविला, त्यास मल्हार  
आपाजी मदींमुळे आज्ञा हाऊन मृत्यु पा-  
वला; पोरगा अटकेस आहे ह्मणोन लिहिले.  
त्यास पोर्ग्यास जामीन घेऊन सोडून देणे.

कलम १.

येसा गुलाम निम्बन गमचंद्रभट गद्रे,  
वस्ती मौजे पालशेत, तर्फ गुहागर, हा भ-  
टजीचे घरी मनम्बी वर्तणूक करून काम-  
काज न करी, यास्तव त्याणी सोड दिल्ली,  
त्याणे मुळकांत ब्राह्मणांचे घरी दोन तीन  
वेळां चोन्या केल्या, सबब अटकेस ठेविला  
आहे, ह्मणोन लिहिले. त्या चोन्या कोण

4 Persons to have the right hand and one ear cut off.

3 " " " " \*

( 908 ) A slave, named Ysa, belonging to Rámchandrabbat Gadre of Palset in Farí Gúhagar shirked work, and A. D. 1786-87, behaved impudently. Rámchandrabbat therefore dis- charged him. The slave then began to commit thefts. He was arrested and orders were solicited by the Mámlatdár of Anjanwel as to his disposal. Full details as to the places of thefts and the amount stolen in each case were called for, and the Mámlatdár was informed that on

ताना देवळ्या कुणबी, वस्ती मौजे आडुर, तर्फ गुहागर, याणें मौजेवलणेश्वर, तर्फ मजकूर, येथें फिरस्ती महारीण होती तिजबराबर बदकर्म केलें; सबब अटकेस ठेविला आहे ह्मणोन लिहिलें, त्यास याचें घर जप्त करून वस्तभाव तालुके मजकूरचे हिशेबी जमा करणें; आणि यास पोटास शिरस्तेप्रमाणें शेर देऊन इमारतीवर काम घेत जाणें. कलम १.

कोणते जागा, किती ऐवजपर्यंत केल्या, तें तपशीलवार लेहून पाठवणें. समजोन आज्ञा होईल त्याप्रमाणें करणें; तोंपर्यंत पोटास शेरशिरस्तेप्रमाणें देत जाणें; इमारतीचें काम घेणें. कलम १.

एकूण तीन कलमें सदरहू लिहिल्याप्रमाणें करणें ह्मणोन, त्रिंबक कृष्ण यांचे नांवें. सनद १. रसानगी, त्रिंबक नारायण परचुरे.

### ७ न्यायस्वार्ते.

( ब ) फौजदारी.

( अ ) गुन्हे.

५ फसवणूक.

९०९ ( ५४१ )—शहर पुणें येथील कोतवाली पेशजीं घासीराम सावळदास याजकडे होतां, तेव्हां त्यांणीं रमाबाई ब्राह्मणीण बायको, चांभारगोंदेंकरीण, इज-  
मान सनैन मथा व अलफ मफा २६ पासून सवाण जेवावयासी गेली ह्मणोन निमित्य ठेऊन पन्नास रुपये घेतले आहेत. त्यास रमाबाईकडे सवाण जेवावयास गेली असं लागत नाहीं. याजकरितां हल्लीं रुपये ५० पन्नास माघारे द्यावयाचे केले असत; तरी मशाग निल्लेचे फाजील कोतवाली संबंधें सरकारांत आहे, त्यापैकी सदरहू पन्नास रुपये रद्द कर्ज लिहून रमाबाईस देविले असे, तरी देणें; आणि पावर्ल्याचाचें कवज घेणें. ह्मणोन आनंदराव कासी कोतवाल यांचे नांवें. छ. १२ जिल्हेज. सनद १.

receipt of the information. final orders would be passed. A prisoner died of cold in the fort of Bahraygad; his son who was also in prison was ordered to be released.

( 5 ) Cheating.

( 309 ) Ghásbirám Sāwāldās who was formerly a Kotwal of Poona. A. D. 1777-78. fined a Brahmin widow Rs. 50 for going to dine at another Brahmin's house under the pretence that her husband was alive. The Huzar considered that the charge was not proved and ordered the money to be refunded to her.



## ७ न्यायखाते.

( ब ) फौजदारी.

( अ ) गुन्हे.

६ चोरीचा माल घेणें.

९१० ( ७२४ )—अबदुल रहिमान जमादार, निसबत हुजूर हशम, यांणीं हुजूर वि-  
इसने समानीन दित केलें कीं, लाड महमद व शेख चांद यांजपामून मीं चोरीचे दा-  
मया व अलफ गिने विकत घेतले, सबब कसचे जुन्नर येथें माझें घर आहे त्याची  
मवाल १८ जफती बाळाजी महादेव यांणीं करून वस्तभाव वगैरे बीतपशील.

नक्त रुपये १७

कापड

दागिनें.

सनगें एकूण किंमत अजमांस रुपये.

१ जामा बुट्टेदार.

१९। महंमुद्या ४

२ बासनें छिटी.

४ तिबट १

१ रुमाल.

१७॥ शेले ४

१ वळी.

९. लुगडें चंद्रकळा.

१ मूठ.

१ कंठाळ.

२९॥

७

बैल सर २

एकूण सत्रा रुपये नक्त व पावणेपन्नास रुपयांचीं सनगें, व सुमारे दागिने सात, व  
बैल दोन येणंप्रमाणें किले शिवनेरीस नेलें आहे; येथिशीं आज्ञा जाली पाहिजे ह्मणोन;  
त्याजवरून येथिशींची चौकशी हुजूर मनारा आणिता जमादार मजकूर याणें एकशेंवीस  
रुपयांचे दागिने चौघांस दाखऊन घेतले, चोरीचे असे ठावकें नाहीं. याप्रमाणें जालें, सबब  
याची जफती केली आहे ते मोकळी करून दे पत्र सादर केलें असे. तरी सदरहूप्रमाणें  
वस्तभाव व घर कागदपत्र जफतीस ठेविलें आहे ते याचे हवालो करणें; व अबदुल रहि-  
मान यास जामीन सदरीलविशीं हुजूर घेतला. याजकरितां शिवनेरीस लुहरी जामीन घेतला  
आहे त्याचा कतबा माघारा देणें ह्मणोन. बाळाजी महादेव यांचे नांवें चिटानिसी. पत्र १.

( 6 ) Receiving stolen property.

( 910 ) Abdul Rahuman's property was attached by Bāājī Mahadō

A. D. 1781 82. ( officer of Junnar ) on the ground that he has pur-

chased stolen ornaments. Abdul applied to the Peshwā,

It was found that Abdul purchased the ornaments publicly and in good  
faith. His property was therefore ordered to be released from attachment

## ७ न्यायखातें.

( ब ) फौजदारी.

( अ ) गुन्हे.

७ बनावट दस्तऐवज.

जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

९११ ( ४८६ )—बाळाजी केशव करडेले. दिमत गणपतराव विष्णु गट्टे, याणीं हुजूर समान सर्वेन विदित केलें कीं. कृष्णाजी सदाशिव, वस्ती मलगांव, परगणे निंबाईत, मया व अलफ याणीं खोटी हुंडी भगवंत बहिरव थथे औरंगाबादकर, याचें नांवची रजब ३० राखले रावजी दामोदर, नामें जोग बाळकृष्ण हरी गट्टे निसबत त्रि-बकराव विश्वनाथ यास द्यावें, अशी लिहिली. त्याचा ऐवज हुंडीप्रमाणें आपण दिल्या. पुढें थथ्यांची रुजवात होतेसमयीं बोलले कीं. हुंडी खोटी; आमचे दुकानची नव्हे; ऐवज घेतला नाही. तेव्हां त्याचा शोध करितां, कृष्णाजी सदाशिव यानें खोटी हुंडी लिहिली; त्याजवरून सरकारांतून ताकीदपत्रें दिल्लीं कीं, खोटी हुंडी लिहिली त्याणीं ऐवज द्यावा. असें असतां, कृष्णाजी सदाशिव ऐवजाचा निकाल करून देत नाहीं झणोन; त्याजवरून हें पत्र सादर केलें असे. तरी तुम्हीं कृष्णाजी सदाशिव यास पागा असीउमरी येथें आणून त्याजपासून व्याजमुद्धां ऐवज घेऊन, त्यापैकीं सरकारची चौथाई घेऊन, हुजूर गागेचा हि-शेबीं जमा करून बाकी ऐवज बाळाजी केशव याचा देणें. याशिवाय कृष्णाजी सदाशिव याजपासून साधेल ते गुन्हेगारी घेऊन, हिशेबीं जमा करून, हुजूर लेहून पाठवणें झणोन, गंगाधर शंकर यांचे नांवें. छ. २६ जमादिलाखर, चिटणिसी. पत्र १.

९१२ ( ६५५ ) चिंतो रामचंद्र भोपटकर याणें कृत्रिमीं पत्रें हातानें शिके करून.

( 7 ) Forgery.

FROM JANÁRDAN ÁPÁJIS DIARY.

( 911 ) Krishnaji Sadashiv of Malgám in Parganá Nimbayet forged a hundi and cashed it. He was ordered to pay back the amount fraudulently received of which one fourth was to be credited to Government, and to pay as large a fine as possible.

( 912 ) Chinto Ranchandra Bhopatkar, forged false documents and seals. He was therefore imprisoned in for Simbad and orders were issued not to allow him access to pen paper and ink.

समानांन साधकांची खाटी पत्रं लोकांस करून दिल्ली, सबब त्यास किल्ले सिंही-  
मया व अलफ गड येथें अटंकत ठेवावयास पाठविला आहे, तरी शाई व लेखणी व  
त्रिलोच २ कागद त्याजवळ न जाई असा पत्राचा बंदावस्तानें अटंकत ठेऊन पो-  
टास शेर शिरस्तेप्रमाणें किल्ले मजकूरपैकी देत जाणें बघोन, नारो महादेव यांचे नांवें. सनद १.  
रसानगी यादी.

## ७ न्यायशास्त्रे.

( व ) फौजदारी.

( अ ) गुन्हे.

८ जवरीचीं लग्न.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१. १३ ( २४१ )—बापूजी आपाजी केलकर यांची कन्या दोहो सवा दोहो वर्षांची  
सीत सवैन सदाशिवभट करमरकर, वस्ती सातारा, यांणीं जबरदस्तीनें धरून  
मया व अलफ नेऊन गोपाळ कृष्ण कानिटकर याचा पुत्र मुका, याम देऊन लग्न  
रमजान ३० करविलें; आणि मुबदला गोपाळ कृष्ण कानिटकर यांची कन्या सदा-  
शिवभटानीं आपल्या बंधूम केली. केलकराची कन्या दुसरी नवरी आंग असतां धाकटी  
कन्या धरून जबरदस्तीनें नेऊन लग्न लाविलें. सबब करमरकर व कानिटकर या उभयतांचे  
घरांस बहिष्कार घालणें, व त्यांची घरे वस्तभावमुद्धां जप्त करणें; दोघांचे घगम बहिष्कार  
घालून जफती केल्याचें सविस्तर हुजूर लेहून पाठविणें बघोन. सनद.

२. कृष्णराव अनंत, मुकाम सातारा, यास कीं, सदाशिवभट करमरकर, याचे घरास  
बहिष्कार घालणें; आणि घर वस्तभावमुद्धां जप्त करणें, व ज्या गांवीं मुलीचें लग्न  
लागलें तेथील जोशी उपाध्ये याम आणून हुजूर पाठविणें बघोन.

( ४ ) Forced marriage.

### FROM JANARDAN APAJI'S DIARY

( 913 ) Sadashiv Bhat Karmurkar of Satara forcibly took away a  
A. D. 1775-76 daughter of Bāpuji Apāji Kelkar, aged two years or  
two years and a quarter, and married her to Gopāl  
Krishna Kanitkar's dumb son, and in return for this service, Gopāl  
Krishna's daughter was married to Sadashiv's brother. Bāpuji Apāji  
had another elder unmarried daughter and the marriage of the younger  
daughter was therefore improper. Sadashiv's and Gopāl's families were

१ श्रीनिवास शामराव कमाविसदार, प्रांत कराड यास कीं. गोपाळ कृष्ण कानिटकरास, धाकटी कन्या धरून आणली, असें कळलें असून तिचें लग्न आपल्या पुत्राशीं केलें, सबब कानिटकराचें घरास बहिष्कार घालणें; आणि घर वस्तभाव देखील मौजे टेंबू, प्रांत मजकूर येथें इनाम जमीन आहे, ते वगैरे जें कानिटकराचें असेल त्यासुद्धां जप्त करणें ह्मणोन.

२

रसानगी यादी, छ. १४ साबान.

९१४ ( ५६४ )—हरी महादेव करमरकर, वस्ती कसबे बीरवाडी, तर्फ मजकूर, यांचे समान सबैत बंधूची कन्या नवरी आहे, तीस त्रिंबक धारप याणें धरून रानांत मया व अलफ नेली, त्याजबद्दल येस जोशी उपाध्ये तर्फ मजकूर, व आबाजी बाबा-जमादिलावल ८ जी धारप हे उभयतां रानांत जाऊन तिशीं त्रिंबक धारप याचें लग्न लाविलें, ऐसं येस जोशी व आबाजी बाबाजी ह्मणतात ह्मणोन हुजूर विदित जालें. त्याज-वरून मनास आणतां मूल धरून नेली, तिचें लग्न येस जोशी याणीं रानांत लाविलें, हा महद् अन्याय केला, सबब त्यांचें वतन जप्त करावयाविशीं हे सनद सादर केली असे, तरी मशारनिल्लेचें तर्फ मजकूरचें ज्योतिष व उपाध्येषण सरकारांत जप्त करणें; आणि सरकार-दलाईत पाठविले आहेत, यांजबराबर त्रिंबगीस हुजूर पाठऊन देणें म्हणोन, कृष्णाजी रा-मचंद्र तर्फ बीरवाडी यांचे नावें. छ. २४ रविलाखर. सनद १.

रसानगी यादी.

९१५ ( ६८० )—सदाशिव नागनाथ याणीं हुजूर विदित केलें कीं, आपण मौजे

therefore excommunicated and their property was ordered to be attached. The Joshis and priests officiating at the marriage were also summoned to the Huzur.

( 914 ) Government was informed that Trimbak Dhārap of Birwādi in Talukā Birwādi forcibly took away Hari Mahādev Karmarkar's daughter outside the village and there married her. A certain Joshi officiated as priest and Abāji Bābāji Dhārap was with him. The officer of Birwādi was informed, that the offence was very serious, and was directed to attach the Joshi's watan and to send the three offenders to the Huzur.

( 915 ) Sadāshiv Nāgnāth, an inhabitant of Anantgaum in Parganā A D. 1779-80. Ambe Jogai went on a pilgrimage to the Godāvari, leaving his wife and daughter at home. Nāro Bāwāji

ममानिन अनंतगांव, परगणे आंबेजोगाई, येथें वस्तीस राहतो. त्यास गुदस्तां जेष्ठ-  
मया व अलफ मासीं आपण सिंहस्थास गोदास्नानास गेलों, घरीं कुटुंब होतें; व आ-  
जमादिलावल ५ पली कन्या लग्न करावयाची मूल होती. त्यास नारो बावाजी व कसो  
बावाजी कुळकर्णी आंबेकर, यांणीं आपण घरीं नाहीं ऐसी संधी पाहून जेष्ठ शुद्ध सप्तमीस  
अस्तमानीं दहा प्यादे व शेषभट आंबेकर ऐसे आणून आमचे घरीं मारामार करून मुली-  
स धरून शेजारी सटवाजी पाटील मौजे मजकूर, यांचे आंगणांत नेली. तेंच दिवशीं त्या  
पाटीलार्ची भावजई मेली होती, तशीच मुलीस त्याचे आंगणांत उभी करून नारो बावाजी  
यांणीं आपले आंगावरील पांगरून मधी धरून कसो बावाजी एकीकडे उभा राहिला, व  
एकीकडे मुलीस उभी केली, आणि शेषभटानें मंगळाष्टकें म्हणोन. मुलीचे गळ्यांत मंगळ-  
सूत्र बांधोन, नाक टोंचोन, नथ घालून, मुलीस सोडून दिल्ली, आणि ते निघोन गेले. त्यास  
ब्राह्मणांचें लग्न नांदी श्राद्ध, सप्तपदी इत्यादिक कोणताही विधी केला नाहीं, ब्रह्मणोन, ऐसी-  
त्यास कसो बावाजी कुळकर्णी याणें सदाशिव नागनाथ यांचे कन्येस धरून नेऊन शेषभ-  
टास नेऊन लग्नाचा विधी पुर्ता न करिता मंगळाष्टकें मात्र ब्रह्मणोन मंगळसूत्र बांधोन ना-  
कांत नथ घालून सोडून दिल्ली, याप्रमाणें अविधिकर्म जाहलें, तेव्हां तुझीं कुळकर्णी मज-  
कुसम व शेषभटास व आपणिक या कर्मांत होते त्यांस बहिष्कार घालून, जाहलें वर्तमान  
हुजूर लेहून पाठवावें तें न केलें, हे कोण गोष्ट ? हल्लीं हें पत्र लिहिलें असे, तरी याउपरी  
यांणीं सदरहूप्रमाणें केलें त्यांस बहिष्कार घालून घडला प्रकार चौकशी करून हुजूर लिहून  
पाठवणें ब्रह्मणोन, समस्त ब्राह्मण क्षेत्र आंबेजोगाई, यांचे नांवें.

पत्र १.

मालोजी नाईक बावळे, यास सदरहू अन्वयें पत्र की, येथिशीं पेशजीं तुझांस सरकारचें  
पत्र सादर जाहलें असतां येथिशींचें वर्तमान चौकशी करून लेहून पाठविलें नाहीं. याउपरी  
कोणाची हरयात न करितां चौकशी करून, कुळकर्णीं याम व शेषभटास वगैरे या कामांत

and Keso Bāwāji, taking advantage of his absence, entered Sadāshiv's house and with the assistance of 10 peons, whom they had hired for the purpose, forcibly carried away the daughter. They took her into the compound of Sarwāji Pātil of the village, and made her stand before Keso. Nāro holding a cloth between them. Sheshambhat chanted the hymns sung on occasions of marriage, tied the auspicious thread round the girl's neck and put an ornament on her nose. They then let the girl free and went away. Her father on his return represented the matter to the Peshwa. The Brahmin community of the sacred place of Ambe Jogai was reprimanded for not having reported the facts to Government. The community was now directed to excom-

असतील त्यांस ब्राह्मणांकडून बहिष्कृत करउन, चौकशीचा मजकूर तपसीलवार लिहून कुळ-  
कर्णी व शेषभट्ट यांस सरकारचे दलार्हितांवरोवर हुजूर पाठविणें ह्मणोन. पत्र १.

२

एकूण दोन पत्रे चिटणिसी दिल्ली असत.

९१६ ( ७५९ )—निंबाजी गोसावी ब्राह्मण, वस्ती मौजे खरडी, परगणे कासेगांव,  
इसचे समानीन याणीं हुजूर विदित केलें कीं, आपण आपले स्त्रीस व कन्येस घेऊन  
मयाव अलफ आपले सासऱ्याचे घरीं, मौजे कामथी, परगणे मनरूप येथें गेलों  
जमादिलाखर १६ होतों. त्यास तेथील कुळकर्णी योगेश्वर शामजी, याणीं जबरदस्तीनें  
आमची कन्या धरून नेऊन वाढ्याचीं कवाडें लाऊन आपले पुत्राशीं लग्न करावयाचें यो-  
जून गांवकरी जोशी जमा करून लग्न करावें असें ह्मणों लागला. त्यास गांवकरी न करीत,  
व आपला भाऊ माणकोबा याणीं दगड घेऊन आपणांस मारून घेतलें, तेव्हां आमचे क-  
न्येस सोडून दिलें. त्याजवर आम्हीं आपले कन्येचें लग्न करण्यास जातों तेथें कुळकर्णी  
मजकूर अडथळा करितो, लग्न करूं देत नाहीं, मूल थोर जाली, याजकरितां त्यास ताकीद  
जाली पाहिजे ह्मणोन; त्याजवरून हें पत्र तुम्हांस सादर केलें असे तरी येविशीचें वर्तमान  
तुम्हीं मनास आणून एक वेळ लग्न जाहलें नसल्यास, गोसावी मजकूर आपली कन्या दुसरे  
वरास देईल त्यास देऊं देणें. कुळकर्णी जबरदस्तीनें लग्न लावीत होता, असें असल्यास  
त्याजपासून गुन्हेगारी सरकारांत घेऊन जमा करणें ह्मणोन, चितो रामचंद्र कमाविसदार,  
क्षेत्र पंढरपूर, दिमत परशराम रामचंद्र यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

municate Náro, Keso and Sheshambhat and to report the facts of the  
occurrence in detail after inquiry.

( 916 ) Nimbáji Gosávi, a Brahmin of Khardi in Parganá Kásegaum,  
A. D. 1781-82. complained that he had gone to his father-in-law's  
house at Kámthi in Parganá Manrup, with his wife  
and daughter, that while there Yogeshwar Shámji, the kulkarni of the  
village, forcibly took his ( Nimbáji's ) daughter away to his house,  
closed the doors and collected the priests with a view to marry the  
girl to his son, that however as the villagers objected and as Nimbáji's  
brother struck himself with a stone, Yogeshwar released the girl, and  
that he was now obstructing the marriage of the girl with another  
person. Nimbáji therefore prayed that Yogeshwar might be ordered  
to desist from doing so. The Kamávisdár of Pandharpur was directed  
to inquire into the matter and to allow Nimbáji, in case his daughter  
had not already been married, to give her in marriage to any person he  
chose. He was further directed to fine Yogeshwar, if the allegations  
made against him were found to be correct.

९१७ ( ९३७ )—मल्हार भवानी भींगोरे, मौजे खावसवाडी, तर्फ लांजे, परमणे धा-  
सबा समानीन रूर, यांणीं हुजूर विदित केलें कीं, बयाजी दत्ताजी ठाकूर देशमुख  
मया व अलफ कळवकर, व राजोजी विन मुलतानजी शेळका पाटील व विठू तेली  
मोहरम १५ कारभारी मौजे मजकूर, या त्रिवर्गीनीं आपणांस व आपले स्त्रीस कैद  
करून मारामार केली. बहुत तसदी देऊन आह्वास झणों लागलें कीं, आह्मीं तुझे मुलीचें  
लग्न लावितों. तेव्हां आपण उत्तर केलें कीं, मूल लहान तीन वर्षांची आहे, या समयीं लग्न  
करावयासी योग्य नव्हे झणोन आपण बोलतांच मजला मारिलें; आणि गांवांतील गोविंद  
धोड्या, उदमी ब्राह्मण, मीठ विक्या, उमर वर्षे पंचेताळसाचा. याजला आणून उभे केलें.  
आह्मीं त्यास पाहतां बहुत अनर्थ करून द्वाही दुराई केली, तेव्हां आह्मां उभयेतांस कमच्या  
मारून बेदम केलें. आपण बेदम पडलों असतां त्या दोहों चहू घटकांत लग्न लाविलें झणोन  
त्रिवर्ग बोलों लागले आह्मी यासी दृष्टीनें पाहिलें नाहीं, अशी जबरदस्ती आह्मांवर केली.  
येविशीची वाजवी चौकशी होऊन, ज्याणें आह्मांवर जबरदस्ती केली आहे त्याचें पारपत्य  
करून आमचे मुलीचें लग्न येथाविधी करऊन दुसऱ्या वरास दावयाची आज्ञा केली पाहिजे  
झणोन; त्याजवरून हें पत्र सादर केलें असे, तरी येविशीची चौकशी मौजे मजकूरचे व  
भोबरगांवचे ब्राह्मण जमा करून त्यांच्या जवान्या लेहून घेऊन, त्या जवान्यांवरून या  
ब्राह्मणावर जबरदस्ती करून लग्नाची अविधी केली, असें जाहलें असल्यास हल्ली या  
मुलीचें विधियुक्त दुसरे लग्न करऊन. ज्यांनी याजवर जबरदस्ती केली आहे त्यांचे पारपत्य  
येथास्थित करून, गुन्हेगारी घेऊन हुजूर पाठवणें. तेथें विलेहेम न लागे तरी जवान्यामुद्धां

( 917 ) Mulhár Bhawání Bhingore of Khábaswadi in Tark  
A. D. 1786-87. Lánje in Poragapá Dhagur complained that the  
Deshmukh Párl and Kumbhári of his village arrested  
and beat him and his wife and forced him to allow them to  
marry his daughter to a man of their selection. The girl  
was three years old and Malhár urged that she had not reached  
marriageable age. The Deshmukh and other persons thereupon called  
Govind Dhondyá, a Brahmin trader in salt, aged 45, and declared that  
they would marry the girl to him. Malhár and his wife strongly  
protested against the marriage but to no purpose. The Deshmukh and  
others beat Malhár and his wife so severely that they fell down and  
were unconscious for about 2 hours. When they came to their senses,  
they were told that the marriage had been celebrated. Malhár therefore  
prayed that an inquiry might be made, and that he might be permitted  
to marry the girl to another bride-groom. The Kamavisdár of Paithán  
was ordered to investigate the matter, and if he found that the marriage

हुजूर पाठवणें झणोन, सदाशिव विठ्ठल कमाविसदार, मोकासी परगणे पैठण, दिमत मान-  
सिंगराव सोळसकर. यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

## ७ न्यायखातें.

### ( ब ) फौजदारी.

#### ( अ ) गुन्हे.

#### ९ बदकर्म.

०.१८ ( ७०३ )—जनोजी डावरा, मौजे धोलवड. तर्फ हवेली, प्रांत जुन्नर, याची इसने समानीन बायको अहिली. हिणें देवजी विन खंडोजी चिंचवडा, वस्ती मौजे मया व अल्फ मजकूर, याजवळ बदकर्म केलें, सबब देवजी मजकूर याजपासून तुझी रजब १६ गुन्हेगारी घेऊन, याचे बायकोस अटकेस ठेविली आहे. तिचें पारि-  
पत्य जाहलें नाहीं, झणोन. डावरा मजकूर याणें हुजूर अर्ज केला, त्याजवरून हे सनद तुझांस सादर केली असे, तरी राणोजी शेलार खिजमतगार, निसवत खास जिलीब, दिमत संभाजी धाईरीकर, यास पाठविला आहे, याचे गुजारतीनें अहिलीचें नाक कापून सोडून देणें; आणि हुजूर लिहून पाठवणें. झणोन. बाळाजी माहादेव मामलेदार तालुके शिवनेर यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

०.१० ( ८९१ )—जानकी लगडीण. इणें बदअंमल केला, सबब किछ विसापूर येथें सोत समानीन अटकेस ठेविली आहे, तीस सोडावयाविशी तिचा बाप शिवजी मया व अल्फ गाडकवाड, याणें हुजूर अर्ज केला: त्याजवरून तिणें बदअंमल करूं मावान १३ नये, याप्रमाणें शिवजी मशारनिल्ले यास जामीन घेऊन सोडावयाची आज्ञा केली असे. तरी तिजला सोडून देऊन शिवजी मशारनिल्ले याचे हवाली करणें झणोन, भिकाजी गोविंद यांचे नांवें. सनद १.

परवानगी रूबरू.

had been celebrated without the usual ritual, to get the girl married to another person, and to inflict an adequate punishment on the offenders

#### ( 9 ) Adultery.

( 918 ) Ahili, wife of Jenoji Drāwarā of Dholwad in Prānt Junnar committed adultery with Devji Khandoji Chinchawdā. Devji was fined and Ahili was sentenced to have her nose cut off and then to be set at liberty.

( 919 ) Jānki Lagadīn was imprisoned at fort Visāpur for adultery. Her father Shiwājī Gāikwād prayed for her release. His prayer was granted on his standing surety for her future good conduct.



९२० ( ११०८ )—काशी कोम त्रिंबकजी चवाण, वस्ती कसबे नेवासें, इणें आपला स्वमस तिसैन दादला व घरदार सोडून पुण्यांत येऊन वदकर्म करीत होती, सबब मया व अलक किल्ले सरसगड येथें अटकेस ठेवावयास बरोबर गाडदी, निसबत राघो-जिल्हेज ? विश्वनाथ याजकडील देऊन पाठविली असे, तरी किल्ले मजकुरीं कैदेंत ठेवणें, तेथें कोणाशीं वदकर्म करूं नये; व कोणी निसबतीस घेऊन आपले घरीं नेऊन काम काज करऊ नये, किल्ले मजकूरचे इमारतींचें वगैरे काम घेऊन पोटास शेर शिरस्ते-प्रमाणें देत जाणें झणोन, गोविंद बाजी यांचे नांवें. सनद ?.

रसानगी, राघो विश्वनाथ गोडबोले.

## ७ न्यायखाते.

( ब ) फौजदारी.

( अ ) गुन्हे.

१० भूमिगत द्रव्य.

नारो आपाजीच्या कीर्दीपैका.

९२१ ( १९५ )—कसबे सिन्नर येथें जावजो पाचोरा कुणबी याजकडें ठेवणें सापडलें, त्याची चौकशी करितां ठेवणें सापडलें तें काढून नलें, थांग लागों देत नही, झणोन तुझांकडील कारकूनानीं हुजूर विदित केलें; त्याजवरून हुजूरून त्याचे चौकशीस सदाशिव बाबाजी कारकून शिलेदार पाठविले आहेत. त्यांस, व समागमें प्यादे आहेत त्यांस रोजमरा. रुपये.

१५ सदाशिव बाबाजी यांस रोजमरा एकमाही, छ. १ गबिलावलचा.

१२ प्यादे दिमत अबदुला यास रोजमरा दुमाही, छ. १ सफरचा.

( 920 ) Káshi kom Trimbakji Chaván of Newase left her husband and was living in adultery in Poona. She was therefore sent to prison in fort Sarasgad.

( 10 ) Treasure-trove.

FROM NÁRO ÁPÁJIS DIARY

( 921 ) Government was informed that some treasure had been found by Jáwaji Páchora, kámbi of Sn ner, but that no trace of it could be discovered. Sadáshiv Bábjí karkun Silledár was therefore sent from the Huzur to inquire into the matter.

६ देवजी वल्लद रामजी.

६ रघोजी वल्लद कुसार्जी.

१२

एकूण सतावीस रुपये रोजमरा एकमाही, व दुमाही सदरहू तेरखांचा हुजूर पाबल आहे. पुढे ठेवीची चौकशी होऊन ठिकाण लागे तो रोजमरा एकमाही व दुमाही भरल्यास तालुके पटापैकी देणें झणोन, बाळकृष्ण केशव यांचे नांवें. छ. १४ रबिलावल. सनद १.

रसानगी यादी.

९२२ ( २६९ )—मौजे खडकवासलें तर्फ हवेली पुणें कर्यात मावळ, येथील मोकद-  
सीत सबैन मांनीं सरकारचे आज्ञेशिवाय मौजे मजकूरचे रानांत ठेवणें खणावयास  
मया व अलफ गेले; त्याची चौकशी हुजूर मनास आणितां, ठेवणें यांस सांपडलें  
मोहोरम १ नाही, परंतु सरकारचे आज्ञेशिवाय हे ठेवणें आणावयास गेले, सबब  
सहाशें रुपये गुन्हेगारी यांजकडे करार केली, याचा भरणा हुजूर होईल, तुझीं ठेवण्याविशीं  
मौजे मजकूरचे मोकदमांस उपसर्ग न लावणें झणोन, आनंदराव जिवाजी यांचे नांवें  
चिटणिसी. पत्र १.

९२३ ( ७४६ )—शामराव मुरार याची हवेली किले मुल्हेर येथे आहे, त्यांत द्रव्य  
इसने समानीन आहे; त्याचा शोध करून जमीन खणून द्रव्य सांपडेल त्यापैकी निमे  
मया व अलफ शामराव यास द्यावें; व निमे सरकारांत घ्यावें झणोन, राघो अनंत  
रबिलाखर ६ दिमत मजकूर याणीं हुजूर विनंती केली; त्याजवरून श्रीनिवास त्रिंबक  
कारकून, व खिजमतगार असामी दोन तुझांकडपाठविले आहेत, तरी बेलदार वगैरे माणसें  
लागतील तीं देऊन, राघो अनंत जागा दाखविली तेथे तुझीं जवळ उभें राहून जमीन  
खणून माल निघेल तो बंदोबस्तीनें काढणें. जो माल निघेल त्यापैकीं निमे शामराव मुरार  
यास द्यावा, निमे सरकारांत घ्यावा; याप्रमाणें करार केला असे, तरी जो माल निघेल तो  
हुजूर लेहून पाठवणें, आज्ञा होईल त्याप्रमाणें करणें झणोन, रामचंद्र कृष्ण, तालुके मुल्हेर,  
यांचे नांवें. सनद १.

( 922 ) The Mokadams of Khadakwāse in Turf Haveli, Poona, A. D. 1775-76. Karyāt Māwal, having dug for treasure in the village lands, without the permission of Government were fined Rs. 600 though no treasure was found.

( 923 ) Rāgho Anant, a servant of Shāmrao Murār, represented A. D. 1781-82. that treasure was hidden in Shāmrao's house at fort Mulher and prayed that it might be dug up and one half given to Shāmrao, the other half being taken by Govern

शामराव मुरार यांचे नांवें सनद कीं, जो माल निवेल त्यापैकी निमे तुक्षांस बक्षीस करून निमे सरकारांत घेतला जाईल, खातरजमा असो देणें ह्मणोन. सनद १.

२

एकूण दोन सनदा दिल्या असेत, रसानगी यादी.

७ न्यायखाते.

( क ) फौजदारी.

( अ ) गुन्हे.

११ जादूगिरी.

९२४ ( १७ )—बाळाजी महादेव कारकून, निसवत दफ्तर, यांणीं विदित केलें कीं, अर्बां सवैन आपले स्त्रीस कोकणांतील भुतें लागून बाधा जाहली आहे. त्याज-  
मया व अलफ करितां कोकणांत मौजे देवघर, तर्फ देवरुख, तालुके रत्नागिरी येथें  
रमजान ३० जाऊन देवापाशीं सहा महिन्यांचा गूण मागितला, त्याप्रमाणें सहा  
महिने निक्षून गूण पडिला; परंतु उपद्रव कोणाकडून होतो याचें ठिकाण लागलें पाहिजे  
न्यास चौगांवच्या देवाच्या दाखल्यानें ज्याचें भूत निवडेल तें त्याचे पदरीं घालून उपद्रव  
न होय तें करणें; आणि भुताळ्यापामून गुन्हेगारी घेणें ह्मणोन, महिपतराव कृष्ण यांचे  
नांवें चिटणिसी छ. २१ रमजान. पत्र १

९२५ ( २४ )—परशुराम जिवाजी डोंगरे मौजे केलें, तर्फ केलें माजगांव, यांणीं हुजूर

ment. The prayer was granted and the officer of Mulher was directed to cause the spot shown by Rāgho to be dug up and to report the result.

( 11 ) Practice of witchcraft and sorcery.

( 924 ) Bālāji Māhādco, a karkun in the Daftar, represented that his wife had been possessed by an evil spirit in the  
A. D. 1778-74. Konkān, that he had prayed the deity of his village Dewaghar, in Tāt Devrukh in Talukā Ratnagiri, that she might be cured within 6 months and that she had been cured accordingly within the 6 months. He requested that inquiries might now be made to find out who caused the evil spirit to possess his wife. Orders were issued accordingly to find out and fine the offender and to take steps to stop further trouble.

( 925 ) Parashrām Jiwaji Dongre of Kēle in Tārī Kēle Majgaum,

अर्बा सवैन विदित केलें कीं, आमचे घरीं भूताची पिडा होऊन बहुत नाश झाला. येवि-  
मया व अलफ शींची चौकशी थळी पडथळीं करितां बाबू महादेव डोंगरे, मौजे मजकूर  
जिल्काद ३० यांणीं देवास माजुका केल्या; व भुतें घातलीं असें निघालें; त्याप्रमाणें  
गांवकरी यांचे गुजारतीनें त्यांचे पदरीं भुतें घातलीं असतां सुरळीतपणें वारीत नाहीं ह्मणोन,  
त्याजवरून तुझीं चौदेवास पडथळें नेमून पडथळीं ज्याचें भूत निवडेल त्यापामून वारऊन  
यांस फिरून उपद्रव न लागे तें करून जामीन घेऊन अन्यायाप्रमाणें गुन्हेगारी घेऊन सर-  
कार हिशेबीं जमा करणें ह्मणोन बाजी महादेव यांचे नांवें छ. सवाल चिटणिसी. पत्र १.

### नारो आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

९२६ ( १७१ )—तालुके अंजणवेल, व तालुके सुवर्णदुर्ग, येथील भुताळ्यांची चौकशी  
खमस सवैन करून बंदोबस्त करावयाचें काम बाजी राम यांजकडे सांगितलें आहे,  
मया व अलफ त्यास बंदोबस्ताचे कामकाजास तुझांकडून तालुक्यापैकीं शिपाई देविले  
मोहरम ६ असत, तरी नेहमीं नेमून देणें, व भुताची चौकशी गांवगत्रा फिरोन  
करावयाची आज्ञा मशारनिलेहेस केली आहे, हे गांवगत्रा फिरोन पेशजी सरमुभाहून कलम-  
बंदीचा जाबता करून दिला आहे, त्याप्रमाणें चौकशी करतील, त्यांस करूं देणें ह्मणोन.  
छ. २४ जिल्काद. सनदा.

१ कृष्णाजी विश्वनाथ तालुके अंजणवेल यांस शिपाई असामी ३ तीन देणें ह्मणोन.

१ मोरो बापूजी तालुके सुवर्णदुर्ग यांस शिपाई असामी ३ तीन देणें ह्मणोन.

२

### रसानगी यादी.

A. D. 1773-74. represented that there being much sickness in his family due to the influence of evil spirits, he made inquiries at several sacred places and found that the evil spirits were sent by Bábu Mahádeo Dongre. He further stated that though the fact was brought home to Bábu in the presence of the villagers he did nothing to call away the spirits. Báji Mahádeo was therefore directed to institute inquiries to fine the offenders, to cause the evil spirits to be driven out, and to take security from the offender, binding him to abstain from such acts in future.

### FROM NÁRO APÁJI'S DIARY.

( 926 ) A kárkun Bajirao was appointed to move about in the A. D. 1774-75. Tálukás of Anjanwel and Suwarnadurga and make inquiries regarding persons possessing power over evil spirits. Two kárkoons from the Tálukás and some peons were deputed to assist him.

तालुके सुवर्णदुर्ग, व तालुके अंजणवेल, येथील भुताळ्याचे बंदोबस्ताचें काम तुझांकडे आहे, त्याचे कामकाजास सदरहू दोन तालुक्यांपैकी दोन कारकून व दहा लोक देविले हांतें, त्यांपैकी कांहीं दिले व कांहीं न दिले; त्यास हल्लीं गांवगत्ता फिरोन चौकशी जाहली पाहिजे, यास्तव दोन तालुक्यांपैकी लोक असामी सहा देविले अमत. त्यांशिवाय जदीद असामी पांच करार केले, त्यांस मोईन वगैरे.

कारकून असामी १

मोईन सालीना रुपये ५०

प्यादे असामी ४ दरमहा दर असामीस

आकरमाही शिरस्ता रुपये ४ प्रमाणें

दरमहा रुपये १६.

एकूण असामी पांच पैकीं कारकून असामी एक यास मोईन सालीना पन्नास रुपये, व प्यादे असामी चार यांसी दरमहा आकरमाही शिरस्ता सोळा रुपये करार केले असत, तरी सदरहूप्रमाणें पांच असामी जदीद ठेऊन बंदोबस्त करणें; आणि चाकरी वमोजीब आकार होईल तो कमावीसपैकी देणें ह्मणोन, बार्जाराम यांचे नांवें. छ. २४ जिल्काद.

सनद १.

रसानगी यादी.

९२७ ( १७३ )-तालुके रत्नागिरी, व तालुके विजयदुर्ग, व तालुके देवगड, व तालुके नमम सवैन सौदळ, येथील भुताळ्यांचे बंदोबस्ताचें काम तुझांकडे सरमुमाहून मया व अलफ सन इमजे सधेनांत सांगोन. कमाविसीचे ऐवजीं नेमणूक करून दिली मोहरम ६ आहे. सालीना. रुपये.

३५० तुझांस मोईन.

३०० ऐन तैनात.

५० भोजन खर्च, व पोरगा मिळोन.

३५०

७५ कारकून असामी १ एकूण मोईन.

१७६ प्यादे कामकाजाबद्दल, असामी ४ दरमहा दर असामीस रुपये ४ प्रमाणें रुपये

१० एकूण आकरमाही.

१० कागद बहा, व शई शिरे, यांस अदमासें नेमिले असत. चौकशीनिं खर्च लागतील ते रुग्वे.

६११

एकूण सहाशें अकरा रुपये सालीना स्वर्चाची नेमणूक, पेशजीं सन इसत्रे मबैनांत, सरसुभाहून विसाजी केशव यांणीं करून दिल्ली आहे, त्याप्रमाणें हुजुरून करार केली असे, तरी भुताळ्यांचे व कमाविसीचे ऐवजीं चौकशीनें स्वर्च करणें. कमाविसीचा हिशेब हुजूर समजावीत जाणें. त्यांत मजूर दिल्ले जातील. भुतांचे चौकशीचीं वगैरे. कलमें.

चौकशीचें वगैरे कलमांचा जावता सरसुभाहून विसाजी केशव यांणीं सन इसत्रे सवैनांत करून दिला आहे, त्याप्रमाणें गावगन्ना फिरोन चौकशी मनास आणून बंदोबस्त करून सालाचें सालांत हुजूर समजावीत जाणें. कलम १.

गुन्हेगारी पंचवीस रुपयांपासून पन्नास रुपये पावेतो ध्यावी, ह्मणोन सरसुभाहून चौकशीचें कलमाचा जावता करून दिला त्यांत कलम लिहिलें आहे. परंतु कोकणची रयत गरीब, मसाला गुन्हेगारीवर दृष्टी न देणें. ह्मणोन सन सलासांत सरसुभाचें पत्र आहे, त्या अन्वयेन जीवन पाहून गुन्हेगारी घेत जाणें. कलम १.

एकूण दोन कलमें करार केली असत, तरी सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें ह्मणोन, बाजी महादेव यांचे नांवें. छ. १९ जिल्हेज. सनद १.

रसानगी यादी.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

९२८ ( २२० )—मार्तंड जोशी रायरीकर, याणें जादुगिरीचा प्रयोग केला, सबब सीत सवैन किल्ले घनगड येथें अटकेंत ठेवावयास पाठविला असे, तरी पायांत मया व अलफ बेडी घालून पक्क्या बंदोबस्तानें अटकेंत ठेऊन पोटास दरमहा, कैली. जमादिलाखर २९ ८४१॥ तांदूळ सडीक मोटे.  
८१२ जोरी बाजरी वगैरे दाणे यांचें धीठ करून.  
८४१ दाळ.  
८४१ मीठ.

१११॥

A. D 1771-75. possessing power over evil spirits was fixed at Rupees 350. He was directed not to impose heavy fines as the ryots in Konkan were poor.

( 928 ) Martand Joshi Rayarikar having practised magic, was sent to prison in fort Ghangad. It was ordered that fetters should be put on him, that these should be removed

A. D. 1775-76

एकूण पावणेआठ पायली कैली, दरमहा, पोटास सनदपैवस्तगिरीपासून देणें, व दोन प्रहरी अंधोळीचे वेळेस बेडी तोडून स्नान घालणें. कपाळी विभूत व गंध एकंदर लाऊं न देणें; व स्नानसंध्या जपज्याप कांहीं करूं न देणें; व दोन प्रहरी एक वेळ मात्र आपल्या बेतानें भोजनास करून खाईल, उपरांत बेडी घालीत जाणें; व सायंकाळी बेडी न काढणें, व भोजनास दुसऱ्यानें करील तर, व व्रत कांहीं करूं लागेल व स्नानसंध्या कांहीं करूं लागेल, तर एकंदर करूं न देणें झणोन, रामराव नारायण तालुके राजमाची यांचे नांवें. छ. ९. रबिलाखर.

सनद १.

रसानगी यादी.

९२९ ( २३७ )—सिंदोजी सिनगारा भोई निसबत गंगाधर शंकर दिमत पागा हुजूर, सात सबैत याचा भाऊ काळोजी यास मोराजी तिकोना भोई, याणें भुतें घालून मया व अलफ जिवें मारिलें, याप्रमाणें गोतभोई, शहर पुणें, नाईक असामी ५० रमजान ३० याणीं मोराजीचे आंगीं मुद्दा शाबीत केला. तेव्हां जादुगिरीची विद्या नेफळ व्हावी, यास्तव पुढील वरले दोन दांत पाडून चांभाराचे कुंडांतील पाणी पाजून जातीबाहेर टाकावा असें ठरलें असतां, मोराजी गोताजवळ म्हणतो कीं, जातीतून ल्यावर बेरडां मांगाम मिळून मारे करीन. अशा बदफैलीच्या गोष्टी सांगतो, सबब तुझां-हडे, किल्ले कोहज, येथें अटकेस ठेवावयास पाठविला असे, तरी मोराजीचे पुढील वरले दोन दांत पाडून, चांभाराचे कुंडांतील पाणी पाजून, किल्यावर अटकेस बंदोबस्तीनें ठेवणें; आणि बंदीवानाप्रमाणें काम करऊन पोटास शेर देत जाणें झणून, भिकाजी गोविंद नामले कोहज यांचे नांवें. छ. ९. माहे रजब.

सनद १.

रसानगी यादी.

ally once in the day at the time of the mid-day meal, which he should be made to prepare himself, that he should not be allowed to apply sacred ashes or sindal mark, nor to perform the daily religious rites, nor to recite sacred hymns.

( 929 ) It was proved by the evidence of 50 of his caste-men that Moráji Tikoná Bhoi, caused the death of Káloji Singará A. D. 1773-76.

Bhoi through the instrumentality of evil spirits. In order that his powers of sorcery might be rendered ineffectual, it was ordered that two of his front upper teeth should be extracted, that he should be made to drink water from the Chámhbárs' reservoir, and that he should then be excommunicated. Moráji however threatened his caste-men that if he were excommunicated he would join the Berads and Mángs and practise witchery through them. He was therefore sent to prison at Kohj, and orders were issued for the extraction of his teeth, and for his being made to drink Chámhbár's water, and to work like other prisoners.

९३० ( ९२९ )—बाळाजी धोंडदेव, वस्ती मौजे जिवली, तर्फ केलें माजगाव, तालुके  
 सवा समानीन रत्नागिरी. यांणीं हुजूर विदित केलें कीं, मौजे मजकूर येथें आपले  
 मया व अलफ घरी आज दोन वर्षे भुताचा उपद्रव नानाप्रकारें होऊन नाश जाला.  
 सावान ९ एका वर्षामध्ये अकस्मात् घरास आग लागोन घर दोन वेळां भुतांनीं  
 जाळलें. त्यांत वस्तभाव झाडून जळाली. कांहीं राहिलें नाहीं. त्यास आपल्यावर भुतें घालून  
 कोणीं दावा केला, त्याची चौकशी करून पत्ता लाऊन पारपत्य होय तें केलें पाहिजे  
 ह्मणोन; त्याजवरून हें पत्र सादर केलें असें, तरी येथिशींची चौकशी तुम्हां करून,  
 ज्याचीं भुतें मशागनिल्लेचें घरीं उपद्रव करीत असतील. त्याजकडून भुतें वारऊन फिरोन  
 यांचें घरीं उपद्रव न होय ऐसा जामीन घेणें; व गुन्हेगारी घेऊन तालुके मजकूरचे हिशेबीं  
 जमा करणें ह्मणोन, मदिपतराव कृष्ण यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

### ७ न्यायखातें

#### ( ब ) फौजदारी.

#### ( अ ) गुन्हे.

#### १२ गोवध.

९३१ ( १०८७ )—कसबे खेड, तर्फ मजकूर, प्रांत जुन्नर, येथील महारांनीं गोवध  
 अर्बा तिसरेन केला. व गुरें मारली, ह्मणोन हुजूर विदित जालें; त्याजवरून महाराचे  
 मया व अलफ हाडोळ्याची जमीन आहे, तिची जपती सरकारांत करून कमावीस  
 रविलावल १ तुम्हांकडे सांगितली असं, तरी हाडोळ्याचे जमीनीची जपती करून,  
 तपन्नाचा आकार होईल तो सरकार हिशेबीं जमा करणें ह्मणोन, मदिपत कृष्ण कमा-  
 वेसदार कसबे मजकूर यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी, त्रिवक् नागयण परचुरे कारकन निसवत दफतर.

( 930 ) Bājāi Dhondadeo of Jiwali in Tarf Kelē Majgaum in Tāluka  
 A. D. 1786-87. Ratnāgiri complained that he had been troubled in  
 various ways by evil spirits for the last two years,  
 that during the current year his house was twice set on fire by them  
 and all the property therein was destroyed. He prayed that the persons  
 who sent the evil spirits to harass him might be traced and punished.  
 An inquiry was ordered to be made.

#### ( 12 ) Cow-killing.

( 931 ) The Mahārs of Khed in Prānt Junnar having killed a cow  
 A. D. 1793-94. and other cattle, their watan was ordered to be attached.



९३२ ( १०९३ )—केशवराव जगन्नाथ यांचे नावे की, तुर्ही विनंतीपत्र पाठविलें तें अर्बा तिसैन प्रविष्ट जाहलें. केदारी मांग, वस्ती मौजे कल्याण, घेरा किला सिंही-मया व अलफ गड, याचे घरी येथ्या व अंवच्या मांग, वस्ती मौजे किकवी, तर्फे जमादिलावल १७ खेडेंबोरें हे चार महिने येऊन राहिले होते. त्यास तिघां मांगांनीं छ. १० रविलावलीं धोंडजी करजवणा, याची गाय मोगरवाडीचें रानांतून गुरांतील धरून आणून कल्याणचे रानांत दिवसास बांधोन ठेऊन, सायंकाळी तिघां जणांनीं मुरा व कुराड बिळे वस्त्र्यानें जिवें मारली. त्याचे चौकशीस किल्ले मजकुरीहून शिपाई, व कल्याणकर पाटील. व बेरड पाठविले. जाग्याचा थांग मोघमदऱ्यांत लागला, सबब कल्याणकर महाराचे घरांतील झाडे घेऊन, मांगाचे घरांत गेले तों केदाच्या मांग याचे घरांत मुद्दा सांपडला. सबब घर जप्त करून तिघे मांग किल्यास आणून चौकशी करिता कवूल जाहले. त्यांची जवानी लिहोन घेतली. तिची नकल पाठविली आहे. मांगांचा अपराध थोर आहे. पारपत्याची आज्ञा जाहली पाहिजे ह्मणोन, तपसीलें लिहिलें तें कळलें. त्यास मांगांनीं गाईचा वध केला, सबब सदरील तीन असामींचे उजवे हात नोडून सोडून देणें ह्मणोन, छ. ९ रविलाखर.

सनद १.

रसानगी, त्रिवक नारायण.

## ७ न्यायखानें.

( व ) फौजदारी.

( अ ) गुन्हे.

१३ किरकोळ.

९३३ ( ६१९ )—येसोवा नाईक संभूस, वस्ती कमवे संगमनेर, याचे घरी सन समान ममातीन सवनांत चोरांनीं दग्वडा घातला. त्यांपैकी किल्ले पटा येथं अटकेस मया व अलफ चोर असामी नऊ ९ असामी ठेविले आहेत, त्यांची हद्दी डोकीं जमादिलावल २८ मारावयाची तुम्हांस आज्ञा करून, हे सनद सादर केली असे, तरी

( 932 ) Certain Mangs of Kalyan near Sinhgad having killed a A. D. 1793-94. cow, their right hands were ordered to be cut off.

( 13 ) Miscellaneous offences such as negligence in guarding prisoners &c.

( 933 ) Nine dacoits imprisoned at fort Pattā were ordered to be be-headed. Four other prisoners, also concerned in dacoity A. D. 1779-80. had escaped from fort Bitinga. The persons who had been responsible for their safe custody were ordered to be sent to the Huzur.

सदरहू चोरांचीं डोकीं, रघोजी पवार खिजमतगार यास पाठविला आहे, याचे गुजारतीनें मारणें; व किल्ले वितिगा, तालुके मजकूर येथें चार दरवडेकरी अटकेत होते, ते पळोन गेले सबब दरवडेकरी यांचे चौकीच्या लोकांस हुजूर आणविले असत, तरी पाठऊन देणें ह्मणोन, बाळकृष्ण केशव यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

९३४ ( ७७८ )—अबदुल्ला वलद शेख नथु जमातदार, हा नांदगीरीकर बरेडांस खमस समानीन जामीन होता; त्यास ते पळोन गेले सबब अबदुल्ला मजकूर यास, मया व अलफ किल्ले सिंहगड येथें अटकेस ठेवावा, याजकरितां बिडीसुद्धां बराबर सफर १२ गाडदी देऊन पाठविला असे. तरी किल्ले मजकुरी यास पक्के बंदोबस्तानें अटकेस ठेऊन, पोटास शेर शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें ह्मणोन नारो महादेव यांचे नांवें. सनद १.

९३५ ( ८५८ )—बाळ जोशी चांदोरकर, हे त्रिंबकराव नारायण याजकडे सरकारची खमस समानीन चौकी असतां, त्याजकडे जाऊन त्यासीं कांहीं बोलणें बोलून गेले सबब मया व अलफ त्यांस कैद करून किल्ले सुरगड, तालुके अवचितगड, येथें अटकेस सवाल १७ ठेवावयास बरोबर गाडदी, दिमत शेख अहमद याजकडील दहा असामी देऊन पाठविलें असे, तरी पायांत बेडी न घालितां पक्के बंदोबस्तानें किल्ले मजकुरी अटकेस ठेऊन, पोटास शिधा मध्यम प्रतीचा देत जाणें ह्मणून गणेश बल्लाळ. व हरी गणेश यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी, राघो विश्वनाथ गोडबोले.

९३६ ( ८८९ )—बावाखान, वस्ती मौजे चावणें, तर्फ तुंगारतन, हा तालुके कर्नाळा खमस समानीन येथें चोऱ्या करीत होता, त्यास धरून आणून किल्ले कर्नाळा येथें मया व अलफ अटकेस इब्रामखान जेजालदान याचे चौकीत ठेविला होता त्याणें रजब २५ इब्रामखान यास आपली बहीण देऊं केली. त्या लालचीनें बावाखान

( 934 ) Abdullā wd. Shek Nathu, Jamātlār, had stood surety for certain Berads of Nāndgīr. The Berads having absconded, Abdullā was sent to prison.

( 935 ) Bāl Joshi Chāndorkar went and communicated with Trimbakrao Nārāyan, while the latter was in custody. He was therefore sent to prison.

( 936 ) Bāwākhān of Chāvane in Tarf Tungārtan, having committed robberies in Tālukā Karnālā, was sent to prison in fort Karnālā. While there, he offered to give his sister in marriage to Ibrāmkhān, the guard on duty, and Ibrām, therefore

याचे पायांतील बेडी तोडून पाहान्यांतून काढून दिला, तो दुसरे चौकीस सांपडला; त्याजवरून बावाखान व इब्रामखान यांस अटकेस ठेविले आहेत. त्यांचे परिपत्त्याविशीं आज्ञा जाली पाहिजे, ह्मणोन तुझी विनंती केली; त्याजवरून हरदूजणांचा एकेक हात व एकेक पाय तोडावयाची आज्ञा केली असे, तरी सदरीलप्रमाणें तोडून टाकणें ह्मणोन रामराव अनंत तालुके मजकूर यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

९३७ ( ९५७ )—विठोजी बिन सुलतानजी सातकर, पार्टील निम्मे कसबे खेड, तर्फ समान समानीन मजकूर. प्रांत जुन्नर, हा पेशजी दारू प्याला ते समई, याजपासून मया व अलफ दहा हजार रुपये गुन्हेगारी घ्यावी, परंतु बाळाजी पलांडे यांणीं रद्द-जिल्काद २४ बदल केली कीं, हा अन्याय वास माफ करावा. या उपरी दारूपिणार नाहीं, पुढें अंतर पडेल तर दहा हजार रुपये गुन्हेगारीचे याजपासून घ्यावे. असे असतां, हल्लीं पुण्यांत दारू प्याला, तो कोतवालीकडे सांपडला, याजकरितां गुन्हेगारी सरकारांत व्यावयाची, त्यास ऐवज मिळत नाहीं ह्मणतो, यास्तव विठोजी मजकूर याची निम्मे पाटिलकी, व वतन संबंधें इनाम व हकदक, मानपान, व इनाम जमीन चाहुर एक आहे. त्याची जफती करून, तुझांस कमावीस सांगितली असे, तरी सदरीलप्रमाणें जफती करून, इमानें इतबारें वर्तोन, अंमल चौकशीनें करून, ऐवज आकारेल त्यापैकीं तुमचा रोजमरा दुमाही रुपये १५ पंधरा छ. १० जिल्कादचा हुजूर दिल्ला आहे. पुढें दुमाही भरल्यावर तेथें जफतीचे कामास असाल तोंपावेनों रोजमरे घेत जाणें. मजुरा पडतील. बाकी ऐवज राहील तो सरकारांत पावता करून जाव घेणें ह्मणोन, बाळाजी चिंतामण कारकून शिल्ले-दाग यांचे नांवें.

सनद १.

मोकदम निम्मे, चौगुले, व शेख्ये, व रयान, कसबे मजकूर यांचे नांवें सनद कीं, मशारनिल्लेसी रुजू होऊन, वतनसंबंधें वेगरे मुदामत चालत आल्याप्रमाणें देत जाणें ह्मणोन.

सनद १.

removed his fetters and set him free. He was arrested however by the outer guard. Ibrām and Bāwākhan were sentenced each to have one hand and one leg cut off.

( 937 ) Vithoji bin Sultānji Sātkar, the owner of half the Patilki watan of kasbe Khed was fined Rs. 10,000 for drinking liquor. At the intercession of Bālaji Palānde, he was pardoned and the fine was remitted on his agreeing to abstain from drinking in future, and to pay the above amount of fine in case he drank. He was subsequently found drunk by the police in Poona. The above fine was therefore imposed and as he was unable to pay it, his watan was attached.

सर्वोत्तम शंकर यांचे नांवें चिटणिसी पत्र की जफतीचें कामकाज मशारनिल्लेचे हातें घेत जाणें ह्मणोन. पत्र १.

एकूण तीन पत्रें, रसानगी यादी.

विठोजी मजकूर यात्रपासून गुन्हेगारी ध्यावयाचा ठराव जाहला, याजकरितां सनदांवर तेरखा होऊन रवाना जाहल्या नाहीं सबब दूर.

९३८ ( १०१६ )—कसबे नाशिक येथें ब्राह्मण मद्यपान करितात, त्यांची चौकशी करावयाविशीं तुम्हांस आज्ञा जाहली आहे. त्यास धर्माधिकारी ब्राह्मणास मिळून मलई करितात, सबब धर्माधिकारीपण जप्त करावयाची आज्ञा केली असे, तरी कसबे मजकूर येथील धर्माधिकारीपण जप्त करून, पेंवज होईल तो सरसुभाचे हिशेबी जमा करीत जाणें ह्मणोन. सर्वोत्तम शंकर यांचे नांवें, मनद १.

रसानगी, त्रिवकराव नारायण परचुरे कारकून निसबत दफतर.

९३९ ( १०१७ )—कसबे नाशिक येथील ब्राह्मणांची चौकशी करावयाविशीं सर्वोत्तम शंकर यांस आज्ञा केली आहे, तरी मशारनिल्ले चौकशी करून ब्राह्मण वेगरे अटकेस ठेवावयावद्दल तुम्हांकडे पाठावेतील. त्यांस पक्क्या बंदोबस्तानें किल्ले हाये येथें अटकेस ठेऊन पोटास शेर देत जाणें ह्मणोन. सनदा.

१ बाजीराव अपाजी, तालुके धोडप, यांचे नांवें.

२ वालकृष्ण केशव, तालुके पटा, यांचे नांवें.

३ रामचंद्र कृष्ण, तालुके मुल्हेर, यांचे नांवें.

३

एकूण तीन सनदा. रसानगी, त्रिवकराव नारायण परचुरे कारकून निसबत दफतर.

( 938 ) It was reported that the Brahmans of Nasik drank liquor. A. D. 1790-91. Sarwottam Shankar was deputed to inquire into the matter. He was authorized to attach the watan of the chief priests of the town, as they were implicated in the above offence.

( 939 ) Orders were issued to the several forts to receive any Brahmans sent for custody by Sarwottam Shankar in connection with the inquiry into liquor drinking. A. D. 1790-91.

९४० ( १०३४ )—मौजे गांवखडी, तर्फ लांजे, तालुके विजेदुर्ग, येथील महार यांणी इहिदे तिसैन मौजे कशेळी, तालुके मजकूर, येथील कुळकर्णी याचा बेल रानांत मया व अलफ दगडांनीं जिवें मारिला, त्याम कृष्णार्जी गोविंद गोरे यांणी मौजे रमजान २० मजकूरचे महारांस खोड्यांत घालून ठेविले आहेत. ते महार तुझांकडे पाठवितील त्यांची चौकशी करून, कुळकर्णी याचा बेल रानांत दगडांनीं जिवें मारिला असल्यास, पक्का मुद्दा पाहून, ज्या महारांनीं मारिला त्यांचें पारिपत्य एक हात व एक पाय याप्रमाणें सोडून सोडून देणें झणोन, गंगाधर गोविंद याचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

९४१ ( १०४० )—परसू बिन जावजी जमदडा निसबत निमणाजी नीळकंठ कोलटकर, इसचे तिसैन याणें इंग्रजांचे लोक घाट उतरोन चिपोळजास गेले, झणोन खोटी मया व अलफ बातमी येऊन सांगितली, सबब किल्ले चाकण येथें अटकेस ठेवण्यास सवाल २० बरोबर सखाराम विश्वनाथ याजकडील प्यादे देऊन पाठविला असे, तरी किल्ले मजकुरी पक्के वंदोवस्तानें अटकेस ठेऊन, याजपामून किल्याचे इनामतीचें काम बेऊन, पोटास शेर शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें झणोन, भगवंतराव नारायण याचे नांवें सनद १.

रसानगी, सखाराम विश्वनाथ सान्ये.

## ७ न्यायशास्त्रे

### ( ब ) फौजदारी

#### ( अ ) गुन्हे

१४ ज्या गुन्ह्यांचीं नांवें नाहींत असे गुन्हे.

९४२ ( ३२५ )—बाबूराव कृष्ण यांस सनद की. खानजाद. किल्ले सातारा येथे आला

( 940 ) A Mahār of Gāwakhadi in Tārī Lanje in Tāluka Vijaydurga A. D. 1790-91. stoned a bullock of a kulkarṇi to death. The officer of the Tāluka was directed to cut off one hand and one foot of the Mahār, if the offence was proved.

( 941 ) Parsu bin Jāwji Jamdadi serving under Chinnaji Nilkanth Kōlatkar gave false information that the English army A. D. 1791-92. had crossed the ghaut and gone to Chiplun. He was therefore sent to prison.

( 14 ) Offences not specified.

( 942 ) It was ordered that Khanajād, a prisoner in Satārā fort A. D. 1776-77. who after inquiry had been found to be a rascal should be beheaded.

सबा सवैन  
मया व अलफ  
साबान १३

आहे, त्याची चौकशी तुम्ही केलीत, त्यास तो लबाड असें ठरण्यांत आले आहे, सबब त्याचें डोकें मारावयाची आज्ञा केली असे, तरी यास मारून टाकणें; आणि हुजूर लिहून पाठवणें ह्मणोन. सनद १.

९४३ ( ७०० )—गोपाळ बल्लाळ याचे नांवें सनद कीं, तुम्हीं विनंतिपत्र पाठविलें तें इसजे समानीन प्रविष्ट जाहलें. तालुके कावनई, येथें बंदीवान भवानजी पाटील पांडेकर, मया व अलफ व सदाशिव मोऱ्या, व निंबाजी गतवीर आहेत; त्यांचे पारिपत्याविशीं जमादिलाखर २७ पूर्वीं विनंती लिहिली होती. उतर आलें कीं, जामीन घेऊन सोडून देणें. त्यास यांजला कोणी जामीन रहात नाही, व दंड द्यावयास पदरीं एक पैसा नाही, पारिपत्य केल्यावांचून सोडल्यास पुन्हां उपद्रव करावयास चुकणार नाही, यांचें पारिपत्य असावें, ह्मणोन लिहिलें, त्यास सदरील तीन असामींचें पारिपत्य करावयाची आज्ञा तुम्हांस केली असे, तरी अपराधानुरूप पारिपत्य करणें ह्मणोन, मशारनित्हेचे नांवें. सनद १.

परवानगी रूबरू.

## ७ न्यायसार्ते

### ( क ) वेड

९४४ ( ९२३ )—मानसिंग रागडा शिंदा पोर्गा यास वेड लागलें, सबब तालुके शिव-सीत समानीन नेर येथें अटकेस ठेवावयाबद्दल शेख बाळा बल्लद शेख बह्ददीन, व मया व अलफ महमद कासम बल्लद शेख रुस्तुम दिंमत शेख रजब निसपत हुजूर जमादिलाखर २७ हशम, यांजबराबर पाठविला आहे, तरी यास तालुके मजकूरचे हरएक किल्यावर अटकेस ठेऊन, पोटास शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें ह्मणोन, बाळाजी महादेव, तालुके मजकूर, यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

( 943 ) The officer of Táluká Káwanai solicited orders regarding the punishment of three prisoners in the fort. He was directed to take sureties from them and to set them at liberty. He represented that the prisoners were unable to furnish security and that they were without even a pice and recommended that some punishment be inflicted on them. He was directed to punish the men according to their deserts.

( c ) Insanity.

( 944 ) Mánsing Rágdá Seindá having become insane was sent to Táluká Shivner for confinement.

## ७ न्यायखाते

### ( ६ ) न्यायखात्यांतील कामगार

९४५ ( १२४ )—निंबाजी विठ्ठल व निंबाजी अनंत कुळकर्णी मौजे चिंचोडी परगणे नेवासें खमस सवैन याणीं वऱ्हाणपूरचे मुक्कामी हुजूर विदित केलें कीं, शिवाजी विठ्ठल व मया व अलफ नारो विठ्ठल यांचे वडील आमच्या वडिलीं कुळकर्णावर गुमस्ते ठेविले निन्काद २४ होते त्याणीं एकजदी भाऊ निमे कुळकर्णांचे विभागी झणोन कलह मांडिला. त्याबद्दल या दोघांची व आमची मनसुफी नारो बाबाजी यांजपाशीं पडली; त्याणीं चांगला शोध न करितां, वाद्यास निवाडपत्र करून दिलें, झणोन आझीं हुजूर फिर्याद होऊन, वेदशास्त्रसंपन्न गजश्री रामशास्त्री बाबांकडे मनसुफी आणिली, त्याणीं निर्वाह केला नाहीं. मी, निंबाजी विठ्ठल हिंदुस्थानांत चाकरीस गेलों. मागें नारो बाबाजींनीं पहिलें मनास आणिलें, तें हुजूर समजाऊन निमे वतनाचीं पत्रें वाद्यास हुजूरचीं करून दिलीं, त्याप्रमाणें निम्मे वतन वादी अनभवितात. आमचें झणोन निम्मे वतन ठेविलें तें सरकारांतच आहे; आम्हीं घेतलें नाहीं, त्यास वाद्यास गुमस्ता म्हटलेला कागद कानगोपाशीं आहे, व वाद्या दुसरे गावीं कुळकर्णांची गुमस्तगिरी करीत असोन, मालधणी झणोन बीकलम घातलें आहे. आमचे वडिलीं दुसरे गुमस्ते ठेविले, त्याणीं कुळकर्णी झणोन या गावीं बीकलम लिहिलें आहे, व आमचे वडीलांचे हातचा कागद, वाद्यास गुमस्ता म्हटलेला, देशपांडे परगणा मजकूर यांजपाशीं आहे, त्यास वतनाची जफती करून सदरहू चार कागद प्राचीन आहेत, ते आझीं हजीर करितों, ते पाहून पांढरीच्या साक्षा नारो बाबाजींनीं घेतल्या. त्या साक्षीदारांस पुरसीस करून निवाडा केला पाहिजे, झणोन विनंती करून कानगो जवळील कागदाची तालीक कानगोचे मोहरेनसी दाखविलीत; त्याजवरून मंडिपत नारायण व अंदो शिवदेव यांस आणून त्याजवळ नारो बाबाजींचे विद्यमानचें सरकारचें पत्र होतें तें पाहिलें, तां त्यांत यास सदरहू प्राचीन चोहों कागदांचा अर्थ नाहीं, त्याजवरून हे सनद गादर केली असे, तरी निंबाजी विठ्ठल व निंबाजी अनंत याजपासून वर्तणुकेचा, व सदरहू प्राचीन चार कागद अमुक सुदतीस दाखवावयाचा जामीन, मातबर गांवचा मोकदम, सरळ, चांगला, घेऊन दरोबस्त कुळकर्णांचें वतनाची जफती करून, पेशर्जा तीन सालें त्याजकडे चाललीं त्याचें हक्क उभय पूर्ववतप्रमाणें सरकारांत घेऊन वाडे कुळकर्णांचे देखील पूर्ववत अनामत करून हरद वाद्यांस कागदपत्रसुद्धां, पुणियास, मनसुफीस आलीवाबांकडे रवाना करणें. ते वर-

( d ) Judicial officers.

( 945 ) A watan dispute was sent for disposal to Rām Shāstri.

A. D. 1774-75.

हक मनमुफी करून विव्हेस लावितील. दोन्ही बाधांचीं घरे गांवांत वाडींत हल्ली नांदतीं घरे असतील तीं भाऊवंदमुद्धां जफतीखाले ठेवणें. हरदू वादी कुळकर्णी यांणी नवीं घरे मिळऊन रहावें; याप्रमाणें करणें झणोन, नारो आपाजी यांचे नांवें. सनद १.

येविशीं रामशास्त्री यास की, हरदू कुळकर्णी याचे बतनाची जफती करून जामीन घेऊन, कागदपत्रमुद्धां तुझांकडे पाठवितील. त्यांचें वर्तमान मनास आणून वाजवी असेल त्याप्रमाणें विव्हेस लावावें झणोन.

१.

२

रसानगी यादी.

९४६ ( ३०३ )—आनंदराव काशी, यांचे नांवें सनद की, शहर पुणें येथील कोत-  
सबा सबैन नाली धोंडो बाबाजी यांजकडे होती, ते दूर करून सालमजकुरापामून  
मया व अलफ तुम्हांस सांगितली असे, तरी इमानें इनवारें बतोन, अंमल चौकशीनें  
जमादिलाबल २९ करून, शहरचा चौकी पाहरा याचा कोतवाली संबंधाचा बंदोबस्त  
चांगला राखोन, रयतेवर जुलूम जाजती न करितां वाजवीचे रुईनें अंमल करून रयत  
अबाद राखणें येविशीं कोतवाली संबंधें. कलमें.

हल्ली तुम्हांकडे कोतवालीसंबंधें रसदेचा  
एवज एकुणीस हजार एक रुपया कगर  
कला आहे, त्याचा भरणा हुजूर करून  
जाव घेणें या भरण्याचा एवज, व मागील  
तुमचे कारकीर्दीचे हिशेबाची मसखलाशां  
होऊन एवज ठरेल त्यापैकी, धोंडो बाबाजी  
याचे कारकीर्दीत कोतवालीचे एवजापैकी  
रदकर्ज पावला असेल तो वजा करून,  
बाकी राहिल तो, धोंडो बाबाजी याचे  
हिशेबाची मसखलासी होऊन एवज देणें  
निघेल तो मिळोन, कोतवाली संबंधें उत्प-  
न्न होईल त्यांत नेमणुकी स्वर्च वजा करून  
बाकी एवज रदकर्जी घेत जाणें. कलम १.

महाल मजकूर शिवंदीची वगैरे नेम-  
णूक करून दिल्ली जाईल. कलम १.

रसदेस व्याज, दरमहा दरसदे रुपया  
एकोत्रा शिरमतेप्रमाणें करार केलें असे.

कलम १.

हल्ली रसद तुम्हांपासून घेतली आहे,  
त्याहून जाजती रसद दुसरा पहिल्याच  
सालात देऊ लागल्यास घालमेल करणें  
जाहली तरी, रसदेचा वगैरे स्वर्च वाजवीचे  
रुईनें नव्याकडून देविला जाईल. एक-  
साल गुदरल्यानंतर घालमेल जाहल्यास  
रसदेचे एवजापैकी मसखलाशांमुळे देणें  
ठरेल तो एवज नव्या कोतवालाकडून दे-  
विला जाईल. कलम १.

( 946 ) The office of Kotwāl of Poona City was conferred on Anandrao  
A D. 1776-77. Kāshi. He was directed to patrol the city efficiently  
and to do the other duties honestly and justly and  
without oppressing the ryots. The following subsidiary instructions  
were issued to him:—



दरकदारांपासून कामकाज सुरळीत  
घेत जाणें. कलम १.

दरमहाचे दरमहा कोतवाली संबंधें  
ऐवज जमा होत जाईल त्यांत नेमणूक दर-  
महा शिबंदीचा वगैरे खर्च वजा करून.  
बाकी ऐवज रदकर्ज खर्च ल्याहावा, दरक-  
दारांची वेतनें अखेरसालीं द्यावीं. कलम १.

सन खमस सबैनांत चाळीस हजार रु-  
पये रसद सरकारांत तुम्हांपासून घेतली,  
पुढें कोतवाली काढून धोंडो बाबाजी यास  
सांगितली, त्यास तुमचे सन खमस सबै-  
नचे हिसेबाची मखलाशी होऊन बाकी ऐ-  
वज देणें निघेल त्यापैकीं, धोंडो बाबाजी  
यांजकडून तुमचे सावकारास पावती जा-  
हली असेल ती वजा होऊन बाकी सावका-  
राचा ऐवज देणें राहिल तो, इलीं तुम्हांपा-  
सून एकोणीस हजार एक रुपया रसद घे-  
तली आहे, ही फिटल्यावर पुढें कोतवाली  
चे ऐवजीं सावकारास द्यावा. बोभाट न  
यावा. कलम १.

गंगाधर शामजी यास अमीनीची अ-  
सामी इलीं कोतवालीकडे नया करार क-  
रून दिल्ली असे, याजपासून कुल काम-  
काज अमीनीचें ध्यावें, साऱ्या दरकदारांनीं

कमाविसीचें कलम पांच हजार रुपये  
पर्यंत होईल, तें कोतवालीकडे जमा धरून  
रदकर्जीं घेणें. जाजती कलम पांच हजार  
रुपयांवर जाहल्यास पोत्यास भरणा करणें.  
कलम १.

धोंडो बाबाजी याचे कारकीर्दीचे हि-  
सेबाची मखलासी होऊन ऐवज देणें ठरेल  
त्यांत अंतस्ताचा ऐवज वजा करून बाकी  
देणें राहिल तो एका वर्षांनीं अंमलाचे पै-  
वस्तगिरीपासून हमीदारानें द्यावा. कलम १.

इलीं एकोणीस हजार एक रुपया रसद  
सरकारांत घेतली आहे, हा ऐवज फिट-  
ल्यावर तुमचा ऐवज मागिल रसदेपैकीं  
मखलासीमुळें ठरेल तो, व दरकदारांचा  
रसदी ऐवज हिस्सेरशीदप्रमाणें कोतवा-  
लीचे ऐवजीं देत जाणें. कलम १.

पांडुरंग कृष्ण सर अमीन हुजुरान ने-  
मून दिल्लें आहेत, त्यांचे विद्यमानें कुल  
कामकाज कोतवालीचें करीत जाणें. इत-  
ल्याशिवाय केल्याम मजुरा पडणार नाहीं.  
कलम १.

रसद फिटे तोंपर्यंत कोतवालीकडील  
ऐवज सरकारांत घेऊं नये. अंमलाची घाल-  
मेल होणार नाही. कलम १.

- ( 1 ) He should advance to Government a loan of Rupees 19000 at an interest of Rupee one per cent per mensem
- ( 2 ) the income derived from the office should, after deducting sanctioned expenditure, be taken in liquidation of the loan, in case the income exceeded by Rs. 5000, the excess should be remitted to Government;
- ( 3 ) the duties should be carried on, under the supervision of Pándurang Krishna Sir Amin, appointed by Government;

चावडीस नेहमीं येऊन आपलें दरकाचें काम करावें. कामाचा खोळंबा होऊ नये. जाहाल्यास अमीनानें दरकदार नसेल त्याचें निशाण करून काम चालवावें. कलम १.

धोंडो बाबाजी याचे कारकीर्दीतील सर-कारसनदेशिवाय कारकून व प्यादे असतील, त्यास तुमचे उपयोगी पडतील ते ठेवणें; तुम्हांस उपयोगी नसतील ते दूर करणें. त्यांचे ऐवजीं नवे नेमणुकेप्रमाणें ठेवणें. कलम १.

शहरांतिल कजीया, भांडण, न्याय मनसुबी, असेल ती तुम्हीं बाजवी मनास आणून फडशे करणें; आणि हरखी गुन्हेगारी साधेल ती घेऊन हिशेबीं जमा करणें. कलम १.

एकूण पंधरा कलमें करार करून दिव्हीं असेत, तरी सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें सनद १.

रसानगी यादी.

९७७ ( ३७१ ) पांडुरंग त्रिंबक कमावीसदार, मौजे पिंपळस, तर्फ कोन्हाळें, दिमत सबा सवेन धोंडो मल्हार, यांस पत्र कीं, रामाजी महादेव मोकदम मौजे मजकूर मया व अल्फ याणीं हुजूर विदित केलें कीं, मौजे मजकुरी गांवांत कोणास घर देणें जिल्हेज १२ घेणें, अगर कोणाची भित, व पनाळ, व मोरी, व जागा अधिक उणी, याचा कजिया असेल तो पेशजींपासून मनास आणावयाचा आह्वांकडे चालत आहे, त्यास हल्लीं कमावीसदार जाग्याजुग्याचे वगैरे कितेक खटले मनास आणितात, आम्हांस किंमपि कळां देत नाहीं, व गांवखर्चाची नेमणूक सरकारांतून आहे, व रयतीपासोन दाणे खर्चाचे घेतो, त्याचा गावखर्च आमचा आह्मी पूर्वींपासून करितों, त्याप्रमाणें कमावीसदार करू देत नाहीं; व भगवंत रामाजी वट्टकर गावांत चाळेकुचाले करितात, व यांजकडे बाकी आह्वा-

( 1 ) If the Darakdars should always attend the chawdi for the prompt trans-action of their respective duties: in case any one failed to attend, the Amin Gangadhar Shamji should perform his duties;

( 5 ) all disputes arising in the city should be decided by the Kotwal and fines ( from those against whom the decision was passed ) and presents ( from those in whose favour the decision was passed ) should be levied.

( 947 ) Ramaji Mahadeo Mokadam of Pimpalas in Tarf Korhale, and A. D. 1776-77. former Kamavisdar of the village represented that all disputes regarding houses, walls, easements, and sites in the village had till then been decided by him and that Pandurang

कडे कमावीस मौजे मजकूरची होती ते वेळेची आहे, त्याजविशीं सालगुदस्तां ताकीदपत्रें नेलीं, परंतु वसूल देत नाहीत. येविशीं ताकीद जाली पाहिजे, ह्मणोन; त्याजवरून हे पत्र सादर केलें असें. तरी गावांत जागानुगा, व घर देणें घेणें, व कर्जाया मनास आणणें, व गांवस्वर्च नेमणुकेप्रमाणें तो पेशजीपामून रामाजी महादेव करीत आले आहेत, त्याप्रमाणें यांचे हे करितील; तुम्हीं नवीन दिकत करितां ते न करणें. तुम्हीं जमावंदी करून वसूल घेत जाणें, वरकड पेशजीप्रमाणें यांचे हे करितील. भगवंत रामाजी यांजकडे बाकीचा ऐवज येणें, त्यास ताकीद करून त्याजसुद्धां वसूल करून यांजकडे देणें ह्मणोन. पत्र १.

चिटणीसी.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

९४८ ( ३९९ )—शहर पुणें येथील कोतवाली तुम्हांकडे सांगितली होती, ते दूर सवा सवैन करून सालमजकुरीं घासीराम सावळदास यांस सांगितली असे, तरी मया व अलफ पेठांतील चावड्या जकीरासुद्धां यांचे ह्वाली करणें. मशारनिल्ले अंमल जिल्हेज २९. करितील. तुम्हीं दखलगिरी न करणें म्हणोन. आनंदराव काशी यांचे नांवें रसानगी यादी छ. १६ जिल्हेज. सनद १

९४९. ( ७३८ )—बाजी बल्लाळ यांस तालुके अंजणवेल येथील न्यायाधिशि सालमज- इसने समानीन कूर अव्वल सालापामून सांगोन तैनात सालीना खेरीज शिरस्ता रुपये मया व अलफ १०० शंभर रुपये करार करून देऊन हे सनद सादर केली असे, सहर ३ तरी मशारनिल्लेपामून तालुके मजकूर येथील न्यायाधिशिचें कामकाज घेऊन सवरीलप्रमाणें तैनात पाववीत जाणें. यांचे हाताखालीं मनसुबीचे कामकाजास प्यादे असामी दोन देविले असेत, तरी तालुके मजकूरचे शिषदीपैकीं नेमून देणें म्हणोन, त्रिबक कृष्ण यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

Trimbak, the present Kamāvisdār, was interfering with his practice and had decided some such disputes himself. Pāndurang Trimbak was directed to allow the old practice to continue.

( 948 ) The office of Kotwāl of Poona City was taken from Anand-  
D. 1776-77. rao Kāshi and conferred on Ghāsirām Sāwaldās.

( 949 ) Bāji Ballāl was appointed to the office of Judge (Nyāyādhiśh)  
A D. 1781-82. of Tālukā Anjanwel on a salary of Rs. 100 a year be-  
sides the usual grants, and 2 peons were placed at  
his disposal.

९५० ( ७९० )-तालुके अंजणवेल येथील न्यायाधिश्री सालगुदस्त बाजी बळाळ  
सलास समानीन यांस सांगोन सनद सादर जाहाली असतां, न्यायाधिश्रींचें काम म-  
मया व अलफ शार निल्हेचे हातें सुरळीत होत नाहीं झणोन हुजूर विदित जाहालें.  
रविलाखर २७ त्यास न्यायाधिश्रींचें काम काज येणेंप्रमाणें घेणें. कलमें.

मुलकी कजिये वतनाचे वगैरे येतील त्यांचें वर्तमान तुम्हीं आईकोन, मनास आ-  
णावयास न्यायाधिश्रीकडे सांगावें. त्याणीं  
हरदू जणांचे कतबे करीने, व पुरसीसा  
व जामीन, व सड्या घेऊन, पांच ग्रहस्थ  
मेळऊन, वाजवी मनास आणून, तुम्हांस  
समजाऊन फडशा करावा. कोणी धटाईस  
आला तर तुम्हीं निक्षून ताकीद करणें.  
कोणाचा कोणी पक्ष करूं नये. सरकार  
कामाविशीं प्यादे, व पंचाईतीस चार ज-  
मींदार परनिष्ठ, न्यायप्रकरणां उपयोगीं  
असतील ते नेमून देत जाणें. न्याय वत-  
नाचे वगैरे फार, तर्फ मजकुरी तटले आ-  
हेत, त्यांचे निवाडे करून वाजवीचे रीतीनें  
फडशा करून हुजूर समजवावें, तथें कोणी  
धटाईस आला तर, जाहला मजकूर हुजूर  
समजावणें. कलम १.

न्यायाधिश्रींसंबंधें कागदपत्र होतील ते,  
मशारनिल्हेनीं आपले निसबतीस ठेऊन  
कजीया विल्हेस लागलीयावर कागदाचें  
फेरिस्त घालून, सरकाराचे दप्तरांत ठेवीत  
जावें, त्याची खबरदारी वरचेवर मशार-  
निल्हेनीं करीत जावी. कलम १.

कजिया संबंधेंची चिठी मसाला करणें  
त्याची याद यांजपासोन ल्याहावी, याजवर  
मखलाशी होऊन चिठी होत जावी.  
कलम १.

कजियासंबंधें वादीयास आणणें, व  
निरोप देणें, व नेमोतर घेणें, ते न्याया-  
धिश्रीकडे घेववून निरोप देत जाणें. कलम १.

वतन कोणाचें जप्त करणें, व मोक-  
ळीक करणें, यांचे विद्यमानें वर्तमान  
मनास आणून वाजवी असल्यास करीत  
जाणें. कलम १.

( १५० ) Baji Ballaji had been appointed Judge at Taluká Anjanwel  
and Government was informed that the Taluká officer  
A. D. 1782-83 Trimbak Krishna, did not allow Baji to do the duties  
of his office. The following instructions were therefore issued to the  
Taluká officer:—The Taluká officer should receive all civil dispute  
relating to watan &c. and hand them over to the Judge for adjudication.  
The Judge should record the statements of the parties and the evidence  
of witnesses and should decide with the assistance of five independent  
persons and after explaining the matter to the Taluká officer. In case  
any one objected to submit to the Judge's authority, the Taluká office  
should issue a strict warning to him. Partiality should not be shown to  
any person. The Pancháyat should consist of 4 Jamindárs who should b

एकूण कलमें पांच. सदरहू लिहिल्याप्रमाणें वर्तणूक करणें म्हणोन, त्रिवक कृष्ण यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

९५१ ( ८३२ )—सटवोजी गावडे पागा यांचे नांवें सनद कीं, तुम्हीं लोकांचे अर्बा समानीन कजिये कफावती मनास आणून फडशे करितां. त्यामध्ये हरकी गुन्हे-मया व अलफ गारी, व कर्जचौथाई वगैरे कमाविशीवद्दल मागील ऐवज जमा मोहरम १३ जाहला असेल तो, व पुढें जमा होईल तो, तुम्हांकडील पागेचे हिशेबी जमा करीत जाणें म्हणोन. सनद १.

सदरील अन्वयें नानाजी रघुनाथ कारकून, दिमत मशारनिल्ले यांस कीं, तुम्हीं चौकशीनें कमाविशीचा ऐवज जमा होईल त्याचा हिशेब राखून, पागेचे हिशेबी जमा करवीत जाणें म्हणून. सनद १.

२

रसानगी याद.

९५२ ( ९७४ )—शहर जुन्नर येथील कोतवालीची असामी रामचंद्र शिवाजी यांज-तिसा समानीन कडे आहे. त्यास वेतनाचा ऐवज चार पांच सालां राहिला आहे, मया व अलफ व यांचे कारकुनाचे हातून कोतवालीचे कामकाज तुम्हीं घेत नाहीं, जिल्हेज ६ म्हणोन मशारनिल्लेनीं हुजूर विदित केलें; त्याजवरून हें पत्र तुम्हांस सादर केलें असे, तरी कोतवालीचे असामीचें वेतन मागील सालचें राहिलें असेल तें देणें; व पुढें वरकड वरकदारांस पावेल त्याप्रमाणें यांस देत जाणें, व कोतवालीचे कामकाज मशारनिल्लेकडील कारकुनाचे हातून सुदामत चालत आल्याप्रमाणें घेत जाणें.

men of pure character and conversant with law. The watan and other cases pending disposal should be decided in the right manner and the decision should be communicated to the Huzur. Papers relating to the adjudication of cases should remain with the Judge and should be sent to Government, together with a list after the decision had been passed.

( 951 ) Satwoji Gáwde of the cavalry used to receive complaints and decide them. He levied fines and presents from successful litigants and fees for recovering details. He was directed to credit the sums so levied to Government.

( 952 ) The Office of Kótwal in the town of Junnar belonged to १७.

फिरोन बोभाटा येऊं न देणें म्हणोन, बाळाजी महादेव तालुके शिवनेर यांचे नांवें चिटणिसी.

पत्र १.

## ७ न्यायखातें.

### ( इ ) पोलीस.

९५३ ( १४ )-तालुके विजयदुर्ग येथें गोपाळजी आंगन्या याणें चोर सोबतीस मेळ-  
अर्बा सवैन ऊन, प्रांतांत चोरी करितो, व घेरें जाळितो, व रयतीपासून पैका  
मया व अलफ घेतो, व वाणी उदमी जिन्नस भरून वर घाटें आणितात त्यांस उप-  
रमजान ३० द्रव करितो, झणून हुजूर विदित जालें; त्याजवरून त्याचे बंदोबस्ता-  
चीं कलमें येणेंप्रमाणें.

जदीद असाभी १०० एकशें दर अ-  
सामीस आदा सरसालांत पन्नास रुपये प-  
डत असा शेरा करून ठेऊन चोरांचा बं-  
दोबस्त करणें. महिना दोन महिने ठेऊन  
बंदोबस्त जालियावर पुढें दूर करणें.

कलम १.

आंगन्या मजकूर याजकडील चोर ध-  
रून आणून, साहेब काम करील त्यास  
बाक्षिस कार्याकारण पाहून देणें. मजुरा  
पडेल.

कलम १.

हुजूरून बंदोबस्ताबद्दल असामी १००  
एकशें पाठविल्या आहेत, त्यांस रोजमरा  
नेमणूक जाबत्याप्रमाणें लोक तेथें राहतील  
तोंपर्यंत तालुके मजकूरपैकीं देत जाणें येणें-  
प्रमाणें.

कलम १.

A. D. 1788-89. Rámchandra Shiváji. Báláji Mahádev of Shivner was  
directed to pay him the emoluments of his office and  
to send his kárkun to do duty under him.

( E ) Police

( 953 ) Government having been informed that Gópálji Ángre, with  
his accomplices, was committing robberies, burning  
houses and extorting money from the ryots in Taluká  
Vijaydurga, and harassing the traders carrying merchandise above the  
Ghâts, the following arrangements were made: -

( 1 ) One hundred men were sent from the Huzur and one hundred  
more were ordered to be entertained for a month or two, to put  
down the robbers;

येणेंप्रमाणें तीन कलमें करार करून दिल्लीं असेत, तरी सदरीलप्रमाणें वर्तणूक करणें हणोन, महादाजी रघुनाथ यांचे नांवें. छ. ९ रमजान. सनद १.

रसानगी यादी.

|                                                                         |                           |        |
|-------------------------------------------------------------------------|---------------------------|--------|
| ९५४ ( ५६ )—कसबे सुपें येथें चोरांचा उपद्रव आहे, त्यास रखवालीस बेरड करार | करून दिल्ले, त्यास दरमहा. | रुपये. |
| अर्बा सवैन                                                              |                           |        |
| मया व अलफ                                                               | १० नाईक                   | १      |
| रबिलावल २२                                                              | १३॥ बेरड असामी ३          |        |
|                                                                         | २३॥                       | ४      |

एकूण साडे तेवीस रुपये चार असामीस दरमहा देविले असेत, तरी गांवखर्चाखेरीज पटी खानेसुमारी देखील ब्राह्मण याप्रमाणें करून, बेरड मजकूर यांचा मुशाहिरा सरकार ऐवजाशिवाय देऊन गांवची रखवाली करवणें हणोन, आनंदराव त्रिंबक सुभेदार, परगणे मजकूर, यांचे नांवें छ. २६ सफर. सनद १.

रसानगी यादी.

९५५ ( ११४ )—कसबे नाशिक, परगणे मजकूर, येथील फौजदारीची असामी खमस सवैन अंबादास गिरमाजी यांस सांगोन, वेतन सालीना रुपये १५० दीडशें मया व अलफ करार करून पाठविले आहेत, तरी त्यांचे निजवतीस महालाचे सवाल १७ शिबंदीपैकीं प्यादे देऊन, कसबे मजकूर येथील फौजदारीचें काम-काज यांचे हातें घेऊन, सदरहू दीडशें रुपये सालीना पाठवित जाणें म्हणोन, विसाजी हरी कमाविसदार, परगणे मजकूर यांस. सनद १.

रसानगी यादी.

( 2 ) sanction was accorded to the payment of rewards for the apprehension of the robbers.

( 954 ) The village Supá being infested by robbers, one Náik ( pay Rs. 10 a month ) and 3 Berads ( pay Rs. 13-8 a month for the three ) were permitted to be entertained for watching the village. The amount of their pay was ordered to be recovered by a special rate imposed upon the residents (Bráhmíns included.)

( 955 ) The Office of Fauzdár of Kasbe Násik was given to Ambá-dás Girmáji on a salary of Rupees 150 per annum.

## मुतालिक ह्यांचे रोजनिशीपैकीं.

९५६ ( ३ ) श्रीसिद्धेश्वर महादेव, वास्तव्य कसबे पैठण, येथें देवालयांत श्रीचे  
 खमस सवैन पुजेचीं उपकर्णे, व वखें, व पूजेचें साहित्य नेहेमीं असतें, व देवा-  
 मया व अलफ लयांत रात्रीं गरीब वाटसरू वगैरे राहतात; याजकरितां देवाल्या-  
 रमजान २२ जवळ रात्रीस चौकी पाहारा नेहमीं ठेवावयाचा करार करून हे  
 सनद तुम्हांस सादर केली असे, तरी परगणे मजकूरचे नेमणुकचे प्याद्यांपैकीं दोन मराठे  
 व दोन महार एकूण चार असामी श्रीचे देवाल्याजवळ चौकीस रात्रीं दररोज देऊन  
 चौकी पाहारा करवीत जाणें म्हणोन, कमाविसदार वर्तमान, व भावी परगणे पैठण  
 यांस. सनद १.

रसानगी यादी.

९५७ ( २१९ ) क्षेत्र पंढरपूर येथें चोरांचा उपद्रव होतो, सबब येथील रखवालीस  
 खमस सवैन सनदी प्यादे असामी २५ पंचवीस ठेवावयाची तुम्हांस आज्ञा केली  
 मया य अलफ असे, तरी पंचवीस प्यादे चांगले पाहून दीड महिना ठेऊन क्षेत्र मज-  
 जमादिलाखर २८ कूर येथील चोरांचा बंदोबस्त करणें. क्षेत्र मजकूर येथील ऐवजीं तु-  
 म्हांस मजुरा पडेल झणोन, चितो रामचंद्र कमाविसदार, क्षेत्र मजकूर, दिमत परशराम  
 रामचंद्र यांचे नांवें. सनद १.

परवानगी रूबरू.

९५८ ( ४९५ )—कृष्णराव अनंत यांचे नांवें पत्र कीं, शहर सातारा येथील रखवा-

## FROM THE MUTÁLIK'S DIARY.

( 956 ) The Kamāvisdār of Paithan was directed to keep a guard  
 A. D. 1774-75 consisting of 2 Maráthá peons and 2 Mahárs at night  
 at the temple of Siddheshwar Mahádeo at Paithan to  
 protect the property belonging to the deity as also the poor travellers  
 who stopped at the temple.

( 957 ) There being many thieves at Pandharpur, the Kamāvisdār  
 A. D. 1774-75. was directed to entertain 25 additional peons and to  
 put down the thefts.

( 958 ) Krishnarao Anant engaged 33 Mángs and Beráds to keep  
 A. D. 1777-78. watch in the town of Satára on a salary of Rs. 263 per  
 month and a half. He was directed to levy the amount,  
 which came to Rs. 2104 a year, from merchants and traders and well-  
 to-do people in the town. No contribution was to be levied from the  
 poor. It was ordered that a security bond should be taken from the



समान सबैत  
मया व अलफ  
रमजान ८

लीस मांग, व बेरड असामी ३३ तेहतीस यांस रोजमरा दीड माही रुपये दोनशेंत्रेसष्ट करून तुझीं ठेविले आहेत, त्यास एक रोजमरा शहरांत पटी करून दिल्यात. पुढें रोजमरीयास ऐवज पाहिजे त्याचा आकार सरसालचे रोजमरे आठ एकूण रुपये २१०४ एकविसशें चार होतात, त्यास शहरांत मातबर सावकार, व ग्रहस्थ, व वाणीउदमी मातबर पाहून सदरहू ऐवजाची पटी ठरावून ऐवज वसूल करून बेरडांस देत जाणें. गोरगरीबांवर पटी न करणें झणोन. पत्र. १ शहरांत अगर भवरगावीं चोरी जाल्यास बेरडांनीं भरून द्यावी याप्रमाणें त्यांचा कागद लिहून घेऊन पक्का जामीन द्यावा. याप्रमाणें करून मग पटी करून रोजमरीयाचा ऐवज देणें म्हणोन पत्रांत लिहिलें असे.

९५९ ( ५१८ )—बाळाजी गणेश यांस सनद की, पिलाजी, व तानाजी ताकपीर, समान सबैत  
मया व अलफ  
जिस्काद ३०

शिलेदार यांस पथकमुद्धां चोरांच्या पारपत्यास तालुके देवगड येथें पाठविले आहेत. स्वार असामी.

७ खासे.

२ कारकून.

११६ स्वार.

१२५

एकूण सबाशें असामी रवाना केले आहेत, तरी यांजपासून चाकरी घेत जाणें, यांचे रोजमरीयाची बेगमी हुजूर जिल्हेज अखेरपर्यंत जाली आहे, तुझी त्यांची गणती घेऊन हुजूर पाठवणें, आणि गणतीप्रमाणें चाकरी घेत जाणें. पुढें रोजमरा यांस हुजूरून पावत जाईल, झणोन, छ. २७ सवाल.

सनद १.

परवानगी रूबरू.

९६० ( ७७२ )—पांडुरंग भोंडजी कमाविसदार परगणे नाशिक यांचे नांवें सनद की, बलास समानीन  
मया व अलफ  
साबान २७

तुझीं विनंतीपत्र पाठविलें तें प्रविष्ट जाले. नाशिकांत चोऱ्या होतात, व दरवडे पडतात याचे बंदोबस्तास हुजूरून लोक पाठवावे झणोन लिहिलें; त्याजवरून गाडदी रोहिले दिमतहाय. असामी.

३१ दिमत रणबाजखान.

३० दिमत मीर अबास.

Berads promising to make good all property stolen in the town or in its neighbourhood.

( 959 ) Piláji and Tanáji Tákp.r Silledár were sent with their detachment of 116 horse to punish robbers in Táluká A. D. 1777-78. Dewgad, and their expenses were paid from the Huzur.

( 960 ) Thefts and dacoities having occurred in Násik, the Kamávis-

२० दिमत अबदुलसतार.

२० दिमत सेरजमालखान.

१०१

एकशेंएक असामी पाठविले असत, तरी यांस नाशिकांत ठेऊन चोऱ्यांचा, व दरव-  
ळ्यांचा बंदोबस्त चांगला करणें. गाड्यांस पर्जन्य काळानिमित्त राहावयास निवारा करून  
देणें झणोन, मशारनिव्हेचे नांवें. सनद १.

परवानगी रुबरू.

९६१ ( ८२२ )-मौजे करंजगांव, तर्फे नाणेंमावळ, येथें वेदमूर्ती हरभट उपाध्ये  
अर्बा समानीन यांचे घरीं दरवडा पडला, सबब मौजे मजकुरीं रखवालीस शिपाई दे-  
मया व अलफ. विले असेत, तरी नेमून देऊन रुजू दोन महिनेपर्यंत तेथें ठेवणें  
सवाल ५ म्हणोन. सनदा.

१ तालुके राजमाची, निसबत रामराव नारायण यांजकडून राजमाचीपैकीं कर्णेकरी-  
सुद्धां असामी ६ सहा देविले त्याविशीं.

१ किल्ले विसापूर निसबत भिकाजी गोविंद यांजकडून किल्ले मजकूरपैकीं असामी  
५ पांच देविले त्याविशीं.

२

रसानगी, सदाशिवभट नानल.

९६२ ( ८२३ )-तालुके चास येथें सटवाजी हजारी वगैरे कोळी याणीं दंगा करून,  
अर्बा समानीन रयतीपासून खंड घेऊन, घरे जाळलीं, यांजकरितां पेशजीं हुजूरून  
मया व अलफ. कोळ्यांचे बंदोबस्तास पन्नास लोक हशमी पाठविले आहेत, त्या शि-  
सवाल १४ बाय तालुके मजकूरचे माहितगार लोक जदीद छ. २० रजबपासून  
असामी ३० तीस एकूण दरमहा दर असामीस तैनात रुपये ५ पांच निवळ आकरमाही

A. D. 1782-83. dār asked for assistance from the Huzur. A force of  
101 Rohi & Gārdīs was sent to him for the purpose.

( 961 ) A dacoity having occurred at Karanjgaum in Turf Nānc-  
A. D. 1783-84. Māwal at the house of a priest, Harbhat Karve, 11 peons  
were sent for two months to protect the village.

( 962 ) Satwāji Hajāri Kolī was making attacks on the village of  
A. D. 1784. Tālukā Chās, levying black-mail and burning houses.  
Fifty soldiers were therefore sent from the Huzur to

शिरस्तेप्रमाणें करून ठेविले आहेत, त्याप्रमाणें हुजुरून लोक करार करून दिले पाहिजेत, झणोन तुझीं विनंती केली; त्याजवरून तुमचे ठेवणुकेप्रमाणें तीस असामी सदरहू तारखे-पासून करार करून, हे सनद तुझांस सादर केली असे, तरी चोरांचा बंदोबस्त होईतो-पर्यंत लोक ठेवणें. बंदोबस्त जाल्यावर लोक दूर करणें; आणि सदरहू लोकांचा आकार होईल तो तालुके मजकूरचे हिशेबी खर्च लिहिणें, मजुरा पडेल झणोन, नीळकंठराव राम-चंद्र यांचे नावें.

सनद १.

रसानगी यादी.

९६३ ( ८८१ )—शहर अमदानगर येथें चोरांचा उपद्रव होऊन दरवडे पडतात, लमस समानीन याजकरितां शहर मजकूरच रखवालीस माणसें ठेवावयाकरितां शहरात मया व अलफ बाहेरील बिछाइती वाणी किराणा, भुतार वगैरे जिनस आणून विक्री जमादिलावल २४ करितात, त्यांस बिछाइतीचीं अडत शहर मजकूर येथील जो उदमी करील त्यास त्यांणीं पोटास घावें, याप्रमाणें पेशजीं पासून चालत आहे, त्यास बिछाइती-याची अडत एकाचे जिमेस लाविल्यास हजार बाराशें रुपये पर्यंत दरसाल उत्पन्न होतील. यास्तव बिछाइतीयांची अडत एकाचे जिमेस लाऊन देऊन, आकार होईल तो शिबंदी-खर्चास नेमून घावा. झणजे शहर मजकूरचे दरवड्यांचा वगैरे बंदोबस्त होईल. झणोन तुम्हांकडील कारकुनांनीं विनंति केली; त्याजवरून शहर मजकुरीं बिछाइती वाणी येतात, त्यांची अडत एकाचे जिमेस लाऊन, त्यास काम सांगून आकार होईल त्याची शिबंदी ठेऊन, दरवड्यांचा वगैरे शहरचा बंदोबस्त करणें, एक हजार निदान बाराशें रुप-यांवर जाजती आकार जाल्यास सरकारांत जमा करीत जाणें झणोन, विठ्ठल नारायण माम-लदार, तालुके अमदानगर यांचे नावें.

सनद १.

रसानगी यादी.

९६४ ( ९९३ )—श्रीत्रिबकेश्वरीं सिंहस्थाकरितां गोसावी वगैरे जमा होतात.

put down the Kolis, and sanction was accorded to the entertainment of 30 additional men at Rs. 5 each for the same purpose.

( 963 ) Owing to the prevalence of dacoities at Ahmednagar, the employment of Rakhwāldars was sanctioned and A. D. 1784-85, provision was made for their pay out of the revenue realized by the sale of the brokerage monopoly of goods brought for sale from outside the town.

( 964 ) It being the Sinhastha year, it was expected that Gosávis would flock in large numbers to Trimbakeshwar, and that quarrels and disputes would take place. Two A. D. 1788-89,

तिसैन समानीन त्यांत कजेकफावती करतील, याजकरितां त्यांचे बंदोबस्तास सरका-  
मया व अलफ रांतून गाडदी, निसबत राघो विश्वनाथ वगैरे यांजकडील असामी २००  
सवाल ८ तुझांकडे पाठविले आहेत, यांस तेथे चौक्या नेमून देऊन बंदोबस्त  
राखून गोसावी यांचा वगैरे परस्परे कज्या होऊं न देणें झणोन, धोंडो महादेब यांचे  
नावें. सनद १.

रसानगी, राघो विश्वनाथ कारकून शिलेदार.

९६५ ( ९९४ )-कसबे नाशिक येथें सिंहस्थाचे यात्रेचा वगैरे बंदोबस्त जाला  
तिसैन समानीन पाहिजे, याकरितां गाडदी निसबत राघो विश्वनाथ असामी १००  
मया व अलफ शंभर पाठविले आहेत, तरी कसबे मजकुरी यांजपासून चाकरी घेऊन,  
जिल्काद २ यात्रा गावांत व गांवाबाहेर राहिल तिचा बंदोबस्त चांगला करणें  
झणोन, कृष्णराव गंगाधर कमाविसदार परगणा नाशिक यांचे नावें. सनद १.

रसानगी, त्रिंबकराव नारायण कारकून निसबत दफतर.

९६६ ( ११२१ )-धोंडो केशव यांजकडे मौजे पाडळी, संमत कोरेगांव, प्रांत वाई,  
खमस तिसैन हा गांव सरकारांतून आहे. तेथें पेंढारी वगैरे यांचा उपद्रव जाहला  
मया व अलफ. आहे, याजकरितां किल्ले चंदनपैकीं लोक असामी १० दहा उपद्रव  
रजब २६ मोडेतांपर्यंत गांवचे रखवालीस नेमून देणें झणोन, पांडुरंग त्रिंबक  
दिंमत विठ्ठलराव मल्हार यांचे नावें. सनद १.

रसानगी, त्रिंबक नारायण परचुरे कारकून निसबत दफतर.

## ७ न्यायखातें.

### ( एफ ) तुरुंग.

९६७ ( ४७ )-हरी सखोजी, व त्याची स्त्री हीं उभयतां किल्ले सिंहीगड येथें अट-

hundred soldiers were therefore sent to the place to assist the Kamá-  
visdár, who was directed to see that no disturbance took place.

( 965 ) 100 Gárdís were sent to Násik for keeping order among  
A. D. 1788-89. the pilgrims coming to Násik during the Sinhastha year.

( 966 ) The village of Pádalí in Samat Koregaum being infested  
A. D. 1794-95. by Pendhárís, 10 sepoy's from fort Chandan were sent  
to protect the village.

( F ) Prisons.

( 967 ) Hari Sakhoji and his wife who were in prison at fort

अर्बा सवैन केस आहेत, त्यास हरी सखोजीस समाधान नाही, मूत्रावरोध जाहला, मया व अलफ. व त्याचे स्त्रीस संग्रहणीची वेष्टा जाहली. दोघांचीही अवस्था भारी रबिलावल २२ आहे, हणोन विदित जाहलें; त्याजवरून हें पत्र सादर केलें असे, तरी हरी सखोजी व त्याची स्त्री ऐसी मौजे उरवडें येथें पोहोंचऊन देणें, मौजे मजकुरी विठ्ठल येशवंतराव खासनीस, दिमत हुनुरात, यांची मातोश्रीचे स्वाधीन करून पावती बेंणें हणोन, आनंदराव जिघाजी यांचे नावें चिटणिसी छ. १४ जिल्हेज. पत्र १.

### नारो आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

९६८ ( ६५ )—भवानीदास बलराम जेजालंदाज, किल्ले रामगड, तालुके विजयेदुर्ग, खमस सवैन याजकडे पितृतीथ होती, याजकरितां किल्ले मजकूर येथील दरवाज्यास मया व अलफ. कोठीनजीक जातीचे चार लोक बोलाऊन, तटावर अग्नीत आउती दे- जमादिलाखर २९ ऊन बिन्हाडास आला, तों वाऱ्यानें किटाळ कोठीवर उडोन कोठीतील जिन्नस जळाला. बीतपसील.

गळा कैली साडेतिसेरी.

वजन.

कचे.

४॥३॥१॥= नागली.

॥॥४४१॥ दारु.

॥॥१॥= वरी.

॥॥७॥ काथागबाळ.

॥॥१॥= मीठ.

४४६। ताग.

५॥॥४१॥=

॥१॥७॥१॥

सुमारी.

सुमार.

४२ कले, चर्मी.

३ बुभले.

३ अधवडी.

३ गोळ्या शिसें.

५१

A. D. 1778-74

Singad being seriously ill, it was ordered that they should be released and sent to the village of Urawad.

FROM NÁRO APPÁJ'S DIARY.

( 968 ) Bhavánidas Balram Jejándáj of fort Rámgaḍ in Táluká

A. D. 1774-75

Vijayadurga on the anniversary of his father's death made a fire on the rampart and threw offerings on it.

A spark was blown by the wind to the store-room which took fire and a considerable quantity of grain, gunpowder &c. was burnt. Bhavánidas

एकूण गळा केली पावणें सहा खंडी, पावणें दोन पायली, तीन सीपें वजन कचे साडे-  
अकरा मण, पावणें आठ शेर दीड टांक, व सुमारी एकावन याप्रमाणें कोठींतील जिन्नस  
जळाळा, त्याजवरून जेजालंदाजास अटकेंत ठेविला आहे, त्यास चार वर्षे जाहालीं. त्याज  
पासून सदरहू जिनसांची किंमत घ्यावी, तरी बायको व माणसें कोणी नाहींत, जरजर  
जाहला आहे, अडसेरी मात्र द्यावी लागते, कांही उत्पन्न व्हावयाचें नाहीं, यास्तव सोडून  
द्यावयाची आज्ञा केली पाहिजे ह्मणोन तुम्ही विनंतीपत्र पाठविलें; त्याजवरून मनास आ-  
णितां जेजालंदाज मजकूर याचें कोणी नाहीं, व तोही मरावयासी जाहला आहे, सबब  
सदरहू जिन्नस नुकसान जळित खर्च लिहून, जेजालंदाजास सोडून देणें ह्मणोन, महादजी  
रघुनाथ यास छ. १ रबिलाखर. सनद १.

९६९ ( १२९ )—धोंडभट गाडगीळ, वस्ती रेवदंडा, यांणीं हुजूर विदिन केलें कीं,  
खमस सबैन जंजीरें मजकूरचे चोरांनीं दोन चोन्या केल्या, ते चोर सांघडले,  
मया व अलफ त्यास एक चोरी खत्री याचे घरची चोरानें झाडून भरून दिली.  
मोहरम २० दुसरी चोरी आमचे घरीं केली ते कबूल जाले, परंतु त्यास द्यावयास  
अवकात नाहीं. तिचे ब्राह्मण चोर सहा महिनें अटकेंत आहेत, बहुत श्रीमती होतात, याज-  
करितां ब्राह्मणांस सोडावें, आम्हीं चोरी भरून पावलों, मागत नाहीं, वाईट बरें. यांस जालें  
तर दुर्निमित्त येईल, असें रेवदंड्याचे अंमलदारास झटलें, परंतु ते ऐकत नाहींत, व सर-  
कारांत चोरीची तिजाई द्या ह्मणतांत, येविशीं आज्ञा जाली पाहिजे ह्मणोन, ऐशास धोंड-

was therefore thrown into prison and kept there for 4 years. At the  
end of that period, it was reported that the man had no wife or other  
relations, that there were no means of recovering the value of the property  
from him, that he was much emaciated, and that his daily ration was a  
useless charge on Government. He was therefore ordered to be released.

( 969 ) Three Brahmins of Janjire had committed two thefts, one  
A. D. 1774-75. at the house of a Khátri and the other at the house of  
Dhond Bhat Gádgil of Revadandá. They produced the  
property of the first theft, but were unable to produce that of the second,  
though they confessed that they had committed the theft. They were  
therefore imprisoned and remained in confinement for 6 months. At  
the end of the period Dhond Bhat waived his claim to the property  
stolen and applied for the release of the prisoner on the ground that  
should they die, he would incur the odium of causing their death. The  
Officer of Rewadandá refused to comply with the request unless the  
value of a third share of the stolen property was paid to Government as  
usual. The matter was taken to the Peshwa by Dhond Bhat. The Officer

भटाकडे चोरी जाली सबब त्याणें चोरांस अटकेंत ठेविलें; हल्लीं चोरांपासून ऐवज येत नाहीं, चोर ब्राह्मण उपास करितात यास्तव चोरी भरून पावली, यांस सोडावें असें ब्राह्मणांत हेंच खरें किंवा अंतस्थ चोरीचा ऐवज भरून घेतला, आणि सोडावयाविषई रदनदली करितात, येविशींची चौकशी करून, उगेंच सोडावें हेंच खरें असल्यास चोरांस सोडून देणें. भटास तिजार्हाचा तगादा न लावणें. खंड गुन्हेगारी घेतली असेल ती सरकारांत द्यावें. भटास अनंदराव शिंदे, जंजीरे रेवदंडा यांचे नांवें. पत्र १.

१७० ( १६७ )—कसबे नारायणगांव येथें जंगमाचे घरीं दरवडा पडला होता, त्यास खमस सवैन मौजे आरवी, कसबे मजकूर, येथें बेरड वस्तीस राहिले होते, त्यांस भया व अलफ नारायणगांवकरी यांनीं धरून हुजूर पाठविले. असामी १० दहा ते मोहरम ६ जुन्या कोटांतील बंदीखान्यांत बिड्या घालून ठेविले आहेत; त्यांचें वर्तमान मनास आणतां त्यांकडे कांहीं मुद्दा उगूं होत नाहीं, सबब जामीनकतबा घेऊन बेरड सोडविले असत; तरी सदरहू दहा असामींच्या बेड्या तोडून सोडून देणें ब्राह्मण, शिवराम रघुनाथ निसवत खासगी यांस छ. ११ जिल्ह्याद. सनद १.

रसानगी. गोंदजी गाड्या प्यादा, दिमत बहिरजी मोरे.

१७१ ( २०१ )—किल्ले सिंहगड येथें रामचंद्र विठ्ठल याचीं मुलें माणसें. असामी.

खमस सवैन २ तीर्थरूप व मातुश्री.  
भया व अलफ २ भावजया.  
रबिलाखर ५ ३ मुलें.  
२ कुणबीण व पोरगा.

९

of Rewadandá was ordered to ascertain whether the Bráhmíns were really unable to restore the stolen property and were starving themselves or whether they had privately restored the stolen property to Dhond Bhat who was now interceding on their behalf. In the former case, the prisoners were directed to be set at liberty.

( 970 ) A dacoity having occurred at Náráyaṅgaon, 10 Berads living in Áraṅga, a neighbouring village had been arrested and kept in the prison at Jamákot. As nothing could be proved against them, they were ordered to be set at liberty.

( 971 ) The parents and other relations of Rámchandra Vithal were imprisoned at fort Sinhgad. The parents being old and unable to stand the cold climate of the place were

एकूण नऊ असामी किल्ले मजकुरीं अटकेंत आहेत, त्यास मशारनिल्लेचे तीर्थरूप व मातुश्री यांचा वृद्धापकाळ, किल्याची हवा सर्द, मानत नाहीं, याजमुळें बहुतेक हैराण आहेत, क्षणोन विदित जालें; त्याजवरून हें पत्र तुम्हांस लिहिलें असें, तरी सदरहू नऊ असामी किल्ल्याखालीं उतरणें. हीं आपले घरीं, मौजे उरवडें येथें, येऊन राहतील, त्यांचे मुबदला रामचंद्र विठ्ठल याचे बंधु व्यंकोजी विठ्ठल यास किल्ल्यावर ठेवणें; व मशारनिल्लेची बहीण पेशजी भेटावयास गेली आहे तिजलाही जाऊं देणें क्षणोन, आनंदराव निंबाजी किल्ले सिंहगड यांचे नांवें चिटणिसी छ. १८ रजब. पत्र. चिटणिसी पत्र येऊन सदरहू-प्रमाणें सनद लिहून दिव्ही.

परवानगी खबरू.

९७२ ( ३७४ )—हरी आपाजी काणे, याणीं हुजूर विदित केलें कीं, आपला भाऊ  
सबा सयैन गदाधर आपाजी, वस्ती कसबे खेड, तालुके सुवर्णदुर्ग, हा तोतयाकडे  
मया व अलफ गेला होता, याजमुळें त्यास कैद सरकारांत केलें होतें, तेथून भयेंकरून  
जिल्हेज १२ पळोन गेला यास्तव सुभां आपल्यास नेऊन गुन्हेगारी पन्नास रुपये  
घेतले, परंतु आपला भाऊ आलाहिदा, त्याचे कन्येचें लग्न होणें, याकरितां सरकारांतून  
कौल देववावयाची आज्ञा जाली पाहिजे क्षणोन; त्याजवरून हें पत्र सादर केलें असे, तरी  
याचा भाऊ भयेंकरून गेला आहे, घरीं कन्येचें लग्न व्हावयाचें आहे, सबब यास कौल  
देऊन घरीं आणवणें; कन्येचें लग्न होऊं देणें; मग जीवन पाहून भावापासून गुन्हेगारी घेतली  
आहे, त्याअन्वये याचें जीवन पाहून गुन्हेगारी घेणें क्षणोन, मोरो बापूजी यांस. पत्र १.

चिटणिसी.

९७३ ( ४१७ )—बाजीराव गोविंद बर्वे हैदरअल्ली यांजकडे गेले, सबब त्याच्या

permitted to reside in their house in Urawade and Rámchandra's brother was ordered to be imprisoned in their stead.

( 972 ) Gadádhar Appáji Kápe of Khed, in Táluká Suvarnadurga, A. D. 1776-77. having joined the Pretender was arrested and imprisoned. He escaped from prison and his brother Hari was fined Rs.50 by the Subhá. Hari Appáji represented that Gadádhar had to perform his daughter's marriage and prayed that a pass might be given permitting him to return home for this purpose. Moro Bapuji was instructed to give the safe-pass as requested and to levy a reasonable fine from Hari after the celebration of the marriage.

( 973 ) Bájirao Govind having gone over to Haidar Ali, his two wives were kept in custody at Mangalwedhe. Bájirao's father Govind Gopal represented that Bájirao's daughter



सबा सबैन  
मया व अलफ  
मोहरम ६  
स्त्रिया दोन किले मंगळवेढें येथें अटकेत ठेविल्या आहेत, त्यास मशारनिल्लेची कन्या उपवर जाली, लग्न कर्तव्य, ह्मणोन गोविंद गोपाळ, मशारनिल्लेचे तीर्थरूप याणीं हुजूर विनंती केली, त्याजवरून मशारनिल्ले यास सरकारांत जामीन घेऊन, हे सनद तुझांस सादर केली असे, तरी दोघी स्त्रिया कन्येसहवर्तमान पुण्यास पावते करणें ह्मणोन, मेघःशामराव यांचे नांवें. सनद १. रसानगी यादी.

९.७४ ( ४२३ )—त्रिंबक गणेश भट याची बायको, व लेक अटकेस आहे, त्यास मूल  
सबा सबैन  
मया व अलफ  
सफर २  
आठ वर्षांचा जाला, त्याचा व्रतबंध जाहला पाहिजे, ह्मणोन लिहिलें त्यास त्याचे सोडरे आस कोणी जामीन देऊन मुंज करतील, तरी बायको व मुलास पक्का जामीन घेऊन त्यांचे हवाला करणें, मुंज जाहल्यावर पुन्हां पूर्ववतप्रमाणें अटकेस ठेवणें.

९.७५ ( ४२९ )—रघ सावंत भोसले, व केशो बाबाजी यांस सनद की, अंताजी  
सबा सबैन  
मया व अलफ  
सफर १६  
केशव जोशी निसबत रामराव नारायण यांस किले विमापूर येथें अटकेस ठेवावयास पाठविले आहेत, तरी त्यास बेडी घालून पक्क्या बंदो-बस्तानें किले मजकुरी अटकेस ठेऊन पोटास शेर शिरस्तेप्रमाणें सनद पैवस्तगिरीपासून देत जाणें. किले मजकूर नानूक जागा; अंताजी केशवचा लेक फार लबाड आहे; फितवाफांधास व निघोन जाण्यास चुकणार नाही. यास्तव चौकीचे लोक मजबूत चांगले नेमून देणें; आणि बेडी रोज तुझी आपले रूबरू पाहात जाणें; लोहारास

had attained the marriageable age and that she must therefore be married. He was asked to stand security for the ladies and orders were issued that the ladies and the girl should be sent to Poona.

( 974 ) Trimbak Bhat's wife and son were imprisoned in the fort of Ratnagiri. The boy having attained the age of 8 years, permission was given to release both him and his mother in order that his thread-ceremony might be performed. It was further ordered that security should be taken from them before their release and that after the ceremony they should again be imprisoned.

( 975 ) Antaji Keshav Joshi, in the employ of Rámrao Náráyan, was sent to prison in the fort of Visápur. Ragh Sáwant Bhosle and Keso Bábjí were informed that he was an intriguing person, that he was sure to attempt to escape, that a trusty guard should therefore be kept over him, that his fetters should every day be inspected by them in person, that the blacksmith should be strictly warned to be careful in rivetting the fetters, that Antaji should

चांगली ताकीद करून ठेवणें; चौकीचे लोकांजवळ त्यांचें भाषण न व्हावें, त्यांजवळ यांचें भाषण न व्हावें, चौकीचे लोकांशिवाय दुसऱ्यांन कोणी जाऊं नये, असा पक्का बंदोबस्त करून ठेवणें ह्मणोन.

सनद १.

परवानगी रूबरू.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

९७६ ( ४४५ )—धोंडो गोपाळ केळकर किल्ले घनगड येथें अटकेंत आहे, त्याचे सबा सबैन पाय सुजले आहेत, उठवत बसवत नाहीं, ह्मणोन तुम्हीं विनंतीपत्र मया व अलफ पाठविले तें पावलें. ऐशियास मशारनिल्हेस फार बरें वाटत नाहीं, रविलाखल २९ याजकरितां पायांतील बिडी तोडून औषधउपाय करणें; आणि चौकीचा बंदोबस्त चांगला करून, लोकांचे फेरफार वरचेवर करून बरा जाहाला ह्मणजे फिरोन पायांत बिडी पूर्ववत्प्रमाणें घालणें ह्मणोन, गोविंद रघुनाथ किल्ले मजकूर यांचे नांवें. सनद १.

९७७ ( ४५५ )—धोंडो गोपाळ केळकर, तोतयाचे फितुरांतील, किल्ले घनगड येथें सबा सबैन अटकेस होता, तां मृत्यू पावला, त्याची क्रिया जाहली पाहिजे, याज- मया व अलफ करितां त्याची बायको तालुके रत्नागिरी येथें अटकेंत आहे; तीस रविलाखर २६ जामीन घेऊन क्रिया करण्याबद्दल मोकळीक करणें, क्रिया जाहली- यावर पोटी संतान असल्यास अटकेस ठेवणें, संतान नसेल तर जामीन पक्का घेऊन मोक- ळीच असों देणें ह्मणोन, सदाशिव केशव यांचे नांवें. छ. ८ रविलाखर. सनद १.

परवानगी, राजश्री बाळाजी जनार्दन फडणीस.

be prevented from speaking to the guard, and that no other persons should be allowed to approach him.

### FROM JANÁRDAN APPÁJI'S DIARY.

( 976 ) Dhondo Gopal Kelkar, a prisoner in the fort of Ghangad, A. D. 1776-77. having swollen feet was unable to move. The officer of the fort represented the matter to Government, and orders were issued to remove the fetters and to keep Dhondo under medical treatment. It was further ordered that after his recovery fetters should be put on again.

( 977 ) Dhondo Gopal Kelkar, who was confined in the fort of Ghangad for conspiring with the Pretender died. Orders A. D. 1776-77. were therefore issued to release his wife from custody at Ratnagiri in order that she might perform the funeral rites of the deceased. It was further ordered that she might be allowed to remain at large if she had no issue, that otherwise she should be sent back to prison after the performance of the obsequies.

९७८ ( ४९७ )—अर्जोजीराव ठमाले हवालदार, व कारकून किल्ले घनगड यांस समान सबैन सनद कीं, सखाराम हरी हे किल्ले पुरंदर येथें अटकेस होते, ते हल्लीं मया व अलफ येथून तुझांकडे बेडीसुद्धां पाठविले आहेत, तरी किल्ले मजकुरीं बेडी-रमजान १५ सुद्धां पक्क्या बंदोबस्तानें अटकेस ठेऊन, पोटास शेर शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें. याची बेडी तुझीं आपले दृष्टीनें रोजचे रोज पाहत जाणें. याचे चौकीस लोक ठेवाल ते एका दो रोजीं हेरफेर करून दुसरे लोक चौकीस नेमीत जाणें; आणि याची रखवाली बहुत खबरदारीनें करणें. सखाराम हरी याचे रखवालीस लोक राहातील त्याणीं त्याशीं बोलूं नये, याप्रमाणें लोकांस चांगली ताकीद करणें, याजबरोबर रखवालीस स्वार दिमत्त सदाशिव धोंडदेव, व गाडदी दिलहे आहेत, हे किल्ले मजकुरीं पोहोंचऊन हुजूर येतील झणोन.

सनद १.

परवानगी रूबरू.

९७९ ( ५३१ )—महादाजी गणेश फडके किल्ले चंदनगड येथें अटकेंत आहेत, समान सबैन त्यास बरें वाटत नाहीं, याजकरितां मशारनिल्लेची स्त्री, व कुणबीण मया व अलफ त्यांकडे जात आहे, त्यांस किल्यावर घेऊन, स्त्रीस सिधा मध्यम सफर २६ प्रतीचा, व कुणबीणीस अडशेरी देत जाणें झणोन, शामराव जगजी-वन यांचे नांवें. छ. ७ जिल्ह्याद.

सनद १.

रसानगी यादी.

९८० ( ५४४ )—नरसिंगराव गोविंद किल्ले पाली येथें अटकेस आहे, त्याची मातुश्री समान सबैन पुण्यांत होती, ते मृत्यु पावली, तिची क्रिया करण्याबद्दल ब्राह्मण मया व अलफ तेथें अस्थी घेऊन येईल. अस्थी आल्यावर नरसिंगराव याचे पायां-सफर २६ तील बेडी काढून. चौकी चांगली बंदोबस्तानें ठेऊन क्रियेस ब्राह्मण

( 978 ) Sakhārām Hari was sent in custody from fort Purandhar A. D. 1777-78, to fort Ghangad. The officer of the fort was directed to see personally every day that Sakhārām was properly fettered and to allow no communication with him and to see that he was very carefully guarded.

( 979 ) Mahādāji Ganesh Phadke, a prisoner at fort Chandangad A. D. 1777-78, being indisposed, his wife with her female attendant was permitted to come and reside with him. She was given the usual ration.

( 980 ) Narsingrao Govind, a prisoner at fort Pāh, lost his mother A. D. 1777-78, residing in Poona. Her bones were sent to him with a Brahmin, in order that he might perform the obsequies

मेळऊन वीस रुपयेपर्यंत क्रिया करण्यासी देऊन क्रिया करवणें. क्रिया जाहलीयावर पूर्व-  
वतप्रमाणें बेडी घालून ठेवणें झणोन, बाजी गोविंद यांचे नांवें. छ. ८ जिल्हेज. सनद १.

परवानगी रूबरू. राजश्री बाळाजी जनार्दन फडणीस.

९८१ ( ५७२ )—मोरो बाबूराव यांस किल्ले अमदानगर येथें ठेवावयास पाठविले  
तिसा सवैन आहेत, समागमें विसाजी आपाजी फौज सुद्धां दिल्ले आहेत, तुम्हां-  
मया व अलफ जवळ येऊन पोहचल्यावर हवाली करून घेऊन किल्यांत ठेवणें; घर  
जमादिलाखर २९ चांगलें असेल त्याचा बंदोबस्त करून राहावयास देणें; समागमें खिज-  
मतगार, ब्राह्मण वगैरे विसाजी आपाजी सांगतील त्याप्रमाणें ठेवणें; तेथें पोहचाऊन  
विसाजी आपाजी माघारे हुजूर येतील. तुम्हीं बंदोबस्त चांगला करणें. मोरो बाबूराव यांज-  
कडील हत्यारेंबंद माणूस जवळ नसावें, तुम्हीं आपल्या कडील एक शाहाणा इतबारी मर्द  
माणूस जवळ ठेवणें; त्याणें रात्रंदिवस जपत जावें. बाहेरील माणूस किल्यांत जाईल त्याची  
चौकशी करीत जाणें, किल्याचा बंदोबस्त चांगला करावा. किल्याबाहेर शहरांत बेकार  
लोक राहात असतील, त्यांचा बंदोबस्त करणें. सारांश गोष्ट तुम्हीं इतबारी यास्तव तेथें  
रवानगी केली आहे. सावधपणें राहून बंदोबस्त चांगला राखणें, वर्तमान लिहीत जाणें.  
मोरो बाबूराव खासा, व दोन भिक्षुक ब्राह्मण, व एक आचारी, व एक ब्राह्मण, व एक  
शागीर्द, व दोन खिजमतगार बिन हत्यारी, याप्रमाणें असामी ठेऊन, भोजनाचें साहित्य  
वगैरे उत्तम करून देत जाणें, व न्हावी एक लागेल तेव्हां तुम्हीं आपणांकडील विश्वासू  
पाठवित जाणें; वरकड बंदोबस्ती चांगली वरचेवर करीत जाणें झणोन महादाजी नारायण  
यांचे नांवें.

सनद १.

परवानगी रूबरू.

९८२ ( ५७३ )—बाबूराव हरी, व सखाराम हरी अटकेस आहेत. त्यास त्यांचे  
तिसा सवैन मातुशीचें वर्षश्राद्ध श्रावण शु॥ अष्टमीस आहे, त्यास श्राद्धांबद्दल  
मया व अलफ खर्चास दर असामीस रुपये ५ पांच प्रमाणें देविले असेत. ते देऊन,  
जमादिलाखर ३० श्राद्धाचें दिवशीं पायांतील बिडी काढून श्राद्ध करवणें. श्राद्धाचे दि-  
वशीं एक दोन ब्राह्मण, व एक ग्रहस्थ, व दोन माणसें येतील त्यांस किल्ल्यावर घेऊन,

of the deceased. His fetters were ordered to be removed while perform-  
ing the ceremony.

( 981 ) Moro Báburao was sent with his attendants to prison in  
A D 1778-79 fort Ahmednagar. The officer of the fort to give him  
first class diet and to keep a very careful watch over  
him: a barber was required, a trustworthy man must be sent.

( 982 ) Baburao and Sakharám Hari were imprisoned at fort

श्राद्ध जालीयावर दुसरे दिवशीं खालीं उतरून देणें; आणि पूर्ववत्प्रमाणें उभयतांस बंदो-  
बस्तानें ठेवणें ह्मणोन.

सनदा.

किल्ले प्रतापगड.

१ जयराम कृष्ण यांस सनद कीं, बाबूराव हरी यांस श्राद्धास पांच रुपये खर्चास  
देणें ह्मणोन.

२ अर्जोजीराव ढमाले हवालदार, व कारकून किल्ले घनगड यांस सनद कीं,  
सखाराम हरी यांस श्राद्धावढल खर्चास रुपये पांच देणें ह्मणोन.

२.

परवानगी रूबरू.

१८३ ( ५८९ )—मामले कोहोज येथें वंदीवान अटकेस आहेत, त्यांपैकीं डोकीं मारा-  
तिखा सबैत वयाचीं, व शास्त्रें करावयाचीं वेगरे. कलम.

मया व अलफ.

सकर २३

डोकीं मारावयाच्या असामी.

२ खंड्या बेरड याचे पोर्गे आहेत ते.

१ फाजीलखान नूरमहमद याचा भाऊ  
यास, भिवराव येशवंत यांणीं तारापूरचे  
मुकामीहून पाठविला आहे तो, एकूण  
तीन असामींचीं डोकीं मारणें. कलम १.

शिवराम ब्राह्मण भिवराव येशवंत  
यांणीं तारापूरचे मुकामीहून पाठविला  
त्याचा जामीन घेऊन सोडणें. कलम १.

मोराजी भोई याणें भुतें घालून का  
मोराजी भोई याम मारिलें. तो मामले मज-  
कुरी आहे, त्याचा एक हात तोडून सोडणें.  
कलम १.

कडेलोट करावयाचे.

भिवराव येशवंत याणें तारापूरचे मु-  
कामीहून पाठविले ते.

१ बहादुरसिंग.

A. D. 1778-79. Pratāpṅad and Ghangad. Orders were issued to give  
them Rs. 5 each to enable them to perform the usual  
ceremonies on the anniversary of their mother's death, to remove their  
letters on that day and to admit one or two priests into the forts for  
the occasion.

( 983 ) Sentences were passed on some of the prisoners at fort Ko-  
hoj, three were ordered to be beheaded, two to be thrown  
A. D. 1778-79 down the precipice. One prisoner, Morāji Bhoi, who had  
been convicted of murdering another man through the agency of spirits  
was sentenced to have one hand cut off. Another prisoner, Rāmā Kānadā,

नारायणजी शितोळा हुजूरून सन स-  
लास सबैनांत अटकेंत ठेवण्यास पाठविला,  
त्याची सबब काय आहे ती लिहून पाठविणें.

१ देवसिंग खरकसिंगाचा कारभारी.

२

एकूण दोन असामीस कडेलोट करणें.

कलम १.

रामा कानडा ब्राह्मण ह्मणवितो, परंतु  
पुण्यांत गाईचीं पुच्छें कापीत होता; तो  
मामले मजकुरीं अटकेस आहे; त्यास कुज-  
क्या नागली पोटास देत जाणें. कलम १.

एकूण सहा कलमें करार करून हे सनद तुह्यांस सादर केली असे, तरी सदरहूप्रमाणें  
वर्तणूक करणें. व याखेरीज आणखी बंदीवान असतील त्यांचा झाडा हुजूर पाठवून देणें.  
सदरहू लिहिल्याप्रमाणें सरकारचे खिजमतगार भिवजी जगताप, व संताजी टिळेकर दोन  
असामी पाठविले आहेत, यांचे गुजारतीनें पारपत्य करून लिहून पाठविणें ह्मणोन, महा-  
दाजी रघुनाथ, मामले कोहोज यांस. सनद १.

रसानगी बरहुकूम पट.

९८४ ( ५९० ) किले सिंहीगड येथें बंदीवान अटकेस आहेत, त्यांपैकीं हुजूर आ-

तिसा सबैनां णावयाचे वगैरे येविशीं.

मया व अलफ

सफर २९

सुभाना ब्राह्मण, व मर्या जासूद हैदर  
नाईक यांजकडील फितुरी किले मजकुरीं  
आहेत, त्यांचे पायांत विडी घालून पकचा  
बंदोबस्तानें हुजूर पाठवून देणें. कलम १.

रामजी भागवत याची बायको, व  
सासू, किले मजकुरीं अटकेस आहेत. त्या  
काय निमित्त ठेविल्या तें लिहून पाठविणें.  
कलम १.

एकूण दोन कलमें करार करून हे सनद तुह्यांस सादर केली असे, तरी सदरहूप्रमाणें  
वर्तणूक करणें, याखेरीज बंदीवान किले मजकुरीं असतील त्यांची सबब लाऊन, नांव-

who though professing to be a Brahmin was caught cutting the tails of  
cows in Poona, was sentenced to be fed on rotten Nágli. The sentences  
were ordered to be carried out in the presence of two Khismatgárs  
sent from the Huzur. A complete list of the remaining prisoners  
was at the same time asked for.

( १८४ ) A similar list of prisoners, with details of their offences,

निशीवार झाडा हुनूर लेहून पाठवणें ह्मणोन, नारो महादेव किल्ले मजकूर यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

९८५ ( ५९३ ) बंदीवान तालुके, व किल्ले हाये येथें वगैरे जागीं अटकेस ठेविले  
तिसा सत्रैन आहेत, त्यांचे पारिपत्य करण्याविशीं. सनदा.

मया व अलफ  
रबिलावल ८

१ रघुनाथ सदाशिव. तालुके रायगड यांस कीं, गोपाळ सोनार ग्वाहागरकर हा सो-  
नाराचे मुलाम राघोबा विंझ्या याणें जिवें मारिला त्यांत होता, सबब किल्ले राय-  
गड येथें ठेविला आहे, त्यास दादजी कंडारा, व मोराजी झुन्या खिजमतगार,  
दिंमत तानाजी पडवळ यांस पाठविले आहेत, त्यांचे गुजारतीनें सोनार मजकुराचा  
उजवा हात तोडून सोडून देणें ह्मणोन. कलम १.

१ अर्जोजीराव ढमाले द्वाळदार, व कारकून किल्ले धनगड यांस कीं, जेन्ना मारवाडी  
नागरगांवकर भुताला, सबब किल्ले मजकुरीं ठेविला आहे. त्यास दादजी लांडगा,  
व मोराजी झुन्या, दिंमत तानाजी पडवळ, खिजमतगार यांस पाठविले आहेत,  
यांचे गुजारतीनें एक चोट कापून, त्यास सोडून देणें ह्मणोन.

१ बाबाजी भिकाजी, तालुके अमदाबाद यांस कीं, तालुके मजकुरीं हरी बलाळ यांणीं  
स्वारीतून बंदीवान पाठविले ते. असामी.

१ बाबाजी कदम.

१ संताजी भोडवा.

१ रामजी सिस्ता.

१ भवानी बिचकरा.

१ साबाजी पाडेकर.

५

A. D. 1778-79 was also called from fort Sinhgad. Two prisoners were ordered to be sent in fetters to the Huzur.

( 185 ) The following sentences were passed on certain prisoners  
A. D. 1778-79. confined in various forts:—

( 1 ) Nagya Márwadi who practised witchcraft to have one of his  
fingers cut off;

एकूण पांच असामी यांचे, राणोजी शेलार, व संभाजी मोकाता खिजमतगार, दिंमत संभाजी धायरीकर, पाठविले आहेत, त्यांचे गुजारतीनें एकेक हात तोडून त्यांस सोडून देणें ह्मणोन.

- १ बाजी गोविंद तालुके सरसगड यांस कीं, संतू पवार कोळ्याचे मळईत होता, सबब किल्ले पीरगड, तालुके मजकूर येथे अटकेम ठेविला आहे, त्यास दादजी लांडगा, व मोराजी झुन्या खिजमतगार, दिंमत तानाजी पडवळ, यांस पाठविले आहेत, यांचे गुजारतीनें पवार मजकुराचें डोकें मारून हुजूर लेहून पाठवणें ह्मणोन.
- २ नारायणराव कृष्ण, किल्ले चाकण यांस कीं, बहिरजी पवार, तुळाजी पवाराचा भाऊ, किल्ले मजकुरीं आहे, त्यास गोपाळजी शिंदे खिजमतगार, दिंमत तानाजी पडवळ, यास पाठविला आहे, त्याचे गुजारतीनें पवार मजकुराचा एक पाय तोडून त्यास सोडून देणें ह्मणोन. सनद १.
- ३ रामचंद्र कृष्ण, तालुके मुल्हेर यांस कीं, हरी बल्लाळ यांणीं स्वारींतून बंदीवान तालुके मजकुरीं सन सीत सबैनांत पाठविले ते. असामी.

१ अलावकस वलद शेख सादन गाडदी.

१ भिवजी बिन बापूजी वांडा.

३ मांग.

१ गोठ्या.

१ निंब्या.

१ सेटी.

३

५

एकूण पांच असामींचा अनाजी राजगुरू, व कबाजी नलवडा खिजमतगार, दिंमत संभाजी धायरीकर, यांस पाठविले आहेत, त्यांचे गुजारतीनें एकेक हात तोडून त्यांस सोडून देणें ह्मणोन. सनद.

- १ माधवराव कृष्ण यांचे नांवें कीं, तोफखान्यांत बंदीवान आहेत, त्यांपैकीं शासन करावयाचे असामी.

( 2 ) Bápoo Bhái who was caught robbing a Brahmin woman of her ornaments to have one hand and one foot cut off;



२ एक हात व एक पाय तोडावयाचे.

१ रामा बेरड, मालजी नाईक बेरड आळंदीकर याजकडे चाकर होता तो.

१ बदली भोई ब्राह्मणाचे बायकोच्या आंगावरील वस्त्रा चोरून नेत होता तो.

२

२ एकेक हात तोडावयाचे.

१ मल्हारी कुणबी खानापूरकर याणें चोरी केली सबब.

१ याकुबखान झारेकरी चोर झणोन ठेविला आहे तो.

२

१ भिमा मांग जागेवाडीकर याणें खंडोजी भोसला जागेवाडीकर याची घोडी चोरली, सबब त्याचा एक पाय तोडावा.

५

पांच असामी यांस, देवजी शिदा, दिमत संभाजी धायरीकर, व हस्राजी निसवण, दिमत रायाजी संकपाल, खिजमतगार पाठविले आहेत, त्यांचे गुजारीतीने सदरद्वप्रमाणें शासन करणें झणोन. सनद.

७

सात सनदा रसानगी जावता. याखेरीज बंदीवान असतील त्यांची सबब लाऊन नां-  
बनिशीवार झाडे लिहून हुन्ग पाठविणें, झणोन सनदां लिहिणें असे.

९८६ ( ६०४ ) किल्ले मजकुरी सखाराम हरी अटकेस आहेत, त्यांस पोटास शिधा

तिसा सधेन पावत आहे तो मना करून, जुन्या नागलीचे पीठ दररोज वजन पक्के

मया व अलफ ४४१ एक शेर प्रमाणें देत जाणें. पिठाशिवाय आणखी कांहीं न

रविलाखर २१ देणें. उपास करूं लागल्यास करूं देणें. मनास न आणणें. नवी बेडी

येथून पाठविली आहे ही सखाराम हरी यांचे पायांत घालून, पक्के बंदोबस्तानें ठेवणें. वि-

( 3 ) Malhári kunbi who committed theft to have one hand cut off;

( 4 ) Other prisoners ( named ) were to be beheaded, or have hands or feet, or both cut off as ordered in each case.

( 986 ) The officers of fort Ghangar were directed to give prisoner

A. D. 1778-79. Sakharām Hari one seer of old Nāgli Hour and nothing else, in lieu of the ration previously given to him, to let

ढीचा खिळा दररोज तुम्हीं पाहत जाणें, ह्मणोन, अर्जोजीराव ढमाले, हवालदार व कार-  
कून, किल्ले घनगड यांचे नावें. सनद १.

परवानगी खबरू.

९८७ ( ६०५ )—बाबूराव हरी किल्ले प्रतापगड येथें अटकेस आहेत. ते किल्ले सुया-  
तिसा सैन रगड, तालुके सुवर्णदुर्ग, येथें अटकेस ठेवावयाचे करून हे सनद  
मया व अलफ तुळांस सादर केली असे, तरी तुम्हीं तालुके मजकुरीहून पन्नास माणूस,  
रविलाखर २३ व शाहाणा कारकून प्रतापगडास पाठऊन, बाबूराव हरी यास घेऊन  
जाऊन किल्ले सुयारगड येथें पक्के बंदोबस्तानें अटकेस ठेवणें; आणि पोटास शेर देत जाणें.  
जयराम कृष्ण यास सरकारचें पत्र अलाहिदा सादर केलें असे, तरी पत्र पावतांच तुम्हीं  
त्यांजकडे लोक, व कारकून पाठऊन, सदरहू लिहिल्याप्रमाणें मशारनिल्लेस घेऊन जाऊन  
किल्ले मजकुरी पक्या बंदोबस्तानें बेडीसुद्धां ठेवणें ह्मणून, मोरो बापूजी यांस. सनद १.

येविशीं जयराम कृष्ण किल्ले प्रतापगड यांस कीं, मशारनिल्लेकडून लोक, व कारकून  
तालुके सुवर्णदुर्गाहून तुळांकडे येतील त्यांचे हवालीं बाबूराव हरी यांस करून कबज घेणें  
ह्मणून. सनद १.

२

रसानगी, वाजी बल्लाळ कारकून, दिमत जयराम कृष्ण.

मशारनिल्लेची स्त्री प्रतापगडास आहे, ते त्याजबरोबर आल्यास घेऊन जाऊन दोघांस  
एक जागा ठेवणें ह्मणून मोरो बापूजी यांचे सनदेंत लिहिलें असे; व जयराम कृष्ण यांचे  
सनदेंत मशारनिल्लेची स्त्री किल्ले मजकुरी आहे, ते त्याजबरोबर जात असल्यास सुयार-  
गडास रवाना करणें, जात नसल्यास तिचे घरास पोहोंचाऊन देणें ह्मणोन लिहिलें असे.

९८८ ( ६४१ )—सखाराम हरी किल्ले मजकुरी अटकेस आहेत. त्यांचे पायांत बिडी  
समानीन थोर आहे ती काढून, लहान बिडी घालणें, व महिना पंधरा दिवशीं  
मया व अलफ हजामत करवीत जाणें; बायको, व लहान पुत्र, व कुणबीण एक  
मवाल १३ लहान पोरगी, अशीं तिघें पुण्याहून जातील. त्यास किल्यावर घेऊन

him starve himself if he chose to do so, and to put on his legs the new  
fetters sent from the Huzur.

( 987 ) Bāburao Hari a prisoner at Pratāpḡad was ordered to be  
A. D. 1778-79 sent to fort Suryāḡad. His wife who was with him was  
allowed to accompany him if she chose, otherwise she  
was ordered to be sent home.

( 988 ) Orders were issued to the officer of fort Ḡhangad to remove

मशारनिलहेजवळ ठेवणें; आणि मशारनिलहेस, व बायकोस शिधा मध्यम प्रत, व कुणबी-  
णीस शेर शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें. औषधें वगैरे लागल्यास तुझांजवळ सांगतील, त्याप्र-  
माणें चौकशीनें आणून देत जाणें ह्मणोन, अर्जोजीराव ढमाले हवालदार, व कारकून किले  
घनगड यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी याद.

९८९ ( ७४० )—चिमणाजी दलपतराव, संस्थान पेट, हे किले त्रिंबक, तालुके मज-  
हसने समानीन कूर, येथें अटकेस आहेत. त्यांस त्रिंबक अनंत गोडबोले यांचे विद्य-  
मया व अलफ मानें गंगापुरांत ठेवावयाचा करार करून दरमहा खर्चास रुपये २५०  
सफर १२ अडीचशें देविले अमेत, तरी तालुके मजहूरपैकी देत जाणें. मशार-  
निलहेनीं फंदफितूर करून नये येविशी पक्का जामीन त्रिंबक अनंत यांचे विद्यमानें घेणें  
ह्मणोन, धोंडो महादेव यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

९९० ( ८१० )—अर्जोजीराव ढमाले हवालदार, व कारकून किले घनगड यांचे नांवें  
अर्वा समानीन सनद कीं, ब्राह्मण बायका किले मजकुरी अटकेस आहेत, त्यांस  
मया व अलफ लुगडीं, व चोळ्या व पांघरावयास कांबळीं, सरदीनी जागा याजक-  
रमजान १४ रितां देविली पाहिजेत ह्मणोन लिहिलें, त्याजवरून बायका असामी.

१ कृष्णी.

१ कोंडी.

१ दारकी कायस्तीण.

१ कृष्णी पैठणकरीण.

४

A. D. 1779-80. the heavy fetters put on Sakharām Hari and to sub-  
stitute lighter ones in their place and to have him  
shaved every month or fortnight. Permission was also given to admit  
into the fort his wife, an infant son and a female servant and to allow  
them to stay with him. The officer was directed to supply him with  
such medicines as might be required.

( 989 ) Chimpaji Dalpatrao of Sansthân Peth who was a prisoner  
at fort Trimbak was allowed to reside at Gangapur on  
furnishing sufficient security.

( 990 ) Clothes consisting of 2 saris worth Rs. 2 each and 4

एकूण चार असामीस लुगडीं बगैरे द्यावयाचीं त्यांची किंमत. रुपये.

१६ लुगडीं, दर असामीस २ प्रमाणें लुगडीं सुमार ८ दर २ प्रमाणें. रुपये.

२ चोळ्या, दर असामीस ४ प्रमाणें सुमार १६ दर ४= प्रमाणें. रुपये.

२ कांबळ्याबद्दल दर असामीस रुपया ॥० प्रमाणें. रुपये.

२०

एकूण वीस रुपयांची सदरहू लिहिण्याप्रमाणें सनगें देविलीं असेत. तरी खरेदी करून देणें. मजुरा पडतील ह्मणोन. सनद १.

परवानगी करार.

९९१ ( ८८६ )—अर्जोजीराव ढमाले हवालदार, कारकून किल्ले घनगड यांचे नांवें खमस समानीस सनद कीं, रामचंद्र गोविंद, माजी कारखानीस किल्ले मजकूर, हा मया व अलफ अपराधी. सबब किल्ले विसापूर येथें अटकेस आहे. त्याचा लेक जमादिलाखर २८ गोविंद रामचंद्र बारा वर्षांचा किल्ले मजकुरीं तुझांजवळ अटकेत आहे. त्यास सोडावयाविशीं त्याचे आईनें हुजूर रदबदली केली, सबब सोडावयाचा करून हे सनद तुझांस सादर केली असे, तरी गोविंद रामचंद्र यास पोटाखर्च रुपये २७।= सवा सत्तावीस तीन आणे जाहला आहे ह्मणोन तुम्हीं लिहून पाठविलें, त्यास पोटाखर्चाचे सदरहू रुपये, व जामीन घेऊन सोडून देणें ह्मणोन. सनद १.

रसानगी याद.

९९२ ( ९०३ )—माधवराव कृष्ण भिंगारकर हे किल्ले चावंद, तालुके शिवनेर येथें

A. D. 1783-84. boddices worth Rs. 0-2 each and one blanket worth Rs. 0-8-0 were ordered to be supplied to each of the 4 female prisoners at fort Ghanagad.

( 991 ) Ramechandra Govind Karkhannis of fort Ghanagad having been accused of some offence was imprisoned himself at fort Visapur, and his son Govind, aged 12 years, at fort Ghanagad. At the intercession of the boy's mother Govind was released. It was ordered that diet expenses should be recovered and that a surety should be taken.

( 992 ) Mathavrao Krishna, a prisoner in fort Chawand, being old

सीत समानीन अटकेंत आहेत, त्यास मशारनिल्ले वृद्ध, व अशक्त, सबब त्यांची  
मया व अलफ स्त्री त्यांजवळ राहणार, त्यास किल्ले मजकुरी मशारनिल्लेजवळ ठेऊन  
जिल्ह्याद ३० पोटास शेर शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें झणून, बाळाजी महादेव यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी याद.

९९३ ( १०८४ )-मंडाजी गांध्या, मौजे टाकळी, तर्फे माहूर, व हरी पारगांवकर  
अबां तिमैन यांणीं मौजे मजकुरी दावे करून जलेत केली, सबब किल्ले नारायणगढ  
मया व अलफ येथें अटकेस ठेविले आहेत. त्यास पोटागीचा ऐवज द्यावयास ताकत  
मोहरम २१ नाहीं म्हणोन तुझीं हुजूर विदित केलें, त्यास त्याजपासून जीवन  
पाहोन ऐवज उत्पन्न होईल तो घेऊन, सरकारहिशेबी जमा करणें; आणि हरदूजणांस  
जामीन घेऊन सोडून देणें झणोन, रामचंद्र शिवाजी यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी याद.

९९४ ( ११११ )-मोरो बापूजी यांचे नांवें सनद की, तुझीं छ. २५ जिल्हेजचें  
खमस तिमैन विनंतिपत्र पाठविलें तें प्रविष्ट जाहलें. पाद्री वैद्य पुण्यांत होता त्याचा  
मया व अलफ भाऊ, मुशाबुरुज फिरंगी, परशराम रामचंद्र याजवळ लष्करांत  
मोहरम १३ चाकरीस होता, त्याची व दुसरे जमातदार यांची कटकट जाहाली,  
तेव्हां दोघे पाहारेयांत ठेविले. नंतर एक सोडला. फिरंगी मजकूर यास किल्ले धारवाड  
येथें लष्करांतून अटकेंत ठेविला, त्यास चौकशीकरितां सरकारी अपराध विशेष नाहीं;  
पोटास शेर, व चौकीस दहा वारा असामी आहेत, खर्च होऊन उपयोग नाहीं, त्याची

A. D. 1785-86. and infirm, his wife asked permission to reside with him in the fort. The permission was granted and the fort officer was directed to arrange for her diet.

( 993 ) Mandaji Gandyā of Takli in Māhur and Hari Pārgaonkar, two incendiaries who were imprisoned in fort Nārāyaṇ-gaḍ were unable to pay for their maintenance and the charge therefore fell on Government. Orders were issued to levy from them such amount as could be recovered and to set them at liberty after taking security.

( 994 ) A Portuguese serving in the army under Parashrām Rām-chandra, who was the brother of a Christian Doctor in Poona, having quarrelled with another officer, both were imprisoned. One of them was subsequently released but the other, viz. the Portuguese, remained in custody at Dhārwar. Moro Bāpuji

जबानी सेवेशीं पाठविली आहे, जामीन मिळत नाही, त्यास सोडावयाची आज्ञा व्हावी; व आणखी एक दोन असामी अटकेंत आहेत, आज्ञा जाहल्यास अन्याय पाहून फडशा करीन झणानं लिहिलें, त्यास अपराधाची चौकशी चांगली करून फिरंगी मजकूर यास सोडून देणें, व आणखी एक दोन बंदीवान असतील त्यांचा अपराध असेल तसें पारपत्य करून, गुन्हेगारी घेऊन सरसुभांचे हिशेबीं जमा करणें; आणि जामीन ध्यावयाजोगे असतील त्यांचा जामीन घेऊन अपराधी अटकेंत आहेत त्यांस सोडून देणें झणोन. सनद १.

रसानगी, त्रिंबक नारायण परचुरे कारकून निसबत दफ्तर.

## ८. सरकारी कामगार, व जहागिरदार यांचें गैरवर्तन. नारो आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

९९५ ( ६२ )—तालुके कल्याणभिवडी, व तालुके नेरळ देखील परगणे नसरापूर, अर्बा खैम व तर्फे चोण, येथील पेशजीं रामाजी महादेव यांचे कारकीर्दींत सुटी मया व अलफ पडल्या आहेत, त्यांची चवकशी माजी मामलेदारांनीं करून फडशा रबिलावल २१ केला नाही, त्यास हल्लीं सुटीची चवकशी झाली पाहिजे, यास्तव याचा एक्कीयार तुळांवर आहे, तरी तुर्ही बहुत रीतीनें चवकशी करून, कोणाची खरयात न धरितां, खरतीस सूट पडोन दरम्यान ऐवज राहिला असेल, त्याचा बारीक शोध करून, लोभ न धरितां, व भीड संकोच न पडतां, सुटीचा ऐवज होईल तो साधावा. चवकशी करून हुजूर आणून समजावाल त्याप्रमाणें फडशा होईल, दार असेल तो वसूल घेणें, नादार असेल तो हत्तेबंदी लाऊन वसुलांत आणणें, व केवळ बुडीत, व गयाळ असेल, व वसूल करावयासी ठिकाणच नाही असें असेल तें हुजूर आणून समजावणें. समजोन

now reported that on inquiry he did not consider that the Feringee was much to blame, and recommended that as it was no use incurring the expense of feeding and guarding him, and as he was unable to find a surety, he might be set at liberty. The recommendation was accepted.

## VIII. Misconduct of Government officers and Jahágirdárs.

### FROM NÁRO APPÁJIS DIARY.

( 995 ) It was found that no inquiries had been made by the former  
A. D. 1778-74. Mámlatdár regarding the remissions granted from time to time to the ryots of Táluká Kalyán Bhiwandi and Táluká Neral. A special officer was appointed to look into the matter. He was directed to make a very thorough and impartial inquiry and ascertain how much of the amount of sanctioned remissions had been

फडशा करणें तो केला जाईल, झणोन सालगुदस्तां हुजूरून करार जाला, त्यावरून सुटीची चवकशी करून, ऐवज ध्यावयाचा ठराऊन, दार, नादार, गयाळ, मयत यांचा झाडा तपशिलवार निवडून त्याप्रमाणें वसूल ध्यावा, तरी सरखोत, व फुटखोत पुढें सुटीचा कज्या राहिला नाही झणोन कबजे मागतात, झणोन तुझी हुजूर विदित केलें; पेशास सालमजकुरी सुटीचे ऐवजीं मामलेदारापासून कर्ज रुपये ५०००० पन्नास हजार ध्यावयाचे करार केले आहेत, त्याप्रमाणें मामलेदार हुजूर भरणा करतील ते, व पेशजीं रामाजी महादेव, व दिनकर महादेव, यांजपासून सुटीचे ऐवजीं कर्जदाखल रुपये ३५००० पस्तीस हजार सरकारांत घेतले आहेत ते, एकूण पंचायशी हजार रुपये ज्यांचे त्यांस पोहोंचले पाहिजेत, त्यास सालगुदस्तां सुटीची चवकशी तुझी केली. त्यांपैकी दार कुळांचा ऐवज वसूल घेऊन सालमजकुरी पन्नास हजार रुपये मामलेदारांपासून ध्यावयाचा करार जाला आहे त्या ऐवजीं घेणें. नादार कुळांकडील तूर्त ऐवज यावयाचा नाही. त्यांचें जीवन पाहून हमेबंदी करून, तो ऐवज पेशजीं रामाजी महादेव, व दिनकर महादेव, यांजपासून पस्तीस हजार रुपये घेतले आहेत त्या ऐवजीं वसुलास नेमून देणें. नादारपैकीं एक दोन असामींचें फाजील सरकारांत मामलतसंबंधें येणें आहे, त्या ऐवजीं सुटीचा ऐवज त्या असाम्यांकडे ठरेल तो रदकजीं लिहिणें. गयाळ मयताचा झाडा हुजूर आणून समजावणें. सुटीपैकीं ज्या कुळांपासून वसूल ध्याल त्यांस पुढें सुटीचा लांड्या राहिला नाही झणोन जाब सरमुभ्याहून लिहून घेणें. येणेंप्रमाणें सुटीचा फडशा करून जावता हुजूर समजावणें, त्याप्रमाणें विच्छेस लागेल. चवकशीमुळें पंचायशीं हजारांस ऐवज न पुरला तर, मागील मामलेदारांनीं सुटीपैकीं ऐवज साधणूक करून घेतला असेल, त्याची रुजुवात करून पस्तीस हजारांचें रदकजीं लिहिणें झणोन, त्रिबक विनायक सरसुभा प्रांत कोंकण यांचे नांवें. छ. १४ जिच्चेज.

सनद १.

रसानगी यादी.

९९६ ( १८९ )—वेदशास्त्रसंपन्न राजश्री रघुनाथ दीक्षित यांचे नांवें कीं, मकाजी

collected from the ryots and misappropriated by the officers. In cases in which the person concerned in the fraud was able to repay the money misappropriated it should be recovered from him. If he was not able to pay, an agreement for the payment of the money by instalments should be taken. Cases in which the officers concerned were in extremely poor circumstances should be reported to the Government for orders.

( 996 ) Makáji Teli of kasbá Khed owed some money to his creditors. They handed over the documents regarding the loan to Raghunáth Dixit. He forcibly recovered the

A. D. 1774-75.

खमस सवैन      तेली, कजवे खेड, यानें हुजूर विदित केलें कीं, आपण सावकाराचें  
मया व अलफ      कर्ज देणें आहे. बारावयासीं आवाकांत नाहीं, असें असतां रघुनाथ  
रबिलाखर ५      दीक्षित याणीं माझे सावकारांचीं स्वतें घेऊन मजला फार सक्त तगादा  
करून मजपासून ऐवज उगऊन घेतला.

६०० मल्हार भट पाठक, पुणेंकर, यांचे मुद्दल रुपये २०० त्याचा वसूल घेतला.  
बरहुकूम.

३०० भटजीस दिले रुपये.

३०० दरम्यान आपण घेतले रुपये.

६००

४० महादेव भट दातार, खेडकर, यांचे मुद्दल रुपये २५ त्याचा वसूल तपशील.

१७ कान्हूचा कुणबी बनजाजी याचे मुद्दल रुपये १२ त्याचा वसूल.

३९ रामकृष्ण भट वैशंपायन यांचे मुद्दल रुपये १५ त्याचा वसूल.

१५ आपा सराफ, खेडकर, यांचे मुद्दल रुपये १० त्याचा तपशील.

७११

एकूण सातशें अकरा रुपये वसूल घेतला, त्याची चवथाई सरकारांत घावी तेही न दिव्ही, आपणच मध्यें रुपये खाऊन मज गरीबास तसदी देतात. हल्लीं महिपतराव देशपांडे, चाकणकर, यांजपासून एकशेंचोवीस रुपयांचें माझें स्वत घेऊन, त्यांचें तीनशें रुपये देणें झणोन तसदी केली आहे, याजमुलें मी परागंदा होऊन फिरतो. लोकांची स्वतें घेऊन यास तसदी न देणें, झणोन पेशजीं सरकारचें पत्र सादर जाहलें असतां मानीत नाहींत, मजला जबरदस्तीनें बुडवितात. येविसींची आज्ञा जाहली पाहिजे झणोन; ऐशीयास एकवेळ तुझांस सरकारांतून ताकीदपत्र सादर जाहलें असतां फिरोन लोकांचे कर्जाकरितां या गरीबास तगादा करून देशधुडी लाविला हे कोण रीत? दरमियान रुपयेही गरीबांचे खातां हें परिच्छिन्न, उत्तम नसे. हल्लीं हें पत्र सादर केलें असे, तरी या उपरीं असे तगाद एकंदर न करणें. पेशजीं सातशें अकरा रुपये वसूल घेतला आहे, त्यापैकीं दरम्यान

amount due but did not pay one fourth of it to Government. He further tried to compel Makáji to pass a bond for Rupees 300, in consideration of a sum of Rupees 124 obtained by him from Mahipatrao Deshpande of Chakan. Makáji therefore left the village and complained to the Peshwa who issued orders to Raghunáth to stop oppressing the man. The orders were set at naught and the man complained again. Raghunáth Dixit was severely reprimanded for his conduct and was directed not



तीनशें रुपये घेतले आहेत ते, व बाकी चवथाई हुजूर पाठऊन देणें, येविशींचा बोभाट फिरोन हुजूर न येत असें करणें झणोन. चिटणिसी. छ. २६ मोहोरम. पत्र १.

### मुतालिक ह्यांचे रोजनिशीपैकीं.

९९७ ( १ )—निंबाजी व तान्हाजी महाजन, कसबे नसिराबाद, परगणे मजकूर, याणें खमस सवैन हुजूर विदित केलें कीं, आपलें कर्ज काळो बाबाजी कुळकर्णी, कसबे मया व अलफ मजकूर, यांजकडे येणें होतें तें नारो केशव, दिमत कमाविसदार, साधान १२ परगणे मजकूर यांणी चौकशी करून चौथाई सरकारांत घेऊन आपलें कर्ज वसूल करून दिलें. त्यास हल्लीं नारो केशव दूर होऊन, मशारनिल्हेचे तर्फेनें हिराजी रणसोड परगणे मजकुरीं आले आहेत. ते कुळकर्णी मजकुराची बळासी करून कर्जापैकीं कुळकर्ण्याकडील ऐवज आपल्यास पावला आहे, तो माभारा देवितात. येविशीं ताकीद जाली पाहिजे झणोन; त्याजवरून हें पत्र तुझांस सादर केलें असे, तर वाजवी कर्ज असतां चवथाई सरकारांत घेऊन निकाल करून देविला, तो फिरोन मनास आणाव-यास प्रयोजन काय ? तर महाजनास कर्जाचा तगादा न करणें, व याखंरीज महाजनाचें कर्ज लोकांकडे येणें तें वाजवी मनास आणून चौथाई सरकारांत घेऊन कर्जाचा निकाल करून देवणें. फिरोन बोभाट येऊं न देणें झणोन, हिराजी रणसोड, दिमत महादाजी केशव कमाविसदार, परगणे मजकूर, यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

९९८ ( ३४२ )—फकीर महमद माजी कमाविसदार, मौजे केम, परगणे वांगी, याज-

to molest the man and to remit to Government a fourth of the loan recovered by him.

### FROM THE MUTÁLIK'S DIARY.

( 997 ) A debt due to Nimbáji and Tánáji Mahájan of Nasirábád from Kálo Bábáji Kulkarni was recovered for them by Náro Keshav, an agent of the Kamávisdár, and a fourth of it was as usual credited to Government. Náro Keshav was subsequently recalled by the Kamávisdár and Hiráji Ransod was appointed in his place. Hiráji siding with the Kulkarni asked Nimbáji and Tánáji to restore to the Kulkarni the money levied by them. They applied to the Huzur. Hiráji was informed that his action in raking up an old matter was improper, and he was directed not to press Nimbáji and Tánáji to return the money.

### FROM JANÁRDAN APPÁJI'S DIARY.

( 998 ) The Mokádams of Kem in Parganá Wángi laid a complaint

सवा सबैन कडे तुझी अन्याय लाऊन द्यावे, अन्याय लाऊन न दिल्यास रुपये  
मया व अलफ पांच हजार रुपये गुन्हेगारी सरकारांत तुझी द्यावी, याप्रमाणें सन  
रमजान २९ खमस सबैनांत कबूल केलेंत; त्याजवरून कलमें लागू करावयाची  
चौकशी कमळाकर भास्कर याजकडे सांगितली; त्याणीं मनास आणितां कलमें लागू न जा-  
हली, तुझीं खोटे पडलेत, सबब सदरहू पांचहजारांची वरात राणूजी नाईक निबाळकर  
यांची सालगुदस्त बापूजी जैन कमाविसदार, मौजे मजकूर, यांजवर करून ऐवज सरकारांत  
घेतला असे, तरी सदरहू पांच हजारांचे व्याजसुद्धां बापूजी जैन यांस पावते करून कबज  
घेणें झणोन, मोकदम मौजे मजकूर यांस छ. १२ रजब. सनद १.

रसानगी अजमास.

९९९ ( ४६२ )—त्रिंबक कृष्ण व भवानी हरी कमाविसदार, तर्फ हवेली, प्रांत  
समान सबैन संगमनेर, यांस पत्र कीं, शिंपी, रंगारी, साळी बगैरे उदमी रयत  
मया व अलफ कसबे संगमनेर यांणीं हुजूर विदित केलें कीं, कमाविसदाराकडून, व  
जमादिलाबल १० कसबे मजकूरचा केराजी पाटील गुंजाळ यांजकडून आपल्यास जाजती  
उपद्रव लागतो, त्याचा बंदोबस्त सरकारांतून जाह्यास आमची नांदणूक होईल; नाही तरी  
होत नाही; त्याजवरून याचें वर्तमान मनास आणून कलमें करार करून दिली असेत.  
बीतपशील.

| किता.                                                                                                   | कलमें. | किता.                                                                        | कलमें. |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|------------------------------------------------------------------------------|--------|
| १ कसबे मजकूरचे उदम्यांपासून गुदस्तां<br>मोहोतफर्याशिवाय एकसालां पट्टी<br>सरकारांत घेतली असतां सालमजकुरी |        | १ कसबे मजकूरचे उदमी बाजारास पर-<br>गणे मजकुरी जातात, त्यांस मना<br>करूं नये. | कलम.   |

A. D. 1776-77. against the late Kamávisdár of the village, Fakir Mahomed, and agreed to forfeit Rs. 5000 to Government if they failed to substantiate it. Kamlákar Bháskar was then deputed to inquire into the matter, and he found that the charges were not true. The complainants were therefore directed to pay in the amount agreed upon.

( 999 ) The tailors, dyers, weavers and other traders of Kasbá Sangamner represented that they were much harassed by the Kamávisdár and by Keroji Pátíl. The Kamávisdár was therefore addressed as follows:—

( 1 ) The levy in the preceeding year from the traders, in addition to Mohotarf, was for one year only: It should not be made in the current year;

दुसरे पट्टीचा तगादा केला आहे तो न करणें; वसूल घेतला असेल तो माघारा देणें. कलम.

१ आंबराईचे कलमांचा ऐवज मागों नये; मुदामत याची चाल कशी आहे ते सरकारांत समजाऊन घ्यावी; मनास आणून आज्ञा येईल त्याप्रमाणें वसूल घ्यावा, फडशा होई तोंपर्यंत वमुलाचा तगादा न करणें. कलम.

१ मोहोतफर्याशिवाय अलीकडे रुपये सहाशें काळीचे तोट्यास घेतां, त्यास त्याचें कारण सरकारांत समजाऊन घावें; मनास आणून आज्ञा होईल त्याप्रमाणें वर्तणूक करावी, याचा ठराव होई तोंपावेतो वमुलाचा तगादा न करणें. कलम.

३ हरएक बेगार कसबे मजकूरचा पाटील घेतो ते लाऊं नये.

१ हजीर बेगार.

१ काळीची बेगार हरएक कामाची कसबे मजकुरी पडत्ये, ते काळीपासून घ्यावी, उदम्यांजवळ घेऊं नये.

१ तड्डु बैल बेगारीचे घेणें ते तर्फ हवेलीचे सरहद्देपावेतो घ्यावे, दूरचे बेगारीस घेऊं नये.

३

१ कापड व हरजिन्नस तुक्की घेतां, त्याची किंमत उदम्याचे निरखाप्रमाणें घ्यावी.

( 2 ) no amount should be levied on account of mango trees: the previous practice in this matter should be reported and orders would then be issued;

( 3 ) explanation should be furnished as to why Rs. 600 were levied annually from the traders in addition to Mohotarfi to make up the loss in the land revenue,

( 4 ) the levy should be postponed till the matter was finally decided by Government;

( 5 ) handkerchiefs should be taken from the dyers and tailors only once on the Dasará day, not monthly;

( 6 ) the traders should not be prevented from attending other markets in the Parganá;

( 7 ) the traders should not be compelled to render forced service for the following purposes:—

( a ) for carrying furniture from one place to another,

( b ) for purposes connected with land-revenue administration; similarly the traders should not be called upon to supply ponies and bullocks for service gratis, except when required for use upto the limits of Tarf Haveli and no further;

१ दसरेयाचे रुमाल शिंपी, रंगारी, यां-  
जपासून दसऱ्यास धावयाचा कायदा  
आहे, त्याप्रमाणें एक वेळ ध्यावे; बार-  
माही रुमालांचा उपद्रव न करणें.

कलम.

४

१ तेलीयाची पेंड कसवे मजकुरी वि-  
क्त नाही, सबब बाहेर विकान्यास  
नेतात; त्यास सुदामत जकात ध्याव-  
याचा शिरस्ता नसिल्यास न घेणें.

कलम.

१ सराफांपासून खुर्दा घेणें तो खरेदीचे  
निरखानें ध्यावा, सराफांस खुर्दा देणें  
तो विक्रीचे निरखाप्रमाणें धावा.

कलम.

३ किता कलमें.

१ चरुरंगाचे सतेल्.

१ पडदा खादीचा.

१ मेण.

३

तीन कलमें घेऊं नयेत.

१०

येणप्रमाणें चवदा कलमें लिहिल्याप्रमाणें करणें, व कॅरोजी पाटील यास अलाहिदा  
सरकारचें आज्ञापत्र सादर जाहलें आहे, त्याप्रमाणें पाटील मजकुरास वर्तवणें, जाजती  
उपसर्ग करूं न देणें. येविशीं फिरोन बोभाट येऊं न देणें झणोन. चिटणिसी. पत्र १.

१००० ( ५४६ )—मोरोबा देव याचें नांवें पत्र कीं, मौजे रांजणगांव, तर्फ पावल

( ८ ) full value according to the prices current, should be paid for  
any clothes or other articles purchased by the Kamávisdár;

( ९ ) if it should be the custom to exempt oil cakes carried by oil-  
men for sale elsewhere from octroi the custom should be  
respected. The Kamávisdár was directed to act up to these in-  
structions himself and to see that they were obeyed by Keroji  
Pátíl also and it was stated that complaints in these matters in  
future would not be tolerated.

( 1000 ) Morobá Dev, a Kamávisdár of Ránjangaum Tarf Pábal was

समान सबैत  
मया व अलफ  
सफर २६  
प्रांत जुन्नर, येथील निमे अंमलाची कमावीस तुम्हांकडे होती, त्यास तुमचें व गांवकरी यांचें बनत नाही, यास्तव कमावीस दूर करून विष्णु महादेव याजकडे सांगितली असे, तरी मशारानिष्ठे अंमल करितील, तुम्हीं दखलगिरी न करणें झणोन, चिटणिसी छ. २८ जिल्हेज. पत्र १.

१००१ ( ५५१ )—पांडुरंग कृष्ण यांचे नांवें सनद की, परगणे लोहनेर, वासारी, समान सबैत  
मया व अलफ  
रविलावल २२  
बोतूरपाळे, येथील तेजकरी यांचे रुजुवातीस तुम्हांस पाठविलें आहे, त्यास कोणाची रुखात न करितां रुजवात चांगली करणें, फिरोन रुजवातीची चौकशी करावी लागेल असें न करणें; व सदरहू महा-लाचे साहुकार, वाणी, उदमी, यांजपासून कर्जपट्टी ध्यावयाची आज्ञा पेशजी तुम्हांस केली आहे, त्यास कर्जपट्टी जीवन पाहून वासुदेव नारायण व जगदीश व्यंकटेश कमाविसदार परगणे मजकूर यांचें विद्यमानें ठरावीत जाऊन वसूल घेणें. आजपर्यंत कर्जपट्टीचा ऐवज वसूल जाहला असेल तो हुजूर पाठवणें, व पुढें होईल तोही हुजूरच पाठवीत जाणें. या ऐवजावर वराता जाहल्या असतील त्यास ऐवज न देणें, झणोन. सनद १.

रसानगी यादी.

१००२ ( ७०४ )—निंबाजी देवजी देशपांडे आकोलेकर, निसबत महादजी शिंदे, समाननीन  
मया व अलफ  
रजब २३  
यांणीं हुजूर विदित केलें कीं कसबे मजकूर येथें आमचे घरीं फाल्गुन वद्य पंचमीस सालगुदस्त लग्न जाहलें, ते दिवशीं शामाबाई ब्राह्मण-बाईको पाहुण्यांचे स्वयंपाकास ठेविली होती; तिजला न्यावयासी गावकरी, कमाविसदाराची परवानगी घेऊन आले, तेव्हां ती घराबाहेर निघाली; त्याजवर तिची अब्रू त्यांणीं घेतली, सबब तिणें प्राण दिव्हा; त्याचे चौकशीस हुजूर उभयतां

A. D. 1777-78. removed from office because he was not on good terms with the villagers.

( 1001 ) Pán-lurang Krishna was deputed to make full and impartial inquiry regarding peculations in Parganá Lohner, Wakhari, Woturpale. He was also directed to recover *karyputti* from merchants and traders.

( 1002 ) Nimbáji Dewaji Deshpande of Akola engaged Shámá a Brahmin woman, as a cook for a marriage-feast. One day, the village officers, under orders from the Kamá-visdár came to take her away, and when she came out of the house, they outraged her modesty. She therefore committed suicide. Visáji Hari and Dhondo Náráyan were sent from the Huzur to inquire into the matter. They levied from Nimbáji Rs. 100 as process fee, and in-

मशारनिल्ले यांस पाठविलें आहे, त्यास त्याणीं, तिजला बाहेर काढून कां दिल्लें हें नित्य ठेऊन मजपासून शंभर रुपये मसाला घेतला, व एक हजार रुपये गुन्हेगारीचे लाविले आहेत; त्यास ती मोलकरीण, तिजला आपण अडथळा कसा करावा; ती आपले संतोषें निघोन बाहेर गेली, येविशींचा अपगध मजकडे नाही, मसाला व गुन्हेगारी माफ केली पाहिजे ह्मणोन; त्याजवरून मनास आणून रदबदलीमुळे गुन्हेगारीचा ऐवज मशारनिल्लेस माफ केला असे; तगादा न लावणें; शंभर रुपये मसाला घेतला आहे, त्यापैकी पन्नास रुपये माघारी देविले असत; देणें, आणि यांचे घरीं माणसें बसविलीं असतील ते उठवणें ह्मणोन, विसाजी हरी, व धोंडो नारायण यांस. सनद १.

रसानगी यादी.

१००३ ( ७७४ )—गणेश बल्लाळ व हरी गणेश यांचे नांवें सनद कीं, तालुके अव-  
चलास समानीन चित्तगड व बीरवाडी येथील मामलत, बाबूराव पासलकर, व विश्व-  
नाथ भास्कर यांजकडे होती, ते त्यांजकडून दूर करून सालमजकुरी  
मया व अलफ नाथ भास्कर यांजकडे होती, ते त्यांजकडून दूर करून सालमजकुरी  
सवाल १९ तुम्हांकडे सांगितली असे, तरी इमानें इतबारें वर्तोन अंमल चौकशीनें  
करणें. मामलत संबंधें कलमें.

मामलत संमंघें तुम्हांपासून रसद सर-  
कारांत घ्यावयाचा करार. रुपये.

२५००० तालुके अवचितगड. रुपये.

१०००० तालुके बीरवाडी. रुपये.

३५०००

बाबूराव पासलकर व विश्वनाथ भास्कर  
यांजकडे तीन सालां मामलत होती. त्यास  
जमाखर्चाची, व कमाविसीची वगैरे कुल-  
कलमांची चौकशी करून घ्यावयाची रावजी  
पांडुरंग यांणीं करार केला आहे, त्या-  
ऐवजी तुम्हांपासून रुपये २०००० बीस

flicted on him a fine of Rs. 1000, on the ground that he turned the woman out of his house. He complained to the Peshwā, urging that the woman left his house of her own accord, and that he had no power to stop her. The fine was remitted and half the amount of the process fee was ordered to be refunded.

( 1003 ) The Māmlat of Tālukā Avchitgāḍ and Birwāḍi was taken away from Bāburāo Pāsalkar and Viśwanāth Bhāskara and conferred on Gaṇesh Ballāl and Hari Gaṇesh. The salary of the office was Rs. 2209 The previous Māmlatdārs held office for three years and it was alleged by Rāwji Pāndurang that they had during that period obtained by false accounts and by

याशी मुदती.

२५००० श्रावण वद्य पंचमी.

५००० भाद्रपद वद्य पंचमी.

९००० अश्विन वद्य पंचमी.

३५०००

एकूण पस्तीसहजार रुपये सदरहू मुदतीप्रमाणे सरकारांत भरणा करून पावली-याचा जाब घेणे. कलम १.

तुम्हांस घेतनाची नेमणूक माजी माम-लेदाराप्रमाणे. रुपये.

१७५९ तालुके अवचितगड येथील माम-लतीचे वेतन रुपये.

१७५० नक्त मोईन पालखी-मुद्धां. रुपये.

९ तेल दिवटीस दरमहा वजन पके ४४३।।।

प्रमाणे बारमाही वजन पके ४१८५

दर रुपयास वजन ४४५ प्रमाणे. रुपये.

१७५९

४५० तालुके बीरवाडी येथील मामल-तीचे वेतन.

२२०९

एकूण दोन हजार दोनशेंनऊ रुपये सालमजकूर अवल सालापासून करार केले असेत. घेत जाणें. कलम १.

हजार रुपये सरकारांत घ्यावयाचे करार केले असेत, तर भाद्रपद वद्य पंचमीचे मुदतीने सरकारांत भरणा करून पावली-याचा जाब घेणे. कराराप्रमाणे तफावत लागू जाहाली तर सदरहु वीस हजार रुपये मामलतीकडे रसदेत जमा धरून तुम्हांस पावलील रुजुवातमुळे ऐवज विसा-हजारांस कमी जाल्यास तितका ऐवज तुम्हांस देऊ नये. अजीच तफावत लागू न जाली तरी अगदीच ऐवज तुम्हांस देऊ नये. सरकारांत कमावीस जमा धरावा. कलम १.

माजी मामलेदाराचे निसबतीस दोन कारकुनांच्या आसाम्या होत्या, त्या तुम्हां-कडे करार केल्या असे. तर तुम्ही आपले कारकून ठेऊन, चाकरी घेऊन, नेमणुके-प्रमाणे वेतन देत जाणें. कलम १.

सालमजकुरी तुम्हांपासून रसद घेतली आहे, हा ऐवज तुमचा व्याजमुद्धां फिटे तोंपर्यंत मामलतीची घालमेल होणार नाही. कलम १.

माजी मामलेदारगकडे ईस्तकबिल सन समानीन नागाईत सन इसत्रे समानीन एकूण तीन सालां मामलत होती, तेथील इजमाहाली बहिवाटी दुसालां सरकारांत आल्या, व एकसालां येणें आहे, त्यांत जमास्वर्चात बगैरे चाळीस हजार रुपये माजी मामलेदार व महालकरी याजवर तफावत लागू करून घ्यावयाचा करार केला

रसदेस व्याज एकोत्रा शिरस्तेप्रमाणें करार केलें असेत. तरी हिसेब बमोजीम मजुरा पडेल. कलम १.

तालुके मजकरचे लोकांची हजिरी घेऊन, गाहाळ, नाकारे माणूस असेल ते दूर करून चांगलें माणूस त्याचे ऐवजीं त्या शेन्यांत ठेऊन, जावता हुजूर पाठवणें. कलम १.

माजी मामलेदाराकडे दोहों तालुक्यांपैकीं खोतीनें गांव असतील, ते तुझीं आपले हवालीं करून घेऊन, जमाबंदीप्रमाणें बमूल तालुके मजकुराकडे घेत जाणें. कलम १.

पालखीचे व आपतागिराचे सामानावर हल. रुपये.

१५० पालखीस.

२५ आपतागिरांस.

१७५

एकूण पावणे दोनशें रुपये एकसालां तालुके मजकूरपैकीं घेणें. कलम १.

माजी मामलेदारांनीं अंतस्ताची गोष्टी सांगून सरकारांत आणून दिल्ली आहे; त्याखेरीज बशर्त वीस हजार रुपये तफावत लागू करून द्यावयाचा करार रावजी पांडुरंग यांणीं केला आहे, सबब त्यांस बक्षीस रुपये २००० दान हजार रुपये, वीस हजार तालुके तफावत लागू करून दिल्यास सरकारांतून बक्षीस दिले जातील. कलम १.

हुजूरून कारकून रुजुवातीस जाईल, त्याचे विद्यमानें सहा महिन्या अलीकडे

आहे, तर जमाखर्चात वगैरे चौकशी करून सदरहू चाळीस हजार रुपये लागू करावे. त्यापैकीं माजी मामलेदारांनीं तीन सालां मिळोन अंतस्ताची याद पेस्तर १९४७४। एकुणीस हजार चारशें सवा चवऱ्याहात्तर रुपयांची, व याखेरीज सालाबादी दरबार-खर्चाची याद लिहून दिली आहे, त्यास दरबारखर्चाची याद खेरीज करून, अंतस्ताचे यादीचे रुपये तुझांस चाळीस हजारांत मजुरा देऊन, बाकी वीस हजार पांचश पावणे सव्वीस रुपये लागू करून द्यावे त्यांत बशर्त वीस हजार रुपये सरकारांत तुझांपासून घ्यावयाचे करार केले असेत, त्यास रुजुवातमुळें तफावत लागू होईल तितका ऐवज विसा हजारांत तुझांस पावेल; रुजुवातीमुळें जाजती ऐवज विसा हजारांशिवाय जाहल्यास सरकारांत घेतला जाईल, व कर्मा विसाहजारांस जाल्यास तितका ऐवज तुझांस देऊं नये. कलम १.

दोहों तालुक्याचे बेहडे अलाहिदा होतील, त्याप्रमाणें वर्तणूक करणें. बेहडेयांस उफाल ऐवज राहिल, तो तुझीं रदकजीं घेत जाणें. कलम १.



रुजुवात करावी. आकस आदावत कोणाची  
करून नये. कलम १.

माजी मामलेदार यांचे निसबतीचे लोक  
व कारकून असतील त्यांपैकी गैर उपयोगी  
असतील ते दूर करून, चांगले सरकार  
उपयोगी पाहून ठेवणें. कलम १.

एकूण चौदा कलमें करार करून हे सनद सादर केली असे, तरी सदरहूममाणें वर्तणूक  
करणें झणोन. सनद १.

रसानगी यादी.

१००४ ( ८१० )--तर्फ राहुरी, परगणे संगमनेर, येथील मामलेदार जनार्दन बाहिरव व  
अर्बा समानोन भिकाजी धोंडदेव यांजकडे होती, त्या सालची तफावतीची रुजवात  
मया व अलफ. नरसिंगराव बल्लाळ सरसुभा, प्रांत गंगथडी, यांणीं केली आहे; त्याखे-  
सावान १५ रीज तुम्ही पांच हजार रुपये जाजती नशारनिव्हेकडे लाऊन घाव-  
याचे करून, सरसुभा मुचलका लिहून दिला आहे; त्याचे रुजवातीस, व रयत फिर्याद  
आली होती त्याचे चौकशीस हुजुरून राधो नारायण कारकून शिलेदार यांस पाठावेले  
आहेत त्यांस, व त्यांजबरोबर प्यादे व जामूद दिव्हे आहेत त्यांस रोजमरा साल गुदस्त  
सन सलास समानीन पासून रुपये.

५० राधो नारायण कारकून शिलेदार यास रोजमरा दुमाही छ. १ जमादिलाखरापासून.  
२१॥ रोजमरा दीडमाही. रुपये.

१५॥ प्यादे दिमत जयाजी नाईक गोवेकर वस

छ . १० जमादिलाखरापासून.

रुपये.

८॥ विठोजी बुधजी पेडणेकर.

७ शिवजी नेवाजी म्हाले.

१५॥

20000 and was promised a reward of Rs. 2000 if he succeeded in doing so.

( 1004 ) The Sirsubhá of Gangathadi made an inquiry into the mis-appropriation committed by Mámlatdars, Janardan B. birao and Bikáji Dhondeo of Tarf Ráhuri in Par-gana Sangamner. Wásudeo Rámkrishna offered to bring home to the

६ कृष्णाजी पवार जासूद जथे आणाजी नाईक यास छ. २०  
जमादिलाखरापामून रुपये.

२१॥

७१॥

एकूण साडे एकाहत्तर रुपये रोजमरा सदरहू तेखांपामून देविला असे. तरी मशारनिव्हे  
थें रुजुवातीचे व चौकशीचे कामांस राहतील, तों पावेतों दुमाही व दीडमाही मिळोन  
साडेएकाहत्तर रुपये रोजमरा तर्फ मजकूरपैकीं देत जाणें ह्मणोन, वासुदेव रामकृष्ण  
कमाविसदार, तर्फ मजकूर यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

१००५ ( ८४७ )—परगणे मनोर व कारखाना कोलई येथील मामलत सुभाहन, व  
अर्बा समानीन तर्फ आगाशी येथील फडणिशी बाळाजी विठ्ठल फडके याजकडे होती,  
मया व अलफ त्या संबंधें आपाजी लक्ष्मण पेंढारकर याणीं तफावतीची यादी  
रजब १२ लिहून दिली. त्याची हुजूर चौकशी होऊन, त्यांत लोकांचा ऐवज  
फडके याणीं जबरदस्तीनें घेतला होता, सबब ज्याचा त्यास माघारा द्यावयाचा केला, त्या  
पैकीं नारो राम फडके याजकडे कांहीं लांड्या नसतां भात, गुरें, डोरें, वस्तवानी, जरा  
बाजरा जप्त करून, बाळाजी विठ्ठल याणीं नेली; त्यापैकीं मशारनिव्हेनीं कबूल केले त्याप्र-  
माणें रुपये ११०८।= पैकीं चौथाई सरकारांत द्यावयाचे ते वजा रुपये २७७४=, बाकी  
रुपये ८३१। आठशें सवा एकतीस रुपये देविले असेत. तरी फडके यांजकडील तफावतीचे  
ऐवजापैकीं तुष्णीं हवाला घेतला आहे, त्याऐवजीं नारो राम यांचे पुतण्ये गोविंद बल्लाळ

Mámlatdárs misappropriation of Rs. 5000 which had escaped the notice of  
the Sirsubhá. A karkoon was sent from the Huzur for inquiry.

( 1005 ) Appáji Laxmar Pendhárkar complained of extortion  
A. D. 1783-84. committed by Báláji Vithal Fadke during his term  
of the office of Mámlat of Parganá Manor and of  
the office of Fadnis of Tarf Agáshi, and gave in a memo of the sums  
extorted. An inquiry was made at the Huzur and the complaint  
was found to be true. The money extorted from different persons was  
ordered to be refunded to them. In one case Báláji Vithal had, as ad-  
mitted by him, confiscated without any reason property worth Rs.  
1108-7 belonging to Náro Rám Fadke. A fourth part of the sum was

फडके यांस पावते करून, पावलीयाचें कबज घेणें झणोन, बाळकृष्ण हरी गट्टे व परश-  
राम नारायण सोवनी यांचे नांवें. रानद १.

रसानगी यादी, तफावतीची एकंदर.

१००६ ( ८५४ )—परगणे एरंडोल वगैरे महाल, देखील परगणे पाचोरे व वरण-  
खमस समानीन गांव, येथील मामलत घनःशाम त्रिंबक यांजकडे इस्तकबील सन तिसा  
मया व अलफ सवैन तागार्डित सन सलास समानीन एकूण पांच सालां होती, त्यास  
रमजान १८ मशारनिल्लेकडे तफावतीचा ऐवज जमींदाराचे कारभार्यांनीं लागू  
करून धावयाचा करार केला आहे, त्याचे रुजुवातीस हुजुरून महादाजी रामचंद्र, व नारो-  
बाजीराव कारकून शिलेदार यांस पाठविले आहेत, व वरावर जामूद व प्यादे दिल्ले  
आहेत, त्यांस रोजमरा. रुपये.

२०७ दुमाही.

रुपये.

१६१ कारकून.

१११ महादाजी रामचंद्र यांस छ. १५ जमादिलाखर साल-  
गुदस्तां सन अर्बापासून. रुपये.

१०० खुद्द.

११ दिवड्या, आप्तागिन्या मिळोन असामी २  
रुपये.

१११

५० नारो बाजीराव यांस छ. १५ सवालापासून.

१६१

४६ प्यादे दिमतहाय यांस छ. १ सवालापासून.

रुपये.

२८ दिमत मुर, सावत.

७ तुकोजी राणोजी गोळे.

६॥ नानोजी तानाजी मपस.

ordered to be credited to Government and the rest to be refunded to  
the owner.

( 1006 ) The office of Māmlatdār of Parganā Erandol, Pāchore,  
A. D. 1784-85. Warangāon &c. was held by Ghanashām Trimbak for  
5 years. The agents of the Jamindārs having offered

७॥ भगवंत निसणस.

७ पदाजी धुमाळ.

२८

१८ दिमत रामजी यादव.

रुपये.

६ गण सावंत.

६॥ खंडोजी जगथाप.

५॥ यमाजी माहाडीक.

१८

४६

२०७

२६ जामूद जथेहाय यांस दीडमाही छ. १ साबानापासून.

रुपये.

६॥ कान्होजी खंडोजी जथे निंबाजी नाईक उंबरे.

६॥ संताजी लक्ष्मणजी जथे बयाजी गणजी.

१३ जथे लिंगोजी नाईक.

६॥ संताजी भिवजी.

६॥ मळोजी तुकोजी.

१३

२६

२३३

एकूण दोनशेंतेहेतीस रुपये रोजमरा दुमाही व दीडमाही तेरा असामीस सदरहू तेरखांपासून देविला असे, तरी तेथें रुजुवातीचे कामास राहातील तोंपावेतों देत जाणें बाणोन, भिकाजी विश्वनाथ कमाविसदार परगणे एरंडोल वगैरे महाल यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

to bring home to him certain misappropriation of money, two karkuns were sent from the Huzur to inquire into the matter.

१००७ ( ८६७ )—समस्त ब्राह्मण व रयत मौजे माणकेश्वर, परगणे भूम, यांणीं खमस समानान हुजूर विदित केलें कीं, मौजे मजकूर हा गांव सेख आबुबकर पीर-मया व अलफ जादे याजकडे आहे; त्यास आमचा हिंदुधर्म चालें देत नाहीं, ब्राह्म-सकर १२ णांचे अभिहोत्रांस नानाप्रकारचें उपद्रव करितो, व ब्राह्मणसंतर्पण-समई पंक्तीतून हांडें टाकावीं, ब्राह्मणस्त्रिया पाणी आणावयास जातात त्यांस स्पर्श करावा, गांवांत हरीकीर्तन केल्यास कुफराणा करितात ऐसं ह्मणोन धोंडेमार करावा, लग्नाची मिरवणूक होऊं देत नाहीं, कुणढ्यांच्या बायका बळेंच घरांत घालून बाटविल्या, गांवांत दाखूच्या भट्या नेहमीं लावितो, व महावधार्चा कर्म करितो, व वतनदारीचीं मिराशी शेतें घेतलीं आहेत व देवळाचे धोंडे काढून आणिले, गांवांत देवघेव करूं देत नाहीं, हिंदु धर्माचा उच्छेद करून पीडा बहुत केली आहे, त्यास स्वामींनी कृपाळू होऊन येविशींचा बंदोबस्त केला पाहिजे ह्मणोन, त्याजवरून पीरजादे याचा वर्तणूक मुधी नाहीं, याज-करितां मजकूरचा स्वराज्याचा अंमल पीरजादे याजकडे आहे, तो जप्त करून जफतीची कमावीस तुझांस सांगितली असे. तरी स्वराज्याचा अंमल, मुकासा वावता, सावोत्रा, घास-दाणा, व हुजूर चौथई व सुभेखर्च सुद्धां जप्त करून, मौजे मजकुरीं ठाणें बसऊन, हिंदु-धर्म चालऊन समस्त ब्राह्मणांस व रयतेस उपद्रव लागों न देणें; आणि स्वराज्याचे अंम-लाचा आकार होईल तो सरकारांत पावता करून जाव घेत जाणें ह्मणोन, आपाजी बनाजी, निमवत गोविंद भगवंत पिंगळे, यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

पीरजादे याजकडे मौजे मजकूर येथील स्वराज्याचा अंमल आहे याचा दाखला दप्तराचा निधाला नाही, परंतु जफती करावयाकरितां सनद लिहून दिली. पुढें मोकळीक हांत समई दाखला पाहून मोकळीक करावी.

परवानगी खबर.

( 1007 ) The Brahmins and ryots of Manakeswar in Parganā  
A. D. 1781-85 Ghuma complained that the village was in the possession  
of Syad Abubakar Pirjāde, that he obstructed the  
Brahmins in their sacrifices, that he threw bones in the midst of  
Brahmins while dining, that he touched Brahmin women while going  
to draw water, that he stopped marriage processions that he forcibly  
took away kumbi women and polluted them, that he opened liquor  
distilleries, that he removed stones from temples, that he did other acts  
calculated to subvert the Hindu religion. His amal in the village was  
therefore attached.

१००८ ( ८८३ )—प्रांत कल्याणभिवंडी येथील मामलत तुळांकडे आहे, त्यास परगणे खमस समानीन गोरठ, खेरीज तर्फे सुर्याराव करून, व तर्फे कोरकडा, प्रांत भिवंडी, मया व अलफ या हरदु महालांत सालाबादशिवाय जाजती पट्या करून वगैरे ऐवज जमादिलाबल २९ तुळीं घेतला, व महालकरी यांणीं घेतला आहे, तो माघारे देवावा ह्मणोन जमीदार यांणीं हुजूर येऊन अर्ज केला, व यादी समजाविली; त्यावरून रयतेचें हरदु मनास आणून इस्तकबील सन समानीन तागाईत सन सलास समाननिच्या सालांत गैरवाजवी, जमीदार, व रयतेपासून ऐवज घेतला आहे त्यापैकीं माघारा घावयाचा त्याचीं वगैरे कलमें.

×

×

×

×

एकूण चार कलमें करार करून, हे सनद सादर केली असे, तरी सदरीलप्रमाणें वर्तणूक करणें ह्मणोन, गोविंद राम यांचे नांवें.

सनद.

रसानगी यादी.

### मुतालिकांचे रोजकीर्दीपैकीं.

१००९ ( २४ )—गिरमाजी लक्ष्मण कुळकर्णी, परगणे मजकूर, याची मूल नरसो समान समानीन आणाजीनीं लग्न करावयाकरितां पळऊन नेली, हें वर्तमान मुलीच्या मया व अलफ आईनें कसबे मजकूरच्या गांवकरांस सांगितलें असतां, त्यांणीं मुलीचा सवाल १ शोध केला नाही, ह्मणोन व्यंकाजी राम यांणीं हुजूर विदित केलें, सबब कसबे मजकुराम शंभर रुपये मसाला करून तुळांस पाठविले असतां, गांवकरी हुजूर आले, त्याचे व व्यंकाजी राम याचे रुजुवातीनें सदरहूचा मजकूर मनास आणितां, मूल पळऊन नेली हें गांवकरांस सांगितलें नाही, असें ठरलें; त्याजवरून मसाला मना करून हें

( 1908 ) The Mámlatdár of Pránt Kalyán Bhiwandi was accused A. D. 1784-85. by the Jamindárs of having levied unauthorized cesses and having otherwise extorted money from the ryots. The money so collected was ordered to be refunded to the parties concerned.

### FROM THE MUTÁLIK'S DIARY.

( 1009 ) Narso Annáji kidnapped a daughter of Girmáji Laxman kulkarni of Sawarde in Pránt Mináj with a view to marry her. It was reported to Government that the girl's mother complained about the matter to the village officers but that they made no inquiries. They were sent for and a process fee of Rs. 100 was imposed. They came to the Huzur and proved that no

आज्ञापत्र सादर केलें असे, तरी गांवकरी यांस मसाल्याचा तगादा न करितां उठोन येणें झणोन, गाडदी, दिमतहाय, कामगारी कसबे सावर्डे प्रांत मिरज यांस छ. १ रोजी मनाचिड्डी १.

१०१० ( ९९१ )—प्रांत जुन्नर येथील मामलत रामराव त्रिंबक याजकडे इस्तकबील तिथेन समानीन सन सबा सबैन तागाईत सन सबा समानीन, अकरा सालें होती. मया व अलफ त्यास मामलेदार व महालकरी, व फुटगांवचे कमाविसदार, यांणी रमजान १६ हिशेब व अंतस्ताच्या यादी लेहून दिल्ल्या आहेत, त्याशिवाय तफावत लागू करून देऊं, याप्रमाणें बाबाजी रघुनाथ जोशी, चाकणकर, यांणी कबुलात लेहून दिल्ली आहे, त्याचे रुजुवातीस सरकारांतून भिकाजी राम कारकून, निसबत राधो विश्वनाथ पाठविले आहेत, यांस व बरोबरचे लोकांस रोजमरा. रुपयं.

१६३ रोजमरा एकमाही छ. १ रमजानचा वगैरे.

१५५ दिमत सकुल्लाखान.

३५ भिकाजी राम कारकून यास.

२५ जातीस.

१० खेरीज तैनात माणसांस. छ. १ सवालचा.

६ ब्राह्मण असामी १

४ पोरगा असामी १

१०

३५

१२० गाडदी असामी १० दर १२ प्रमाणें.

१५५

८ लोक माजी सातारकर असामी दोन एकूण.

९॥ लक्ष्मण बगदर, दिमत संकाजी बगदरे.

३॥ संताजी मालगुरे, दिमत शेकाजी फडतरे.

८

१६३

Complaint about the kidnapping of the girl had ever been made to them. The process-fee was therefore remitted.

( 1010 ) The Mámlat of Junnar was held by Rámrao Trimbak, for A. D. 1788-89. 11 years Bábáji Raghunáth Joshi of Chákari offered to prove that accounts rendered by the Mámlatdár,

१३॥ जामूद जथेहाय, यास रोजमरा दीडमाही छ. १ रमजानचा.

६॥ मानाजी नारायणजी जथे निंबाजी नाईक उंदरे.

७ जेत्याजी सुतानजी, जथे हरजी नाईक.

१३॥

४ दिमत पागा हुजूर पैकीं पोरगा असामी १ यास रोजमरा दुमाही छ. १ सवालचा.

१८०॥

एकूण एकशें साडेऐशी रुपये सदरहू तेरखांचा रोजमरा देविला असे, तरी देणें पुढें रुजुवातीचे कामास राहतील तोंपर्यंत रोजमरा एकमाही, व दीडमाही, व दुमाही, तेरीख भरलीयावर सदरहूप्रमाणें. याखेरीज मशारनिल्हेस हुजूरपागेपैकीं घोडी बसावयास दिल्ली आहे, तीस चंदी दररोज कैली ४४१ एक पायली, महिन्याच्या एकादशा दोन वजा करून एक हिंसा हरभरे व दोन हिंसे बाजरी, सनद पैवस्तगिरीपासून प्रांत जुन्नर येथील एवजीं देत जाणें ह्मणोन, आनंदराव विश्वनाथ यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी याद.

१०११ ( १०४८ )—तालुके उंदेरी येथील मामलत महादाजी कृष्ण यांजकडे होती इसन्ने तिसैन त्यास मामलेदार, व निसबतीचे कारकून, व दरकदार वगैरे यांजकडे मया व अलफ तफावत लक्ष्मण विठ्ठल यांणीं लागू करून घावयाचा करार केला, सवाल १२ त्याचे रुजवातीस कृष्णाजी नारायण कारकून पाठविले. त्यांणीं रुजवात लेहून आणिली, त्याचा फडशा होऊन दरकदार वगैरे कारकुनांकडून एवज सरकारांत घ्यावयाचा ठरला. रुपये.

४२२॥≡ लक्ष्मण आपाजी दिवाण.

१८६॥≡ सदाशिव नारायण मजमदार.

२११२॥≡ विठ्ठल पांडुरंग, निसबत फडणीस.

१॥≡ बाळाजी त्रिंबक.

३३२४॥≡ महालकरी निसबतवार.

४५ त्रिंबक नारायण.

the District officers and the Kamâvisdârs of villages during the above period were incorrect and that more money was received than brought to account. A kârkun was sent from the Huzur to inquire into the matter.

( 1011 ) Laxman Vithal charged the Mâmlatdâr of Underi and



|      |                                                     |
|------|-----------------------------------------------------|
| ३१॥  | अबाजी हरि.                                          |
| ४२३॥ | माजी रायगडकरी लोक तालुके मजकुरी आहेत त्यांजकडे.     |
| ३४९॥ | भास्कर गणेश दसरदार.                                 |
| ८०॥  | शामजी कृष्ण.                                        |
| १५१॥ | वासुदेव लक्ष्मण.                                    |
| ६॥   | वापूजी मुकुंद.                                      |
| १२२॥ | दामोदरभट्ट बसकर.                                    |
| १९॥  | नारो रघुनाथ.                                        |
| ३०८॥ | गणेश बल्लाळ ओक.                                     |
| ७०   | वाळकृष्ण चिमणाजी.                                   |
| ४३८॥ | कुळकर्णी गांवगवाचे यांजकडे कसेरपैकी.                |
| २३॥  | बच्याजी बल्लाळ.                                     |
| ७    | सीदी अली.                                           |
| ३६५॥ | जनार्दन नारायण ओक.                                  |
| ३६३॥ | विठ्ठल भिकाजी कारखानीस.                             |
| ८७॥  | पांडुरंग विश्वनाथ.                                  |
| ९    | भवानजी विश्वासराव हवालदार.                          |
| १९॥  | गोपाळ नारायण.                                       |
| २५   | दादाजी मुकुंद कुळकर्णी अवसरकर.                      |
| ९७॥  | रामजी जाधव.                                         |
| १०   | निळो येशवंत पोतनीस.                                 |
| १५   | लक्ष्मण विठ्ठल यास घडीयाळ नाकारे आहेत, देऊन घ्यावे. |
| २३०॥ | गोविंद नारायण सवनीस.                                |

६३६२०॥

एकूण सहा हजार तीनशेंचासष्ट रुपये अर्धा आणा कारकून वगैरे यांजकडून वसूल घ्यावयाचे करून, हे सनद सादर केली असे, तरी सदरहूप्रमाणे वसूल घेऊन, तालुके मजकूर येथील सनद इसत्ते तिस्रें सालमजकूरचे लोकांचे रोजमरे याचा ऐवज देणे आहे त्या ऐवजी देऊन, आडा हुजूर समनावणे झगोत, लक्ष्मण कृष्ण यांचे नावे. सनद १.

रसानगी यादी, तर्फे उंदेरी येथील तफावतीचे फडशाची.

A. D. 1791-92. the Darakdars with having misappropriated certain sums of money. Inquiry was made and various sums, amounting in all to Rs. 6362, were ordered to be recovered from the persons concerned.

# सवाई माधवराव पेशवे

## यांची रोजनिशी

( भाग ६ वा. )

१ इनाम, नक्तनेमणुकी, वतने वगैरे.

( अ ) देणग्या.

( १ ) नोकरी केल्यावद्दल, अगर नुकसानी झाल्यावद्दल  
अगर मेहेरबानीदाखल.

१०१२ ( २१ ) माजी लोक, रायगडकरी व माहाडकरी सालगुदस्तां किल्ले रायगडचे  
अर्बा सबैन लढाईत ठार जाहाले, त्यांचे मुलांस बालपर्वेसी सालमजकुरापासून  
मया व अल्प. मोईन सालीना.  
सवाल २८

| रायगडकरी.                                                 | नक्त रुपये. | गल्ला भात. साडे तिशेरी. |
|-----------------------------------------------------------|-------------|-------------------------|
| बडोजी येरडकर, बाजी येरडकर याचा लेक,<br>उमर वर्षे ९,       | १५          | ·III·                   |
| रामजी माहाडीक, धर्मोजी माहाडीक याचा लेक,<br>उमर वर्षे, १० | ८           | ·II·                    |
| येसजी वानरा, कुसाजी वानरा याचा लेक,<br>उमर वर्षे, ५       | ८           | ·II·                    |
| कृष्णाजी वारणे. संताजी वारणा याचा लेक,<br>उमर वर्षे, ५    | १५          | ·III·                   |

IX Grants and continuance of Ināms, allowances, watans &c.

( A ) Grants.

( 1 ) For service done or injury received or as a mark of favour.

( 1012 ) In the battle of Rāygaḍ fought during the preceeding

माहाडकरी.

|                                     |       |       |
|-------------------------------------|-------|-------|
| तान्हाजी कदम, धोंडजी कदम याचा लेक,  |       |       |
| उमर वर्षे, १०                       | १०    | ॥॥    |
| गंगाजी उमरकर, रामजी उमरकर याचा लेक, |       |       |
| उमर वर्षे, ५                        | ८     | ॥     |
| गुणाजी मोरे, मोतजी मोरे याचा लेक,   |       |       |
| उमर वर्षे, ६                        | ८     | ॥     |
| <hr/>                               | <hr/> | <hr/> |
| ७                                   | ७२    | ४१    |

एकूण सात असामी बालपर्वेसी, सालीना मोईन नक्त बहातर रुपये, व गळा साडेतीसरी बारुलें मापें भात सवाचार खंडी करार केलें असे, तरी तातुके रायगडपैकी पावीत जाणे ह्मणोन, गणपतराव कृष्ण यांचे नांवें.

सनद.

रसानर्गा यादी.

नारो आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१०१३ ( ८२ ) संभाजी बल्लद ब्रह्माजी पाटील खोकराळा, मौजे हिंवरें, तर्फ नारा-  
खमस सबैन यणगांव, प्रांत जुन्नर, याणें हुजूर येऊन अर्ज केला कीं, जंजीरे वि-  
मया व अलफ. जयदुर्ग सरकारांत घेतला ते वेळेस आपण सरकारचाकरी एकनिष्ठ-  
जमादिलाखर २९ पणें केली; यास्तव श्रीमंत कैलासवासी नानासाहेब मेहेरवान होऊन  
आपल्यास मौजे मजकूर येथें धरण बांधिलें आहे, त्याचे पोटची जमीन साडेचार बिघे  
इनाम देऊन, सरकारचीं पत्रें करून दिलीं होतीं, त्याप्रमाणें जमीन इनाम आपलेकडे चा-  
लत आहे, परंतु सन सहास सितैनांत मोगलाचा दंगा जाहला, त्यांत जमीनीचीं इनामपत्रें  
आपले जवळून गहाळ जाहलीं, याजकरितां सरकारांत येऊन अर्ज करून प्रांत मजकूरचे  
सुभाम पेशजीप्रमाणें जमीन चालवण्याविशीं सन अर्बा सितैनांत पत्र नेलें, त्याजवरून त्याणीं  
मनास आणून पेशजीपासून भोगवटा चालत आहे त्यावरहुकूम चालवणें, ह्मणून सुभाचीं  
पत्रें करून दिलीं आहेत; त्याप्रमाणें जमीन चालत आहे, परंतु आपले जवळ भोगवटियास  
सरकारचीं पत्रें नाहींत, याजकरितां साहेबीं मेहेरवान होऊन सरकारचीं पत्रें भोगवटियास

A. D. 1773-74. year, some men from fort Rāygaḍ and some from Mahād were killed. Allowances were given to their infant sons.

FROM NARO APPAJI'S DIARY.

( 1013 ) The late Peshwā Nānasāheb granted to Sambhaji wd.

करून दिली पाहिजेत, हणून; त्याजवरून मनास आणतां याणें सरकारचाकरी एकनिष्ठ-पणें केली, यास्तव यास तीर्थरूप कैलासवासी नानासाहेब यांणीं जमीन इनाम देऊन पत्रें करून दिलीं होतीं, त्यास सन सलास सितेंनांत मोंगलाचा दंगा जाहला त्यांत याजवळून पत्रें गहाळ जाहलीं; त्याजवर सरकारांत येऊन अर्ज करून सरकारचें पत्र प्रांत मजकूरचे सुभास सुदामतप्रमाणें चालवावयासी घेतलें, त्याजवरून सुभाहून सदरहू जमीन चालत आल्याप्रमाणें चालवणें हणोन भोगवटियास पत्रें करून दिलीं आहेत. तीं यांनं हुजूर आणून दाखविली. ती पाहून व भोगवटा मनास आणून याजवरी मेहेरबान होऊन, मौजे हिंवेंर, तर्फ नारायणगांव, प्रांत मजकूरपैकीं धरणाचे पोटची जमीन पेशजींची विघे ४४॥ साडेचार विघे स्वराज्य व मोंगलाई एकूण दुतर्फा बंदोबस्त, कुलबाव कुलकानू, हल्लीं पट्टी व पेस्तर पट्टी देखील इनाम तिजाई खेरीज हबदार करून इनाम दिल्ली असे, तरी सदरहू साडे चार विघे जमीन चतुःसिमापूर्वक पेशजींप्रमाणें यास, व याचे लेकराचें लेकरीं इनाम चालवणें, दरसाल ताजे सनदेचा उजूर न करणें, या सनदेची प्रती लिहून घेऊन हे अस्सल सनद याजवळ भोगवटियास परतोन देणें हणोन, छ. २० जमादिलाखर. सनदा व पत्रें.

२ सनदा.

१ नांवाची.

१ मोकदम मौजे मजकूर.

२

२ चिटणिसी.

पत्रें.

१ देशाधिकारी व लेखक वर्तमान व भावी, प्रांत जुन्नर यांस.

१ देशमुख व देशपांडे तर्फ नारायणगांव प्रांत जुन्नर.

२

४

रसानगी यादी.

१०१४ ( १६८ ) प्रांत वसई पैकीं साष्टीचे कुमकेस लोक गेले होते, त्यांपैकीं तेंथें

A D. 1774-75. Brahmaji Patil Khokarale of Hiwre in Tarf Naraayan-  
gaon an Imam for services on the occasion of the capture  
of fort Vijayadurga by Government.

( 1014 ) Visaji Keshav of prant Bassein was directed to employ, in

खमस सधैन कामास आले; त्यास ज्याचे पुत्र व भाऊ असतील त्यांपासून चाक-  
मया व अलफ री घेऊन तैनाता पेशजीप्रमाणे चालवणे, ज्याचे भाऊ पुत्र नसतील  
मोहरम ६ त्याचे आई व बायकोस बालपर्वेसी पेशजीचे शिरस्तेप्रमाणे करून दे-  
ऊन चालवणे, ज्याचे पुत्र व भाऊ चाकरीवर ठेवाल त्यास हुजूर अखेरमाली आणून ठे-  
वणे, व बालपर्वेसी करून द्याल त्याचा झाडा तपशीलवार हुजूर समजावणे वगणोन विसा-  
जी केशव, प्रांत वसई, यांचे नांव छ. १२ जिश्नाद. सनद १.

रसानगी यादी.

१०१५ ( १६९ )—फोट ठाणे साष्टी येथे इंग्रज मुंबईकर यांचे लढाईत लोक सरकार

खमस सधैन कामास आले त्यांची कलमं.  
मया व अलफ  
मोहरम ६

सरदार ठार जाहले त्यांचे ऐवजी पुत्र व भाऊ असामी.

१ भास्कर विठ्ठल, विठ्ठल भास्कर यांचे पुत्र.

१ अमृतराव पाटणे, रामाजीराव यांचे पुत्र.

१ हुलवाजीराव खानविलकर, मानाजीराव खानविलकर यांचे वंधु.

१ कासीमजी, अबुलहिमान लंदेरकर यांचा पुत्र.

एकूण चार असामी पैकीं तीन पुत्र व एक भाऊ करार करून. यांस पेशजीप्रमाणे तैनाता करार केल्या आहेत, तरी वेहड्याचे नेमणुतेप्रमाणे पाववत जाणे; आणि सदरहू चार असामी अखेर साली हुजूर आणून भेटवणे. कलम १.

कोटांत इंग्रजांस लोक सांपडले त्यांची वस्त्रे व हत्यारे गेली, सर्वजण त्यांस द्याव-  
यातदल रुपये ३८५ तीनशे पंचायशी रुपयांची नेमणूक करून दिली असे, तरी लढाईत सरकार उपोगी पडले असतील त्यांस कायाकारण देऊन, सदरहू नेमणु-  
कत नवी करणे, मजुरा पडतील. कलम १.

इंग्रजांचे लढाईत लोक ठार जाहले, त्यांचे लोक व भाऊ कोणी उमेदवार नाही अशा तऱ्हेचे जे असतील, त्यांची चौकशी करून त्यांचे बायकोस व आईस बालप-  
र्वेसी पेशजीचे शिरस्तेप्रमाणे चालवणे, आणि झाडा अखेरमाली हुजूर आणून

A. D 1774-75. place of the men from his province who had lost their  
lives at Salsetti, their sons and brothers, and in case  
he deceased had left no such relations, to continue the usual allowances  
to their wives and mothers.

( 1015 ) Similar orders were issued in regard to officers and men of

हिरोजीराव खानविलकर, खुद्द सरदार समजावणें; त्याप्रमाणें सरकारांतून करार यांची तरवार लढाईत गोळी लागोन मो- करून दिल्या जातील. कलम १.  
ढली, सबब रुपये १५ पंधरा रुपये देविले  
असेत, तरी देणें; मजुरा पडतील. कलम १

एकूण चार कलमें करार करून हे सनद सादर केली असे, तरी सदरहू लिहिल्याप्रमाणें करणें झणोन, आनंदराव राम, तालुके साष्टी, यांचे नांवें. छ. १३ जिल्काद. सनद १.  
रसानगी यादी.

१०१६ ( २७२ )—शामराव जगजीवन यांस सनद कीं, मालोजी महाडीक शिलेदार सीत सबैन यांस हिंदुस्थानचे स्वारींत पातशहाचे लढाईत गोळा लागोन पाय मया व अलफ जाया जाला, त्यामुळें तीन वर्षे घरीच राहिले, चाकरी करण्यास सा- मोहरम ६ मर्थ्य नाहीं, याजकरतां किल्ले चंदनगडचे सरंजामपैकीं पेस्तरसाल सन सबा सबैनापासून बालपर्वेसी दाखल रुपये २०० दोनशें द्यावयाचा करार करून हे सनद सादर केली असे, तरी पेस्तरसालापासून सालीनां दोनशें रुपये प्रमाणें दरसाल पावीत जाणें झणोन.  
सनद.

रसानगी यादी.

१०१७ ( ३२१ )—पर्वतराव डुबल शिलेदार हे सन खमस सबैनांत आनंदमोगरीवर सबा सबैन ईंग्रजांचे लढाईत ठार जाले, सबब त्यांचे पुत्र हणमंतराव डुबल यांस मया व अलफ बालपर्वेसी रुपये १६२ एकशेंबासष्ट रुपयांची जमीन कमाल सालचे रजब १८ आकारची मौजे खोडसी, प्रांत कराड, येथील देशमुखी व सरदेशमु- स्तीचे इनामापैकीं सालमजकुरापासून करार करून देऊन हे सनद सादर केली अमे, तरी सदरहू ऐवजाची जमीन कमाल बरजेची मौजे मजकूरपैकीं लाऊन देऊन मशारनिरहेकडे चालवणें, दरसाल ताजे सनदेचा उजूर न करणें झणोन. श्रीनिवास शामराव कमाविसदार, प्रांत कराड, यांचे नांवें.  
सनद १.

रसानगी यादी.

A. D. 1774-75. Salsetti and Shiwaner killed at fort Salsetti in a battle with the English.

( 1016 ) Maloji Mahadik three years previously had lost a leg in a battle with the Emperor in Hindustan. Being disabled from doing his duty, he was given a maintenance allowance of Rs. 200 a year.

( 1017 ) Parwatrao Dubal Silledar having been killed in A. D. 1774-75 in the battle of Anand Mogri with the English, land assessed at Rs. 162 was granted to his son for maintenance.

## जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१०१८ ( ३९७ )—लक्ष्मण महादेव उकिडेवर हरकारा हा तीर्थस्वरूप भाऊसाहेब यांचे  
 सबा सबैन स्वारीत पाणपतांत नाहीसा झाला, सबब त्याचे आईस व बायकोस  
 मया व अलफ तालुके रत्नागिरीपैकीं बालपर्वेसी बीस रुपये, व दोन खंडी गह्या  
 जिल्हेज २९ पावतो झणोन हुजूर विदित जालें, त्यास मशारनिव्हेकडील कोणीं  
 तोतयाकडे गेलें नसल्यास, बेहडेयाचे नेमणुकेप्रमाणें बीस रुपये व दोन खंडी गह्या पा-  
 वता करणें, दिक्कत न करणें झणोन, सदाशिव केशव यांचे नांवें चिटणिसी छ. १० जिल्हेज.  
 पत्र १.

१०१९ ( ४१८ )—आलीशा वल्लद राजेशा खटावकर शिलेदार, दिमत पागा हुजूर  
 सबा सबैन हे सन खमस सबैनांत आनंदमोगरीवर इंग्रजांचे लढाईत सरकार-  
 मया व अलफ कामास आले, सबब त्यांचे मुलामाणसांस बालपर्वेसी मौजे तावसी,  
 मोहरम ७ परगणे मजकूर, येथें जमीन कमाल आकाराची रुपये १५० दीडशें  
 रुपयांची जमीन सालमजकुरापासून करार करून हे सनद तुझांस मादर केली असे, तरी  
 मौजे मजकुरीं सदरहू दीडशें रुपयांची जमीन याजकडे नेमून देऊन चालवणें, दरसाल  
 नवीन सनदेचा उजूर न करणें, या सनदेची प्रत लेहून घेऊन असल सनद याजकडे  
 भोगवटियास देणें झणोन, गोपाळ भगवंत कमाविसदार परगणे इंदापूर यांचे नांवें सनद १.

१०२० ( ४६० )—त्रिंबकराव राणो, वस्ती मौजे चिंचवण तर्फे पाथरूड, दिमत  
 सबा सबैन हशम, हे किल्ले चैनरायदुर्ग येथे चाकरीस होते, ते सन खमस सबै-  
 मया व अलफ नांत हैदर नार्काचे लढाईत किल्ले मजकूर येथील मोर्च्यात सरकार-  
 रविलावर १२ कामास आले, त्यांचे पुत्र जयराम त्रिंबक लहान होते, सबब बालप-  
 र्वेसी परगणे बीड येथील चौथाई व सरदेशमुखीचे एवजीं सालीना पाऊणशें ७५ रुपये दर-

### FROM JANÁRDAN APPÁJÍ'S DIARY.

( 1018 ) Laxman Mahádeo Ukidwe, a messenger, was missing on  
 A. D. 1776-77. the battle-field of Pánapat and an allowance consisting  
 of Rs. 20 and 2 khandies of grain had been sanctioned  
 for the maintenance of his mother and wife. Orders were now issued to  
 continue the allowance if inquiry showed that they were not concerned  
 in the conspiracy of the Imposter.

( 1019 ) Silledár Álishá Wallad Rájasha Khaṭāvkar, attached to the  
 A. D. 1776-77. Huzur cavalry, having lost his life in an engagement  
 with the English at Ánand Mogri, land assessed at  
 Rs. 150 was given for the support of his relations.

( 1020 ) Trimbakrao Ráno employed at fort Chenráydurga having

साल द्यावयाचा करार करून, हे सनद तुझांस सादर केली असे, तरी पाऊणशें रुपये पेस्तरसाल सन समान सवैनापामून परगणे मजकूर येथील सदरहू अंमलाचे ऐवजीं दरसाल पाववीत जाणें झणोन, येकाजी गणेश यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

१०२१ ( ४६५ )-मुकुंद विन येमाजी जिनगर, दिमत पागा हुजूर, याणें चिरगु-  
समान सवैन टाचा घोडा तयार करून सरकारांत आणिला, सवव यास प्रांत पुणें  
मया व अलफ पैकीं हरएक गांवीं तीस रुपये आकाराची जमीन द्यावयाचा करार  
जमादिलायल २४ करून हे सनद सादर केली असे, तरी सदरहू आकाराची जमीन  
यास नेमून देऊन याचे नांवें इनाम खर्च लिहिन जाणें; आणि चतुःसीमेचा जाबता हुजूर  
पाठवणें; तेणेंप्रमाणें इनामपत्रें करून दिल्लीं जातील झणोन, रामचंद्र नारायण यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

### मुतालीक यांचे रोजनिशीपैकीं.

१०२२ ( १० )-शेख इमराम जुन्नरकर शिन्देदार, निसबत निळकंठराव रामचंद्र,  
समान सवैन याणें सरवागांव चाकरी बहुत दिवस केली, ह्यातारपण जालें, स्वारीस  
मया व अलफ द्यावयाचे उपयोगी नाहीं, व दांभे पुत्र व एक पुतण्या सभार कामा-  
जिल्काद ५ वर टार जाळे, सवव घरचे वेगमीस परगणे मजकूरपैकीं एक गांव  
कमाल आकाराचे वेरजेचा रुपये ६०० सह्याशें रुपयांचा गांव देविला असे, तरी सदरहू  
लिहिल्याप्रमाणें गांव नेमून देऊन आकार मशारनिव्हेचे नांवेंवद्द मुशहिरा खर्च लिहीत

A. D. 1776-77. been killed in the siege laid by Haidar Náik in A. D. 1774-75, an allowance of Rs. 75 was granted to his son for maintenance.

( 1021 ) Mukunda Yemáji Jinnagar of the Huzar cavalry, presented to Government a figure of a horse made of cloth. Land assessed at Rs. 30 was therefore given to him in Inám.

FROM THE MUTÁLIK'S DIARY.

( 1022 ) Shek Imbrám, a Silledár of Junnar, had served for a long time under Government. In consideration of his old age which rendered him unfit for further service, and the fact that his two sons and a nephew had lost their lives in the



जाणें सणोन, भवानी हरी, व हरी मोरेश्वर कमाविसदार, परगणे संगमनेर, यांचे नांवें.

सनद १.

नरसिंगराव बल्लाळ माडोगणे यांस.

सनद १.

२.

१०२३ ( १२१ )—केशव रणसोड यांस, वसई तालुका इंग्रजांकडे गेला होता ते सवा समानीन समर्थी हे इंग्रजांकडे चाकरीस राहिले होते. याशी आबाजी यादव मया व अलफ याणीं संदर्भ लाविला कीं, किल्ले तांदुळवाडी व काळदुर्ग व महालचा मोहरम २२ अंमल इंग्रजांकडे आहे, तो सरकारांत घेऊन दिल्यास आसाम्या व पालखी वगैरे द्यावयाचा करार केला; त्यावरून मशारनिलहे याणीं सरकार लक्ष राखोन सन इसने समानीनांत कामकाज केलें, सबब आबाजी यादव याणीं करार केला त्यापैकीं.

जातीस तैनात व पालखी द्यावयाचा करार त्यापैकीं जातीस तैनात सालगुदस्तां सन सीत समानीनांत वसईकडे नेमून दिल्ली. पालखीची तैनात होणें राहिली. ते हल्लीं मोईन सालीना रुपये ५०० पाचशें रुपये, पालखीची मोईन सालीना खेरीज शिरस्ता सालमजकूर अवकसालापासून करार केली अये, तरी तालुका वसईपैकीं सदरहू मोईन निवळ पावीत जाणें.

कलम १.

मशारनिलहेचे बंधूम तीन असाम्या द्यावयाचा करार, त्यापैकीं सालगुदस्तां, सन सीत समानीनांत, रंगो रणसोड यास असामी मामले कोर्ज येथे नेमून दिल्ली आहे; बाकीं दोन असाम्या द्यावयाच्या, त्यापैकीं हल्लीं सदाशिव रणसोड यास परगणे माहिम प्रांत वसई येथील दफतरदारी सांगान सालीना मोईन रुपये १०० एकशें रुपये मोईन सालीना करार करून दिल्ली असे, तरी यांचे हातून परगणे मजकूर येथील दफतरदारीचें कामकाज घेऊन सदरहू मोईन सनद पैवस्तगिरीपासून परगणे मजकूरपैकीं पावीत जाणें. कलम १.

service of Government, he was given a village worth Rs. 600 for his house-hold expenses.

( 1023 ) When the Táluká of Bassein was taken by the English,

A. D. 1786-87. Keshav Ranchhod accepted service under that Govern-

ment A message was sent to him by Abáji Yádav promising him a palanquin and some appointments, if he would arrange to secure the forts of Tándulwáli and Káldurg and the Mahál (Salsett

एकूण दोन कलमें करार करून हे सनद तुझांस सादर केली असे, तरी सदरहूप्रमाणें  
करणें झणोन, गणपतराव जिवाजी यांस. सनद १.

रसानगी याद.

१०२४ ( ९६४ )—सालाजी बिन सुभानजी सुपेकर याणें हुजूर विनंती केली कीं,  
समान समानीन सरकारांतून श्रीगंडकीस पाठविलें तें काम करून आलीयावर, पुरं-  
मया व अलफ दरचे मुक्कामाहून त्रिबकराव विश्वनाथ यांजकडे, व मोगलांकडे, व  
सफर ३० आणखी दहा ठिकाणीं जरूरीचे वगैरे कामगारीस पाठविलें ते साहे-  
बांचे प्रतापें कामें करून आलों. ते समयीं आज्ञा होती कीं सरकार कामें करून आली-  
यावर बक्षीस देऊं, त्यास सरकार कामें एकनिष्ठेनें केलीं आहेत, साहेबांनीं कृपा करून  
माझे व मुलांलेकरांचे पोटास वंशपरंपरेनें कालक्षेप चाले असा इनाम करून दिव्हा पाहिजे  
झणोन; त्याजवरून तीर्थस्वरूप कैलामवासी नारायणरावसाहेब यांणीं गंडकीस पाठविलें,  
त्याजवर पुरंदरचे मुक्कामीहून त्रिबकराव विश्वनाथ यांजकडे नाजूक कामास, व नबाब  
निजाम अलीखान याजकडे वगैरे कामास पाठविलें; तेथून जपोन चाकरी करून आला;  
सरकार चाकरी केलीयावर बक्षीस द्यावें असें ते समयीं बोलण्यांत आलें होतें, त्यावर  
सालगुदस्तां कर्णाटकचे स्वारीस राजश्री हरी बल्लाळ यांजबरोबर गजेंद्रगडास मेहनत करून  
कामकाज चांगलें केलें, याकरितां कामाचा माणूस मेहनती, मर्द, इतबारी जाणोन याज-  
वर कृपाळू होऊन घरच्या बेगमीस मौजे भाजे, तर्फे नाणेंभावळ, तालुके लोहगड, येथें  
पंचायशी रुपयांची जमीन नूतन इनाम, स्वराज्य व मोगलाई एकूण दुतर्फा, खेरीज हक्क-  
दार करून, कुलबाव कुलकानु हल्लीपट्टी पेंस्तरपट्टी देखील इनाम तजार्ई, जल, तरू, तृण,  
काष्ठ, पाषाण, निधी, निक्षेप सहित, दरोवस्त इनाम करार करून देऊन, हे सनद सादर  
केली असे, तरी मौजे मजकूरपैकीं अवल जमीन मातशेताच्या धान्याची असेल, त्या-  
प्रमाणें खराब जमीनीस सदरहू धारा लाऊन चतुःशीमापूर्वक पंच्यायशी रुपयाचे आका-  
राची जमीन नेमून देऊन मोजणी जाबता हुजूर लिहून पाठवणें, त्याप्रमाणें इनामपत्रें

for the Peshwá. On this Keshav did service for the Government during the year A. D. 1781-82. The promised reward was therefor given.

( 1024 ) Saláji bin Subhánji Supekar was sent by Peshwá Náráyan-  
A. D. 1787-88 ráo to Shri Gandaki on some errand. He was afterwards  
sent from fort Purandhar to Trimbakrao Vishwanáth  
and to Nawab Nizam Alikhán on some delicate missions. He executed  
these successfully. He also did good service at Gajendragad, while serv-

**इनाम, नक्तनेमणुकीं, वतने वगैरे—9. *Inams, allowances, watans &c. १८३***

करून दिलहीं जातील, सदरहू जमीनीचा आकार होईल तो यांचे नांवें इनाम खर्च लिहीत जाणें झणोन, बाळाजी जनार्दन यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

१०२५ ( १०७० )—गोविंद कृष्ण यांचे नांवें सनद कीं, तीर्थस्वरूप राजश्री बाजी-

सलास तिस्रेन

मया व अलफ

साबान २६

राव साहेब यांजवळ लहानपणापासून ल्याहावयास व पढावयास सोबतीस आहेत, त्यास तैनात सालीना.—

नक्त रुपये.

कापड आंस.

गोविंद चिमणाजी

१००

५०

त्रिंबक गोविंद.

१००

५०

२००

१००

एकूण दोन असामीस दोनशें रुपये नक्त, व एकशे कापड आंस सालमजकूर अवल-  
सालापासून करार करून देऊन हे सनद तुम्हांस सादर केली असे, तरी तेथील बाळांतील  
कारकुनाबरोबर सदरहूप्रमाणें तैनात सालीना देत जाणें झणोन.

सनद १.

रसानगी याद.

**९ इनाम, नक्तनेमणुकीं, वतने वगैरे.**

( अ ) देणग्या.

२ धर्मकृत्यें व नवस.

१०२६ ( १०८ )—जगन्नाथ बैरागी, वास्तव्य मठ मौजे गंगापूर, परगणे नाशिक,

खमस सवैन

मया व अलफ

रमजान १४

याणीं हुजूर किल्ले पुरंदर येथील मुक्कामी येऊन विदित केलें कीं,

आपण मौजे मजकुरी मठ बांधोन स्वामींस, व स्वामींच्या राज्यास

कल्याण चितून आहे; त्याम मठांत अतीत अभ्यागत येऊन, अन्ना-

विण विन्मुख होऊन जातात, याकरितां कृपाळू होऊन गांवगन्ना देहे बीतपशील.

ing under Hari Ballál in Karnátic. Inám land assessed at Rs. 85 was therefore given to him.

( 1025 ) Govind Chimnaji and Trimbak Govind, the two companions

A. D 1782-83. of Bájirao saheb who received religious and secular instruction with him from his infancy, were granted

each an allowance of Rs. 150 per annum.

2. Grants for charitable purposes and in fulfilment of vows.

( 1026 ) At the request of Jagannáth Bairági of the Math at Gangá-

४ परगणें नाशिक.

१ कजवे मजकूर.

१ मौजे पाथरडी.

१ मौजे गंगापूर.

१ मौजे ओढें.

४

२ परगणें दिंडोरी

१ मौजे जानोरी.

१ मौजे गिरनारें

२

१ मौजे वोझर परगणे चांदवड.

७

एकूण देहे सात येथें बाजार आहेत. तेथे बाजाराचे दिवशीं रस्तेयांत नवी दुकानें मांडून बसतील त्यांस दाण्याचे दुकानास गळा एकमूठ व वाणी व चाटी व साळी व सराफ उदमी यांचें दुकानांस शिवराई रुके ३ तीन याप्रमाणें नूतन धर्मार्थ करून दिल्ल्यानें यानें अतीत अभ्यागत विन्मुख जाणार नाहींत ह्मणोन; याजवरून मनास आणितां, मौजे मजकुरी बैरागी मठ बांधोन राहिला आहे, तेथें अतीत अभ्यागत येऊन अन्नाविण विन्मुख जातात, त्यास अन्न दिले यानें श्रेयस्कर जाणोन, कजवे नाशिक सुद्धां देहेसात येथील बाजाराचे दिवशीं रस्तेयांत नवीन दुकान मांडून बसतील त्यांस दाण्याचे दुकानास गळा एक मूठ, व वाणी, व चाटी, व साळी, व सराफ, वगैरे उदमी यांचें दुकानांस शिवराई रुके ३ प्रमाणें नूतन धर्मार्थ सरकार जमाबंदी शिवाय करार करून दिल्ले असे तरी वाणी व चाटी, व साळी, व सराफ वगैरे उदमी यांस ताकीद करून, सदरहूप्रमाणें बैरागी याजकडे चालवणें. प्रतिवर्षीं नूतन पत्राचा आक्षेप न करणें, या पत्राची प्रति

A. D. 1774-75. pur in Parganā Nāsik permission was given to him to levy from all new traders frequenting kasbe Nāsik and 6 other villages on bazār days, and occupying a portion of the road for trade purposes, the following contributions: -

from each grainshop—one handful of grain;

from each other trader—three Shivrāi Ruke.

लिहून घेऊन हें असल पत्र याजवळ भोगवटियास परतोन देणें झणोन, परगणें नाशिक, व दिंडोरी, व चांदवड, सरकार संगमनेर यांस. सनदा.

१ मोकदम.

१ कमाविसदार, वर्तमान व भावी यांस.

२

रसानगी यादी.

### नारो आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१०२७ ( १९६ )—वेदमूर्ती राजश्री जनार्दनभट व सदाशिवभट गाडगीळ यांणी खमस सबैन हुजूर विदित केलें कीं, आपले तीर्थरूप बापूभट गाडगीळ यांस वाई मया व अलफ पैकीं आंबे सुमार पंधराशें पावत होते. त्यास गनिमाचे गडबडीमुळें रबिलाखर ५ वाईतून कोकणांत गेलों. पुढें तीर्थरूप वारले. हल्लीं आपण वाईत राह-  
ण्यासी आलों आहों. तरी पूर्ववत्प्रमाणें चालवावें झणोन; त्याजवरून हे सनद तुझांस सादर केली असे, तरी आंबे सुमार,

१००० आंबे पिकले.

५०० हिरबे, लवणशाकेस.

१५००

एकूण दीड हजार आंबे सुमार देविले असेत, तरी कसबे वाई येथील शेरीपैकीं पेशजींप्रमाणें भटजींस पावते करणें झणोन, हैबतराव भवानीशंकर यांचे नांवें छ. २२ रबिलावल. रसानगी यादी. सनद १.

१०२८ ( ४१६ )—दलबादलशा फकीर याचा तकिया मौजे कबडी येथें गांवाजवळ आहे.

सबा सबैन त्या तकियाचे चिराखबत्तीस मौजे लोणी तर्फ हबेली, प्रांत पुणें, पैकीं नूतन मया व अलफ इनाम जमीन विधे ४ चार विधे करार करून देऊन, वर्तमान भावी मोहरम २ कमाविसदार यांचे नांवें अलाहिदा सनद सादर जाहली आहे, त्या-

The concession was granted to enable him to feed travellers coming to his Math.

### FROM NARO APPAJI'S DIARY.

( 1027 ) At the request of Janardan Bhat and Sadashiva Bhat Gadgil, orders were issued to the officer of Wai to give them 1000 ripe, and 500 unripe mangoes from the Sheri lands of Wai.

( 1028 ) Inam lands were given for the lighting of the mosque at Kawadi.

प्रमाणें मौजे मजकूरपैकीं सदरहू चार बिघे जमीन याचे दुमाला करून देऊन आकार होईल तो दरसाल यांचे नांवें इनामखर्च लिहिणें झणोन, रामचंद्र नारायण यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

दलबादलशा फकीर यांणीं हुजूरनजीक पुणें येथील मुक्कामीं येऊन अर्ज केला कीं, आपण दोन तीन वर्षे लष्करांत दुवा देऊन आहें, त्यास आपला तकिया मौजे कवडी येथें गांवाजवळ आहे त्यास तकियाचे चिराखवत्तीस कांहीं नूतन इनाम जमीन देऊन चालविलें पाहिजे झणोन; त्याजवरून मनास आणून फकीर दुवागीर तीन वर्षे लष्करांत आहे हें जाणून याजवर मेहेरबान होऊन मौजे लोणी, तर्फ हवेली, प्रांत मजकूरपैकीं नूतन इनाम जमीन बिघे ४ चार बिघे जमीन अवल दूम सीम तीन प्रतीची कुलबाब कुलकानू, हल्लीपट्टी, व पेस्तरपट्टी खेरीज हकदार करून दरोबस्त इनाम करार, करून देऊन, हे सनद तुझांस सादर केली असे, तरी सदरहू चार बिघे जमीन मौजे मजकूरपैकीं चतुःसीमापूर्वक नेमून देऊन, याचे दुमाला करून इनाम चालवणें. दरसाल ताजे सनदेचा आक्षेप न करणें. या सनदेची नकल लिहून घेऊन असल सनद याजवळ भोगवटियास परतोन देणें झणोन, कमाविसदार वर्तमान भावी प्रांत पुणें यांस.

सनद १.

रसानगी यादी.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१०२९ ( ४८७ )—२००० रुपये खासगी निसबत शिवराम रघुनाथ यांजकडे श्रावण

समान सबैन मासचे दक्षणेचें साहित्य, फुटाण्यास हरबरे व खिचडीस डाळ, व  
मया व अलफ रोषनाईस तेल व विड्यांस सुपारी, व छपरं खरेदी करावयाबद्दल, व  
रजब ३० तांदूळ सडणावळ वगैरे मजुरीबद्दल, परवानगी रूबरू.

१०३० ( ४८८ )—धर्मादाय दक्षणा श्रावणमास मुक्काम पुणें.

रुपये.

समान सबैन  
मया व अलफ  
रजब ३०

### FROM JANÁRDAN APPÁJI'S DIARY.

( 1029 ) Rs. 2000 were given to Shiwaram Raghunáth for purchases in connection with the Daxarà distributed in the month of Shrāvan—such as grain, rice, pulse, oil, leaves, betelnut and for erecting huts.

( 1030 ) The following sums were distributed as Daxarà in the month of Shrāvan. The distribution commenced on the 6th of Shrāvan Shudha at about 9 or 10 A. M:—

३०,५१० पर्वतीस रमण्यांत दक्षणा ब्राह्मणांस दिल्ली, प्रारंभ छ. ५ रजब श्रावण-  
शुद्ध षष्ठी मंदवासरे प्रातःकाल दीड प्रहर दिवस. रुपये.

१०२८१ विद्यमान जनार्दन आपाजी, दरवाजा पहिला, ब्राह्मण  
असामी ६३९३. शेरा सरासरी १॥१॥ प्रमाणें. रुपये.

४७१० विद्यमान रामशास्त्री, दरवाजा दुसरा, ब्राह्मण असामी  
२२५० एकूण शेरा सरासरी २४१॥ प्रमाणें. रुपये.

५७०० विद्यमान अमृतराव विश्वनाथ पेठ्ये, दरवाजा तिसरा,  
ब्राह्मण ३३०५ एकूण शेरा सरासरी १॥॥ प्रमाणें. रुपये.

५६३० विद्यमान विसाजी कृष्ण, दरवाजा चौथा, ब्राह्मण असामी  
२९७० शेरा सरासरी १॥॥१॥ प्रमाणें. रुपये.

४१८९ विद्यमान भिवराव येशवंत, दरवाजा पांचवा, येथें काशिनाथ  
शास्त्री यांणीं दक्षणा वाटिली; असामी १९२२ एकूण शेरा  
सरासरी २४१॥॥ प्रमाणें. रुपये.

३०,५१०

१६,८४०

शेरा सरासरी १॥॥१॥ प्रमाणें. रुपये.

२२,१७४ वाड्यांत ब्राह्मणांस दक्षणा दिल्ली, विद्यमान वासुदेवभट कर्वे उपाध्ये नांव-  
निशीवार तपशीलबंद आलाहिदा ४८ एकूण ब्राह्मण असामी २२२०  
एकूण रुपये.

२१०२६ निसवतवार ब्राह्मण २०२४ असामी. रुपये.

१००१ श्रेत्रींचे ब्राह्मणांस दक्षणा पाटविली असामी १४५ रुपये.

१४७ वाड्यांतील असामी ५१ एकूण रुपये.

२२,१७४

१२२०

Rs. 30510 distributed to those assembled at the Parvati temple:—

10281 By Janardan Appaji 1st door No. of recipients 6393.

4710 „ Rámshástri 2nd „ „ 2250.

5700 „ Amritrao Vishwanáth Pethe 3rd 3305.

5630 „ Visáji Krishpa 4th „ „ 2970.

4189 „ Bhiwrao Yeshwant 5th „ „ 1922.

30510 16840.

22174 distributed in the palace (including the sum sent out to  
Brahmins of holy places ). No. of recipients 2250.

- ३०० शंकराचार्य स्वामी शृंगेरीकर यांच्या समार्धी पंचवटीत श्री गोदातीरी दोन आहेत, तेथील पूजन व अर्चन व पुण्यतिथी दोन, मिळोन दरसाल तीनशें रुपये श्रावणमासी द्यावयाचा करार करून, सालमजकूरचे. रसानगी याद. रुपये.
- १०१५ रमण्यांत ब्राह्मण दक्षणेस गेले नाही, त्यांस धरोघर जाऊन दक्षणा दिव्ही, व देवांपुढें दक्षणा ठेविली, गुजरात कारकून, निसवत रामचंद्र नारायण मुभा प्रांत पुणें, व बाळ दीक्षित गडबोले, बरहुकूम याद. रुपये.

२ श्री देवांपुढें ठेविली.

॥ ओंकारेश्वर.

॥ गणपती.

॥ रामचंद्र.

॥ किरकोळ.

२

१०१३ ब्राह्मण दुखणेकरी वगैरे असामी ६९० एकूण शेरा सरासरी दर असामीस १॥=॥ प्रमाणें रुपये.

४३६ प्रत असामी ४३६ दर १ प्रमाणें.

३९२ प्रत असामी १९६ दर २

१५३ प्रत असामी ५१ दर ३

२० प्रत असामी ५ दर ४

७ प्रत असामी १ एकूण.

५ प्रत असामी १ एकूण.

१०१३

६९०

१०१५

५३९९९

१९७५१

- 300 sent for the expenses of 2 worships at two Temples of Shankarāchāryās of Shringeri at Panchwati;
- 1015 sent to Brahmins who on account of illness were unable to attend in person.—No. of recipients 690 & offered to four deities at 8 annas each;



इनाम, नकनेमणुकी, वतने बैरे—9. *Inams, allowances, watans &c.* १८९

४९१२। खुर्दा रमण्यांत उलफ्या बरोबर पांच रोजा, व दक्षणे समयी दिव्हा, गुज-  
रत नारो महादेव गद्रे. खुर्दा खरेदी गुजरात बाळाजी नाईक, दिमत  
पोतदार. टक्के.

१७५५७ उलफ्यास पांच रोजा ब्राह्मण असामी एकूण. रुपये.

१३९७८। ब्राह्मण ५५९१३ असामी, दर असामी टक्का १।  
प्रमाणें रुपये.

८५७५ दरवाजा पहिला असामी ३४३००

४२२० दरवाजा दुसरा असामी १६८८०

११८३। दरवाजा तिसरा ४७३३

१३९७८।

५५९१३

तपशील तेरखा.

२१२३॥ छ. २९ जमादिलाखर ८४९४

२६९१॥ छ. १ रजब १०७६६

२८१०॥ छ. २ रजब ११२४२

३०४२। छ. ३ रजब १२१६९

३३१०॥ छ. ४ रजब १३२४२

१३९७८।

३५७८॥ बायका, दरवाजा चौथा, दर असामी १। प्रमाणें. टक्के.

६२८ छ. २९ जमादिलाखर २५१२

६२८॥ छ. १ रजब २५१५

७४७ छ. २ रजब २९८८

७२८॥ छ. ३ रजब २९१४

८४६॥ छ. ४ रजब ३३८६

३५७८॥

१४३१५

१७५५७

७०२२८

4912-4 paid to Brahmins on account of feeding charges at anna 1 per diem for 5 days—women numbering 14315 also received this allowance at the same rate;

२०९६॥६ दक्षणे समयी ब्राह्मणांस दर असामी रुके  
प्रमाणें, इस्तकबील छ. ५ रजब तागाईत छ. ६  
मिनहू दक्षणेस असामी १६८४० पैकीं ब्राह्म  
णांस खुर्दा पावला नाही ते वजा ६५ असामी  
बाकी १६७७५, एकूण दरवाजेवार असामी  
एकूण टके.

|        |                     |      |
|--------|---------------------|------|
| ७९९४६  | दरवाजा पहिला        | ६३९३ |
| २७७॥६  | दरवाजा दुसरा असामी  | २२२३ |
| ४१३४६। | दरवाजा तिसरा असामी  | ३३०५ |
| ३६६॥   | दरवाजा चौथा         | २९३२ |
| २४०।   | दरवाजा पांचवा असामी | १९२२ |
|        |                     | टके. |

२०९६॥६

१६७७५

१९६५३॥६

८७००३

पैकीं वजा खुर्द्याचें माप घेतां व सर्व खातें कसर वाढली खुर्दा टके ३॥१९.  
बाकी टके १९६४९॥९ एकूण दर रुपयास टके ४ चार प्रमाणें रुपये  
४९१२।३॥.

पैकीं वजा मूट ४३॥ बाकी.

रुपये.

११८२ पुरंदरी ब्राह्मणांस दक्षणा दिली.

रुपये.

१५ गोविंदभट निजसुरे.

१५ कृष्णभट वैद्य.

१५ कृष्णभट जोग.

१० आपाभट बापट.

८ सदाशिवभट भोघे.

७ बाळजोशी संगमेश्वरकर.

७ दादभट काणे.

असामी.

११०५ किता

१९ प्रत १९ दर १ प्रमाणें.

इनाम, नक्तनेमणुकीं, वतनें वगैरे—9. *Inams, allowances, watans &c.* १९१

|        |                                                                  |           |           |
|--------|------------------------------------------------------------------|-----------|-----------|
| २८०    | प्रत १४०                                                         | दर २      |           |
| २३१    | प्रत असामी ७७                                                    | दर ३      |           |
| ३२०    | प्रत ८०                                                          | दर ४      | प्रमाणें. |
| १९५    | प्रत ३९                                                          | दर ५      |           |
| ६०     | प्रत असामी १०                                                    | दर ६      |           |
|        |                                                                  |           | रुपये.    |
| ११०५   |                                                                  |           | ३७२       |
| ११८२   |                                                                  |           |           |
|        | दर सरासरी ३८=॥                                                   | प्रमाणें. |           |
| ३५४१   | किरकोळ पोता वगैरे तहाबंद अलाहिदा                                 |           |           |
| ६०५४७॥ |                                                                  |           | २         |
| १००००  | बाळकृष्णशाली आश्रित यांस कर्ज वारावयावद्दल एकसालां तेनाते खेरीज. |           | रुपये.    |
| ७०५४७॥ |                                                                  |           |           |
| २०     | पीर कसचे पुणें यास सालगुदस्तांप्रमाणें सालमजकुरीं, रसानगी याद.   |           | रुपये.    |
| १०     | शेससला.                                                          |           |           |
| १०     | शेखसादन.                                                         |           |           |
| २०     |                                                                  |           |           |
| १७२१   | पोस्त खर्च, प्यादे वगैरे रमण्यांत ब्राह्मणांचे बंदोबस्ताम होते,  |           |           |
|        | त्यांस मिठाईवद्दल दर असामीस रुपये४= प्रमाणें रसानगी यादी तीन     |           | रुपये.    |
| ५९॥    | किलेहायचे लोकांस.                                                |           |           |
| २॥     | किलेहायचे लोकांस असामी                                           | २२        |           |

154-4 Miscellaneous

Number of recipients 20,152

total 60547-8

20 were sent as presents to Pirs Shek Sallá and Shek Sádat;  
172-4 were paid to peons No. 1378 from different forts and Talukás

|      |                                               |     |
|------|-----------------------------------------------|-----|
| १।   | किले घनगड असामी                               | १०  |
| ॥=   | किले चाकण असामी                               | ५   |
| २॥=  | किले कोरीगड                                   | २१  |
| ५    | किले चंदन वौरे निसबत शाम-<br>राव जगजीवन असामी | ४०  |
| ३०४= | किले पुरंदर.                                  |     |
|      | ८॥॥ नेहमी लोक किले                            |     |
|      | मजकूरचे असामी                                 | ७०  |
|      | ८॥= कानडे प्यादे असामी                        | ६७  |
|      | २॥ माजी वंदनकर                                | २०  |
|      | १०॥ हुजूर हशम                                 | ८४  |
|      | ३०४=                                          |     |
|      | १७॥ किले सिंहीगड असामी                        | १४० |
|      | ५९॥॥=                                         | ४७९ |
| २५॥  | तालुकेहाय.                                    |     |
|      | ८॥= तालुके शिवनेर                             | ६७  |
|      | ४॥॥ प्रांत राजपुरी                            | ३८  |
|      | २॥= अवचीतगड                                   | २१  |
|      | ५ तालुके रायगड                                | ४०  |
|      | ४॥॥ तालुके सुवर्णदुर्ग                        | ३९  |
|      | २५॥                                           | २०४ |
| २९   | किता लोक.                                     |     |
|      | ४॥ माजी चंदनगडकरी                             | ३६  |
|      | ॥॥॥ खास बारदार दिमदहाय<br>असामी               | ६   |

who were deputed to keep order at the Parwati temple at the time of the assembly.

इनाम, नकनेमणुकीं, घतनें वगैरे—9. *Inams, allowances, watans &c.* १९३

|    |                            |    |
|----|----------------------------|----|
| १॥ | जासूद जथेहाय असामी.        | १२ |
| ३॥ | प्यादे दिंमत विठोजी गुंड   |    |
|    | असामी                      | २७ |
| ३॥ | प्यादे दिंमत अबदुल असामी   | २७ |
| १  | प्यादे दिंमत पिरुजी भिलारे |    |
|    | असामी                      | १६ |
| १४ | प्यादे दिंमत रामजी यादव    | ९  |
| ३४ | दिंमत तोफखाना              | २५ |
| ४॥ | दिंमत देवजी सावंत वगैरे    |    |
|    | माहाले लोक                 | ३८ |
| १  | बहिरजी मोरे                | ८  |
| ॥  | प्यादे दिंमत बालोजी सालोखे | २  |
| १४ | प्यादे निसबत विसाजी धोडदेव |    |
|    | जोग                        | ९  |
| ८  | चाकणकर असामी               | १  |
| १  | फूटलोक असामी               | ८  |

२९

२३२

५४४ दिंमत हुजूर हशम ४३३

३॥ खिजमतगार निसबत खास जिलोब असामी ३०  
एकूण

१०२१

१३७८

२६२ तैवज खर्च श्रावणमासचे उत्साहाबद्दल ब्राह्मणांस विडे दावयास  
विज्याचीं पानें हिरवीं खरेदी केलीं, गुजारात प्यारजी तांबोळी  
पानें सुपारी.

२००००० छ. ३० जमादिलाखर.

१००००० छ. १ रजब.

१००००० छ. ४ रजब.

१२४००० छ. २६ रजब.

५२४०००

दर रुपयास पानें २००० दोन हजार प्रमाणें.

रसानगी यादी.

४५४।

१०३१ ( ५२३ )-धूम्रपानी गोसावी चौन्यायशीं आसनें करून योगसाधनेंत आनंद-  
समान सबैत वलीस नेहमीं राहतो. त्यास पेशजीं रोजमग दरमहा वीस रुपये व  
मया न अलफ पांच शेर लांकडे वजन दररोज पावत होतें, त्यास अलीकडे पावत  
मोहरम २३ नाही, ऐशास हल्ली पेशजीप्रमाणें दरमहा रोजमरा रुपये २० वीस,  
व लांकडे दररोज वजन पके ४४५ पांच शेर देविले असे, तरी सनद पैवस्तगिरीपासून  
मंगापुराहून देत जाणें ह्मणोन, रामचंद्र बल्लाळ नारळीकर यांस. सनद १.

रसानगी यादी.

१०३२ ( ५३९ )-मौजे सिंगवें, परगणें नाशिक, हा गांव श्री रामचंद्र संस्थान पंच-  
समान सबैत वटी यांजकडे आहे, त्यास श्रीचा पुजारी याणें आपले कर्जाचे ऐवजी  
मया न अलफ सावकाराकडे गांव गहाण ठेऊन, गांवचा वसूल सावकार परभारा घेतो,  
सफर २६ ह्मणोन हुनूर विदित झालें; याजवरून मौजे मजकूरचे बंदोबस्तास हुजु-  
रून श्रीनिवास नर्मी कारकून शिलेदार पाठविले असत. तरी मशारनिल्लेसी रून होऊन.  
मौजे मजकूरचा श्रीकडील अंमल सुरळीत देणें, पुजारी याजकडे व त्याचे सावकाराकडे  
वसूल एकंदर न देणें ह्मणोन, मौजे मजकूरचे मोकदमाचे नांवें छ. २२ जिल्काद चिटणिसी.

पत्र १.

१०३३ ( ५४५ )-तेलंग अगंतुक ब्राह्मण सोमवार पेठेंत मृत्यु पावला आहे, त्याचे  
समान सबैत दहनास लांकडे जाळाऊ वजन पके खंडी ॥॥ पंधरा मण लांकडे दे-  
मया न अलफ विले ( ली ) असे ( त ) तरी खरेदी करून देऊन ब्राह्मणाचें दहन  
सफर २६ करणें, सदरहू लांकडांची किंमत होईल ते शहरमजकूरचे कोतवालीचे

( 1031 ) An allowance of Rs. 20 per month and 5 seers of fuel per day was granted to an ascetic who inhaled smoke and practised Yoga in 84 different postures.

( 1032 ) Government was informed that the village of Singwe in Pargana Nāsik, belonging to the idol of Rāmchandra in Panchawati, had been mortgaged by the worshipper to his creditor, and that the revenue was being recovered by the creditor direct. A karkun was sent to take over the management of the village and to spend proceeds for purposes connected with the idol. The pātil of the villaged was enjoined to see that the revenue was not paid to the creditor or to his agents.

( 1033 ) Sanction was given to supply 3/4 Khandi, that is 15 Maunds,

इनाम, नकनेमणुकीं, वतनें वगैरे—9. *Inams, allowances, watans &c.* १९५

हिशेबीं ब्राह्मणाचे नांवे धर्मादाय खर्चे लिहिणें मजुरा पडेल ह्मणोन, आनंदराव काशी  
कमाविसदार कोतवाली शहर पुणें यांचे नांवे छ. २६ जिल्हेज. सनद १.

परवानगीं रूबरू.

१०३४ ( ५८३ )—धर्मादाय दक्षणा श्रावणमास मुक्ताम पुणें. रुपये.

निसा सबैत  
मया व अलफ  
रजब २९

३२२०२ पर्वतीस रमण्यांत दक्षणा ब्राह्मणांस दिल्ली, प्रारंभ छ. ४ रजब श्रावण शुद्ध  
षष्ठी सौम्यवासरे बेबीस घटकांनंतर रुपये.

१३२१६ विद्यमान जनार्दन आपाजी, दरवाजा पहिला, ब्राह्मण ८३४०,  
एकूण शेरा १॥८॥ प्रमाणें.

६४६० विद्यमान रामशास्त्री, दरवाजा दुसरा, ब्राह्मण ३२५९, एकूण  
शेरा १॥८॥ प्रमाणें. रुपये.

५३८१ विद्यमान अमृतराव विश्वनाथ, दरवाजा निसरा, ब्राह्मण २७५०,  
शेरा १॥८॥ प्रमाणें.

७१४५ विद्यमान कृष्णराव बल्लाळ काळे व काशीनाथ शास्त्री, दरवाजा  
चौथा, ब्राह्मण ३४१५ एकूण शेरा २४८॥ प्रमाणें

३२२०२ १७७६४

शेरा सरासरी १॥८॥ प्रमाणें.

२५८२२ वाड्यांत ब्राह्मणांस दक्षणा दिल्ली. विद्यमान रामशास्त्री नावनिशीवार तप-  
शीलबंद. अलाहिदा मुमारे ४३ एकूण ब्राह्मण असामी.

देखील क्षेत्रीचे ब्राह्मणांसुद्धां दक्षणा. रुपये.

२३८७२ नेसबतदार व क्षेत्रस्थ वंगरे मिळोन ब्राह्मण असामी  
२१७७ शेरा सरासरी १०॥८॥ रुपये.

१९५० यज्ञेश्वरशास्त्री, आपाशास्त्री यांचे बंधू यांस लग्नाचढल साल-  
मजकुरी एकसाल. रुपये.

२५८२२

A. D. 1777-78 of fuel for the cremation of a travelling Telang Brahman who died in Poona.

( 1034 ) Among the details of this date, the details of the *Shroddhar-*

A. D. 1778-79. *Dacani* expenses amounting to Rs. 64, 537 are given. It appears from a remark made at the end that some

- ३०० शंकराचार्य स्वामी शृंगेरीकर यांच्या समाधी पंचवटीत श्रीगोदातीरीं दोन आहेत, तेथील पूजन, अर्चन, व पुण्यतिथि दोन मिळून दरसाल तीनशें रुपये श्रावणमासीं द्यावयाचा करार आहे, त्याप्रमाणें सालमजकूरचे रुपये.
- २ श्रीदेवदेवेश्वर, वस्ती पर्वती, यांस रमण्यांत दक्षणा समाप्त जाल्यावर दक्षणा ठेविली, विद्यमान जनार्दन आपाजी. रुपये.
- १ श्रीदेवदेवेश्वर.

१ श्रीविष्णु.

- ९९५ दुखणेकरी ब्राह्मण व ब्राह्मणांचीं मुलें वगैरे रमण्यांत दक्षणेस गेलीं नाहींत. त्यांस घरोघर दक्षणा दिल्ली; व गांवांतील देवांपुढें दक्षणा ठेविली, गुजरात कारकून निसवत रामचंद्र नारायण सुभा प्रांत पुणें, व बाळ दिक्षित गडबोले बरहुकूम यादी. रुपये.

२ श्रीदेव.

॥ श्रीओंकारेश्वर.

१ श्रीरामचंद्र तुळशीबागेंतील.

॥ श्रीगणपती.

२

२९३ ब्राह्मण.

असामी ७४८

एकूण शेरा सरासरी ११ प्रमाणें.

रुपय

५०४ प्रत असामी ५०४ दर १

४८६ प्रत असामी २४३ दर २

३ प्रत असामी १ एकूण.

९९३

७४८

९९५

- ६६७ मुक्काम पुरंधर येथील ब्राह्मणांत दक्षणा दिल्लीबरहुकूम याद.

१० वाळंभट किरकिरे.

८ गोविंदभट किरकिरे.

१० पुरुषोत्तम भट, पुराणीक.

at least of the persons who received Daxanā at the wadā were brought in palanquins; all the palanquins in the town were requisitioned by Government for the purpose on that day.



६ बाळभट मराठे.

६० प्रत असामी १२ दर ५ प्रमाणें.  
 १२८ प्रत असामी ३२ दर ४ प्रमाणें.  
 २३१ प्रत असामी ७७ दर ३ प्रमाणें.  
 २०६ प्रत असामी १०३ दर २ प्रमाणें.  
 ८ प्रत असामी ८ दर १ प्रमाणें.

६६७

२३६

शेरा सरासरी २॥॥॥ प्रमाणें.

५९९८८

२०९२६

४१५५॥ खुर्दा रमण्यांत उलफयाबद्दल दर पांच रोजां व दक्षणे समर्थी दिल्ली, गुजरात बाळाजी नारायण आगाशे, खुर्दा गुजरात पांडोबा नाईक वगैरे खुर्दा. रुपये.

१६४८३। उलफयास पांच रोजां ब्राह्मण वगैरे असामी. एकूण.

१३५२८॥ ब्राह्मण ५४११४ असामी. दर अमामी टक्का ॥ प्रमाणें.

८१७७॥ दरवाजा पहिला असामी ३२७११

४३८२ दरवाजा दुसरा असामी १७५२८

९६८॥ दरवाजा तिसरा असामी ३८७५

१३५२८॥

५४११४

तपशील तेखा.

१८३६ छ. २९ जमादिलाखर ७३४४

२५०९॥ छ. ३० जमादिलाखर १००३८

२८५८॥ छ. १ रजब असामी ११४३५

३०२६॥ छ. २ रजब १२१०६

३२९७॥ छ. ३ रजब १३१९१

१३५२८॥

५४११४

२९५४॥ बायका ११८१९ असामी दर असामी ॥ प्रमाणें एक.

६६३॥ छ. २९ जमादिलाखर २६५५

८२२ छ. ३० जमादिलाखर ३२८८

|                                                                                                                                                                                                                        |                                                                      |       |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------|-------|
| ४७५।                                                                                                                                                                                                                   | छ. १ रजब                                                             | १९०१  |
| ४६८।।।                                                                                                                                                                                                                 | छ. २ रजब                                                             | १८७५  |
| ५२५                                                                                                                                                                                                                    | छ. ३ रजब असामी                                                       | २१००  |
| २९५४।।।                                                                                                                                                                                                                |                                                                      | ११८१९ |
| १६४८३।                                                                                                                                                                                                                 |                                                                      | ६५९३३ |
| २१६०। दक्षणेसमयीं ब्राह्मणांस दर असामीस रुके ४६ प्रमाणें इस्तकविल छ. ४ रजब तागाईत छ. ५ मिनहू. दक्षणेस असामी १७७६४ पैकीं ब्राह्मणांस खुर्दा पावला नाही ते वजा असामी ४८२ बाकी असामी १७२८२ एकूण दरवाजेवार असामी एकूण टके. |                                                                      |       |
| १०२३।।।                                                                                                                                                                                                                | दरवाजा पहिला असामी                                                   | ८१९०  |
| ३६५।।।६                                                                                                                                                                                                                | दरवाजा दुसरा असामी                                                   | २९२७  |
| ३४३।।।                                                                                                                                                                                                                 | दरवाजा तिसरा असामी                                                   | २७५०  |
| ४२६।।।६                                                                                                                                                                                                                | दरवाजा चौथा असामी                                                    | ३४१५  |
|                                                                                                                                                                                                                        | टके                                                                  |       |
| २१६०।                                                                                                                                                                                                                  |                                                                      | १७२८२ |
| १८६४३।।                                                                                                                                                                                                                |                                                                      | ८३२१६ |
| पैकी वजा खुर्द्याचें मापें घेतां, व खर्च होतां कसर वाढली खुर्दा टका १॥ बाकी टके १६६४२ एकूण खुर्दा खरेदी गुजारत हाये.                                                                                                   |                                                                      |       |
| २२६३।।                                                                                                                                                                                                                 | गुजारत पांडोबा नाईक पराडे, खुर्दा टके १०१५० दर ४।११। प्रमाणें रुपये. |       |
| १२६७।।                                                                                                                                                                                                                 | गुजारत जेठ्या                                                        |       |
| १०००                                                                                                                                                                                                                   | प्रत टके ४५०० दर ४।।                                                 |       |
| २६७।।                                                                                                                                                                                                                  | प्रत टके १२०० एकूण दर ४।११। प्रमाणें.                                |       |
| १२६७।।                                                                                                                                                                                                                 |                                                                      |       |

६२४॥३॥ गुजरात यादोबा नाईक लोहोकर टके  
२७९२ एकूण दर ४११०॥ प्रमाणे.

४१५५॥३॥

पैकीं वजा सुट ४३॥, बाकी रुपये.

३९३॥ किरकोळ तपशील बंद अलाहिदा २ एकूण.

६४५३७।

वाड्यांत ब्राह्मणांस दक्षणा दिली, विद्यमान रामशास्त्री इस्तकवील छ. २९ जमादि-  
लाखर, श्रावण शुद्ध १ भृगुवासरे तागाईत छ. ७ रजव. रुपये.

३५६२ आश्रित वगैरे.

१५० बाळकृष्णशास्त्री.

१०० रामशास्त्री.

१५० लक्ष्मण पाठकजी.

x

x

x

x

२६३५ निसबत बापूभट शिन्ने.

२५ विश्वनाथभट गोडशे.

२५ यथुराभट वैद्य काशाकर.

२५ बाळकृष्णभट छत्रे.

x

x

x

x

२२८ निसबत यज्ञेश्वर दीक्षित मनोहर.

८ बाळभट घाणेकर.

५ शंकर दीक्षित आकुर्डीकर.

१८२ वाड्यांतील असामी एकूण

रुपये.

२७ आचारी.

४ बाबाजी गोखला.

४ सदाशिव करमरकर.

x

x

x

x

७८ शागिर्द.

३ बिम्ब जोशी.

३ भवानी शंकर.

x

x

x

x

३० हरकारे.

३ बापू अवधारी.

३ विसोबा धुमाळ.

x

x

x

x

१५ रीमवान.

३ लक्ष्मण चोपडा.

३ येशवंत.

x

x

x

x

२० पीर कसबें पुणें यांस सालगुदस्तप्रमाणें सालमजकुरीं दक्षणेसमयीं पावतात ते.

१० शेखसला.

१० शेखसादत.

२०

११७॥ पोस्तखर्च प्यादे वगैरे रमण्यांत ब्राह्मणांचे बंदोबस्तास होते त्यांस मिठाईव

इल दर असामी ४८ प्रमाणें.

३२ किलेहायचे लोकांस.

३ किले विसापूरकर असामी २४.

२॥ किले राजमाची असामी २२.

x

x

x

x

११॥= तालुके हाय.

६॥ तालुके विजेदुर्ग असामी ५२.

२॥ तालुके अवचितगड असामी २०.

३८॥= प्यादे वगैरे.

४॥= दिमत रामजी यादव असामी ३७.

४॥ निसबत विसाजी धोंडदेव असामी ३६.

x

x

x

x

२४= माजी चंदनगडकरी.

१५० २५४= हुजूर हशमलोकांस असामी.

१५० कित्तालोक.

३६ पर्वतीस श्रीदेवदेवेश्वराकडे व विण्णूकडे चौकीस आहेत त्यांस सालाबादप्रमाणें.

१५ दरबाज्यांस असामी १५.

५॥= कारखान्याकडे वगैरे प्यादे असामी.

**इनाम, नकनेमणुकीं, वतनें वगैरे—9. *Inams, allowances, watans &c.* २०१**

३० सरकारचे वाड्यांत दक्षणासमाप्तीदिवशीं ब्राह्मण कोंडले त्यांचे चौकीस.

१० ब्राह्मणांस आणावयास व पोचवावयास पालक्या शहरांतील गृहस्थांच्या जमा करावयास होते ते.

५ विड्याकडे.

×

×

×

×

१०३५ ( ८९२ )—श्रावण मासचे दक्षणेचे बंदोबस्तास सरकारांत लोक आणविले नीत समानीत असेत, तरी पोटाची सदरहु लोकांची वेगमी करून देऊन पाठवून मया व अलफ देणें ह्मणोन. सनदा.  
रमजान १७

१ परशराम श्रीनिवास प्रतिनिधी यांस असामी ३०० तीनशे यांविशीं.

१ सदाशिव चिमणार्जी सचिव यांस असामी ३०० तीनशे यांविशीं.

१ रामचंद्र नारायण किले पुरंधरापैकीं असामी १०० शंभर यांविशीं.

१ नारो महादेव किले सिंहीगडपैकीं असामी ७५ पाऊणजे यांविशीं.

१ रामराव नारायण किले राजमाची, तालुके मजकूर, पैकीं असामी ५० यांविशीं.

१ रंगो शामराव किले चंदन पैकीं असामी १५ पंधरा येविशीं.

१ भगवंतराव नारायण किले चाकण पैकीं असामी १० दहा यांविशीं.

१ रघुनाथ सदाशिव तालुके रायगड पैकीं असामी १०० शंभर यांविशीं.

८

आठ सनदा दिल्ल्या अमेत. रसानगी महादाजो नरसी कारकून दिमत सर्वोत्तम शंकर. हशमनीस.

१०३६ ( ९०७ )—पाद्री फैल्याद मानरदेव रेवदंडेकर याणें हुजूर येऊन अर्ज केला नीत समानीत कीं, रेवदंड्यास मानरदेवीची रमेद फिरंगी याचे वेळेची आहे, मया व अलफ तिच्या भिती मजबूद आहेत परंतु यासे जुने होऊन वगील काम जाहरम १२ जाया जाहलें आहे, ते सरकारांतून नीट करून देविलें पाहिजे म्हणोन: त्याजवरून रमेदीचें कामाबद्दल रुपये १०० शंभर रुपये तालुके रेवदंडा पैकीं दे-

( 1035 ) Men were brought to Poona from the service of Pratinidhi, Sachiv, and other officers to keep order during the alms giving ceremony in the month of Sharavan.  
A. D. 1785-86.

( 1036 ) At the request of a Portuguese priest of Rewadanda, sanction was given to the expenditure of Rs. 100 on repairing a Christian church at Rewadanda.  
A. D. 1785-86.

विले असत, तरी सदरहू शंभर रुपये देऊन काम करवणें म्हणोन, आनंदराव शिंदे याचे नांवें.

सनद १.

रसानगीयादी.

१०३७ ( ९४३ )—श्रीपंचलिंग महादेव, वास्तव्य मौजे बारव, तर्फ हवेली, प्रांत सबा समानीन जुन्नर यांस, तालुके शिवनेर, व तालुके चास वर्गेंरे जागां कोळ्यांनी मया व अलफ दंगा केला होता त्यांचें पारपत्य होऊन बंदोबस्त जाला ह्मणजे श्रीचें जमादिलाबल २९ देवालय बांधावें ह्मणोन बाळाजी महादेव यांणीं नवस केला; त्याप्रमाणें कोळ्यांचें पारपत्य होऊन बंदोबस्त जाला. सवव श्रीचें देवालय दोन हजार रुपयांत बांधावयाचा करार करून बाळाजी महादेव यांस आज्ञा केली आहे. तालुके शिवनेर व तालुके चास येथील गांवगन्ना पैकी सरकारजमेशिवाय पट्टी करून दोन हजार रुपयांत देवालय बांधणें, जाजती पट्टी न करणें ह्मणोन, कमाविसदार यांचे नांवें. मनदा.

१ बाळाजी महादेव तालुके शिवनेर यांस कीं, श्रीचें देवालय दोन हजार रुपयांत बांधणें. सदरहूपैकीं सातशें रुपये निळकंठराव रामचंद्र, तालुके चास, यांजकडून देविले आहेत, बाकी तुळांकडून रुपये १३०० तेराशें देविले असेत. तरी तालुके मजकूर येथील गांवगन्नापैकीं देणें ह्मणून. सनद.

१ निळकंठराव रामचंद्र, तालुके चास, यांस कीं, श्रीचें देवालय दोन हजार रुपयांत बांधावयाची आज्ञा बाळाजी महादेव यांस केली आहे. सदरहूपैकी तुळांकडून रुपये ७०० सातशें देविले असेत, तरी तालुके मजकूर येथील गांवगन्नापैकी देणें, ह्मणोन. सनद.

२

रसानगीयादी.

१०३८ ( ९५० )—द्वारकादास बैरागी हे श्रीगोदावरी मौजे बाभुळगांव, परगणा

( 1037 ) When a rebellion of kolis broke out in Taluká Siwaner and Taluká Chás, Báláji Mahádeo, officer of the former Taluká, made a vow to build a temple to Shri Panch-Linga Mahádeo at Mouze Barav in pránt Junner, if the rebellion was put down. The rebellion was suppressed and Báláji Mahádeo was permitted to fulfill his vow by levying Rs. 2000 from the two Talukás in addition to Government demand.

( 1038 ) Dwárkádás, a Bairági residing in the fields near Bábhulgaum in Parganá Waijápúr was a great ascetic. In summer he surrounded himself on all sides with fire, in the

सबा समानीन  
मया व अलफ.  
रजब २४

वैजापूर, नजीक रानांत राहतात, निस्पृहवृत्तीने आहेत, बहुत योग्य तपस्वी, उष्णकाळीं पंचामिसाधन, व पर्जन्यकाळीं पर्जन्यांत, व शी- तकाळीं जलांत, याप्रमाणें तपस्वी, निराहारी दुग्ध प्राशन करून आहेत, आल्या गेल्या ब्राह्मणास व बैरागीयास अन्न देतात, व गाईची सेवा करितात. यांचे सरकारांतून चालविल्यास श्रेयस्कर जाणोन, नूतन इनाम पडजमिनीपैकीं जमीन चाहूर १॥ दीड चाहूर द्यावयाची करार करून हे सनद तुझांस सादर केली असे, तरी यांचें मठाजवळ लगते परगणा वैजापूरचे गांव आहेत, तेथील गांवपैकीं यांचे उपयोगी व गाईच्या चरावयाचे उपयोगी पडजमिनीपैकी जमीन सदरहूप्रमाणें पाहून नेमून त्यांचे दु- माला करून देऊन चतुःसिमेचा जावता हुजूर पाठवून देणें. त्याप्रमाणें इनामपत्रें बैरागी यांचे नांवें करून दिव्हीं जातील क्षणोन, रामचंद्र नारायण मामलेदार, परगणा नेवासे वगैरे महाल, यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगीयादी.

१०३०. ( १०१३ )—श्रावणमासचे दक्षणेचे बंदोबस्तास तालुकेहायपैकीं लोक आ- इहिदे तिसेंन णविले असेत, तरी पोटाची बेगमी करून पाठऊन देणें क्षणोन.

मया व अलफ.

सनदा.

जिल्काद १

- १ रघुनाथ चिमगाजी सचिव यांजकडील लोक असामी ३०० तीनशें येविशीं.
- १ परशराम श्रीनिवास प्रतिनिधी यांजकडील लोक असामी ३०० येविशीं.
- १ तर्फ शिवनेर निसबत बाळाजी महादेव यांजकडील लोक असामी २००.
- १ किल्ले वंदन निसबत विश्वासराव नारायण लोक असामी ५०.
- १ किल्ले पुरंधर निसबत रामचंद्र नारायण लोक असामी २००.
- १ तर्फ पटा निसबत बाळकृष्ण केशव लोक असामी ५०.
- १ किल्ले विसापूर निसबत भिकाजी गोविंद लोक असामी ६०.
- १ किल्ले कोरीगड निसबत आनंदराव भिकाजी असामी ५०.
- १ किल्ले चाकण निसबत भगवंतराव नारायण लोक असामी १५.

rainy season he exposed himself to rain and in winter he remained immersed in water. He lived on milk, distributed food to Brahmins and Bairāgis, and was devoted to the service of cows. One and a half chahurs of inām land was therefore given to him.

( 1039 ) About 1800 men were ordered to Poona from different talukās to assist in keeping order at the time of the payment of the Daxana distributed in the month of Shrāvan.

- १ तालुके रायगड निसबत सदाशिव रघुनाथ लोक असामी २००.  
 १ किले ताथवडा निसबत माधवराव कृष्ण असामी २५.  
 १ किले राजमाची निसबत रामराव नारायण असामी ७५.  
 १ किले चंदन व नांदगिरी निसबत रंगो शामराज लोक असामी ५०.  
 १ किले परळी निसबत नारो बल्लाळ लोक असामी ३०.  
 १ किले सिंहीगड निसबत केशवराव जगन्नाथ असामी १००.  
 १ किले पाल निसबत गोविंदराव बल्लाळ असामी ७५.  
 १ किले नारायणगड निसबत रामचंद्र शिवाजी असामी १५.  
 १ किले घनगड हवालदार व कारकून लोक असामी १५.

१८

एकूण १८ सनदा दिल्या असेत.

१०४० ( )—श्रीकार्तिकस्वामी, वास्तव्य पर्वती, यांचे प्रासादावर उल्कापतन हो-  
 इसने तिसन ऊन विछिन्न जालें, त्याचा जीर्णोद्धार केला त्याजबद्दल खर्च आहे.  
 मया व अलफ  
 सवाल ३

## ९ इनाम, नक्त नेमणुकी, वतनें वगैरे.

( ब ) देणग्या पुढें चालवणें.

जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१०४१ ( २८७ )—विनायकभट थथे यांस मौजे ताथवडे, तर्फे हवेली, प्रांत पुणे.  
 सीत सवैन हा गांव इनाम दिल्या आहे, त्याची सरकारचीं इनामपत्रें होऊन रा-  
 मया व अलफ जपत्रें जाली आहेत, त्या पत्रांवर सरकारचा शिक्का गडबडेमुळें जाह-  
 रबिलाखर ५ ला नाही, यास्तव श्रीमंत महाराज राजश्री छत्रपती स्वामींस चिन्ती

( 1040 ) Some expenditure was incurred in repairing the temple of  
 A D. 1791-92 Shri Kārtik Swām. at Parwati as it had been struck  
 by lightning.

( b ) Continuance of ināms.

FROM JANĀRDAN APPĀJĪ'S DIARY.

( 1041 ) The village of Tāthawade in prānt Poona had been given  
 A D 1775-76. to Vināyakbhat Thathe by the late Peshwā Mādhavrao  
 and a Sanad had been issued but never sealed. The  
 Peshwā's agent at Sātārā was asked to request the Sātārā Rājā to cause



करून, तीर्थस्वरूप कैलासवासी माधवराव साहेबांचे कारकीर्दीत पत्रे जालीं आहेत, सबब त्या वेळचे शिके काढवून भटजींच्या पत्रांवर शिक्का करून देणें ह्मणोन, कृष्णराव अनंत, मुकाम सातारा, यांचे नांवें छ. ११ रबिलावल. सनद १.

येविशीं बाबूराव कृष्ण यांस सदरहू अन्वयें.

सनद १.

२

रमानगीयादी.

१०४२ ( ९८२ )—महालानिहाय येथील मुसलमान खुमाचे सदरत व अदालतीची तिसा समानीन मामलत तिमाराव भिमाजी याजकडे सालमजकुरासमून सागोन, मया व अल्प. इनामदार, व जहागीरदार, व रोजिनदार. व काजी मुलाणे खतीबा जमादिलावल ६ वगैरे, व मोईतसबी; यांची चौकशी करून गैरसनदीमुळें ऐवज निघेल तो, व न्यायमनसुबीमुळें व सनदी लोकांपासून वाजवीच्या रीतीनें जीवन पाहून सरकारचा ऐवज साधावयाविशीं आज्ञा केली असे; तरी मुसलमान लोकांस ताकीद करून मशारनिल्लेकडे पाठवणें. ज्याचे ते रुजू होऊन सदरतीकडील पत्रे आणतील त्याप्रमाणें इनामगांव, व जमीन, व रोज, व वतने, व हक्क लवाजमे चालवीत जाणें; दिकत असेल त्याची चौकशी, व खूम मजकुराचा न्याय इनमाफ वगैरे सदरतीचे व अदालतीचे अंमल मशारनिल्लेकडील कारकून येऊन करितील त्यांस करूं देणें; दुमाले व इनामगांव ज्यां- कडे असतील त्यांस ताकीद करून अंमल देवित जाणें; व काजी मुलाणें वगैरेयांस गांव- खर्ची इनामजमीनी व हक्क असतील त्यांची वैवाट पाहतील त्याचा झाडा दाखवणें; ये- विशीं गांवगज्याचे मोकदमांस ताकीद करणें ह्मणोन, मामलेदार व जमीदार यांस चिटणिसी- पत्रे.

२ परगणे पारनेर.

१ मद्दाजी नागयण यांस.

१ जमीदारांस.

२

a search to be made for the late Peshwa's seals and to order the sanads to be sealed with it

( 1042 ) Timáráo Bhimáji was appointed to inquire into the land and cash alienation in parganá Parner, Nagar, Sonar Sanganner, Násik &c. enjoyed by Mahomedans. Where no sanads were forthcoming the alienations were to be resumed. Where sanads were forthcoming a reasonable amount from the holder as *nazar* was to be levied for Government.

२ तर्फे नगर हवेली.

१ महादाजी नारायण यांस.

१ जमीदारांस.

२

२ परगणे सिन्नर.

१ पांडुरंग धोंडाजी कमावीसदार यांस.

१ जमीदार परगणे मजकूर यांस.

२

२ तर्फे हवेली संगमनेर.

१ गणेश भवानी कमावीसदार यांस.

१ जमीदारांस.

२

२ तर्फे त्रिंबक.

१ धोंडो महादेव यांस.

१ जमीदार यांस.

२

२ परगणे नाशिक.

१ कृष्णराव गंगाधर कमावीसदार यांस.

१ जमीदार यांस.

२

१ जमीदार परगणे पाडेपेढगांव यांस.

१३

१०४३ ( १०७६ )-परगणे येरंडोल वगैरे महाल येथे इनाम जमीनी आहेत, त्यास सलास तिसैन बेवारशी व जाजती सुदामतशिवाय अनभवीत असतील त्यांची चौ-मया व अलफ कशी करून, बेवारशी व जाजती जमीनी असतील त्यांचा वसूल सवाल २३ सरकारांत ध्यावयाविशीं तुझांस आज्ञा करून हें पत्र सादर केले असे.

( 1043 ) An inquiry was ordered to be made into ināms which had become liable to resumption through failure of heirs, as also into those which were unauthorizedly held. All such ināms were ordered to be fully assessed to the revenue.

तरी बेवारशी व जाजती जमीनी असतील त्याचा वसूल महालाकडे घेणें; आणि सुदामत इनाम असतील ते चालवणे ब्रणोन भिकाजी विश्वनाथ कमावीसदार यांचे नांवें चिटणिसी.

पत्र १.

येविशीं.

पत्र ४.

३ जमीदारांस.

१ परगणा येरंडोल.

१ परगणा नेर.

१ परगणा बेटावद.

२

१ मोकदम देहेबि तपशाल.

२ परगणा येदलाबाद.

१ मौजे चांगदेव.

१ मौजे इटई.

२

१ मौजे बाघोदें परगणा रावेर.

१ मौजे धाधरणे, परगणे बेटावद.

४

४

## १० किताबती, व बहुमान.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१०४४ ( ३५२ )-बाबूराव कृष्ण यांचे नांवें सनद कीं, तुह्मांस बहुमान चवरी या-  
सवा सवैन वयाचा करार करून हे सनद सादर केली असे, तरी चवरी नवी  
मया व अलफ. करावयास रुपये.  
रमजान २९

X Grants of titles and honours.

FROM JANÁRDAN APÁJI'S DIARY.

( 1044 ) Baburao Krishna was permitted to use a *chauri*, and  
A. D. 1776-77. Rs. 30 were given to him to get one made ( Rs. 15 for  
cow's hair and Rs. 15 for the handle. )

१५ गंगावनाचा कांदा.

१५ दांडीस रुपें.

३०

एकूण तीस रुपये नेमून एकसालां दिले अमेत, तरी किल्ले सातारा येथील ऐवजीं घेऊन चवरी करऊन बाळगीत जाणे ह्मणोन छ. १९ रमजान. सनद १.

परवानगीरूबरू.

### मुतालीकांचे रोजकिर्दीपैकीं.

१०४५ ( १९ )—बळवंतराव कदम बांडे याचे नांवें सनद कीं, ताराजी कदम शिल्ले-  
इसबे तिस्रें दार तुळांकडील याणीं तुमचे पथकांबरोबर स्वारीत चाकरी चांगली  
मया व अलफ केली, सबब त्यांस आफतागिरा करार करून दिलहा असे, तरी तुळां-  
सफर ७ कडील सरंजामाचे ऐवजीं सदरहू आफतागिन्याची मोईन सालीना रुपये  
५० पन्नास रुपये छ. १ सफरापासून देत जाणें; व आफतागिराचें सामान शिरस्तप्रमाणें  
देत जाणें ह्मणोन. सनद १.

रसानगीयादी.

## ११ सार्वजनिक इमारती, व लोकोपयोगी कामें.

### ( अ ) विहिरी व तलाव.

१०४६ ( १९६ )—अमृतराव आपाजी यांस सनद कीं. वेदमूर्ती देवशंकरभट आंझे,  
समान सवैन वास्तव्य मौजे धरोल, परगणे हकार, प्रांत सोरट, याणीं द्वारकेचे वाटेम  
मया व अलफ मौजे मजकूरचे रानांत सहा कोस उजाडींत पाणी नवतें तेथें विहीर  
रजब १२ खणोन पाणी पाडिलें आहे. तें वाटसरांचे उपयोगी पडतें. परंतु भोवर-

### FROM THE MUTÁLIK'S DIARY.

( 1045 ) Tārāji Kadam Silledār, under Balwantrao Kadam Bānde.  
A. D. 1771-72. having done good service in the late campaign was  
given an annual allowance of Rs. 50 for the salary  
of an *oftāgir* bearer.

XI Public buildings, and works of public convenience.

( a ) Wells and tanks.

( 1046 ) Dewashankarbhāt Oze of Dhārol in pargana Hakār in  
A. D. 1777-78. prant Sorat had constructed a well within the limits  
of the village for the use of travellers proceeding to  
Dwārka, as no water was to be had for 12 miles round. Sanction was  
accorded to an annual expenditure of Rs. 60 for drawing water from the  
well by bullocks.

गावचीं गुरें व वाटसरांचीं गुरें घोडीं वगैरे यांचे उपयोगी मोट लाविल्याशिवाय पडत नाही, यास्तव मोट लाविली पाहिजे झणोन, भटजींनीं विदित केलें; त्याजवरून मोटेचे बैलांस व माणसांस मिळोन दरसाल रुपये ६० साठ तालुके अमदाबादपैकीं नेमून देविले असत, तरी सदरहू साठ रुपये दरसाल मोटेचे बैलांस व माणसांस नेमून देणें, हे मोट लावतील झणोन.

सनद १.

रसानगीयादी.

१०४७ ( ५२० )—बाजी गोविंद यांस सनद कीं, चिमणाजी महादेव व माधवराव समान सवैन राम यांणीं विदित केलें जें, कसबे पाल, मामले मजकर, येथें हाटा-मया व अलफ ठे तळें बहुतकाळीं आहे. तें गाळांनं भरलें होतें, त्यास भुतादेवतांचे जिल्काद २० उपद्रवाकरतां हा काळपर्यंत कोणीं गाळ काढून नीट केलें नाहीं, त्यास आपण तेथील जमींदारास पुसोन, भुतादेवतांचा बंदोबस्त करून, दगडी बांध व वाट बांधोन तयार केलें. तळ्याचें पाणी गुरांस व जनांचे उपयोगी पडतें. तळ्याचे दक्ष-णेस व पश्चिमेस व उत्तरेस तिहीं बाजूंस बांधावर आंवें, केळीं व फुलझाडें लाविलीं आहेत. त्या कामास पदरचे आठशें रुपये, व गांवकरी, बाणी, उदमी वगैरे यांणीं उदकाचें काम सर्वांचे उपयोगीं परोपकार जाणोन पट्टी करोन तीनशें वेचाळीस रुपये दिले. त्यामुद्धा खर्च करून तळें बांधोन पाणी विपुल केलें. असें असतां सालमजकुरीं बाजी गोविंद यांणीं सरकारचें तळें लुळांकडे आहे, तें जाग्यामुद्धां आपणाकडे घ्यावें, याअन्वये सरकारचें पत्र आह्मांस आणिलें, त्याजवरून आह्मीं पुण्यास येऊन सदरहू वतमान मशारनिह्हेस सांगितलें, तेव्हां त्यांणीं तळें जाग्यामुद्धां आमचे स्वाधीन करविलें आहे, त्याप्रमाणें आह्मांकडे चाल-वावयाविशीं सरकारांतून सनद दिली पाहिजे झणोन; त्याजवरून मनास आणितां उभयतां नोदक यांणीं आपले पदरचा ऐवज पट्टी करून गांवकरी वगैरे यांणीं दिल्ला त्यामुद्धां खर्च करून तळें बांधून उदक विपुल सर्वास केले; आणि तळ्याचे तिहीं बाजूंस बांधावर झाडें आंव, फणस वगैरे फळझाडें लाऊन बाग करून, सन सलास सत्तिनापामून आज सोळा

( 1047 ) The tank of Hátale in kasta Pal had been silted up for a long time. No one ventured to clear it through fear of raising evil spirits. Chinnáji Mahádeo and Mádhav-  
rao Rám, with the permission of the Jamidár, arranged about the evil spirits and had the stone wall and steps repaired at a cost of Rs. 1142: of this amount Rs. 800 was given by Chinnáji himself, the remaining amount being raised by contributions. The tank had now an ample supply of water and trees were planted around it. It was now claimed by Baji Govind, on behalf of Government. The matter being taken to the Peshwá, the tank was made over to Chinnáji Mahádeo and the other person on account of their expenditure on it.

वर्षे उपभोग करित आहेत, त्यास सालमजकुरीं तळें सरकारी क्षणोन तुझांकडे सुभा निसबत सरकारांतून दिल्लें होतें, त्यास मशारनिल्ले याणीं सदरहू वर्तमान तुझांस सांगितल्यावरून तुझीं तळें मोडकांकडे ठेविल्याप्रमाणें सरकारांतून याजकडे करार करून दिल्लें असे, तरी पेशजीप्रमाणें मशारनिल्लेकडे तळें जागासुद्धां चालवणें, अडथळा न करणें क्षणोन छ. २२ जिल्काद.

सनद १.

रसानगीयादी.

### मुतालिक ह्यांचे रोजकिर्दीपैकीं.

१०४८ ( १२ )—मनोळी व सतगिरे या दोन्हींच्या दरम्यान सहा कोस पाणी नसमान सधेन व्हतें, याजकरितां तुझांकडील रामचंद्र महादेव परांजपे याणीं पैका मया व अलफ खर्च करून विहीर बांधोन अरण्यांत पाणी उत्पन्न केलें, तेथें पांथिक मोहरम १८ येईल, राहील; त्यास वस्ती पाहिजे याजकरितां प्यादे नेहमीं ठेऊन वस्ती करावी लागत्ये, त्यास स्वामीनीं कृपाळू होऊन वसाहतीबद्दल जमीन नूतन देविली पाहिजे क्षणोन, सदाशिव कृष्ण याणीं विनंती केली; त्याजवरून बेगमीबद्दल सालमजकुरापासून जमीन.

बिघे.

१२० परगणे मुरगोडपैकीं विहिरीनजीक चिगर २ एकूण.

बिघे.

६० मौजे मदलूरपैकीं चिगर १

बिघे.

६० मौजे श्रीरंगपूरपैकीं चिगर १

एकूण.

बिघे.

१२०

२

८० मौजे चिंचपूर, तर्फे सिदोगीपैकीं.

बिघे.

२००

एकूण दोनशें बिघे जमीन सदरहू तिही गांवपैकीं दूम, सीम प्रतींची देविली असे, तरी नेमून देऊन चालवणें, आकार होईल तो धर्मादाय खर्च लिहीत जाणें, दरसाल ताजें सनदेचा उजूर न करणें क्षणोन महिपतराव कृष्ण यांचे नांवें.

सनद.

रसानगीयादी.

### FROM THE MUTÁLIK'S DIARY.

( 1048 ) There being no water between Manoli and Satgire for a distance of 12 miles, Rámchandra Mahádeo built a well at his own cost between those villages. It became necessary to keep a guard at the place, to protect travellers who might halt there; Sadáshiv Krishna offered to arrange for the guard and was given 200 bighás of land in inám for the purpose.

१०४९ ( ७१५ )—आनंदराव मोरेश्वर व सदाशिव यादव उपनाम जावडेकर, गोत्र इसने समानीन जामदमी, सूत्र अश्वलायन, याणीं हुजूर कजबें पुणें येथील मुक्कामी भया व अलफ येऊन विनंति केली कीं, कसबें इंदापूर, परगणे मजकूर, सरकार जु- रगजान १५ न्नर, सुभे खुनस्ते बुनीयाद, येथें पाण्याचा तोटा, यास्तव आपण तळ्याची इमारत करून गांवास पाण्याची सोय केली, सबब परगणे मजकूरचे कमावीस- दारांनीं व जमींदारांनीं आपणांस एक चावर जमीन इनाम देऊन चतुःसीमापूर्वक जाबता करून दिलहा, तो पाहून खाामींनीं कृपाकू होऊन सदरहू एक चावर जमीन इनाम देऊन चालविली पाहिजे ह्मणोन; त्याजवरून मनास आणतां गांवास पाण्याचा तोटा, सबब याणीं कजबे मजकुरी इमारत तळ्याची करून गांवास पाण्याची सोय केली, हें जाणोन यांजवर कृपाकू होऊन यांस परगणे मजकूरचे कमावीसदारांनीं व जमींदारांनीं एक चावर जमीन इनाम देऊन चतुःसीमापूर्वक जाबता करून दिलहा, तो पाहून त्याप्रमाणें जमीन चावर.

॥१५ थळसमलट पैकीं जमीन.

॥ अन्वल.

॥ दूम.

॥१५ सीम.

॥१५

यासी चतुःसीमा पूर्वस

बेड सिगवट.

दक्षणेस थळ पिसाळ.

४१५ तळ्या नजीक गांवकरी यांची जमीन.

४४ अन्वल.

४६ दूम.

४५ सीम.

४१५

यासी चतुःसीमा

पुर्वेस संभूपसाद

मलट

पश्चमेस थळ पिसाळ इनाम.

वानुभट अडगरे.

उत्तरेस थळ सिगवट.

विषे.

दक्षणेस थळ जाधव.

माळाचा उत्तरवट.

उत्तरेस कसबे मजकूरचे

( 1049 ) There being scarcity of water at ka-bá Indapur, Anand-  
A. D. 1781-82. rao Moreswar and Sadāsiv Yādav Jāwdeker built a  
tank for the public use. He was given one *chethur* of  
land in inām.

पश्चिमेस थल जाधव

गांवकुसास.

माळाचा उतरवट.

१

एकूण एक चावर जमीन अव्वल, दूम, सोम, तिही प्रतीची सदरहू चतुःसीमापूर्वक, स्वराज्य व मोगलाई एकूण दुतर्फा, देखील सरदेशमुखी, कुलबाब कुलकानु. हल्लीं पट्टी, व पेस्तर पट्टी, जल, तरु, तृण, काष्ठ, पाषाण, निधि, निक्षेपसहित खेरीज हक्कदार करून नूतन इनाम सरकारांतून करार करून दिल्ली असे, तरी सदरहू एक चावर जमीन यांचे दुमाला करून देऊन यांस व यांचे पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें इनाम चालवणें, दरसाल नवीन सनदेचा आक्षेप न करणें, या सनदेची प्रती लिहून घेऊन हे अस्सल सनद यांजवळ भोगवटीयास परतोन देणें ह्मणोन सनदापत्रें.

२ फडणिसी.

१ नांवचें.

१ मोकदम कसेव मजकूर.

२

२ चिटणिसी.

पत्रें.

१ देशाधिकारी, व लेखक वर्तमान व भावी.

१ देशमुख व देशपांडे.

२

४

सनदा व पत्रें चार दिल्लीं असेत.

रसानगी यादी.

१०५० ( ८४६ )—शिवाजी गोपाळ यांस पत्र कीं, कल्याणाहून वसईस खुष्कीचे मार्गे अर्बा समानीन जातां मनुष्यांस पाणी उन्हाळे दिवशीं नाहीं, याजकरितां मौजे राजावली, तर्फ कामण प्रांत वसई, येथील शिवेंत राजमार्गावर रानांत मया व अलफ जावली, कोणहीं नवीं विहीर धर्मपरायण बांधिली आहे. तिचें पाणी बहुत चांगलें असतां. कोळी मच्छीमार खाजणांतील येऊन विहिरीत पाय धुतात, व ताडाचें मद्य

( 1050 ) Jiwaji Gopal represented that a well built for charitable purposes at Rajawali in tarf Kaman on the road from Kalyan to Bassein contained good drinking water; but

A. D. 1783-84.



काढणार मंडारी भोपळे धुतात, असा उपद्रव होतो. त्याचा बंदोबस्त जाल्यास वाटसरांस निर्मळ पाणी व छाया नवी लावणी झाडांची केली आहे त्याची होईल, याजकरितां हें पत्र सादर केलें असे. तरी प्रांत मजकूरचे नेमणुकेंपैकीं एक शिपाई नेमून देऊन विहिरीचे पाण्यास कोण्ही उपद्रव न देत असें करणें ह्मणोन चिटणिसी. पत्र १.

१०५१ ( ९६७ )—भैराळ भास्कर व निंबाजी भास्कर व यादो भास्कर व लक्ष्मण समान समानीन भास्कर व रामचंद्र भास्कर, गोत्र कौंडिण्य, सूत्र अश्वलायन, यारदी मया व अलफ परगणे वण, सरकार संगमनेर, यांणी हुजूर कसबे पुणें येथील मु- रबिलाखर २७ कामीं येऊन विनंती केली कीं, मौजे राजापूर, परगणे मजकूर, हा गांव मार्गावरील, पाण्याची सोय नाही. त्यास गांवानजीक सप्तश्रृंगाचे मार्गावरी प्राचीन गायमुख तीर्थ आहे; त्या तीर्थाचें कुंड वेमरामत होऊन जाया जाहालें, त्यांत पाणी रा- हात नाही, याजमुळें सप्तश्रृंगीचे देवीचे यात्रेकरी यांस, व मार्गाचे आल्यागेल्या लोकांस, व गांवास पाणी मिळत नाही. त्या कुंडाचा जीर्णोद्धार करून कुंड बांधावयास आह्मांस सामर्थ्य नाही. त्यास तुम्ही कुंडाचे जीर्णोद्धारस जो पयका लागेल तो लाऊन कुंड बां- धावें. या स्वर्चाचे ऐवजीं तुम्हांस मौजे मजकूरपैकीं बागाईत जमीन एकवीस बिघे इनाम करून देऊन भोगवटीयास चतुःसीमापूर्वक पत्र करून देतों, ह्मणोन मोकदम मौजे मज- कूर यांणीं सांगितलें, त्यास आर्मी मान्य होऊन कुंडाचे जीर्णोद्धारस काम लाविलें त्याज- वरून मौजे मजकूरचे मोकदम यांणीं मौजे मजकूरपैकीं बागाईत जमीन टिकी दोन एकूण जमीन बिघे ४२१ एकवीस चतुःसीमापूर्वक आपल्यास इनाम देऊन भोगवटियास इनाम- पत्र करून दिन्हें आहे, त्यास स्वामींनीं कृपाळू होऊन मोकदम याचे सदरहू जमिनीचें इनामपत्र आपल्या जवळ आहे तें पाहून त्याप्रमाणें सरकारांतून जमीन आपणास इनाम करार करून देऊन भोगवटियास इनामपत्रें करून दिल्लीं पाहिजेत म्हणून; त्याजवरून म- नास आणितां मौजे मजकुरीं गायमुखाचें कुंड आहे, त्याची बंदिस्त जाया जाहली आहे, कुंडांत पाणी राहात नाही, याजमुळें श्री देवीचें यात्रेकरी यांस व आल्यागेल्या लोकांस व गांवास पाणी मिळत नाही. याजकरितां कुंड बांधावयास पैका लागेल तो लाऊन कुंड

that the water was fouled by fishermen washing their feet in it, and Bhandaries washing their liquor-pots in it. A peon was therefore appointed to prevent the well being fouled.

( 1051 ) Mairál Bhúskar and four others, Yardis of pargana Wan in A. D. 1787-88. Sirkár Sangamner. were granted by the village officers of Rájápur in the said parganá some inám land in consideration of their having repaired for the use of travellers, a tank on the road to Saptashringa. The grant was confirmed by the Peshwá.

बांधावें. त्याचे खर्चाचे ऐवजीं यांस मोकदम यांणीं मौजे मजकूरपैकीं एकवीस बिघे जमीन बागाईत इनाम देऊन, आपलें पत्र करून दिल्लें आहे. तें यांणीं हुजूर आणून दाखविलें. तें पाहून यांचें चालवणें अवश्यक जाणून यांजवरी कृपाळू होऊन मोकदम यांचे पत्राप्रमाणें मौजे मजकूरपैकीं बागाईत पाणी पिती ठिकीं दोन एकूण जमीन बागाईती गजानें बिघे ४२ १

पूर्वेस नागोजी देशमुख याचा कनीर

पश्चिमेस कसबे वण येथें जावयाचा

मळा लगता १

रस्ता १

दक्षिणेस कृष्णा देवकर याचा मळा.

उत्तरेस पुंजा शेट याचा मळा १

येणेंप्रमाणें एकवीस बिघे जमीन बागाईत सदरहू चतुःसीमापूर्वक स्वराज्य व मोगलाई एकूण दुतर्फी, देखील सरदेशमुखी कुलबाब कुलकानू हल्लीं पट्टी व पेस्तर पट्टी जल, तरु, तृण, काष्ठ, पाषाण, निधी, निक्षेपसाहित खेरीज हक्कदार करून इनाम तिजार्ईसुद्धां दरो-बस्त सरकारांतून इनाम यांस करार करून दिलही असे, तरी गायमुखाचें कुंडाचें काम चांगलें पक्कें करतील, त्यास मौजे मजकूरपैकीं सदरहूप्रमाणें एकवीस बिघे जमीन यांचे दुमाला करून देऊन, यांस व यांचे पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें इनाम चालवणें. दरसाल नवीन सनदेचा उजूर न करणें. या सनदेची प्रती लेहून घेऊन हे अस्सल सनद याजवळ भोगवटियास परतोन देणें झणोन.

सनदा पत्रें.

३ फडणिसी.

सनदा.

१ मैराळ भास्कर, व जिवाजी भास्कर, व यादो भास्कर, व लक्ष्मण भास्कर, व रामचंद्र भास्कर यारदी यांचे नांवांची. सनद.

१ मोकदम मौजे मजकूर यांस.

१ गंगाधर भिकाजी यांस की, अलाहिदा भोगवटियास इनामपत्रें करून दिल्लीं आहेत, त्याप्रमाणें मौजे मजकूरपैकीं एकवीस बिघे जमीन यांचे दुमाला करून देऊन, आकार होईल तो परगणे मजकूरचे हि-शेबी यांचे नांवें इनामखर्च लिहीत जाणें.

३

२ चिटणिसी.

पत्रें.

१ देशाधिकारी व लेखक वर्तमान व भावी, परगणे मजकूर यांस.

१ देशमुख व देशपांडे, परगणे मजकूर यांस.

२

एकूण सनदा तीन, व पत्रें दोन मिळोन पांच दिल्लीं असेत.

रसानगी यादी.

## ११ सार्वजनिक इमारती व लोकोपयोगीं कामें.

### ( ब ) दुसरीं कामें.

१०५२ ( ७१० )—तुकोजी होळकर यांणीं क्षेत्र पंढरपूर येथें अन्नछत्राचा वाडा बांधसन्ने समानीन धावयाकरतां तुळया वगैरे लांकडे रायवळ अडीचशें एकूण ताफे सुमया व अलफ मारें पांच पुण्यांत खरेदी करून, क्षेत्रमजकुरी पुण्याचे नदींतून सावान १७ नेतील, त्यास नेऊं देणें. सदरहू लांकडाची जकात यांस माफ केली असे, तरी आकार होईल तो यांचे नांवें माफखर्च लिहून जकातीचा तगादा न करणें ह्मणोन, भिकाजी विश्वनाथ कमावीसदार जकात प्रांत पुणें जुन्नर यांस. सनद १.

रसानगी यादी.

१०५३ ( ८२९ )—बाळाजी महादेव मामलेदार तालुके शिवनेर यांचे नांवें सनद अर्बा समानीन कीं, घाट मालसेज तालुके मजकूर इंग्रजांचे गडबडीमुळें सरकारांतून सुमया व अलफ पाडविला होता, त्याची हल्लीं बंदिस्त करून घाट चालवावयाची जिल्हेज १५ आज्ञा तुझांस केली असे, तरी घाटाचे बंदिस्तीस खर्च चौकशीनें करून खर्च होईल त्यापैकीं ऐवज दोन हिसे बापूची गणेश व उधो दादाजी कमावीसदार, जकात प्रांत कल्याणभिवडी यांजकडून व एक हिसा भिकाजी विश्वनाथ कमावीसदार जकात प्रांत पुणें व जुन्नर यांजकडून देविला असे, तरी सदरीलप्रमाणें तीन हिसे ऐवज घेणें, बाकी एक हिस्सा ऐवज राहिला, तो तुझी लाऊन तालुके मजकूरचे हिशेबां खर्च लिहिणें, मजुरा पडेल ह्मणोन.

सनद.

रसानगी यादी.

## XI Public buildings and works of Public convenience.

### ( b ) Other works.

( 1052 ) Permission was given to Tukoji Holkar to float down free of duty, timber from Poona to Pandharpur by river, for the purpose of a charitable poor house which he intended to build there.

( 1053 ) The pass of Malsej in tarf Siwner had been destroyed by Government during the war with the English. It was now ordered to be repaired.

१०५४ ( ८९४ )—मौजे राजेवाडी, तर्फ करेपठार, प्रांत पुणे, येथील हणमंताचें  
 सीत समानीन देवालय जीर्ण झालें आहे, तें व धर्मशाळा नवी बांधावयाकरितां  
 मया व अलफ गांवकरी याणीं अर्ज केला; त्याजवरून देवालय व धर्मशाळा बांधाव-  
 रमजान २३ याबद्दल मौजे मजकूर येथील सालमजकूरचे ऐवजीं रुपये १५०  
 दीडशें देविले असेत, तरी देऊन देवालय व धर्मशाळा बांधवणें. सदरहू दीडशें रुपये  
 तुझांस प्रांत मजकूरचे ऐवजीं मजुरा पडतील ह्मणोन, रामचंद्र नारायण यांचे नांवें. सनद १.  
 रसानगी यादी.

१०५५ ( ९६९ )—मौजे वारी, परगणे कुंभारी, हा गांव तालुके धोडप येथील बे-  
 समान समानीन गमीस आहे, त्यास मौजे मजकूरचें गांवकुसूं सालमजकुरीं श्री गंगेस  
 मया व अलफ महापूर येऊन कुसास धक्का बसोन तीन बाजूंच्या भिंती वाहून गेल्या,  
 जमादिलाखर २९ याजकरितां कुसूं घालावयास काम लाविलें आहे, त्याचे खर्चाबद्दल  
 सरकारांतून ऐवज द्यावयाची आज्ञा जाली पाहिजे, ह्मणोन मोकदम मौजे मजकूर याणीं  
 अर्ज केला, त्याजवरून गांवकुसाचे बंदिस्तीबद्दल एक सालां रुपये १००० एक हजार  
 रुपये देविले असेत, तरी मौजे मजकूरची जमाबंदी सालमजकुरीं होईल, त्यापैकीं सदरहू  
 एक हजार रुपये देणें ह्मणोन, बाजीराव आपाजी तालुके मजकूर यांचे नांवें छ. ६ जमा-  
 दिलाखर.  
 सनद १.

रसानगीयादी.

१०५६ ( १००० )—रामचंद्र कृष्ण यांचे नांवें सनद कीं, तुझीं विनंतीपत्रें पाठविलीं  
 तिष्ठेन तीं प्रविष्ट जाहालीं. तालुके मुल्हेर येथील बंदोबस्ताविशीं लिहिलें  
 मया व अलफ त्यास.  
 रावेलावल २९ कलमें.

( 1054 ) On the application of the villagers of Rájewádi in tarf  
 A. D. 1785-86. Karepathár. Rs. 150 were given for the construction of  
 a temple and a Dharmashálá.

( 1055 ) The wall round the village of Wári in parganá Kumbhári  
 A. D. 1787-88. having been washed away on 3 sides by the flood of the  
 Godávari, Rs. 1000 were given to the villagers out of  
 the Government revenue of the village, for its repair.

( 1056 ) The village wall of Thengode being out of repair, the  
 A. D. 1789-90. Wáris and traders threatened to leave the village. The  
 wall was ordered to be repaired at a cost of Rs. 1000,  
 half being contributed by the villagers and the rest by Government.

मौजे ठेंगोडें येथील पेठचें कुसूं जागां जागां पडोन वाटा बहुत जाहल्या, यामुळें बाणी उदमी कुसूं तयार न जाहल्यास मालेगावी जाणार, त्यास तयार करावयासी एक हजार रुपये अजमासें लागतील. पेठेची जमा तर सात आठशें रुपयेपर्यंत आहे. यास्तव निमे पट्टी व निमे सरकार याप्रमाणें खर्च लाऊन दोहों सालांत तयार करावयाची आज्ञा जाहल्यास करीन, म्हणोन लिहिलें. त्यास पट्टीचा ऐवज निमेवर जाजती साधतां साधेल तो साधून, तो ऐवज व बाकी सरकारचा लाऊन एक हजार रुपयांत कुसूं तयार करून हिशेबी खर्च लिहिणें. कलम १.

मौजे सावकी, परगणे लोहनेर, येथील बंधारा जीर्ण जाहला, त्यामुळें चार पांच जागां जाया होऊन पाणी जातें. त्याचे डागडोजीची हैगई जाहल्यास दोन हजार रुपयाचा गांव चार पांचशांवर येईल; यास्तव सावकार उभा करून चार पांचशें रुपये लागतील ते लाऊन, त्याचा ऐवज व्याजासुद्धां फिटे तों ऐन जमेपैकीं शंभर रुपये दरसाल रदकजीं देववावयाची आज्ञा जाहली पाहिजे, म्हणोन लिहिलें, त्यास बंधान्याची डागडोजी चौकशीनें चार पांचशें रुपयेपर्यंत लाऊन परभारें सावकाराकडून करवणें; आणि त्याचा ऐवज सरकारी शिरस्तेयाचे व्याजानें फिटे तोंपर्यंत दरसाल ऐन जमेपैकीं अजी वना शंभर

पेठ ठेंगोडें येथें चौबुर्जी वाडा बर्वें याणीं बांधिला आहे, त्यांत कमावीसदार व पेठेचे वंदोवस्ताचे लोक राहतात. वाड्याची डागडोजी नाही. यामुळें जाया होतो, त्यास दलालीचा ऐवज पेशजीं वाड्याकडे डागडोजीस होता. अलीकडे सरकार हिशेबी जमा येतो, त्यापैकीं पंचवीस रुपये डागडोजीस सालगुदस्तां खर्च केला आहे, ते व पुढें दरसाल पंचवीस रुपये लाऊन डागडोजी करावयाची आज्ञा जाहली पाहिजे. म्हणोन लिहिलें. त्यास वाड्याचे डागडोजीस सालगुदस्तपामून पंचवीस रुपये लावावयाची नेमणूक केली असे; तरी सालगुदस्त खर्च जाहला आहे ते, व सालमजकुरापामून पंचवीस रुपयेपावतों खर्च लाऊन, हिशेबी खर्च लिहीत जाणें. कलम १.

हशमी लोकांत लढवाई व स्वारी शिकारीचे उपयोगी आहेत, त्यांस ठेवणुकेचे वेळेस लहान होते त्यामुळे तैनाता कमी पडल्या आहेत. यास्तव त्यांस इजाफा केला पाहिजे. आज्ञा जाहल्यास सेन्यांत संभाळून करीन, म्हणोन लिहिलें, त्यास इजाफा करावयाजोगे असतील त्यांचा जावता इजाफ्यासुद्धां तैनानेचा. व ज्यांची कमी करावयाची असेल त्यांचे तैनातेचा, याप्रमाणें दोन जावते पाठवावे. समजोन आज्ञा करणें ते केली जाईल. कलम १.

लोकांचे हिशेबास बीस हजार रुपये

A dam at Mouze Sâwki in pargana Lohoner useful for irrigation was also ordered to be repaired.

रुपये करून, सावकारास रदकर्जी देत जाणें.  
कलम १.

शहर मुल्हेर या भोंवतालां चोरट्यांचा उपद्रव बहुत. एक दोन वेळ दरबडे आले ते संभाळिले. त्यास शहरचें कुसूं जुनें पडलें आहे, तें नीट करावयास दोन हजार पावेतो खर्च लागेल, त्यास शहरचे ब्राह्मण व उदमी यांजवर दीड हजार रुपयांची पट्टी केली आहे. वसूल करून काम चालतें करणार येविशीं, व जाजती खर्च लागल्यास सरकारांतून लावावा किंवा गांवगना पट्टी करून घ्यावे, येविशीं आज्ञा जाहली पाहिजे ह्मणोन लिहिलें. त्यास दीड हजारांची पट्टी केली आहे तो ऐवज घेऊन काम करावें, जाजती लागल्यास गांवगना साधून साराच ऐवज हिशेबी जमा धरून खर्च लिहिणें.  
कलम १.

देविले ते आले नाहीं ह्मणोन लिहिलें, त्यास ऐवज देविला आहे, वाटणीस कार कून येईल त्याचे गुजारतीनें वाटणी करणें.  
कलम १.

कुटुंबाची माणसें मुल्हेरीस होती, तीं हल्लीं नाशिकास ठेविलीं आहेत. त्यास तेथें चौकीस दहा शिपाई ठेविण्याची आज्ञा जाहली पाहिजे, ह्मणोन लिहिलें. त्यास चौकीस ठेवावयास लोक द्यावयाचे नाहीं.  
कलम १.

एकूण सात कलमें. सदरहू लिहिल्याप्रमाणें करणें ह्मणोन छ. १५ सफर. सनद १.

रसानगी, त्रिंबक नारायण परचुरे, कारकून निसबत दफतर.

१०५७ ( १०६४ )—कृष्णाजी बल्लाळ यांचे नांवें सनद की. तुझीं विनंतीपत्र पाठ-  
सलास तिस्रें विलें तें प्रविष्ट जाहलें. मालसेज घाट तालुके शिवनेर येथें आहे,  
मया व अलफ त्यास अवघड जागे होते तेथें जुनी बंदिस्त कोरे दगडांची होती, ती  
रविलाखर १४ सालमजकुरी पर्जन्य भारी पडल्यामुळें जागां जागां कोसळून गेली,  
बैल जावयाचा मार्ग मोडला. नवी बंदिस्त केल्याशिवाय घाट चालून जकातीची आबा-  
दानी होत नाही, याजकरितां नवी बंदिस्त कोरे दगडांची बांधोन हंगामी घाट चालता  
केल्यास, वाणी उदमी जाऊन आबादानी करितील. बंदिस्त करावयास पंधरा सोळाशें

The town wall of Mulher was ordered to be repaired at a cost of Rs. 1500, to be raised by public contribution.

( 1057 ) Krishnaji Ballal represented that owing to heavy rains the Malsej pass had got out of order and was inaccessible: he was directed to repair the pass recovering

A. D. 1792-93

पर्यंत अजमासें रुपये लागतील, त्यास सन अर्बा समानीनांत इंग्रजाचे दंग्यामुळे घाट उडला होता, त्याची बंदिस्त सरकारांतून करून चालता केल्या, तेव्हां बंदिस्तीस खर्च झाला तो प्रांत कल्याण येथील जकातदार यांजपासून दोन हिस्से व एक हिस्सा प्रांत पुणे येथील जकातदार यांजपासून, व एक हिस्सा तालुके मजकुराकडून नेमून देविला होता, त्याप्रमाणें द्यावयाविशीं आज्ञा जाहल्यास घाटाची बंदिस्त करीन झणोन लिहिलें, तें कळलें; ऐशास घाटबंदिस्तीस प्रांत कल्याणभिवडी दोन हिस्से, व प्रांत पुणे एक हिस्सा, एकूण तीन हिस्से बंदिस्तीचे खर्चाचे आकारपैकीं ऐवज तुझांकडे द्यावयाविशीं सदरहू जकातीकडील कमावीसदारांस अलाहिदा सनदा सादर केल्या आहेत, त्याप्रमाणें यांजपासोन ऐवज घेणें, आणि एक हिस्सा तालुके मजकूरचे हिशेबीं खर्च लिहून मालसेज घाटाची बंदिस्त चौकशीनें कोऱ्या दगडाची चांगली मजबुदीनें करणें झणोन. सनद १.

जकातदार यांस कीं, तुझांकडून ऐवज देविला असे, तरी जकातीचे ऐवजीं पावता करून कबज घेणें झणोन. सनद २.

१ विसाजी भिकाजी कमावीसदार यांस चौथीं ऐवज देण्याविशीं.

१ बाबूराव हरी कमावीसदार, जकात कल्याणभिवडी, यांस निमे ऐवज देण्याविशीं.

३

रसानगी, त्रिवकगव नारायण कारकून, निसवत दफतर.

## १२ टपाल खातें.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१०५८ ( ३८२ )—कलकत्तेकर इंग्रजांकडील वकील हुजूर आहेत, त्यांची पत्रें कल-  
सलास सदैम कत्यास जावयाचीं, त्यांचा लाखोटा सरकारचे सांडणीस्वाराबरोबर  
मथा व अलफ तुझांकडे रवाना केला आहे, तरी सांडणीस्वार तुझांजवळ बऱ्हाण-  
जिल्हेज २९ पुरास येऊन दाखल होनांच आजुरदार कासीदाचा चौकडा करून  
त्यांजवळ सदरहू लाखोटा देऊन जलदीनें काशीतील इंग्रजांकडे पाठऊन देणें. झणजे ते

half the cost from the Octroi contractor of parganā Kalyān and Bhiwandi, one-fourth from the contractor of Poona, and one-fourth from the mahal revenue of Shiwaner.

XII Postal Service.

FROM JANÁRDAN APPÁJI'S DIARY.

( 1058 ) Letters from the agent at the Huzur of the English colony at Calcuttá had to be sent to Calcuttá. These were sent A. D. 1786-87. with a camel-rider in the service of Government to

तेथोन कलकत्यास पाठऊन सदरहूचा जावसाल आणिती तोंपर्यंत कासीदाचे चौकडानें काशीतील इंग्रजापाशीं राहून, कलकत्याहून सदरहू लाखोत्र्याचा जाव येईल. तो काशीतील इंग्रज कासीदाचे चौकड्याजवळ देतील, तो कासीद तुझाजवळ घेऊन येतांच हुजूर पाठऊन देणें. कासीदाचा चौकडा काशीस राठवाल, ते तेथें किती रोजांत गेले, व तेथें किती दिवस कागदाचे जाबाकरितां राहिले, व काशीतून किती रोजांत माघारे तुझाजवळ शहरीं आले, याचा दाखला लिहून पाठवणें. वायदेयाची बोली करून जलद जात, व तिकडून येतांना जलद येत तें करणें. कासीदाचा आजुरा पडेल तो हिशेबी लिहिणें. मजुरा पडेल हणोन, नारो कृष्ण यांचे नांवें छ. १३ सवाल. सनद १.

परवानगी खबरू.

१०५९ ( ६३० )-बेलापूर येथील बातमीचा मचवा जाया जाला आहे, त्यास मुंबई-समानीन ची बातमी जलद आली पाहिजे, यास्तव नारो विष्णू कारकून तेथें मया व अलफ बातमीच्या कामास आहेत, ते सांगतील त्याप्रमाणें सरंजाम देऊन रजव १६ मचवा लौकर तयार करवणें. मचवा तयार न होऊन बातमी लौकर आली नाही तरी कार्यास गेणार नाही हणोन, कृष्णाजी नारायण तालुके बेलापूर यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी, भिकाजी गोविंद गोडबोले कारकून, दिमत चिंतामण हरी दीक्षित.

१०६० ( ७२८ )-नवाब हैदर अलीखान बहादूर यांजकडील बातमी आणावया-इसबे समानीन करितां बदामीपामून पुणियापावेतों डाक ठेवावयाची तुझांस आज्ञा मया व अलफ केली असे, तरी डाकेस माणसें असामी ६० साठ परगणे बागलकोट जिल्हाद १५ येथील शिरस्तेप्रमाणें ठेऊन त्यांस रोजगारा परगणे मजकूरचे ऐवजी

Barhampur and the officer of Barhampur was ordered to send 4 messengers with them on to the English at Kashi who would forward them to Calcutta and get a reply. The reply when received by the English at Kashi was to be given to the 4 messengers who were to wait at Kashi till its receipt. The reply on reaching Barhampur was to be immediately forwarded to the Huzur. The officer of Barhampur was further directed to induce the messengers to go and return quickly by offers of rewards.

( 1059 ) The boat which carried letters from Bombay to Belapur being out of repair, orders were issued to repair it at once; so that news from Bombay might not be delayed.

( 1060 ) Anandráo Bhikáji was directed to arrange for a postal



देत जाणें, मजुरा पडेल हणोन, आनंदराव भिकाजी यांस.

सनद १.

परवानगी खबरू.

१०६१ ( ८२५ )—४६ अजुरा खर्च खेमकर्ण वकील याजकडून दिलीहून कासीद जोडी अजुन्यांनं आली, तिचा कगर पंचवीस रोजांनीं पुण्यास पावल्यास पन्नास रुपये द्यावे, त्यास जाजती दोन रोज लागले त्याचे वजा रुपये ४ बाकी अजुरा. रुपये.

अथो समानीन  
मया व अलफ  
सवाल १९

रसानगी यादी.

२३ साहेवराम वलद रामकुवार.

२३ रामचंद्र वलद रतीराम.

४६

## १३ वैद्यकी व शस्त्रक्रिया.

### नारो आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१०६२ ( २०२ )—वेदमूर्ती राजश्री सदाशिवभट नानल यांणीं श्रीमंत महाराज खमस सवैन राजश्री लत्रपती स्वामी यांस औपध दिलें, तेणेंकरून आरोग्य जालें, मया व अलफ यारतव स्वामीनी कृपाळू होऊन यांस मौजे नसरापूर येथें एक चावर रबिलाखर ५ जमीन इनाम नेमून द्यावयाविशीं आज्ञा केली; त्याजवरून सदाशिव पडित सचीव यांस मौजे मजकुरीं एक चावर जमीन द्युःसोभापूर्वक नेमून द्यावयाविशीं पत्र दिल्लें, त्यास मौजे मजकुरीं एक चावर जमीन बंवारशी न मिळे, यास्तव एकुणतीस विषे जमीन मौजे मजकुरीं नेमून देऊन याकी चावराचे भरतीस गांवगत्रा तर्फे पौनमावळ-पैकीं नेमून देऊन आपलीं पत्रें करून दिल्लीं आहेत. त्याचाबत सरकारांतून करार करून

A. D. 1781-82 service from Badami to Poona in order to obtain news about Nawab Haideralli-Khan Bahadur and he was permitted to entertain 60 runners for the purpose.

1061 ) Two messengers sent by Khemkarna agent, came from Delhi to Poona in 27 days. The agreement had been to pay them Rs. 50 if they came in 25 days: Rs. 4 were cut as they were 2 days over time and they were paid Rs. 46 (that is Rs. 23 each.)

XIII Medicine and Surgery.

FROM NARO APPAJI'S DIARY.

( 1062 ) Sadashivbhat Nanal having cured the Satara Raja was granted one *chahur* of land in inam at Nasrapur.

अलाहिदा भोगवटियास पत्रे करून दिलहीं आहेत, त्याप्रमाणें तुझीं श्रीमंत छत्रपती स्वामी यांस विनंती करून राजपत्रे करून देवणें ह्मणोन, कृष्णराव अनंत, मुक्काम सातारा, यांस  
छ. ३ रविलाखर. सनद १.

रसानगी यादी.

१०६३ ( ६२६ )—जयशंकर व देवशंकर बिन भवानीशंकर वैद्य गुजराथी, समानीन वास्तव्य कसबे नाशिक, यांस मौजे तल्लेगांव अंजनेर, परगणे नाशिक, मया व अलफ येथील मोकासा जगजीवन पवार यांजकडून होता तो व सरकार-जमादिलाखर २६ तर्फेनें जागीर फौजदारी व बावती सरदेशमुखी एकूण दरोबस्त अंमल देखील घासदाणा व खरेदी व वेठवेगार कुलवाब कुलकानू, धर्मार्थ गोरगरीबांस औषध देतात, सबब आरोग्यशालेबद्दल पेशजीं सरकारांतून करार करून दिल्हा, त्याप्रमाणें चालत होता. त्यास उभयतां मृत्य पावले, सबब जयशंकर याचे पुत्र वेदमूर्ती राजश्री विद्याधर वैद्य बिन जयशंकर वैद्य यांजकडे पेशजींप्रमाणें मौजे मजकूर येथील दरोबस्त अंमल धर्मार्थ गोरगरीबांस औषध द्यावयास आरोग्यशालेबद्दल करार करून दिल्हा असे; तरी गांव यांजकडे चालऊन, परगणे मजकूर येथील हिशेबी यांचे नांवें पेशजींप्रमाणें ऐवज खर्च लिहित जाणें ह्मणोन, पांडुरंग धोंडोजी कमावीसदार, परगणे मजकूर यांचे नांवें.  
सनद १.

१०६४ ( ७२३ )—वेदमूर्ती आपाभट वैद्य वाईकर यांजकडून कसबे वाई येथें इसने समानीन सरकारांतून रसायणें करविलीं आहेत, त्यास औषधी लावावयाबद्दल मया व अलफ जमीन बिघा ८१ एक बिघा जमीन देविली असे, तरी कसबे मज-सवाल ७ कुरी वैद्य यांचे घरासमीप पडे अशी सदरहू एक बिघा जमीन नेमून देणें. त्या जमिनींत हे औषधें लावितील, त्यास पुरे असें पाणी पाटाचें दररोज देत जाणें. औषधाचें काम जाल्यावर जमीन भाघारे घेणें ह्मणोन, भवानीशंकर हैबतराव यांचे नांवें.  
सनद १.

रसानगी यादी.

( 1063 ) The Government *amal* of the village of Talegaum Anjner in parganā Nāsik was granted to Jayshankar and Dewashankar bin Bhawānīshankar Vaidya Gujarāthi in consideration of their dispensing medicines gratis to the poor. The *amal* was on their deaths continued to Jayshankar's son Vidyā-ghar Vaidya, to be spent on medicines for the poor.

( 1064 ) Apābhat Vaidya of Wāi had been ordered to prepare some medicines for the Peshwā. Orders were issued to give him one bighā of land near his house that he might grow medicinal herbs in it, to supply the land with sufficient water, and to take back the land after the medicines had been prepared.

१०६५ ( १०७५ )—वेदमूर्ती भीमाशंकरभट विन वासुदेवभट वैद्य याणीं हुजूर मलास तिसैन येऊन विनंती केली कीं, आपले तीर्थरूप वासुदेवभट वैद्य यांस मया व अलफ कसवे संगमनेर, तर्फ मजकूरचे मालापैकी वर्षासन दोनशें रुपये सफर २३ पावत होतें, त्यास ते मृत्य पावले, सबब आपले नांवें करार करून देऊन चालविलें पाहिजे ह्मणोन; त्याजवरून मनास आणितां, याचे तीर्थरूपांस वर्षासन गोमगरीबांस औषध द्यावें त्याचद्वल रुपये शंभर व उदर पोषणानिमित्त रुपये शंभर, या-प्रमाणें पावत होतें. त्यास ते मृत्य पावले, सबब यांचे नांवें पेशजीप्रमाणें कसवे मजकूरचे मालापैकी सालीना रुपये २०० दोनशें करार करून देऊन हे सनद सादर केली असे, तरी सदरहूप्रमाणें दोनशें रुपये वर्षासन कसवे मजकूरपैकी पाववांत जाणें. दरसाल ताजे सनदेचा आक्षेप न करणें. या मनदेची प्रती लिहून घेऊन हे असल सनद भटजीजवळ भोगवटियास परतोन देणें ह्मणोन, कमावीसदार वर्तमान भावी तर्फ हवेली, परगणे संगमनेर, यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी याद.

## १४ व्यापार व कारखाने.

### ( अ ) पेठ व बाजार बसवणें.

१०६६ ( ५४८ )—कसवे बारशी, परगणे मजकूर, येथें नवी पेठ बसवावयाकरितां समान सवैन भवानराव शामराव याणीं पेशजीं सरकारचा कौल वाणी उदमी यांस मया व अलफ वगैरे सात सालां नेऊन, पेठेची बसाहत केली आहे, त्यास कसवे सफर २६ मजकूरपैकी पेशजीं पेठेकडे जमीन दिल्ली आहे, त्याशिवाय त्या जमीनीचे लगती दहा विघे जमीन कसवे मजकूरपैकी पेठेकडे बसाहतीबद्दल द्यावयाचा करार करून हे सनद सादर केली असे, तरी सदरहूप्रमाणें जमीन पेस्तर सालापासून पेठे-

( 1065 ) Wāsudeobhat, a medical practitioner of Sangamner, was granted an allowance of Rs. 200 for dispensing medicines to the poor ( Rs. 100 for cost of medicines and Rs. 100 for his maintenance ). The allowance was on his death continued to his son Bhimāsbankarhat.

## XIV Trade and Manufacture.

### ( A ) Establishment of peths and markets.

( 1066 ) A new peth was established at Bārsi by Bhawānrāo Shām-rāo, after obtaining from Government a *koul* in favour of the traders. Ten bighās of land were given as site for the peth in addition to what had previously been given.

कडे देणें, दिकत न करणें झणोन, मौजे मजकूरचे मोकदमास.

सनद १.

सदरहू अन्वयें परगणे मजकूरचे जमीदारास चिटणिसी

पत्र १.

२.

## १४ व्यापार व कारखाने.

( ब ) देशांत येऊन राहणाऱ्या व्यापाऱ्यांस उत्तेजन.

१०६७ ( ४५ अ )-कसबे सुपें, परगणे मजकूर, येथें जुनीपेठ बुधवार बाजाराची अर्बा सवैन आहे. ते पेठेंतील कुळें नादारीमुळें खराबीस येऊन मुलकावर उठोन मया व अलफ गेलीं आहेत, व बाजारही मोडकळीस आला, यास्तव हें अभयपत्र रविलावल २२ सादर केलें असे, तरी कुळें उठोन गेलीं आहेत त्यांस आणून बाजाराची अमदरफती आबादी करणें. सालमजकुरीं आपती आहे, सबब पाऊसपाणी होई तों बाजाराचे अमदानीकरितां बाजारांत दाणा वगैरे जिनस येईल त्यास जकात थळमोड व थळभरीत माफ केलें असें, तरी बाजाराची अमदरफती करून बाजार भरीत जाणें, व कुळें मुलकावर गेलीं आहेत त्यांस आणून पेठेची वसाहत करणें झणून, महाजन व शेखे यांचे नांवें.

कौल १.

येविशीं चिटणिसी.

पत्रें ४.

- १ आनंदराव त्र्यंबक सुभेदार परगणे मजकूर यांस.
- १ नारो शिवराम कमावीसदार बाबती साहोत्रा दिमत पंतसचिव यांस.
- १ माधवराव भिकाजी कमावीसदार दिमत सरलप्कर यांस.
- १ येसोजी धोंडदेव कमावीसदार, दिमत महिपतराव कवडे यांस.

४

पांच पत्रें दिल्लीं असेत छ. ५ जिल्हेज.

रसानगी याद.

( B ) Encouragement to traders settling in the country.

( 1067 ) The traders of kasbi Supe having in consequence of  
 ▲. D. 1773-74. poverty left the town, and the year being one of scar-  
 city the octroi on imports and exports was remitted.

१०६८ ( ४४४ )—छबिलदास गुलाबदास बऱ्हाणपूरकर यांणीं हुजूर विदित केलें  
 सबा सवैन कीं, शहर मजकुरीं आपण कापडाचें नवें दुकान घालणार, त्यास  
 मया व अलफ दुकानचा हशील बमयतारकसी निमे आपणास माफ करावा, व निमे  
 रविलावल २९ सरकार ध्यावा म्हणून; त्याजवरून निमे हशील यासी माफ करून  
 हे सनद तुझांस सादर केली असे, तरी शहर मजकुरीं मशारनिल्ले नवें दुकान कापडाचें  
 तारकसीमुद्धां घालतील, त्यास हशिलाचा शिरस्ता असेल त्यापैकीं निमे हशील यासी  
 दरसाल माफ करून, बाकी निमे हशील सरकारांत घेणें म्हणून, नारो कृष्ण यांचे नांवें.  
 छ. ८ सफर. सनद १.

रसानगी यादी.

१०६९ ( १००२ )—पोमाजी नाईक व गोविंद नाईक भुके चारण, यांणीं हुजूर  
 तिसैन येऊन अर्ज केला कीं, आपल्या तांड्याच्या बेवीस नाईक्या मिळोन  
 मया व अलफ बैल अदमासें पंधरा हजार आहेत, त्यांजवर दरएक जागाहून दाणा  
 रविलावल २९ भरून लष्करांत व मुलकांत खेपा करतो. परंतु भुसाराची जकात  
 कोणीं घेतली नाहीं, त्याजवर पुण्यांत महागाई जाहली तेव्हां गला आणून अमदानी करणें,  
 क्षणोन सरकारांतून आज्ञा जाहली, त्याजवरून दाणा भरून पुण्यास आलों, त्यास येथील  
 जकातीचे मामलेदार बोलिले कीं, बंदरीं मिठास जाणें क्षणजे भुसाराची जकात घेणार  
 नाहीं, न गेल्यास घेऊ. याप्रमाणें सांगोन हडपें व रोख ऐवज घेतला आहे, तो माधारा  
 देववून, भुसार दाणा भरून खेपा आणावयाची आज्ञा केली पाहिजे क्षणोन; त्याजवरून  
 गुदस्तां चारण मजकूर यांस कौल पाठवून भुसाराची अमदानी पुण्यांत करविली, सबब  
 जकातीबद्दल हडपें व रोख ऐवज सालगुदस्तां तुझीं घेतला असेल तो माधारा देणें; व  
 सालमजकुरीं भुसार दाणा पंधरा हजार बैल भरून खेपा आणावयाच्या(चा) चारण मजकूर  
 यांनीं करार केला, यास्तव एकसालां जकात माफ केली असे, तरी यांजपासून जकात न

( 1068 ) Chabildás Gulábdás of Barhampur represented that he in-  
 A. D. 1776-77. tended to open a new shop for the sale of cloth and  
 embroidery in the city and prayed that the tax leviable  
 from him might be reduced by half. His request was granted.

( 1069 ) Pomáji Náik and Govind Náik Bhuke chárans owned  
 A. D. 1789-90. 15,000 pack bullocks and used to carry grain to  
 military camps and about the country generally, free  
 of octroi duty. During the previous year on account of high prices, they  
 had been ordered by Government to bring grain to Poona, but the  
 octroi Mámlatdár there threatened to levy duty from them, unless they  
 brought salt from the sea-coast and actually made them deposit articles  
 and cash as security for complying with his order. They complained

घेणें झणोन, विसाजी भिकाजी, व चिमणाजी बाबूराव कमावीसदार, जकात प्रांत पुणें व जुन्नर, यांचे नांवें छ. १२ रबिलावल.

सनद १.

रसानगी यादी.

## १४ व्यापार व कारखाने.

### ( क ) जलमार्गाचा व्यापार.

१०७० ( २ )—चिमणाजी गणेश साठे, मौजे केलीये, तर्फ माजगांव, तालुके रत्ना-  
अर्बा सबैन गिरी, यांणी नवीन महागिरी बांधिली; त्यास घरस्वर्चाबद्दल गला  
मया व अलफ वगैरे जिन्नस हरएक बंदराहून खरेदी करून मौजे मजकुरी आणतील,  
रजब २ त्यास जकातीचा व खुटन्याचा व वेठीचा तगादा न करणें झणोन.

दस्तक १.

१०७१ ( ८८८ )—नरोत्तम जोशी, साकीन बंदर मस्कत, यांची डंगी, भोरशृंगार  
खमस समानीन मंगरुळाहून माल भरून मस्कतास जात असतां, वाटेस तुळांकडील  
मया व अलफ आरमाराची गांठ पडोन बेकौली झणोन डंगी तुळीं धरून आणिली,  
रजब १० त्याजवरील काराणी वगैरे माणसें अटकेस ठेऊन माल उसपोन घेतला,  
त्यास बंदरचे दलाल सरकारचे कौल वसईहून घेऊन सावकाराकडे जलमार्गे व खुष्कीनें  
रवाना करितात, त्यास दिवसगत लागलीयास, सावकार डंगीची हाकारणी करून निघ-  
तात, तेव्हां कोणास ठिकाणी व मार्गी अथवा ज्या बंदरीं डंगी जाते तेथें कौल पावता  
होतो, त्यास मध्ये सरकारचे अरमाराची गांठ पडली तरी बंदरांत आल्यावर कौल घेतला  
आहे नाहीं याची चौकशी करून, डंगी दस्त जाल्या अगोदर कौल घेतला असा दाखला  
पुरल्यास मालसुद्धां डंगी सोडून देतात, अशी चाल आहे. त्यास हल्लीं जोशी मजकूर यांचे  
डंगीचा कौल वसईहून तेथील बंदरचे दलालानें घेऊन रवाना केला त्याची गांठ पडली

to Government. The articles and cash deposited were ordered to be restored to them and they were exempted from octroi for one year.

### ( C ) Maritime trade.

( 1070 ) Chinnaji Ganesh Sathé of Keliye in tarf Mājgaum in  
A. D. 1773-74. tālukā Ratnāgiri having built a new ship was exempted  
from octroi and other taxes on goods brought in the  
ship from other ports to his village for house-hold use. His ship was  
also exempted from liability to forced service.

( 1071 ) Narottam Joshi, a merchant of Mascat, was proceeding from  
A. D. 1784-85. Mangrol to Mascat in a boat loaded with merchandize.  
On the voyage the boat was seized by Anandráo Dhulap,

नाहीं, अगोदर हाकारणी करून निघाला, त्यास कौलाची चौकशी करून मालमुद्रां डंगी सांडून घावयाची आज्ञा जाली पाहिजे, ह्मणोन मथुरादास गिरधर, दिमत जोशी मजकूर याणें हुजूर विनंती केली; त्याजवरून मनास आणितां जोशी याचे डंगीचा कौल वसईहून नेथील दलालाचे मार्फतीनें जाला, त्यास हंगामी कौल घेऊन जलमार्गे अगर मुष्कीनें रवाना करितात, त्यांची कोणाची गांठ ठिकाणीं व मार्गीं अथवा ज्या बंदरीं डंगी जात्ये तेथें पावेतो, त्यास दर्यांत अरमाराची गांठ पडल्यास डंगीवर कौल नसल्यास धरून आणिल्यावर चौकशी करून धरिल्या अगोदर कौल घेतला असल्यास सोडावयाची चाल पेशजीपासून आहे, त्यास जोशी यांची डंगी धरून आणिल्यावर चौकशी न करितां काराणी वगैरे माणसें अटकेंत ठेऊन माल उसपून घेतला, हें ठीक न केलें. हल्लीं कौलाची तेरीख पाहतां डंगी धरल्याच्या अगोदर कौल घेतला, परंतु पोहचला नाहीं, आणि हाकारणी करून निघाला. सरकारचे बंदरांत डंगी आल्यावर कौल घेऊन पोहचवा, तों तुम्हीं डंगी धरली. यास्तव जोशी याची डंगी सोडावयाचा करार करून, हे सनद तुम्हांस सादर केली असे, तरी भवानजी गाईकवाड खिजमतगार सरकारांतून पाठविला आहे, त्याचे गुजरातीनें डंगी मालमुद्रां सोडून देणें ह्मणोन, आनंदराव धुलप यांचे नांवें. सनद १. रसानगी यादी.

## १४ व्यापार व कारखाने.

( ड ) वजन व मापें,

जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१०७२ ( ५०९ )—मकरंदसिंग लछीराम याजकडें सरकारांतून बटछपाईचें कामकाज समान सधेन प्रांत गंगधडी व खानदेश व बागलाण येथील सांगितलें आहे, त्यास मया व अलफ केली मापें व पक्कीं वजन व कच्चा वगैरे यांजवर शिक्का मारावयाचे सवाल ३० छापे पुण्यातील आहेत, त्याप्रमाणें दोन छापे मशरनिल्लेस देणें ह्मणोन, आनंदराव काशी कोतवाल, शहर पुणे, यांचे नांवें छ. १८ सवाल. सनद १. रसानगी यादी.

as it could not produce a permit of Government. It was found on inquiry that the necessary permit had been issued but that it had not reached the vessel before it sailed. The vessel was ordered to be released.

( D ) Weights and Measures.

FROM JANÁRDAN APPÁJI'S DIARY.

( 1072 ) Makarandsing Lachiram was appointed to stamp weights and measures in prants Gangarhadi, Khándesh and A. D. 1777-78. Báglán, and the kotwál of Poona, was directed to provide him with 2 stamps of the kind used in Poona.

१०७३ ( ५१० )—प्रांत गंगथडी व खानदेश येथील बटछपाईचें कामकाज सांगितलें आहे, तरी इमानेंइतबारें वर्तोन कामकाज करून वहिवाटीक मया व अलफ कच्चा हिशेब सरकारांत आणून समजावणें. आकार होईल त्याप्रमाणे सवाल ३० कार्याकारण शिबंदी तुक्की ठेवाल, ती वाजवीचे रुईची होईल तें मजुरा पडेल; बाकी ऐवजाचा भरणा सरकारांत करून जाब घेत जाणे ह्मणोन, मकरंदसिंग लछीराम यांचे नांवें छ. २० सवाल.

सनद

रसानगीयाद.

१०७४ ( ५११ )—महालामिहाय येथील मापें, कैलीचीं व पक्के कच्चे वजणांची, तूप तेलाचीं, लांकडाचीं मापें व गज, यांचें बटछपाईचें काम सरकारांतून मकरंदसिंग लछीराम यांकडे सांगितलें असे. जेथें महालीहून मापें करून दिल्लीं नसतील, सरकारचे शिक्षाखेरीज उगीत मापें असतील त्यांची चौकशी करून. जेथें ज्या मापाची चाल असेल त्याप्रमाणें महालीहून एकेक माप करून घेऊन, त्या फर्मेयाप्रमाणें गांवगन्ना मापें करून देऊन बटछपाई द्यावी. जेथें महालीहून मापें करून देऊन बटछपाई घेत असतील, तेथें कांहीं घेऊं नये. परंतु, सारे मापांची चौकशी करून, उणें असेल तें ठीक करून द्यावें. तेवढ्याची मात्र बटछपाई द्यावी. बोभाट गैरवाजवी येऊं देऊं नये. याप्रमाणें करार करून बटछपाई द्यावयाचा शिरस्ते जाबता अलाहिदा शिक्षानिशीं करून दिल्ला असे, तरी सदरहू कगरा प्रमाणें मापांची चौकशी करून, मापें करून देऊन, बटछपाई घेतील त्यांस घेऊं देणें. कोणी वाणी उदमी व रयत वगैरे दिकत करील त्यास निक्षून ताकीद करून अंमल बसवून देणें. मापें महालीहून तुक्की यांजवळ करून घाल त्याप्रमाणें ज्या गांवीं लोहार सोनार असतील त्यांजकडून मापांवर छापे करून देवणें ह्मणून, प्रांत गंगथडी व प्रांत खानदेश व बागलाण, देखील सरंजामी व जहागीर किल्ले जात, येथील कमावीसदारांस व सरमुभेदारांस चिटणिसी.

पत्रें.

प्रांत गंगथडी.

१ तर्फे हवेली संगमनेर, निसबत त्रिविक कृष्ण व भगवानजी हरी कमावीसदार.

( 1073 ) Makarand was directed to render a detailed account to Government of his receipts and expenses. He was permitted to entertain reasonable establishment for conducting the duties of his office.

( 1074 ) Orders were issued to the kamávisdárs of the above provinces to allow Makarandsing to stamp all weights and measures where no such weights were supplied by the mahál officers. Makarandsing was to examine the



- १ परगणा वण दिंडोरी, निसबत दिगंबर महादेव.  
 १ परगणा नाशिक, निसबत पांडुरंग धोंडाजी.  
 १ परगणा सिन्नर, निसबत शिवराम रघुनाथ.  
 १ तालुके त्रिंबक, निसबत धोंडो महादेव.  
 १ तर्फे राहुरी, निसबत बहिरो रघुनाथ.  
 १ परगणा कुंभारी व संवत्सर कोकमठाण, निसबत आत्माराम रंगनाथ व आत्माराम राजाराम.  
 १ परगणा कोतूळ, निसबत रामचंद्र प्रल्हाद.  
 १ परगणा आकोलें, निसबत खंडो बाबूराव व खान कवीजंगबहादर.  
 १ तालुके पटा, निसबत बाळकृष्ण केशव.  
 १ तर्फे बेलापूर, निसबत बाळाजी केशव.  
 १ तर्फे धांदरफळ, निसबत रामचंद्र शिवाजी.  
 १ तालुके काबनई, निसबत परशराम त्रिंबक.  
 १ परगणा नेवासे, निसबत रामचंद्र नारायण.  
 प्रांत खानदेश.

- १ शहर बराणपूर, निसबत नारो कृष्ण.  
 १ परगणे बेटावद, निसबत कृष्णाजी नळाळ.  
 १ तालुके धोडप, निसबत बाजीराव आपाजी.  
 १ तालुके मुल्हेर, निसबत लक्ष्मण विश्वनाथ.  
 १ परगणा राजदेहर, निसबत व्यंकटराव बल्लाळ.  
 १ परगणा भामगड व मुधी, निसबत माधवराव कृष्ण.  
 १ परगणा बोरनार, निसबत निळो गोपाळ.  
 १ परगणा चोपडें, निसबत गोपाळराव हरी.  
 १ तालुके आशेर, निसबत केशवराव जगन्नाथ.  
 १ परगणा भोकर, निसबत वासुदेव नारायण व लक्ष्मण चांदो.  
 १ परगणा दहीवेल, निसबत भिकाजी कृष्ण.  
 १ परगणा पिंपळनेर, निसबत हरी बल्लाळ.  
 १ परगणा जळोद, निसबत काशी नारायण.  
 १ कसबें साकोरें, परगणे माणीकपुंज, निसबत चितो विठ्ठल.  
 १ परगणा लोहोनेर, वाखारी, देहुरपालें, निसबत जगदीश व्यंकटेश, व वासुदेव नारायण.

weights and to repair only those which might be found deficient. The new weights and measures were to be in accordance with the standard

१ प्रांत बागलाण, निसबत गोविंद हरी;

१ परगणे जैतापूर.

१ परगणा पिसोल.

१ परगणा तिळवण.

१ परगणा पिंपळे.

१ परगणा कनासी.

१ परगणा कोन्हाळी.

६

पत्र.

१ नारो कृष्ण सरसुभा, खानदेश.

१ नरसिंगराव बळाळ सरसुभा, प्रांत गंगथडी.

१ सर्वोत्तम शंकर, प्रांत गंगथडी व प्रांत खानदेश व बागलाण येथील महालांविशीं.

१३ तुकोजी होळकर.

१ मशारनिल्हेस.

१ अहिल्याबाई होळकर यांस.

११ कमावीसदारांस वगैरे.

१ परगणा रावेर, व सुलतानपूर, निसबत सिद्धेश्वर विष्णु.

१ परगणा नंदुरबार, निसबत यादवराव रघुनाथ.

१ परगणा गाळणा, निसबत राजाराम काशी.

१ परगणा आंबे, निसबत संताजी होळकर.

१ परगणा आडावद, निसबत केसोजी ढमढेरे.

१ परगणा उत्राण, निसबत बाळाजी नारायण.

१ परगणा थाळनेर, निसबत बाजीराव रामचंद्र.

१ कमावीसदार तर्फ दापूर यांस.

१ कमावीसदार तर्फ कोन्हाळी.

१ कमावीसदार फुटगांव, तर्फ बेलापूर यांस.

१ कमावीसदार, परगणा चांदवड.

११

१३

weights and measures of the different localities. Makarandsing was authorised to levy certain fees varying from Rs. 1-8 to Rs. 0-0-6 for

४ महादजी शिंदे.

१ मशारनिल्हेस.

कमावीसदारांस.

१ परगणा एदलाबाद, निसबत नानाजी सखदेव.

१ परगणा लोहारें, निसबत भैराळ भिकाजी.

१ परगणा यावल, निसबत कृष्णाजी मल्हार.

४

४ रघुपतराव नारायण राजेबहादूर.

१ मशारनिल्हेस.

३ कमावीसदाग, दिमत मजकूर यांसी.

१ परगणा निंबाईत.

१ परगणा अंमळनेर.

१ फुटगांव तर्फ बेलापूर.

३

४

४ शिवाजी विठ्ठल.

१ मशारनिल्हेस.

३ कमावीसदार, दिमत मजकूर यांसी.

१ परगणा सोनगीर.

१ परगणा धुळे.

१ परगणा पाटोर्दे.

३

४

५ सखाराम भगवंत.

१ मशारनिल्हेस.

कमावीसदारांस.

१ परगणा नेर, निसबत नारो महादेव.

applying stamped weights and measures. A nazar of Rs. 3001 was  
evied from him.

- 
- १ कसबें चोपालें, निसबत दादो भास्कर.
  - १ परगणा एरंडोल, निसबत रंगो गणेश.
  - १ परगणा सांडस, निसबत राजाराम खंडो.
- 

५

- ४ महादाजी निळकंठ.
  - १ मशारनिल्हेस.
  - ३ कमावीसदार, दिमत मजकूर यांस.
    - १ परगणा नंसिराबाद.
    - १ परगणा चिखलवाहाळ.
    - १ परगणा भडगांव.
- 

३

४

- १ आनंदराव भिकाजी रास्ते महाल.
  - १ परगणा सावर्दे.
  - १ परगणा जामनेर.
- 

२

पत्र.

- ३ खंडेराव त्रिंबक.
  - १ मशारनिल्हेस.
  - १ परगणा जैनाबाद कमावीसदारांस.
  - १ जहागीर किल्ले हतगड निसबत चित्तो काशी यांस.
- 

३

- ३ माधवराव रामचंद्र.
  - १ मशारनिल्हेस.
  - २ कमावीसदार, दिमत मजकूर यांस.
    - १ परगणे मेहुणबार.
    - १ परगणा झोडगें.
- 

२

३

१ अमृतराव कदम बांडे यांसी महाल.

१ परगणा वारसें.

१ परगणा उमरपाटे.

पत्र.

१ तर्फे राजूर, परगणे आकोलें, निसबत धोंडो महादेव यांस.

४ अमृतराव विश्वनाथ.

१ मशारनिल्हेस.

कमावीसदारांस.

१ परगणा बोदवड, निसबत रवुनाथ गंगाधर.

१ कमावीसदार परगणा म्हसर्वे, यांसी.

१ कमावीसदार परगणा टोकेडें यांस.

४

१ रामचंद्र पवार यासी परगणा बहाळ येविशी.

१ बळवंतराव धोंडदेव यासी परगणा चादसर येविशीं.

१ गुलजारखान टोके, परगणा डांगरी.

८५ ( ८३ )

छ. १५ रमजान. पंचायशी पत्रें दिली असेत.

प्रांत गंगथडी व बागलाण व खानदेश, देखील सरंजामी महाल व जहागार किल्लेजात, येथील मापें कैलीचीं. व पक्के वजनाचीं. व कच्चे वजनाचीं, व कच्चीं तुपाची लांकडाचीं मापें, व तेलाचीं, व गज याचे बटछपाईचें काम सरकारांतून तुळांस सांगितलें असे. जेथें महालीं-हून मापें करून दिल्ली नसतील, सरकारचे शिक्काखेरीज उणीचे मापें असतील, त्यांची चौकशी तुष्नीं करून, जेथें ज्या मापाची चाल असेल त्याप्रमाणें महालींहून एकेक माप करून घेऊन त्या फर्म्याप्रमाणें गावगन्ना मापें करून देऊन, बटछपाई ध्यावी. जेथें महालींहून मापें शिक्काची करून देऊन बटछपाई घेत असतील तेथें काहीं घेऊं नये. परंतु खरे मापांची चौकशी करून, उणें असेल तें ठीक करून देऊन, तेवढ्याची मात्र बटछपाई ध्यावी. याप्रमाणें करार करून बटछपाई ध्यावयाचा शिरस्ता जाबता अलाहिदा करून दिल्या असे. तरी इमानें इतबारें वर्तोन सदरहूपमाणें मापांची चौकशी करून मापें करून देऊन बटछपाई घेणें येविशीं.

कलमें.

तीन प्रांतांचे मापांची बटछपाई सां-  
गोन नजरेचा मक्ता ३००१ रुपये.

यासी मुदती.

१००० कार्तिक अखेर.

१००० पौष अखेर.

१००१ वैशाख मास.

५०० शुद्ध पौर्णिमा.

५०१ अखेर वैशाख.

१००१

३००१

एकूण तीन हजार एक रुपया करार  
केला असे. सदरहू मुदतीप्रमाणें भरणा  
करून जाव घेणें. कलम १.

महालानिहायचे मापांची चौकशी क-  
रून हुजूर येईतोंपर्यंत घालमेल करूं नये,  
झणून तुमची विनंती. त्यास सरकारचे  
आज्ञेप्रमाणें वर्तणूक करावी. वाणी उदमी  
वगैरे रयतीचा बोभाट गैरवाजवी येऊं देऊं  
नये. उदमी यांचे राजीरजावदीने करारा-  
प्रमाणें बटछपाई घेणें. जाजती उपद्रव ला-  
विल्यास कार्यास येणार नाही. आज्ञेप्रमाणें  
एकनिष्ठें वर्तणूक केल्यास घालमेल हो-  
णार नाही. कलम १.

एकूण तीन कलमें करार करून दिलहीं असेत. सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें झणून.  
मकरंदसिंग लछीराम यांचे नांवें. छ. १५ रमजान. सनद १.

रसानगी यादी.

सदरहू बटछपाई ध्यावयाचा शिरस्तेजावता शिकयानिशी अलाहिदा येणेंप्रमाणें.

कैली मापांस रुपये.

पक्के वजनांस.

१।- अधोली.

१।- पांसेरीस.

॥।- शेर.

१ अडीचशेरीस.

१. निठवें.

२. चिपटें.

३. अदपाई.

२॥३॥

कच्चे वजनांग

१॥॥ पांसेरीस.

२॥ अडीचशेरीस.

३॥ मव्वाशेरीस.

गुळाचे मणास महालचालीप्रमाणें  
ध्यावें.

१॥॥

अदगजास १॥॥ रुपये.

१ दुशेरीस.

२॥॥ शेरास.

३॥ अदशेरास.

४॥ पावशेरास.

५॥ अदपावास.

१॥॥ थडी सव्वामणाची.

२॥॥॥

तुपाचीं कच्चीं लांकडाचीं मापें व ते-  
लाचीं मापें.

१॥ शेरास.

२॥ अदशेरास.

३॥ पावशेरास.

४॥ अदपावास.

१॥॥॥

एकूण केली पांच मापांचे अडोच रुपये साडेतीन आणे, व पक्के आटा वजनांचे पा-  
यसाही रुपये, व कच्चीं वजनं चार पैकीं तीन वजनांचा सव्वा रुपया अडीच आणे, व  
गुळाचे मणास महालचालीप्रमाणें ध्यावे; व कच्चीं मापें तूप तेलाचीं चार याचे साडेसात  
आणे, व अदगजास निम्मे रुपयाप्रमाणें बटछपाई ध्यावयाचा शिरस्ता करून दिल्या असे.

१०७५ ( ५३४ )—विसाजी नारायण यांणी हुसूर विदित केलें कीं, मौजे पालें खुर्द

समान सबैन पैकीं पेंठ पालें, प्रांत खानदेश, येथे आपल्यास एक चाहर जमीन  
मया व अलफ जिगहती इनाम करावें करून देऊन दमाला केली. त्याचा भोगवटाही  
सफर २६ चालत असतां, हल्लीं वामुदेव नारायण व जगदीश वेंकटेश कोणते

काठीनें मोजून घावी याचें सनदेत लिहिलें नाहीं, झणोन आक्षेप करितात. त्यास येविशीं  
ताकीद जाली पाहिजे झणोन; त्याजवरून हें पत्र तुझांस सादर केलें असे, तरी पांच  
हात पाच मुठीचे काठीनें जमीन मोजून देऊन चतुर्सीमा गांवकरी यांणीं करून दिली  
आहे, त्याप्रमाणें पेशजीचे सनदेवरहुकूम भोगवटा चालत आल्याप्रमाणें चालविणें. नवीन  
दिकत न करणें झणोन, वामुदेव नारायण व जगदीश वेंकटेश कमावीसदार, परगणे ओ-  
नूरपालें, यांचे नांवें. छ. १० जिल्काद. चिटणेंसी. पत्र १.

( 1075 ) Visaji Narayan had been given one *Chakr* of land in  
mauze Pale in pargana Peth Pale in prant Khândesh. A  
A. D. 1777-78 question having arisen as to the measure to be used in  
marking out the land, it was ordered that the rod, five cubits and  
five hands in length, should be used.

## १४ व्यापार व कारखाने.

( ई ) किरकोळ.

१०७६ ( )—कसबे जालनापूर, परगणे मजकूर, येथें जर सनगांस लावावयास  
 सीत तिसैन तयार करितात येविशीं वगैरे. कलमें.  
 मया व अलफ  
 जिल्हेज २२

चांदवड रुपया आटून जर तयार क-  
 रितात ती वाईट निघत्ये, यास्तव पेशजी-  
 पासून मल्हारशाई व इंग्रजी व सुरती व  
 पटणी रुपया आटून जर तयार करीत  
 होते, त्याप्रमाणें करवीत जाणें.

कलम १.

केळीचा खार रेशमास लावितात, या-  
 जमुळें जर काळी पडत्ये, याजकरितां का-  
 रीगारांस ताकीद करून दात्याखार रेश-  
 मास लाववीत जाणें. कलम १.

पागोटें बारा पंधरा हात लांबीचें  
 करितात हें चांगलें नाहीं. तरी ति-  
 सा हातांखाली पागोटें करूं नये, या-  
 प्रमाणें कारीगार यांस ताकीद करून तीस  
 हात पागोटें लांब करवीत जाणें.

कलम १.

एकूण तीन कलमें लिहिलीं असेत, तरी सदरहू लिहिल्याप्रमाणें कारीगार व दुकानदार  
 यांस ताकीद करून करवीत जाणें. चांदवड रुपया आटून जर केला, व केळीचा खार  
 रेशमास लाविला, व बारा पंधरा हात पागोटें लांब केल्यास पारपत्य करून गुन्हेगारी घे-  
 ऊन परगणे मजकूर येथील हिशेबीं जमा करणें झणोन, वेंकटराव शिवाजी यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी, त्रिंबकराव नारायण परचुरे

कारकून, निसबत दफतर.

XIV Trade and Manufacture.

( E ) Miscellaneous.

( 1076 ) The manufacturers of turbans in kasbe Jāhnāpur were  
 A. D. 1795-96 directed to make each turban 30 cubits long and not  
 12 or 15 cubits as they had been in the habit of doing  
 and to prepare the brocade used for turbans, by melting rupees, of the  
 Malthārshai, English, Surati, or Patani currency, and not of the  
 Chāndvad currency.



१०७७ ( ११३३ )—कसबे पैठण, परगणे मजकूर, येथें जर सनगांस लावावयास  
 स्रीत तिसैव तयार करितात येविशीं वगैरे. कलमें.

मया व अलफ

जिल्हेज २२

चांदवड रुपया आटून जर तयार क-  
 रितात ती वाईट निघते. याम्त्व पेशजी-  
 पासून मल्हारशाई व इंग्रजी व सुरती व  
 पटणी रुपया आटून जर तयार करीत होते  
 व्याप्रमाणें करवीत जाणें. कलम १.

नवी पुतळी आटून जर तयार करि-  
 तात ती वाईट, याजकरितां जुनी पुतळी  
 आटून जर करवीत जाणे. कलम १.

केळीचा खार रेशमाम लावितात, या-  
 जमुळें जर काळी पडत्ये. याजकरितां कारी-  
 गारांम ताकीद करून दात्या खार रेशमास  
 लाववीत जाणें. कलम १.

एकूण तीन कलमें लिहिलीं असेत. तरी सदरहू लिहिल्याप्रमाणें कारीगार व दुकान-  
 दार यांस ताकीद करवीत जाणें. नवी पुतळी व चांदवड रुपया आटून जर केल्यास, व  
 केळीचा खार रेशमास लाविल्यास, पारपत्य करून गुन्हेगारी घेऊन परगणे मजकूरचे हि-  
 शेबीं जमा करीत जाणें ह्मणोन, लक्ष्मणराव नागनाथ यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी, त्रिवकराव नारायण परचुरे

कारकून, निसवत दफतर.

## १५ टांकसाळी व नाणीं.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१०७८ ( ३१८ )—धारवाडी रुपयाम व चादीस चार गुंजा जळीचा शिरम्ला पेश-  
 जीचा आहे. त्यास हल्लीं सदर रुपयांनी चौकशी हुजूर मनास आणतां.  
 सबा सवेन दस रुपयास साडे चार पांच गुंजा जळ आली. हे गोष्ट परिचित  
 मया व अलफ दस रुपयास साडे चार पांच गुंजा जळ आली. हे गोष्ट परिचित  
 जमादिल्यावर २० कार्याची नाहीं. या उपरांत टांकसाळे तहसी आणून पारपत्य चांगलें

( 1077 ) Similar orders were issued to the manufacturers of Paithan.  
 A. D. 1795-96.

### XV Mints and Coins

#### FROM JANARDAN APPA'S DIARY.

( 1078 ) The Dhārwar and Jamkhed rupees were tested at the  
 A. D. 1776-77. Hazur and it was found that loss in minting, which  
 ought to be 4 *gunjis* per rupee, came to from 4½ to 5  
*gunjis* in the case of the former and from 5½ to 6 *gunjis* in the case of  
 the latter rupee. Orders were issued to the officers of the places to warn

करून, सदरहू जळीचे रुपये पाडिले असतील त्याचा तोटा, व गुन्हेगारी टंकसाळे यांज-  
पासून घेऊन तालुके धारवाड येथील हिशेबी जमा धरणें; व यापुढें रुपया पेशजीचे  
करारापेक्षां चांगला माल, खरा पाडावयाची ताकीद निक्षून करणें. याउपरीं असें जाल्यास  
टंकसाळे हुजूर आणून पारिपत्य केलें जाईल ह्मणोन, वेंकटराव नारायण यांचे नांवें. छ.  
११ जमादिलाखर. सनद १.

परवानगी रूबरू.

जमखिंडी रुपयास व चांदीस चार गुंजा निदान जळ जावी. याप्रमाणें पेशजींचा  
शिरस्ता आहे, त्यास हल्लीं सदरहू रुपयाची चौकशी हुजूर मनास आणतां, दर रुपयास  
साडे पांच, सहा गुंजा जळ आली. ऐसीयास तुमचे चौकशीस चार गुंजांस कमीच जळ  
जावी, ते साडे पांच, सहा गुंजा जळ दर रुपयास येते हे गोष्टी ठीक नव्हे, तरी जम-  
खिंडीतील टंकसाळे तुम्हीं आणून चांगलें पारिपत्य करून, मागील जळीचा तोटा भरून  
घेणें, व गुन्हेगारी घेणें; व पुढें चांगला पेशजीचे शिरस्तेप्रमाणें माल, खरा रुपया पाडाव-  
याची ताकीद करणें. या उपरी खोटा रुपया पाडिल्यास टंकसाळे हुजूर आणून पारिपत्य  
केलें जाईल ह्मणोन, पांडुरंगराव गोविंद यांचे नांवें. छ. ११ जमादिलाखर. सनद,

परवानगी रूबरू.

१०७९ ( ५६३ )-गुजारत भास्कर महादेव व मल्हार मुकुंद.

समान समानीन

मया व अलफ

जमादिलावल ८

जमा.

रुपये.

५१०४॥= मोहरा नाणें.

२३५४॥= दिल्ली शिक्का नाणें सुमार १६१ दर १४॥=  
प्रमाणें. रुपये.

२७५० पंचमेळ नाणें.

४३ सुरती.

७४ औरंगाबादी.

३४ बनारसी.

१० कुरा ज्याहानाबाद.

the mint owners to prevent such excess occurring in future and  
to inform them that any malpractice on their part would be  
duly punished.

( 1079 ) The different kinds of Mohor are stated to be as follows:—

A. D. 1777-78. 1 Delhi at Rs. 14-10.

४ मल्लीबंदर.

६ पटणी.

१४ लाहुरी.

१५ वराणपुरी.

२००

दर १३॥ प्रमाणें रुपये.

५१०४॥=

६४५६॥=॥ पुतळी ताटें १४०५ एकूण वजन तोळे इंग्रजी रुपये भार

४१८॥, दर १५॥=॥ प्रमाणें एकूण बारमासी तोळे ३९७॥=॥

दर १६४॥=॥ प्रमाणें. रुपये.

६४५४ ऐन मुंबई इंग्रजी रुपये भार. तोळे ४१८॥ एकूण

दर १३॥= प्रमाणें.

२॥=॥ कसर बारमासी तोळ्यावर दर बसवितां वाढली ते.

६४५६॥=॥

१६९४॥=॥ इस्तेमोल सुमार ४०८ एकूण रुपये वजन तोळे इंग्रजी रुपये

भार १२२४५ दर १३॥= प्रमाणें. रुपये.

२९९३॥= कडी सोन्याची सुमार ७१ एकूण वजन इंग्रजी रुपये भार तोळे

११५॥=॥, दर १३॥= प्रमाणें, एकूण बारमासी वजन

तोळे २०५४१॥= दर १४॥= प्रमाणें. रुपये.

१६२४९॥=॥

नपशील.

1 Surati.

1 Aurangābādī

1 Bandrasi.

1 Kurā Jyāhānābād.

1 Machhli Bandar.

1 Patani.

1 Lāhūrī.

1 Barānpoori.

} at Rs 13-12

१६२४६।।।।। ऐन.

२।।=।। कसर वारमासी तोळ्याचे दरांमुळें.

१६२४९.।।=।.

१०८० ( ७८९ )-तुलभशेट गोविंदजी व गोविंद पांडुरंग यांचे नांवें सनद की, सलास समानी कोंकण प्रांती सरकार तालुक्यांत खुर्चाच्या टंकसाळा घालावयाविशीं मया व अलफ तुह्मीं विनंति केली; त्याजवरून तुह्मांस आज्ञा केली असे, तरी टंक-रविलाखर २५ साळा सरकार तालुक्यांत घालून खुर्दा चौकशीनें पाडणें येविशीं.

कलमें.

खुर्दा पाडावयाकरितां तांबें मुंबई वगैरे वंदरीं इकडून गलवतें रिकामीं नेऊन, तांबें मात्र खरेदी करून आणावें; दुसरा जिन्नस आणूं नये व नेऊं नये. तांबें ज्या ठिकाणीं खरेदी होईल तेथील गलवतांवर भरून आणिल्यास तीं गलवतें रिकामीं जातील, त्यांस अडथळा पडणार नाही. कलम १.

बेलापुरास सरकारचा अंमल होता ते समयीं तेथें टंकसाळ घालून तुह्मीं खुर्दा पाडिला तो साष्टीस नेला आहे, तो इकडे आणून विकावा अडथळा पडणार नाही.

कलम १.

तांब्याचे खरेदीपुरता ऐवज रोकड व हुंड्या मुंबईस जातील, त्यांस दिकत पडणार नाही.

कलम १.

खुर्दा तयार होईल तो देशांतील व

खुर्दा पाडितां तांब्याचा चुरा पडेल तो, व खुर्दा करावयाजोगें तांबें नसेल तें कासार उदमी यांस विकारें, अडथळा पडणार नाही.

कलम १.

टंकसाळांपुरतें लोखंड वगैरे सामान मुंबईहून खरेदी करून आणावें, व जाजती आणूं नये.

कलम १.

तांबें येईल त्याची जकात, जलमार्गाची व खुष्कीची, पेशजी पनवेलीस टंकसाळ होती, तेसमयींचे शिरस्तेप्रमाणें जकातदार घेतील; जाजती उपसर्ग लागणार नाही.

कलम १.

टंकसाळांचें काम चालीस लागल्यापासून तागाईत पेंस्तर सन आर्वा अखेर सालपर्यंत चालवावें; पुढें आज्ञेशिवाय करूं नये.

कलम १.

( 1080 ) Dalabhsheet Govindji and Govind Pandurang were permitted to open mints for the manufacture of copper coin in Konkan. The following instructions were issued to them:---

( 1 ) they were to pay a *nazar* of Rs. 12,001. for the privilege: no other person was to be allowed to open mints for coining copper, till the end of the year A. D. 1783-84;

( 2 ) copper required for the purpose should be brought from Bombay or other ports:

कोंकणांतील उदमी खरेदी करून हरएक जागां नेतील, त्यांस अडथळा पडणार नाही.

कलम १.

अलीबागेहून व इंग्रजाचे तालुक्यांतून खुर्दा हिकडे येऊं देऊं नये. कोणी आणील त्यापासून गुन्हेगारी ध्यावी. कलम १.

टंकसाळांसमंघें तुळांपासून नजर १२००१ रुपये बारा हजार एक रुपया ध्यावयाचा करार केला असे, तरी चैत्र शुद्ध पंचमीस सदरहू एवजाचा भरणा सरकारांत करून, पावलीयाचा जाव घेणें. कलम १.

खुर्दा पाडावयाचा शिर्स्ता इंग्रजी व जनानें. मासे.

१। शिवराई पैसा सव्वा नऊ मासे.

१३।। अलमगिरी पैसा पावणेचौदा मासे.

१८।। डबु पैसा साडे अठरा मासे.

२१।।

सदरहूप्रमाणें खुर्दा पाडावा; कमी व जनास करूं नये. कलम १.

बंदी मोकळी जाहालीयावर इंग्रजाचे मुलकांतील खुर्दा हिकडे येऊं लागल्यास, मुदतीपर्यंत ताकीद केली जाईल. कलम १.

टंकसाळांसमंघें नजर तुळांपासून सर-कारांत ध्यावयाची करार केली, सबब को-कणांत व वरघाटी पेम्तर सन अर्बा अखेर सालपर्यंत नवी टंकसाळा होणार नाही. बंदी असतां तांघें आणून एक सालां चालवीत असतील, त्यांस ताकीद करून बंद केल्या जातील. कलम १.

गडवडीमुळें टंकसाळांचें काम बंद जा-हालें, तरी तितके राज चौकशी करून मुदतीपुढें मजुरा दिल्ले जातील. कलम १.

तुळांपासून नजर घेऊन टंकसाळांचें काम सांगितलें, त्यास दुसरा कोणी चढ देऊं लागल्यास सरकारांत ऐकणार नाही; व जाजती चढ तुळांवर मुदतीपर्यंत पड-णार नाही. कराराप्रमाणें निभावणी केली जाईल. कलम १.

हरएक जागां सरकार तालुक्यांत टंक-साळा घालवयाची सोय असेल तेथें टंक-साळा घालणें. नजरपट्टी व हरएकविशीं मामलेदार उपमर्ग करूं लागल्यास ताकीद केली जाईल; व इंग्रजाकडे सरकारचे तालुक गेल आहेत, ते सरकारांत आल्यावर तेथें कमावीसदाग सरकारातून जातील, त्यांस पत्रें लागतील नी दिल्ली जातील.

कलम १.

( 3 ) copper coin should not be allowed to be brought into Govern-ment territory from Alibág and from the talukas of the Eng-lish: any person acting in contravention of the rule should be punished with fine;

( 4 ) the coins to be struck should be of the following English weights;

( a ) Shivrâi paisâ, 9½ mîles.

( b ) Alamgiri paisâ, 13½ mîles.

( c ) Dhabu paisâ, 18½ mîles.

एकूण सोळा कलमें करार करून दिलहीं असेत, तरी सदरहूप्रमाणें वर्तणूक करणें ह्मणोन.  
सनद १.

रसानगी यादी.

## १६ सरकारनें घेतलेलें कर्ज.

### नारो आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१०८१ ( ६४ )—तुह्यांपासून सालगुदस्त सन अर्बा सवैनांत छ. १८ रविलावली  
खमस सवैन वैशाख वद्य पंचमी शके १६०६ जयनामसंवत्सरेचे मितिनें सरका-  
मया व अलफ रांत घेतलें कर्ज रुपये २,००,००० दोन लक्ष, यासः व्याज दरमहा  
जमादिलाखर २९ दरसदे रुपये एकोत्रा बिन सूट प्रमाणें चहूं महिन्यांनीं घावयाचा  
करार केला असे, मुदतीस व्याज मुद्दल हिशेब करून दिला जाईल ह्मणोन, आनंदराव  
भिकाजी यांचे नांवें लिहून दिलें. छ. रविलाखर. स्वत १.

## १७ निरख व मजुरी.

### ( अ ) निरख.

१०८२ ( २६३ )—तुह्यांकडून तांदूळ कमोदाचे सरकारांत आणविले होते, ते जमा  
सीत सवैन मुदबख कोठीकडे, गुजारत छोटाराम प्यादा. दर रुपयास कैली ४४२॥  
मया व अलफ अडीच पायली प्रमाणें कैली बारुळे मापें ॥ दहा मण तांदूळ, अ-  
जिल्ह्याद २ सडी, सरकारांत जमा असत ह्मणोन, हरी बलाळ कमावीसदार. पर-  
गणे पिंपळनेर, यांचे नांवें. जाब १.

१०८३ ( ३७६ )—राघोजी आंगरे, वजारत माहासरखेल, यांजकडे सरंजामास बे-  
सबा सवैन गर्मास गांव हजार रुपये बेरजेचे, कमाल आकार दरोबस्त कमावीस  
मया व अलफ मुद्धां, तर्फ तळोजें, तालुके नेरळ, पैकीं देविले असेत. तरी नक्की  
जिल्हेज २४ आकार असेल तो, व ऐन जिनस जमावंदी असेल त्याचे बाब, नक्त

### XVI Government Loans.

#### FROM NÁRO APÁJIS DIARY.

( 1081 ) A loan of Rupees 2,00,000 was taken from Anandráo Bhikáji in the preceding year, at interest of one rupee percent per mensem.

### XVII Prices and wages.

( 1082 ) Kamod rice from Pimpalner was sold at 2½ *paglis* per rupee.

( 1083 ) Villages valued at Rs. 1000 in tariff Taloje, taluká Neral had been given in saranjám to Rághoji Angria; in calculating their value the assessment in kind was ordered to be valued as follows:—

गोडे भातास दर खंडीस रुपये बीस, व खारे भातास दर खंडीस रुपये सोळा, व उडि-  
दास दर खंडीस रुपये पन्नास, व तूप दर रुपयास पक्के दीड शेर, याप्रमाणें आकार क-  
रून गांव नेमून देणें; आणि गांव नेमून घाल, तेथील सालमजकुरचा वसूल घेतला असेल,  
तो मशारनिव्हेकडील कमावीसदार यांजकडे देणें ह्मणोन, राघो नारायण व धोंडो महा-  
देव यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

१०८४ ( ४३७ )—राघोजी आंगरे, वजारत महासरखेल, यांणीं हत्ती व घोडे  
सबा सबैन खरेदी केले त्यांची किंमत. रुपये.  
मया व अलफ  
रविलावल ८

१००० हत्ती नग २ कर्णेल इपटण वकील कलकत्तेदार, याजपासून पु-  
ण्यांत घेतले त्यांची किंमत.

१०० घोडी रास १ मौजे कालोस, तर्फे चाकण, प्रांत जुन्नर, येथें त्रि-  
वक्त पंडाजी याजपासून घेतली त्याची किंमत.

५१००

एकूण एकावनास रुपये दोन व घोडी एक घेतली, त्यांची जकात मशारनिव्हेस  
माफ केली असे; तरी जकातीचा आकार होईल तो यांचे नांवें माफ खर्च लिहून जकाती-  
चा तगादा न करणें ह्मणोन, भिकाजी विश्वनाथ कमावीसदार, जकात प्रांत पुणें व जुन्नर  
यांस.

सनद १.

रसानगी यादी.

१०८५ ( ६४७ )—वेदमूर्ति विश्वनाथभट गणपुले अभिहोत्री, वस्ती कसबे केळसी,  
समानान तर्फे मजकूर, तालुके सुवर्णदुर्ग. यांणी हुन्नर विदित केलें कीं, विसाजी  
मया व अलफ नारायण व हरभट विंग नारायणभट व जनार्दन नारायण, उपनाम  
जिल्ह्याद १० खांबटे, यांचें ठिकाण कसबे मजकुरी खांबेटवाडी अजमासें विधा ४१

Ordinary rice, Rs. 20 per *khandi*.

rice grown in salt-lands, Rs. 16. per *khandi*.

*ulid*, Rs. 50 per *khandi*.

*ghu*. Re. 1 per 1½ *acrs.*

( 1081 ) Two elephants were purchased by Raghoji Angria for  
A. D. 1776-77. Rs. 5000 from Colonel Upton, agent at Poona of the  
English colony at Calcutta.

( 1085 ) A *bagha* of land in kasbe Kelasi in taluk Savarnadurga was  
A. D. 1779-80. sold for Rs. 525.

एक आहे, ते त्यांनी आपल्यास सव्वापांचशें रुपयांस विकत दिलें आहे. ते सरकारांतून इनाम करार करून देऊन चालविलें पाहिजे ह्मणोन; त्याजवरून हे सनद सादर केली असे, तरी वेदमूर्ति खांबे ये यांजपासून सदरहू एक विघा ठिकाण कसबे मजकुरी खरेदी केलें आहे, त्याची तुम्हीं चतुःसीमापूर्वक मोजणी करून, जमिनीची मोजणी जावता लिहून हुजूर पाठऊन देणें ह्मणोन, मोरो बापूजी, तालुके मजकूर यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

### अमृतराव विश्वनाथ यांच्या कीर्तीपैकीं.

१०८६ ( ८७१ )—रुपी कळवंतीण नंदुरवार इजला बसावयासी गाडी भाड्याची क-  
खमस समानीन रून देऊन लष्करांत रवाना करणें ह्मणोन सालगुदस्तां तुम्हांस सनद  
मया व अल्फ सादर जाली आहे, त्यास तुम्हीं भाड्याची गाडी करून दिल्ली, त्या-  
मोहरम १२ चा आकार इस्तकबिल छ. १२ जमादिलाखर सन अर्बा समानीन  
तागईत छ. २२ सावान सालमजकूर, एकूण मुशाहिरा रोज ७१, पैकीं वजा एकोण-  
तिशी रोज एक, बाकी रोज ७०, दररोज गाडीचें भाडें गुजरात बाळू चौधरी रुपया १।  
प्रमाणें रुपये ८७। साडे सत्यांशीं रुपये कळवंतीणचे नांवें हिशेबीं खर्च लिहिणें; मजुग  
पडतील, ह्मणोन घाशीराम सावळदास कमावीसदार, कोनवाली शहर पुणें, यांचे नांवें  
क्र. १२ मोहरम. सनद १.

रसानगी यादी.

### १८. वेठ.

१०८७ ( १६ )—मौजे कोरेगांव, तर्फ पाबळ, प्रांत जुन्नर. या गांवाकडे कात्रजचे  
अर्बा सचैन कुरणांतील गवत पुले १३,५०० साडेतेराहजार कापून घ्यावयाची  
मया व अल्फ सालाबाद नेमणूक आहे, त्यास सालमजकुरी लष्करचे मुकाम कोरे-  
रमजान ३० गांवीं होऊन गांवची खराबी झाली, सबब एक सालास सदरहू गवत

FROM AMRUTRAO VISHWANATH'S DIARY.

( 1086 ) Rupi a dancing girl was ordered to be sent to the camp.  
A. D. 1784-85 The journey took 70 days and cart-hire was paid at  
the rate of Rs. 1-4-0 ( choudhri ) a day.

### XVIII Forced service.

( 1087 ) The village of Koregaom in tarf Pabal was bound to supply  
A. D. 1773-74. labour for cutting 13,500 bundles of grass every year.  
The village however, having suffered during the current  
year owing to troops encamping at it, was exempted from the service  
for that year.



कापावयाचें मना केलें असे, तरी गांवास तगादा बेगारीविषयीं न करणें ह्मणोन, शिवराम रघुनाथ यांचे नांवें. छ. १६ रमजान. चिटणिसी. पत्र १.

### नारो आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

१०८८ ( ७० )—दिमत तोफखाना याजकडील बैल चारणीस मौजे आणें, प्रांत खमस सवैन जुन्नर, येथें आहेत, त्यास पावसाळ्याचे निवाऱ्याबद्दल दोनशें खण मया व अलफ सालावाद बांधून द्यावयाची सनद असते. त्यास सालमजकुरीं लावणीचा जमादिलाखर २९ हंगाम, रयत खराब होईल, याजकरितां एकशें खण बांधोन देविले असे, तरी किरकोळ शेराचीं वंगरे लांकडें लाऊन गवत घालून शिऊन, बेगारीनें निवारा करून देणें ह्मणोन, रघुनाथ हरी, प्रांत जुन्नर, यांचे नांवें. छ. १६ रविलाखर. सनद १.

रसानगी यादी.

१०८९. ( १०५ )—प्रांत गंगथडी येथील सालावाद गवत कापून द्यावयाची नेमणूक आहे, त्यास बेगारीमुळें रयतेस उपद्रव लागतो, सबब गवत काप-  
खमस सवैन आहे, त्यास बेगारीमुळें रयतेस उपद्रव लागतो, सबब गवत काप-  
मया व अलफ णावल व गंजीस आणणावळ मुद्दां दर हजारी रुपये २ प्रमाणें रय-  
रमजाम २९ तेपासून द्यावयाचे करार केले असेत, तरी सदरहू शिरस्तेप्रमाणें प्रां-  
तांतील मामलेदारांपासून पैका घेणें. ज्याजती बेगारीविशीं वंगरे उपद्रव न लावणें ह्मणोन.  
सनदा.

१ गंगाधर शंकर यांस कीं, दिमत पागा हुन्नर यांस गवताची नेमणूक, पुले, पागा ठाणें आसी खुर्द येथील गुमार.

५०,००० तर्फ हवेली संगमनेर.

३०,००० तर्फ राहुरी.

२०,००० तर्फ बेलापूर.

१,००,०००

एक लक्ष गवताविशीं सनद.

( 1088 ) It was usual for the villagers of Ane in prant Junnar to construct every year shelters, 200 *khams* in extent, for the bullocks of the artillery, sent there to graze owing to the rains. As the sowing season was at hand and as the employment of the ryots on the said work was undesirable, only 100 *khams* were ordered to be constructed by means of forced labour.

( 1089 ) It was usual for the ryots of prant Gangathadi to supply labourers, free of charge, for cutting grass for Government. As this arrangement was found to be a source

- १ सेखाजी मुळे यांस सनद कीं, तुह्मांकडील पागा मौजे जोखे येथें आहे, तेथील बेगमीस मौजे मजकूरपैकीं गवत, पुले सुमार ७५,००० पाऊण लक्ष, तर्फ हवेली संगमनेर, येथील बेगारीनें कापून द्यावयाची नेमणूक आहे त्याविशीं.
- १ गिर्जोजी बगे यास कीं, तुह्मांकडील पागा मौजे आसी बुद्रुक, तर्फ हवेली येथें आहे, तेथील बेगमीस तर्फ मजकूर बेगारीनें मौजे मजकूरचे कुरणपैकीं गवत पुले सुमार २५,००० पंचवीस हजारांची नेमणूक आहे त्याविशीं. सनद १.
- १ गोविंदराव बारावकर यांस कीं, तुह्मांकडील पागा मौजे देसोंडी येथें आहे, तेथील बेगमीस मौजे मजकूरचें कुरणपैकीं तर्फ राहुरी येथील बेगारीनें पुले सुमार ७५,००० पाऊण लक्षाची नेमणूक आहे त्याविशीं. सनद.
- १ निलकंठराव रामचंद्र यांस कीं, तुह्मांकडील पागा कसवे नांदुर येथें आहे, तेथील बेगमीस कसवे मजकूरचे कुरणपैकीं तर्फ राहुरी येथील बेगारीनें गवत पुले सुमार ४०,००० चाळीस हजार नेमणूक आहे त्याविशीं. सनद.
- १ नारो आपाजी यांस कीं, तुह्मांकडील खिलार मौजे सांगवी येथें आहेत, तेथील बेगमीस दग्याचे डोंगरीहून गवत, तर्फ हवेली संगमनेर येथील बेगारीनें गवत पुले सुमार १०,००० दहा हजार द्यावयाची नेमणूक आहे त्याविशीं. सनद.

६

रसानगी यादी. छ. ६ रमजान.

१०९० ( ४४८ )—बाबु नोशी गोठणकर यांस मजरे निवेली, कर्यात मीठगावें, सबा सबैन तालुके विजयदुर्ग, हा गांव इनाम आहे, त्या गांवांत वतनदार घरे मया व अलफ तीन आहेत, त्यांपैकीं दोन ब्राह्मणांची व कुणबीयाचें एक आहे. रविलान्वर १ त्यास बेगारीचा उपद्रव भारी लागतो, त्याजमुळे कुणबीयाची वसाहत होत नाही; आणि भटजीची नुकसानी होत्ये, त्यास मजरे मजकुरास बेगार माफ केली असे, नरो मौजे करेल येथें बेगारीचें ओझें येईल तें मौजे दांड्यास पोहचवावें, दांडेकरांनीं करेल यास पोहचवावें; याजप्रमाणें दुमरे गांव जवळचे असतील त्याणीं त्याज-

of annoyance to the people, it was ordered that in lieu of forced labour Rs. 2 for each thousand bundles to be cut should be levied from the Mamlatdars of the province.

( 1090 ) There being only three houses—two Brahmans', one A. D. 1776-77 Kunbi's, in the village of Niweli in karyát Mithgavne of táluká Vijayadurga, the Kunbi was much troubled by being called upon to do forced labour. The village, which was alienated to Gothankar, was therefore exempted from liability to supply forced labour,

प्रमाणें परभारें वोझें पोहोंचवावें; मजरें मजकुरास हजीर बेगारीचा उपद्रव एकंदर लागों न ठेणें. या कामास मुभाहून कारकून एक मजरें मजकुरास पंधरा दिवस ठेऊन वळवटा पाडून देणें झणोन, गंगाधर गोविंद यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

१०९१ ( ५२१ )—विठ्ठलभट तामनकर, वस्ती मौजे मुटाट, तर्फ खारेपाटण, प्रात समान सवेन राजापूर, येथें भटजींचें शेत कुणवाव्याचें आहे, त्यास भटजींनी आपल्या भया व अलफ. शेतांत अंधेलीचा कुणवी शेतांत ठेविला आहे, त्यास मौजे मजकुरचा जिल्हेज १३ खेत कुणवी यास वेठविगार घेतो, झणोन हुनूर विदित जालें; त्यास भटजींचें अंधेलीचें शेत कुणवी करतो, सबब कुणवी वेठविगार मालमजकुरापामून मना केली असे, तरी वेठवेगार घेत न जाणें म्हणोन, गंगाधर गोविंद यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

१०९२ ( ९२१ )—मेख मालीट, वर्काल कलकचेकर इंग्रजाकडील मुंबईस येऊन भीत समानोन तेथून पुण्यास यावयाकरितां त्याजकडील वोझी आणावयास तालु- मया व अलफ. केहाय प्रांत कांकणपैकी बेगारी. असामी. जमादिलावल २५

५० परगणे बेलापूर. निसवत पांडुरंग रामचंद्र.

१०० तालुके नेरळ, निसवत गोविंद कृष्ण यांचकडून.

१०० तालुके करनाळा, निसवत रामराव अनेन यांचकडून.

२५०

एकूण अडीचशें असामी पुणें पर्यंत देविले. त्यांणीं वोझीं वाटमाथां टाकून पळोन गेले, सबब वोझीं वाटेंत पडली ते आणावयास पुण्याहून मजूरदार करून पाठविले,

and the villagers of Karel were directed to carry any load that they might receive right on to Dande, and similar instructions were issued to the villagers of Dande.

( 1091 ) A kumbi rented a field from Vithalbhāt Tāmankar of Muṣāt in tarf Khārepāṭan of prant Rājapoor. It was represented that the khot of the village required the kumbi to perform forced service. Orders were therefore issued exempting him from such service.

( 1092 ) When Mr. Malet the English agent was proceeding from Bombay to Poona, 250 forced labourers from Belāpur, Neraḷ and Karnālā, were ordered to carry his baggage.

त्यास खर्च रुपये १८६। एकशें सव्वाशायशी रुपये जाहाले, ते सदरील तीन तालुक्यांपासून ध्यावयाचा करार करून, हे सनद तुम्हांस सादर केली असे, तरी वाटणीप्रमाणें सदरहू ऐवज ज्याचा त्याजपासून घेऊन हुन्नर पाठवून देणें म्हणोन, जिवाजी गोपाळ सरसुभा, प्रांत कोंकण, यांचे नांवें.

सनद १.

रसारंगी याद.

### १९. गुलाम.

१०९३ ( २२ )—किल्ले रायगड येथें सरकारच्या कुणविणी आहेत, त्यांपैकी राणी अर्बा सवैन व जानकी दोन कुणविणी पन्नास व पंचावन वर्षे उमरीच्या बहुत मया व अलफ दिवस किल्ल्यास आहेत, त्यांस सोड द्यावयाचा करार करून हे सनद सवाल २८ तुम्हांस सादर केली असे, तरी सदरहू दोन कुणविणी सोडून देणें म्हणोन, गणपतराव कृष्ण यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

१०९४ ( २८ )—सतुर्मी मिर्धा याणें वणजारे यांजपासून पोंगें कस २ दोन, एकूण आर्बा सवैन किंमत रुपये १३४, एकशें चवतीस रुपये यांस खरेदी केले, त्यांचे मया व अलफ जकातीचा आकार होईल त्यांपैकी पांच रुपये माफखर्च लिहिणें; जिल्हाद ३० बाकी रुपये बदल मुशाहिरा लिहून, जकातीचा तगादा न करणें म्हणोन, भिकाजी विश्वनाथ कमावीसदार. जकात प्रांत पुणें व जुन्नर, यांचे नांवें छ. १३ सवाल.

सनद १.

रसानगी यादी.

१०९५ ( २९ )—प्रताप मिर्धा याणें कुणवीण कस १ व पोंगें कस २ एकूण किंमत

They left the baggage at the top of the ghāuts and ran away. Hired labourers were therefore sent from Poona to bring in the baggage and the charge on this account, viz. Rs. 186-4-0 was ordered to be levied from the three tālukās in question.

### XIX Slaves.

( 1093 ) Two female slaves of Government at fort Rāygaḍ, Ram A. D. 1773-74. and Jānki, aged 50 and 55 having long served at the fort were ordered to be released.

( 1094 ) Satuni Mirdhā purchased 2 boys from Vanjāris for R- 134. Of the duty leviable on the sale, Rs. 5 was remitted and the rest was to be debited to him as salary.

( 1095 ) Pratāp Mirdhā purchased one female slave and two boys

अर्बा सबैन रुपये १२५, सवार्शे रुपयांस चारणापासून विकत घेतले त्याचे जका-  
मया व अलफ तीचा आकार होईल तो बद्दल मुशाहिरा लिहून, जकातीचा तगादा  
जिल्काद ३० न करणें म्हणोन, भिकाजी विश्वनाथ कमावीसदार, जकात प्रांत पुणें  
व जुन्नर, यांचे नांवें. छ. १४ सवाल. मनद १.

रसानगी यादी.

१०९६ ( ३० )—वेदमूर्ति राजश्री धोंडजोशी पंचनदीकर याणीं चारणापासून पुण्यांत  
अर्बा सबैन कुणबीण कस १ एक, एकूण किंमत रुपये ७३ व्याहात्तर रुपयांस  
मया व अलफ विकत घेतली, तिचे जकातीचा आकार होईल तो यांचे नांवें धर्मा-  
जिल्काद ३० दाय खर्च लिहून जकातीचा तगादा न करणें म्हणोन, भिकाजी विश्व-  
नाथ कमावीसदार, जकात प्रांत पुणें व जुन्नर, यांचे नांवें. छ. १६ सवाल. सनद १.

रसानगी यादी.

१०९७ ( ३२ )—चिमाजी जगथाप, खिजमतगार, याणें आपली कुणबीण पोर्गी  
अर्बा सबैन कर्जामधें नारायणजी परभू यांस तीस रुपयांस मौजे असदें, तर्फे से-  
मया व अलफ दोर, येथें विकत दिल्ली, तिचे जकातीचा आकार यास माफ केला  
जिल्काद ३० असे, तरी तगादा न करणें म्हणोन, आनंदराव भिकाजी रास्ते यांचे  
नांवें. छ. २५ सवाल. सनद १.

रसानगी यादी.

१०९८ ( ३४ )—कुणबीणी सरकारच्या यांनीं कजबे पुणें येथें कुणबीणी विकत  
अर्बा सबैन घेतल्या आहेत.  
मया व अलफ १ फुली, निसबत सौभाग्यवती बाई, हिणें.  
जिल्काद ३० १ तुळशी, निसबत मातुश्री मगुणाबाई. हिणें.

२.

एकूण दोन कुणबीणी रुपये १४० एकशें चाळीस रुपयांम विकत घेतल्या आहेत,

A. D. 1773-74. from a *chōran* for Rs. 125: the duty leviable on the sale was to be debited to him as salary.

( 1096 ) Dhond Joshi Panchnadikar purchased one female slave

A. D. 1773-74. from a *chōran* for Rs. 73: the duty leviable on the sale was to be debited to him as *dharmadāya*.

( 1097 ) Chimaji Jagtap gave his female slave for Rs. 30 to

A. D. 1773-74. Nārāyanji Parbhū in payment of debt: the duty was remitted.

( 1098 ) Two female slaves were purchased by two female slaves of

A. D. 1773-74. Government for Rs. 140.

त्यांचे जकातीचा आकार माफ केला असे, तरी जकातीचा आकार होईल तो माफ खर्च लिहून, जकातीचा तगादा न करणें ह्मणोन, भिकाजी विश्वनाथ कमावीसदार, जकात प्रांत पुणें व जुन्नर, यांचे नांवें. छ. ६ जिल्काद. सनद १.

रसानगी यादी.

१०९९ ( ५९ )—केसो महादेव फडके मृत्यु पावले, त्यांचे उत्तर कार्याबद्दल ब्राह्मणांस अर्बा सबैन द्यावयास शेषाद्रि शास्त्री यांचे स्वीजवळून पुण्यांत कुणबीण कस १ मया व अलफ एक ऐशी रुपयांस खरेदी केली, त्याचे जकातीचा आकार होईल तो रविलावल २२ माफ खर्च लिहून, जकातीचा तगादा न करणें ह्मणोन, भिकाजी विश्वनाथ कमावीसदार, जकात प्रांत पुणें व जुन्नर, यांचे नांवें. छ. ८ रविलावल. सनद १.

रसानगी यादी.

### नारो आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

११०० ( ७३ )—पागा दिमत शेकोजी मुळे यांचे नांवें सनद कीं, तुळांकडील पागें-खमस सबैन तील बिबू पोर्गी, जैनी कुणबीण मुसलमानीण इची लेक, ही केंदूरचे मया व अलफ मुसलमानास देऊन सालगुदस्त सन अर्बा सबैनांत तुष्णीं लग्न केलें, जमादिलाखर २९ सबब सोड खर्च लिहिणें ह्मणोन छ. १४ जमादिलावल. सनद १.

रसानगी यादी.

११०१ ( ६२७ )—त्र्यंबक नारायण अभ्यंकर वस्ती कसबे संगमनेर, परगणा मजकूर, समानीन याणीं हुजूर विदित केलें कीं, आमची कुणबीण तावजी जाधव, मया व अलफ वस्ती कसबे मजकूर, याणें राखली, तिची पोरगी एक व पोरगा एक रजब ६ यांचीं लग्न करावयास मागणी घेतली, त्यास आपग द्वाही दिली, परंतु द्वाही मोडून पोरगें लग्न केलें, व पोरीची मागणी घातली, येविशीं ताकीद जाली

( 1099 ) One female slave was purchased for Rs. 80 to be given to a Brahmin in connection with the obsequies of Keso Mahádeo Fadke.

FROM NÁRO APPÁJI'S DIARY.

( 1100 ) A female slave Jaini, Mohomedan by caste, attached to the cavalry under Sakhoji Mule, had a daughter. Sakhoji got the daughter married to a Musalman. Order were issued to show her in the accounts as released.

( 1101 ) Trimbak Nárayan Abhyankar of Sangamner represented that his female slave had been kept by Táavaji Jádhaa, and that Táavaji arranged to secure a bride for the slave's son; that he ( Trimbak ) publicly protested in the name of Government against the marriage, but it was notwithstanding celebrated, and that

पाहिजे क्षणोन; त्याजवरून हें पत्र सादर केलें असे, तरी वाजवी मनास आणून पोर व पोरगी व कुणबीण यांचे स्वाधीन करणें, आणि ज्याणीं द्वाही मोडली असेल, त्यांपासून गुन्हेगारी घेऊन सरसुभा प्रांत गंगथडी येथील हिशेबी जमा करणें क्षणोन, नरसिंगराव बल्लाळ यांचे नांवें चिटणिसी.

पत्र.

११०२ ( ७७० )—सगुणी कळवंतीण, वस्ती पेट शुक्रवार शहर पुणें इणें दत्ताजी सलास समानीन सावळा दाळिंबकर याजपासून दीडशें रुपयांस चहूं वर्षांची पोगी खरे- मया व अलफ दी केली आहे, तिचे जकातीचा आकार माफ केला असे, तरी आ- सावान ११ कार होईल तो माफ खर्च लिहून जकातीचा तगादा न करणें क्षणोन, भिकाजी विश्वनाथ कमावीसदार जकात प्रांत पुणें व जुन्नर यांचे नांवें. सनद १.

परवानगी रूबरू.

११०३ ( ७७१ )—फरासीसाजवळ बटकी पुण्यांत गेल्या, सबब त्यांस जातीखेरीज सलास समानीन करून किले सिंहगड येथें पाठविल्या आहेत. मया व अलफ बटकी. कस. सावान २१ २ उमी, दिमत कृष्णाजी लक्ष्मण जोशी.

१ उमी उमर वर्षे ३०

१ पोरगा उमीचा उमर वर्षे ३

२

१ साळी, दिमत दारकी खेत्रीण वस्ती पेट नारायण उमर वर्षे २२.

३

एकूण तीन माणसें पाठविली आहेत, यांस किले मजकुरी अटकेस ठेऊन इमारतीचें

Tāvaji was also offering the slave's daughter in marriage. The Sarsabhá of Gangathadi was directed to enquire into the matter and if the facts were found to be as represented, to hand over the female slave with her children to Trimbak, and to punish the person who had acted in defiance of the complainant's protest.

( 1102 ) Sakhu, a prostitute in Poona, purchased a girl aged 4 years for Rs. 150. The duty on the purchase was remitted.

( 1103 ) Three female slaves having had intercourse with Frenchmen in Poona were put out of caste and sent to fort Sinhagad to be employed on building works.

वगैरे काम घेऊन पोटास शेर शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें झणोन, नारो महादेव यांचे नांवें सनद १.

रसानगी यादी.

११०४ ( ८२० )—नारो विश्वनाथ जोगदंड याणीं आपले तीर्थरूपांचे कियेचे दा अर्बा समानीन नाबद्दल मार्तंड यादव मुजचाटे, वस्ती पेठ शनवार शहर पुणें याज मया व अलफ पासून कुणबीण कस १ एक, एकूण किंमत रुपये १०० शंभर रुप सवाल १ यांस खरेदी केली आहे, त्यास सदरहू रुपयांचे जकातीचा आकार होईल तो मशारनिल्ले यांचे नांवें माफ खर्च लिहून जकातीचा तगादा न करणें झणोन भिकाजी विश्वनाथ कमावीसदार जकात प्रांत पुणें व जुन्नर यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

११०५ ( ८५७ )—कैसो विश्वनाथ टिळक, कारकून निसबत दसरी, याणीं विठोज खमस समानीन हेड्या कुणबीणी विकावयास घेऊन आला, त्याजपासून पुण्यांत कुण मया व अलफ बीण कस एक, एकूण किंमत रुपये १०० शंभर रुपयांस खरेदी साबान १६ केली आहे, त्याचे जकातीचा आकार होईल तो यांचे नांवें माफखर्च लिहिणें, आणि जकातीचा तगादा न करणें झणोन, भिकाजी विश्वनाथ कमावीसदार जकात प्रांत पुणें व जुन्नर यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी याद.

११०६ ( ८६१ )—मैनी कोम विठोजी सोनार, वस्ती कसवे गोरगांव, प्रांत राजपुरी खमस समानीन ही विठोजी मजकूर मृत्यु पावल्यावर तेथून पळून पुणेयास येत होती मया व अलफ ती गोविंदराव व चिमाजी माणकर मामलेदार, प्रांत मजकूर यांण जिल्काद ५ धरून नेऊन कैदेत ठेविली. पुढें गोविंद जोशी रेवदंडेकर यांस माण कर याणीं धर्मादायाचे ऐवजांत दिल्ली. तिला त्याणीं पुणियास आणिली, तेव्हां गणेशशेट सोनार, वस्ती पेठ शनवार, शहर पुणें, याणें जोशीयास शंभर रुपये देऊन धर्मार्थ सोड-

( 1104 ) Naro Vishwanáth Jogdand purchased a female slave for A. D. 1783-84. Rs. 100 to be gifted away at the obseques of his father. The duty on the purchase was remitted.

( 1105 ) Vithoji Hedyá having brought some female slaves for sale A. D. 1784-85. at Poona, one of them was sold for Rs. 100.

( 1106 ) Maini, a woman of the gold-smith caste, ran away from A. D. 1785-86. Goregaum in prant Rájpurí on the death of her husband and was coming to Poona. The Mámlatdárs of the province, Govindráo and Chimáji Mánkar, arrested her and kept her in custody. They subsequently made her over to one Govind Joshi in



विली; आणि आपले आईबापांचे घरी जाणें झणोन तीस सांगितलें. तें न ऐकतां शहरांत राहून बदकमें करीत होती, सबब कैद करून किल्ले चाकण येथें पाठविली असे, तरी किल्ले मजकुरी स्वारींत ठेऊन, किल्ल्याचे कोठीकडे इजपासून चाकरी नेऊन पोटास शेर शिरस्ते-प्रमाणें देत जाणें झणोन, नारायणराव कृष्ण किल्ले मजकूर यांचे नांवें. सनद ?.

रसानगी राघो विश्वनाथ गोडबोले, जवानी रावजी जिवाजी कारकून दिमत गाडदी मुदफकात, निसबत राघो विश्वनाथ.

११०७ ( ८८४ )—मेघी कुणबीण व तिची लेकर कृष्णी या दोघी पेशजीं किल्ले सिंही-खमस समानीन गड येथें अटकेस ठेवावयास पाठविल्या, त्या सन समान सबैनापावेतों मया व अलफ बंदीसच होत्या, त्यांस सन तिसा सबैनांत किल्ले मजकूरचे हिशेबीं जमादिलाखर ७ जमेस धरून, दारूखान्याचे कोठीकडे कामास लाविल्या, त्यास मेघी म्हातारी साठ सत्तर वर्षांची जाली, तिच्यानें कोठीचें कामकाज करवत नाहीं, व कृष्णी दारूखान्याचें काम करतेवेळेस काठीवरून पडोन कंबर व हात दुखवला, त्याजमुळे अधू जाली. तिच्यानें कोठीचें काम करवत नाहीं, याजकरितां त्या दोघी जणां एक कुणबीण नवी तरणी देऊन सोड मागतात त्यास व उमी कुणबीण इंग्रजांबरोबर गेली सबब पेशजीं हुजूरून पोर्ग्यासुद्धां किल्ले मजकुरी अटकेस ठेवावयास पाठविली होती तिजला आजार होऊन मयेत जाली, तिचा पोर्गा उमर वर्षे आठांचा आहे तो रोगी, सबब बीस रुपये घेऊन पोर्गा व सदरहू दोघी कुणबीणी सोडावयाची आज्ञा जाली पाहिजे, झणोन तुझीं हुजूर विनंती केली; त्याजवरून मेघी व तिची लेकर कृष्णी या दोघी बंदिवानपैकीं किल्ले मजकूरचे हिशेबीं सन तिसा सबैनांत जमेस धरून कोठीकडे कामास लाविल्या आहेत, त्यास मेघी म्हातारी तिच्यानें काम होत नाहीं, व कृष्णी किल्ल्यावर सरकारचें दारूखान्याचें काम करते वेळेस इमारतीवरून पडून हात व कंबर दुखवली, सबब दोघी मिळोन एक कुणबीण चाकरीचे उपयोगी देतात. ती घेऊन दोघीस सोडून देणें व उमी कुणबीण इंग्रजांबरोबर गेली होती सबब तिचा पोर व ती बंदीस किल्ले मजकुरी होती त्यापैकीं उमी मयत जाली. तिचा पोर आठां वर्षांचा आहे, त्याचे बीस रुपये कोणी देईल त्यास पोरगा देऊन,

payment of certain sums due to him in charity; and Govind Joshi brought her to Poona. Ganesh shet Sonar of Shanwar Peth got her released by paying Rs. 100 to Govind Joshi, and told her to go to her parents' house. She, however, led a prostitute's life in the city. She was therefore arrested and sent to be imprisoned in fort Chákra.

( 1107 ) Two female slaves, Meghi and her daughter Krishni, were prisoners at fort Sinhgad. The former was about 60 A. D 1784 85. or 70 years old. The latter while employed on the work of making gunpowder fell down from a plank and became a

सदरह वीस रुपये किले मजकूरचे हिशेबी जमा करणें ह्मणोन, नारो महादेव मामलेदार किले मजकूर, यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी.

११०८ ( १०८८ )—वेदशास्त्रसंपन्न कृष्णशास्त्री बिन रंगशास्त्री द्रविड, गोत्र शांडिल्य,

अर्बा तिसैन सूत्र कात्यायन, शास्त्रा कण्व, यांचे नांवें सनद कीं, गुलतरंग खासे मया व अलफ चाकरीची बाईको इचा काल श्री काशी क्षेत्रीं जाहला, ते समयीं तिणें रबिलाकर १ आपले ऐवजांत क्षेत्र पंचवटी, कसबे नाशीक, परगणे मजकूर, येथें

घर बांधोन, त्यांत ब्राह्मण ठेवावा, त्या ब्राह्मणास मौजे गंगापूर परगणे मजकूर येथें पाऊणशें रुपयांची इनाम जमीन माझे नांवें सरकारांतून दिल्ली आहे ती त्यास द्यावी असा संकल्प केला. ह्मणून गुणसागर खासे चाकरीची बायको हुजूर आली तिणें विनंती केली; व पेशजी इनामपत्रें गुलतरंग इचे नांवचीं जाहलीं आहेत, त्यांत ज्या ब्राह्मणास जमीन देईल त्याचे पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें चालवावी असें लिहिलें आहे; त्याजवरून तुझी थोर शिष्ट सत्पात्र गंगातीरीं स्नानसंध्या करून आहां, तुमचें चाछविल्यास श्रेयस्कर जाणून, तुझावर कृपाळू होऊन गुलतरंग इचे ऐवजाचे पंचवटीत घर बांधिलें आहे तें तुझांस देऊन, मौजे गंगापूरपैकीं इनाम जमीन तिचे नांवें आहे ती सालमजकुरापासून सरकारांतून तुझांस इनाम करार करून देऊन, तिचे नांवाचीं इनामपत्रें आहेत तीं तुझांस देविलीं असेत, तरी इनामपत्रांप्रमाणें जमीन चतुःसीमापूर्वक तुझीं आपले दुमाला करून घेऊन तुझीं व तुमचे पुत्रपौत्रादि वंशपरंपरेनें इनाम जमीन व घर अनभवून सुखरूप राहणें ह्मणोन. सनद १.

येव्शीं गंगाधरराव भिकाजी यांस कीं, घर व जमीन यांचे दुमाला करून देऊन चालवणें; आणि गुलतरंग इचे नांवें इनामपत्रें आहेत तीं यांचे स्वाधीन करून जमीनीचा आकार यांचे नांवें इनामखर्च लिहीत जाणें. नवी सनदेचा अक्षेप न करणें. या सनदेची प्रत लिहून घेऊन हे अस्सल सनद यांजवळ भोगवटियास परतोन देणें ह्मणोन. सनद १.

२.

दोन सनदा दिल्या असेत.

रसानगी याद.

cripple. The women asked for release on condition of their giving one young female slave in their place. The request was granted.

( 1108 ) Gultarang, a woman in the personal service of the Peshwá, died at Benáres. In deference to her last wishes expressed by her to Gunaságar, another woman in the personal service of the Peshwá, a house was built at Panchawati out of her money and the house as well as her Inám land were gifted to a Brahman.

## २० धर्मसंबंधी व सामाजिक.

११०९ ( ४२ )—नारो महादेव कमावीसदार क्षेत्र पंढरपूर, दिमत परशराम रामचंद्र आर्बा सबैन यांचे नांवें सनद कीं श्रीविठ्ठलदेव वास्तव्य पंढरपूर यांचे अंगावर पाली-मया व अलफ. चा व सरडयाचा स्पर्श जाहला आहे. तेथील समस्त ब्राह्मणांचे मते व सफर १८ स्वामींचे मते देवास महारुद्र करावा, व शांति करावी, सहस्र ब्राह्मणभोजन करावे; यास खर्च पाहतां चारशें रुपये पर्यंत लागतील म्हणोन शिवाजी बाबाजी यांस लिहिलें त्याणीं हुजूर विदित केलें; त्याजवरून हे सनद सादर केली असे, तरी देवास महारुद्र करणें, व शांति करून सहस्रभोजन करणें; सदरहूचा खर्च मजुरा दिल्या जाईल म्हणोन मशारनिल्लेस. सनद १.

१११० ( १३३ )—वेदमूर्ति सदाशिव दीक्षित ठकार हे श्रीकृष्णातीरी माहुलीसंगमी आर्बा सबैन वाजपेय यज्ञ करीत आहेत, त्यास दीक्षितांकडे साहित्य देविलें मया व अलफ. त्याविशीं. सनदा. मोहरम २७

१ हैबतराव भवानीशंकर यांस कीं प्रांत वाईपैकी साहित्य सुमार.

१५० कुंभारकाम.

२५ रांजण.

१०० वागरी.

२५ मडकीं जालीं.

१५०

११५० सुतारकाम.

५० पोळपाट.

५० लाटणीं.

### XX Religious and Social matters.

( 1109 ) The deity Vithaldeo, at Pandharpur, having been touched by a lizard, the Mahārudra and Shanti ceremonies were, at the suggestion of the local Brahmins and the Swāmi, ordered to be performed, 1000 Brahmins were to be fed, and sanction was accorded to the expenditure of Rs. 400 for the purpose.

( 1110 ) Sadāshiv Dixit Thakar being about to perform a Vājapeya sacrifice at Mahuli, orders were issued to provide him with earthen pots, wooden furniture &c.

१००० मेखा.

५० ठाणवया.

११५०

५००० पत्रावळी.

६३००

सहा हजार तीनशे सुमार देणें म्हणोन.

सनद.

१ श्रीनिवास शामराव यांस कीं प्रांत कऱ्हाडपैकीं सदरहूप्रमाणें सुमारी ६३०० सहा हजार तीनशे देणें झणोन.

सनद.

२

दोन सनदा. रसानगी यादी. सदरहूखेरीज कांहीं बुरुडकामही देणें झणोन दोहीं सनदांत लिहिलें असे.

### जनार्दन आपाजीच्या कीर्तीपैकीं.

११११ ( २४२ )—लख्या ठाकूर नाशीककर हा श्रीत्रिंबकेश्वराचे देवळांत गेला, साससबेन यास्तव त्यास अटकाविला आहे, झणोन विदित जाहालें; ऐशास ठाकूर मजकुराकडे गुन्हेगारीबद्दल ऐवज रुपये एक हजार रुपये घेऊन रमजान ३० त्यास सोडावयाची आज्ञा केली असे, तरी सदरहू हजार रुपये घेऊन तालुके त्रिंबक येथील हिशेबीं जमा करणें, आणि ठाकूर मजकुरास सोडून देणें झणोन, नारो महादेव यांचे नांवें. छ. १५ साबान.

सनद १.

परवानगी राजश्री बाळाजी जनार्दन फडणीस.

( २४३ ) लखा ठाकूर नाशीककर हा त्रिंबकेश्वराचे देवालयांत पूजेस जाऊन अभिषेक करूं लागला, सबब त्याजला तुझीं किल्ले त्रिंबक येथें अटकेंत ठेविलें आहे, त्यास ठाकूर मजकुरापासून गुन्हेगारीबद्दल एक हजार रुपये घेऊन तालुके त्रिंबक येथील हिशेबीं जमा धरून लखा ठाकूर यास सोडून देणें, झणोन छ. १५ साबानची सनद तुम्हांस सादर जाली आहे, परंतु, हल्लीं रुपये ध्यावयाचे मना करून त्यास सोडून द्यावयाची आज्ञा केली असे, तरी ठाकूर मजकुरास सोडून देणें झणोन, नारो महादेव यांचे नांवें छ. २४ साबान.

सनद १.

FROM JANÁRDAN APPÁJI'S DIARY.

( 1111 ) Lakhá Thákur of Násik was fined Rs. 1,000 for having entered the temple of Shri Trimbakeshwar: the fine was afterwards remitted.

A. D. 1775-76.

१११२ ( २४६ )—धोंडो महादेव, तालुके त्रिंबक, यांचे नांवें सनद की कजबे त्रिंबक  
सीत सचैन येथें देवीस विजयादशमीस टोणगाची बळ पहिल्यापासून चालत होती,  
मया व अलफ अर्लाकडे चार पांच वर्षे चालत नाहीं, त्याजमुळे गांवचे लोकांस द-  
रमजान ३० ष्टांत होऊन उपद्रव बहुत होतो, त्यास येथिशींची आज्ञा होऊन तेथील  
अंमलदारास सनद देवविली पाहिजे, म्हणून कजबे मजकूरचे समस्त क्षेत्रस्त ब्राह्मणांनीं हुजूर  
विनंतिपत्र पाठविलें; त्याजवरून हे सनद सादर केली असे, तरी कजबे मजकूरचे देवीस  
विजयादशमीचे दिवशी बळीस टोणगा पांच वर्षांपलीकडे पावत आल्याचा दाखला मनास  
आणून, पावत आल्याप्रमाणें एक टोणगा दरसाल तालुकेमजकूरपैकी देत जाणें म्हणोन छ.  
२० साबाऩ. परवानगी रूबरू. राजश्री बाळाजी जनार्दन फडणीस. सनद १.

१११३ ( २६५ )—ललीनार्क भोई, निसवत पांडुरंगराव गोविंद, याणें बायको टा-  
सीत सचैन किली होती, त्या बाईकाचा बोभाट तुम्हांजवळ आला. तेव्हां त्यास  
मया व अलफ जातींत लाऊन देऊन बाईको याणें वर्तवावी अमें पांचांचें विचारें जालें,  
जिल्हेज २४ त्यास तुम्हीं नजरेविशीं तगादा लाऊन बसावला आहे, म्हणोन हुजूर  
विदित जाल; ऐशास मशारनिल्लेकडील भोई, याजकरितां नजरेच्या ऐवजाचा तगादा न  
करणें, बसविला असेल त्यास सोडून देणें. म्हणोन धोंडो बाबाजी कांतवाल शहर प्रांत  
पुणें यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

१११४ ( २७८ )—विष्णु केशव देसाई तर्फे राजापूर तालुके विजयदुर्ग यांणीं हुजूर  
सीतसचैन विदित केलें की विष्णु अनंत घोटे याणीं आपल्यावर भुतें घालून मारे  
मया व अलफ केले, त्याजवरून सुभाहून पडथळे नेमून देऊन अमीन दिला, त्याचे  
सफर ५ विद्यमान थली उभयतांचा निवाडा जाण; उपांतीक सुभा गेली; नंतर

( 1112 ) A buffalo used to be sacrificed to the goddess at Kasbe  
A. D. 1775-76. Trimbak on the Dasrā festival, but the practice had been  
discontinued for four or five years. The Brahmins of the  
place represented that the people were much troubled in dreams on  
account of this omission. The officer of Trimbak was therefore directed  
to restore the old practice and offer a buffalo in sacrifice every year.

( 1113 ) The wife of Lachhi Naik Bhot in the service of Pándurang-  
A. D. 1775-76. ráo Govind was deserted by her husband, and she  
complained to the kotwāl. He referred Lachhi to the  
caste people. The Panch decided that Lachhi should admit his wife in-  
to his house. The kotwāl asked Lachhi for a *nazar*. The matter having  
been represented to the Huzar, the kotwāl was told not to trouble him  
for the *nazar*.

( 1114 ) Vishnu Anant Ghat: of prant Rajapur being suspected of

महादाजी रघुनाथ याणीं पंचाईत करून घाटे मजकूर याजकडे भूत लागूं जालें त्याचें पारि-  
पत्य न होय, याजकरितां त्याणीं सरकारांत विनंतिपत्र लिहून देऊन उभयतांसाठीं हुजूर  
जाण्याविशीं निरोप दिला; त्यास महादाजी रघुनाथ याणीं सरकारांत पत्र दिलें तें पाहोन,  
व सुभांचे सांगितल्यावरून समस्त ब्राह्मणांनीं घाटे यास वाळीत घा-  
तलें. त्यावर उभयतां सरकारांत आलों, पंचाईत्या जाहल्या, घाटे खोटे जाहले.  
त्यास सरकारची शुद्धतेची आज्ञा नसतां, व समस्त ब्राह्मणांस न कळतां, घाटे  
याणीं रामठाकूर देसाई, तर्फ मजकूर, यांस पुढें करून कांहीं ब्राह्मण धटार्हेनें  
जेऊं घातले आहेत, त्यास ज्या ब्राह्मणांनीं त्याचे घरीं अन्नवेवहार केला असेल त्यांस, व  
घाटे यांस श्रीधूतपापेश्वराचे देवालयीं पंचगव्य देऊन शुद्ध करावयाची आज्ञा जाली पाहिजे  
म्हणोन; त्याजवरून हें पत्र तुम्हांस सादर केलें असे, तरी सुभांचे आज्ञेनें बहिष्कार पेशजीं  
जाला असल्यास, दिवाणचे आज्ञेविना त्याचे घरीं अन्नव्यवहार ज्या ब्राह्मणांनीं केला असेल,  
त्यांजपासून दर असामीस पांच रुपये गुन्हेगारी घेऊन, घाट्यास व त्यांस पंचगव्य देऊन  
शुद्ध करणें म्हणोन, गंगाधर गोविंद याचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

१११५ ( ३०५ ) मौजे सायखेडें. पगणे नाशीक, येथील सरदेशमुखीचा अंमल  
सवा सवैन शिवानंद सरस्वती संन्यासी शेंणवी यांजकडे पहिलेपासून चालत होता,  
मया व अलफ त्यास यादवराव रघुनाथ याणीं सरकारांत गैरवाका समजाऊन सरदे-  
जमादिलाबल २ शमुखीचे अंमलाची जप्ती करविली होती, त्याची कमावीस तुम्हांकडे  
सांगितली आहे, त्यास हल्लीं जप्ती मोकळी केली असे; तरी तुम्ही जप्ती मोकळी करून दख-  
लागिरी न करणें. जप्तीमुळें वसूल घेतला असेल तो माघारा देणें म्हणोन, शिवाजी विठ्ठल  
यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

१११६ ( ३४८ )—काजी पुणेकर याणें कळवंतिणीचे कुणविणीची पोर रंगरेजाशीं

A. D. 1775-76. raising evil spirits against Vishnu Keshav Desai, the  
matter was investigated by the Subhā and the parties  
were sent to the Huzur. In the meantime, Vishnu Anant was excom-  
municated by the villagers. He however, in disregard of the excom-  
munication gave a dinner to certain Brahmins. A complaint was made  
to the Huzur and it was decided that if the order of excommunication  
was passed at the instance of the Subhā, the persons who had dined  
should be fined Rs. 5 each.

( 1115 ) The Sardeshmukhi *Amal* of Sāyakhed in parganā Nāsik  
A. D. 1776-77. was held by Shivanand Saraswati, a Sanyāshi of the  
Shenwi caste.

( 1116 ) The Kāzi of Poona being about to solemnize a *Nikāh*

सबा सबैन निका लावण्याचें केलें, तेव्हां कळवंतीण सरकारांत फिर्याद आली कीं,  
मया व अलफ रंगरेजाशीं पोरीचा निका लाऊं नये. त्याजवर काजीस ताकाद केली  
रमजान २९ असतां रंगरेजाबरोबर कळवंतीणीचे पोरीचा निका लाविला, सबब  
काजी मजकूर याचे वतनाची इनामगांवसुद्धां जप्ती करून जप्तीची कमावीस तुझांकडे सांगि-  
तली असे, तरी कळवंतीणी वगैरे मुसलमान लोकांकडे काजीची दस्तुरी असेल ते, व गांव-  
मळा वगैरे कुल काजीकडून जप्त करून, आकार होईल तो सरकारांत पावता करून जाव  
घेणें ह्मणोन, पांडुरंग कृष्ण बेडेकर यांचे नांवें. छ. १ रमजान. सनद १.

परवानगी खबरू.

१११७ ( ५१६ )—रामा कानडा जातीचा ब्राह्मण ह्मणवितो परंतु पुण्यांत गाईचीं  
समान सबैन पुच्छें तोडलीं वगैरे उपद्रव केले, प्रायश्चित्त योग्य नव्हे, सबब किल्ले  
मया व अलफ कोहज येथें अटकेस ठेवावयासी वेडीसुद्धा पाठविला आहे, तरी पा-  
सवाल ३० यांत वेडी घालून पोटास कोरडा शेर देऊन पक्क्या वंद्यावस्तानें अट-  
केंत ठेवणें ह्मणोन, भिकाजी गोविंद यांस छ. १२ रमजान. सनद १.

रमानगी यादी.

१११८ ( ५१७ )—विश्वनाथभट पेठ्ये, वर्स्ता कसबे कडस, तर्फ खेड, यांणी कुण-  
समान सबैन वीण ठेवून बायको नांदविला नाही, यास्तव सरकारांतून पत्र पाठवून  
मया व अलफ भटजीस हुजूर आणिलें त्यास येविशीं कलमें वितपशील.  
सवाल ३०

A. D. 1776-77. marriage between the daughter of a slave belonging to a prostitute, and a dyer, the prostitute made a complaint to Government, and the Kāz was directed to refrain from performing the marriage; nevertheless he performed it. His watan inām and his *hut* of levying *dasturi* from prostitute and other Musulmans were attached.

( 1117 ) Rāmā Kanādē, calling himself a Brahmin, cut off the tails of some cows and did other mischief in Poona. His offences could not be expiated by a mere penance so he was sent in fetters to be imprisoned at fort Kobaj.

( 1118 ) Vishvanāth Bhat Pēṭhye of Kadus in talakā Khed deserted his wife and lived with a kunbi woman. He was called to the Huzur and directed to give up his mistress and live with his wife. He agreed to do so, so his wife was made over to

भटजीनें कुणबीण ठेऊं नये, स्त्रीस नांदवावें, याप्रमाणें सरकारांतून ताकीद केली; त्यास सरकाराज्येप्रमाणें चालतों असें भटजीनीं कबूल केलें; याजवरून यांची स्त्री यांचे हवालीं करून यांस कसबे मजकुरीं पाठविले असेत, तरी हे रीतीप्रमाणें आपले स्त्रीस नांदवितील. कलम १.

कसबे मजकुरीं भटजींचें शेत आहे, तें तुष्ठी जप्त केलें ह्मणोन हे सांगतात, तरी यांचे शेताची जप्ती मोकळी करून पूर्ववत्प्रमाणें यांचें शेत यांजकडे चालवणें. कलम १. भटजीची कुणबीण किले सिंहगड येथें अटकेंत ठेविली आहे, तिचीं पोरें तीन आहेत, तीं भटजींचे स्त्रीचे हवालीं केलीं आहेत. तीं हे आपले घरीं नेऊन पालण करितील.

एकूण तीन कलमें लिहिलीं आहेत, त्यास यांचे शेताची जप्ती मोकळी करून सदरहू लिहिल्याप्रमाणें यांस वर्तवणें ह्मणोन, गोविंद बलाळ कमावीसदार तर्फे मजकूर यांचे नांवें चिटणिसी छ. ९ सवाल. पत्र १.

१११९ ( ५८१ )-धाको महादेव करमरकर, वस्ती बीरवाडी, तर्फे मजकूर, यांची

तिसा सबैन

मया व अलफ

रजब २९

कन्या चौवरसांची त्रिंबक रघुनाथ धारप याणें करमरकर याचे अर्ज्या

गुलामास व बटकीस फिताऊन मुलीस चोरून बीरवाडी नजीक पोफळ-

विराचे रानांत नेऊन, येस जोशी नांदगांवकर व आबा धारप यांस

नेऊन लग्न करीत होता, हें वर्तमान मुलीचा माय-आजा भिकाजी बलाळ टीगणे व गणेश नारायण लिमये यांस कळतांच धावोन जाऊन मुलीस घेऊन गांवांत आले, आणि हुजूर येऊन सदरहू वर्तमान विदित केलें; त्याजवरून धारप व जोशी यांस मसाला करून आणून मनास आणितां येस जोशी याणें लिहून दिल्लें कीं, त्रिंबक धारप याणें मजला पन्नास रुपये द्यावयाचा करार करून, पैकीं तीस रुपये देऊन रामचंद्र कृष्ण मामलेदार याची आज्ञा घेतली आहे, तुष्ठी लग्न चालवावें म्हणून गोमय तुळसीवर हात ठेऊन शफतपूर्वक सांगि-

him, and the attachment on his field was removed. The kunbi woman was sent to be imprisoned at fort Sinhgad. and the children which she had by the Brahmin were entrusted to the care of his wife.

( 1119 ) Trimbak Raghunāth Dhārap of Birwādi, with the help

A. D. 1778-79. of the slaves at Dhāko Mahādeo Karmarkar's house,

enticed away Dhāko's daughter aged 4 years to the lands of Pophāvir near Birwādi, and was going to marry her. His brother Abā Dhārap, was present on the occasion and Yēs Joshi was officiating as priest. The girl's maternal-grand-father, having got wind of the matter, ran to the spot and carried the girl back to the village; and then complained to the Huzur. Dhārap and Joshi were summoned to appear and Yēs Joshi stated in his evidence, that he undertook to



तलें, आणि मुलीस घेऊन पोफळविराचे रानांत गेला; त्याचा भाऊ आबा धारप मजला बो-  
लाबायास आला, तो व मी तेथें गेलों, लग्नाचा संकल्प करून देवकस्थापना पुण्याहावाचन  
वितरित गणपतीपूजनादिक कन्यादानान्त उदकेंकरून केलें. विवाहहोमास अग्नि नवता  
तो आणावयास आबा धारप गेला, तों इतकीयांत धावणें आलें, तें समयी आपण पळोन  
अवचितगडचे मेढ्यांत गेलों, आणि सदरहू जालें वृत्त मामलेदारास निवेदन केलें, त्यांनीं  
लग्न फिरलसें वाटतें असें उत्तर केलें. मागून भिकाजी बळाळ आले, त्यांनीं विवाहहोम  
जाहला नाहीं झणोन सांगितलें, त्यास राहिलें कर्म समाप्त करणें झणून सांगून ग्रामस्तांस  
पत्र देऊन सर्वास निरोप दिल्हा. धारपांकडे व मजकडे पांचशें रुपये गुन्हेगारी करार क-  
रून निशा घेतली, पैका आपण दिल्हा नाहीं, धारप याणेंच दिल्हा. विवाहहोमादि राहि-  
लें कर्म गांवीं येऊन करावें तों मुलीस पळविलें यामुळें जालें नाहीं. झणोन, व ग्रामस्तांचें  
पत्र सरकारांत आलें, त्यांत विवाहहोमादिक कर्म जाहालें नाहीं झणून लिहिलें आढे.  
त्याजवरून, वेदशास्त्रसंपन्न लक्ष्मण पाठक प्रभृती शिष्ट ब्राह्मणांचे मते मूल कोणाची, देतो  
कोण, हें सोंरेंच अनन्वित, आणि विवाहहोमही जाला नाहीं, तेव्हां लग्न जालेंच नाहीं,  
यास्तव दुसरा वर उत्तम पाहून मुलीचें लग्न करावें, याप्रमाणें सिद्धान्त होऊन हें पत्र सा-  
दर केलें असें, तरी जोशी व आबाजी बळाळ धारप यांनीं कर्म वाईट केलें, सबब उभय-  
तांस आपांत करून, मुलीस वर तिचे मातुश्रीचे विचारास येईल तो योजून लग्न करवणें  
झणोन, रामचंद्र कृष्ण कमावीसदार, तालुके अवचितगड, यांचे नांवें चिटणिसी.

पत्र १.

सदरहूअन्वयें ब्राह्मण समस्त, वास्तव्य विरवाडी, यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

२

दोन पत्रें छ. ७ जमादिलाखर दिव्ही असेत.

officiate as priest at the ceremony. Trimbak told him that he had obtained the Mamlatdār's permission for the marriage and as he (Trimbak) paid him Rs. 30 and offered to pay 20 more. He further stated that the ceremonies of *Ganpati puja* &c. up to and including *kanyādān* had been completed, and that they were stopped while Abā had gone to fetch fire which was required for performing the marriage sacrifice. The villager's report also showed that the sacrifice had not been performed. The matter was then referred to Laxman Pāthak and other learned Brahmins. They found that as the guardian of the girl had not offered the girl in marriage and that as the marriage sacrifice had not been performed, no marriage had taken place, and advised that the girl should be married to another suitable bride groom. Orders were therefore issued to excommunicate Yēs Joshi and Abāji Dhārap, and the *kamāvisdār* was directed to get the girl married to another man selected by her mother.

११२० ( ५८२ )—त्रिंबक धारप याणें धाको महादेव याचे मुलीस पळऊन आपणाशा तिसा सवैन वीरवाडीनजीक पोफळविराचे रानांत लग्न लावीत होता, सबब त्यास मया व अलफ धरून आणून किल्ले राजमाची येथें अटकेंत ठेवावयासी पाठविला. रजब २९ आहे, तरी याचे पायांत वेडी घालून किल्ले मजकुरी पकच्या बंदोबस्तांन अटकेंत ठेऊन पोटास शेर शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें ह्मणोन, रामराव नारायण यांचे नांवें छ. ३ जमादिलाखर. सनद १.

रसानगी यादी.

११२१ ( ६४२ )—क्षेत्र नाशीक, परगणे मजकूर, येथें रामाजी जनार्दन दिमत चिंममानीन तो विठ्ठल याजकडे ब्रह्मवधाचें निमित्त्य आलें, त्याचें प्रायश्चित्त न होतां मया व अलफ अभिमान धरून वेदशास्त्रसंपन्न विश्वनाथभट भातवडीकर व दादंभट जिल्काद ३ बेले प्रभृती ब्राह्मणांनीं आग्रहें रामाजीशीं संसर्ग करून तड केला. अलीकडे दिवाकर दिक्षित पटवर्धन यांजकडे ध्यानंदास वैरागी यास मारावयाचे प्रयोजक तेचें निमित्त्य आलें, त्याची निष्कृति न कर्गितां वेदशास्त्रसंपन्न पांडुरंग दिक्षित प्रभृती शुक्ल पक्षांचे ब्राह्मणांनीं दिक्षिताशीं व्यवहार चालविला. हें वर्तमान सरकारांत विदित जाहलें, त्याजवरून दोन्हीकडील संभावित ब्राह्मणांस हुजूर पुण्याचे मुक्कामी बोलाऊन वर्तमान मनास आणून ज्याजकडे जसा दोष व ज्याजकडे जसा संसर्ग तसें त्यास प्रायश्चित्त योजून दोन पक्षांच्या दोन यादी अलाहिदा ठराऊन पाठविल्या असेत, त्याप्रमाणें प्रायश्चित्त करवणें, व क्षेत्रांतील ब्राह्मण वगैरे यांणीं पुढें वर्तणूक कशी करावी येविशींचा ठराव कलमवार सनस्त ब्राह्मणांचे विचमार्नें करून तीन तहनामे लिहून पाठविले आहेत, ते कोणापाशीं कसे ठेवावे येविशींचा, व कृष्णपक्षांचे ब्राह्मणांनीं बखेडा केला याजमुळें शुक्लपक्षांचे ब्राह्मणांस कर्ज जाहालें तें वारावयाविशींचा मार्ग योजून तपशील लिहिला आहे. बितपशील. कलमें.

( 1120 ) Trimbak Dhárap, the chief offender was sent to be imprisoned in fort Rájmaáchi.

( 1121 ) One Rámáji Janardan of Násik was suspected of having killed a Brahmin Vishwanáth Bhat Bhátawdekar; still other Brahmins knowing had dealings with him without requiring him to purify him-self by penance. This led to a split in the Brahmin community of Násik, one party calling itself *Shukla* and calling their opponents, including Vishwanáth Bhat, *Krishna* ( impure ). Certain members of the former party, Pándurang Dixit and others, subsequently had dealings with Divákar Dixit Patwardhan who was suspected of having abetted the murder of a *baráogi* without making

१ तहनामे सरकारांतून तीन करून दिले आहेत, त्यांपैकी एक कमावीसदारांनीं दसरीं ठेवावा. व एक पाटील कुळकर्णी यांजपाशीं ठेवावा, व एक धर्माधिकारी यांजवळ द्यावा. धर्माधिकारी यांनीं त्यांच्या पाच नकला श्र ( स्व ) दस्तुरी करून, आपलें बिकलम घालून, वरकड धर्माधिकारी त्यांचे भाऊबंद असतील त्यांच्या साक्षी घालून, सदरीलचें असल पत्र आपणाजवळ आहे सणून नकलेचे पाठीवर लेहून, पांचा ज्ञातीजवळ पांच नकला द्याव्या.

१ देशस्थांमध्ये उपासनी हिंगणे यांजपासीं द्यावी.

१ चित्तावनामध्ये यज्ञेश्वर दिक्षित पटवर्धन यांजपाशीं द्यावी.

१ कऱ्हाडे यांमध्ये चित्तामण दिक्षित गडकंभकर यांजपाशीं द्यावी.

१ यजुर्वेदी यामध्ये पूर्वीपासून ज्या घराण्यांत कागदपत्र ठेवावयाची चाल असेल त्याजपाशीं द्यावी.

१ कण्वांमध्ये ज्या घराण्यांत पूर्वीपासून कागदपत्रे ठेवावयाची चाल असेल त्याजपाशीं द्यावी.

५

१ रामाजी जनार्दन यांच्या कजीयापासून शुक्रपक्षी ब्राह्मणांस व कृष्णपक्षी ब्राह्मणांस स्वर्च जाहला आहे, त्याच कृष्णपक्षी खोटे पडिले, त्यांचा स्वर्च त्यांनीं समजोन घ्यावा; शुक्रपक्षीचे ब्राह्मणांस जो स्वर्च पडिला आहे त्यास हे खरे जाहले, सबब रामाजी जनार्दन व दादंभट येले व विश्वनाथभट भातवडीकर व बाबूभट मठकर व दादंभट खेडकर यांणी बलेडा करून कलह वाढविला, सबब त्यांजपासून घेऊन शुक्रपक्षीचे ब्राह्मणांस देवावा; त्यांजपासून ऐवज निष्पन्न होईल तेणेकरून ऐवजाची भरती न होय तरी महादोषाचें प्रायश्चित्ताचें द्रव्य पांचा ज्ञातीस वांटून द्यावें असें लिहिले तें या ऐवजाचे भरतीस ऐवज फिटेंतोंपर्यंत थावें व दिवाकर दीक्षितसंबंधं ब्राह्मणांस स्वर्च जाहला असेल तो चौकशी करून दिवाकर दीक्षिताकडून देवावा.

२

एकूण दोन कलमी तपशील लिहिला आहे, याप्रमाणें करून प्रायश्चित्ताच्या यादी अन्वहिता पाठविल्या आहेत, त्याप्रमाणें चौकशीनें प्रायश्चित्ते करऊन पुढील वर्तणुकेचा तह-

inquiries in the matter. The Brahmins of both the parties were therefore called to the Huzur, and inquiries were made and penances were prescribed to all according to the measure of their guilt. A document was also drawn up showing how the Brahmins were to behave in

नामा कलमवार जाहला आहे, त्याप्रमाणें वर्तणूक सर्वांपासून करणें, व तुझीं करणें ह्मणून पांडुरंग धोंडाजी कमावीसदार परगणे मजकूर यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

सदरील तीन तहनामे तिघांपाशीं ठेवावयाकरितां दिल्ले आहेत, त्याची नकल तप शीलवार अलाहिदा दसरीं करून ठेविली असे, तिहींचाही मजकूर एकसारखाच असे.

११२२ ( ६४८ )—वेदमूर्ति शामाचार्यप्रभृती ब्राह्मण पैठणकर यांणीं नरहरी रनाल समानीन कर अष्ट ब्राह्मण यास प्रायश्चित्ताचा अधिकार नसतां प्रायश्चित्त देऊन मया व अलफ पंक्तीस घेतला, व शुद्धपक्षींचे ब्राह्मणांवर बलात्कार करून त्यांश जिल्हाद २२ आपली पंक्ती केली, सबब शामाचार्य याजकडे वर्षासनें वगैरे आहेत व त्यांचे कुटांतील ब्राह्मणांकडे वर्षासनें वगैरे आहेत, त्यांची जफती सरकारांत केली त्याज विशीं रसानगी यादी. सनदा.

१ रामचंद्र नारायण यांचे नांवें सनद कीं, वेदमूर्तीकडे परगणे पैठणपैकीं मुकासी याचे अंमलाचे गांव आहेत ते.

देहे.

१ मौजे आनंदपूर.

१ मौजे पथवंडी.

२

एकूण दोन गांव आहेत तेथील मोकाशाचा अंमल, व हरदंगांवीं मशारनि ल्हेची इनाम जमीन आहे तिची जफती करून उत्पन्न होईल तें परगणे नेवास वगैरे महाल येथील हिशेबी जमा करणें म्हणोन. सनद.

२ मोकदम देहाये, परगणें पैठण, यांचे नांवें सनदा कीं, मशारनिल्हेचे इनामज- गीनीची व मोकाशाची जफती करून कमावीस रामचंद्र नारायण यांजकडे सांगितली आहे, त्यांशीं रुजू होऊन सदरहूचा वसूल सुरळीत देत जाणें ह्मणोन. सनदा.

१ मौजे आनंदपूर.

१ मौजे पथवंडी.

२

future. The expenses incurred by the Brahmins of the pure party were ordered to be paid by the 'impure' party as the latter were the aggressors.

( 1122 ) Shāmāchārya and other Brahmins of Paithan performed the ceremony of purification in the case of a man who was not entitled to be purified. The annuities enjoyed by the Brahmins were therefore attached.

१ नारो लक्ष्मण कमावीसदार, बाबती सरदेशमुखी, परगणे पैठण दिमत महादाजी शिंदे, यांचे नांवें सनद की, शामाचार्यप्रभृती कुटांतील ब्राह्मण यांजकडे सर-देशमुखीचे वगैरे अमलापैकीं रोज व वर्षासनें चालत आहेत त्यांची जफती सरकारांत करून, जफतीमुळे ऐवज वसूल होईल तो सरकारांत पावता करून जाव घेत जाणें म्हणोन. सनद.

१ विठ्ठल कृष्ण कमावीसदार मोकासा परगणे पैठण दिमत मानसिंगराव यादव व अमृतराव यादव सोळसकर यांचे नांवें सनद की, शामाचार्यप्रभृती कुटांतील ब्राह्मणांकडे मोकाशापैकीं वर्षासनें व रोज चालत आहेत त्यांची जफती करून, उत्पन्न होईल तें सरकारांत पावतें करून पावल्याचा जाव घेत जाणें म्हणोन. सनद.

५

पांच सनदा दिल्या असेत.

११२३ ( ६५२ )—नारो कृष्ण यांचे नांवें पत्र की, कुंभाराचीं वधुवरें घोड्यावर बसऊं समानीन नयेत येविशीं कासार व सुतार व लोहार यांणीं दिकत केली, सबब मया व अलफ कुंभाराचा व कासार वगैरे यांचा कजीया लागोन मनसुबी हुजूर पडली जिल्हाद २९ त्याचा फडशा होऊन कुंभाराचीं वधुवरें घोड्यावरी बसवावीं असें सिद्ध जाहलें. कुंभार खरे जाहाले त्यांजपासून हरकी घेतली, कासार वगैरे खोटे जाहाले त्यांजपासून गुन्हेगारी घ्यावी, सबब बनाजी कासार व कृष्णाजी लोहार व सुतार मौजे पोहरी, परगणे सुतोडा, यांम दोनशें रुपये मसाला करून सरकारांतून राऊन व खिजमत-गार व ढलाईत हुजूर आणवावयाचढल पाठविले असतां ते गैर हजीर जाहाले झणोन हुजूर विदित जालें, त्याजवरून हें पत्र सादर केलें असे. तरी बनाजी कासार व कृष्णाजी सुतार वगैरे यांची वस्तभाव व साहुकारी प्रांत खानदेश येथें असेल ते सरकारचा खिज-मतगार पाठविला आहे. त्याचे विद्यमानें मोजदाद करून बंदोबस्त करणें, आणि मोजदा-दीचा जाबता हुजूर पाठवणें. सदरहू कुळाकडे गुन्हेगारीचा ऐवज येणें त्याचे वसुलास सरकारचा खिजमतगार तेथें ठेऊन घेणें झणोन चिटणिसी. पत्र १.

११२४ ( ६५९ )—बाबू विष्णु प्रभुणा याचे आईकडे माहलीस आपाजी तमाजीस

( 1123 ) The carpenters, blacksmiths &c. of Khândesh objected to the bride and bride-groom of the potter caste riding on horse-back. Their objection was overruled; and they were made to pay a fine, while a present was taken from the potters.

(1124) The mother of Bábu Vishnu Prabhuná of Máhuli was sus-

समानीन कण्हेराच्या मुळ्या वाटून घातल्याचा, व बाबू विष्णु व त्याचा  
मया व अलफ सोबती सदाशिव लिंबा या दोन पतितांचे स्त्रियांस त्यांचा संसर्ग जाला  
जिल्हेज ८ असा शब्द ठेऊन या दोघी व बाबू विष्णूची आई एकूण तिघी  
वेगळ्या ठेविल्या आहेत ह्मणोन हुजूर विदित जाहलें; त्याजवरून मुळ्यांचा व संसर्गाचा  
शोध करितां ह्यातारीनें मुळ्या वाटून घातल्या नाहींत, व दोघी स्त्रियांस पतितांचा संसर्ग  
जाला नाहीं, याप्रमाणें चौकशीनें ठरलें, याकरितां तिघींस मिथ्यापवाददोषपरिहारार्थ  
पंचगव्य देऊन पूर्ववत् व्यवहार चालवणें ह्मणोन, कृष्णराव अनंत यांस चिटणिसी. पत्र १.  
येविशीं समस्त ब्राह्मण क्षेत्र माहुली यांस कीं, तिघींस पंचगव्य देऊन पूर्ववत् व्यवहार  
चालवावा असें चिटणिसी. पत्र १.

२

११२५ ( ७३४ )-बाळाजी महादेव मामलेदार तालुके शिवनेर यांस पत्र की,  
इसब्रे समानीन जुन्नरांत तुमचे घरीं वटीक होती, ते पूर्वीं जातीची परभूची स्त्री  
मया व अलफ असतां, तिणें अंत्य्याशीं व्यभिचार केला होता, असें सांप्रत कळलें.  
मोहरम ८ तुमचे घरीं कमकसर अडीच वर्षे होती. घरांतील झाडणें, सारवणें.  
सरकटां मांडीं धासणें, व भाज्या निसणें चिरणें, व बिछाने घालणें हीं सर्व कामें करीत  
असे, यास्तव नीचाभिगतयोषित्संसर्गप्रायश्चित्त प्राजापत्यें एकूण सौप्य प्रत्याम्नाय.  
रुपये.

२७० तुमची मातुश्री ठकूबाई प्राजापत्यें १३५ दर २ दोन रुपये प्रमाणें. रुपये.  
१६२० तुम्ही व तुमची स्त्री.

१०८० तुम्हांस मुंडणपूर्वक प्राजापत्यें २७० दर प्राजापत्यास  
रुपये ४ प्रमाणें.

A. D. 1779-80. pected of having given roots of the *Lawher* plant to  
Appaji Tamaji to eat. She as well as two other women,  
who were suspected of having had connection with their husbands after  
the latter had lost caste, were excommunicated by the Brahmins of  
Mahuli. Inquiry showed the suspicions in each case to be groundless.  
It was ordered however that cow's urine should be given to the three wo-  
men to purify them from the false imputation that had been made  
against them, and that they should then be admitted into the caste.

( 1125 ) It was discovered that a female slave who had lived in  
the house of Balaji Mahadeo, Mamlatdar of Shiwner  
A. D. 1781-82. for about 2½ years was originally a Parbhu woman

५४० स्त्रीस प्राजापत्ये १३५ दर ४ प्रमाणें. रुपये.

१६२०

१३५ तुमचे चुलत बंधु उमर वर्षे १२ यांस प्राजापत्ये १३५ दर १ प्रमाणें. रुपये.

२७० तुमचे पुत्रास प्राजापत्ये १३५ दर २ प्रमाणें. रुपये.

४ तुमचे सुनेस प्राजापत्ये २ दर २ प्रमाणें. रुपये.

५०१ ब्राह्मणभोजन जुन्नरांत करावें, ब्राह्मण. असामी.

१००० खुद्द.

५०० स्त्रीस.

१०० सर्वास.

१६००

एकूण सोळाशें ब्राह्मणांस दर हजारी उत्तम प्रतीचे भोजनास अजमामें रुपये ३०० तीनशें प्रमाणें व दक्षणा मिळोन. रुपये.

२०० पुर्वोत्तरांग एकूण. रुपये.

३०००

येणेंप्रमाणें प्रायश्चित्त ( ता : ) र्थ प्राजापत्यांचे रौप्य प्रत्याम्नाय, व ब्राह्मणभोजन, व पुर्वोत्तरांग मिळोन तीन हजार रुपये करार केले असेत, त्यास प्रायश्चित्त नेमिलें आहे, त्या प्राजापत्यांची व्यवस्था. रुपये.

१३८० जुन्नरांत.

६७९ प्राजापत्ये एकूण रुपये.

५४४ प्राजापत्ये २७२, दर २ प्रमाणें.

१३५ प्राजापत्ये १३५, दर १ प्रमाणें.

६७९

४००

एकूण सहाशें एकूणऐशी रुपये चारशें सात प्राजापत्यांचे, त्यास वैदिक, व अग्निहोत्री व श्रौती. व पंडित, व तपस्वी असतील त्यांस दोन प्राजापत्ये दर दोन रुपयांचीं द्यावीं, व सामान्य वैदिकास एक प्राजापत्य दर दोन

and had previously committed adultery with a mahār. The Māmlatdār and his family were therefore directed to undergo a penance costing Rs. 2,500 as Daxina and Rs. 500 as food-expenses. Penances were also prescribed for those who had dined with the Māmlatdār or had dealings with

रुपयांचें घावें व किरकोळ भिक्षुकांस एकेक प्राजापत्य दर १ रुपयाचे दराचें घावें.

२०० पूर्वोत्तरांग.

५०१ ब्राह्मणभोजन असामी १६००

रुपये.

१३८०

२८० क्षेत्र नाशीक येथें प्राजापत्यें ७० दर ४ चार याचीं पाठवाचीं. तीं वैदिक, व अग्निहोत्री, व श्रौती, व पंडित, व अध्यापक, व तपस्वी असतील त्यांस एक एक प्राजापत्य घावें; अग्निहोत्रें ज्यांचीं सिद्ध असतील त्यांस दोन दोन प्राजापत्यें घावीं.

१२० क्षेत्र पुणतांबें येथें प्राजापत्यें ३० तीस दर ४ प्रमाणें पाठवाचीं. तीं वैदिक, अग्निहोत्री, व श्रौती, व पंडित, व अध्यापक असतील त्यांस एक एक प्राजापत्य घावें.

१२२० पुणीयांत वैदिक उत्तम, व श्रौती, व पंडित, व तपस्वी यांस योग्यतेनुरूप वाटावयासी आणावीं प्राजापत्यें ३०५ दर ४ प्रमाणें. रुपये.

३०००

याप्रमाणें प्रायश्चित्तांचा आकार करून जुन्नरांत, व क्षेत्र नाशीक, व पुण्यस्तंभ, व पुणें येथील ब्राह्मणांस वांटावयाचीं, व ब्राह्मणभोजन व पूर्वांग उत्तरांग करावयाचीं नेमणूक करून दिल्ली आहे, याप्रमाणें करणें; व तुमचे पंक्तीस जेवणार व संसर्गी वगैरे यांस प्रायश्चित्त घावयाची व्यवस्था व ग्र(गृ)ह शुद्धतेचीं. कलमें.

तुमचे अनुपनीत पुत्रास पंचगव्य प्राशन करवणें. कलम १.

मांससंसर्गीयांम प्राजापत्यद्वय व पंचगव्य प्राशन. प्राजापत्य प्रत्याम्नाय दर प्राजापतीं व्याहृती होम दोन सहस्र अथवा दर प्राजापतीं एक रुपयाप्रमाणें दर असामीने दोन दोन रुपये प्रमाणें घावे.

कलम १.

एक दोन वेळ पंक्तीस भोजन घडलें असेल, त्यांस उपोषण ब्रह्मकूर्च विधि करून पंचगव्य प्राशन करावें. कलम १.

गृहांतून वस्त्रपात्र धान्यादिक बाहेर काढून ग्र(गृ)हभूमीचें खनन दहन करून संमार्जन करून गायीचें परिभ्रमणादिक करून प्रायश्चित्तोक्त ब्राह्मणभोजन करावें.

कलम १.

him. The floor of the house was to be dug up and purified by a cow trampling it. The pots were to be purified by being put into the fire. The wooden-seats & the wooden-doors were to be scraped.



मांसाई संसर्गी यांस दोन प्राजापत्यें,  
व पंचगव्य प्राशन. प्राजापत्य प्रत्याम्नाय.  
व्याहृती होम एक हजार प्रमाणें दोन स-  
हस्र अथवा द्रव्य दर एक रुपया प्रमाणें  
दर असामीनें दोन रुपये प्रमाणें द्यावें.  
कलम १.

निरंतर पंक्तीस भोजन करणार तुमचा  
भाचा व आणखी पांच असामी एकूण  
सहा असामी यांस दर असामीस प्राजा-  
पत्यें ९० नव्वद, प्रत्याम्नाय होम दर एक  
हजार प्रमाणें दर असामीनें ९००००  
नव्वद हजार करावा, अगर श्रीत्रिंबकेश्वरी  
ब्रह्मगिरीच्या प्रदक्षिणा ३६ छत्तीस करा-  
व्या, अथवा दर असामीस प्राजापती एक  
रुपया प्रमाणें नव्वद रुपये. कलम १.

याप्रमाणें करावयाचा निश्चय करून समस्त ब्राह्मण कसबे जुन्नर यांस अलाहिदा पत्र  
लिहिलें आहे, तरी ते सांगतील न्याप्रमाणें वर्तणूक करून प्रायश्चित्त घेऊन शुद्ध होणें  
म्हणोन. पत्र १.

समस्त ब्राह्मण, वास्तव्य कसबे जुन्नर, यांस की, सदरहू लिहिल्यान्वयें  
करून प्रायश्चित्त करवावें म्हणोन. पत्र १.

२

चिटणिसी.

११२६ ( ७४१ )—वेदमूर्ति मुकुंद दीक्षित पुजारी क्षेत्र श्री सप्तशृंग याणीं हुन्नर  
इसजे समानीन विदित केलें कीं, मौजे चंडकापूर, परगणे वण, हा गांव श्रीदेवीचे  
मया व अन्न. पूजेस सरकारांतून आहे, त्याचें उत्पन्न आनंदा गुरव श्रीचे पूजेस न  
सफर ६ लावतां मध्येच खातो, त्याजपासून मागील हिशेब घेऊन देवीचे  
पूजेची नेमणूक पेशजीं सरकारांतून केली आहे. त्याप्रमाणें चालविली पाहिजे म्हणोन;  
त्याजवरून श्रीचे पूजेस मौजे मजकूर सरकारांतून आहे, त्याचें उत्पन्न आनंदा गुरव श्रीचे

( 1126 ) It was represented that the Gnrava ( worshipper) of the god-  
dess at Saptashringa had misappropriated the proceeds  
A. D. 1781-82. of the *indm* village assigned for the expenses of the  
goddess. The officer of Dhodhp was directed to inquire into the matter,

पूजेस न लावतां मध्येच खातो त्याची चौकशी तुम्हीं करून, गुरवाकडे ऐवज निघेल तो त्याजपासून घेऊन सरकारांत समजावणें. आज्ञा होईल त्याप्रमाणें करणें. पुढें गांवचा ऐवज श्रीचे पूजेकडे नेमून देऊन श्रीची पूजा यथास्थित चालवणें. श्रीचे पूजेची नेमणूक कसकशी करून घ्याल तीही सरकारांत समजावणें. श्री देवीची वस्तभाव आज तागाईत शिल्लकेस गुरवाकडे किती आहे, तो झाडा काढून यादी श्रीचे जामदारखान्यांत ठेवणें, आणि सरकारांत समजावणें. ह्मणजे वस्तभावेचा बंदोबस्त पूर्वील चालीप्रमाणें करून दिलहा जाईल ह्मणोन, बाजीराव आपाजी तालुके धोडप यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

११२७ ( २८ )—समस्त ब्राह्मण क्षेत्र वाई यांचे नांवें पत्र कीं, नीळकंठ नाईकरास्ते इसजे समानोन रोजगाराकरितां उठोन कर्नाटक प्रांतीं गेले, त्यास चौदा वर्षे जालीं. मया व अल्फ तिकडून आरकाटांत जाऊन राहिले, तेथें इंग्रजांची व हैदरखान यांची रविलाखर १७ लढाई जाली, तेव्हां हैदरखान यांणीं या संबंदांत धरून नेऊन अटकेंत ठेविले. तेथेंही बहुत काल होते, ते सुटून प्रस्तुत वाईत घरास आले आहेत, त्यास हे पूर्वी गांवीं होते तेव्हां यांचें आचरण अगर यांचा स्नानसंधेचे जागां विश्वास कसा हें सर्वास दखलच आहे. त्यात बहुत काल यवनी राज्यांत व यवनांचे अटकेंत घालविला, तेव्हां तेथें स्नानमंथ्या अगर आचरण घडावयाचे काय आहे, यास्तव यांस पडवद् प्रायश्चित नेमून तपशीलवार यादी अलाहिदा पाठविली आहे, त्याप्रमाणें प्रायश्चित देऊन शुद्ध करून पंक्तिपावन करावें ह्मणोन चिटणिसी. पत्र १.

११२८ ( ८०२ )—वेदमूर्ति राजश्री अनंत ऋषी ब्रह्मचारी नारदसांप्रदायी पैठणकर

to recover from the Gurava the amount that he might be unable to account for and to report the result to Govt. He was further directed to make due arrangements for the expenses in connection with the idol and to send in a list of the ornaments belonging to the idol.

( 1127 ) Nilkanth Naik Raste was for a long time in the Karnatik. A.D. 1781-82. and Arcot and was afterwards taken prisoner by Haider Naik in the war between him and the English. He now returned to Wai. Having stayed for a long time under a Mahomedan Govt. and in a Mahomedan prison, it could not be expected that Nilkanth had regularly performed the religious observances enjoined on a Brahmin. Having regard to his previous religious conduct, a penance was prescribed and the Brahmins of Wai were directed to administer it and purify the man.

( 1128 ) The people of the Manbhav sect used to make converts from the Hindu religion. They got them shaved, both men and women, and induced them to discard their

सलास समानीन  
मया व अलफ  
रजय ३

याणीं हुजूर विदित केलें कीं, सर्व प्रांतांतील मानभाव एकमतें मिळोन सांप्रत गैररीतीनें वर्तो लागले, चौहूं वर्णीन अबुद्धिजनांस वश्य करून आपले मतांत वर्तवितात, पुरुष व स्त्री यांचीं मुंडणें करून आपले वेश धरवितात, व शिष्य होतात त्यांजकडून त्यांची प्राचीन कुळदेवेंत त्यागऊन खापऱ्या पुजवितात, व बाकी व भिरजगांव व पंचालेश्वर वगैरे जागां कोठें कोठें शिवालथें प्राचीन आहेत तीं अवरोधून देवता उच्छेद करून आपले बोटे घातले. इत्यादिक भ्रष्टाचार करूं लागले; त्याजवरून गुदस्तां पेंठणास दसनाम गोसावी व मानभाव कर्जाया सांगत आले. मानभावाचें बोलणें कीं, आपण षड् दर्शनांत आहां. न्यायशास्त्र व मुंडी दर्शन आमचें आहे, ऐसें कितेक प्रकारें अमर्याद बोलों लागले; त्याजवरून समस्त क्षेत्रस्थ ब्राह्मण व अधिकारी व जमींदार वगैरे सर्व ग्रामस्त मिळोन शास्त्रान्वयें विचार करून निर्णय केला कीं, मानभाव अतिनिंद्य, सर्व धर्म बहिष्कृत, षड्दर्शनांत नाहीत, शास्त्रविरुद्ध अधिधि मुंडित, ऐसे असतां आपले मताच्या नानाप्रकारें नवीन चाली पाडून चौहूं वर्णांमध्ये अबुद्धि जनांस आपले मतांत मेळऊन भ्रष्टाचार करवितात; मानभावाचा उपदेश कोणतेही निरुद्ध जाती-मध्ये देखील घेणें योग्य नाही; यांचे मतांत जे अनुसरले असतां त्यांस गजदंड व जाती-दंडपूर्वक प्रायश्चित्त जाहल्याविना त्याचे घरीं ब्राह्मणांनी जाऊं नये, ऐसें ठगविलें; त्याज-वरून मानभाव यांजी गोसावी यासी खोटपत्र लिहून दिव्हें कीं, याउपरी आपलें मत कोणास शिकवणार नाही व आपण षड्दर्शनांत नाही. आपले मर्यादेनें गहूं. अतःपर अमर्यादा वर्तो तरी दिवाणचे व षड्दर्शनाचे गुन्हेवार. ऐसें लिहून दिल्यावर मानभाव औरंगाबादेस जाऊन तेथें गैरवाका समजाऊन मुम्याचें पत्र पंठणचे कमावीसदारास नेऊन खोटपत्र गोसावीयासी लेहून दिव्हें तें बलात्कारें नाघारें घेतलें, आणि पुढें अमर्यादा वर्तो लागले. येविशीं त्यांस शिक्षा असावा, याम्बव करवारासी श्रीशंकराचार्य स्वामी यांस व क्षेत्रक्षेत्रीचे समस्त ब्राह्मण यांस आपण निनंती करून त्यांची पंचे आणिलीं आहेत, ती मनास आणून आज्ञा जाहाली पाहिजे. क्षणोन विदित करून शंकराचार्य स्वामीचें पत्र

family gods and to worship pieces of burnt clay. They also desecrated some old Shiva temples and constructed raised grounds or platforms on the sites. Dasnám Gosavi therefore laid a complaint against the Mánbhávs at Paithan. The latter alleged that they were within the pale of the Hindu religion, *i.e.* were referred to in the *Shukla-yajur* and *Yajña-shástra* (logic) and *mámbhárshar* belonged to their sect. The officers and the jánidárs of Paithan, as also the Brahmins of the place met together and decided that the Mánbhávs were not recognized by the Hindu religion, that its followers were detestable in every way and that it was improper on their part to convert to their faith a Hindu, even of the lowest caste. The Mánbhávs then acknow-

व क्षेत्रक्षेत्रींचीं पत्रे आणून दाखविलीं, ऐसीयास पैठणास समस्त क्षेत्रस्त ब्राह्मण व अधि-  
कारी वगैरे याणीं शास्त्रान्वये मनास आणिलें, तेथें मानभाव खोटे होऊन गोसावीयांसा  
खोटपत्र लिहून दिल्लें असतां औरंगाबादेचे सुभ्यास गैरवाका समजाऊन त्यांचें पत्र पैठ-  
णचे कमावीसदारास आणून सदरहू खोटपत्र माघारें घेतलें हे बेकैदी केली. याजकरितां  
शंकराचार्य स्वामींचें पत्र व क्षेत्रक्षेत्रींचीं पत्रे आलीं त्यांत मजकूर, मानभाव अति निंघ,  
सर्व धर्मबहिष्कृत, चातुर्वर्णांपासून निकृष्ट जातीपर्यंत कोणत्याही जातींत नाहींत, व षड-  
दर्शनांत नाहींत, अविधि मुंडित, नीलांबर, ऐसे यांचा उपदेश कोणत्याही जातीनें घेऊं  
नये, घेतला असेल त्यास बहिष्कार, व त्याचे घरीं ब्राह्मण लग्नमुहूर्तादिक कोणत्याही का-  
र्यास जाईल त्यास बहिष्कार, या अन्वये आहेत. त्याजवरून मानभावाचे उपदेशिक जे जा-  
हाले असतील त्यांस बहिष्कार घालणें, पुढें राजदंड व ज्ञातीदंडपूर्वक प्रायश्चित्त जाहल्या-  
बिना त्यांचे घरीं ब्राह्मणांनीं जाऊं नये, येविशीं ताकीद करणें, व जागां जागां प्राचीन  
देवालये उच्छिन्न करून आपले वोटे घातले असल्यास ते पाडणें, व त्यांचें पारिपत्य  
करून मानभाव आपले मर्यादेनें वर्तणूक करीत, फिरोन लबाडी करून कोणास उपदेश  
करूं न पावत, ऐसा पक्का बंदोबस्त करणें, आणि येथापूर्ववत् दैवतें स्थापून मानभावांपा-  
सून गुन्हेगारी घेणें, येविशीं पत्रे.

१९ मानभावांपासून गुन्हेगारी घेऊन सरकारहिशेबीं जमा करणें, म्हणून. पत्रे.

१ सरसुभा, निसबत सर्वोत्तम शंकर महाल बीतपशील.

१ परगणे वण दिंडोरी.

१ प्रांत बागलाण.

१ परगणे पिंपळनेर.

१ परगणे कान्हापूर.

१ परगणे कुंभारी.

१ परगणे खांडवें.

१ परगणे सिन्नर.

१ परगणे सांडस, व चोपाळें.

ledged their defeat and agreed in writing to abstain from propogating their creed on pain of punishment by the caste as well as by Govern-  
ment. They however subsequently went to Aurangábád and with the  
aid of the Subhá, took back their written agreement by force. Anant  
Rishi Brahmachári therefore procured the opinions of Shri Shankarāchārya  
of Karvir and of the Brahmins of holy places and referred the matter  
to the Peshwá. The decision of the Paithan Brahmins was confirmed  
and fines were ordered to be levied from the Mánbhávs.

- १ सरकार हांडे.
- १ तालुके मुल्हेर.
- १ तालुके धोडप.
- १ तालुके पटा.
- १ परगणे दहीबलें.
- १ तालुके कावनई.
- १ तर्फ देपूर.
- १ परगणे वारसें उमरपाटें.

१६

१ सरसुभा प्रांत गंगथडी, निसबत नरसिंगराव बल्लाळ, महाल बी-तपशील.

- १ परगणे संगमनेर.
- १ तर्फ राहूरी.
- १ परगणे पाटोदें.
- १ परगणे आकोलें.
- १ तर्फ बेलापूर.
- १ परगणे धांधरफळ.
- १ जागीर किले माहूली.
- १ परगणे बारागांव नांदूर.
- १ परगणे वामोरी.
- १ कसबे मुखेड.
- १ कसबे राहातें.
- १ परगणे मजकूर वंगैरे.

१२

- १ प्रांत जुन्नर, निसबत रामराव त्रिंबक.
- १ प्रांत खानदेश, निसबत नारो कृष्ण.
- १ तर्फ हवेली संगमनेर निसबत त्रिंबक कृष्ण, व जावजी हरी.
- १ परगणे कडें रांजणगांव, निसबत बाबूराव माणकेश्वर.
- १ तालुके नगर, निसबत विठ्ठल नारायण.
- १ परगणे पारनेर, निसबत महादाजी नारायण.
- १ परगणे इंदापूर, निसबत गणपतराव जिवाजी.

- १ किल्ले सिंहीगड, निसबत नारो महादेव, यांस, तर्फ कर्नातमा-  
वळाविशीं.
- १ बाबती प्रांत बाळाघाट, निसबत महिपतराव प्रल्हाद.
- १ तालुके त्रिंबक, निसबत धोंडो महादेव.
- १ परगणे नाशिक, निसबत पांडुरंग धोंडाजी.
- १ प्रांत वाई, निसबत भवानीशंकर हैबतराव.
- १ प्रांत कराड, निसबत श्रीनिवास शामराव.
- १ कृष्णराव अनंत यांस तर्फ सातारा वगैरे येविशीं.
- १ रामचंद्र नारायण यांस कीं, प्रांत पुणें व परगणे नेवासें वगैरे  
महाल येथील चौकशी करून पुण्याचे हिशेबी जमा करणें  
म्हणोन.
- २ वाकी व मिरजगांव व पंचालेश्वर, व मढपिंपरी वगैरे जागां  
जागांचीं दैवतें उच्छिन्न करून आपले वोटे घातले आहेत ते  
काढून टाकणें येविशीं सदरहूप्रमाणें पत्रें.  
१ चिंतामणराव पांडुरंग.  
१ महादाजी शिंदे.

२

१९ ( १७ ).

- ६ मानभावांपासून गुन्हेगारी घेऊन हुजूर पाठऊन देणें म्हणोन.  
पत्रें.

- २ वाकी व मिरजगांव व पंचालेश्वर व मढपिंपरी वगैरे  
जागांजागांचीं दैवतें उच्छिन्न करून आपले वोटे घातले  
आहेत, ते काढून टाकणें; आणि येथापूर्ववत् दैवतें स्था-  
पणें येविशीं सदरहूप्रमाणें. पत्रें.

१ आनंदराव भिकाजी.

१ तुकोजी होळकर.

२

- १ आपाजीराव पाटणकर.
- १ महादाजी नीळकंठ.
- १ पांडुरंग बाबूराव.

## १ सगुणाबाई निंबाळकर.

६

- १ अनंतरावजी ब्रह्मचारी नारदसांप्रदायी, वास्तव्य क्षेत्र पैठण, यांस कीं, जागांजागांचे संस्थानी यांस व सरदारांस व महा-लोमहालींचे कमावीसदारांस वगैरे यांस पत्रें देऊन मानभाव यांणीं गैररहा चालों नये, व त्यांचे मतांत जे अनुसरले अस-तील त्यांणीं मानभावाचा पंथ सोडून आपलाले जातीचे स्वध-र्मानें वर्तवें, याप्रमाणें बंदोबस्त करविला आहे; व औरंगाबा-देचे सुभ्याचें पत्र पैठणचे कमावीसदारांस देविलें आहे तें तुम्हीं पैठणास नेऊन तेथें मानभावांपासून खोटपत्र पुन्हां घेऊन, त्यांचे मतांत जे अनुसरले आहेत त्यांचा बंदोबस्त शंकराचार्य स्वामींचे, व क्षेत्रक्षेत्रींचें पत्रांअन्वये तुम्हीं मानभावांचें पारि-पत्य करून व त्यांचे शिष्यांस बहिष्कार घालून तो पंथ सोडून आपलाले जातीचे स्वधर्मानें वर्तवावें म्हणोन. पत्र.
- १ समस्त मानभाव महालानिहाय यास कीं, तुम्हीं पैठणास खोटे होऊन गोसावी यांस खोटपत्र लिहून दिल्लें असतां. औरंगाबा-देचे सुभ्यास गैरवाका समजाऊन खोटपत्र दसनाम गोसावी याजपासून घेतलें आहे, तें माघारें अनंत ऋषी यांचे विद्यमानें गोसावी यांस देऊन आपले पायरीनें राहणें. या उपरीं चातुर-वर्णांपासून इतर निकृष्ट जातीपर्यंत कोणासही उपदेश केल्यास पारपत्य केलें जाईल म्हणून. पत्र.
- १ दलेलगिरी व उमेदपुरी व लवगपुरी व चैनपुरी व मोनी महंत व नारायणगिरी प्रमुख पैठणकर, व मुनेंद्रपुरी व निर्माणभारथी व मनोहरगिरी व रेवागिरी व मिद्धपुरी दौलताबादकर, व कामे-श्वर भारथी माहुरकर, व समस्त सातारकर, व समस्त सौंदती-कर, व देशनिवासी व संस्थानिक गोसावी यांचे नांवें पत्र कीं, मानभाव यांणी खोटपत्र तुम्हांस दिल्लें असतां औरंगाबादेस गैरवाका समजाऊन पत्र माघारें घेतले आहे, तें तुमचें तुम्हांस देविलें असे; येविशी औरंगाबादेचे सुभ्यास सरकारचें पत्र आहे, तरी खोटपत्र माघारें देवितील. या उपरीं मानभाव लबाडी करून अमर्यादा वर्तणार नाहीत. कदाचित् अमर्यादा वर्तले

तरी तुम्हीं अनंत ऋषींचे विद्यमानें सरकारांत समजावणें. पार-  
पत्य केलें जाईल म्हणोन. पत्र.

२८

अठावीस पत्रें चिटणिसी दिल्ली असेत.

हरी बल्लाळ बांच्या कीर्तीपैकीं.

११२९ ( ८४१ )—श्री पांडुरंग क्षेत्र पंढरपूर येथें श्रीच्या देवालयांत मर्यादा येणें-

अर्बा समानीन प्रमाणें कलम.  
मया व अलफ  
जमादिलावल ५

बीतपशील.

श्रीदेवाचे दर्शनास येतात त्याणीं त्याणीं  
देवास भेटों नये. पूजनें करून सिंहासना-  
वर मस्तक ठेऊन नमस्कार मात्र करावा.

कलम १.

देवापुढील तृतीय मंडपांत दक्षणेकडे  
द्वार आहे. परंतु यात्रेचे दाटीमुळें अंधः-  
कार पडतो, त्यास उत्तरेकडे प्राचीन द्वार  
होतें तें बुजवोन, तेथें हणमंताची मुहूर्त [मूर्ति]  
ठेविली आहे ते काढून देवालयांत ठेऊन  
द्वार मोकळें करून, तेथें जाळी मातवार  
थोर भोकाची देवालयांत उजेड पडोन  
वाराही पुष्कळ येईल अशी नवी दगडाची  
करून लावावी.

कलम १.

आषाढी कार्तिकेचे यात्रेत दाटी बहुत  
माणसांची होते. एकाच द्वारानें जाण्या-

गर्भगारापुढील दुसरे मंडपाचें द्वार  
आहे, तेथें बाहेरचे फरसापेक्षां उंबऱ्यांतील  
फरस नीच आहे, त्यास यात्रेचे दाटीमुळें  
अंधकार पडतो, याजमुळें बाहेरून आंत  
येणारास हिसका बसोन माणसें पडतात.  
यास्तव बाहेरील फरसाबरोबर आंतील  
फरस उंच, हिसका माणसास न बसे असा,  
करावा.

कलम १.

देवाचे पुढील दुसऱ्या मंडपांत अंधः-  
कार विशेष पडतो, याजमुळें यात्रेकराची  
वस्तभाव उचलोन नेतात, याजकरतां मंड-  
पाचे वरील छतास हमचौरस अदगजाचें  
गवाक्षें पाडून, पर्जन्यकाळीं गवाक्षानें पाव-  
साचें पाणी आंत न पडे असा बच्याव  
करून उजेड मंडपांत पडे असें करावें.

#### FROM HARI BALLAL'S DIARY.

( 1129 ) Certain regulations were framed for observance by persons  
A. D. 1788-84. going to the temple of Pándurang at Pandharpur, the  
principal of which were:—

( 1 ) they should not embrace the idol;

( 2 ) the northern gate which was generally closed, should be opened  
in order to admit light and air;



येण्याचे दाटीमुळे माणसें दुखावतात, व मरतात. यास्तव यात्रेचे दिवसांत पूर्व द्वारानें दर्शनास जाणारानें जावें, देवदर्शन करून दक्षण द्वारानें बाहेर निघावें; पूर्व द्वारानें बाहेर जाऊं नये, दक्षण द्वारानें आंत जाऊं नये येणेंप्रमाणें. कलम १.

देवाल्याचे बाहेर चोखामेळ्याचा दगड उत्तरेचे आंगें आहे, तेथें अतिशूद्र दर्शनास येतात. जागासंकोच गलीची आहे. तेथें जाणारां येणारांस स्पर्शस्पर्श होतो, हें ब्राह्मणांस विरुद्ध. यास्तव अतिशूद्रांनीं चोखामेळ्याचे दीपमाळेजवळ अथवा महार वाड्यांत स्थळ असेल तेथें पुजा करीत जावी. देवाल्याजवळ अतिशूद्रांनीं येऊं नये. कोणी आला तरी पारिपत्य करावें.

कलम १.

येणेंप्रमाणें सात कलमें करार करून पाठविलीं आहेत, याप्रमाणें बंदोबस्त करावयास चिंतो रामचंद्र कमावीसदार क्षेत्र मजकूर, दिमत परशराम रामचंद्र, यांस आज्ञा केली आहे, तरी सरकारचे खास बारदार पाठविले आहेत, त्यांचे गुजारतीनें सदरहू लिहिल्याप्रमाणें बंदोबस्त करणें क्षणोन.

जाबता १.

सदरहू अन्वये कमावीसदार मजकूर यांस.

सनद १.

२.

रसानगी यादी.

( 3 ) at the Āshādhi and Kārtiki fairs, when the crowd of pilgrims was very great, people should enter by the eastern and leave by the southern door:

( 4 ) Mahārs should worship at the pillar erected in honor of Chokhá Melá or in the Mahār-wádá;

( 5 ) no Musalman should enter the temple.

११३० ( ८५० )—तुझीं हुजूर विदित केलें कीं, आपला अतार मृत्य पावला, आपण खमस समानीन दोघी स्त्रिया मिळोन तीन कन्या आहेत, पुत्रसंतान नाही, पुढें मया व अलफ संतान चालोन आमचा कालक्षेप चालिला पाहिजे, त्यास आपले दाद-सावान १६ त्याचे जवळचे भाऊ रामजी, व महारजी, व महादजी, व महादजी लाफणे याचा मूल ध्यावा, तरी त्यासी आम्हांशीं पडत नाही, याजमुळें यांचा मूल ध्यावयाचा नाही, सबब दुसरा भाऊ सदाशिव लाफणा पाटसकर याचा लेकर निंबाजी यास दत्तपुत्र घेणार, येविशीं आम्हीं दोघी राजी होऊन जिवाजीस दत्तपुत्र ध्यावयाची आज्ञा करावी झणोन; ऐशास विठोजी लाफणा याच्या तुझीं दोघी स्त्रिया, तुमचे पोटीं पुत्रसंतान नाही, तुमचा कालक्षेप चालिला पाहिजे, हें जाणून दत्तपुत्र ध्यावयाची आज्ञा करून हें पत्र सादर केलें असे, तरी जिवाजीस दत्तपुत्र घेऊन त्याचे हातून दुकान व वित्तविषय अनभऊन सुखरूप राहणें झणोन, अहिल्या व मुक्ती शिंपी कोम विठोजी लाफणा शिंपी, वस्ती कसबे पुणें, यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

दत्तपुत्र ध्यावयाची आज्ञा करून सरकारची नजर दोन हजार रुपये करार केले यास हसेबंदी. रुपये.

१००० आषाढ शुद्ध १५

१००० श्रावण शुद्ध १५

२०००

दोन हजार रुपयांचा हवाला फिर्गोजी भुतकर याचा घेऊन पत्र दिलें असे.

११३१ ( ८५९ )—नारो महादेव व शिवाजी महादेव महाजन यांजकडे पूर्वी तालुके खमस समानीन वसई येथें श्रीविमल निर्मळ येथील देवालयाचा कारखाना होता, मया व अलफ त्या बाबत तफावत सात हजार रुपये त्यांजकडे निघाली आहे, त्यास सवाल १९ त्याचा शोध करितां ते मृत्य पावले, त्यांचे पुत्र कसबे नागोठणें, तालुके अवचितगड येथें राहतात, झणोन हुजूर विदित जहालें; त्याजवरून त्यांचे घरी चौकीस प्यादे हशमाकडील संभाजी केदार, व खुतुब वलद पीर महमद, दिमत येक्षवंतराव वणजारे पाठविले असेत, तरी तुझीं त्यांचे पुत्रास धरून प्यादे यांचे हवाली करणें. निकड करून सदरहू तफावतीचा ऐवज घेतील. तालुके मजकुरीं त्यांची असामी आहे, त्यास

( 1130 ) A man of Poona, a tailor by caste, having died without any male issue, his two widows asked permission to adopt a son to carry on his business and to succeed to his property. The permission was granted on payment of a *nazar* of Rs. 2,000.

( 1131 ) Naro Mahádeo and Shiwáji Mahádeo were managers of the funds of the temple of Shri-Vimal Nirmal in taluka Bassein. Inquiry proved that they had misappropriated

सन अर्बा समानीन व सन खमस समानीन दुसाला वेतन पावलें आहे तें परिच्छिन्न मा-  
घारें घेऊन प्याद्याचे हवालीं करणें झणोन, गणेश बह्लाळ व हरी गणेश यांचे नांवें  
चिटणिसी.

पत्र १.

पुढें वेतन न देणें झणोन पत्रांत लिहिलें असे.

११३२ ( ८९० )—रघुनाथ जोतिषी बिन त्रिंबक जोतिषी, व कृष्ण जोतिषी बिन  
सीत समानीन दामोदर जोतिषी, मामले पाल पंचमहाल यांणीं हुजूर विदित केलें  
मया व अलफ कीं, तर्फ कोरवरशें उर्फ पौडखोरें येथील जोतिष, उपाध्यपण, व धर्मा-  
साबान ६ धिकाऱ्याची वृत्ति पुरातन आमची आझांकडे चालत आहे, त्यांत  
महारांचीं लमें तर्फ मजकुरीं जोतिष्यांनीं लावण्याची चाल पुरातन नाही; व आजपर्यंत  
लाविली नसतां सन अर्बा समानीनांत आपाजी कृष्ण कमावीसदार, तर्फ मजकूर दिमत  
आनंदराव भिकाजी, यांजकडे तर्फ मजकूरचे महार फिर्याद होऊन आपलीं लमें जोतिषी  
यांणीं लावावी ते लावीत नाहीत झणोन सांगितल्यावरून, पुर्ती चौकशी न करितां, पेशजीं  
रखमाजी वाकडे हवालदार कोरीगडास होते त्यांचे वेळेस किल्याचे चाकरमान्या महारांचे  
लम लावण्याचें होतें, ते समयीं लम लावणार मेढ्या महार हा हजर नव्हता, सबब किल्ले  
मजकूरचे हवालदार व सबनीस यांणीं आमचा बाप भाऊ विनायक जोतिषी दहा पंधरा  
वर्षांचा अज्ञान होता, त्याजवर निग्रह करून महारांचें लम लावविलें. त्यास अजमासें  
पचावन वर्षे जाहलीं. तेवढ्याच दाखल्यावरून महारांचीं लमें जोतिषांनीं लावीत जावीं  
झणोन कमावीसदारांनीं महारास भोगवटियास पत्र करून दिलें; त्याजवरून लम लाव-  
ण्यास अतिशूद्र आझांजवळ ब्राह्मण मार्गें लागले तो न दिव्हा, याजकरितां कमावीसदा-  
रांनीं आझांस दहा रुपये मसाला करून महारीं नेऊन महारांचीं लमें करावयाविशीं निग्रह  
केला, त्यास अतिशूद्रांचें लमास आझीं मुहूर्त मात्र सांगत असतो, पूर्वापार लमें लाविलीं  
नसतां नवीन चाल होणार नाही, ऐसें आझीं उत्तर केलें. त्याचा कमावीसदारांनीं विषाद  
मानून पूर्वीं या प्रांतांत धनगर नव्हते, अलीकडे नवे वस्तीस आले आहेत त्यांचीं व इतर  
जात परदेशी व गुजराथी वगैरे नूतन येतील त्यांचींही लमें तुर्बी लाऊं नयेत झणोन  
कमावीसदारांनीं आक्षेप करून, जबरदस्ती करून आमचे वतनाची जफती करून, वृत्तीचे  
कामकाजास नवा गुमास्ता ठेविला आहे. येविशीं कमावीसदारांस ताकीद होऊन महारांस

Rs. 7,000 from the funds in their charge. They were now dead. The amount was ordered to be recovered from Naro's son.

( 1132 ) The Joshis of Poudkhore in Mamie Pal Panchmahal,  
A. D. 1785-86. objected to officiate as priests at the marriages of  
Mahars. The practice of other mahals was ascertained,  
and it was found that marriages among Mahars were ordinarily celebrated  
by the chief Mahars. This practice had in the case of Junnar mahal been

मोगबटियास पत्रें करून दिल्लीं आहेत, तीं माघारीं घेऊन आमच्या वृत्ती आझांकडे चाल-  
वावयाविशीं आज्ञा होऊन, जफतीमुळें वृत्तीचा ऐवज व मसाला महालीं घेतला आहे, तो  
माघारा देविला पाहिजे झणोन; त्याजवरून येविशींची चौकशी करून दाखले मनास  
आणतां महारांचीं लमें जोतिष्यांनीं लावावयाची चाल फार करून नाही, कोठें कोठें  
लावीतही असतील, परंतु कोंकण प्रांतीं महारांचीं लमें जोतिषी लावीत नाही, त्यांचे जाती-  
मध्ये मेढे महार आहेत तेच लावितात, याप्रमाणें तळकोंकणचे जमीदार व जोतिषी हुजूर  
आहेत त्यांनीं विदित केलें; व वेदमूर्ति रंग जोशी जुन्नरकर यांनींही लिहून दिल्लें कीं,  
शहर जुन्नर बरहुकूम पेठा सुद्धां व तर्फेचे गांव पाऊणशें व शिवनेर वगैरे किल्ले पांच या  
ठिकाणीं जोतिषपणाची वृत्ति परंपरागत आपली आहे, परंतु आपले वृत्तीत अतिशूद्रांचीं  
लमें आझीं लावीत नाही, अतिशूद्रांचे जातींत देगोमेगो आहेत तेच त्यांचीं लमें लावीत  
आले असतां, पूर्वीं एक वेळ किल्याचे चाकरमाने व प्रांतांतील दोन चार हजारपर्यंत  
महार मिळोन गवगवा करोन जोतिष्यांनीं आपलीं लमें लावावीं झणोन, आवरंगजेब पाद-  
शाहा याजवळ फिर्याद केली, तेव्हां त्यांनीं पुरातन चाल मनास आणून, जोतिषीयांनीं  
महारांचीं लमें लाऊं नयेत असा ठराव केला, त्याप्रमाणें हा कालवर चालतें. झणोन या-  
प्रमाणें दो प्रांतींचे दाखले गुजरलेल्याप्रमाणें तर्फ मजकुरींही जोतिष्यांनीं महारांचीं लमें  
लावावयाची चाल पुरातन नसतां, मार्गे कोरीगडचे हवालदारानें जोतिष्याचे मुलापासून  
बलात्कारें एक वेळ महाराचें लग्न लाविलें असल्यास तेव्हाच्याच दाखल्यावरून महारांचीं  
लमें जोतिष्यांनीं लावीत जावीं झणोन तुझीं महारांस नवीं पत्रें करून देऊन जोतिषी  
यांजवर लमें लावावयाविशीं निग्रह करून त्यांजपासून मसाला घेऊन त्यांच्या वृत्ती जप्त  
केल्या, हें ठीक न केलें. मार्गे मोगलाई अमलांत ही पुरातन चाल मोडून नवें केलें नसतां  
स्वराज्यांत तुझीं आग्रह करून नवीन चाल करणें अनुचित. यास्तव तर्फ मजकुरीं महारांचीं  
लमें पुरातन जोतिषी लावीत नाही, त्याप्रमाणें पुढेही लाऊं नयेत, याप्रमाणें ठराव करून  
हें पत्र तुझांस सादर केलें असे. तरी तुझीं महारांस नूतन पत्रें करून दिल्लीं असतील तीं  
माघारीं घेऊन जोतिषीयांजवळ देणें, आणि जोतिषी यांचें वतन जप्त केलें आहे तें मोकळें  
करून जफतीमुळें ऐवज जमा जाहला असेल तो, व यांजपासून मसाला घेतला आहे तो  
माघारा देणें. अतिशूद्र खेरीज करून सर्व जातींचीं लमें पुरातन जोतिषी लावीत आल्या-  
प्रमाणें लावितील. तुझीं नवीन आक्षेप न करणें. या पत्राची नकल घेऊन हें अस्सल पत्र  
दाखल्यास जोतिषी यांजवळ परतोन देणें झणोन, आपाजी कृष्ण कमावीसदार, तर्फ  
पौडखोरे दिमत अनंदराव भिकाजी, यांचे नांवें चिटणिसी.

पत्र १.

actually recognized by Emperor Aurangzeb on a former occasion. The objection of the Joshis was therefore held to be valid, and the Mahars were informed accordingly.

सदरहूअन्वये समस्त महार तर्फ कोरवारसें उर्फ पौडखोरे यांस आपाजी कृष्ण बांज-  
पासून पत्र करून घेतलें आहे, तं जोतिषी यांजवळ माधारां देणें. तुमचे जातीमध्ये मेढे  
महार लगे लावीत आल्याप्रमाणें लावितील. याउपरी जोतिषी बांशी खटला केल्यास  
मुलाहिजा होणार नाहीं झणोन.

पत्र १.

२.

दोन पत्रें चिटणिसी दिली असेत.

११३३ ( )—निंबाजी कुळकर्णी मौजे शहरटाकळी परगणे नेवासें याणें पैठणचे  
सीत समानीन तटांतील ब्राह्मणांशीं शरीरसंबंध करूं नये असें असतां महादेव लक्ष्मण  
मया व अलफ पैठणकर यांशीं शरीरसंबंध केला, त्याचे सं(व)सर्ग दोषाचें प्रायश्चित्त  
सफर २६ घेत नाहीं, झणोन शंकराजी राम यांणीं विदित केलें, त्याजवरून हे  
सनद सादर केली असे, तरी कुळकर्णी मजकूर यासी कुटुंबसुद्धां पैठणास पाठऊन राजश्री  
चिमाजी नाईक भाकरे यांचे विद्यमानें संवसर्ग दोषाचें प्रायश्चित्त देवणें. प्रायश्चित्त घेऊन  
शुद्ध न होय, तरी त्याचे मौजे मजकूर येथील कुळकर्णांचे वतनाची जपती करून वतन-  
संबंधें उत्पन्न होईल तें सरकारहिशेबी जमा करणें: आणि कुळकर्णी मजकूर यास हुजूर  
पाठऊन देणें झणोन, रामचंद्र नारायण यांस.

सनद १.

रसानगी यादी.

११३४ ( ९१९ )--जमा जामदारखाना.

सीत समानीन कमाबासभेट सौभाग्यवती रमाबाई यांसी. बाबत सौभाग्यवती कृष्णा-  
मया व अलफ बाई रघुनाथ सदाशिव गद्रे यांची स्त्री सहगमन केलें ते समयीं प्रसाद  
जमादिलाबल ४ पाठविला तो गुजारत केदाजी येवला खिजमतगार; सनगें एकूण  
किंमत. रुपये.

१५ पातळ साधें १

३ चोळखण चोळी तयार १

१८

( 1133 ) Nimbáji kulkarni of Tákli in parganá Newáse became  
A. D. 1785-86. connected by marriage with a family of an excommuni-  
cated Brahmin of Páithan. He refused to undergo any  
penance for what he had done. His watan was ordered to be attached,  
should he persist in his refusal.

( 1134 ) A present of clothes was sent to Ramábái, the Peshwá's  
A. D. 1785-86. wife, by Krishnábái, wife of Raghunáth Sadashiv Gadre,  
when the latter was going to be burnt on her husband's  
funeral pyre.

३६

११३५ ( १२५ )—जमा जामदारखाना.

सीत समानीन कमावीसभेट सौभाग्यवती रमाबाई यांसी, बाबत सगुणाबाई अंताजी  
मया व अलफ मल्हार बाकनीस यांची स्त्री सहगमन गेली, सबब प्रसाद पाठविला  
रजब १५ तो, गुजारत केदारजी येवला खिजमतगार. सनगें एकूण किंमत. रुपये.

५ शालू साधा १

॥॥॥ चोळखण १

५॥॥

११३६ ( १३६ ) शामाचार्य वगैरे आठ असामी, पेशजीं ब्राह्मण भ्रष्ट होऊन यवन  
सबा समानीन जाहला, त्याशीं अन्नव्यवहारादिक पैठणीं घडलें, त्याचा निश्चय शास्त्र-  
मया व अलफ मर्ते हुजूर होऊन सर्व क्षेत्रास वगैरे प्रायश्चित्त देऊन शुद्ध केलें, ते  
जिस्हेज १७ समयीं हे आठ असामी आम्रही, प्रायश्चित्त न घेत, सबब अपंक्त रा-  
हिले, त्यांपैकीं शामाचार्य श्रीविद्यारण्य भारथी स्वामी सन्निध क्षेत्र पैठण येथें येऊन प्राय-  
श्चित्त घेतों झणोन बोलून क्षौर केलें, पुढें यथाविधि प्रायश्चित्त घ्यावयाविशीं जामीन दिव्हा  
असतां बाहेर जाऊन औरंगाबाद येथील सुभ्यास गैरवाका समजावून स्वामींची अमर्यादा  
बहुत केली, झणोन स्वामींचें पत्र आलें, व क्षेत्रस्थ ब्राह्मणांनीं हुजूर विदित केलें; त्याजव-  
रून शामाचार्य याजकडे मौजे आनंदपूर व मौजे पंथेवाडी, परगणे पैठण, येथील मोकसा  
व जमीन इनाम आहे ते जफत करावयाचा करार करून हे सनद तुझांस सादर केली असे.  
तरी हरदूगांवचे मोकसाचा अंमल व जमीन इनाम आहे ते जफत करून आकार होईल तो  
परगणे नेवासें येथील हिशेबी जमा करीत जाणें, झणोन, रामचंद्र नारायण यांस. सनद १.

सदरहूनव्ये हरदूगांवचे मोकदम व जमींदार परगणे मजकूर यांस सनदा व पत्र  
कीं, मशारनिव्हे यासी रुजू होऊन अंमल सुरळीत देणें झणोन. ३.

२ मोकदमास सनदा.

१ मौजे आनंदपुरी.

( 1135 ) A present of clothes was sent to Lady Ramábái by Saguá-  
A. D. 1785-86. báí, wife of Antáji Malhár Wáknis, when the latter was  
going to be burnt on her husband's funeral pyre.

( 1136 ) The Brahmins of Paithan having dined with a Brahmin  
A. D. 1786-87. who had been converted to Mahomedanism, penance  
was therefore administered to the whole community  
Eight persons however, refused to undergo the penance. One of them,  
Shámáchárya, agreed before Shri Vidyáranya Bháráthi Swámi to undergo  
the penance, and as a preliminary step had himself shaved. He subse-

१ मौजे पंथेवाडी.

२

१ जमीदार परगणे मजकूर यांस चिटणिसी पत्र.

३

४

एकूण तीन सनदा व एक पत्र दिल्लें असे. रसानगी याद.

११३७ ( ९६० ) मोकदम मौजे संवदगांव. परगणे खंडाळें यास सनद कीं, दिगंबर समान समानीन भयतारक जैनांचा गुरु मठ दिल्ली हा दक्षिण देशास फिरत येत होता. मया व अलफ तो मौजे मजकुरीं राहिला. तेथें दरवडा येऊन चोरांनीं पालखी व तडू मोहरम १२. वगैरे दरोबस्त वस्तभाव नेली, त्याचे चौकशीस सरकारांतून विनायक गोपाळ कारकून शिलेदार पाठविले आहेत, यांस व बराबर खिजमतगार वगैरे दिल्ले आहेत त्यांस रोजमरा. रुपये.

५७ रोजमरा दुमाही.

रुपये.

५० खुद विनायक गोपाळ यांस छ. १ सफरचा.

७ भिवजी जगताप खिजमतगार यास छ. १ जिल्हेजचा. रुपये.

५७

१३ जामूद जथे आणाजी नाईक यास रोजमरा दीड माही छ. १ मोहरमचा. रुपये.

६॥ शिदोजी कुन्हाडा.

६॥ मालजी वालूज.

१३

७०

quently changed his mind, and having secured the support of the Subhā of Aurangābād, behaved disrespectfully to the Swāmī. His inām lands were therefore attached.

( 1137 ) Digamber Bhayatārak, the Jain priest of the monastery at Delhi while travelling in the southern country halted one day at Sawandgāum in parganā Khandāle. While there, his palanquin, his pony &c. were stolen. A kārkun was sent from the Huzur to investigate.

एकूण सत्तर रुपये रोजमरा दुमाही दीडमाही सरकारजमेशिवाय देविला असे, तरी देणें, व पुढें दरवाड्याचे चौकशीस तेथें राहतील तोंपर्यंत सदरीलप्रमाणें रोजमरा तेरीख भरलियावर मौजे मजकूरचे ऐवजीं देत जाणें म्हणून.

सनद १.

रसानगी यादी.

११३८ ( ९७५ )—जमा जामदारखाना.

तिसा समानीन  
मया व अलफ  
मोहरम ७

एकूण.

कमावीसभेट सौभाग्यवती रमाबाई यांसी, बाबत सौभाग्यवती मथुरा-  
बाई बाबूजी नाईक ओंकार यांची स्त्री सहगमन गेली, ते समयीं  
प्रसाद पाठविला, तो गुजरात जिवाजी काटकर खिजमतगार, सनगें  
रुपये.

१० पातळ सार्धें केशरी रंगाचें १

-१- चोळी केशरी शेल्याची १

१०।

२

११३९ ( ९८० )—जमा जामदारखाना.

तिसा समानीन  
मया व अलफ  
रविलावल ७

एकूण.

कमावीसभेट सौभाग्यवती रमाबाई यांसी, बाबत सौभाग्यवती अन्न-  
पूर्णाबाई बाळाजी शंकर आंबेकर यांची स्त्री सहगमन गेली, ते समयीं  
प्रसाद पाठविला तो, गुजरात भिवजी संकपाळ खिजमतगार, सनगें  
रुपये.

१० लुगडें. १

-१- चोळखण तपशिल्याचा. ?

१०।

२

११४० ( ९८४ )—ताठे व थिटे व आराध्ये क्षेत्र पंढरपूर यांणीं हुजूर पुण्याचे  
मुक्कामी येऊन विदित केलें कीं, क्षेत्र मजकूरच्या आपल्या वृत्ती बिन  
दिकती चालत असतां, बडवे याणीं नवीन वेणुनादी विष्णुपदें  
जमादिलावल २५ पूजोन गयाविधि श्राद्धे करावयाची चाल पंचवीस तीस वर्षे पाडली.

( 1138 ) A present was sent to the Peshwā's wife by Mathurabāi,  
A. D. 1788-89. wife of Bābuji Nāik Onkar, at the time the latter was  
about to burn herself on her husband's pyre.

( 1139 ) Presents were sent to the Peshwā's wife by Anpurnābai,  
A. D. 1788-89. wife of Bālāji Shankar Ambekar, when she was prepar-  
ing to burn herself on her husband's pyre.

( 1140 ) It was brought to the notice of Government, that the



त्या दिवसापासून आमचे जोतिषसंबंधे गयाविधि श्राद्धी आमंत्रण चालत असतां, अलीकडे आक्षेप करितात, व होळीची पोळी बहुत वर्षे सरकारांत जप्त असतां राडीचा खेळ चालत आहे, परंतु राडीचा मान आमचा, महाराजें राड खणावी, ही चाल सुदामत असतां बडवेच खणूं लागले, आणि आधीं पूजा आर्षी करूं, मग सर्वांनीं खेळावें, याप्रमाणें नव्या दिकती करितात, येविशीं मनास आणून आज्ञा करावी म्हणोन; त्याजवरून बडवे यांस हुजूर आणून मनास आणितां सदरहू दोन कलमांसंबंधे येणेंप्रमाणें हरदू वादी यांचेच लिहिल्यावरून ठरलें. कलमें बीतपशील.

विष्णुपदाची पूजा व गयाविधि श्राद्धें करावयाची चाल सुदामत नाही, पंचवीस तीस वर्षे नवीन करऊं लागले, त्यास विष्णुपदपूजा व गयाविधि श्राद्धें श्रीगयास्थानीच व्हावी, इतर स्थळीं करावयाची चाल ठीक नव्हे, शास्त्रास विरुद्ध, सबब विष्णुपदपूजा वेणुनादीं तेथें गयाश्राद्धें करितील व जे करवितील त्यांस ताकीद करून करूं न देणें. कोण्हीं केल्यास व करविल्यास दोघांपासून गुन्हेगारी घेणें. कलम १.

राडीचा खेळ, होळीची पोळी जप्त असतां चालत आहे, त्यास राडीची खाच महाराजें खणावी ऐसी चाल सुदामत असतां अलीकडे बडवेच राड खणून आधीं पूजा करून मग सर्वांनीं खेळावें येविशीं दिकत पडली. ऐसीयास राड सुदामतप्रमाणें वतनदार महाराजकडून खणऊन महाद्वारीं सर्वांनीं खेळ खेळावा. राडीची पूजा आग्रहानें कोण्हींच करूं नये. खेळांत हर-एकविशीं आपला कायदा कोणी सांगू लागेल त्याजपासून गुन्हेगारी घेणें. कलम १.

सदरहू दोन कलमें लिहिल्याप्रमाणें हरदूजणांस ताकीद करून करवणें, म्हणोन, चितो रामचंद्र कमावीसदार क्षेत्र मजकूर दिमत परशराम रामचंद्र यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

११४१ ( १८६ )—परगणे खटाव येथील काजी व मुलाण्याची कुतबा पढावयाविशीं

सिमा समानीन कलागत होऊन मारामारी जाहली, मुलाण्याचा खून जाहला, सबब मया व अलफ जिल्हेकडून मसाला होऊन काजी कराडास गेले, त्याजवर परगणे साबान ४ मजकूरचे काजीचे वतनाचा जफती करून, मनास आणावयाची आज्ञा

A. D. 1788-89. Badwes of Pandharpur had newly introduced the practice of worshipping Vishnupad at the place, and of performing certain Shrāddhās, which according to the Shāstrās were to be performed at Gayā. The practice was ordered to be discontinued, and fines to be levied from any one continuing the practice.

( 1141 ) A quarrel took place between the Kāzi and Mulānā of Khatāv in regard to preaching the Kutba, in which the Mulānā was killed. The Kāzi's watan was therefore attached.

तुझांस करून, काजी तीन असामी जिल्हेकडे कैदेंत आहेत, ते सदारतीकडील कारकुनांचे हवाली करावे, झणजे ते मनास आणितील, झणोन राजश्री पंतप्रतिनिधी यांस सरकारांतून सनद पाठविली होती, त्यास हल्लीं जिल्हेकडेच जपती असावी येविशीं राजश्री कृष्णराव नारायण याणीं विनंती केली, त्याजवरून त्यांजकडे जिल्हेसच जपती करून मनास आणा-  
वयास सांगितलें असे, तरी तुझीं जपती उठवून कारकून व प्वादे पाठविले आहेत, ते माघारे आणणें झणोन, तिमाराव भिकाजी यांचे नांवें चिटणिसी. पत्र १.

११४२ ( १९० )—मौजे कात्रज तर्फ कर्यातमावळ, येथें गांवालगती महार व मांग  
तिक्षेन व चांभार यांचीं घरें होतीं, तीं मोडून दुसरे ठिकाणीं घातलीं, तीं  
मया व अलफ घरें बांधावयाबद्दल. रुपये.  
रमजान १० २०७ महार असामी २२  
१४ मांग असामी २  
३० चांभार असामी २

२५१

एकूण दोनशें एकावन रुपये देविले असेत, तरी शहर पुणें येथील नहराचे खर्चाबद्दल तुमचे तसलमातीस ऐवज खर्च पडला आहे त्यापैकीं देणें झणोन, रामचंद्र नारायण यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

मौजे कात्रज, तर्फ कर्यातमावळ, येथें गांवालगतीं महार व मांग व चांभार यांचीं घरें होतीं, तीं मोडून दुसरे ठिकाणीं घातलीं. तीं घरें बांधावयाबद्दल बासे सुमार ३०० तीनशें देविले असेत, तरी मौजे नांदेड येथील जाहालीचें बेट पैकीं महार वगैरे तोडून नेतील त्यांस नेऊं देणें झणोन, जोत्याजी जाधवराव यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी याद.

११४३ ( १९६ )—जमा जामदारखाना.

तिक्षेन कमावीसभेट राजश्री राव यांस, बाबद अया(य्या)शास्त्री यांचे घरीं  
मया व अलफ यज्ञे जाहला, सबब खासा स्वारी गेली. ते समयीं पोषाख दिव्हा तो,  
जिल्काद २७ गुजारत जानोजी जाबक खिजमतगार सनगें एकूण, किंमत. रुपये.

( 1142 ) The houses of Mahars, Mángs and Chámhbárs at Kátraj in  
A. D. 1789-90. tarf Karyát Máwal, being too near the village, were  
removed to another site. The expense of rebuilding the  
houses was given by Government, and timber was given free of cost for  
the purpose.

( 1143 ) A sacrifice was performed by Ayyá Shástri. The Peshwá

३० तिबट गुलनार १

५० दुपटा गुलनार ३

८०

११४४ ( १०१० )—कसबे पेण परगणे साकसे येथील समस्त ब्राह्मण हुजूर येऊन तिस्रेन निवेदन केलें कीं, श्रीमंत कैलासवासी नारायणरावसाहेब यांचे कार- मया व अलफा कीर्दीत परभूचे कर्माचरणाविशीं सरकारांतून ठराव करून दिल्या, रगजान २० त्याप्रमाणें त्यांनीं वर्तवें, तें न करितां आपला धर्म सोडून मनस्वी वर्त- णूक करून चोरून ब्रह्मकर्म करितात, येविशीं त्यांस ताकीद होऊन बंदोबस्त जाहला पाहिजे म्हणोन; त्याजवरून मनास आणितां पेशजीं कैलासवासी तीर्थरूप रावसाहेब यांचे वेळेस चौकशी होऊन परभूचे वर्तणुकेविशीं कलमांचा ठराव जाहला. त्याप्रमाणें त्यांनीं सरकारांत कतबा लिहून दिल्या, त्यांतील कलमें, बीतपशील.

१ वैदिक मंत्रेंकरून कांहींच कर्म करणार नाहीं.

१ वैदिक मंत्र जे येत असतील त्यांचा उच्चार करणार नाहीं.

१ भाताचे पिंड करणार नाहीं.

१ देवपूजादिक विहित कर्म पुराणोक्त मंत्रेंकरूनच करूं. व ब्राह्मणभोजन आपले घरीं करणार नाहीं.

१ शालग्राम पूजा करणार नाहीं.

१ ज्या देवास शूद्र जातात त्या देवास आर्क्षी जाऊं.

१ ब्राह्मणांस दंडवत मोठ्यानें म्हणत जाऊं, व आपले जातीतही दंडवतच म्हणत जाऊं.

१ वैदिक ब्राह्मण व आचारी व पाणक्ये व शागिर्द ब्राह्मण व ब्राह्मण बायका चाकरीस ठेवणार नाहीं, व आपले घरींही ठेवणार नाहीं.

१ आमचे जातीमध्ये आपले संतोष पाट लावतील त्यांस आर्क्षी अडथळा कर- णार नाहीं

९.

A. D. 1789-90. attended on the occasion and gave the Shástri a robe of honour.

( 1144 ) An order was passed in the reign of Peshwá Náráyanráo

A. D. 1789-90. regulating the religious conduct of Parbhus, and an agreement, binding them to the following terms was, at

that time, taken from them:—

येणेंप्रमाणें नव कलमें लिहून दिल्ली असतां, परभू आपले घरी चोरून ब्रह्मकर्म करतात, यामुळें पेणकर ब्राह्मणांचा व त्यांचा कजिया वाढोन परभूंचीं घरचीं सर्व कर्म बंद जाहालीं, त्यास येविशींचा हल्लींचा विचार करितां, परभूंचे कर्माचरणाविशीं पेशजी चौकशी होऊन कर्म ठराऊन दिल्ली आहेत त्याप्रमाणें त्याणीं वर्तावें, तें न करितां आपला धर्म सोडून मनस्वी वर्तणूक करितात हें अनुचित, पेशजी कर्म ठराऊन दिल्ली आहेत तींच योग्य, असें शिष्टसंमतें ठरोन पुण्यांत परभूंचीं घरे आहेत त्यांस हुजूर ताकीद करून पत्रें सादर केलीं असेत, तरी महालानिहाय येथें परभूंचीं घरे असतील त्यांस निक्षून ताकीद करून सदरहू कलमांप्रमाणें वर्तवीत जाणें. यांत जो कोणी अन्यथा वर्तेल त्याचें बरें वजेनें पारपत्य करून गुन्हेगारी घेत जाणें क्षणोन चिटगिरी. पत्रें.

सदरहूअन्वयें समस्त ब्राह्मण व धर्माधिकारी उपाध्ये जोतिप्यांस पत्रें पारपत्य व गुन्हेगारी खेरीज करून, बाकी मजकूर वर लिहिल्याप्रमाणें. पत्रें.

यासी तपशील—

|                                                            | अजपत्रें. | मामलेदारांस | ब्राह्मणांस. |
|------------------------------------------------------------|-----------|-------------|--------------|
| निसबत रामचंद्र नारायण.                                     | ४         | १           | ३            |
| तालुके सुवर्णदुर्ग, निसबत मोरो बापूजी.                     | २         | १           | १            |
| तालुके विजयदुर्ग, निसबत गंगाधर गोविंद.                     | २         | १           | १            |
| तालुके रत्नागिरी, निसबत महिपतराव कृष्ण.                    | २         | १           | १            |
| तालुके अंजणवेल, निसबत त्रिंबक कृष्ण.                       | २         | १           | १            |
| तालुके रेवदंडा, निसबत महादाजी बल्लाळ.                      | २         | १           | १            |
| तालुके उंदेरी, निसबत जगदीश गणेश.                           | २         | १           | १            |
| तालुके अवचितगड व बीरवाडी, निसबत बाबूराव पासलकर.            | २         | १           | १            |
| तालुके रायगड, निसबत सदाशिव रघुनाथ.                         | २         | १           | १            |
| प्रांत राजपुरी, निसबत चिमाजी माणकर.                        | २         | १           | १            |
| मामले कोहोज, निसबत पांडुरंग जिवाजी.                        | २         | १           | १            |
| किल्ले माहुली, निसबत भगवंतराव शिंदे देखील जहागीर           | २         | १           | १            |
| परगणे साकने, निसबत भास्कर लक्ष्मण.                         | २         | १           | १            |
| प्रांत कल्याण भिवडी व तालुके नेरळ, निसबत सदा-<br>शिव केशव. | ३         | १           | २            |

( 1 ) that they would perform no religious rite accompanied by recital of Vedic hymns;

( 2 ) that they would not use cooked rice in offering oblations to the dead;

तुकोजी पवार व सदाशिव पवार सरंजामी यांजकडील

|                                                                       |   |   |   |
|-----------------------------------------------------------------------|---|---|---|
| महालानिहाय यांस.                                                      | २ | २ | १ |
| महालानिहाय, निसवत महादाजी निळकंठ पुरंदरे.                             | २ | १ | १ |
| महालानिहाय, निसवत मालोजी घोरपडे.                                      | २ | १ | १ |
| महालानिहाय, निसवत खंडेराव त्रिवक ओढेकर.                               | २ | १ | १ |
| महालानिहाय, निसवत रघुनाथराव बळवंत.                                    | २ | १ | १ |
| महालानिहाय, निसवत पांडुरंग बाबूराव जोशी.                              | २ | १ | १ |
| परगणे सुपें, निमवर्त आनंदराव त्रिवक.                                  | २ | १ | १ |
| परगणे कंकणवाडी, निसवत नागो शामजी.                                     | २ | १ | १ |
| महालानिहाय, निसवत राणोजी पवार विश्वासराव.                             | २ | १ | १ |
| किल्ले बंदन, निसवत विश्वासराव नारायण.                                 | २ | १ | १ |
| महालानिहाय, निसवत परशराम रामचंद्र.                                    | २ | १ | १ |
| प्रांत मिरज वगैरे महाल, निसवत चिंतामणराव पांडुरंग.                    | २ | १ | १ |
| तालुके धोडप, निसवत बाबूराव आपाजी.                                     | २ | १ | १ |
| महालानिहाय, निसवत जयवंतराव रघुनाथ मंत्री.                             | २ | १ | १ |
| परगणे उमरखेड, निसवत बळवंतराव लक्ष्मण.                                 | २ | १ | १ |
| तालुके झांशी, निसवत रघुनाथ हरी.                                       | २ | १ | १ |
| प्रांत चऊल, निसवत राधोजी आंग्रे वजारतमहा सरखेल.                       | २ | १ | १ |
| तालुके अमदाबाद, निसवत महिपतराव भवानी.                                 | २ | १ | १ |
| प्रांत खानदेश, निसवत नारो कृष्ण.                                      | २ | १ | १ |
| गणेश हरी, दिमत सरसुभा प्रांत गुजराथ.                                  | २ | १ | १ |
| परगणे वाळूज वगैरे महाल, निसवत पांडुरंग बळाळ.                          | २ | १ | १ |
| प्रांत गंगथडी, निसवत मल्हारराव नरसी.                                  | २ | १ | १ |
| परगणे गाडापूर वगैरे महाल, निसवत व्यंकटराव महादेव.                     | २ | १ | १ |
| परगणे शेवगांव, निसवत खंडेराव नरहर.                                    | २ | १ | १ |
| क्षेत्र पंढरपूर, निसवत चिंतो रामचंद्र कमावीसदार दिमत परशराम रामचंद्र. | २ | १ | १ |

( 3 ) that in performing the daily observances such as worship &c. they would recite the hymns of Purāns only ;

( 4 ) that they would not feed any Brahmins at their houses;

( 5 ) that they would not worship the Shaligrām deity;

( 6 ) that they would visit only the temples frequented by Shudrās,

|                                                                             |   |   |   |
|-----------------------------------------------------------------------------|---|---|---|
| तालुके त्रिंबक रतनगड, निसबत धोंडो महादेव.                                   | २ | १ | १ |
| तालुके कावनई, निसबत गोपाळ बल्लाळ.                                           | २ | १ | १ |
| किल्ले दातेगड, निसबत माधवराव रामचंद्र.                                      | २ | १ | १ |
| किल्ले सातारा, निसबत बाबूराव कृष्ण.                                         | २ | १ | १ |
| तालुके शिवनेर, निसबत बाळाजी महादेव.                                         | २ | १ | १ |
| प्रांत बुंदेलखंड व कालपी वगैरे महाल, निसबत बाळा-<br>जी गोविंद.              | २ | १ | १ |
| महालानिहाय, निसबत सिद्धेश्वर महिपतराव.                                      | २ | १ | १ |
| निसबत महादाजी नारायण.                                                       | ३ | १ | २ |
| किल्ले सिंहीगड, निसबत केशवराव जगन्नाथ देखील<br>कर्यातमावळ.                  | २ | १ | १ |
| परगणे कर्डे रांजणगांव, निसबत बाबूराव माणकेश्वर.                             | २ | १ | १ |
| तालुके मोल्हेर, निसबत रामचंद्र कृष्ण.                                       | २ | १ | १ |
| तालुके वसई, निसबत गणपतराव जिवाजी.                                           | २ | १ | १ |
| प्रांत जुन्नर, निसबत आनंदराव विश्वनाथ.                                      | २ | १ | १ |
| महालानिहाय, निसबत महादजी शिंदे.                                             | २ | १ | १ |
| तर्फ पौडखोरे व तालुके वागलकोट वगैरे महाल, नि-<br>सबत आनंदराव भिकाजी रास्ते. | ३ | १ | २ |
| महालानिहाय, निसबत तुकोजी होळकर.                                             | २ | १ | १ |
| किल्ले नांदगिरी व चंदनगड, निसबत रंगो शामराव.                                | २ | १ | १ |
| महालानिहाय, निसबत हैबतराव औळे धुरंभर सम-<br>शेरबहादूर.                      | २ | १ | १ |
| महालानिहाय, निसबत माधवराव कृष्ण.                                            | २ | १ | १ |
| परशराम पंडित प्रतिनिधी.                                                     | २ | १ | १ |
| तालुके सरसगड उर्फ मामले पाल, निसबत गोविंदराव<br>बाजी.                       | २ | १ | १ |
| महालानिहाय, निसबत खंडेराव दरेकर सरलंकर.                                     | २ | १ | १ |

( 7 ) that they would salute Brahmins by calling out the word *dandavat* and would use the same word in saluting men of their own caste;

( 8 ) that they would not employ or keep at their houses any Brahmin versed in the Vedas, any Brahmin cook or water bearer, or any Brahmin woman;

|                                                             |   |   |   |
|-------------------------------------------------------------|---|---|---|
| आनंदराव पवार सरंजामी.                                       | २ | १ | १ |
| रघुनाथराव पंडित सचिव.                                       | २ | १ | १ |
| शिवाजी विठ्ठल.                                              | २ | १ | १ |
| रघुपतराव नारायण राजेबहादुर.                                 | २ | १ | १ |
| दामोदर गोविंद तालुके गडवाई.                                 | २ | १ | १ |
| किल्ले लोहगड, निसबत बाळाजी जनार्दन.                         | २ | १ | १ |
| परगणे इंदापूर, निसबत गणपतराव जिवाजी.                        | २ | १ | १ |
| किल्ले विसापूर, निसबत भिकाजी गोविंद.                        | २ | १ | १ |
| प्रांत वाई, निसबत भवानीशंकर हैबतराव.                        | २ | १ | १ |
| प्रांत कराड, निसबत श्रीनिवास शामराव.                        | २ | १ | १ |
| परगणे अरुण वगैरे महाल, निसबत नारो चिमणाजी.                  | २ | १ | १ |
| सगुणाबाई निंबाळकर फलटणकर.                                   | २ | १ | १ |
| ओक, सांबत, भोसले, सरदेसाई, प्रांत कुडाळ.                    | २ | १ | १ |
| परगणे बेलापूर व तर्फ आटगांव प्रांत साष्टी, निसबत गोविंदराव. | २ | १ | १ |
| किल्ले प्रतापगड, निसबत जयराम कृष्ण बापट.                    | २ | १ | १ |
| तालुके सोलापूर, निसबत रामचंद्र शिवाजी.                      | २ | १ | १ |
| तालुके खजुरीयाकटोती, निसबत कृष्णाजी अनंत.                   | २ | १ | १ |
| प्रांत बागलण, निसबत कृष्णराव गोविंद.                        | २ | १ | १ |
| संस्थान नरवर, निसबत संभाजी व जोत्याजी व मळोजी जाधवराव.      | २ | १ | १ |
| तालुके कर्नाळा, निसबत रामराव अनंत.                          | २ | १ | १ |
| परगणे शिरोळ, निसबत रघुनाथ चिंतामण.                          | २ | १ | १ |
| परगणे रायपूर, निसबत भगवंत नीळकंठ.                           | २ | १ | १ |
| परगणे विडपाथरी, निसबत काशीनाथ व्यंकटेश.                     | २ | १ | १ |
| परगणे हरसुल सातारे, निसबत भिकाजी कृष्ण.                     | २ | १ | १ |
| कसबे चाकण तर्फ मजकूर प्रांत जुन्नर, निसबत भगवंत-राव नारायण. | २ | १ | १ |

( 9 ) that they would not object to any widow of their caste, marrying another husband if she wished. It was represented that the Parbhus notwithstanding the above agreement secretly performed the prohibited acts. The opinion of respectable person

|                                                 |     |    |     |
|-------------------------------------------------|-----|----|-----|
| परगणे अंतूर, निसबत गणेश नारायण.                 | २   | १  | १   |
| फिल्ले राजमाची वगैरे गांव, निसबत रामराव नारायण. | २   | १  | १   |
| तालुके चास, निसबत निळकंठराव रामचंद्र.           | २   | १  | १   |
| रघोजी भोसले सेनासाहेब सुभा.                     | २   | १  | १   |
| परगणे नाशीक, निसबत कृष्णराव गंगाधर.             | २   | १  | १   |
| कसबे खेड शिवापूर, निसबत सदाशिव दिनकर.           | २   | १  | १   |
| सरसुभा, निसबत सर्वोत्तम शंकर.                   | २   | १  | १   |
| परगणे अक्कलकोट वगैरे महालानिहाय.                | २   | १  | १   |
| शाहाजी भोसले यांचे पुत्र फत्तेसिंग भोसले.       | २   | १  | १   |
|                                                 | १९६ | ९५ | १०१ |

एकूण एकशें शाणव पत्रें दिल्ली असेत.

११४५ ( १०६३ )—खंडेराव त्रिंबक यांनीं विनंती केली कीं, क्षेत्र पंचवटी परगणा सलास तिसैन मजकूर येथील श्रीरामचंद्रजीचें देवालय बांधिलें तें तयार जालें. त्या मया व अलफ. सभोवता परिघ घालून आंत वोवऱ्या व पुढील मंडप करावयावद्दल राबिलाखर ५. देवाल्या भोंवत्या गोसावी बैरागी यांच्या धर्मशाळा व लोकांचीं घरे व खुली जागा आहे त्यापैकीं देविली पाहिजे म्हणोन; त्याजवरून गोसावी बैरागी वगैरे यांची जागा मंडपाखालीं परिघसुद्धां घेणें, तेव्हां मोबदला दुसरी दिल्ली पाहिजे, त्यास पैक्यावर समजावीस ज्याची पडेल, त्यास एवज मशारनिलहे देतील, जागाच मोबदला पाहिजे असें असल्यास दहा पंधरा बिघे जमीन सरकारांतून देऊन समजावीस काढून परिघ मंडपाचे कामास दिकत न पडतां काम चाले ती गोष्ट करणें. जमीनीचा मजकूर लिहिला आहे यांत समजुतीमुळे कमी होईल ती करून समजूत पाडून काम चालवणें म्हणोन, कृष्णराव गंगाधर कमावीसदार परगणे नाशीक, यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

in Poona were taken in the matter, and the previous orders were confirmed. Instructions were issued to the various officers to severely punish any one disobeying the above orders.

( 1145 ) Khanderao Trimbak represented that the temple of Shri-Ramchandra at Panchawati was completed, and that land occupied by certain houses was required for the erection of a *mandap* in front of the temple. He was permitted to take up the land either by paying cash compensation to the owners or by giving other land in exchange.



११४६ ( १०७२ )—कृष्णाजी अंबादास आकोलकर यांनीं हुजूर विदित केलें कीं, सलास तिसैन कसबे आकोल, परगणे मजकूर, येथें आक्षीं पिंपळाचे वृक्ष नवीन मया व अलफ लाविले आहेत त्यांच्या मुंजी करणार, त्यास कसबे मजकुरी ऋग्वेदी सवाल १९ व यजुर्वेदी जोशी यांचा वृत्तीसंबंधें कजिया आहे, सबब यजुर्वेदी जोशी मुंजीस अडथळा करितात, याजकरितां मुंजी करते समयी उपाध्यक्ष मामलेदार यांनीं अमानत ठेऊन कार्ये मुंजीचें करविलें पाहिजे झणोन; त्याजवरून हें पत्र सादर केलें असें, तरी पिंपळाच्या मुंजी करणार ऋग्वेदी यजुर्वेदी यांचा वृत्तीचा कजिया आहे, त्यास सुदामत चालत आल्याप्रमाणें ताकीद करून मुंजी कारकून पाठऊन करणें, कजियाच करूं लागल्यास कजियाचा विषय असेल तो अमानत ठेऊन काम चालवणें झणोन, धोंडो महादेव यांचे नांवें चिटणिसी.

पत्र १.

११४७ ( १०८१ )—गुमानी भाटीण इचा दादला लहानपणीं मृत्यु पावला, तेव्हां- अर्बा तिसैन पासून माहेरीं होती; अलीकडे कोणास न पुसतां माहेराहून कसबे मया व अलफ पुणें येथें येऊन राहिली. त्यास ही गरत; ईणें न पुसतां उठून येऊं नये मोहरम ११ ते आली, सबब किल्ले धोडप येथें अटकेस ठेवाय्यास बरोबर लोक दिमत गुलाबसिंग निसवत हुजूर हशम असामी तीन देऊन पाठविली आहे, त्यास इज- पासून किल्ले मजकुरी इमारतीचें वगैरे कामकाज घेऊन बंदोबस्तानें ठेऊन पोटास शेर शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें झणून, बाजीराव आपाजी यांचे नांवें.

सनद १.

रसानगी, बापूजी बल्लाळ लेले.

## २१ सार्वजनिक उत्सव.

११४८ ( )—कमावीसभेट राजश्री रावसाहेब यांस विजयादशमीनिमित्त्य स्वारी

( 1146 ) Krishnaji Ambadās of Akolā wished to perform the thread- ceremonies of Pīnpāl trees, and asked for the assistance of the Mamlatdār as owing to a split between the Rīgvedi and Yajurvedi Brahmans of the place, it was feared that the performance of the ceremonies would be obstructed. The officer of the parganā was therefore directed to send a kārkaun to Krishnaji's place and to arrange for the celebration of the ceremonies in question.

( 1147 ) Gumāni, a Bhāti widow, came from her father's house to live in Poona without permission. As such conduct in a respectable woman was held to be improper, Gumāni was sent to prison.

### XXI Public festivals and amusements.

( 1148 ) *Nazars* of Mohors, Putālis and cash, worth in all Rs. 1,031,

अर्बा समानीन सीमाउल्लंघनाहून वाड्यांत आलियावर सदरेस लोकांनीं नजर केल्या  
मया व अलफ त्या छ. ८ जिल्काद. रुपये.  
जिल्काद ३०

५८०।।।. मोहरा.

नाणें.

- २ बाळाजी जनार्दन फडणीस.
- १ नारो नीळकंठ मजमदार.
- १ त्रिंबकराव महिपत चिटणीस.
- १ हरी बल्लाळ.
- २ विसाजी कृष्ण.
- १ बाळाजी महादेव, तालुके शिवनेर.
- १ रामराव त्रिंबक, प्रांत जुन्नर.
- १ रामचंद्र नारायण, प्रांत पुणे.
- २ भवानी शिवराम.
- २ त्रिंबकराव नारायण राजेबहादूर.
- १ कृष्णराव बळवंत मेहेदळे.
- १ शिवराम रघुनाथ, निसबत खासगी.
- १ राघो बापूजी पागा.
- १ महिपतराव विश्वनाथ.
- १ गोपाळ संभाजी याचे पुत्र.
- १ बाळकृष्ण केशव वर्तक, तालुके पटा.
- १ केशवराव जगन्नाथ गोखले.
- १ माधवराव मोरेश्वर पेट्टे.
- १ बाबूराव हरी दातार, निसबत जकात प्रांत कल्याणभिवंडी.
- १ चिंतामण हरी दीक्षित.
- २ बळवंतराव विष्णु दीक्षित, रघोजी भोसले सेना साहेब सुभा.
- १ वासुदेव रघुनाथ फडणीस, प्रांत जुन्नर.
- १ अमृतराव विश्वनाथ पेट्टे.
- १ रामराव नागयण, तालुके राजमाची.

A. D 1783-84. were received by the Peshwá from his officers and others at the Darbár held on the evening of the Dasarâ festival. The names of the persons presenting *Nazars* are given in detail. The list begins with 'Bálâji Janârdan Fadnis-2 Mohors.'

- १ बाबाजी गोविंद कारकून, निसबत दफ्तर.
- १ नीळकंठराव गोविंद.
- १ माधवराव रामचंद्र.
- १ मुसा जारल.
- १ गणार्जी चंदराव वसईकर.
- १ येशवंतराव गंगाधर.
- १ रामराव बाजी.
- १ नारो महादेव गट्टे किल्ले सिंहीगड.
- १ माधवराव त्रिंबक, त्रिंबकराव सदाशिव दीक्षित यांचे पु.
- १ कृष्णार्जी भैरव थत्ते.
- १ कृष्णराव नारायण जोशी.
- १ रंगराव महादेव बोढेकर.
- १ नांव लागलें नाहीं.

४३ (४२)

८४ पंचमेळ ६ दर १४

५९ दिल्लीच्या ७ दर १४॥

९६। प्रत नाणें.

४ कोठ्याच्या.

१ दिल्ली गिक्का डाकाची.

१ सुरती डाकाची.

१ अजमीरची.

७

दर १३॥ प्रमाणें रुपये.

२५६॥ प्रत.

नाणें.

७ औरंगाबादी.

१० शेटशाई.

२ हल्ली शिक्षा.

१९.

दर १३॥ प्रमाणें.

रुपये.

९६ प्रत.

नाणें.

१ फर्काबादी.

१ दिल्लीची गैरसाळ.

२

दर १३ प्रमाणें.

रुपये.

४८ प्रत.

नाणें.

१ सोलापूरची गैरसाळ.

१ लाहूरची.

१ शेटशाई गैरसाळ.

१ अर्कटची गैरसाळ.

४

दर १२ प्रमाणें.

रुपये.

११ तळेगावी १ एकूण

४३ रुपये.

५८०।।

१५५॥ पुतळ्या.

तांदे

१ सखाराम येशवंत पानसी.

२ सर्वोत्तम शंकर.

१ नारायणराव कृष्ण पारसनीस.

१ महादाजी बल्लाळ माठे.

१ तानको कृष्ण दिंमत रघोजी भोसले सेना साहेब मुभा.

१ विसाजी आपाजी पागा.

१ लक्ष्मण कृष्ण मेहंदळे, कृष्णराव बळवंत यांचे पुत्र.

१ माधवराव कृष्ण पानसी.

१ कृष्णराव भिवजी.

१ रामचंद्र कृष्ण मेहंदळे.

१ बळवंतराव व्यंकटेश, निसवत पोतनीस.

४ मुसा मात्रो.

१ केशव विठ्ठल गोळे.

१ बाळाजी राम भिडे.

- १ जनार्दन राम पागा.
- १ बाबूराव पासलकर.
- १ जयराम त्रिंबक सोमण मजमदार, प्रांत राजपुरी.
- १ चिमाजी माणकर, प्रांत राजपुरी.
- १ गोपाळराव बापूजी पागा.
- १ भगवंतराव बापूजी शिलेदार यांचे पुत्र.
- १ येशवंतराव मल्हार खासनिबीस, दिमत हुजरात.
- १ गणपत आनंदराव मेहंदळे.
- १ जिवाजी गोपाळ.
- १ बाबाजी बल्लाळ रानड्ये.
- १ बाबूराव अनंत पागा.
- १ पांडुरंग नारायण पागा.
- १ राघो विश्वनाथ गोडबोले.
- १ अमृतराव केशव थत्ते.
- १ शिंदोजी पलांडे पागा.
- १ जयवंतराव येशवंत पानसी.

३४

तपशील.

३३ ऐन ताटें.

१ गवर.

वजन तोळे ९१= दर १६॥ प्रमाणें.

रुपये.

३॥ गणपतराव भिकाजी रास्ते यांचे पुत्र. होन नवा एलोरी नाणें १, एकूण रुपये.

२९१ नक्त.

रुपये.

- ५ बळवंतराव जिवाजी लिमये.
- ३ रंगो कान्हेरे एकबोटे.
- ५ खंडो अनंत, दिमत खंडेराव त्रिंबक वोदेकर.
- ५ गोविंदराव कृष्ण काळे.
- ५ मल्हार धोंडदेव यांचे पुत्र.
- २ केशवराव व्यंकटेश पानसी.
- ५ त्रिंबकराव गंगाधर.
- २ गंगाधर बल्लाळ दिमत फडणीस, दिमत तोफखाना.

- ४ गणेश तुकदेव.
- ५ बळवंतराव शंकर पागा.
- २ गोपाळ नारायण एकबोटे.
- ५ विश्वासराव त्रिंबक.
- ५ येशवंतराव रघुनाथ.
- ५ केसो शंकर कान्हेरे.
- ५ बहिरो मुकुंद, मुकुंद श्रीपत यांचे पुत्र.
- ३ बळवंतराव हरि दुंगणकर.
- २ बापूजी वामन, निसवत शेठ्ये.
- ५ वकील, दिमत क्षेत्र संस्थान काशी.
- ४ लक्ष्मण बल्लाळ आठवले.
- ५ धोंडो राम वकील.
- ५ निळकंठराव रामचंद्र पागा.
- २ बाजी अनंत, निसवत निळकंठराव रामचंद्र पागा.
- २ निळकंठराव रामचंद्र यांचे भाऊ.
- ४ विश्वासराव लक्ष्मण.
- १ बापूजी आनंदराव कमावीसदार, कमवे पुणे.
- ५ भाईदास, दिमत गुमानसिंग मांडवीकर.
- ५ राघो निळकंठ पानसी, दिमत मालोजी घोरपडे.
- ५ गणेश हरि पेठ्ये, दिमत चिंतामण हरि.
- ३ धोंडो मल्हार पानसी पागा.
- ५ मोरो रामचंद्र परांजपे, रामचंद्र नार्दिक यांचे पुत्र.
- २ राघो हरि वोक शिलेदार.
- ५ खंडेराव दौलत शिलेदार.
- २ भीरखान टोके यांचे पुत्र.
- ५ मुसा जारज पांच रुपये शिवाय मोहोर नाणे एक नजर केन्ही  
तो [ ती ] वर लिहिली आहे.
- ७ मुसा जारज यांचे लेक.

५ थोरला.

२ धाकटा.

४ कारकून दिमत मुसा जारज.

२ बापूजी बाबूराव.

२ खंडेराव यादव.

४

१० नारायणराव यादव भागवत.

५ मोरो राम दाभोळकर.

५ गोपाळ महादेव कारकून, निसबत दफ्तर.

४ केशवराव महादेव, माधवराव सदाशिव यांचे पुत्र.

५ दादो हरि मराठे.

५ भिकाजी विश्वनाथ, जकान प्रांत पुणे व जुन्नर.

५ चिंतामणराव सदाशिव, दिमत गोविंदराव सदाशिव पागा.

२ जगन्नाथ रघुनाथ, निसबत कुरणे.

५ भिवराव भगवंत, दिमत पीलखाना.

४ कृष्णाजी देवजी वकील, दिमत नवाब.

५ हैबतराव गोपाळ वकील, दिमत नवाब.

१ येशवंतराव मोरे माजी रायगडकरी, निसबत हुजूर हशम.

५ महादाजी बल्लाळ कारकून, निसबत दफ्तर.

१ नारायणजी गावडे शिलेदार

५ गोविंद गणेश बिबलकर.

२ नारो बाबाजी फडके कारकून शिलेदार.

५ शिंदेबा नाईक थत्ते.

५ नारो कृष्ण जग्वे.

५ बाबूराव विश्वनाथ वैद्य.

५ रघुनाथ बाजी पागा

५ सदाशिव भगवंत, दिमत उष्टखाना.

१ त्रिंबक मोरेश्वर, निसबत हुजूर हशम.

५ कृष्णाजी महादेव, नारो शिवदेव भाऊ यांचे पुतणे.

५ नारो अनंत परचुरे कारकून, निसबत दफ्तर.

५ जनार्दन आपाजी.

५ सदाशिव मल्हार बावळे फडणोस, दिमत तोफखाना.

- ५ मल्हारजी जगथाप सरनौबत, निसबत पागा, दिमत बाबूराव निकम.  
 २ गोपाळराव जयवंत पानसी.  
 १५ निंबाजी महादेव काणे, दिमत रघोजी भोसले सेनासाहेब सुभा.  
 ३ बच्छाजी विश्वनाथ खांडेकर शिलेदार.  
 ३ खंडोजी जगथाप पागा.  
 ४ नावें लागलीं नाहींत.

२९१

तपशील.

- ६३ पोतेचाळ.  
 ११८ दौलताबाद.  
 ५४ चांदवड.  
 ३३ मलकापुरी, दर रुपयास एक आणा बट्टाप्रमाणें.  
 १९ देडगांवी व करमले, दर रुपयास चव्वल बट्टा-  
 प्रमाणें.  
 ४ बिणाचे.

२९१

१०३१

११४९ ( १०६ )—शिमगा खर्च दशावतारी यांजकडून सरकारचे वाड्यांत शिम-  
 सीत समानीन ग्याचा खेळ सालगुदस्तां करविला, सबब बिदाई रसानगी यादी छ.  
 मया व अळक २ माहे जिल्काद. आंख.  
 मोहरम १०

- ३० बाळलिंग नाईक यास सन इसजे समानीनाप्रमाणें साल मजकुरीं. आंख ३०.  
 बाळाजी अनंत केळकर कारकून शिलेदार गजनी सनंग १८ एकूण.  
 ३० कृष्ण गुरव सुपेकर यास एकसालां कापड. आंख ३०.  
 बाळाजी अनंत केळकर कारकून शिलेदार सनंगें एकूण. आंख.



८॥ तिवट १

२१॥ गजनी १०

३० ११

६०

१११

११५० ( ९६६ ) कमावीसभेट राजश्री राव यांस. विजयादशमीस छ. ८ मोहरमी  
समान समानीन सीमा उल्लंघन करून स्वारी वाड्यांत आलियावर सदरेस लोकांनी  
मया व अल्फ नजरा केल्या ते जमा. रुपये.  
रबिलावल २९

६२३॥ मोहरा नाणे.

- २ बाळाजी जनार्दन फडणीस.
- १ बाजीराव गोविंद बर्वे.
- १ त्रिंबकराव अमृतेश्वर पेठ्ये.
- १ नारो निळकंठ मजमदार.
- १ माधवराव मोरेश्वर पेठ्ये.
- १ सर्वोत्तम शंकर हशमनीस.
- १ नारायणराव यादव भागवत.
- १ त्रिंबक महिपतराव चिटणीस.
- १ वासुदेव रामकृष्ण.
- १ मुसा जारज गाडदी.
- ५ भवानी शिवराम, तालुके अमदाबाद.
- २ रघुनाथराव नारायण राजेबहादूर.
- १ कृष्णराव हरि मुपेकर
- २ महिपतराव विश्वनाथ बिनीवाले.
- १ रामराव नारायण देशमूस.
- १ बाळकृष्ण केशव, तालुके पटा.
- १ गोपाळ बलाळ केतकर, तालुके कावनई.
- १ रामचंद्र शिवाजी पागा.
- १ खंडेराव बलाळ, विंमत शिवाजी शिवराम.

( 1150 ) This gives a list of the Sardars who presented *Nazars* to A. D. 1787-88. the Peshwá on the Dasarí festival.

- १ गणपतराव जिवाजी सरसुभा, प्रांत कोंकण.
- १ कृष्णराव नारायण जोशी सातारकर.
- १ माधवराव रामचंद्र.
- १ कृष्णराव बळवंत.
- १ गोविंदराव बाजी जोशी.
- १ निळकंठराव गोविंद लिमये.
- १ माधवराव त्रिंबक दीक्षित पटवर्धन.
- १ हरी बल्लाळ.
- १ खंडेराव त्रिंबक ओढेकर.
- १ राघो विश्वनाथ गोडबोले.
- १ विठ्ठलराव नारायण अभ्यंकर नगरकर.
- १ रामराव त्रिंबक, प्रांत जुन्नर.
- १ शिवराम रघुनाथ, निसबत खासगी.
- १ आनंदराव भिकाजी फडके.
- १ कृष्णाजी बहिरव थत्ते.
- १ रंगराव महादेव मेढेकर.
- २ येशवंतराव गंगाधर.
- १ रामराव अनंत बिवलकर.
- २ नावें लागलीं नाहीं ते असामी २.

४८

१८९ प्रत नाणें.

- १० शेटशाई.
- १ हल्ली शिक्षा.
- १ हैदराबादी.
- २ आर्काटच्या.

१४

दर १३॥ प्रमाणें.

रुपये.

१६८ प्रत पंचमेळ नाणें १२ एकूण दर १४ प्रमाणें

रुपये.

७२ प्रत नाणें.

२ औरंगाबादी.

४ गैरसाळ.

६

दर १२ प्रमाणें.

रुपये.

३३ किता नाणें.

१ नरहरची.

१ दिल्लीची गैरसाळ.

१ अमदाबादी गैरसाळ.

३

दर ११ प्रमाणें.

रुपये.

४० प्रत नाणें.

१ करोली.

१ सीली शिक्का अलीगौर गैरसाळ.

२ अजमेर गैरसाळ.

४

दर १० प्रमाणें.

रुपये.

१२१॥ प्रत जयनगर कोटे नाणें ९ दर १३॥ प्रमाणें.

रुपये.

६२३॥

४८

२२४॥ पुतळ्या.

ताटें.

१ वासुदेव व्यंकटेश कारकून, निमवत पोतनीस.

१ सखाराम पेशवंत पानसी.

२ गोविंद आनंदराव मुपेकर.

१ भास्कर महादेव कानिटकर.

१ सदाशिव शामराज आसबलीकर.

१ आनंदराव धुलप.

१ गुलजारखान टोके.

१ हरबाराव धुलप.

२ रामचंद्र नारायण, प्रांत पुणे.

१ जिवाजी बल्लाळ कारकून, निसवत चिटणीस.

- १ हैबतराव पलांडे पागा.
- १ विठ्ठल रामचंद्र आंबीकर.
- १ अमृतराव विठ्ठल गोळे.
- १ नारायण रघुनाथ पागा.
- १ पांडुरंग नारायण पागा.
- १ जयराम त्रिंबक सोमण.
- १ मल्हारराव नरसी मांडवगणे.
- १ गणपत आनंदराव.
- १ भिकाजी नारायण पाळंदे.
- १ महादाजी विठ्ठल शिंदे, प्रांत राजपुरी.
- १ शिवाजी बाबाजी म्हसकर यांचे पुत्र.
- १ गणपतराव चिंतामण ओंकार.
- १ भगवंतराव बापूजी.
- १ चिमाजी माणकर.
- १ विसाजी नारायण वाडदेकर.
- १ मळोजी पवार पागा.
- १ बहिरजी मुल्ये पागा.
- १ निळकंठराव रामचंद्र.
- १ व्यंकटराव भास्कर भाखे.
- १ विसाजी गणेश वाघमारे पागा.
- १ लक्ष्मणराव कोलटकर.
- १ शिवराम लक्ष्मण कोटकर.
- १ गोविंद राम आपटे.
- १ नारो महादेव गद्रे यांचे पुत्र.
- १ बळवंतराव महादेव भानू.
- २ बाळाजी केशव थत्ते.
- १ अमृतराव केशव थत्ते.
- १ रघुनाथ केशव थत्ते.
- १ शिंदोबा नाईक थत्ते.
- १ बळवंतराव नागनाथ पागा इंदोपूरकर.
- १ नारायणराव विश्वनाथ, दिमत सरलण्कर.
- १ जयवंतराव येशवंत पानसी.

- १ भास्कर जगन्नाथ.
- २ नावें लागत नाहीत.

४९

९९. ताटें एकूणपन्नास वजन तोळे १३॥१॥ दर १६॥ प्रमाणें.  
रुपये.

१२ होन नाणें.

- १ राघो केशव नेने.
- १ माधवराव त्रिंबक धायगुडे.
- १ नांव लागत नाही.
- ० लंग.

३

रुपये.

८ एलोरी नाणें २ दर ४

४ हैदरी नाणें १ एकूण.

१२

३८२ नक्त

रुपये.

- ५ भाईदास दिमत राजे भाडवीकर.
- ३ रंगो कोन्हेर एकबोट.
- १ बापूजी आनंदराव मोकाशी.
- ५ विश्वासराव रघुनाथ. राघो बापूजी यांचे पुत्र.
- ५ विश्वासराव चिंतामण पागा.
- २ केशव जयवंत पानसी.
- ५ बळवंतराव शंकर खांडेकर पागा.
- ५ खंडेराव दौलत.
- २ बळवंतराव हरि डिंगणकर.
- २ बळवंतराव नारायण केसकर.
- ५ केसो कृष्ण, दिमत बाळाजी गोविंद बुंदेले.
- १ मुसा जारज, गाडदी.
- १ बाबूराव केशव ठाकूर.
- १ त्रिंबक हरि वर्तक यांचे पुत्र.

- ५ दोयरीलो जोरज मुसा जारज यांचे लेक.
- २ मुसा जारज यांचा छोटा लेक.
- ५ सर्वोत्तम शंकर यांचे पुत्र.
- ५ मीर मुस्तफाखान.
- ५ बळवंतराव, दिंमत भोंसले.
- ५ दाजी गोपाळ जोशी, गोपाळ महादेव यांचे पुत्र.
- ५ व्यंकटराव राम दाभोळकर.
- ५ लक्ष्मण बल्लाळ आठवले.
- २ बापूशेट भालवणीकर.
- ५ काशीकर राजे यांजकडील वकील.
- १ भल्हार अनंत माळी पुणेकर.
- ५ गोविंद भगवंत पिंगळे.
- ९ दिंमत नवाब निजामअलीखान रुपये.
  - ५ रघोत्तम हैबतराव.
  - ४ कृष्णगव देवाजी.

९

- ५ सदाशिव राम गुणे.
- ५ माधवराव कृष्ण गुणे.
- २ जगन्नाथ धोंडदेव गुणे.
- ५ राघो निळकंठ पानसी.
- ५ विठ्ठल नारायण जोगळेकर.
- ५ येशवंतराव नरसी पागा.
- ५ विसाजी राम जोशी.
- ५ राघो हरि ओक.
- ५ नरसिंगराव भाट्ये.
- २ देवबा नईक रास्ते.
- ५ नारो कृष्ण यांचे पुत्र.
- १ येशवंतराव मोरे हवालदार रायगडकर.
- ५ बाळाजी धोडपकर ५
- ५ गोपाळराव राम सातारकर.
- १ लक्ष्मण शिवराम बागलाणकर.

- ५ खंडेराव शंकर भागवत.
- ५ खंडो अनंत वर्तक.
- ८ बहिरो अनंत कामरगांवकर.
- २ महमद तकी पारसनीस.
- ५ गणेश हरि पेठ्ठे.
- ५ गोविंदराव सदाशिव पागा.
- ८ जमीदार गुतीकर.

४ रामराव.

४ अहोबलराव.

८

- २ निळकंठराव रामचंद्र पागा यांचे पुत्र.
- ४ गणपतराव माधव, माधवराव सदाशिव यांचे पुत्र.
- ५ गणपतराव व्यंकटेश कानिटकर.
- १ गोविंदराव अच्युत.
- ५ भगवंतराव नारायण पारसनीस.
- ४ गोपाळराव भगवंत, निसबत पारसनीस.
- ५ जनार्दन आपाजी.
- ५ बाळाजी कृष्ण ठोसर.
- २ नारो बाबाजी फडके.
- ५ त्रिंबकराव नारायण परचुरे.
- ५ विष्णुमहादेव, भट्टादाजी बळाळ कारकून यांचे पुत्र.
- ५ बाळाजी मोरेश्वर, निसबत जकात प्रांत पुणे.
- ५ दादो हरि मराठे.
- ५ कमळाकर. दिमत बळवंतराव धोंडदेव.
- ५ वामनाजी हरि मराठे.
- २ नारायण गाड्या.
- ५ जनार्दन गोपाळ खांडेकर.
- ४ राघो विश्वनाथ आटवले.
- २९. ( नांवे लागली नाहीत. )

६६ भेट पैकीं नाणें तसलमातीस घेऊन नजर केली त्याचे नक्त रुपये  
आणून दिले. रुपये.

५६ मोहोरांचे ऐवजीं नक्त रुपये.

१४ काशी बल्लाळ रानड्ये.

१४ खंडेराव नरहर कमावीसदार, परगणे शेवगांव.

१४ सदाशिव रघुनाथ गदे.

१४ महादाजी अनंत बेहेरे.

५६

१० पुतळ्यांचे ऐवजीं नक्त रुपये.

५ मोरो रामचंद्र परांजपे.

५ सोनो गणेश फडणीस, तालुके अमदाबाद.

१०

६६

३८२

रुपये.

७५ पोते चाल.

२२५ चांदवड.

६५ नाशीक मोल्हेर.

१५ दौलताबाद.

२ तांब्याचे.

३८२

१२४२१

११५१ ( १११९ )—श्रीगणपति उत्साहखर्च भाद्रपद शुद्ध चतुर्थीचा, उत्साह प्रति-  
खमस तिस्रन पदेपासून दशमीपर्यंत दहा दिवस जाला त्याची बिदाई देणें गोसावी  
मया व अलफ व गवई व कळवंतिणी वगैरे गुणीजन यांस, घाबत वांटणी. रसा-  
जमादिसाखर २३ नगी यास ( द ? ) रुपये.

( 1151 ) The details of expenses incurred on account of the Ganapati festival celebrated from the 1st to the 10th of Bhādrapad Shuddha are given. The chief items are:—  
A. D.



२१५५ गोसावी हरदास.

१९५८ बरहुकूम गुदस्त असामीस १४५ रुपये.

१९७ जदीद सालमजकुरी ३६ नवे आले त्यांस रुपये.

२१५५ १८१

३२९. गवई. रुपये.

३०१ बरहुकूम गुदस्त असामीस ३० रुपये.

२८ जदीद सालमजकुरी नवे ९

३२९ ३९

१७२६ कळवंतिणी ताफे यांस रुपये.

८८६ बरहुकूम गुदस्त ताफे ३५ यांस रुपये.

१४० जाजती ताफे ८ आले त्यांस.

१०२६ ४३

१४८ गुरव पखवाजी यांस रुपये.

१२१ बरहुकूम गुदस्त २५ असामीस. रुपये.

२७ जदीद ८ आसामीस. रुपये.

१४८ ३३

३० ब्राह्मण चोपदार सोंगें घेऊन मखरापुढें उभे राहतात असामी २ बरहुकूम गुदस्त. रुपये.

३४ शागिर्दे गोसावी वगैरे यांस आमंत्रण करितात व लबा करितात सबब बरहुकूम गुदस्त ४ रुपये.

२४० वाजंत्री ताफे बरहुकूम गुदस्त वगैरे २५ रुपये.

३२ कर्णेकरी बरहुकूम गुदस्त १९ यांस. रुपये.

|                  | Who appeared last year. | Amount paid. | Who appeared for the first time this year. | Amount paid. |
|------------------|-------------------------|--------------|--------------------------------------------|--------------|
| Gosavi preachers | 145                     | 1958         | 36                                         | 197          |
| Singers, men     | 30                      | 301          | 9                                          | 28           |
| Singers women    | 35                      | 886          | 8                                          | 140          |
| Musicians        | 25                      | 121          | 8                                          | 27           |

The total cash expenditure was Rs. 4,175. In addition to this sum, clothes were presented to these persons.

१५५ किरकोळ असामीस.

८५ बरहुकूम गुदस्त ४ असामी.

७० जदीद सालमजकुरी २ आले त्यांस

१५५

६

२६ मिठाई शागिर्द पेशा वगैरे यांस.

रुपये.

४१७५

११५२ ( ११२० )-विजयादशमीचे पोशाख सनगें, एकूण.

आंख.

खमस तिसैन दिमत हुजरात सनगें एकूण आंख.

मया व अलफ

जमादिलाखर २३

२७३८३॥ श्रीमंत महाराज श्रीछत्रपती स्वामी यांस खाना सातारा तसलमात महादजी जाधव व सटवाजी पिंजण खिजमतगार सनगें, एकूण.

९७६२ श्रीमंत महाराज राजश्री छत्रपती स्वामी यांस सनगें एकूण.  
आंख.

३२२४ मातुश्री आईसाहेब यांस सनगें एकूण. आंख.

१२३२८॥ सौभाग्यवती बाईसाहेब यांसी सनगें एकूण. आंख.

५०९ महाराज यांचे पुत्र, वय वर्षे पावणेदोन यांस सनगें, आंख.

१२९३॥ कन्या महाराज यांच्या सनगें एकूण. आंख.

२३९॥ सौभाग्यवती जिजाबाई संतूबाई महाडीक यांची सून सनगें  
एकूण. आंख.

२७३५६

४१॥=

२७॥ बासनांस सनगें एकूण १॥=

आंख.

२७३८३॥

४३१

७६०॥ खाना सातारा तसलमात महादजी जाधव, व सटवाजी पिंजण खिजमत-  
गार सनगें एकूण. आंख.

( 1152 ) The details of clothes of honour presented to the Sātārā Rājā, the Sirdārs, Commandants and Agents of foreign powers on the Dasarā festival are given. The total expenditure is Rs. 2,20,144. Clothes worth Rs. 31,267 were sent to the Sātārā Rājā for himself, his family and the people at his court.

|                                                                  |       |
|------------------------------------------------------------------|-------|
| ४०५॥ दिमत नारायण दीक्षित ठकार सनगें एकूण.                        | आंख ७ |
| ॥ बासनास खादी पासोडी सनंग ४२                                     |       |
| ४०५॥                                                             | ७४२   |
| २५२॥ निळकंठ बाबूराव आमात्य सनगें एकूण.                           | आंख.  |
| १०२॥ रागचंद्र रघुनाथ पंडितराव सनगें एकूण.                        | आंख.  |
| ७६०॥                                                             | १२॥   |
| ६०७॥ दिमत मंत्री तसलमात हैबती उगला खिजमतगार सनगें एकूण.          | आंख.  |
| ३०३॥ भास्करराव त्रिंबक रवाना इसलामपूर सनगें एकूण.                | आंख.  |
| ३०४ जयवंतराव रघुनाथ रवाना भिलवडी सनगें एकूण.                     | आंख.  |
| ६०७॥                                                             | ७॥    |
| १२८३॥ दिमत परशराम श्रीनिवास प्रतिनिधी सनगें एकूण.                | आंख.  |
| ११३१॥ रवाना कन्हाड तसलमात जोती जाधव, व खिजमतगार सनगें एकूण.      | आंख.  |
| १५१॥ आनंदराव कृष्ण बापट, तर्फे कृष्णाजी उगला खिजमतगार सनंग एकूण. | आंख.  |
| १२८३॥                                                            | ९॥    |

The following are some of the details:—  
Clothes worth      Rs.      To

- 9,762—the Rājā of Satara himself.  
3,264—Āi sāheb.  
12,328-8—the Bāisāhebs.  
509—Rājā's son.  
1293-4—Rājā's daughters 3.  
239-4—Jijābī Mubādik.  
405-8—Nārāyaṇ Dixit Takār.  
252-12—Nīlkanth Bāburāo Amatya.  
102-4—Rānichandra Raghunath  
Panditrao.  
303-12—Bhaskarrao Trimbak Mantri.

|                                                                    |      |
|--------------------------------------------------------------------|------|
| ६०३॥ दिंमत शंकरराव रघुनाथ सचिव, तर्फे खंडोजी भोंसला खिजमतगार सनगें |      |
| एकूण. रवाना जेजुरी.                                                | आंख. |
| ४४८ खासा सनगें एकूण.                                               | आंख. |
| १५३ राघो वेंकटेश फडणीस सनगें एकूण.                                 | आंख. |
| २॥ बासनास सनगें एकूण.                                              | आंख. |

६०३॥

५॥≡

|                                                                   |      |
|-------------------------------------------------------------------|------|
| १५१॥ भवानीशंकर हैबतराव राजाज्ञा, रखमाबाई तर्फे केदारजी ससाणा खिज- |      |
| मतगार सनगें एकूण.                                                 | आंख. |
| २२५॥ जीवनराव विठ्ठल सुमंत, तर्फे भवानजी भोंसला खिजमत-             |      |
| गार सनगें एकूण.                                                   | आंख. |
| २५२॥ मल्हारराव राम चिटणीस, तसलमात दादजी मांजरा खि-                |      |
| जमतगार, सनगें एकूण.                                               | आंख. |

३१२६७॥

८५॥≡

- 304—Jayawantrao Raghunāth Mantri.  
 852—Parashrām Shrinivās Pratinidhi.  
 279-8—Antāji Wāsudeo Mutālik.  
 151-12—Anandrao Krishṇa Bāpat.  
 603-8—Shankarrao Raghunāth Sachiv.  
 151-4—Bhawāni Shankar. Halbatrao Rājādnyā.  
 225-8—Jiwanrao Vithal Sumant.  
 252-8—Malhārrao Rām Chitrās.

Rs. 31,267-12 Total.

Rs. 34,033-4—Cavalry officers.

79,703-8—Silledārs.

6,440—Bhosle of Nāgpur.

5,88812—Nawāb Nizām Alikhān.

249-8—Yeshwantrao Dābhāde.

2,470—Bālāji Janārdan Fadnis.

697-4—Agent of Bundhille.

255—Musā Jaraj.

202—Vithal Goraksh, Agent of the Portuguese  
of Goā.

|                                                                             |         |
|-----------------------------------------------------------------------------|---------|
| पागानिहाय सनगें एकूण.                                                       | आंख.    |
| ३४०३३।                                                                      | ३१।     |
| किल्लेदार सनगें एकूण.                                                       | आंख.    |
| ७९७०३॥                                                                      | १२०५४   |
| किरकोळ सनगें एकूण.                                                          | आंख.    |
| ४८११८॥।                                                                     | ३११॥    |
| खाना आनंदवली, तर्फे विठोजी गवारी, व माणकोजी नवला खि-<br>जमतगार, सनगें एकूण. | आंख.    |
| १९६० राजश्री बाजीराव यांसी सनगें एकूण.                                      | ४॥ आंख. |
| १८२० राजश्री चिमणाजी आपा यांस सनगें एकूण.                                   | ३॥ आंख. |
| १२६३ राजश्री अमृतराव यांस सनगें एकूण.                                       | आंख.    |
| ८९२ खासा सनगें एकूण.                                                        | ४॥ आंख. |
| ३७१ विनायकराव पुत्र सनगें एकूण.                                             | ६॥ आंख. |
| १२६३                                                                        |         |
| ३४० सौभाग्यवती सत्यभामाबाई, अमृतराव यांची स्त्री, सनगें<br>एकूण.            | २ आंख.  |
| ३९६॥ नाटकशाळा सनगें एकूण.                                                   | आंख.    |
| ७० हेमंत सनगें एकूण.                                                        | २ आंख.  |
| ६९॥ रूपकुवर सनगें एकूण.                                                     | २ आंख.  |
| ६३ चपक सनगें एकूण.                                                          | २ आंख.  |
| ६७ भैना सनगें एकूण.                                                         | २ आंख.  |
| ६४ वसंत सनगें एकूण.                                                         | २ आंख.  |

600-12—Mr. Malet, agent of the English colony of Calcutta.

249-8—Nurdi Husenkhan, in the service of the English of Calcutta.

1,036-12—Artillery.

1,960—Bajrao.

1,820—Chimpaji Appa.

1,263—Anurao.

340—Satyabhamabai

396-8—Six dancing girls (by name)

|                                                                                                                                                                                                                              |        |        |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|--------|
| ६३ उमेदा सनगें एकूण.                                                                                                                                                                                                         |        | २ आंख. |
| ३९६॥                                                                                                                                                                                                                         |        | १२     |
| ९७७९॥                                                                                                                                                                                                                        | २८॥    |        |
| १०॥ बासनास सनगें एकूण.                                                                                                                                                                                                       |        | आंख.   |
| ५७९०                                                                                                                                                                                                                         | २९॥    |        |
| ८३६ सौभाग्यवती भागिर्थाबाई पुण्यांत आहेत त्यांस, तर्फे<br>केदारजी येवला खिजमतगार सनगें एकूण. २ आंख.                                                                                                                          |        |        |
| ६६२६                                                                                                                                                                                                                         | ३१॥    |        |
| सनगें.                                                                                                                                                                                                                       |        | गज.    |
| २२०१४४१-                                                                                                                                                                                                                     | २६४३८- | १०११   |
| ११५३—रोजकीर्द राजमंडळ स्वारी राजश्री पंतप्रधान सुरसन खमस तिसैन मया व<br>अलफ छ. २३ जमादिलाखर यांत विजयादशमीचे पोशाख सनगें खर्च आहेत तीं.—<br>( अनुक्रमनंबर ११५२ चे लेखांकाचा हा कच्चा तपशील आहे. दोन्ही लेखांक एकच<br>आहेत. ) |        |        |
| ३१२६७॥ दिमत हुजुरांत सनगें एकूण.                                                                                                                                                                                             |        | आंख.   |
| ९७६२ श्रीमंत महाराज राजश्री छत्रपती स्वामी.                                                                                                                                                                                  |        |        |
| ३२२४ मातोश्री आईसाहेब.                                                                                                                                                                                                       |        |        |
| १२३२८॥ सौभाग्यवती बाईसाहेब.                                                                                                                                                                                                  |        |        |
| ६९७२॥ वाडा पहिला.                                                                                                                                                                                                            |        |        |
| ५३५६ वाडा दुसरा.                                                                                                                                                                                                             |        |        |
| १२३२८॥                                                                                                                                                                                                                       |        |        |
| ५०९ महाराजांचे पुत्र, वय वर्षे १॥.                                                                                                                                                                                           |        |        |
| १२९३॥ कन्या महाराजाच्या.                                                                                                                                                                                                     |        |        |
| ५६९॥ थोरलीस.                                                                                                                                                                                                                 |        |        |
| ५९१॥ दुसरीस.                                                                                                                                                                                                                 |        |        |

१३२ तिसरीस.

१२९३।

२३९। सौभाग्यवती जिजाबाई, संतूबाई महाडीक यांची सून.

२७॥ बासनास सनगें.

४०५॥ नारायण दीक्षित ठकार.

२०९ खासा. १९६ यज्ञेश्वर दीक्षित.

॥ बासनास.

२५२॥ निळकंठ बाबुराव आमात्य.

१०२। रामचंद्र रघुनाथ पंडितराव.

३०३॥ भास्करराव त्रिवक मंत्री.

३०४ जयवंतराव रघुनाथ मंत्री.

८५२ परशराम श्रीनिवास प्रतिनिधी.

२७९॥ अंताजी वासुदेव मुतालीक, २७५॥ बासनास कापड, ४

१५१॥ आनंदराव कृष्ण बापट.

६०३॥ शंकरराव रघुनाथ सचिव.

४४८ खासा. १५३ राघो व्यंकटेश फडणीस.

२॥ बासनास.

४५०॥

१५३

१५१। भवानीशंकर दैवतराव राजाज्ञा.

२२५॥ जीवनराव विठ्ठल सुमंत.

२५२॥ महारराव राम चिटणीस.

३१२६७॥

३४०३३। पागानिहाय.

२०५ केसो महादेव.

२०८ पर्वतराव भापकर.

१२३। यादो शामराज.

१४५॥ मोरो विश्वनाथ.

३४७ राजजी फडतरे.

१४५॥ विश्वासराव चिंतामण.

४००॥ मुर्तजा माहात.

१२३ माणकोजी गावडे.

७५ सुभानराव गावडे.

२००। सखाजी काटे.

२४१ येशवंतराव देवकोत.

१४८॥ सग्याबा निंबाळकर.

१४७॥ गंगाधर गणेश.

२४९। लक्ष्मणसिंग.

१५१॥ बाबुराव अनंत.

१२७। गंगाधर गोविंद.

२०० बळवंतराव नागनाथ वामोरीकर.

१००॥ आनंदराव आईतोलें.

१०१॥ जानराव आईतोलें.

१०० रामचंद्र आईतोलें.

२००॥ गमार्जी निंबाळकर.

१४६॥ विरोजी देवकोत.

१५१। तुकोजी आनंदराव.

१५९. चिमार्जी जगताप.

२०२ भोंडो बळाळ गोखले.

७९. नागोजी वलये.

७७ देवीसिंग.

९८॥ हिरोजी शेळके.

९६ येशवंतराव येगील.

७३॥ राघो बळाळ.

७७ रामराव भगवंत

२४३॥ दि॥ सखाराम रामचंद्र, रामराव रघुनाथ यांचे पुत्र.

९८॥ खासा.

७२ खंडोजी पवार.

७३ येशवंतराव शिंदे.

१७१॥

७२

२४३॥



- ७५॥ गोविंदराव कोकरे.  
 ९६॥ भुजंगराव सावंत.  
 ७५॥ आनंदराव घोरपडे.  
 ७५॥ म्हसाजी शेडगे.  
 ७४॥ गंगाजी येगील.  
 ७४॥ भगवंतराव कृष्ण.  
 ७४॥ केदारजी झांबर.  
 ७६॥ बहिरजी सलगर.  
 ७६॥ राणोजी रणनवरे.  
 ७६। भिवजी काळे.  
 १०१॥ बहिरजी शितोळे.  
 ७५। मल्हारजी लवटे.  
 ७६॥ आबाजी लवटे.  
 ७५॥ धुळाजी शेडगे.  
 १०२॥ काशीराव कोकरे.  
 १०२॥ जानराव खराडे.  
 १०४ मानाजी जगदळे.  
 १४८। विसाजी गणेश वागमारे.  
 ३५०॥ निळकंठराव रामचंद्र.  
 २०३ अमृतराव गावडे.  
 २००॥ भुजंगराव गावडे.  
 २०० साबाजी निंबाळकर.  
 १०८ गोविंदराव सदाशिव.  
 १४७॥ जगन्नाथ रघुनाथ.  
 १५१॥ गोपाळराव बापूती.  
 १००॥ राजाराम रघुनाथ.  
 २९५। हैबतसिंग.  
 २९२ कृष्णसिंग.  
 १५३॥ कान्हाजी खडक.  
 २९५। महिपतराव भवानी.  
 ९८॥ खंडेराव बल्लाळ.  
 ९९। आपाजी मल्हार, दिमत रामचंद्र शिवाजी.

- २९६। गणपतराव विष्णु.  
 १४९॥। मानसिंगराव जगताप.  
 १४९. परशुराम महादेव कुंटे.  
 १९६। बळवंतराव मुंदे.  
 १४९। भिकाजी जनार्दन.  
 २०३. रामचंद्र इच्छाराम.  
 ३६१॥ लक्ष्मण गंगाधर.  
 १९६. मैराळजी पायगुडे.  
 १९८॥ भास्कर जगन्नाथ.  
 २५२. सिद्धेश्वर महिपतराव.  
 ३९४॥। दादू माहात.  
 १९९. गिरजाजी बर्गे.  
 १००॥ बापूजी बल्लाळ भावे.  
 १०१. सुभानजी चाबुकस्वार.  
 १०२. गोदाजी चाबुकस्वार.  
 ३०३. जयसिंगराव निकम सरनोवत.  
 १०२. चिमाजी पवार.  
 १०२. सखाराम चाबुकस्वार.  
 १२४। मिरजा कासब बेग सांडणी.  
 ४८॥. मिया वल्लद मारणीक मातदार.  
 ११२९७॥। दिमत दौलतराव शिंदे.  
 ४१२८ खासा.  
 १८२३॥. मातोश्रीस.  
 ४२४॥. बहिण.  
 ४५१॥. स्त्री सौ.  
 ४२५॥. आबाजी रघुनाथ चिटणीस.  
 ४०१. सदाशिव मल्हार.  
 २५२. बाळाजी लक्ष्मण.  
 ३९२. बाळाजी अनंत.  
 २४८. सदाशिव बापूजी.  
 २४९. नारायणराव जिवाजी.  
 २५१। मोरो बल्लाळ.

- ३००॥ कृष्णाजी रघुनाथ.  
 २४८॥ हरि अबाजी चिटणीस.  
 १५०॥ माधवराव बाजी.  
 ३०२॥ रामजी पाटील.  
 ३००॥ रायाजी पाटील.  
 ३०० कल्याणराव कवडे.  
 ३०१ लाडोजी शितोळे.  
 २४९॥ हसनभाई.  
 ९८॥ सखाराम.

११२९७॥

- ३७२॥ भीरा महात.  
 १०१ घोडीं निसबत निळकंठराव जगताप.  
 १५०॥ घोडीं निसबत येशवंतराव त्रिवर.  
 १४८॥ हैबतराव पलाडे.  
 १९७॥ विठ्ठलराव मल्हार, धोंडो मल्हार यांचे बंधु.  
 २९९॥ बाजीराव गोविंद बर्वे.  
 ७७ घोडीं निसबत मलोजी पवार.  
 २०१५ दिमत अली वहादर.  
 ८११ ममशेरवहादर.  
 ७०४ मातोशीस.  
 ४०० दोबो स्त्रियांस.  
 १०० कन्या.

२०१५

- ३४७॥ आबाजी गणेश.  
 १५२ सासा.  
 १९५॥ महादजी अनंत.  
 १॥ बासनास.

३४७॥

- १७० बहिरजी मुळे.

३४०॥ दिमत आनंदराव बाबर.

१९५ खासा.

१४५॥ जैतोजी बंबर.

१. बासनांस.

१९५॥

१४५॥

३४०॥

१४९ विठ्ठलराव निकम.

१५१ माधवराव भोईटे.

१४८ राजजी दिघे.

१४९॥ गणेश हरि, येसाजी हरि यांचे बंधु.

१२३४॥ निसबत चिंतामणराव पांडुरंग.

५९९ खासा.

१४७॥ गणेश बाजीराव.

२३९॥ जनार्दन अनंत.

१५० नारायण भिकाजी.

९८॥ मोघम पागा.

१२३४॥

१०८९॥ दिमत परशराम रामचंद्र.

७८७॥ खासा.

३०२ हरि परशराम, पुत्र.

१०८९॥

५२० पांडुरंग कृष्ण गोडबोले.

१०० सटवोजी मांजरे.

१५० बळवंत सुभराव.

१९७॥ बळवंतराव नागनाथ कुगांवकर.

१५० अवधूतराव येशवंत.

१५४ हैबतराव शंकर.

७६० येशवंतराव तापकीर.

७९७०३॥ शिलेदार सनगें.

आंख.

५०४॥ दिंमत शिवराव पवार.

२५२॥ खासा.

२५१॥ धिरोजी पवार.

॥. बासनास.

५०४॥

२५० शेखमिरा बाईकर.

११०४॥ दिंमत पांडुरंग बाबूराव जोशी.

५०२ खासा.

३२० मातोश्री कमळजा बाई.

२७९ स्त्री सौ.

३॥ बासनांस.

११०४॥

७८९॥ तुक्कोजी पवार.

४०२ खासा.

२६२॥ मातोश्री गंगाबाई.

१२५ बाजी खंडेराव कारकून.

७८९॥

७४॥ संताजी यादव.

१२५॥ तुळसाजी पवार.

१०३ बळवंतराव चोपडे.

७७॥ नरसिंगराव रणदिवे, शंकराजी रणदिवे यांचे बंधु.

३०३ निळकंठ आबूराव जोशी.

३६०॥ मातुश्री लक्ष्मीबाई, बाबूराव सदाशिव जोशी यांची स्त्री.

८३०॥ दिंमत सदाशिव पवार.

४०७ खासा.

२९५॥ हैबतराव पवार.

१२८ रामकृष्ण विश्वनाथ, रावजी गंगाधर यांचे पुतणे.

८३०॥

१६१॥ दिमत शेठ्याजी पवार.

१०१। खासा.

६०। खंडोजी नलवडे.

४४३॥ दिमत सुभानराव नाइक निंबाळकर.

२९४॥ खासा.

४८॥ जिवाजी गोविंद कारकून.

१००॥ बापूजी शंकर कारकून.

---

४४३॥

४५५। कोकर मंडळी.

५१ वीवजी कोकर.

५०॥ गंगाजी पर्वतराव.

५० संताजी कोकर.

५०॥ कनकोजी कोकर.

५०॥ रामराव बिन सोनजी कोकर.

५०॥ मानाजी देवकोत.

५१ बाबाजी कोकरे.

५० म्हाळाजी भिसे.

५१ कृष्णाजी भिसे.

---

४५५।

३५१॥ दिमत मानसिंग नाइक.

३०३। खासा.

४८॥ निंबाजी गोविंद कारकून.

---

३५१॥

२७५६ दिमत खंडेराव बिठ्ठल.

७९९. खासा.

१७५५ नरसी खंडेराव पुत्र यास.

२०२ चिमणाजी खंडेराव.

---

२७५६

१७४ जगताप पणदरेकर.

९७॥ अभिमन्युराव जगताप.

७६॥ देवजी जगताप.

१७४

३४२॥ दिमत खंडेराव जाधव भुईजकर.

२४४ खासा.

९८॥ सदाशिव भालचंद्र कारकून.

३४२॥

२३९८ निसबत कृष्णराव बळवंत.

१२९६ खासा.

१०० नारो भिकाजी.

७५ काशिनाथ लक्ष्मण.

७५ विठ्ठल माणकेश्वर.

७३ रामचंद्र माणकेश्वर.

९८॥ हणमंतराव जाधव.

१२५॥ हैबतराव जाधव.

७६॥ मावजी जगताप.

७३॥ तायाजी सोळसकर.

७५॥ संभाजी धोलप.

१००॥ काशीबा धोलप.

१०१॥ लक्ष्मण भगवंत.

७६॥ पिराजी जगताप.

५२॥ शिवाजी गावडे.

२३९८

५१९॥ शिराळकर मंडळी.

७२॥ मल्हारराव.

७५॥ गोविंदराव शिराळकर.

४९॥ राजाराम लक्ष्मण.

५२॥ माणको व्यंकटेश.

५०॥ चिमणाजी बाबूराव.

५२॥ गंजबाजी यादव.

५०॥ मिताजी मदले.

४९॥ सठवाजी यादव.

७६॥ त्रिंबक महादेव शिराळकर.

५२९॥

४४८॥ जाधव मीरवाडीकर.

१००॥ आनंदराव जाधव.

९९ रायाजी जाधव.

९९ जोत्याजी जाधव.

१५० जाधव मीरवाडीकर मोघम.

४४८॥

२०१ लुकमाजी यादव.

२९४॥ येशवंतराव यादव.

२००॥ महिपतराव थोरात.

५० गोविंदराव साळोखे.

१५१॥ आपाजी बर्गे.

१००॥ बाळाराम बेणीदास.

१०१॥ दुर्गोजी शिंदे.

१०० राजजी लभे.

७५॥ फतेखान जुन्नरकर.

१००॥ कृष्णाजी जाधव.

२५२ दिंमत रघुनाथ घाटगे.

२०१ खासा.

५१ आनंदराव जनार्दन कारकून.

२५२

१४४॥ परकाळे मंडळी.

७१॥ नरसिंगराव कृष्ण वाडदेकर.

७३ रत्नमाजी परकाळे.

१४४॥

२९५ गुत्तीकर.

१४८ रामराव नरसी.



१४७ नरसिंगराव आहोबळ यांस.

---

२९५

६९७॥ जाधव बाघोलीकर.

१९८॥ मळोजी जाधवराव.

२४९॥ जोत्याजी जाधवराव.

२४९॥ संभाजी जाधवराव.

---

६९७॥

१०० भगवंतराव धुमाळ.

१००॥ नाइकजी धुमाळ.

११२६ रंगराव त्रिंबक राजेबहादूर.

३९८ खासा.

२२० चिराजरी निशाणास.

२५४। गोपाळराव त्रिंबक, बंधु.

२५३॥ माधवराव त्रिंबक, बंधु.

---

११२६

१७६॥ बढे मंडळी.

१०१ माणकोजी बढे.

७५॥ भगवंतराव बढे.

---

१७६॥

२७५ लेले मंडळी.

९९॥ बाबूराव अनंत.

१००॥ गणपतराव राम.

७५ नरसिंगराव शंकर.

---

२७५

१९९॥ शितोळे न्हावीकर.

१५० बनाजी शितोळे.

४९॥ मंबाजी शितोळे.

---

१९९॥

२५१। तुकोजी रविराव.

१०१ खासा.

७५ सखाराम रविराव, जानराव यांचे पुत्र.

७५। मानाजी रविराव.

२५१।

५४७॥) बारावकर मंडळी.

७४॥) महिपतराव.

७४॥) सर्जेराव.

१०० हणमंतराव.

७५। दौलतराव.

७२॥ आनंदराव.

७५। खंडेराव.

७५। विठ्ठलराव बारवकर, संताजी बारवकर यांचे पुत्र.

५४७॥)

५६२। शितोळे कुसेगांवकर.

१५०। हैषतराव शितोळे.

७५। अनसोजी शितोळे.

७५। अमृतराव शितोळे.

१००॥ दादजी शितोळे.

५० रघुनाथ शितोळे.

५१। गोविंदराव शितोळे.

६० यमाजी शितोळे.

५६२।

२९७ भीरखान टोके.

१४९ रणमस्तखान.

१४८ दावेदारखान.

२९७

३०३५। कारकून शिलेदार वाळ्वांतीळ.

५०॥) गणेश सदाशिव.

- १२५ रामचंद्र अनंत आवळसकर.  
 १५० सखो विश्वनाथ साने.  
 ७६ भिकाजी महादेव जोशी.  
 ५१ नारो कान्हो ठोसर.  
 २०३ मोरो विश्वनाथ भाट्ये.  
 ५२ सदाशिव गणेश फाटक.  
 १०० कृष्णाजी नारायण लिमये.  
 ७५ वामनाजी बल्लाळ दामले.  
 १०० विसाजी लक्ष्मण आपटे.  
 १०० भास्कर काशी जोशी.  
 १०० महादाजी धोंडदेव साठे.  
 ५० बाळाजी कृष्ण बेहरे.  
 १०० भिकाजी कृष्ण आगाशे.  
 ५२ रामचंद्र विश्वनाथ गोसले.  
 ५२ शिवराम सदाशिव परांजपे.  
 ९८ दिनकर बल्लाळ मढभडे.  
 ३०० आबाजी बल्लाळ ठोसर.  
 १०४ गोविंद हरी बर्वे.  
 ६२० विठ्ठलराम, निसबत वाकनीस.  
 ७५॥ बाळाजी अनंत केळकर.  
 १२५ विसाजी राम बर्वे.  
 ७५ बाजी बल्लाळ बेहरे.  
 २०१ रामचंद्र नारायण गोरे.

३०३५॥

१५३॥ शितोळे अबसरीकर.

७६ बाबाजी शितोळे.

७७॥ लाडाजी शितोळे.

१५३॥

४९॥ बहिणाजी हेका.

५८९॥ निगडे मंडळी.

९१॥ खंडेराव निगडे.

९७॥ येशवंतराव निगडे.

९८॥ आनंदराव निगडे.

९५ परशराम महादेव कारकून.

२००॥ निगडे मंडळी मोघम.

---

५८२॥

१२८ हैबतराव गावडे.

३०२ राघोजीराव निंबाळकर.

१५८५॥ घोरपडे मंडळी.

७६॥ फत्तेसिंग घोरपडे.

९७॥ विठोजी घोरपडे.

१०२॥ शाहाजी घोरपडे.

१४६॥ बाळाजी घोरपडे.

७६॥ जोत्याजी घोरपडे.

७५॥ जनकोजी घोरपडे.

१०११ निसवत मालोजी घोरपडे.

६६६॥ खासा.

३४४॥ नारायणराव घोरपडे.

---

१०११

---

१५८५॥

२९७॥ येळकर मंडळी.

९८॥ कुसाजी येळकर.

९८॥ निळकंठराव.

१००॥ खराजी येळकर.

---

२९७॥

१७२९ दरेकर मंडळी.

८२७॥ हणमंतराव दरेकर.

३०४ जयसिंगराव.

३०१॥ सुभानराव.

२९६ रामराव दरेकर.

---

१७२९.

५०० दोगे मंडळी मोघम.

२७६ निसवत पुरंधर.

१०१ निळकंठ बळवंत, कृष्णराव हरी यांचे पुतणे.

१७५ गोविंद आनंदराव मुपेकर.

२७६

१०५। मुपेकर.

९७॥ भगवत खंडेराव

९७॥ आनंदराव गिरराव.

१०५।

११२ भोंमले गंजणीकर.

१००। नरगिराव भोंसले.

५१॥ जेत्याजी भोंसले.

१९२

३४४॥ मोहिते सनगे.

१०५। हंबीरराव.

१४९॥ अवधूतराव.

३४४॥

२५०॥ विश्वासराव लक्ष्मण

२५४ आपाजी मोरे.

२०२ त्रिवकजी भोंसले

१५०॥ भाईदास विमल गुमाननिंग राजे मांडवीकर.

२००. संभाजी राऊत.

१२३। बहिरराव जगताप.

२९४ जानराव नाइक निंबाळकर.

०६॥ दावलजी शितोळे

६००। वाजीराव पाटणकर.

२०३। तीर्थोजी जाधव, कुंभारगांवकर.

१२५॥ येशवंतराव निकम.

०८ रजबखान.

- १२६ संताजी मोहिते.  
 ३०० आनंदराव नाइक निंबाळकर.  
 १९५॥ गुलजारखान ठोके.  
 २७३॥ भगवंतसिंग बैस.  
 १४७॥ गणोजी शिर्के.  
 १५० नरसिंगराव गोविंद.  
 ९७॥ बाबूराव दाभाडे.  
 २४०. जनाजी घाटगे.  
 १०१॥ अमरसिंग रजपूत.  
 ३०३॥ जयरामराव पाटणकर.  
 १०१॥ रघुनाथ थोरात.  
 ५२ विठ्ठलराव भगे, चिंचोलीकर.  
 ४०३ अमरसिंग जाधवराव.  
 १५१॥ सिंदराम शिंदे.  
 १५२ मुकुंदराव पाटणकर.  
 ३०४॥ महिपतराव घोरपडे.  
 ३०३॥ बाळकृष्णराजे भोंसले.  
 २५३ शिवाजीराजे भोंसले.  
 २९९॥ भगवंतराव कदम.  
 ३०१॥ धारराव कदम.  
 १४५॥ मनाजी भापकर.  
 १७५ जानाजी ढमढेरे.  
 ६५०॥ मानाजी शिंदे.  
 १५२ निळकंठराव मोहिते.  
 ३९७ आबाजी बाजी घाटगे.  
 १४९॥ दत्तात्रय विठ्ठल रास्ते.  
 २४४ राघोजीराव पाटणकर.  
 ३००॥ रघुनाथराव मोहिते.  
 २९५॥ नारायणराव पाटणकर.  
 ९८॥ अमृतराव पासलकर.  
 २४५॥ आबाजी जाधव, अलशिवकर.  
 १४८ शिंदोजी घोरपडे.

- १०२ हकीमखान ठोके.  
 १९७॥ माधवराव भापकर.  
 ३०४॥ आणगोजी नाइक निंबाळकर  
 ९६॥ बिंबाजी कामथे.  
 ३०५॥ काशीराव रास्त.  
 ५५०॥ हिरोजीराव पाटणकर.  
 ७५ आनंदराव मान्ये.  
 १९९ शाहामीरखान रोहिले.  
 १४८ दिनकर मल्हार कानिटकर.  
 १९८॥ जनकोजी माहाडीक.  
 ५५१ दारकाजीराव पाटणकर.  
 ३२७ कृष्णाजी नारायण जोशी.  
 १९२॥ लक्ष्मण नागनाथ.  
 २०१ श्रीनिवास नारायण कानिटकर.  
 १९९ गोविंदराव येशवंत कानिटकर.  
 १०१ येशवंतराव बारावकर.  
 ४९८ रामचंद्रराव घोरपडे.  
 १५२ शेख शिराजुद्दीन.  
 १५३॥ गोपाळ धोंडदेव जळगावकर.  
 १५२॥ बाबुराव हरी.  
 १४९॥ व्यासराव अनंत, अंतर्जा माणकेश्वर यांचे पुत्र.  
 २००॥ नाइकर्जा राजे भोंसले.  
 १५० देवजी शिर्के.  
 १२६॥ नरसा तुकदेव.  
 १५३ मानाजी सलगर.  
 १००१ माणिकराव धायगुडे.  
 १००॥ बहिरो मुकुंद.  
 १५०१ दावलजी निंबाळकर.  
 २७॥ बहिरजी बोधे.  
 १० आनंदराव बेगें.  
 ५२॥ घनःशाम थारात.  
 १४९ बलवंतराव कदम.

- १५१ केसो कृष्ण दातार.  
 ३९९ साबाजी नाहक निंबाळकर.  
 २०३ अमृतराव भोंसले.  
 ५०॥ हरजी ढभढेरे.  
 ९७ येशवंतराव भिकाजी सुळ.  
 १०२॥ माधवराव मुळे.  
 ५० मिताजी सरकस.  
 ९७ वैजोजी जगताप.  
 १०१॥ पिलाजी ताकपीर.  
 १००॥ तानाजी तापकीर.  
 ७६॥ आनंदराव जगताप, मोरगांवकर.  
 १५२ राघो विश्वनाथ गोडबोले.  
 ४८॥ हंबतराव मोहिते.  
 १०१ हंबतराव खताल.  
 ७३॥ खंडेराव गौळी.  
 ७८॥ पिलाजी कदम, गिरवीकर.  
 ७७ गोविंदराव मोरे.  
 ९५॥ शहाजी खलाटे.  
 ९७॥ संताजी रणदिवे.  
 ७३॥ मकाजी काकडे.  
 ७६॥ आनंदराव निकम.  
 २९४॥ चंदरराव पवार.  
 २९८॥ मल्हारराव पवार.  
 ४०३ खंडेराव त्रिंबकराव वाडेकर.  
 ७६॥ बाजी जगताप.  
 १०२ माणकोजी साठे.  
 ९८॥ महमद सुलतान मावळे, जुन्नरकर.  
 १०१॥ गमचंद्र गाईकवाड.  
 ४८ सयाजी वेगे.  
 १९७॥ मेघशामराव नागनाथ.  
 १००॥ विठ्ठलराव नागनाथ.  
 ७५॥ गोपाळसिंग गौतम.



- ९९ रघुनाथ जाधव.  
 २४५॥ नरसिंगराव शिंदे.  
 २५०॥ सटवाजी शितोळे.  
 ९५। येशवंतराव बारावकर.  
 १४६। दाजी भोइटे.  
 ७४। जानराव घाटगे.  
 २४४। भिवराव जाधव.  
 ७५ मल्हारराव निगडे.  
 १९९। येशवंतराव शिंदे.  
 २०१। हटेसिंग हौस.  
 २५१ गोविंदराव काकडे.  
 १००॥ हणमंतराव घोरपडे.  
 १००॥ हैबतराव लेभे.  
 १२९. अमृतराव काकडे.  
 ७६॥ सुभानराव माने.  
 १५०॥ राघोजी कदम.  
 १००॥ सदाशिव जाधव.  
 ७५। हैबतराव जाधव.  
 ७५॥ अमोनी चव्हाण.  
 १०३॥ रघुनाथराव शिंदे.  
 १०१॥ वेंकटराव चव्हाण.  
 ७५। आनंदराव शिंदे.  
 १०१ सटवाजी घोरपडे.  
 ७५॥ भिवराव ताळे.  
 ९८। महमदअली कटपेकर.  
 १०० सैद हैदर.  
 १०२॥ मिर्जा मोगलबंग.  
 १०१ गंगाजी वाघर.  
 १००॥ आनंदराव सखाराम.  
 १०१। दौलतराव सोनवंशी.  
 १०१। मल्हारराव सोमवंशी.  
 ७४। ग्वान महमद नगरकर.

- ९९॥ येशवंतराव मसाले.  
 ९८॥ सुभानराव निंबाळकर.  
 ७५॥ गंगाजी नलगे.  
 ७३॥ मुलतानजी निंबाळकर.  
 १०१ दारकोजी निंबाळकर.  
 ७४॥ वैकटराव थोरात.  
 १०४ महिपतराव मालसकिरे.  
 १००॥ बहिरजी नलगे.  
 ९९ सदाशिव येशवंत खंडाळकर.  
 ५९॥ पर्वतराव मान्ये.  
 ७४॥ कादरदादखान, निसबत फाजल आलिबेग.  
 ९८॥ कृष्णाजी ताटे.  
 ७४॥ धोंडजी शिंदे.  
 ७६॥ लक्ष्मणराव येशवंत.  
 ९५॥ हणमंतराव निंबाळकर.  
 १२५ रस्तुमराव जाधव, सिंदखेडकर.  
 ७५ खंडेराव गाडे.  
 १०१ बाळाजी विष्णु सहस्रबुद्धे.  
 १५२ चित्तो रामचंद्र लिमये.  
 ७६॥ सर्जेराव खलाटे.  
 ७५ गोविंदराव सूर्यवंशी.  
 ९६ नारायणराव गोविंद.  
 ७३॥ कृष्णराव जाधव, शिंदखेडकर.  
 ९६॥ होनाजी चवाण, आटपाडीकर.  
 ९८ मुरारराव चवाण.  
 ३०८ गणपतराव कान्हेरे, कुरुंदवाडकर.  
 ६९५॥ दिमत रघुनाथराव निळकंठ.  
 ५९७ खासा.  
 ९८॥ विसाजी नारायण वाडदेकर.

---

 ६९५॥

१४८॥ विठ्ठलराव पुरुषोत्तम मंगळवेदेकर.

- १५०॥ विष्णु लक्ष्मण मंगळवेढेकर.  
 १५१॥ मोरो श्रीपत, श्रीपतराव मोरेश्वर यांचे पुत्र.  
 ३००। माधवराव गंगाधर, गंगाधर गोविंद यांचे पुत्र.  
 २०० काशीराव खंडागळे.  
 ७५ विठ्ठजी भालेराव.  
 ७४॥ दाजी रामचंद्र.  
 १५२ खंडेराव दौलत.  
 ७३॥ सामाजी गायकवाड.  
 ७२। मुभानराव शेळके.  
 १४९. बळवंतगव आंबीकर.  
 ०९॥ खंडेराव रणसिंग.  
 १०१। विष्णु धोंडदेव गुण्ये.  
 २५० विठ्ठल धोंडदेव.  
 १७७॥ दुर्गाजी शिंदे.  
 १००॥ जोत्याजी फडतरे.  
 १२४ बहिरजी शिरके.  
 ४१८। विठोजी चव्हाण हिंमतबहादर.

२९७॥ खासा.

१२०॥ जानराव चव्हाण, पुत्र.

४१८।

४५६॥ दौलतराव धारगे. किनुकर.

२०३॥ खासा.

१२७ विश्वासराव धारगे.

१२६ पिराजी धारगे.

४१६॥

१२६ येशवंतराव परळीकर.

१४५। रामजी भोईटे, आरडगांवकर.

१७१ पिराजी सर्जेराव घाटगे. कागलकर.

२९४॥ निळकंठराव शिंदे. मनोळीकर.

८५७ थोरात गोठखडीकर.

- २०५॥ कृष्णाजी थोरात.  
 २०० परशराम थोरात.  
 १५१॥ खंडेराव थोरात.  
 ७५ केदारराव थोरात.  
 १२४॥ पुरारराव थोरात.  
 १००॥ बापूजी थोरात.

---

८५७

६०१ पाटणकर.

- २०० बहिरराव पाटणकर.  
 २०० जोत्याजीराव पाटणकर.  
 २०१ मानसिंगराव पाटणकर.

---

६०१

- १०० व्यंकटराव भापकर.  
 २०२ येशवंतराव बिन कृष्णाजी थोरात.  
 २०२ बहिरराव भापकर.  
 २७८॥ जबरखान सावनूरकर.  
 ९७॥ हरबाजी नरसी धायगुडे.  
 ५९२॥ निंबाळकर आकळुंजकर.  
 २०१॥ गिरजोजी नाइक.  
 ३०१ मालोजी नाइक.

---

५९२॥

- ७५॥ हणमंतराव मोरे कापळेकर.  
 १२२ वेंकटराव चव्हाण, विठोजी चव्हाण हिंमतबहादर  
 यांचे पुत्र.  
 ९०४॥ दौलतराव हिंदुराव घोरपडे.  
 ६०४ खासा.  
 ३००॥ संभाजी, हिंदुराव पुत्र.

---

९०४॥

२९५॥ शिंदोजी हिंदुराव, दौलतराव यांचे पुतणे.

४०३ घोरपडे कापशीकर.

२०१ मानसिंगराव.

२०२ जीवनराव.

४०३

३३०॥ जीवनराव निंबाळकर.

२४४॥ त्रिंबकराव गंगाधर रेटरेकर.

१४८ रामचंद्र माधव, माधवराव गंगाधर रेटरेकर यांचे पुत्र.

९९॥ हैबतराव गावडे.

४८॥ बाबूराव बर्गे.

५०॥ वहिणाजी झरेकर.

२४२॥ रुस्तुमराव पांडरे शरफजमुलुक, दिमन फत्तेसिंग भोंसले

३५१ गणपतराव आनंदराव मेहंदळे.

१२४॥ त्रिंबकराव वांडे.

१४५ येशवतराव वांडे.

३०५ जोगोजी घाटगे.

२४४॥ शंभूगिंग जाधवराव.

९४॥ साबाजी जानकर.

१२३ महमदसाहेब मुद्दीन.

३०२ महादजी शितोळे मांजरीकर.

७३॥ सज्येराव जगताप.

७५ जानरान जगताप.

७३॥ हैबतराव माजप.

९८॥ त्रिंबकराव ढगे.

७६ उदाजी भोंसले.

७४ निनाजी जगताप.

१५१ मानसिंग मान्ये, म्हमवडकर.

९८॥ गोपाळ शिवराव कडेकर

७८ विठोजी खळदकर.

९९ भंताजी साळोखे.

५० नरसिंगराव ताळो.

- ७४॥ रामचंद्र गोपाळ.  
 ७५। दर्याजी काळे कोल्हारकर.  
 ४८॥ सुभानराव सुल, मलोजी सुल यांचे पुत्र.  
 ९६ चंदरराव रणसिंग.  
 ५१॥ कृष्णाजी हरफळे, चिमाजी हरफळे यांचे पुत्र.  
 ७३॥ जानराव लांबखेडे.  
 ७५। माधवराव काळे, घोडेगांवकर.  
 १००। संताजी ताटे.  
 ७५ येसाजी बाबूराव.  
 १५१ मिर्जा मानुषबेग.  
 ७४॥ आत्माजीराव सर्वे.  
 ७६॥ बगाजी चिंतामण बेहरे.  
 २५५ चवाण निंबगांवकर.  
 ५१॥ लक्ष्मणराव चवाण, माधवराव यांचे पुत्र.  
 १०२। कृष्णाजी चवाण, रघुनाथ चवाण यांचे पुत्र.  
 १०१ आबाजी चवाण.

---

 २५५

- ९९ संताजी बीन सखोजी निंबाळकर.  
 १५१। परशराम घाटगे.  
 ७५ नारायणराव सावंत, दानवाडकर.  
 १०१॥ अनसाजी रणदिवे.  
 ७६॥ आनंदराव नारायण उखाडेकर.  
 १०१। मुकुंदराव चवाण.  
 १०१॥ आपाजी चवाण.  
 ९९ आबाजी जाधव वाडीकर.  
 ७९ रामचंद्र विश्वनाथ, विसाजी बल्लाळ कारकून निसबत वाडीकर यांचे पुत्र.  
 ७५ चापाजी गाईकवाड.  
 ४७॥ अमृतराव कदम.  
 ७५ भिवाजी काळे.  
 ७७ मानाजी काळे.

- १०१॥ शिंदोजी बाबर.  
 ७३ जीवन्नाथ नरसी चिकोडीकर.  
 १०३॥ खत्रोजी बाग, विरजी बाग यांचे पुत्र.  
 ९४ बाळाजी नाइक सायना.  
 ७७ हैबतराव झरेकर.  
 ७४॥ गोपाळराव रामचंद्र घोरपडे.  
 ७३॥ महिपतराव चव्हाण.  
 ७५॥ जनार्दन गोविंद कारकून शिलेदार.  
 १०२॥ वेंकटराव काळे.  
 ९६ सटवाजी धायभर.  
 १५०॥ बाळाजी काशी कात्रे.  
 २९६॥ माधवराव रामचंद्र.  
 ७३॥ सुभानजी रायनादे.  
 ७८ रामराव गोपाळ.  
 १०० खंडेराव निळकंठ रास्ते.  
 २९८ रघुनाथराव निळकंठ, धोंडो दत्तात्रय यांचे नातू.  
 १९८॥ सखाजी शिकें.  
 १०१॥ विठोजी सुर्वे.  
 १०२ तुकाजी कदम, नागोजी कदम यांचे पुत्र.  
 ६९८॥ गंगाधरराव भिकाजी रास्ते, दिंमत आनंदाराव  
 भिकाजी रास्ते.

३९५॥ खासा

३०३ व्यंकटराव गंगाधर, पुत्र.

६९८॥

- ९५॥ कृष्णाजी अनंत कारकून, दिंमत आनंदाराव भिकाजी रास्ते.  
 ९८॥ लक्ष्मणराव डफळे.  
 ७५ कृष्णराव पाटणकर.  
 ७२ नागोजी इंदलकर.  
 ७७॥ बळवंतराव होगळे, बाजीराव होगळे यांचे पुत्र.  
 १४९॥ लक्ष्मणराव ढमढेरे.  
 ७१॥ त्रिंबकराव सानप.

- १२५ जगन्नाथ लक्ष्मण मेहंदळे.  
 १००॥ त्रिंबक सोनदेव.  
 ५०० गेये, लवये, जलगे वगैरे गायकवाड मंडळी.  
 ७८ बाघोजी शिर्के.  
 १००॥ लक्ष्मण गिधड, गिधडमंडळी.  
 १५० मोठे मदने पंचभाई.  
 १५२ मिर्जा अस्कर अलबेग.  
 ६० जानराव होगले.  
 ५०१ निंबाजी भोइटे.  
 ५०१ नरसिंगराव भोइटे.  
 ६० हणमंतराव अदमणे.  
 ६११ पुरुषोत्तमराव सदाशिव.  
 १९४१ बळवंतराव काशी, काशी बल्लाळ यांचे पुत्र.  
 १९१ विष्णु रघुनाथ पानसी.  
 ५९॥॥ मेघशाम आनंदराव परीचकर.  
 १०० गणपतराव बर्गे.  
 १५० मनोहर भगवंत.  
 ७६॥॥ कृष्णाजी जनार्दन, जानो बाबूराव यांचे पुत्र.  
 ७५ मालजी पवार.  
 ७२॥ रत्नोजी नाग टिळक.  
 ७६१ सुलतानजी मान्ये.  
 ७५ हैबतराव भापकर.  
 ७५१ फिर्गोजी कदम.  
 २९३१ येशवंतराव गंगाधर.  
 ९९ भास्करराव गणेश.  
 १५० लक्ष्मण रामचंद्र पुरंदरे.  
 १५० भिवराव खंडेराव.  
 २०५ भीर सफीउलाखान त्रिंबककर.  
 १०० आनंदराव लक्ष्मण पुरंदरे.  
 १२७ महादाजी विठ्ठल, दिमत त्रिंबकराव अश्रुतेश्वर.  
 १००॥ दत्ताजी भोपते.  
 १५० गंगाधर शंकर पुरंदरे.



- १२६ मोरो सदाशिव साठे.  
 ९९॥ बहिरजी काळे.  
 १००॥ येशवंतराव काळे.  
 ५१ दिमत बहिरजी काळे--( नांव दाखल नाही )  
 ६०॥ निंबाजी शिराळे.  
 ९७ बळवंतराव काळे.  
 १०० माळ शिकारे कुवेगांवकर.  
 १२३ विश्वासराव नारायण भावे.  
 २७५ शेखअबदुल कडपेकर.  
 १०१॥ पांडुरंग गिरमाजी.  
 २५३॥ खंडेराव घोरपडे.  
 २४९॥ राधोजी लांबहाते.  
 १२१॥ मायाजी शिल्मिकर यांचे पुत्र.

७९७०३॥

किरकोळ सनगें.

- ६४४० दिमत भोंसले, रवाना नागपूर.  
 १६६० रघोजी भोंसले खासा.  
 २५०३ परसोजी भोंसले.  
 ३५२ भवानी काळे.  
 ९ वासनांस कापड.  
 १०१६ व्यंकाजी भोंसले.  
 १५६४ खासा.  
 ३४६॥ श्रीधर लक्ष्मण.  
 ५॥ वासनांस कापड.

१९१६

६४४०

- १२६॥ बाबूराव कृष्ण किले सातारा.  
 २०२॥ कृष्णाजी अनंत.  
 १५६॥ बाबूराव विश्वनाथ वैद्य रवाना नागपूर.

५८८८॥ दिमत नवाब निजामअल्लीखान.

११२७॥ मौजुदोले रवाना भागानगर.

१०१ कृष्णाजी देवजी.

२१२१॥ रेणोराव धोंडाजी रायराया.

१०६७ खासा.

१०५४॥ पुत्र.

२१२१॥

२०३४॥ मीर अलम.

११२६ खासा.

९०८॥ पुत्र.

२०३४॥

२४९॥ रघोत्तम हैबतराव.

२५४॥ बाबूराव वकील.

५८८८॥

५०१ विठ्ठल हरी.

३८१८॥ मिरजा मुजफ्फरवस्त शाहाजादे.

८३५ नवाब अकबर अल्लीखान.

२४०॥ येशवंतराव दाभाडे.

१३७८ इतभातदौले, गाजदीनखान यांचे पुत्र.

१२०८ उमदावेगम.

८०९॥ दिमत भोंसले.

४०१॥ कृष्णराव माधव.

१४५ रामचंद्र दादो.

१०२ बालाजी शिवदेव.

१०३॥ अमृतराव.

५७॥ उदाजी नाइक.

८०९॥

४४० बापूजी आबाजी वासरे.

- २४७० बाळाजी जनार्दन फडणीस.  
 १९८॥ गोविंद बाजी जोशी.  
 २४८॥ गोपाळराव राम.  
 १५२ त्रिवंक जयराम, जयराम कृष्ण बापट यांचे पुत्र.  
 ७६। महादशेट वीरकर.  
 २८६। काशी बल्लाळ, निसवत गाडदी.

१८९ खासा.

९७। सेख मुलतान सेख लाल गाडदी.

२८६।

- ११२० चिंतामण हरी फडके.  
 ७५॥ अंताजी बापूजी.  
 ७६॥ रामशेट विन हरशेट वीरकर.  
 ६९७। वकील निसवत मुंदळे.  
 २९६॥ पृथ्वीसिंग.  
 २४८। भवानीसिंग, पृथ्वीसिंग यांचे पुत्र.  
 १५२॥ मानसिंग.

६९७।

- १०० जनार्दन गोविंद खिजमतगव.  
 ११५३॥ महागव जसवंत निंबाळकर.  
 २४४॥ रामचंद्र आबाजी वानवळे.  
 २५५ मुसनागरज.  
 ९०० मुलें वाड्यांतिल.

१९९॥ गोविंदसिंग.

३०२। त्रिवंकसिंग.

१९७ बहिरसिंग.

२०१ महिपतसिंग.

९००

- १०१॥ रामचंद्र कृष्ण रिसबूड, आदवानीकर.  
 २४८॥। येशवंतराव महादेव नगरकर.

- १४८ नारो बाबूराव वैद्य.  
 १५० गोविंदा जेठी.  
 १४७ मिना जेठी.  
 ९९। तिमा जेठी.  
 १५१॥ गोविंदराव माणकर.  
 १२६॥। येशवंतराव नरगुंदकर.  
 २०२ विठ्ठल गोरक्ष वकील गोवेकर.  
 ६००॥। मिस्तर मालीट वकील, निसबत इंग्रज कलकत्तेकर.  
 २४९॥। नुरदी हुसेनखान, निसबत इंग्रज कलकत्तेकर.  
 ७४॥। वकील दिमत जाबितजंग.  
 १०० गिरमाजी विठ्ठल. निसबत खंदारकर.  
 २२०॥। वकील निसबत जमातदार.  
 १४६ गंगाधर नरहर.  
 ७४॥। बालाजी व्यंकटेश.

---

२२०॥।

- १९५ सदाशिव नाइक वानवळे.  
 १०३६॥। दिमत तोफखाना.

- १९५ माधवराव कृष्ण.  
 २९७॥। सखाराम येशवंत.  
 २०२ भिवराव जयवंत.  
 ३४२ सैदहुसेन गोलंदाज.

---

१०३६॥।

- २४६॥। सुभानराव वकील सुरापूर.  
 १५३ नावार्ज, गौळी, निसबत गोविंदराव गार्हकवाड.  
 १७७ वकील अलफसदन कर्नाळेकर.

- ९९। रामचंद्र दादो.  
 ७७॥। कृष्णराव सुंदर.

---

१७७

६४८। महात दिमत् पीलखाना.

१०० गुजर वल्लद दलेल.

७५॥ लालण वल्लद शेख गहंमद.

२५०॥ बाळा वल्लद छट्ट.

१२२ मिथा वल्लद मदार.

१०० हुसेन वल्लद इब्राह्म.

६४८।

७५॥ शेषो मेलगीर वकील संस्थान गदवाल.

९९ हणमंतराव सभापत.

१००। विनायक नारायण परांजपे.

३७० मनाजी सिद्धो.

७०४। दिमत् पीलखाना, निसबत अली महान.

५०१॥ खासा.

२०२॥ मिथा वल्लद मुर्तुजा.

७०४।

१०१॥ दीनानाथजी काशीकर.

६० सौभाग्यवती उमाबाई जोशीण.

९८। बाळकृष्ण लक्ष्मण वैद्य निसबत मानाजी आग्ने.

७५॥ सिनापा तोडमरीकर.

१५०॥ रादाशिव अनंत बेहेरे कारकून निसबत दसर.

२०२ सैद महंमद गाडदी

७६॥ भवानो लक्ष्मण निसबत चंदरराव.

६७॥ लाल साताराम ईश्राम वकील कर्नाटकर.

७१॥ आपाजी जाखदेव निसबत तुकोजी होळकर.

१५१॥ भालदार.

७६॥ मदन वल्लद रस्तूम.

७५ हसन वल्लद भीकन.

१५१॥

१७२ परशराम सिंघी.

१६० सखाजी घोडका.

|      |                                                |     |                 |
|------|------------------------------------------------|-----|-----------------|
| २५०  | पीर महंमद.                                     |     |                 |
| ५२०  | अबदुल रहिमान वलद शेख अहंमद कारीगार औरंगाबादकर. |     |                 |
| ६९२५ | खिजमतगार.                                      |     |                 |
| २६२  | भवानजी नाईक.                                   | १५१ | केदारजी येवला.  |
| ६६०  | जानोजी जावक.                                   | १९८ | जानोजी चवाण.    |
| ३००  | खंडोजी पणदरा.                                  | ८१६ | हणमंता टिळेकर.  |
| २६२  | वावाजी पडवळ.                                   | २०० | येसाजी जाधव.    |
| २६२  | येसाजी शेटगा.                                  | २०० | जिवाजी काटकर.   |
| २२३  | भवानजी मेमाण्णा.                               | ४५० | रायाजी वाघमारा. |
| २६०  | पिलाजी पानसरा.                                 | ६९५ | लक्ष्मण मान्या. |
| २४०  | संभाजी सिंदा.                                  | २८० | कृष्णाजी उगला.  |
| १८८  | तानाजी पडवळ.                                   | २६८ | वाळोजी वळसा.    |
| २८२  | जोगोजी जगदळा.                                  | २२६ | दत्ताजी आढाव.   |
| २६२  | रामजी बेकराल.                                  | २४० | हैबती जरंडा.    |

६९२५

२५३६ चोपदार.

|      |                      |
|------|----------------------|
| ५२०  | भवानी वलद नंदराम.    |
| ५०८  | तुकाराम वलद नंदराम.  |
| २८२  | घासी बाा बुट्ट.      |
| ३०२  | महासिंग वलद मदनसिंग. |
| २६६॥ | मखु वलद शेख फरीद.    |
| ६५७॥ | जगन्नाथ वलद मदन.     |

२५३६

७७ परशराम पवारसिंग पोर्गी.

३३९ निसबत खासजी लिंव.

|     |                 |
|-----|-----------------|
| १८५ | संभाजी धायरीकर. |
| १५४ | तुकाजी साळोखा.  |

३३०.

४८११८॥

रवाना आनंदवलीस.

- १९६० राजश्री बाजीराव.  
 १८२० राजश्री चिमाजी आपा.  
 १२६३ राजश्री अमृतराव.  
 ३४० सौभाग्यवती सत्यभामाबाई.  
 ३९६॥ नाटकशाळा.

|              |           |
|--------------|-----------|
| ७० हेमंत.    | ६७ मैना.  |
| ६९॥ रूपकुवर. | ६४ बसवंत. |
| ६३ चंपक.     | ६३ उमेदा. |

३९६॥

- १०॥ बासनास सनगें.  
 ८३६ सौभाग्यवती भागिर्थीबाई.

६६२६

२२०१४४१

## २२ शहर पुणे, व पेठा.

११५४ ( ४ )--पेठ सदाशिव कसबे पुणे तुम्हांकडे होती त्यास नारायण पेठेंत  
 अर्वा सवैन वस्तीस दाटी जशाली, सवैन पेठ वचो विश्वनाथ यांजकडे देविली  
 मया व अलफ असे तरी मशारानिलहेचें द्यालीं करणे म्हणोन, वाळाजी कृष्ण यांसी.  
 रजब ६ सनद १.

रसानगी यादी.

११५५ ( ५ )--पेठ रविवार कसने पुणे प्रांत मजकूर येथील कमावीस पेशजीचे  
 अर्वा सवैन कमावीसदारांकडून दूर कलून सालमजकुरापासून तागाईत सन समान  
 मया व अलफ सवैन पांच साला मामलत तुम्हांकडे मक्तियानें सांगितली, तरी इमानें  
 रजब ९ इनचारें वतानि अंमल चवकशीनिं करणें, मक्ता दरसाल रुपये.

XXII Poona and its suburbs.

( 1154 ) There is an allusion in this sanad to Narāyan Peth of A. D. 1773-74 Poona being overcrowded.

( 1155 ) The kamāvis of Peth Raviwār of Poona was farmed out to Anandráo Kāshi for Rs. 11,800 annually, from which Rs. 888-8-0 was to be deducted on account of establishment expenses.

९.७९.८४- बरहुकुम गुदस्त सन सलास सबैन आकार रुपये.

५१३०॥ पेट.

४६६॥ शिवाय जमा.

९७९.८४-

२००१॥॥ जास्ती चढ

११८००

एकूण अकरा हजार आठशें रुपये दरसाल जमा मक्ता. पैकीं वजा महाल मजकूर  
वगैरे नेमणूक. रुपये.

६३५ महाल मजकूर पेशजीप्रमाणें.

२०० कमावीसदार.

१०० परशराम ओट्या.

१०० कुळकर्णी.

२३५ शिवंदी प्यादे असामी ८ दरमहा रुपये २५ प्रमाणें अ-  
करमोही.

६३५

५३॥ माफ सान्याबद्दल सालगुदस्तप्रमाणें रुपये.

४७॥ फकीरचंद मराफ दिमत त्रिबक सदाशिव पुरंदरे यांचे घराबद्दल.

६ विसोया नाईक दुकानाबद्दल.

५३॥

२०० गैर सनदी माजी कमावीसदारास सन सबैनांत मजुरा दिल्ले ओहेत त्याप्रमाणें.

८८८॥

एकूण आठशें साडेअठ्ठाशी रुपये दरसालची नेमणूक वजा होऊन बाकी  
१०९११॥ रुपये.

यास हस्तेबंदी सुद्धां १

१००० आषाढ.

९०० अश्विन.

१००० श्रावण.

९०० कार्तिक.

९०० भाद्रपद.

९०० मार्गशीर्ष.



|              |             |
|--------------|-------------|
| ९०० पौष.     | ९०० चैत्र.  |
| ९०० माघ.     | ९०० वैशाख.  |
| ९०० फाल्गुन. | ८११॥ जेष्ठ. |

१०९११॥

एकूण दहा हजार नऊशें साडेअकरा रुपये सठरहू हत्तेबंदीप्रमाणें साल बसाल सरकारांत भरणा करून पावल्याचा जाब घेत जाणें. रयतीवर जाजती जल्लेळ करूं नये. माजी कमावीसदारांचे रीतीप्रमाणें अमल करणें ह्मणोन, आनंदराव काशी यांचे नावें.

सनद १.

### नारो आपाजीच्या कीर्दीपैकीं.

११५६ ( १०२ )—भोज्या शिंदा यांचें घर पेठ शुक्रवार, शहर पुणें येथें आहे, तेथील खमस सवैन मोरी कोतवालीकडून बांधली त्याचा आकार रुपये ७ सात रुपये शिंदा मया व अलफ. मजकूर यास माफ केले असेत, तरी कोतवाली शहर पुणें येथील हि- रमजान २९ शेबी खर्च लिहिणें ह्मणोन, धोंडो बाबाजी कोतवाल शहर पुणें यांचे नावें. छ. २२ रजब.

सनद.

रसानगी यादी.

११५७ ( ११२ )—३ छ. ३० सफर पदाजी माळी पांढरा वस्ती कसबे पुणें यास तिस सवैन सरकारची धर्म पवई ( पोई ) सूद्र लोकांस पाणी पाजावयास पेठ मया व अलफ. सोमवार कसबे पुणें येथें नागझरीवर घातली आहे, तेथें पाणी पाजा- जमादिलावल १८ वयास ठेविला, त्यास दरमाहा अकरमाही शिरस्ता छ. १ रविलो- बलपासून रुपये ३ तीनप्रमाणें करार करून तूर्त एक माही रोजमरा रसानगी यादी.

रुपये.

११५८ ( ७३९ )—शहर पुणें येथील कोतवालीची कमावीस आनंदराव काशी यांज- इसने समानीन कडे होती, ते त्यांजकडून दूर करून हल्लीं तुळांकडे कमावीस सांगि- मया व अलफ. तली असे, तरी इमानें इतबारें वर्तोन अंमल चौकशीनें करणें. कोत- सफर ६ वालीसबंधें— कलमें.

### FROM NARO APAJI'S DAIRY.

( 1156 ) A drain was constructed by the kotwal for a house in A. D. 1774-75. Shahrwarperth belonging to Bhojya Sinda. The cost of construction viz. Rs. 7 was remitted.

( 1157 ) An establishment was kept by Government at Nagzari in A. D. 1772-79 Poona to give drinking water gratis to persons other than Brahmins.

( 1158 ) The office of kotwal of Poona City was taken from

तुझांस तैनात सालीना पेशजीप्रमाणें.  
रुपये.

५०० जातीस.

६६ अफतागीच्या.

५५ दिवड्या देखील तेल.

६२१

एकूण साहाशें एकवीस रुपये तैनात करार केली असे, तरी कोतवालीचे ऐवजीं घेणें, मजुरा पडतील. कलम १.

तुझांकडे पूर्वी कोतवाली होती, ते वेळेचे फाजील तुमचें देणें निघालें तें आनंदराव काशी याणीं तिहीं वर्षांत तिहीं हप्त्यांनीं घावयाचा पेशजी करार केला असता झाडून ऐवजाचा निकाल कराराप्रमाणें करून दिल्या नाही. दहा हजार रुपये अजमास देणें राहिलें, सबब तुझांकडे कोतवालीची कमावीस सांगोन रसदेचा ऐवज सरकारांत घ्यावयाचा रुपये ५००० पांच हजार रुपये करार केल असेत, तरी छ. ९ मोहरमापासून एका महिन्यानें सदरील ऐवज सरकारांत पावता करून पावल्याचा जाव घेणें. कलम १.

अनंदराव काशी यांचे फाजील सरकारांत हिशेब होऊन ठरले त्याची निशा पेस्तर सालापासून तिहीं हप्त्यांनीं तिहीं सालांत झाडा तुझीं करून घावा याप्रमाणें निशा दण. कलम १.

अनंदराव काशी यांचे फाजिलाचा ऐवज देविला आहे, हा व तुमचे फाजील आनंदराव काशीकडून गैरअदा होऊन देणें राहिले आहे तो ऐवज व हल्लीं रसदेचे पांच हजार रुपये घ्यावयाचे केल आहेत, एकूण एकंदर ऐवज कोतवालीवर तुमचा फिटेंतो कोतवालीची घालमेल तुमची होणार नाही. कदाचित् घालमेल करणें जाहल्यास तुमचा ऐवज देणें त्यांत उत्पन्न मिना होऊन बाकीची निशा नव्याकडून घेतल्याखेरीज होणार नाही.

कलम १.

पांडुरंग कृष्ण यांस सरकारांतून सरामीनी सांगिनली असे, तरी कोतवालीसंबंधें कुल कारभार मशारानिल्ले यांचे इतल्याखेरीज करूं नये. ज कर्तव्य तें तुझी व सरामीन उभयतां एकविचारे करीत जाणें. कलम १.

A. D. 1852. Anand Rao Kashi and given to Gháshirám Sáwalrás. His salary was fixed at Rs. 500 besides Rs. 60 for an attendant to hold an *attéqir* and Rs. 55 for a torchbearer. The following instructions were issued to him:—

- (1) the clerks and peons employed at the kotwal's office should not be removed without the consent of Pándurang Krishna, the Sar Anán who was appointed by Government;
- (2) two new police posts should be built in Nárayanpeth and, Shanwárpeth, as owing to the want of enough police posts, offences in those parts were not detected;

कोतवालीच्या चावड्यांचे वगैरे कोतवाली संबंधें ठेवणुकी कारकून व प्यादे यांची तहगिरी व बाह्याली करणे ते पांडुरंग कृष्ण सरअमीन यांचे इतल्याशिवाय न करणें; मशारनिव्हे व तुर्की मिळोन करीत जाणें. कलम १.

दरकदाराचे हातें दरकाचे कामकाज घेत जाणें. कलम १.

कोतवालीचा अंमल मुदामत वालीप्रमाणें करणें. इमानें इतवारें वर्तत जाऊन रयत आवाद राखत जाणें गैर बाजबी परिछिन्न न करणें. कलम १.

पेठ नारायण, व पेठ शनवार या दोहों पेठांत कोतवालीची चावडी नाही, याजमुळें फंद फितुरी व हाली हरामी समजण्यांत येत नाही, याजकरितां दोहों पेठांत दोन चावड्या घालावयाचा करार केला असे, तरी निवारसी जागा पाहून दोन चावड्या घालणें, आणि हाली हरामीची पैदास्त होईल त्यापैकी चावड्यांच्या खर्चाची नेमणूक होईल त्याप्रमाणें खर्च जाऊन बाकां रद्द कर्जी घेत जाणें. फंद फितुरी याची बातमी यथाम्यी राखून सरकारांत समजावीत जाणें. कलम १.

कमाविसीचे कलम पांच हजार रुपये पावेतां होईल तें कोतवालीचे दिशेची जमेम धरून रद्द कर्जी घेणें पांच हजारांवर जाहल्यास सरकारांत पोता भरणा करणें. कलम १.

महाल प्रजकर शिवंदी प्यादे, बाजे-लोकमुद्दां जसामी ७८ अठ्याहत्तर यांस तेनात दरमहा रुपये ३१० तीनशें दहा रुपये अकरमाही पेशजीचे नेमणुकेबद्दल शिरस्तेप्रमाणें ठेवणें, व कारकून व खेरीज मुशाहिरा मागील त्रिचक हरी याची व हल्लींची वाढिवाट मजुरा पडत आली तें मनास आणून नेमणूक करून दिली जाईल, त्याप्रमाणें खर्च करीत जाणें. जाजती करूं नये. कलम १.

शहरांतील रस्ते चांगळे राखावे, पडवी, वाटे पुणे जळाल्यावर नवे परवानगीशिवाय जाळे अमतील ते मोडून टाकणे पुढें होऊं देऊं नये. कलम १.

कोतवालीचा मागील वाढिवाटीचा दिशेच पाहून, व नव्या दोन चावड्या हल्ली करावयाच्या सांगितल्या आहेत त्यामुद्दां सरकारांतून वेढडा करून देऊं, त्याप्रमाणें वाळां. कलम १.

( 3 ) the duties of the officer should be carried on honestly and in conformity with established practice: the ravats should be kept happy. napa per conduct would not be tolerated;

( 4 ) the roads should be kept in good order: no new verandas or sheds should be allowed: all verandas and sheds unauthorizedly constructed after the great fire at Poona city should be pulled down;

( 5 ) information should be regularly collected in each path regarding conspirators coming into the city, and should be communicated to Government from time to time;

शहरांत फंद फितुरी वगैरे येऊन राहतात, त्यांची चवकशी पेठां पेठांतून कोतवालीचे कारकून वगैरे आहेत त्यांजकडून बारकाईनें बातमी राखीत जाऊन वरचेवर सरकारांत कळवीत जाणें.

कलम १.

पेठकरी अमलास खलेल करतील, त्यास सरकारांतून ताकीद केली जाईल.

कलम १.

शहरांत रात्रीची गस्त कोतवालीकडील फिरत्ये त्याजवरावर कारकून व प्यादे चौकस देत जाऊन रात्रीच्या गस्ती नेहमीं फिरऊन बंदोबस्त राखीत जाणें, व बारकाईनें चोरांचा पत्ता लाऊन चोर धरून आणून सरकारांत देत जाणें.

कलम १.

एकूण वीस कलमें करार करून कोतवालीचा अंमल छ. ९ मोहरनापासून सांगितला असे तरी सदरील लिहिण्याप्रमाणें वर्तणूक करणें म्हणोन, धाशीराम सावळदास यांस.

सनद १.

रसानगी यादी.

११५९ ( ७५५ )-सरकारांत नहराचें काम लाविलें आहे, त्याची पट्टी सर्वांप्रमाणें इसबे समानान तुम्हांकडे पांच हजार रुपयांची करून सरकार खिजमतगार वसुलास मया व अल्फ पाठविले होते; त्याजवरून तुम्हीं सदाशिव नीळकंठ भावे यांजवर जमादिलाखर ९ पुण्याची हुंडी पाठविली, ते रुपये ४००० चार हजार रुपये हुंडीप्रमाणें पोतेचाल सरकारांत जवाहीरखान्याकडे जमा झाले असेत म्हणोन, रघुनाथ हरि यांचे नांवें.

जाब १.

परवानगीरुबरू.

- ( 6 ) efficient karkuns and peons should be sent on patrol every night and thieves should be arrested and sent to Government;
- ( 7 ) married women should not be given permission to become prostitutes;
- ( 8 ) 78 peons at monthly cost of Rs. 310 were attached to the office.
- ( 1159 ) Contributions were levied from the people for the con-

११६० ( ८१६ )—मौजे कात्रज, तर्फ हवेली, प्रांत पुणे येथील जमीन सरकारचे अर्वा समानीत नळाचे कारखान्याखाली, व तळ्याखाली, व नहराखाली पडली आहे. मया व अलफ त्याचा आकार खेरीज गळा, व कडवा, व तूप वगैरे करून गांवचे सावान २९ चालीप्रमाणें मजुरा द्यावा म्हणोन, मौजे मजकूरचे गांवकरी यांणी अर्ज केला; त्याजवरून गोपाळ वैजनाथ कारकून व रघोजी सोरटे नाईकवाडी दिमत मुभा प्रांत मजकूर यास जमीनीचे चौकशीस पाठविले, त्यांणी अडोसीपडोसीं शेते होती त्याचे रुक्याची चाल पाहून जमीन पडली ते. रुके.

॥ थळ कचालमळ्याचे रुके.

८१॥ गोडवीर थळपैकी रुके. ३ व अवळीथळपैकी रुके ४१॥ एकूण रुके.

॥४॥

एकूण साडेअठ्ठावीस रुके जमीन नळाचे कारखान्याखाली, व तळ्याखाली. व नहराखाली पडली आहे, त्याचा आकार खेरीज गळा, व कडवा, व तूप वगैरे करून दर सजगाणीस नक्त रुपये ५० प्रमाणें रुपये १९० एकशें नव्वद जहाले, ते गांवास सन इसचे समानीनापामून मजुरा द्यावयाचे करार करून हे सनद तुम्हांस सादर केली असे, तरी सदरहूप्रमाणें एकशें नव्वद रुपये नहराकडे खर्च लिहून गांवास दरसाल मजुरा देत जाणें म्हणोन, नारो महादेव किले सिंहगड यांचे नांवें. सनद १.

रसानगी यादी.

११६१ ( ९१० )—वापूजी आनंदराव कमावीसदार कसवे पुणे यांचे नांवें सनद कीं, राजश्री आनंदराव भिकाजी रास्ते यांणी नवी पेठ वसवावयाकरितां सात समानीत जागा देविली पहिजे बणून विनांते केली; त्याजवरून मशारनिह्ने मया व अलफ यांस पेठ वसवावयास जमीन. बिधे.

८७॥१ मोरो बलाळ जोशी यांजकडे दहा बिघे जमीन चालत होती ते हल्लीं मोजणीमुळे भरली ते.

८२॥ रुवीर फकीर यांजकडे जमीन आहे त्यापैकी.

construction of an aqueduct at Poona; the sum to be paid by Sadākhī Nīlkanth Bāve was Rs. 5,000.

( 1160 ) Land measuring 28½ *palas* at Kētraj having been taken up for the tank pipes, and the works connected therewith, its assessment viz. Rs. 190 was ordered

to be remitted.

( 1161 ) Land measuring 24½ *bighās* and 1 *panā* was given to Anandrao Bhikāji Rāste to found a *path*.

८१०॥ त्रिबक महिपतराव चिटणीस यांजकडे सोळा विघे जमीन चालत होती ते हालीं मोजणीमुळे भरली ते.

८४ सटवाजी पारखी याचे थळपैकीं.

८२४॥१

एकूण पावणे पंचवीस विघे एक पांड जमीन नेमून देविली असे, तरी सदरहूप्रमाणें जागा मशारनिल्लेचे हवालीं करणें ह्मणून. सनद १.

११६२ ( ९१६ )—जीवनराम घाशीराम यांचे नांवें सनद कीं, शहर पुणें येथें भवानी सात समानीन पेटेचे पूर्वस नवापुरा पेट वसवावयाची आज्ञा जाल्यास वसाहत करीन मया व अलफ ह्मणोन तुम्ही विनंति केली; त्याजवरून सदरहू जाग्यावर पेट वसवा- रविलावल २२ वयाची आज्ञा तुम्हांस केली असे येविशींचीं. कलमें.

नवीं कुळें पेट मजकुरीं येऊन राहतील, त्यांस सालमजकुरापासून सात साला मोहोतर्फा, व वेठ बेगार माफ केली असे, वस्ती करणें. कौल भरल्यावर मोहोतर्फा व वेठ बेगार वगैरे घेतली जाईल. कलम १.

कोतवालीकडील व वट छपाईचा उप-द्रव कुळांस कौल भरेतोपर्यंत लागणार नाही. कलम १.

सरकारची खरीदी व मातवर लोकांची खरेदी कौल भरेतोपर्यंत पेट मजकुरीं होऊं नये येणेंप्रमाणें. कलम १.

पेट मजकुरी कुळें येऊन वसाहत करि-तील, त्यांस मागील देणेंदारांचा उपद्रव लागला तर देणें घेणें मनास आणून जीवन पाहून पैका ध्यावा. कलम १.

शिबंदी, प्यादे, व कारकून पेट संबंध व चावडी बांधावयास वगैरे लागवड लागेल त्याचा चौकशीनें खर्च करून हिशेब सर-कारांत समजावणें. कौल भरल्यावर पेटेचे ऐवजी देविला जाईल. कलम १.

एकूण पांच कलमें करार करून हे सनद सादर केली असे, तरी सदरहू लिहिल्या-प्रमाणें वर्तणूक करणें; आणि पेटेची वसाहत करणें म्हणोन. सनद १.

येविशीं सनद, व कौल मिळोन २.

१ वापूजी आनंदराव कमार्यासदार कसवे पुणें यांस कीं, रस्त्याचे उत्तरेस सरकारचीं आठें आहेत, त्याचे लगत बाग, व मळे असतील त्यांपैकीं दुकानापुरती जागा साठ हात लांबीची, जीं दुकानें होतील त्यांस देविली असे, तरी बागमळ्यापैकीं सदरहूप्रमाणें दर दुकानास साठ हात लांबीची जागा देऊन बाकी बाग, व मळे राखणें ह्मणोन. सनद.

( 1162 ) Jivānārām Ghāsīrām was permitted to found a new suburb A. D. 1785-86. called Nawāpurā, to the east of Bhawānipeth at Poona.

१ वाणी, उदमी, बेपारी, वरयत वगैरे यांम कौल कीं, इस्तकबील सन सीत समानीन तागाईत सन इसने तिसैन सात साला माफीचा कौल देऊन जीवनराम घामीगम यास पेठेचे वसाहतीची आज्ञा केली असे, तरी तुम्ही बेवसवसपणें पेठ मजकुरी येऊन वसाहत करून उदीम व्यवसाय करीत जाणें कौल सात साला भरतों मोहोतर्फा, व वेठ बेगार यांचा आजार लागणार नाही. कौल भरल्यावर वरकड पेठांचे शिरस्तेप्रमाणें मोहोतर्फा वगैरे देत जाऊन सुखरूप र णें ह्मणोन.

२

कौल.

तीन पैकीं दोन सनदा, व एक कौल. रसानगी यादी

३

११६३ ( ९१७ )—सखाराम बिन घासीराम याणें हुजूर कसवे पुणें येथील मुक्कामी सीत समानीन येऊन अर्ज केला कीं शहर पुणें येथें भवानी पेठेचे पूर्वेंस जीवनराम मया व अलफफ घासीराम हे नवापुरा पेठ वसवीत आहेत, त्याम गाहेची मेहरबान रबिलावल २२ होऊन पेठ मजकूर येथील शेठेपणा कांहीं जीवनमाफक नजर येऊन मजकडे करार करून दिल्यास पेठेची वसाहत करीन. पेठ वसवायाम सात साला कौल दिल्ला आहे, तो भरल्यावर शिरस्तेप्रमाणें हक्क देवऊन भोगवटियास पत्र करून दिल्लें पाहिजे ह्मणोन; त्याचवरून पेठेचे वसाहतीवर नजर देऊन तुजवर मेहरबान होऊन तुजला पेठ मजकूर येथील शेठेपणाचें वतन करार करून दिल्लें असे, तरी कोणे गोष्टीचा अंदेशा न धरितां पेठेची वसाहत करणें. शेठेपणाचा हक्क सालमजकुरापासून सात साला कौल भरल्यावर वरकड पेठांत चाल असेल त्याप्रमाणें घेऊन तूं प तुझे पुत्रपौतादि वंशपरंपरेन शेठेपणाचें वतन अनुभऊन सुखरूप राहणें. सदरहु वतनसंबंधे तुजकडे सरकारची नजर रुपये ५०० पांचशें करार केले ते सरकारात पोता जमा असेत ह्मणोन, सखाराम मजकूर याचे नांवें.

सनद १.

रसानगी यादी, पेठेचे कलमाचे कराराची.

११६४ ( ९१२ )—कोतवालीकडे नवद प्यादे असामीची नेमणूक आहे तितक्याने तिसैन कोतवालीचे कामकाजाचा बंदोबस्त होत नाही. शहर मोटें, व नव्या मया व अलफफ पेठांची वसाहत जाहली त्यामुद्धा बंदोबस्तास गस्तीम वगैरे मिळोन रमजान १८ जदीद प्यादे असामी पंचवीस ठेवावयाविशीं तुम्ही सरकारांत विनंति

( 1163 ) The Shet's watan on the above new subjects was given to A. D. 1785-86. Sakharām bin Ghasirām.

( 1164 ) The establishment of 90 peons, entertained under the kotwāl of Poona, was owing to the extent of the city and the creation of new suburbs found insufficient for

केली; त्याजवरून छ. १ सावान गुदस्तां सन तिसा समानीनापासून रतीद अमासि पंचवीस दरमहा दर असामीस रुपये ४ चार अकरमाही शिरस्तेप्रमाणे करार करून दिले असेत, तरी चाकरी घेऊन शहरचा बंदोबस्त करीत जाणें. चाकरी बमोजीब पंचव मजुरा पडेल. दरबडे पडतात त्यांचेही ठिकाण वारकाईने लावणें झणोन, घासीराम साव लदास कमावीसदार कोतवाली शहर पुणे यांचे नांवें. मनद १.

रसानगी यादी.

११६५ ( ०.९८ )—सरकारचे जागे शहरांत आहेत. त्यांचे रस्तेयांतील मोठ्या जागा तिसेन जागा वांधिल्या, त्यास खर्च जाहला तो, गुजारत गणेश रंगनाथ का- मया व अलफ रकून व गंवडे आकार. रुपये. रविलोवल २१

२०१ गुजारत सदाराम गंवडा.

रुपये.

११८॥ पागा पेट बुधवार येथील पश्चिमेकडील रस्तेयाची मोरी तीन तो डीची बांधली. दक्षिण उत्तर लांब गज १५८ पैकीं निमे शेजारीं समोरील याची हद्द गज ७९. बाकी निमे सरकारची गज ७९ दर १॥ प्रमाणें.

रुपये.

५१॥ खबुद (त?) र खान्याचे उत्तरेकडील बाजू पूर्व पश्चिम रस्तेयांतील मोरी तीन तोडीची लांब गज ६९. पैकीं निमे शेजारीं समोरील याची गज ३४॥ बाकी निमे सरकारची गज ३४॥ दर गजों १॥ प्रमाणें.

रुपये.

३०॥ जुन्या कोटांत रस्ता पूर्व पश्चिम जातो, तेथील मोरी तीन तोडीची गज एकूण.

रुपये.

८। दारुखान्याची हद्द मोरी गज ११ पैकीं निमे शेजारीं समोरील याची हद्द गज ५॥ बाकी निमे सरकारची गज ५॥ दर १॥ प्रमाणें.

२२॥ बंदीखान्याचे जाग्याची मोरी गज ३० पैकीं निमे शेजारीं

the duties of patrol and for other police duties. The fact being represented by Gháshirám Sawaldás, kotwal to Government, 25 additional men were given and he was directed to detect the dacoities that were being committed in the city.

( 1165 ) The drains on Government sites in Poona were constructed A. D. 1789-90. at a cost of Rs. 226.



समोरील याची हद्द गज १५ वाकी निमे सरकारची गज १५  
दर गजी रुपया १॥ प्रमाणें. रुपये.

२०॥॥

२०॥

२०१

१३४

२१५ गुजरात पंचम गंधडा याजकडून पेठ शुक्रवार थेथील मोरी  
वांधविली त्याचा आकार. रुपये.

६। आपाजी शिंद्या याचे हद्देची मोरी दगडाची पूर्व  
पश्चिम गल्लीची लांब गज १० पैकीं निमे शेजारीं  
समोरील याची हद्द गज ५ वाकी निमे सरकारची  
गज ५ दर १। प्रमाणें. रुपये.

१८॥॥ हैवतजी शिंद्या याचे हद्देची मोरी दगडाची पूर्व प-  
श्चिम लांब गज ३० पैकीं निमे शेजारीं समोरील  
याची हद्द गज १५ वाकी निमे सरकारची गज १५  
दर गजी रुपया १। प्रमाणें. रुपये.

२५

२०

२२६

१५४

एकूण दोनशे सवीस रुपये मोरीचे कामास लागले ते कोतवालीचे हिंशेवीं खर्च लि-  
हिणें, मजुरा पडतील ह्मणोन, वासीराम सांवळदास कामावीसदार कोतवाली शहर पुणे  
याचे नांवें. सनद १.

रसानगी याद.

११६६ ( १००६ ) फिरंगोजी खाटे निसवन राजश्री वाळाची जनार्दन फडणीस  
तिसैन याणें दुजूर येऊन अर्ज केला कीं, शहर पुणे येथें बाजार मजकूरचे  
गया व अलफ वाणी, उदमी, बेगारी वगैरे आहेत. त्यांपैकीं कांहीं उदमीयांचीं घरे  
जमादिलाखर १९ पुण्यांत आहेत, कांहींचीं नाहींत, दरसाज दरएक जागा छपरें घा-

( 1166 ) Traders being put to inconvenience for want of land to  
A D 1789-90. build houses for their residence, a new suburb was  
permitted to be established to the east of Ganeshpeth  
to the north of Bhawánipeth and upto the limits of the stream to the  
south of the Ráste's peth.

लून राहतात. नेहमीं घराची सोय नाही; याजकरितां साहेबीं कृपाळू होऊन गणेश पेठ व पूर्वेंस नवी पेठ वसवावयास जागा नेमून देऊन सात साला माफीचा कौल दिल्ल्यास वसहत करीन क्षणून; त्याजवरून नवी पेठ होऊन माहामुरी होते हें जाणून पेठेंस जागा गणेश पेठेचे पूर्वेंस, भवानी पेठेचे उत्तरेस, रास्ते यांचे पेठेचे दक्षिणेस, वाढा आहे तेथून येत, रुंदी गज ४५० चारशें पन्नास, व लांबी पूर्व पश्चिम नागझरीपासून गज ६०० सहाशें खुली आहे ती पेठ वसवावयास नेमून देऊन इस्तकबील सन तिसैन सालमजकूर तागाईत सन सीत तिसैन सात साला माफीचा कौल सादर करून पेठ वसवावयाची आज्ञा केली असे, तरी तुझीं कोण्हे गोष्टीचा अंदेशा न धरितां पेठेची वसाहत करणें. सात साला कौल भरल्यावर सरकार महसूल शिरस्तेप्रमाणें देत जाणें. पेठ मजकूरचें शेथ्येपण फिरंगोजी मजकूर यास करार करून दिलें असे. कौल भरल्यावर शेथेपणाचा हकदक करार करून दिल्ला जाईल क्षणोन, वाणी, उदमी, बेपारी वगैरे यांचे नांवें. कौल १.

सदरील अन्वयें बापूजी आनंदराव कमावीसदार कसवे पुणें यांचे नांवें सनद की. सदरहूप्रमाणें जागा नेमून देणें क्षणोन. सनद १.

२

एकूण कौल व सनद मिळोन दोन दिल्ल्या असेत.

रसानगी याद.

सदरील कौल, व सनद दिल्ली त्यांत फिरंगोजीनें अर्ज केला अमां माळुमांत जिहिली ती नसावी, याजकरितां दुसरी याद देण्याची जाहाली आहे, त्याप्रमाणें छ. २ रमजानीं कौल, व सनद दिल्ली असे, सबब दूर. रसानगी, मोरो महादेव कुंटे.

**माधवराव नारायण ऊर्फ सवाई माधवराव पेशवे यांची रोजनिशी.**  
**LIST OF PLACES AT WHICH THE PESHA RESIDED DURING THE YEAR.**

| इंघ्रजी साल व मुसलमानी साल, महिना       | दिनांक                                               | मुकाम.                                                                                                                                                                                                                                                                   | शेरा. | इंघ्रजी साल व मुसलमानी साल, महिना | दिनांक                                                   | मुकाम.                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | शेरा. |
|-----------------------------------------|------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|-----------------------------------|----------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|
| अर्वा सबैत मया व अलफा १७८३-७४ माहे रजब. | १ ते ७<br>८ ते ९<br>१०<br>११ ते १८<br>१९<br>२० ते २९ | कराबा. पुणे.<br>मु. दाखल नाही.<br>कोरगांव प्रांत, जुन्नर.<br>जुन्नर.<br>मौजे नायगांव, तर्फ सांडस, प्रांत पुणे.<br>मौजे कोथले, तर्फ खेरपटार, प्रांत पुणे.<br>मौजे मोरगांव, प्रांत पुणे.<br>मौजे कुरकुंब, तर्फ पाटस, प्रांत पुणे.<br>मौजे पेडगांव, तर्फ पाटस, प्रांत पुणे. |       |                                   | १०<br>१९<br>२२<br>२३<br>२४<br>२५<br>२६<br>२७<br>२८<br>२९ | मौजे कोटगिरें, परगणे यतेगिर.<br>मौजे कोडहूर, परगणे रायचूर.<br>मौजे मंचाल, परगणे आदवानी. सदर.<br>मौजे कनकुरी, परगणे आदवानी.<br>मौ. आंचोली, परगणे आदवानी.<br>मौ. नागनहळी, पर० लोचागुड सदर.<br>सदर.<br>सदर.<br>सदर.<br>माची, किल्ले पुरंदर.<br>माची, किल्ले पुरंदर.<br>माची, किल्ले पुरंदर.<br>माची, किल्ले पुरंदर. |       |
| साबात, रमजात. माहे सवाल.                | ३<br>९                                               | मु. दाखल नाही.<br>मौजे तोंडर, परगणे कलबुर्गी.<br>मौजे भुरखेड, परगणे चित्तपूर.                                                                                                                                                                                            |       | १ ते १५<br>१६ ते २४               |                                                          | पुरंदर, माची.                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |       |

§ पेशवे यांचे नांव ठेवले त्याजबद्दल आहेर जमा आहे. ता. २१ चे कीर्तन.

(माहे सगर)

|          |                                             |
|----------|---------------------------------------------|
| २५       | वटेश्वर, कसवे सासवड.                        |
| २६       | मौजे पिपरे, कसवे सिरवळ.                     |
| २७       | मौजे दहिगांव, प्रांत वाई.                   |
| २८       | मौजे आरळे, प्रांत वाई, कृष्णा<br>दक्षिणतीर. |
| २९       | सदर.                                        |
| ३०       | सदर.                                        |
| १ ते ७   | मौजे आरळे, प्रांत वाई.                      |
| ८        | मौजे किकली, प्रांत वाई.                     |
| ९        | कसवे सिरवळ, नीरा उत्तरतीर.                  |
| १०       | पट्टे पुरंदर.                               |
| ११ ते २० | माची, किल्ले पुरंदर.                        |

माहे रविलावल

खसस सैन्य मया व

अलफ

१७७४-७५

माहे रविलावल.

माहे रविलावर.

माहे जमादिलावल.

माहे जमादिलावर.

माहे रजब.

माहे साबान.

माहे रमजान.

२३ ते २९ माची, किल्ले पुरंदर.

१ ते ३० माची, किल्ले पुरंदर.

१ ते ३० माची, किल्ले पुरंदर.

१ ते २९ माची, किल्ले पुरंदर.

माची, किल्ले पुरंदर.

माची, किल्ले पुरंदर.

१ ते १८ माची, किल्ले पुरंदर.

†

पट्टे पुरंदर नजीक.

मौजे यखतपूर, प्रांत पुणे.

मौजे वलती, प्रांत पुणे.

कसवे तळेगांव, तर्फ पावळ.

मौजे कांडापुरी, तर्फ पावळ,

प्रांत जुन्नर.

मौजे कोकडी, तर्फ कडे,

प्रांत जुन्नर.

मौजे रई, तर्फ राजगांव.

मौजे चास, परगणे पारनेर.

मौजे चास, परगणे पारनेर.

मौजे जेऊर, परगणे कडेवलीत.

सदर.

मौजे हिंगोणी, परगणे नेवास.

मौ. आंबगांव, पर० गांडापूर.

मौजे काठीपिंपळगांव, परगणे

गांडापूर.

मौजे पारोळे, परगणे खंडाळे.

कसवे नसरतपूर, परगणे देहरे.

मौजे उबवेड, प्रांत खानदेश.

माहे मवाळ.

† स्वारीस मखाराम भगवंत व बाळाजी जनार्दन निघाले.

( मोह सवाल. )

|          |                                            |  |
|----------|--------------------------------------------|--|
| १२       | सदर                                        |  |
| १३       | मौजे बोरकुंड, परगणे धुळे                   |  |
| १४ व १५  | प्रांत खानदेश.                             |  |
|          | कसबे जुळे, परगणे मजकूर                     |  |
| १६       | प्रांत खानदेश.                             |  |
|          | मौजे डाकरी, परगणे मोनगीर,                  |  |
|          | प्रांत खानदेश                              |  |
| १७ व १८  | कसबे थालेनर, परगणे मजकूर.                  |  |
| १९       | सिंगव, परगणे थालेनर.                       |  |
| २० ते २३ | मौजे तारबेडे, परगणे सु-<br>लतानपूर.        |  |
| २४       | मौजे खरदे, परगणे थालेनर                    |  |
|          | प्रांत खानदेश.                             |  |
| २५       | मौजे दगाडी, परगणे चोपंड.                   |  |
| २६       | मौजे नगणे, परगणे आडावद                     |  |
|          | प्रांत खानदेश.                             |  |
| २७ व २८  | मौ. दाबुरडी, परगणे आडावद.                  |  |
| २९       | कसबे यावल, परगणे मजकूर.                    |  |
| ३०       | मौजे पिपहड, परगणे सावदे.                   |  |
| १ व २    | मौजे पिपहड परगणे सावदे.                    |  |
| ३ ते ५   | मौजे भोकरी, परगणे रावेर,<br>प्रांत खानदेश. |  |

माहे जिल्हाद.

|          |                                                   |  |
|----------|---------------------------------------------------|--|
| ६ ते १०  | काळाचौतरा नजीक बऱ्हाणपूर.                         |  |
| ११ ते १७ | मौजे सारोळे, परगणे जेमाबाद.                       |  |
| १८       | मौजे अंतोरली, परगणे येद-<br>लाबाद.                |  |
| १९       | मौ. हाव्याले, परगणे येदलाबाद                      |  |
| २०       | मौजे साकेगांव, परगणे येद-<br>लाबाद.               |  |
| २२       | मौजे हणमंतखड, परगणे उन्नाण.                       |  |
| २३       | मौजे हिंणोण, परगणे बाहाल.                         |  |
| २४       | मौजे करजगांव, परगणे देहरे.                        |  |
| २५       | मौजे कासाठी, परगणे पाटादे.                        |  |
| २६       | मौजे रोंडेगांव, परगणे वैजापूर                     |  |
| २७ व २८  | मौजे मातुलठाण, परगणे व-<br>जापूर, गोदा दक्षिणतीर. |  |
| २९       | कसब राहुगी, परगणे मजकूर.                          |  |
| १        | मौजे जांवगांव, परगणे पारनेर                       |  |
| २        | मौजे गणेगांव, तर्फे कडे.                          |  |
| ३        | मौजे वडकी प्रांत पुणे.                            |  |
| ४ ते ३०  | माची किल्ले पुरंदर.                               |  |

माहे जिल्हेज.

§ आज राजा सखाराम भगवंत व बाळाजी जनार्दन याम निरोगाचा वल्ले नबाब निजामअब्दुलखान याणी छ. १७ जिल्हाद राजा दिलो तो जमा आहेत.

\* नानाफडणास व सखाराम भगवंत स्यारीस गेल होते, ते मार्वास दाखल झाले

| माहे मोहरम, सफर,<br>रविलावल.                                                                                                      | माची किल्ले पुरंदर.                                                                         | समान सैन मया व<br>अलफ<br>१७७७-७८<br>माहे रविलाखर<br>साल अखेर.                        | १७ ते ३०<br>माची किल्ले पुरंदर.<br>माची किल्ले पुरंदर.                                                                                                          |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| माहे गविलाखर.                                                                                                                     | १ ते ५<br>माची किल्ले पुरंदर.                                                               | तिसासैन मया व<br>अलफ<br>१७७८-७९<br>माहे जमादिलावल.<br>माहे जमादिलावल-ते-<br>जिल्हेज. | १ ते १०<br>माची किल्ले पुरंदर.<br>माची किल्ले पुरंदर.                                                                                                           |
| सित सैन मया व अलफ<br>१७७५-७६<br>माहे रविलाखर.<br>माहे जमादिलावल, जमा-<br>दिलाखर, रजब, साबान,<br>रमजान, सवाल, जिल्काद,<br>जिल्हेज. | ६ ते ३०<br>माची किल्ले पुरंदर.<br>माची किल्ले पुरंदर.                                       | माहे सफर.<br>माहे रविलावल.                                                           | १ ते १०<br>पट्टे किल्ले पुरंदर.<br>सासवड.<br>सासवड.<br>मौजे आंबी, परगणे सपे.<br>मौजे वळती, प्रांत पुणे.<br>मौजे शेऊर, प्रांत पुणे.<br>मौजे पर्वती, प्रांत पुणे. |
| माहे मोहरम.                                                                                                                       | १ ते ५<br>मौजे कोढीत तर्फ कोरपटार.<br>६ ते ३०<br>माची किल्ले पुरंदर.<br>माची किल्ले पुरंदर. | माहे सफर.<br>माहे रविलावल.                                                           | १ ते १०<br>पट्टे किल्ले पुरंदर.<br>सासवड.<br>सासवड.<br>मौजे आंबी, परगणे सपे.<br>मौजे वळती, प्रांत पुणे.<br>मौजे शेऊर, प्रांत पुणे.<br>मौजे पर्वती, प्रांत पुणे. |
| माहे सफर, रविलावल.<br>माहे रविलाखर.                                                                                               | १ ते ५<br>मौजे कोढीत तर्फ कोरपटार.<br>६ ते ३०<br>माची किल्ले पुरंदर.<br>माची किल्ले पुरंदर. | माहे सफर.<br>माहे रविलावल.                                                           | १ ते १०<br>पट्टे किल्ले पुरंदर.<br>सासवड.<br>सासवड.<br>मौजे आंबी, परगणे सपे.<br>मौजे वळती, प्रांत पुणे.<br>मौजे शेऊर, प्रांत पुणे.<br>मौजे पर्वती, प्रांत पुणे. |
| सबासैन मया व<br>अलफ<br>१७७६-७७<br>माहे रविलाखर.                                                                                   | १६ ते २९<br>माची किल्ले पुरंदर.                                                             | माहे रविलाखर.                                                                        | १ ते ९<br>मुक्काम पर्वती, प्रांत पुणे.<br>१० ते ३०<br>पुणे.                                                                                                     |
| साल अखेर.                                                                                                                         | माची किल्ले पुरंदर.                                                                         | माहे जमादिलावल.                                                                      | १ ते १८<br>मुक्काम दाखल नाही.                                                                                                                                   |

|                                                                                                                                                     |                                                                      |                                                        |                                                                                                |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------|
| समानीन मया व<br>अलफ<br>१ ७७९-८०<br>माहे जमादिलाखर ते<br>माहे जमादिलाखर ते<br>जमादिलाखर.<br>माहे सवाल.<br>१ ते २१<br>२२ ते २९<br>१ ते २१<br>२२ ते २९ | पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे. | ८ ते १८<br>१९ ते २४<br>२५<br>२६ ते २८<br>२९            | मौजे मढ, तर्फ बोरेडी.<br>मौजे सिरसे तर्फ बोरेडी.<br>मौजे मढ.<br>मौजे जांबले.<br>मौजे शेलाखाडी. |
| इसने समानीन मया<br>व अलफ<br>१ ७८१-८२<br>माहे जमादिलाखर<br>माहे रजव<br>माहे सावान ते माहे<br>जमादिलाखर<br>माह जमादिलाखर                              | पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.                            | १ ते ३०<br>१ ते २९<br>१ ते २९<br>१ ते २९<br>१ ते २९    | मौजे मढ, तर्फ बोरेडी.<br>मौजे सिरसे तर्फ बोरेडी.<br>मौजे मढ.<br>मौजे जांबले.<br>मौजे शेलाखाडी. |
| इहिदे समानीन मया व<br>अलफ<br>१ ७८०-८१<br>माहे रावलाखर.                                                                                              | पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.                            | १ ते १०<br>११ ते २९<br>३०<br>१ ते १०<br>११ ते २९<br>३० | मौजे मढ, तर्फ बोरेडी.<br>मौजे सिरसे तर्फ बोरेडी.<br>मौजे मढ.<br>मौजे जांबले.<br>मौजे शेलाखाडी. |
| माहे रावलाखर                                                                                                                                        | पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.                            | १ ते १०<br>११ ते २९<br>३०<br>१ ते १०<br>११ ते २९<br>३० | मौजे मढ, तर्फ बोरेडी.<br>मौजे सिरसे तर्फ बोरेडी.<br>मौजे मढ.<br>मौजे जांबले.<br>मौजे शेलाखाडी. |
| माहे जमादिलाखर                                                                                                                                      | पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.<br>पुणे.                            | १ ते १०<br>११ ते २९<br>३०<br>१ ते १०<br>११ ते २९<br>३० | मौजे मढ, तर्फ बोरेडी.<br>मौजे सिरसे तर्फ बोरेडी.<br>मौजे मढ.<br>मौजे जांबले.<br>मौजे शेलाखाडी. |

अर्वा समानीन मया

व अलफ

१ ७८३-८४

माहे रजव

माहे सायन ते जमा-

दिलाखर

माहे रजव

खमस समानीन मया

व अलफ

१ ७८४-८५

माहे रजव.

माहे रायन ते जिन्कान

माहे जिन्हेज

१ ते ३० पुणे.

पुणे.

१ ते १४ पुणे.

१५ ते ३० मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

१ ते ९ मुक्काम पुणे.

१० मुक्काम पुणे.

११ ते १० मुक्काम पुणे.

१२ ते १० मुक्काम पुणे.

१३ ते १० मुक्काम पुणे.

१४ मुक्काम पुणे.

१५ ते १० मुक्काम पुणे.

१६ ते १० मुक्काम पुणे.

† तारीख २ रोजी पेशव्यांची स्वारी गंगापुर्वास त्राण्यास मुहूर्तकरून रात्री सता-

विसावे घटकेस वाड्यावून निघाली; सवय घटकास्थाननाग तंगरे खर्च ४६१.

३ रावसाहेब रोज गुदस्त लासा स्वारी मुहूर्तकरून डेच्यास दाखल जाली.

माहे मोहरम

माहे सफर, रविलाखर

व जमादिलेखल

माहे जमादिलाखर

माहे रजव

२१ मौजे कुंभफळ, परगणे, आकोले

२२ कसेचे सिन्नर, परगणे मजकूर.

२३ ते २९ क्षेत्र पंचवटी, परगणे नाशिक.

१ ते १३ क्षेत्र पंचवटी, परगणे नाशिक.

१४ मौजे जागेली, परगणे नाशिक.

१५ मौजे फदीपूर, तर्फ देपूर.

१६ मौजे निलवाडी, तर्फ हवेली

परगणे संगमनेर.

१७ मौजे मांडवे, परगणे पारनेर.

१८ मौजे टाकळी, परगणे पारनेर.

१९ मौजे देवीभोईरे, तर्फ निघोज

प्रांत जुन्नर.

२० मौजे वरुडे, तर्फ पावळ, प्रांत

जुन्नर.

२१ मौजे वडुबुर्द, तर्फ सांडस,

प्रांत पुणे.

कसेचे पुणे.

मुक्काम पुणे.

२२ ते २९

मुक्काम दाखल नाही.

१ ते २५ मुक्काम दाखल नाही.



सीत समानीन मया व

अलफ

१ ७८५-८६

माहे रजव

माहे रजबान ते जमादिलाखर

माहे रजव

माहे साबान

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम दाखल नाही.

सीता समानीन मया व

अलफ

१ ७८६-८७

माहे साबान

माहे रजबान ते माहे रजव

माहे रजविलखर

माहे रजविलखर

माहे जमादिलाखर

माहे जमादिलाखर

माहे जमादिलाखर

माहे जमादिलाखर

माहे जमादिलाखर

माहे जमादिलाखर

माहे जमादिलाखर

माहे जमादिलाखर

माहे जमादिलाखर

माहे जमादिलाखर

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम दाखल नाही.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम दाखल नाही.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम दाखल नाही.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम दाखल नाही.

समान समानीन मया

व अलफ

१ ७८७-८८

माहे साबान

माहे रजबान ते माहे रजव

माहे साबान

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

सीता समानीन मया व

अलफ

१ ७८८-८९

माहे साबान

माहे रजबान ते माहे साबान

माहे रजबान

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

सीतैन मया व अलफ

१ ७८९-९०

माहे रजबान

माहे साबान ते माहे साबान

माहे रजबान

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

इहिदे तिसैन मया व

अलफ

१ ७९०-९१

माहे रजबान

मुक्काम पुणे.

| माहे सवाल ते माहे रमजान<br>माहे सवाल | १        | मुकाम पुणे.<br>मुकाम पुणे.                 |
|--------------------------------------|----------|--------------------------------------------|
| इसने तियेन मया व<br>अलफ              |          |                                            |
| १७९१-९२                              |          |                                            |
| माहे सवाल                            | २ ते २२  | मुकाम पुणे.                                |
| माहे जिलकाद व जिलेज                  |          | मुकाम पुणे.                                |
| माहे मोहरम                           | १ ते १८  | मुकाम पुणे.                                |
|                                      | २ ते २९  | मुकाम दानवडी, प्रांत पुणे.                 |
|                                      | १ ते ३   | मुकाम वानवाडी, प्रांत पुणे.                |
|                                      | ४        | मौजे लोणी, प्रांत पुणे.                    |
|                                      | ५        | मौजे जेजुरी, तर्फ करेपठार,<br>प्रांत पुणे. |
|                                      | ६ ते ७   | मौजे पिंपर बुद्रुल, परगणे<br>सिराळे.       |
|                                      | ८        | मौजे जेऊर, तर्फ वंदन, प्रांत<br>वाई.       |
|                                      | ९        | मौजे पाडे, समत हवेली, प्रांत<br>वाई.       |
|                                      | १० ते १४ | कसेवे वाई.                                 |
|                                      | १५       | मौ. महाबळेश्वर, प्रांत जावली.              |
|                                      | १६ ते २९ | मुकाम वाई.                                 |

| माहे रविलावल                       | १ ते १४  | मुकाम वाई.                            |
|------------------------------------|----------|---------------------------------------|
|                                    | १५       | मौजे पळसी, समत वाघोली,<br>प्रांत वाई. |
|                                    | १६       | मौजे निवेद तर्फ निरथडी.               |
|                                    | १७       | कसेवे सुपे, परगणे मजकूर.              |
|                                    | १८       | मौजे आंबळे, प्रांत पुणे.              |
|                                    | १९ ते २९ | कसेवे पुणे.<br>मुकाम पुणे.            |
| माहे रविलावर ते रमजान<br>माहे सवाल | १ ते १२  | मुकाम पुणे.                           |
| सलास तसुन मया व<br>अलफ             |          |                                       |
| १७९२-९३                            |          |                                       |
| माहे सवाल                          | १३ ते २९ | मुकाम पुणे.                           |
| माहे जिलकाद ते रमजान<br>माहे सवाल  | १ ते २३  | मुकाम पुणे.                           |
| अर्वा तिसैन मया व<br>अलफ           |          |                                       |
| १७९३-९४                            |          |                                       |
| माहे सवाल                          | २४ ते २९ | मुकाम पुणे.                           |
| माहे जिलकाद ते माहे<br>सवाल        |          | मुकाम पुणे.                           |
| माहे जिलकाद                        | १ ते ५   | मुकाम पुणे.                           |

स्वप्नस तिसैन मया व

अलफ

१ ७९४-९५

माहे जिलकाद

माहे तिल्लेज ते रविलाखर

जमादिलाखर.

जमादिलाखर.

६ ते २९ मुक्काम पुणे.

१ ते १९ मुक्काम पुणे.

२० ते २९ मुक्काम पुणे.

१ ते १३ गारपीर. तसवे पुणे.

१४ ते २३ मौजे खराडी, प्रांत पुणे.

२४ ते २९ मौजे कोरगांव, तर्फ पावळ,

प्रांत जुन्नर.

२७ ते ३० मौजे मीरसह्याण. तर्फ पावळ,

प्रांत जुन्नर.

१ मौजे आळगांव, परगण कडे

राजगांव.

२ ते ६ मौजे काष्टीतडली, परगणे कडे

राजगांव.

७ ते १५ मौजे वेलवडी, परगणे कडे.

१६ मौजे आडळगांव, परगणे कडे

१७ मौ. खाडवी, परगणे मिरजगांव

१८ ते २९ मौजे हिंगणगाव, परगणे कडे.

१ ते २० मौजे हिंगणगांव, परगणे कडे.

मावान.

रमजान.

नवाल.

जिलकाद

सित तिसैन मया व

अलफ

१ ७९५-९६

जिलकाद.

जिल्लेज.

माहरम.

सफर

रविलाखर

रविलाखर.

१७ ते ३० मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

मुक्काम पुणे.

२१ ते ३० मौजे धानोरे, परगणे कडेवलीत.

१ ते १० मौजे धानोरे, परगणे कडेवलीत.

११ ते १५ मौजे जवले, परगणे कडेवलीत.

१६ ते २० मौ. शेळगांव, परगणे कडेवलीत.

२९ मौजे कर्जे, परगणे कडेवलीत.

१ मौजे कर्जे, परगणे कडेवलीत.

२ ते ३ मौ. सोगांव, परगणे कडेवलीत.

४ ते ६ मौजे मिरापूर, प्रांत पुणे.

७ मौजे कानगांव प्रांत पुणे.

८ मौजे खामगाव, प्रांत पुणे.

२ ते ११ मौजे लोणी. प्रांत पुणे.

१२ ते २९ कसवे पुणे.

१ ते १६ मुक्काम पुणे.

प्राप्त विमणाजी माधव यांची कारकीर्द सुरू.

७९४ १३ रोजी माधवराव नारयण उर्फ दीकन खरेजीनी मृत जाले. ७९५

## ERRATA.

---

| Number | Page | Line | Incorrect               | Correct                                                                     |
|--------|------|------|-------------------------|-----------------------------------------------------------------------------|
| 881    | 83   | 4    | Ápajis                  | Apaji's                                                                     |
| 891    | 88   | 10   | in                      | on                                                                          |
| 897    | 92   | 6    | Chádak                  | Chándak                                                                     |
| 900    | 93   | 8    | Ápájis                  | Ápaji's                                                                     |
| 911    | 102  | 2    | Apájis                  | Apaji's                                                                     |
| 913    | 103  | 2    | Ápajis                  | Apaji's                                                                     |
| 918    | 108  | 5    | adultry                 | adultery                                                                    |
| 951    | 129  | 8    | successful              | successful                                                                  |
| "      | "    | "    | details                 | debts                                                                       |
| 999    | 158  | 12   | only; it                | only. It                                                                    |
| 1005   | 166  | 4    | term                    | tenure                                                                      |
| 1030   | 188  | 3    | 1015                    | 1013                                                                        |
|        | 188  |      | 690...each              | 690,<br>2 offered to<br>four deities at<br>8 annas each.                    |
| 1032   | 194  | 10   | villaged                | village                                                                     |
| 1034   | 195  | 3    | details                 | debts                                                                       |
| 1042   | 205  | 7    | amount, Govern-<br>ment | amount was to<br>be levied for<br>Government<br>from the holder<br>as nazar |
| 1045   | 208  | 5    | Áftâgir bearer          | Áftâgir & bearer                                                            |
| 1047   | 209  | 11   | other person            | other                                                                       |
| 1088   | 245  | 3    | owing to                | during                                                                      |
| 1089   | 245  | 1    | labour'                 | labour.                                                                     |
| 1129   | 277  | 4    | honor                   | honour                                                                      |
| 1156   | 349  | 1    | Diary                   | Diary                                                                       |

## शुद्धिपत्र.

| पृष्ठ | ओळ | अशुद्ध.    | शुद्ध      |
|-------|----|------------|------------|
| ४     | १० | रकदर्जी    | रदकर्जी    |
| २     | १७ | बाजीराऊ    | बाजीराव    |
| ३     | ९  | फडनीस      | फडणीस      |
| ५     | १८ | मृत्यु     | मृत्यु     |
| ७     | २  | दरकसंबंधें | दरकसंबंधें |
| २२    | २९ | बल्लाल     | बल्लाल     |
| ४१    | २  | गागू       | गानू       |
| ५७    | १० | नासिककर    | नाशिककर    |
| ५९    | १४ | बाजीराऊ    | बाजीराव    |
| ६१    | ४  | जोसी       | जोशी       |
| ६२    | १२ | आमचेव      | आमचे       |
| ६३    | १० | वृत्ति     | वृत्ति     |
| ६५    | २७ | किली       | किल्ली     |
| ८२    | ९  | रामगिरिधर  | रामगिरिधर  |
| ८९    | २० | नीलकंठ     | नीळकंठ     |
| ९७    | २३ | हेळवांकला  | हेळवांक    |
| ९७    | २८ | हेळवांक    | हेळवाक     |
| १०९   | १३ | कीर्दीपेका | कीर्दीपेकी |
| १३४   | ५  | एकशेएक     | एकशेएक     |
| १४५   | १  | दुसर       | दुसरे      |
| १६६   | १४ | संबंधें    | संबंधें    |
| १६९   | २  | मोज        | मोजे       |
| १७५   | २३ | सितेनांव   | सितेनांत   |
| १९३   | १२ | बालोजी     | बालोजी     |
| १९९   | १८ | यथुराभट    | मथुराभट    |
| २०२   | १९ | म्हणून     | म्हणोन     |
| २०७   | ११ | देहेबि     | देहेबी     |
| २०९   | ८  | मजकर       | मजकूर      |
| २९०   | ८  | निसब       | निमबत      |
| ३२१   | ११ | कमळजा बाई  | कमळजाबाई   |
| ३५०   | ५  | देण.       | देणें.     |
| "     | २१ | ज          | जे.        |
| ३५५   | ६  | रणें       | रहाणें     |
| ३५८   | १० | मजकर       | मजकूर      |

## सवाई माधवराव पेशवे यांचे रोजनिशातील अपरिचित शब्दांचा कोश.

| पृष्ठ सं. | आंळ. | कठिण शब्द.          | कठिण शब्दांचे अर्थ.                   |
|-----------|------|---------------------|---------------------------------------|
| २८८       | १३   | अजपत्रें.           | शेरेपत्र :                            |
| २२१       | ६    | अजुरा.              | मजुरी.                                |
| ५७        | ५    | अडशेरी.             | अडीच शेरी. अर्धा पायली.               |
| २३५       | १४   | अदगज.               | अर्धागज.                              |
| ७९        | १४   | अन्वयें.            | प्रमाणें.                             |
| ७०        | २०   | अफलाद.              | कन्यासंतति.                           |
| २२४       | ११   | अमदरफती.            | ये, जा.                               |
| २५७       | १९   | अमीन.               | हुद्दाविशेष. अधिकारी-न्यायाचे वर्गें. |
| १६५       | १    | आकस.                | द्वय.                                 |
| २१९.      | २३   | आजुरदार.            | मजुरदार.                              |
| ५२        | ८    | आदा.                | दिलेले, देण्यांत आलेले.               |
| २८        | ९    | आफतागिरी.           | अवदागीर.                              |
| २२४       | ११   | आफती.               | दुष्काल.                              |
| १८४       | २६   | आक्षेप.             | गागणें, तक्रार, आशंका.                |
| १६३       | २५   | इजमाहाल. (इजमायली?) | चावू, तातपुरत्या, कामचलाऊ.            |
| २१७       | २१   | इजाफा.              | पगाराची वडवती, वाढ.                   |
| ७६        | २२   | इतबारी.             | विश्वासू.                             |
| ६         | ९    | इतत्यानें.          | सल्ल्यानें.                           |
| ४         | ४    | इस्तकबील.           | ब्यापारूत                             |
| २३९       | १८   | इस्तंबोल.           | नांव ( कान्स्टांटीनोपल ).             |
| १८        | १    | इस्ताव्याचे.        | दरसालचे चढाचे.                        |
| १६९       | १०   | उच्छेद.             | नाश, उपटून टाकणें.                    |
| १७९.      | १५   | उजूर ( करणें ).     | वाट पाहात बसणें; हरकत करणें.          |
| २९९       | २६   | उष्ट्रखाना.         | उंट बांधण्याची जागा ( उंटखाना ).      |
| १६४       | २२   | उफाल ( ल ).         | जास्तीवाकी, जास्त शिल्लक.             |
| १८९       | १    | उलफा.               | बिन भिजविलेले धान्य.                  |
| १२३       | ६    | एकजदी.              | एके ठिकाणीं असलेले, एकत्र.            |
| १५४       | १४   | एक्तीयार.           | जबाबदारी, अखत्यार.                    |

| पृष्ठ सं. | ओळ. | कठिण शब्द.         | कठिण शब्दांचे अर्थ.                     |
|-----------|-----|--------------------|-----------------------------------------|
| ११३       | २०  | ऐन तैनांत.         | मुख्य तैनात.                            |
| १०१       | २६  | कतबा.              | जबाबदारीचा कागद.                        |
| १०७       | ९   | कमच्या.            | वेताच्या छड्या.                         |
| ४         | ८   | कमावीस.            | वसूली, सारा वसूली.                      |
| २४२       | १४  | कमोद.              | तांदुळाची जात.                          |
| २४६       | १९  | कर्यात.            | पोट महाल.                               |
| ६२        | १७  | करीने ( करिणा ).   | लेखी म्हणणे.                            |
| २४८       | १३  | कस.                | इसम.                                    |
| १५२       | ११  | कारखानीस.          | कारभारी, हिशेबनवीस, कोठीवाला.           |
| १८        | १०  | कारसाई.            | तगाई.                                   |
| २२६       | १४  | काराणी.            | कामगार, खलासी.                          |
| २२०       | १   | कार्साद.           | टपाल घेऊन जाणारा गडी.                   |
| १५९       | ४   | काळीची.            | शेतांतील जमीन.                          |
| १६०       | ६   | कुफराणा.           | आगळीक.                                  |
| ६९        | २६  | कोल.               | अभयपत्र.                                |
| २१२       | ३०  | खाजण.              | समुद्रकिनाऱ्यावरील लागवडीची जमीन, खार.  |
| २४३       | १   | खारेभात.           | खाऱ्या जमीनीत तयार झालेले.              |
| ६         | १२  | खासवरदार.          | खासगीच नोकर.                            |
| २४६       | १३  | खिलार.             | गाई, म्हशी वगैरे.                       |
| ६०        | १३  | खिसा.              | राखून ठेवलेला भाग.                      |
| २२६       | ७   | गुटवा.             | जहाजावरील जकात.                         |
| २०५       | ८   | खुमाचे.            | समुदायाचे, जमावाचे, गटाचे.              |
| ५८        | १८  | खोजेदायम.          | विशेषनाम.                               |
| ३         | १०  | खोतीस.             | मक्त्यास.                               |
| २०३       | १३  | गरत.               | गृहस्थीण, घरातील बायका.                 |
| १४७       | १४  | गुजारतीने.         | मार्फतीने, हस्ते.                       |
| ५         | १०  | गैरवाका.           | निष्कालजीपणाने.                         |
| ८२        | २   | घरबंद.             | पडीक घराची जागा.                        |
| ५         | १७  | घालघसर.            | टाळाटाळी, लांबवालांबवी.                 |
| १६९       | १३  | घासदाणा.           | कर.                                     |
| २७९       | १३  | चाकरमान्या ( ने ). | चाकरीचे.                                |
| १८४       | २५  | चाटी.              | शिंपी.                                  |
| २२५       | १०  | चारण.              | धान्य नेणारे आणणारे व्यापारी, तांडेवाल. |

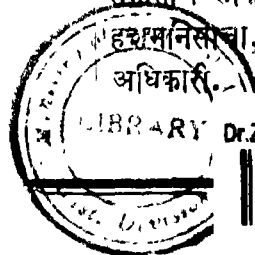
| पृष्ठ सं. | ओळ. | कठिण शब्द.               | कठिण शब्दांचे अर्थ.                          |
|-----------|-----|--------------------------|----------------------------------------------|
| २१०       | १५  | चिगर.                    | किरकोळ.                                      |
| १४        | ८   | जकीच्या ( स ).           | सामान.                                       |
| १७२       | २   | जथे.                     | जासूदांची टोळी.                              |
| १६६       | १७  | जरावाजरा.                | किरकोळ सामानसुमान.                           |
| १४        | ७   | जदीद.                    | नवीन.                                        |
| २३३       | २७  | जाबता.                   | पत्रक.                                       |
| २२०       | १   | जावसाल.                  | बोलणें चालणें.                               |
| १२        | १६  | झाडीयानसी.               | झाड्यानिशी.                                  |
| २१४       | ४   | ठिकीं.                   | ठिकाणें, जमिनीचे तुकडे.                      |
| २२६       | ११  | डंगी.                    | होडी, बोट फताडी, ढाण.                        |
| २८०       | १०  | डेगोमेगो ( डेंगोमेंगो ). | महारांचे गुरु.                               |
| १८५       | २२  | तकिया.                   | वसण्याची जागा, फर्काराची उभी राहण्याची जागा. |
| २६        | ७   | तपें.                    | तर्फें.                                      |
| १२३       | २०  | तालीक.                   | नकल.                                         |
| १६१       | ६   | तेजकरी.                  | सावकार वगैरे.                                |
| १९३       | २४  | तैवज.                    | पानमुपाशी.                                   |
| १४०       | ११  | तोतया.                   | मादृश्यावरून दुसऱ्याचें नांव मांगणारा.       |
| २२४       | १३  | थळभरीत.                  | माळ भरण्याचे ठिकाणाचा कर.                    |
| २२४       | १२  | थळमोड.                   | माल विकण्याचे ठिकाणाचा कर.                   |
| ६७        | २२  | दखलगिरी                  | मध्यें पडणें.                                |
| ३         | १९  | दरकदार.                  | सरकारनें नमलेला मनुष्य.                      |
| ७         | २०  | दरसदे.                   | दरशेंकडा.                                    |
| २४        | १६  | दस्तक.                   | परवाना.                                      |
| ६२        | २   | दायाद.                   | नातेवाईक, वारस.                              |
| १०        | ५   | दाम्तान.                 | कोटार.                                       |
| १०७       | ९   | द्राहिदुराई.             | आरडाओरडा.                                    |
| १४        | ९   | दिगर.                    | अधिक, जास्त, इनाम सगजाम वगैरे.               |
| ११        | २३  | दिमत.                    | निसर्गत, तर्फेचा.                            |
| ६२        | २१  | दिव्य.                   | खरे, दाखविणारें अद्भुत.                      |
| २२६       | १६  | दिवसगत.                  | जास्तदिवस.                                   |
| २         | १२  | दिवाणदस्तुरी.            | सरकारी कर.                                   |
| १८६       | ६   | दुवा.                    | आशीर्वाद.                                    |



| पृष्ठ सं. | ओळ. | कठिण शब्द.                             | कठिण शब्दांचे अर्थ.                                                              |
|-----------|-----|----------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------|
| ७०        | २५  | देहाय.                                 | गांवगन्ना.                                                                       |
| ६२        | ७   | दौहित्र.                               | मुलीचा मुलगा.                                                                    |
| १६४       | ५   | नाकारे.                                | वाईट, गहाळ.                                                                      |
| ७४        | २   | नामजाद.                                | कीर्तिमान, एक पदवी, मान्यतेने.                                                   |
| २५९       | १   | निका.                                  | लग्न दुसरे, पाट.                                                                 |
| २४२       | १३  | निरख.                                  | भाव.                                                                             |
| २६६       | १७  | नीचाभिगतयोषित्संस-<br>र्गप्रायश्चित्त. | हलक्या जातीच्या माणसासी सहवास असणा-<br>ऱ्या बाईच्या संसर्ग दोषाचें प्रायश्चित्त. |
| २७२       | ७   | नीलांबर.                               | निळें वस्त्र नेसणारे.                                                            |
| १३३       | ११  | पथक.                                   | सरदारांच्या हाताखालील फोंजेचा भाग.                                               |
| ११२       | ५   | पडथळे.                                 | अंगांतील देव अगर भुतें.                                                          |
| २३६       | १०  | पटणी.                                  | पाटण येथील.                                                                      |
| १२८       | १५  | परनिष्ठ.                               | सत्यवादी, केव्हांही खोटे न बोलणारे.                                              |
| ६५        | २   | परिचारक.                               | नौकर, हुजऱ्या.                                                                   |
| ६७        | ६   | पांढरीने.                              | समस्त खेडे गांवांतील मंडळीने.                                                    |
| २०९       | १४  | पीलखाना.                               | हत्ती बांधण्याची जागा ( हत्तीखाना ).                                             |
| ६२        | १८  | पुरजास.                                | अर्ज.                                                                            |
| ७०        | १५  | पुस्त दर पुस्त.                        | पिढीनपिढी.                                                                       |
| २         | ११  | पेशकसी.                                | इनामावरील कर, नजरगणा.                                                            |
| ५४        | १४  | पोता.                                  | पिशवी, खजिना.                                                                    |
| २६६       | १७  | प्रत्याम्नाय.                          | वैदिक.                                                                           |
| ६४        | २६  | प्रथकोकोर.                             | पृथक् पृथक्.                                                                     |
| २७७       | २   | प्राकार.                               | हद्दीची भित.                                                                     |
| २६६       | १७  | प्राजापत्य.                            | गोप्रदान, प्रायश्चित्ताचें गोप्रदान.                                             |
| ९         | २५  | फडफर्म.                                | ऐनजिनसी नजर.                                                                     |
| ४         | ५   | फरोक्त.                                | विक्री, विकलेला.                                                                 |
| १५५       | ३   | फुटखोत.                                | फुटकळ खोत, थोड्याभागाचे जमीन सान्याचे<br>मक्तेदार.                               |
| १२८       | ८   | फेरिस्त.                               | याद.                                                                             |
| २३३       | २१  | वटछपाई.                                | शिक्षा मारण्याबद्दल वार्षिक कर.                                                  |
| ९४        | ११  | वदफैली.                                | गैरवर्तन.                                                                        |
| २२५       | ३   | वमय.                                   | साहित.                                                                           |
| ११३       | ११  | वमोजीब.                                | प्रमाणें, बरहुकूम.                                                               |

| पृष्ठ सं. | ओळ. | काठिण शब्द.   | काठिण शब्दांचे अर्थ.               |
|-----------|-----|---------------|------------------------------------|
| १९२       | २७  | बारदार.       | हुजऱ्या.                           |
| १७७       | २२  | बालपर्वेशी.   | मुलांचें पोषण.                     |
| १४४       | १२  | बेकार.        | बिनरोजगारी, बिनधंद्याचे लोक.       |
| १६४       | २०  | बेहडे.        | अंदाज पत्रकें.                     |
| ३         | ८   | मखलासी.       | पसंतीचा शेरा.                      |
| २१२       | ३०  | मच्छीमार.     | मासे मारणारे, कोळी.                |
| ६         | ५   | मजमू.         | वसुलीचें काम.                      |
| २४६       | १९  | मजरें.        | लहान खेडें.                        |
| २२०       | १०  | मचवा.         | लहान जहाज.                         |
| १२३       | ७   | मनसुफी.       | न्याय.                             |
| १५        | ५   | मरामत.        | दुरुस्ती.                          |
| १२०       | ८   | मलई.          | गर्दी.                             |
| ६९        | २७  | महचर.         | सनदलेख.                            |
| १६        | २   | महागिरी.      | गलबत.                              |
| २५        | १३  | माली.         | वसूल संबंधी.                       |
| २४२       | १०  | माहासरखेल.    | राजे रजवाड्यांचा किताब.            |
| १९०       | ३   | मिनहु.        | चालू सदरहू.                        |
| २४८       | १६  | मुशाहिरा.     | पगार, रोजमुग.                      |
| २६१       | ५   | मेटा.         | टोंक.                              |
| २         | ३   | मोकासा.       | लष्करी नोकरीबद्दल वसूलोपेकी वांटा. |
| ३         | १   | मोईन.         | कायम नेमणूक.                       |
| २०५       | ११  | मोईतसबी.      | मुकरर वस्ती करणारे ( ? )           |
| १०        | ७   | मोर्तब.       | राजशिका.                           |
| ५९        | ७   | यजीतपत्र.     | अजिंक्य पत्र, शरण पत्र.            |
| ३         | ६   | रजातलबेत.     | हुकुमांत.                          |
| ७३        | १०  | रयते.         | रयत.                               |
| ६७        | १७  | रयान.         | रयत.                               |
| २८        | ३   | रवामुदगी.     | रोखे पत्राचे रजिस्टर.              |
| ४         | ७   | रसद.          | रसीद, भरणा.                        |
| १         | १०  | रसानगी.       | रवानगी.                            |
| २३४       | २१  | राजीरजावदीने. | राजीखुशीने.                        |
| १२४       | १४  | रुईनें.       | रिवाजानें, सीध्या रस्त्यानें.      |
| ७०        | ५   | रुसूम.        | दरमाल मिळणारा नक्त नेमणूक.         |

| पृष्ठ सं. | ओळ. | कठिण शब्द.      | कठिण शब्दांचे अर्थ.                                                                      |
|-----------|-----|-----------------|------------------------------------------------------------------------------------------|
| ६०        |     | रुबरू.          | समक्ष.                                                                                   |
| १८५       | १६  | लवणशाक्रेस.     | लोणच्याकरितां.                                                                           |
| ८१        | ११  | लाजा.           | संबंध.                                                                                   |
| ६४        | १२  | लिख्या.         | हिशेबाच्या, नोंदीच्या.                                                                   |
| २४२       | १९  | वजारत महासरखेल. | एक किताब.                                                                                |
| १५८       | ५   | वरात.           | हुंडी.                                                                                   |
| ६४        | ९   | वस्तवानी.       | चीजवस्त                                                                                  |
| २४७       | २   | वळवटा.          | वहिवाट, पद्धत, क्रम.                                                                     |
| ६९        | २०  | शाहिदीनामा.     | साक्षिदारांचालेख-जबान्या.                                                                |
| २७१       | ८   | पडदर्शन.        | योग, सांख्य, पूर्व व उत्तर मीमांसा, न्याय<br>वैशेषिक हीं सहा दर्शनें, सामान्यतः सहा शारे |
| २७०       | १६  | षडब्द.          | सहा दिवसाचें प्रायश्चित्त.                                                               |
| ६४        | २६  | सड्या.          | एकट्या, नुसत्या.                                                                         |
| १६०       | ११  | सतेल.           | एक प्रकारचें भांडें.                                                                     |
| २०५       | ८   | सदारत.          | ऐपतदार ?                                                                                 |
| ६५        | २०  | समापत्र.        | संमतिपत्र.                                                                               |
| १५५       | ३   | सरखोत.          | मुख्य खोत.                                                                               |
| २५        | २०  | सरदेसगत.        | मुख्य देशमुखी.                                                                           |
| २५        | १२  | सरमुभा.         | मुख्य तालुकदार.                                                                          |
| १७        | २१  | सरहवाला.        | मुख्य हवालेदार.                                                                          |
| ८२        | ७   | हटकरी.          | वाजारकरी.                                                                                |
| २६५       | १८  | हरकी.           | नजराणा, हरल्याबद्दल दंड, बक्षिसी.                                                        |
| १७०       | ६   | हरद्र.          | आशय.                                                                                     |
| ५७        | १५  | हरद्.           | दोन्ही.                                                                                  |
| १०        | १९  | हशम.            | तेजातीचे लोक.                                                                            |
| १२        | ५   | हशमनिसी.        | हशमनिसाचा, हशमनीस-हर्जरीपट ठेवण<br>अधिकारी.                                              |



Dr. ZAKIR HUSAIN LIBRARY



95443

